बी.कॉम. द्वितीय वर्ष

लेखांकन समूह, प्रथम प्रश्नपत्र

निगमीय लेखांकन

मध्यप्रदेश भोज (मुक्त) विश्वविद्यालय – भोपाल

MADHYA PRADESH BHOJ (OPEN) UNIVERSITY-BHOPAL

Reviewer Committee

1. Dr. (Prof.) Ajay Agrawal
   Professor,
   Govt. Hamidia Arts & Commerce College,
   Bhopal.
2. Dr. (Prof.) Anil Shivani
   Professor,
   Govt. Hamidia Arts & Commerce College,
   Bhopal.
3. Dr. J.K. Parmar
   Professor,
   Govt. Hamidia Arts & Commerce College,
   Bhopal.

Advisory Committee

1. Dr. Jayant Sonwalkar
   Hon'ble Vice Chancellor,
   Madhya Pradesh Bhoj (Open) University,
   Bhopal.
2. Dr. L.S. Solanki
   Registrar,
   Madhya Pradesh Bhoj (Open) University,
   Bhopal.
3. Dr. B.M.S. Bhadoriya
   Professor & Head,
   Govt. MLB PG Autonomous College,
   Bhopal.
4. Dr. (Prof.) Ajay Agrawal
   Professor,
   Govt. Hamidia Arts & Commerce College,
   Bhopal.
5. Dr. (Prof.) J.K. Parmar
   Professor,
   Govt. Hamidia Arts & Commerce College,
   Bhopal.
6. Dr. (Prof.) Anil Shivani
   Professor,
   Govt. Hamidia Arts & Commerce College,
   Bhopal.

COURSE WRITER

Dr. Sharda Gangwar, Professor of Commerce, Institute for Excellence in Higher Education, Bhopal.

Copyright © Reserved, Madhya Pradesh Bhoj (Open) University, Bhopal.

All rights reserved. No part of this publication which is material protected by this copyright notice may be reproduced or transmitted or utilized or stored in any form or by any means now known or hereinafter invented, electronic, digital or mechanical, including photocopying, scanning, recording or by any information storage or retrieval system, without prior written permission from the Registrar, Madhya Pradesh Bhoj (Open) University, Bhopal.

Information contained in this book has been published by VIKAS® Publishing House Pvt. Ltd. (Developed by Himalaya Publishing House Pvt. Ltd.) and has been obtained by its Authors from sources believed to be reliable and are correct to the best of their knowledge. However, the Madhya Pradesh Bhoj (Open) University, Bhopal, Publisher and its Authors shall in no event be liable for any errors, omissions or damages arising out of use of this information and specifically disclaim any implied warranties or merchantability or fitness for any particular use.

Published by Registrar, MP Bhoj (Open) University, Bhopal in 2020

VIKAS®

Vikas® is the registered trademark of Vikas® Publishing House Pvt. Ltd.

VIKAS® PUBLISHING HOUSE PVT. LTD.
E-28, Sector-8, Noida - 201301 (UP)
Phone: 0120-4078900 • Fax: 0120-4078999
Regd. Office: A-27, 2nd Floor, Mohan Co-operative Industrial Estate, New Delhi 1100 44
• Website: www.vikaspublishing.com • Email: helpline@vikaspublishing.com

SYLLABI-BOOK MAPPING TABLE

निगमीय लेखांकन

Syllabi	Mapping in Book
इकाई–1 कम्पनियों के अन्तिम लेखे (प्रबन्धकीय पारिश्रमिक की गणना सहित) लाभांश की घोषणा। लाभ-हानि नियोजन खाता एवं लाभों का निपटारा। समामेलन के पूर्व एवं पश्चात् के लाभ-हानि की गणना।	**इकाई 1** : कम्पनियों के अन्तिम लेखे (प्रबन्धकीय पारिश्रमिक की गणना सहित) **(पृष्ठ 3–86)**
इकाई–2 ख्याति और अंशो का मूल्यांकन, मूल्यांकन की विधियाँ। सार्वजनिक उपयोगिता कम्पनियों के खाते (विद्युत कम्पनी)।	**इकाई 2** : ख्याति और अंशों का मूल्यांकन एवं सार्वजनिक उपयोगिता कम्पनियाँ के खाते **(पृष्ठ 87–254)**
इकाई–3 सूत्रधारी एवं सहायक कम्पनी का अर्थ। सुत्रधारी कम्पनी का समेकित चिट्ठा तैयार करना (एक सहायक कम्पनी के साथ), कम्पनियों के परिसमापन के लिए लेखांकन।	**इकाई 3** : सूत्रधारी एवं सहायक कम्पनी **(पृष्ठ 255–346)**
इकाई–4 लेखा मानक 14 के अनुसार कम्पनियों सम्मिश्रण के लिए लेखांकन। आन्तरिक पुनःनिर्माण, (अर्न्तकम्पनी सूत्रधारी एवं बाह्य पुनःनिर्माण को छोडकर)	**इकाई 4** : लेखा मानक 14 के अनुसार सम्मिश्रण के लिए लेखांकन एवं आन्तरिक पुनर्निर्माण **(पृष्ठ 347–454)**
इकाई–5 बैंकिंग कम्पनियों के खाते बीमा कम्पनियों के लेखे – दावा समझौते के साथ।	**इकाई 5** : बैंकिंग कम्पनियों के खाते तथा कम्पनियों के लेखे **(पृष्ठ 455–520)**

विषय–सूची

परिचय **1**

इकाई 1 कम्पनियों के अन्तिम लेखे (प्रबन्धकीय पारिश्रमिक की गणना सहित) **3–86**

1.0 परिचय
1.1 उद्देश्य
1.2 कम्पनियों के अन्तिम लेखे (प्रबन्धकीय पारिश्रमिक की गणना सहित)
1.2.1 कम्पनी के वार्षिक खाते
1.2.2 प्रबन्धकीय पारिश्रमिक के लिए लाभ की गणना
1.2.3 प्रबन्धक का पारिश्रमिक
1.2.4 निदेशकों का पारिश्रमिक
1.2.5 स्थिति विवरण
1.2.6 चिट्ठे के सम्पत्ति पक्ष में दिखायी जाने वाली मदें
1.3 लाभांश की घोषणा
1.4 लाभ-हानि नियोजन खाता एवं लाभों का निपटारा
1.5 समामेलन के पूर्व एवं पश्चात के लाभ-हानि की गणनाऐं
1.6 अंश पूँजी व्यवहार का लेखांकन
1.6.1 अंशों के प्रकार
1.6.2 पूर्वाधिकार अंश
1.6.3 साधारण अंश
1.6.4 अंश पूँजी के प्रकार
1.6.5 अंशों का निर्गमन
1.6.6 अंशों के निर्गमन की विधियाँ
1.6.7 अंशों का हरण
1.6.8 पूर्वाधिकार अंशों का शोधन
1.6.9 शोधन हेतु प्रावधानों का उद्देश्य
1.6.10 नये अंशों के निर्गमन से आशय
1.6.11 अंशधारियों का विभाज्य लाभ
1.6.12 पूँजी शोधन संचय खाता
1.6.13 अंशतः पूर्वाधिकार अंशों के भुगतान सम्बन्ध प्रावधान
1.6.14 पूर्वाधिकार अंशों का प्रीमियम पर शोधनी
1.7 बोनस अंश
1.8 अधिकार अंश
1.9 कर्मचारी स्टॉक वाई बैंक
1.10 अंशों के अन्तर्गत विकल्प
1.11 अपनी प्रगति जाँचिए प्रश्नों के उत्तर
1.12 सारांश
1.13 मुख्य शब्दावली
1.14 स्व-मूल्यांकन प्रश्न एवं अभ्यास
1.15 सहायक पाठ्य सामग्री

इकाईः 2 ख्याति और अंशों का मूल्यांकन एवं सार्वजनिक उपयोगिता कम्पनियाँ के खाते 87–254

2.0 परिचय
2.1 उद्देश्य
2.2 ख्याति का मूल्यांकन
2.2.1 ख्याति की विचारधारा
2.2.2 ख्याति निर्माण के कारण
2.2.3 ख्याति की परिभाषा
2.2.4 ख्याति के विशेष तत्व
2.2.5 ख्याति के मूल्य को प्रभावित करने वाले तत्व
2.2.6 ख्याति के मूल्यांकन की आवश्यकता
2.2.7 ख्याति के मूल्यांकन की विधियाँ
2.3 अंशों का मूल्यांकन
2.3.1 अंशों के मूल्यों को प्रभावित करने वाले तत्व
2.3.2 अंशों के मूल्यांकन की आवश्यकता
2.3.3 अंश मूल्यांकन की विधियाँ
2.3.4 पूर्वाधिकार अंशों का मूल्यांकन
2.3.5 आय के आधार पर मूल्यांकन
2.3.6 वास्तविक आय की दर के आधार पर मूल्यांकन
2.3.7 वास्तविक आय दर
2.3.8 लाभ की सामान्य दर
2.3.9 अंश का चुकता मूल्य
2.4 सार्वजनिक उपयोगिता कम्पनियों के खाते (विद्युत कम्पनी)
2.4.1 दोहरा खाता प्रणाली की परिभाषाऐं
2.4.2 दोहरा लेखा प्रणाली की विशेषताऐं
2.4.3 दोहरा प्रविष्टि प्रणाली एवं दोहरा खाता प्रणाली में अन्तर
2.4.4 दोहरा खाता प्रणाली का प्रारूप
2.4.5 दोहरा खाता प्रणाली के उद्देश्य
2.4.6 दोहरा लेखा प्रणाली के दोष
2.4.7 दोहरा खाता प्रणाली की लेखांकन विधि
2.4.8 पूँजी खाता व सामान्य चिट्ठे में अन्तर
2.4.9 सार्वजनिक कम्पनियों के खातों से सम्बन्धित प्रारूप
2.4.10 दोहरा लेखा प्रणाली के लाभ
2.4.11 दोहरा लेखा प्रणाली की हानियाँ
2.4.12 बिजली पूर्ति कम्पनियों के खाते
2.5 अपनी प्रगति जाँचिए प्रश्नों के उत्तर
2.6 सारांश
2.7 मुख्य शब्दावली
2.8 स्व-मूल्यांकन प्रश्न एवं अभ्यास
2.9 सहायक पाठ्य सामग्री

इकाईः 3 सूत्रधारी एवं सहायक कम्पनी 255—346

3.0 परिचय
3.1 उद्देश्य
3.2 सूत्रधारी एवं सहायक कम्पनी का अर्थ
3.2.1 परिभाषा
3.2.2 सहायक कम्पनी पर अंशतः एवं पूर्णतः अधिकार
3.2.3 लेखांकन से सम्बन्धित सूत्रधारी कम्पनी के वैधानिक प्रावधान
3.2.4 सूत्रधारी कम्पनी को लाभ
3.2.5 सूत्रधारी कम्पनी को हानि
3.2.6 मिश्रित वित्तीय विवरण—लेखांकन प्रमाप—21
3.2.7 मिश्रित वित्तीय विवरणों की प्रस्तुति
3.3 सूत्रधारी कम्पनी का समेकित चिट्ठा तैयार करना
3.3.1 समेकित सिद्धान्त
3.3.2 पूर्वाधिकार लाभांश
3.3.3 कम्पनियों के आपसी लेन-देन
3.3.4 सूत्रधारी कम्पनी की एक से अधिक सहायक कम्पनी होना
3.3.5 सूत्रधारी कम्पनी द्वारा अंशों का पुनः क्रय या धीरे-धीरे क्रय
3.3.6 सूत्रधारी कम्पनी द्वारा क्रय किये गये अंशों का विक्रय
3.3.7 सहायक कम्पनी द्वारा सूत्रधारी कम्पनी के अंशों का क्रय
3.3.8 मिश्रित लाभ-हानि खाता
3.4 कम्पनियों के परिसमापन के लिए लेखांकन
3.4.1 कम्पनी के समापन की विधियाँ
3.4.2 पूर्वाधिकार के आधार पर देय राशि का भुगतान
3.4.3 समापक के खाते का अन्तिम विवरण
3.4.4 'ब' तालिका के योगदायी का दायित्व
3.4.5 ऋण-पत्रधारियों के लिए प्राप्तकर्ता
3.4.6 कम्पनी का स्थिति विवरण
3.4.7 स्थिति विवरण बनाने की विधि
3.4.8 कमी/आधिक्य खाता
3.4.9 समापक का रोकड़ खाता
3.5 अपनी प्रगति जाँचिए प्रश्नों के उत्तर
3.6 सारांश
3.7 मुख्य शब्दावली
3.8 स्व-मूल्यांकन प्रश्न एवं अभ्यास
3.9 सहायक पाठ्य सामग्री

इकाईः 4 लेखा मानक 14 के अनुसार सम्मिश्रण के लिए लेखांकन एवं आन्तरिक पुनर्निर्माण 347—454

4.0 परिचय
4.1 उद्देश्य
4.2 लेखा मानक 14 के अनुसार सम्मिश्रण के लिए लेखांकन
4.2.1 कम्पनियों का मिश्रण
4.2.2 लेखांकन प्रक्रिया

4.2.3 अंशों के भाग के सम्बन्ध में लेखा
4.2.4 कम्पनियों के आपसी सौदे
4.2.5 कम्पनियों के पास आपसी अंशों का होना
4.2.6 दो कम्पनियों का संविलयन क्यों होता है?
4.3 आन्तरिक पुनर्निर्माण
4.3.1 अंश पूँजी में परिवर्तन
4.3.2 अंश पूँजी में कमी
4.3.3 पूँजी की कमी का कम्पनी की पुस्तकों में लेखांकन
4.3.4 पूँजी पुनर्निर्माण की राशि का प्रयोग
4.3.5 ब्याज एवं लाभांश की दर में समायोजन
4.3.6 कटौती की राशि की गणना
4.3.7 अंशों का किसी अन्य प्रतिभूति में परिवर्तन
4.4 अपनी प्रगति जाँचिए प्रश्नों के उत्तर
4.5 सारांश
4.6 मुख्य शब्दावली
4.7 स्व-मूल्यांकन प्रश्न एवं अभ्यास
4.8 सहायक पाठ्य सामग्री

इकाई 5 बैंकिंग कम्पनियों के खाते तथा कम्पनियों के लेखे **455–520**

5.0 परिचय
5.1 उद्देश्य
5.2 बैंकिंग कम्पनियों के खाते – परिभाषा
5.2.1 बैंको के कार्य एवं सेवाएं
5.2.2 पुरजी पद्धति
5.2.3 पुरजी पद्धति के लाभ
5.2.4 पुरजी पद्धति की हानियाँ
5.2.5 लाभ-हानि खाता तथा चिट्ठे का प्रारूप
5.3 बैंकिंग कम्पनियों के खाते – आशय
5.3.1 बीमा अनुबन्ध के प्रकार
5.3.2 बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण अधिनियम 1999 के प्रावधान
5.3.3 बीमा कम्पनियों के वित्तीय विवरण
5.3.4 सामान्य बीमा व्यवसाय के वित्तीय विवरण
5.3.5 अनुसूचियों में दर्शित मदों का आशय एवं गणना
5.3.6 असमाप्त जोखिम के लिए संचय
5.4 अपनी प्रगति जाँचिए प्रश्नों के उत्तर
5.5 सारांश
5.6 मुख्य शब्दावली
5.7 स्व-मूल्यांकन प्रश्न एवं अभ्यास
5.8 सहायक पाठ्य सामग्री

परिचय

टिप्पणी

निगमीय लेखांकन विभिन्न कम्पनियों के लेखांकन करने को विधि पर आधारित है। कम्पनियों की पूँजी अंशों में विभाजित होती है एवं अशों का निर्गमिन कम्पनी पब्लिक के लिए करती है। कम्पनी केवल निजी ही नही होती अपितु सरकारी या शासन के अधीन कार्य करने वाली होती है। अतः इस लेखांकन समूह के अन्तर्गत, निगमीय लेखांकन पुस्तक में निम्न कम्पनीयों के लेखों का समावेश किया गया है—

1. सार्वजनिक उपयोगिता कम्पनियों के खाते
2. सूत्रधारी एवं सहायक कम्पनियों के खाते
3. बैंकिंग कम्पनियों के खाते एवं
4. बीमा कम्पनियों के खाते

विभिन्न प्रकार की कम्पनियों के खाते बनाते समय इन कम्पनियों के अन्तिम खाते किस प्रकार बनाते है को पुस्तक में उचित स्थान पर समझाया गया है। इतना ही नही कम्पनियों में अंशों के मूल्यों का आकलन कैसे किया जाता है उसे भी ख्याति मूल्यांकन के साथ समझाया गया है। कम्पनी अधिनियम 2013 को ध्यान में रखते हुए पुस्तक का निर्माण किया गया है। यह पुस्तक सभी प्रकार की कम्पनियों के अन्तिम खातों के बारें में अध्ययन योग्य है।

इस पुस्तक का निर्माण विशेषतः भोज विश्वविद्यालय के छात्रों हेतु किया गया है। इस पुस्तक में पाठ्यक्रम को पाँच इकाईयाँ में विभाजित किया गया है एवं कुल 9 अध्याय है। पुस्तक की प्रत्येक इकाई का प्रारम्भ परिचय, उद्देश्य तथा अर्थ एवं परिभाषाओं से किया गया है। पुस्तक की प्रत्येक इकाई के अन्त में अपनी प्रगति जाँचिए अर्थात वस्तुनिष्ठ प्रश्न, सारांश, मुख्य शब्दावली, स्व-मूल्यांकन प्रश्न एवं अभ्यास तथा सहायक पाठ्य सामग्री से किया गया है। पुस्तक भोज विश्वविद्यालय के छात्रों के स्वंय अध्ययन करने हेतु अति उपयोगी है।

डॉ. शारदा गंगवार

टिप्पणी

इकाई 1 कम्पनियों के अन्तिम लेखे (प्रबन्धकीय पारिश्रमिक की गणना सहित) (Calculation of Managerial Remuneration)

संरचना (Structure)

1.0 परिचय
1.1 उद्देश्य
1.2 कम्पनियों के अन्तिम लेखे (प्रबन्धकीय पारिश्रमिक की गणना सहित)
  1.2.1 कम्पनी के वार्षिक खाते
  1.2.2 प्रबन्धकीय पारिश्रमिक के लिए लाभ की गणना
  1.2.3 प्रबन्धक का पारिश्रमिक
  1.2.4 निदेशकों का पारिश्रमिक
  1.2.5 स्थिति विवरण
  1.2.6 चिट्ठे के सम्पत्ति पक्ष में दिखायी जाने वाली मदें
1.3 लाभांश की घोषणा
1.4 लाभ-हानि नियोजन खाता एवं लाभों का निपटारा
1.5 समामेलन के पूर्व एवं पश्चात के लाभ-हानि की गणनाऐं
1.6 अंश पूँजी व्यवहार का लेखांकन
  1.6.1 अंशों के प्रकार
  1.6.2 पूर्वाधिकार अंश
  1.6.3 साधारण अंश
  1.6.4 अंश पूँजी के प्रकार
  1.6.5 अंशों का निर्गमन
  1.6.6 अंशों के निर्गमन की विधियाँ
  1.6.7 अंशों का हरण
  1.6.8 पूर्वाधिकार अंशों का शोधन
  1.6.9 शोधन हेतु प्रावधानों का उद्देश्य
  1.6.10 नये अंशों के निर्गमन से आशय
  1.6.11 अंशधारियों का विभाज्य लाभ
  1.6.12 पूँजी शोधन संचय खाता
  1.6.13 अंशतः पूर्वाधिकार अंशों के भुगतान सम्बन्ध प्रावधान
  1.6.14 पूर्वाधिकार अंशों का प्रीमियम पर शोधनी
1.7 बोनस अंश
1.8 अधिकार अंश
1.9 कर्मचारी स्टॉक वाई बैंक
1.10 अंशों के अन्तर्गत विकल्प
1.11 अपनी प्रगति जाँचिए प्रश्नों के उत्तर
1.12 सारांश
1.13 मुख्य शब्दावली
1.14 स्व-मूल्यांकन प्रश्न एवं अभ्यास
1.15 सहायक पाठ्य सामग्री

1.0 परिचय (Introduction)

कम्पनी का आशय (Meaning of Company)

टिप्पणी

अधिनियम के अन्तर्गत गठित एक कम्पनी व्यक्तियों की ऐच्छिक संस्था होती है, जो व्यापारिक लाभ के लिए स्थापित की जाती है। कम्पनी की पूँजी संयुक्त होती है तथा हस्तांतरणीय अंशों में विभाजित होती है। इसका एक वैधानिक अस्तित्व होता है। कम्पनी का समामेलन किसी अधिनियम के अन्तर्गत होता है। वैधानिक दृष्टि से कम्पनी अपने सदस्यों से पृथक् अस्तित्व रखती है और यह अस्तित्व स्थायी होता है। इस प्रकार कम्पनी एक कृत्रिम व्यक्ति होती है, जिसके कार्य एक सार्वमुद्रा (Common seal) के माध्यम से सम्पादित होते हैं।

कम्पनी की परिभाषा (Definition of Company)

हैने के शब्दों में, ''कम्पनी लाभ हेतु निर्मित एक ऐच्छिक संस्था है जिसकी पूँजी हस्तांतरणीय अंशों में विभाजित होती है तथा जिसमें स्वामित्व के लिए सदस्यता अनिवार्य है।''

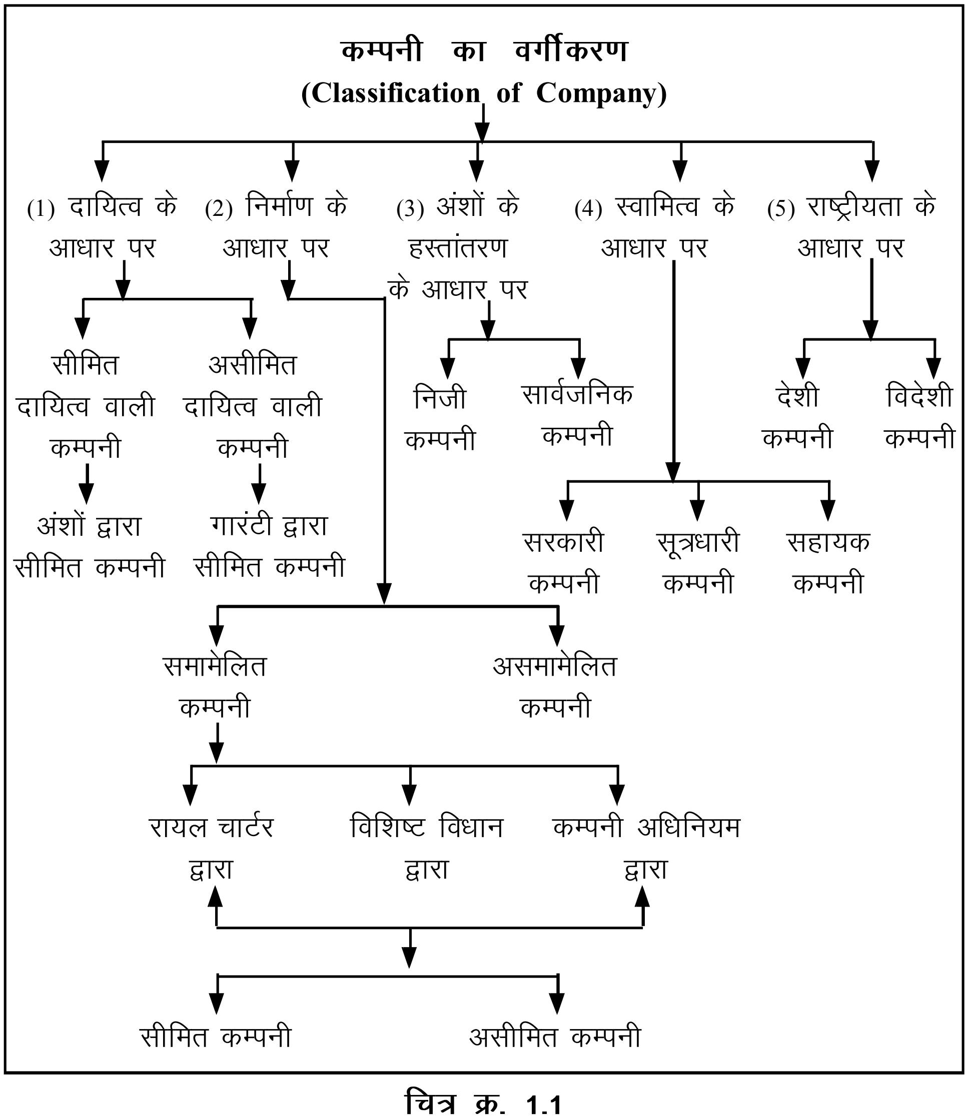

चित्र क्र. 1.1

न्यायाधीश जेम्स के शब्दों में, ''कम्पनी का आशय किसी सामान्य उद्देश्य के लिए निर्मित बहुत से व्यक्तियों का एक संघ है।''

न्यायाधीश लिब्डले के शब्दों में, ''कम्पनी का आशय बहुत से व्यक्तियों का एक संघ है, जिसमें कि वे एक संयुक्त पूँजी में द्रव्य अथवा कोई अन्य सम्पत्ति देते हैं और किसी सामान्य उद्देश्य के लिए उसका प्रयोग करते हैं। इस प्रकार एकत्रित की गयी पूँजी द्रव्य में सम्बोधित की जाती है और यही कम्पनी की पूँजी होती है। वे व्यक्ति जो उसका अंशदान करते हैं, कम्पनी के सदस्य अथवा अंशधारी होते हैं। पूँजी का वह आनुपातिक भाग जिसका प्रत्येक सदस्य अधिकारी है, उसका अंश कहलाता है।''

वैधानिक दृष्टिकोण (Scientific Approach)

भारतीय कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 3 द्वारा दी गयी परिभाषा–

(i) कम्पनी का आशय ऐसी कम्पनी से होता है, जो कि वर्तमान कम्पनी अधिनियम 1956 के अधीन निर्मित एवं पंजीकृत हो या किसी विद्यमान कम्पनी से होता है।

(ii) विद्यमान कम्पनी से आशय एक ऐसी कम्पनी से होता है, जिसका निर्माण एवं पंजीकरण पूर्व किसी कम्पनी अधिनियम की व्यवस्था के अधीन हुआ हो।

1. सीमित दायित्व वाली कम्पनियाँ (Companies of Limited Liability)

(अ) अंशों द्वारा सीमित कम्पनी (Company Limited by Shares)– ऐसी कम्पनी के प्रत्येक अंशधारी का दायित्व उसके द्वारा दिये गये अंशों पर दी गयी राशि के बराबर होता है।

(ब) गारण्टी द्वारा सीमित कम्पनी (Company Limited by Guarantee)– गारण्टी द्वारा सीमित कम्पनी में कम्पनी के सदस्य कम्पनी को इस बात की गारण्टी देते हैं कि यदि कम्पनी का उनकी सदस्यता काल में अथवा सदस्यता की समाप्ति के एक वर्ष के भीतर समापन हो जाये तो वे कम्पनी को एक निश्चित धनराशि का भुगतान कर देंगे।

2. असीमित दायित्व वाली कम्पनियाँ (Companies of Unlimited Liabilities)

ऐसी कम्पनियाँ जिनके सदस्यों का दायित्व साझेदारी फर्म की तरह असीमित हो, असीमित दायित्व वाली कम्पनियाँ कहलाती हैं।

सीमित अथवा असीमित दायित्व वाली कम्पनियों को उनके निर्माण एवं सदस्यों की संख्या के आधार पर निम्न दो भागों में विभक्त किया जा सकता है–

(i) निजी कम्पनी (Private Company)

(ii) पब्लिक या लोक कम्पनी (Public Company)

(i) निजी कम्पनी (Private Company)– भारतीय कम्पनी अधिनियम की धारा 3(i)(iii) के अनुसार– प्राइवेट निजी कम्पनी से आशय एक ऐसी कम्पनी से है, जो अपने अन्तर्नियमों द्वारा–

(1) अपने अंशों के (यदि कोई हो तो) हस्तांतरण पर प्रतिबन्ध लगाती है।

(2) अपने सदस्यों की संख्या 50 तक सीमित रखती है।

(3) अपने अंशों और ऋणपत्रों के क्रय के लिए जनता को आमंत्रित नहीं करती।

50 सदस्यों की संख्या में संयुक्त अंशधारी को एक सदस्य माना जाता है तथा कम्पनी के वर्तमान तथा पुराने कर्मचारी व अंशधारियों को सम्मिलित नहीं किया जाता।

(ii) लोक कम्पनी (Public Company)– कम्पनी अधिनियम की धारा 3(i)(iv) के अनुसार– ''लोक कम्पनी से आशय ऐसी कम्पनी से है जो प्राइवेट (निजी) कम्पनी नहीं है।''

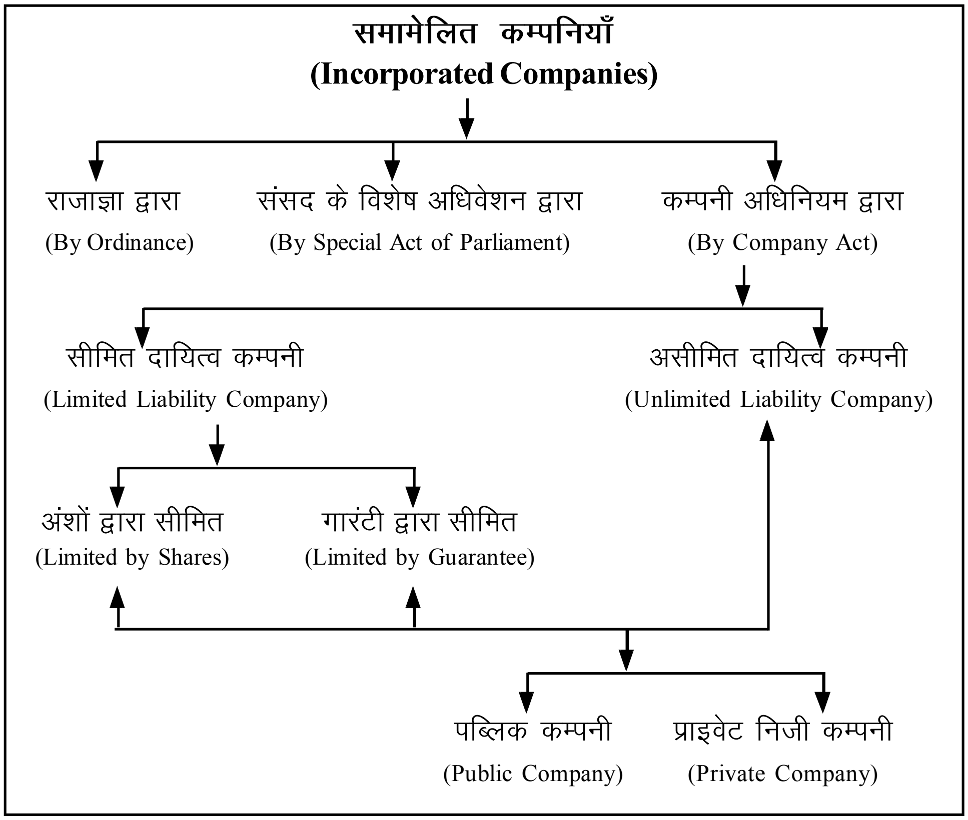

चित्र क्र. 1.2

कम्पनी का निर्माण (Formation of a Company)

कम्पनी का निर्माण करने व इसे वैधानिक स्वरूप प्रदान करने का कार्य प्रवर्तक (Promoter) करते हैं। कम्पनी अधिनियम के अन्तर्गत कम्पनी का पंजीयन (Registration) कराने के लिए प्रवर्तक कम्पनी रजिस्ट्रार के कार्यालय में कम्पनी से सबन्धित निम्नलिखित प्रलेख प्रस्तुत करती है–

1. पार्शद सीमा नियम (Memorandum of Association)
2. पार्शद अन्तर्नियम (Articles of Association)
3. संचालकों की सूची (List of Directors)
4. संचालकों की लिखित सहमति तथा योग्यता अंश लेने की उनकी लिखित स्वीकृति
5. प्रबन्ध अभिकर्ता, सचिव व कोषाध्यक्ष के साथ किया हुआ अनुबन्ध।
6. वैधानिक घोषणा कि समामेलन के पूर्व की सभी वैधानिक कार्यवाही पूरी की जा चुकी है।

इस प्रकार उपरोक्त प्रलेखों के आधार पर रजिस्ट्रार कम्पनी को पंजीकृत कर लेता है और समामेलन का प्रमाण पत्र निर्गमित कर देता है। एक निजी कम्पनी इसके पश्चात

अपना कार्य प्रारम्भ कर सकती है, किन्तु एक पब्लिक कम्पनी को इसके बाद कम्पनी के अंशों और ऋणपत्रों (Debenture) को खरीदने के लिए जनता को आमंत्रित करना होता है, इसके लिए कम्पनी प्रविवरण (Prospectus) निर्गमित करती है। इसके पश्चात् अंशों के आबंटन तथा न्यूनतम अभिदान (Minimum subscription) राशि प्राप्त होने पर कम्पनी के रजिस्ट्रार को इस आशय की सूचना दी जाती है कि व्यापार प्रारम्भ करने की सभी वैधानिक कार्यवाहियाँ पूरी कर ली गई हैं। रजिस्ट्रार तब व्यापार प्रारम्भ करने का प्रमाण पत्र देता है, जिसके पश्चात् ही कम्पनी कार्य प्रारम्भ कर सकती है।

हिसाब की पुस्तकें (Books of Accounts)

कम्पनी के लेखों से सम्बन्धित विधान कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 209 से 223 तक दिये हुए हैं। प्रत्येक कम्पनी को अपने रजिस्टर्ड कार्यालय पर निम्न लेखों के सम्बन्ध में उचित हिसाब की पुस्तकें रखना आवश्यक है–

(i) कम्पनी द्वारा प्राप्य तथा भुगतान किये धन की राशि तथा उनके पूर्ण विवरण के सम्बन्ध में।

(ii) कम्पनी द्वारा समस्त माल के क्रय-विक्रय के सम्बन्ध में।

(iii) कम्पनी की समस्त सम्पत्तियों और दायित्वों के सम्बन्ध में।

(iv) कम्पनी द्वारा माल के उत्पादन व निर्माण की लागत का विवरण।

हिसाब-किताब की उक्त पुस्तकों के अतिरिक्त एक कम्पनी के लिए निम्नलिखित पुस्तकों तथा रजिस्टरों का रखना अनिवार्य है–

(1) ऐसे विनियोगों के रजिस्टर जो स्वयं कम्पनी के नाम न हों।

(2) प्रभारों का रजिस्टर

(3) सदस्यों का रजिस्टर

(4) ऋणपत्र धारियों का रजिस्टर

(5) वार्षिक विवरण

(6) कार्य-जप्त पुस्तक

(7) अनुबन्धों का रजिस्टर

(8) संचालकों व अन्य अधिकारियों के रजिस्टर

(9) संचालकों आदि की अंश सम्पत्ति का रजिस्टर

(10) अन्तर्कम्पनी ऋणों का रजिस्टर

(11) अन्तर्कम्पनी विनियोग का रजिस्टर

निगमीय खाते (Corporate Accounts)

कम्पनियों एवं निगम से सम्बन्धित व्यवहारों को मुख्यतः निम्न भागों में विभाजित किया जा सकता है–

(अ) सामान्य व्यापारिक व्यवहार

(ब) कम्पनी के निर्माण आदि से सम्बन्धित व्यवहार–

  (i) अंशों का निर्गमन तथा उन्हें जप्त करना

  (ii) अधिमान अंशों का शोधन

  (iii) ऋण-पत्रों का निर्गमन तथा शोधन

  (iv) कम्पनी द्वारा चालू व्यापार का क्रय

टिप्पणी

(स) वार्षिक खाते तथा लाभों का समायोजन–
   (i) बोनस अंश
   (ii) समामेलन के पूर्व लाभ-हानि
   (iii) चिट्ठा तथा लाभ-हानि खाता।

(द) एडवांन्स कम्पनी लेखे–
   (i) कम्पनी का पुनर्निर्माण तथा एकीकरण
   (ii) कम्पनी का समापन
   (iii) सूत्रधारी कम्पनियों के खाते

अन्तिम खाते जैसा कि हम जानते हैं, वित्तीय वर्ष के अन्त में तैयार किये जाते हैं। एक व्यापारी एवं साझेदारी फर्म के लिए अन्तिम खाते तैयार करना इतना आवश्यक नहीं होता, जितना कि कम्पनी के लिए, प्रत्येक रजिस्टर्ड कम्पनी के लिए अन्तिम खाते तैयार करना अनिवार्य है। अन्तिम खातों में व्यापार खाता, लाभ-हानि खाता एवं कम्पनी का चिट्ठा सम्मिलित होता है। वैसे तो कम्पनी के अन्तिम खाते भी एकल व्यापारी एवं साझेदारी फर्म के जैसे ही तैयार किये जाते हैं, लेकिन फिर भी कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 209 के अनुसार समस्त प्राप्तियाँ, मुद्रा का भुगतान, विक्रय, क्रय, सम्पत्ति, दायित्व एवं अन्य सामग्रियों का उपयोग कर उचित लेखा किया जाना चाहिए। कम्पनी के अन्तिम खाते से सम्बन्धित नियम कम्पनी अधिनियम की धारा 209 से 233 के मध्य दिये गये हैं।

1.1 उद्देश्य (Objectives)

इस इकाई को पढ़ने के बाद आप–

- निगमों के अन्तिम खाते कैसे बनाये जाते हैं, सीख पाएंगे।
- लाभांश की घोषणा कब और क्यों की जाती है, समझ पाएंगे।
- समामेलन क पूर्व एवं बाद का लाभ कैसे निकाला जाता है, समझ पाएंगे।
- प्रबन्धकीय पारिश्रमिक की गणना कर पाएंगे।

1.2 कम्पनियों के अन्तिम लेखे (प्रबन्धकीय पारिश्रमिक की गणना सहित) (Final Articles of Companies (Including Calculation of Managerial Remuneration))

1.2.1 कम्पनी के वार्षिक खाते (Annual Accounts of Company)

कम्पनी अधिनियम की धारा 209 के अनुसार प्रत्येक कम्पनी को निम्नलिखित तथ्यों के सम्बन्ध में उचित लेखा पुस्तकें रखना अनिवार्य है–

1. कम्पनी द्वारा प्राप्त आय एवं व्यय की गयी समस्त राशि एवं इससे सम्बन्धित विषय।
2. कम्पनी द्वारा माल के सम्बन्ध में किया गया समस्त क्रय एवं विक्रय।
3. कम्पनी के दायित्वों एवं सम्पत्तियों से सम्बन्धित समस्त जानकारी का लेखा।

4. उत्पादन, निर्माण या खान सम्बन्धी क्रियाओं में संलग्न कम्पनियों के सम्बन्ध में, उसके द्वारा उपयोग किये गये पदार्थ, श्रम एवं कीमत सम्बन्धी अन्य बातों का विवरण लेखा पुस्तकों में देना आवश्यक है।

अतः लेखा पुस्तकें भारत में किसी अन्य ऐसे स्थान पर रखी जा सकती हैं, जिसे संचालक मण्डल उचित समझता है।

लाभ-हानि खाता (Profit and Loss Account)

लाभ-हानि खाते से सम्बन्धित जानकारी प्राप्ति एवं भुगतान मदों की सूची शामिल करते हुए भाग-दो, सूची छठे में दी गयी है। किसी भी व्यापार का लाभ-हानि खाता वित्तीय वर्ष के सही लाभ/हानि को दर्शाता है ठीक वैसे ही कम्पनी का लाभ-हानि खाता भी कम्पनी के उचित एवं सही लाभ/हानि को दर्शाना चाहिए। ऐसी कम्पनी जो लाभ अर्जन हेतु नहीं बनायी जाती है का प्राप्ति भुगतान खाता ही लाभ-हानि खाते का स्वरूप ले लेता है।

वह अवधि जिससे लाभ-हानि खाता सम्बन्धित होता है, वित्तीय वर्ष कहलाता है, एवं ऐसे वित्तीय वर्ष की उवधि 15 माह से अधिक नहीं हो सकती है, परन्तु रजिस्ट्रार की विशेष आज्ञा से इस अवधि को 18 माह तक बढ़ाया जा सकता है।

लाभ-हानि खाते से सम्बन्धित मुख्य प्रावधान निम्न प्रकार हैं–

1. कम्पनी के प्रत्येक लाभ-हानि खाते में कम्पनी के आर्थिक/वित्तीय वर्ष की लाभ-हानि का 'सत्य एवं उचित' दर्शन होना चाहिए।
2. कम्पनी के विक्रय का विभिन्न श्रेणियों में जिससे वह प्रभावित होती है का सही विवरण दिया जाना आवश्यक है।
3. अधिनियम की धारा 294 के अन्तर्गत एकल विक्रय अभिकर्ता का अभियोजन भुगतान किया जाता है।
4. एक निर्माणी संस्था के कच्चे माल का क्रय उपभोग को शामिल करते हुए एवं प्रारम्भिक व अन्तिम रहतिया के साथ उत्पाद मात्रा को दर्शाया जाना चाहिए।
5. ऐसी कम्पनी जो सेवाऐं प्रदान करती हैं के सम्बन्ध में सकल आय सेवा प्रदान करने की आय होगी।
6. कम्पनी के ऋणपत्रों या स्थायी ऋण पर ब्याज को अन्य ब्याज के अतिरिक्त दिखाया जाता है।
7. भारतीय आयकर एवं भारतीय करारोपण में अन्तर किया जाना चाहिए।
8. अंश पूँजी का भुगतान एवं ऋणों के भुगतान सम्बन्धी संचय का निर्धारण किया जाता है।
9. स्टोर्स का प्रयोग, इंधन एवं शक्ति, किराया, भवन की मरम्मत, वेतन, मजदूरी, बीमा, दर एवं कर तथा विविध व्ययों को भी कम्पनी के लाभ-हानि खाते में दिखाया जाता है।

उपरोक्त व्ययों के अतिरिक्त कम्पनी की आयों का लेखा भी लाभ-हानि खाते में किया जाता है, वह इस प्रकार है–

1. विनियोग से प्राप्त आय
2. ब्याज के रूप में प्राप्त आय
3. सहायक कम्पनी से प्राप्त लाभांश की राशि
4. हानियों के लिए सहायक कम्पनियों द्वारा किये गये प्रावधान
5. विविध आय आदि।

1.2.2 प्रबन्धकीय पारिश्रमिक के लिए लाभ की गणना (To Calculate Profit for Managerial Remuneration)

टिप्पणी

प्रबन्धकीय पारिश्रमिक यदि लाभ पर आधारित होता है तब कम्पनी अधिनियम की धारा 349 के अनुसार लाभ की गणना की जाती है। इस अधिनियम के अनुसार लाभ-हानि खाते में सकल लाभ के अतिरिक्त सरकार से प्राप्त अधिदान या उपदान की राशि भी लिखी जाती है। परन्तु केन्द्रीय सरकार इसके विपरीत भी आदेश दे सकती है।

निम्नलिखित आयों को लाभ-हानि खाते के जमा पत्र में नहीं लिखा जाना चाहिए–

1. अंशों या ऋणपत्रों को जारी करने पर प्राप्त प्रब्याजि की राशि
2. हरण किये हुए अंशों को पुनःनिर्गमन करने पर लाभ की राशि
3. पूँजीगत आय की राशि
4. कम्पनी की स्थायी सम्पत्तियों को विक्रय करने पर प्राप्त राशि
5. व्यापार या उसके किसी महत्त्वपूर्ण भाग को बेचने से प्राप्त राशि।

लाभ-हानि खाते में निम्नलिखित व्ययों को प्रबन्धकीय पारिश्रमिक ज्ञात करने के लिए आयों में से घटाया जायेगा–

1. सभी प्रकार के व्यय जो व्यवसाय संचालित करने के लिए किये गये हों।
2. कम्पनी के कर्मचारियों को दिया गया बोनस या कमीशन।
3. केन्द्रीय सरकार द्वारा असाधारण या अति लाभ पर आधारित घोषित किया गया कर।
4. केन्द्र सरकार द्वारा अधिसूचना जारी कर व्यापारिक लाभ पर अन्य कर जो विशेष कारण से लगाया गया हो।
5. कम्पनी द्वारा निर्गमित ऋणपत्रों पर ब्याज की राशि।
6. असुरक्षित ऋणों पर ब्याज की राशि।
7. स्थायी या चल सम्पत्ति की मरम्मत पर किया गया व्यय (आयगत)।
8. कम्पनी द्वारा सम्पत्ति गिरवी रखकर लिये गये ऋण पर ब्याज।
9. धारा 293 के अन्तर्गत दान में दी गयी राशि।
10. धारा (अ) 150 के अनुसार ह्रास की राशि।
11. सम्पत्ति को बेचने, नष्ट होने एवं उपयोग से हटा देने पर हानि की राशि।
12. किसी संविदा के तोड़ने पर कानून द्वारा निर्धारित मुआवजे की राशि
13. अप्राप्य ऋण जो अपलिखित किये गये हों।
14. अधिनियम के लागू होने के बाद किसी गत वर्ष के व्यय और आय का अन्तर।
15. संविदा के अन्तर्गत कराये गये बीमे का प्रीमियम।

प्रबन्धकीय पारिश्रमिक हेतु लाभ गणना करने के लिए निम्नलिखित व्यय नहीं घटाये जाने चाहिए–

1. अधिनियम के अन्तर्गत आयकर, अधिकार या लाभ पर किसी प्रकार का कर, परन्तु उपरोक्त दर्शाये गये क्रमांक 3 एवं 4 के अतिरिक्त।

2. ऐसा मुआवजा या भुगतान की राशि जिसे कम्पनी ने अपनी इच्छा से दिया हो, परन्तु कानून द्वारा अनिवार्य न हो।
3. ऐसी हानि की राशि जो पूँजीगत स्वभाव की हो।

1.2.3 प्रबन्धक का पारिश्रमिक (Manager's Remuneration)

कम्पनी प्रबन्धक का पारिश्रमिक कम्पनी मासिक वेतन, लाभ या कमीशन के रूप में कुछ भाग या समस्त भाग दे सकती है। लाभ की राशि की गणना कम्पनी अधिनियम की धारा 349 के अनुसार की जाती है। कम्पनी अधिनियम की धारा 387 के अनुसार प्रबन्धक का कुल पारिश्रमिक लाभ के 5% से अधिक नहीं हो सकता है। धारा 198 के अनुसार प्रबन्धक उच्च अधिकारियों का पारिश्रमिक (संचालक बैठक की फीस को छोड़कर) लाभ के 11% से अधिक नहीं हो सकता है। यदि किसी वर्ष कम्पनी को हानि हुयी हो तो यह राशि केन्द्रीय सरकार की सहमति से 50,000 तक दी जा सकती है।

प्रबन्धकीय पारिश्रमिक में निम्नलिखित व्ययों को सम्मिलित किया जायेगा–

1. उनको दिये गये किराया से मुक्त मकान या इससे सम्बन्धित अन्य शुल्क।
2. प्रबन्ध अधिकारियों को दी गयी सुविधा या लाभ जो मुक्त हो।
3. कम दरों पर दी गयी सुविधा।
4. अधिकारी द्वारा स्वयं भुगतान की जाने वाली राशि का भुगतान कम्पनी द्वारा किया जाना।
5. अधिकारी के स्वयं या उसकी पत्नी या बच्चे के जीवन पर ली गयी जीवन बीमा पॉलिसी का प्रीमियम, जिसका भुगतान कम्पनी द्वारा किया गया हो।
6. ऐसी पॉलिसी पर प्रीमियम, जिससे पेंशन या ग्रेच्युटी या वार्षिकी का प्रबन्ध होता है।

1.2.4 निदेशकों का पारिश्रमिक (Directors's Remuneration)

कम्पनी अधिनियम की धारा 309 में निदेशकों के पारिश्रमिक का उल्लेख किया गया है। निदेशकों का पारिश्रमिक कम्पनी अन्तर्नियम के अनुसार या कम्पनी की साधारण सभा में पास हुए प्रस्ताव के अनुसार होता है, लेकिन पारिश्रमिक की राशि निम्न से अधिक नहीं होनी चाहिए–

1. यदि एक पूर्णकालिक निदेशक है तो पारिश्रमिक की राशि 5% से अधिक नहीं हो सकती।
2. यदि पूर्णकालिक निदेशक एक से अधिक हों तो उनका कुल पारिश्रमिक लाभ के 10% से अधिक नहीं हो सकता है।
3. अंशकालिक निदेशकों को मासिक, त्रैमासिक या वार्षिक वेतन दिया जा सकता है, परन्तु केन्द्रीय सरकार की आज्ञा से, उनको पारिश्रमिक का भुगतान कमीशन के रूप में भी कर सकते हैं। कुल पारिश्रमिक की रकम निम्न से अधिक नहीं हो सकती है–
    1. यदि कम्पनी में पूर्णकालिक निदेशक हो तो कम्पनी के लाभ के 1% से अधिक पारिश्रमिक की राशि नहीं हो सकती।
    2. यदि कम्पनी में पूर्णकालिक निदेशक या प्रबन्ध निदेशक न हो तो यह राशि 3% से अधिक नहीं हो सकती।

3. यदि किसी प्रबन्ध निदेशक या पूर्णकालिक निदेशक को कम्पनी के लाभ पर कमीशन प्राप्त होता हो तो, कम्पनी की सहायक कम्पनियों से वह किसी प्रकार का पारिश्रमिक प्राप्त नहीं कर सकता।

टिप्पणी

ऐसी निजी कम्पनी को छोड़कर जो किसी सार्वजनिक कम्पनी के नियंत्रण में हो, निजी कम्पनी पर उपरोक्त लिखित सीमायें लागू नहीं होती हैं।

Proforma of Manufacturing and Profit & Loss Account
For the year ended on.........

Particulars	Amt. (₹)	Particulars	Amt. (₹)
To Opening stock of work in progress	....	By Closing stock of work in progress	....
To Direct Material	....	By Cost of good produce (Transferred to P/L A/c)	....
To Direct Labour	....		
To Works Overhead	....		
To Depreciation on plant	....		
	....		....
To Opening stock (Finished Goods)	....	By Sale less return	....
To Cast of goods produced	....	By Closing stock (Finished goods)	....
To Overhead expenses	....	By Income from Investment	....
To Director's fees	....		
To Interest on Debenture	....		
To Advertising	....		
To Bank Interest	....		
To Provision for Doubtful debt	....		
To Depreciation on Land & Building	....		
To Auditor's Remuneration	....		
To Remuneration on Managing Directors	....		
To Discount on Debentures	....		
To Preliminary Expenses	....		
To Provision for Income Tax	....		
To Net Profit	....		
	....		....

टिप्पणी

1.2.5 स्थिति विवरण (Balance Sheet)

कम्पनी अधिनियम की धारा 211 के अनुसार कम्पनी के प्रत्येक वर्ष के चिट्ठे में सम्बन्धित वित्तीय वर्ष के अन्त में कम्पनी के दायित्वों एवं सम्पत्तियों की स्थिति का 'सत्य एवं उचित (True & Fair) दर्शन होना चाहिए। स्थिति विवरण का स्वरूप कम्पनी अधिनियम की सूची VI के भाग 1 में दिये हुए स्वरूप के अनुसार या केन्द्रीय सरकार द्वारा प्राप्त स्वीकर्शता के आधार पर होना चाहिए। इस अधिनियम की उक्त व्यवस्थाऐं किसी बीमा अथवा बैंकिंग कम्पनी के लिये लागू नहीं होंगी।

स्थिति विवरण का प्रारूप (Form of Balance Sheet)

Schedule-VI (Part-I)

(Section 211)

Balance sheet of.................(Here write the name of the company) as at.................... (Here write the date as at which the Balance Sheet is made out)

दायित्व (Liabilities)

Figures of the Previous year ₹	Liabilities	Figures for the Current year ₹

Share Capital

Authorised............. share of ₹............. each

Issued (Distinguishing between the various classes of capital & Stating the particulars specified below, in respect of each class).....share of ₹ ...... each.

Subscribed – (Distinguishing between the various classes of capital and stating the particulars specified below, in respect of each class) .... Shares of ₹ .... each ₹ called up.

Less: Calls unpaid

(1) By Directors

(2) By Others

Add: Forfeited shares (amount originally paid-up)

Reserve and Surplus

(1) Capital Reserves

(2) Capital Redemption Reserve

(3) Share Premium Account (Showing details of its provided in section 78 in the year of utilization)

(4) Others Reserves specifying the nature of each reserve and the amount in respect thereof

Less: (Debit balance in Profit & Loss A/c, if any)

(5) Surplus, i.e., balance in Profit & Loss A/c after providing for proposed allocations, namely dividends, bonus or reserves

(6) Proposed additions to reserves

Secured Loans

(1) Debentures

(2) Loans and Advances from Banks

(3) Loans and Advances from Subsidiaries

(4) Other Loans and Advances

Unsecured Loans

(1) Fixed Deposits

(2) Loans and advances from subsidiaries

(3) Short-term Loans and Advances–

  (a) From Banks

  (b) From Others

(4) Other Loans and Advances–

  (a) From Banks

  (b) From Others

Current Liabilities and Provision

(A) Current Liabilities–

  (1) Acceptances

  (2) Sundry creditors

  (3) Subsidiary Companies

  (4) Advances payments and unexpired discount for the portion for which value has still to be given, e.g., in the case of the following companies:

  (5) Unclaimed dividends

  (6) Other liabilities (if any)

  (7) Interest occurred but not due on Loans

(B) Provisions–

  (8) Provisions for Taxation

  (9) Proposed Dividends

  (10) For contingencies

  (11) For Provident Fund Scheme

  (12) For Insurance, Pension and Similar Staff benefit schemes

  (13) Other provisions

A Foot-note to the Balance Sheet may be added to show separately–

(1) Claims against the company not acknowledged as debts.

(2) Uncalled liability on shares partly paid.

(3) Arrears of fixed cumulative dividends (The period for which the dividends are in arrear or if there is more than one class of shares, the dividends on each and the fact that it is shown shall be stated).

(4) Estimated amount of contracts remaining to be executed on capital amount and not provided for.

(5) Other money for which the company is contingently liable.

(The amount or any guarantee given by the company on behalf of directors or their officers of each such contingent liability : if material shall also be specified).

Assets

Figures for the Previous year ₹		Figures for the Current year ₹

Fixed Assets

Distinguishing as far as possible between expenditure upon–

(a) Goodwill

(b) Land

(c) Building

(d) Lease hold

(e) Railway siding

(f) Plant and Machinery

(g) Furnitures and Fittings

(h) Development of property

(i) Patents, Trade markes and Designs

(j) Live stock

(k) Vehicles etc.

Investments

Showing nature of investment and mode of valuation, for example, cost or market value and distinguishing between–

(1) Investments in Government or Trust Securities

(2) Investment in shares, Debentures or Bonds

(3) Immovable properties

(4) Investment in the capital of partnership firms.

Current Assets, Loans and Advances

(A) Current Assets–

(1) Interest accrued on investment

(2) Stores and spare party

(3) Loose tools

(4) Stock-in-trade

(5) Work in progress

(6) Sundry debtors–

(a) Debts outstanding for a period exceeding 6 months.

(b) Others debts

Less: Provisions

(7) (a) Cash balance on hand

(b) Bank balance–

(i) With Scheduled bank

(ii) With Others

Loans and Advances

(8) (a) Advances and Loans to subsidiaries

(b) Advances and Loans to partnership firm in which the company or any of its subsidiaries is a partner.

(9) Bills of exchange

(10) Advances recoverable in cash or kind or for value to be received, e.g., Rates, Taxes, Insurance etc.

(11) Balance with customs, port trust, etc. (where payable on demand)

Miscellaneous Expenditures

(To the extent not written off on adjustment)

(1) Preliminary expenses

(2) Expenses including commission or brokerage or under writing or subscription stating the rate of interest

(3) Discount allowed on the issue of shares or debentures

(4) Interest paid out of capital during construction (also stating the rate of Interest)

(5) Development expenditure not adjusted

(6) Other sums (specifying nature)

कम्पनी के चिट्ठे का एक वैकल्पिक रूप भी है जिसे केन्द्रीय सरकार ने 23 जनवरी, 1979 को एक आदेश जारी करके अनुसूची VI के भाग 1 में परिवर्तन कर जारी किया था।

Name of the Company...............

Balance Sheet as at ....

टिप्पणी

	Schedule No.	Figures as at the end of current financial year	Figures as at the end of previous financial year
I. Sources of Funds			
(1) Share holder's funds			
(a) Capital	....	....	....
(b) Reserve and Surplus	....	....	....
(2) Loan funds			
(a) Secured loans	....	....	....
(b) Unsecured loans	....	....	....
Total	....	....	....
II. Application of Funds			
(1) Fixed assets			
(a) Gross blocks	....	....	....
Less: Depreciation	....	....	....
(b) Net blocks	....	....	....
(c) Capital Work in Progress	....	....	....
(2) Investments	....	....	....
(3) Current Assets, Loans and Advances			
(a) Inventories	....	....	....
(b) Sundry debtors	....	....	....
(c) Cash and Bank Balance	....	....	....
(d) Other current assets	....	....	....
(e) Loans and Advances	....	....	....
Less: Current Liabilities and Provision	....	....	....
(a) Liabilities	....	....	....
(b) Provisions	....	....	....
Net Current assets	....	....	....
(4) (a) Miscellaneous expenditure to the extent not written off for adjusted	....	....	....
(b) Profit and Loss A/c.	....	....	....
Total	....	....	....

टिप्पणी

विशेष ध्यान देने योग्य बातें–

1. रुपयों के साथ पैसे का कॉलम भी बनाया जाना चाहिए।
2. वितरण की तिथि के बाद किसी सहायक कम्पनी द्वारा लाभांश बाँटने की स्थिति लेखे में नहीं लिखना चाहिए।
3. संचालकों की रिपोर्ट में इसका भी उल्लेख किया जाना चाहिए कि संविदाओं से भविष्य में होने वाले लाभ को चिट्ठे में नहीं लिखा जायेगा।
4. भुगतान किये गये ऋणपत्रों को यदि कम्पनी दुबारा जारी करना चाहती है तो इसका अधिकार कम्पनी के पास होना चाहिए एवं उसका ब्यौरा भी देना होगा।
5. यदि किसी कम्पनी के ऋणपत्र कम्पनी की ओर से किसी ट्रस्ट या नामांकित व्यक्ति के पास हो तो ऐसे ऋणपत्रों का अंकित मूल्य और जो मूल्य कम्पनी की बहियों में दिखाया गया है, स्पष्ट करना चाहिए।
6. प्रतिभूतियों से सम्बन्धित एक अलग से विवरण रखा जाना चाहिए। इस विवरण में व्यापारिक प्रतिभूतियाँ व अन्य प्रतिभूतियाँ दिखायी जानी चाहिए एवं उन निकायों के नाम जिनके नाम अंश या ऋणपत्र प्रतिभूतियों के रूप में हैं एवं जो प्रतिभूतियाँ पिछला चिट्ठा बनाने के बाद क्रय की गयी हैं, उनकी जानकारी दी जानी चाहिए। इस विवरण को चिट्ठे के साथ जोड़ा जाना चाहिए।
7. यदि कम्पनी की चालू सम्पत्तियाँ, कम्पनी द्वारा वसूल की गयी राशि से कम हो तो इसे स्पष्ट किया जाना चाहिए।
8. चिट्ठे में दिखायी जाने वाली राशि उचित होनी चाहिए।
9. चालू खाते का शेष चाहे वे नाम शेष हों या जमा शेष, उनको अलग से दिखाया जाना चाहिए।
10. चिट्ठे में दिखाये जाने वाले समस्त विवरण स्पष्ट एवं उचित होना चाहिए, अगर इनको चिट्ठे में दिखाने पर कुछ असुविधा हो तो इनकी अनुसूचियाँ बना लेना चाहिए और चिट्ठे के साथ जोड़ देना चाहिए।
11. चिट्ठे की अवधि तिमाही, छमाही या वार्षिक हो सकती है।

(चिट्ठे का प्रारूप) Form of Balance Sheet

Liabilities	**Amount**	**Assets**	**Amount**
Share Capital	……..	Fixed Assets	……..
Reserve & Surplus	……..	Investment	……..
Secured Loans	……..	Current Assets	……..
Unsecured Loans	……..	Loans & Advances	……..
Current Liabilities &	……..	Expenditures	……..
Provision		P/L A/c (if any)	

चिट्ठे के दायित्व पक्ष में दिखायी जाने वाली मदें–

1. **अंश पूँजी (Share Capital)**– अंश पूँजी शीर्षक के अन्तर्गत अधिकृत पूँजी, प्राधिकृत पूँजी, याचित पूँजी एवं प्राप्त पूँजी दिखाई जाती है, यदि कम्पनी द्वारा पूर्वाधिकार अंशों का भी निर्गमन किया गया है तो अंश पूँजी शीर्षक में दो उप शीर्षक समता अंश पूँजी एवं पूर्वाधिकार अंश पूँजी करके पूँजी के विभिन्न स्वरूप को दिखाया जाता है। इसके अतिरिक्त ऐसी राशि जो अभी भी अंशधारियों पर बकाया है, उपरोक्त वार्शिक पूँजी में से घटाकर दिखाया जाता है।
2. **संचय एवं आधिक्य (Reserve & Surplus)**– इस शीर्षक के अन्तर्गत पूँजी संचय, पूँजी शोध संचय, प्रतिभूति प्रीमियम, सिंकिंग फण्ड व अन्य संचयों की राशि दिखाई जाती है। इसके अतिरिक्त चालू वर्ष एवं पिछले वर्ष की संचय राशि को स्पष्ट रूप से दिखाया जाना चाहिए।
3. **सुरक्षित ऋण (Secured Loan)**– ऐसे ऋण की राशि जो किसी स्थायी सम्पत्ति के आधार पर प्राप्त की गयी हो, रक्षित ऋण कहलाते हैं, इस तरह की सम्पत्ति लेनदारों के पास जमानत के रूप में सुरक्षित रहती है, इस पर देय ब्याज की राशि को भी इसी शीर्षक में दिखाया जाता है।
4. **असुरक्षित ऋण (Unsecured Loan)**– ऐसे ऋण जिन पर किसी प्रकार की सम्पत्ति गिरवी नहीं रखी जाती है, न ही किसी सम्पत्ति की जमानत दी जाती है, ऐसी राशि ऋण स्वरूप प्राप्त करने पर असुरक्षित ऋण के अन्तर्गत शामिल करते हैं। असुरक्षित ऋण को दो भागों में विभाजित किया जा सकता है– (a) दीर्घ अवधि ऋण (b) लघु अवधि ऋण। जब ऋण एक साल या इससे कम अवधि के लिये लिया जाता है तो उसे लघु कालीन ऋण कहते हैं, इसके विपरीत यदि ऋण एक साल या इससे अधिक अवधि के लिए प्राप्त किया जाता है, तो इसे दीर्घकालीन ऋण कहा जाता है।
5. **चालू दायित्व एवं प्रावधान**– इसे दो भागों में बाँटा गया है, चालू दायित्व एवं प्रावधानों में चालू दायित्वों से आशय ऐसे दायित्वों से है जिनका भुगतान एक वर्ष की अवधि के अन्दर करना होता है। इन दायित्वों में देय बिल, विविध लेनदार अग्रिम भुगतान आदि शामिल किया जाता है। प्रावधानों से आशय करों के लिए प्रावधान, प्रस्तावित लाभांश, कर्मचारी भविष्य निधि प्रावधान एवं संदिग्ध ऋणों के लिए प्रावधान आदि शामिल हैं।

1.2.6 चिट्ठे के सम्पत्ति पक्ष में दिखायी जाने वाली मदें (List of Assets shown under Asset Side)

1. **स्थायी सम्पत्तियाँ (Fixed Assets)**– ऐसी सम्पत्तियाँ जो व्यापार द्वारा दीर्घकालीन उपयोग हेतु क्रय की जाती हैं, स्थायी सम्पत्तियाँ कहलाती हैं, इस शीर्षक के अन्तर्गत स्थायी सम्पत्ति की राशि में चालू वर्ष में कम की गयी स्थायी सम्पत्ति या इसका कोई भाग जोड़कर दिखाया जाता है, इसके अतिरिक्त चालू वर्ष में विक्रय की गयी स्थायी सम्पत्ति या इसका कोई भाग एवं स्थायी सम्पत्ति प्रयोग करने पर ह्रास की राशि कुल स्थायी सम्पत्ति राशि में से घटाकर दिखाया जाता है।

टिप्पणी

2. विनियोग (Investment)– ऐसे विनियोग जिनमें प्राप्त आय की राशि का प्रयोग दीर्घकाल के लिए किया जाता है, इस शीर्षक में सम्मिलित किये जाते हैं। ऐसी प्रतिभूतियों में विनियोग जिनकी आय चालू वर्ष के लिए होती है या एक साल से कम अवधि के लिए प्राप्त होती है, उन्हें चालू सम्पत्ति शीर्षक में सम्मिलित करते हैं। ऋणपत्र सरकारी प्रतिभूतियाँ, अंशों, ऋण एवं ट्रस्ट प्रतिभूतियों में हो सकते हैं।

3. चालू सम्पत्तियाँ, ऋण एवं अग्रिम (Current Assets, Loans & Advance)– इस शीर्षक को भी दो भागों में बाँटा जा सकता है–

(i) चालू सम्पत्तियाँ एवं

(ii) ऋण एवं अग्रिम।

चालू सम्पत्तियों से आशय ऐसी सम्पत्तियों से है जिन्हें रोकड़ में परिवर्तित किया जा सकता है, जैसे रोकड़, देनदार या एक वर्ष की अवधि के अन्दर की सम्पत्तियाँ।

विनियोग से प्राप्त ब्याज राशि, रहतिया आदि। ऋण एवं अग्रिम में ऐसी मदों को सम्मिलित किया जा सकता है जिसे सूत्रधारी कम्पनी द्वारा अपनी सहायक कम्पनियों को अग्रिम के रूप में दी गयी हो।

4. लाभ-हानि खाता– लाभ-हानि खाते के डेबिट शेष को सम्पत्ति पक्ष में दिखाया जाता है। इसी प्रकार जो व्यय अपलिखित नहीं किये जाते हैं, या इस प्रकार के व्यय जिनका एक भाग अपलिखित किया गया हो, तो उसकी राशि भी चिट्ठे के सम्पत्ति पक्ष में दिखाई जाती है।

5. संदिग्ध दायित्व (Contingent liability)– इस तरह के दायित्व जिन्हें भविष्य में भुगतान किया जा सकता है, संदिग्ध दायित्व कहलाते हैं। संदिग्ध दायित्वों को चिट्ठे में नहीं दिखाया जाता है, बल्कि चिट्ठे के नीचे इसके सम्बन्ध में जानकारी दी जाती है।

कर संचय संबंधी लेखांकन (Accounting Treatment of Tax Provision)

1. चालू वर्ष का कर नियोजन करना

   Profit & Loss A/c Dr.

   To Provision for Tax A/c

2. यदि गत वर्ष का कर नियोजन चालू वर्ष के कर से अधिक है

   Provision for Tax A/c Dr.

   To Profit & Loss A/c

3. यदि गत वर्ष का कर नियोजन चालू वर्ष के कर से कम है।

   Profit & Loss A/c Dr.

   To Provision for Tax A/c

4. कर नियोजन को कर दायित्व में परिवर्तित करने पर

   Provision for Tax A/c Dr.

   To Tax Payable A/c

5. (a) पूर्वदत्त कर तथा T.D.S. चालू वर्ष के कर से समायोजित करना एवं पूर्वदत्त कर तथा T.D.S. चालू वर्ष के कर से कम होने पर

Tax Payable A/c Dr.

To Advance Tax

(b) यदि शेष कर की राशि भुगतान कर दी जाए

Tax Payable A/c Dr.

To Bank

Note– यदि शेष कर की राशि भुगतान नहीं की जाती तो कर दायित्व चिट्ठे में दायित्व पक्ष में दिखाया जाएगा।

6. (a) पूर्वदत्त कर अथवा T.D.S. चालू वर्ष के कर से समायोजित करने एवं पूर्वदत्त कर तथा T.D.S. चालू वर्ष के कर से अधिक होने पर।

Tax Payable A/c Dr.

Tax Refunded due A/c Dr.

To Advance Tax A/c

(b) पूर्वदत्त कर तथा T.D.S. चालू वर्ष के कर से अधिक होने पर एवं आधिक्य कर की राशि वापस होने पर

Bank A/c Dr.

To Tax Refunded due A/c

Note– यदि वर्ष के अन्त तक कर वापसी नहीं होती है तो कर वापसी की राशि चिट्ठे के संपत्ति पक्ष में दिखाया जायेगा।

उदाहरण– 1

मनीष लि. का 31.3.2019 को कर सम्बन्धी मदें तलपट में निम्न प्रकार हैं।

Advance Payment of Tax (2018-2019)	3,00,000
Advance Payment of Tax (2019-2020)	4,20,000
Provisions for Tax (2018-2019)	4,00,000
Net Profit Subject to Tax 35%	16,00,000

उपरोक्त कर सम्बन्धित जर्नल प्रविष्टियाँ कीजिए एवं लाभ-हानि खाता तथा चिट्ठे में किस प्रकार दर्शाया जाऐंगा।

यदि वास्तविक कर की राशि हल क्रमांक 1

(A) 3,80,000

(B) 4,60,000

(C) 4,00,000

हल क्रमांक 1

टिप्पणी

(A) Journal of Manisha Ltd.

31.03.2019	Profit & Loss A/c Dr. To Provision for Tax A/c (being the Provision for Tax for current year)	5,60,000	 5,60,000
31.03.2019	Provision for Tax A/c Dr. To Profit & Loss Appropriation A/c (being Excess Provisions for Tax transfer to P/L Appropriation A/c)	20,000	 20,000
31.03.2019	Provision for Tax A/c Dr. To Tax Payable A/c (being Provisions Year Tax Settled)	3,80,000	 3,80,000
31.03.2019	Tax Payable A/c Dr. To Advance Tax (being the advance Tax adjusted against Tax Payable)	3,00,000	 3,00,000

An Extract of Profit & Loss A/c
(for the year ended 31.03.2019)

Particulars	Amt. (₹)	Particulars	Amt. (₹)
To Provision for tax	5,60,000	By Net Profit before tax	16,00,000
To Net profit	10,40,000		
	16,00,000		16,00,000
To Balance	10,60,000	By Net profit	10,40,000
		By Provision for tax A/c	20,000
	10,60,000		10,60,000

An Extract of Balance Sheet
(as on 31.03.2019)

Liabilities	Amt. (₹)	Assets	Amt. (₹)
Reserves & Surplus:		Current Assets	
Profit & Loss A/c	10,60,000	Loan & Advance	
Current Liabilities & Provisions		B. Loan & Advance	
(A) Current liabilities		Advance Payment	
Tax Payable	80,000	of Tax	4,20,000
(B) Provision for tax	5,60,000		

टिप्पणी

(B) Journal of Manisha Ltd.

31.03.2019	Profit & Loss A/c To Provision for Tax (being the Provision for Tax) for the (current year)	Dr.	5,60,000	 5,60,000
31.03.2019	Profit & Loss Appropriation A/c To Provision for Tax. A/c (being Short Provisions for Tax Charged to P/L)	Dr.	60,000	 60,000
31.03.2019	Provision for Tax A/c To Tax Payable A/c (being Provisions Year Tax Settled)	Dr.	4,60,000	 4,60,000
31.03.2019	Tax Payable A/c To Advance Tax A/c (being the advance Tax adjusted against Tax Payable)	Dr.	3,00,000	 3,00,000

An Extract of Profit & Loss A/c

(for the year end 31.03.2019)

Liabilities	Amt. (₹)	Assets	Amt. (₹)
To Provisions for tax	5,60,000	By Net profit before Tax	16,00,000
To Net Profit	10,40,000		
	16,00,000		16,00,000
To Provision for tax	60,000	By net profit	10,40,000
To Balance c/d	9,80,000		
	10,40,000		10,40,000

An Extract of Balance Sheet

(as on 31.03.2019)

Liabilities	Amt. (₹)	Assets	Amt. (₹)
Reserves & Surplus Profit & Loss A/c	 9,80,000	Current Assets Loan & Advance	
Current liabilities & Provision		(B) Loan & Advance	
(A) Current liabilities Tax payable	 1,60,000	Advance payment of Tax	 4,20,000
(B) Provision Provision for tax	 5,60,000		

(C) Journal of Manish Ltd.

31.03.2009	Profit & Loss A/c To Provision for Tax. (being the Provision for Tax for the current year)	Dr.	5,60,000	5,60,000
31.03.2009	Provision for tax A/c To Tax Payable A/c (being Previous year tax settled)	Dr.	4,00,000	4,00,000
31.03.2009	Tax Payable A/c To Advance Tax A/c (being the advance tax adjusted against tax payable)	Dr.	3,00,000	3,00,000

An Extract of Profit & Loss
(for the year end 31.03.2019)

Particulars	Amt. (₹)	Particulars	Amt. (₹)
To Provisions for tax	5,60,000	By Net profit before Tax	16,00,000
To Net Profit	10,40,000		
	16,00,000		16,00,000
To Balance	10,40,000	By Net profit	10,40,000
	10,40,000		10,40,000

An Extract Balance Sheet
(as on 31.03.2019)

Liabilities	Amt. (₹)	Assets	Amt. (₹)
Reserves & Surplus		Current Assets	
Profit & Loss A/c	10,40,000	Loan & Advance	
Current liabilities & provision		(B) Loan & Advance	
(A) Current liabilities		Advance payment	
Tax payable	1,00,000	of Tax	4,20,000
(B) Provision			
Provision for tax	5,60,000		

उदाहरण– 2

टिप्पणी

हर्ष लिमिटेड का निर्माण 01 अप्रैल 2018 को हुआ। 31 मार्च 2019 को हर्ष लि. की पुस्तको से निम्नलिखित बाकियाँ प्राप्त हुईं।

Liabilities	Amt. (₹)	Assets	Amt. (₹)
Working Progress	1,34,000	Interest accrued on Govt. Bank	3,500
Additions to Machinery during the year	1,50,000	Machinery (at original cost)	5,00,000
		Accumulated Depreciation	
Sale of Machinery during the year	50,000	(other than attrituable to assets old)	1,20,000
General Reserve	1,00,000	Equity share capital of ₹ 10 each, ₹ 80 paid-up.	4,00,000
8% Preference share capital (fully paid shares of ₹ 100)	2,00,000	Profit & Loss A/c (Dr.)	70,000
		Calls in Advance	50,000
Development Expenditure	8,000	Providend fund	1,08,000
Unclaimed Dividend	10,000	Prepaid Expenses	12,000
Sundry Debtors	1,40,000	Loose Tools	21,000
Govt. Bonds	35,000	Public Deposits	45,000
Loan from SBI	50,000	Bills discounted not matured	8,900
Live stock	5,000	Provision for doubtful debits	20,000
Copyright	40,000	Interest accrued & due on loan from SBI	2,500
Bills of Exchange	17,500		
Capital work in progress	24,000	Interest accrued but not due on public deposits	4,500

उपर्युक्त शेष के आधार पर 31 मार्च 2019 को इस कम्पनी का क्षैतिज प्रारूप में चिट्ठा बनाइये।

टिप्पणी

हल क्रमांक 2

Balance Sheet of Harsh Ltd.
(as on 31 March 2019)

Liabilities	₹	Assets	₹
Share Capital		**Fixed Assets**	
Authorised:		Machineries:	
Issued: 5000, Equity		Original cost 5,00,000	
shares of ₹ 100 each	5,00,000	***Add:***	
2000, 8% pref. share		Additional 1,50,000	
of ₹ 100 each	2,00,000	6,50,000	
		Less: Sale 50,000	
	7,00,000	6,00,000	
Subscribed:		***Less***:	
		Depreciation 1,20,000	4,80,000
5000, Equity shares		Live Stock	5,000
of ₹ 100 each		Copyright	40,000
₹ 80, paid up	4,00,000	Capital work in	
2000, Preference shares		progress	24,000
of ₹ 100 each			
fully paid of	2,00,000	**Investments:**	
Calls in Advance	50,000	Govt. funds	35,000
Reserves & Surplus:		**Current Assets,**	
		Loans & Advances:	
General Reserve			
₹ 1,00,000 less debit			
balance of P/L A/c		Current Assets	
₹ 70,000	30,000	Work in progress	1,34,000
Secured Loans			
Loan from SBI	50,000	Sundry	
		Debtors 1,40,000	
Interest accrued and		***Less***:	
due on loan from SBI	2,500	Provision 20,000	1,20,000
		Loose Tools	21,000
Unsecured Loans:		Accrued Interest	
		on Bonds	3,500
Public Deposits	45,000	**(a) Loans and**	
		Advances:	
Current liabilities and		Bills of Exchange	17,500
Provisions		Prepaid Expences	12,000
(a) Current Liabilities		**Miscellaneous**	
		Expenses:	
Unclaimed Dividend	10,000	**(b) the extent not**	
		written	

टिप्पणी

Interest accrued but not due on Public Deposits	4,500	Off or Adjusted Development Expenditure	8,000
(b) Provisions:			
Provident Fund	1,08,000		
	9,00,000		9,00,000

Note– The first entry has not to be taken for totaling.

उदाहरण– 3

31 मार्च 2019 को ऋषभ लिमिटेड के तलपट में निम्न मदें शामिल हैं–

1. 10% पूर्वाधिकार अंश 5,00,000
2. समता अंश पूँजी 100 ₹ वाले पूर्णदत्त 8,00,000
3. समता अंश पूँजी 100 ₹ वाले 80 ₹ दत्त 8,00,000
4. 12% ऋणपत्र 4,00,000
5. 1 अप्रैल 2018 को लाभ-हानि खाते का शेष ₹ 3,00,000 था
6. चालू वर्ष का लाभ ऋणपत्रों पर ब्याज तथा कर देने से पूर्व ₹ 15,48,000 है
7. चालू वर्ष के लाभ का 5% सामान्य संचय में हस्तांतरित किया जाये।
8. कम्पनी के संचालकों ने समता अंश पूँजी पर 12% की दर से लाभांश घोषित किया।

हल क्रमांक 3

Profit & Loss Account of Rishabh Ltd.,
(for the year ended on 31 March 2019)

Particulars	₹	Particulars	₹
To Interest on Debentures	48,000	By Net Profit before Interest & Tax	15,48,000
To Provision for tax (35% of ₹ 1,50,000)	5,25,000		
To Net profit after tax c/d.	9,75,000		
	15,48,000		15,48,000
To General reserve (5% of ₹ 9,75,000)	48,750	By Balance b/f.	3,00,000
		By Net profit for year	9,75,000
To proposed pref. dividend	50,000		
To proposed equity dividend (15% on ₹ 16,00,000)	1,92,000		
To Provision for corporate Dividend Tax	24,200		
To Bal. v/f to Balance sheet	9,60,050		
	12,75,000		12,75,000

उदाहरण— 4

टिप्पणी

31 मार्च 2019 को यश लिमिटेड का तलपट निम्न प्रकार का है—

Debit	₹	Credit	₹
Premises	16,00,000	Share capital	15,00,000
Plant	4,80,000	10% Debentures	1,00,000
Stock	1,20,000	P&L Account	26,900
Debtors	60,000	Bills payable	10,000
Goodwill	25,000	Creditors	65,000
Cash at Bank	1,80,000	Sales	18,00,000
Cash in Arrear	4,000	General of Reserve	14,000
Interim dividend paid	15,000	Bad debts provision	
Corporate Dividend Tax	1,500	on 1 Apr. 2018	11,000
Purchases	10,00,000		
Preliminary Expenses	12,000		
Wages	8,000		
General Expenses	7,200		
Salaries	8,000		
Bad debts	1,200		
Debentures Interest			
Paid	5,000		
	35,26,900		35,26,900

निम्न सूचनाओं को ध्यान में रखते हुए यश लिमिटेड के अन्तिम खाते बनाइये—

1. प्लांट पर 10% से ह्रास को अपलिखित करना है।
2. प्रारम्भिक व्यय को 10,000 ₹ में अपलिखित करना है।
3. ऋणपत्रों पर 6 माह का ब्याज अदत्त है।
4. देनदारों पर 5% का अशुद्ध ऋण संचय कीजिए।
5. आयकर के लिए आयकर प्रावधान 35% कीजिए।
6. 31 मार्च 2019 को अन्तिम रहतिये का मूल्य 1,00,000 ₹ था।

हल क्रमांक 4

Profit & Loss Account of Yash Ltd.,
(for the year ending 31 March 2019)

To Opening stock	1,20,000	By Sales	18,00,000
To Purchases	10,00,000	By Closing stock	1,00,000
To Wages	8,000		
To Gross profit	7,72,000		
	19,00,000		19,00,000
To Shares	8,000	By Gross profit	7,72,000
To Deb Int.			
paid 5,000			

टिप्पणी

Add:			
Outstanding 5,000	10,000		
To General Expenses	7,200	By Old	
		provision 11,000	
To Depreciation plant	48,000	***Less:*** Bad debts 1,200	
To Preliminary expenses		***Less:*** New	
written off	10,000	provision 3,000	6,800
To Provision for			
Tax (6,95,600 × 35%)		2,43,460	
To Net profit for			
the year	4,52,140		
	7,78,800		7,78,800
To Interim			
Dividend paid	15,000	By Bal. b/d	26,900
To Corporate		By P&L A/c	
Dividend Tax	1,500	(Profit for the year)	4,52,140
To Balance c/d	4,62,540		
	4,79,040		4,79,040

Balance Sheet of Yash Ltd.,
as at 31 March 2019

Liabilities	₹	Assets	₹
Share capital:		Fixed Assets	
Authorised:		Goodwill	25,000
Issued & Subscribed:		Premises	16,00,000
1,50,000 shares of			
₹ 10 each 15,00,000		Plant 4,80,000	
		Depreciation 48,000	4,32,000
Less: Calls in			
Arrear 4,000	14,96,000	Current Assets	
		Loans & Advances:	
Reserves & Surplus:		Stock	1,00,000
General Reserve	14,000	Debtors 60,000	
P&C Account	4,62,540	***Less:*** Provision 3,000	57,000
Secured loans:		Cash at Bank	1,80,000
10% Debentures	1,00,000	Miscellaneous	
		Expenditure:	
Interest outstanding	5,000	Preliminary	
		Expenditure 12,000	
Current liabilities &		***Less:*** Written	
Provisions:		off 10,000	2,000
Bills payable	10,000		
Creditors	65,000		
Provisions for Taxation	2,43,460		
	23,96,000		23,96,000

टिप्पणी

उदाहरण– 5

ऋषभ लिमिटेड की अधिकृत पूँजी 3,00,000 है। जो 100 ₹ वाले 3,000 समता अंश में विभक्त हैं। 31 मार्च 2019 को निम्नलिखित तलपट था।

Particulars	₹	Particulars	₹
Buildings	3,00,000	Sales	9,10,000
Machinery	1,00,000	Salaries outstanding	5,000
Closing stock	20,000	Provision for Doubtful debt 1.4.2019	500
Purchases	4,80,000	Share Capital	2,50,000
Salaries	30,000	General Reserve	5,000
Directors fees	10,000	Profit & Loss A/c (1.4.2019)	15,000
Rent	18,000	Creditors	35,000
Depreciation	23,000	Provision for Depreciation	
Bad Debts	1,000	On Building 22,000	
Interest accrued on Investment	2,000	On Machinery 8,000	30,000
		10% Debentures	1,00,000
Debentures Interest	10,000		
Loose Tools	22,000	Interest on Investments	2,500
Advance Tax	20,000	Unclaimed Dividend	7,000
Sundry Expenses	4,000		
Debtors	1,20,000		
Bank	20,00,000		
	13,60,000		13,60,000

निम्नलिखित समायोजनों को ध्यान में रखते हुए कम्पनी अधिनियम 2013 के अनुसार इस कम्पनी के अन्तिम खाते क्षैतिज प्रारूप में बनाइये–

1. 31 मार्च 2019 को अन्तिम रहतिये का मूल्य प्रारम्भिक रहतिये से 5,000 ₹ अधिक था।
2. देनदारों पर संदिग्ध ऋण संचय 5% बनाइये।
3. आयकर के लिए लाभ पर 35% प्रावधान कीजिए।
4. संचालकों ने 25% की दर से लाभांश घोषित किया जिस पर कॉर्पोरेट लाभांश कर 10% मानिये।

हल क्रमांक 5

टिप्पणी

Trading & P&L A/c. of Rishabh Ltd.,
(for the year ended 31 March 2019)

Particulars	Amt. (₹)	Particulars	Amt. (₹)
To Opening stock	15,000	By Sales	9,10,000
To Purchases	4,80,000	By Closing stock	20,000
To Gross profit c/d	4,30,000		
	9,30,000		9,30,000
To Salaries	30,000	By Gross Profit c/d	4,30,000
To Rent	18,000	By Interest on Investment	2,500
To Sundry expenses	4,000		
To Directors fees	10,000		
To Depreciation	23,000		
To Interest on Debentures	10,000		
To Bad debts	1,000		
To Provision for doubtful debts	5,500		
(331000 × 35%)	1,15,850		
To Net profit after tax	2,15,150		
	4,32,500		4,32,500
To Provision for Corporate Dividend Tax	6,250	By Balance b/d	15,000
To Transfer to Reserve @ 10%	21,515	By Net profit after tax	2,15,150
To Proposed Dividend	62,500		
To Balance c/d	1,39,885		
	2,30,150		2,30,150

Balance Sheet of Rishabh Ltd.,
(as at 31 March 2019)

Liabilities	₹	Assets		₹
Share Capital:		**Fixed Assets:**		
Authorised:		Building	3,00,000	
3000 shares of ₹ 100		Dep.	22,000	2,78,000
Issued: 2,500 shares of		Machinery	1,00,000	
₹ 100 each	2,50,000	Dep.	8,000	92,000
		Investments:		
		Current Assets, loans		

टिप्पणी

Reserves & Surplus:		& Advances:	
General Reserve		**(A) Current Assets:**	
Opening Bal. 5,000		Loose tools	22,000
Add: Addition 21,515	26,515	Closing stock	20,000
Profit & Loss A/c	1,39,885	Debtors 1,20,000	
Secured loans		***Less***: Provision 6,000	1,14,000
10% Debentures	1,00,000	Bank	2,00,000
Unsecured loans:		Interest Accrued	
		on Investments	2,000
Current liabilities &			
provisions	35,000	**(B) Loans & Advances:**	
(A) Current liabilities:		Advance Income Tax	20,000
Sundry Creditors			
Outstanding Salary	5,000		
Unclaimed Dividend	7,000		
(B) Provisions:			
Proposed Dividend	62,500		
Provision for Tax	1,15,850		
Provision for Corporate	6,250		
Dividend Tax			
	7,48,000		7,48,000

उदाहरण– 6

श्रेया लिमिटेड का पंजीयन 10,00,000 ₹ की अधिकश्त पूँजी पर हुआ जो 10 ₹ वाले समता अंश में विभक्त है। 31 मार्च 2019 तक 75,000 अंश जनता में निर्गमित किये जो पूर्ण चुकता हुए। 31 मार्च 2019 को श्रेया लिमिटेड के खातों के शेष निम्न प्रकार हैं–

Stock	2,00,000	Building	10,00,000
Sales	40,00,000	Advertisement	35,000
Purchases	25,00,000	Bonus	5,000
Wages	1,20,000	Debtors	20,000
Discount allowed	6,000	Creditors	1,50,000
Discount received	4,500	Plant & Machinery	7,00,000
Insurance upto			
30.6.2019	24,000	Furniture	2,00,000
Salaries	1,20,000	Cash at Bank	3,00,000
Rent	69,500	General Reserve	1,20,000
General expenses	30,000	Loan from managing	
		director	3,20,000
Profit & Loss A/c	2,40,000	Bad debts	10,000
Printing & Stationery	25,000	Calls in arrears	40,000

निम्न सूचनाओं को ध्यान में रखते हुए व्यापारिक एवं लाभ-हानि खाता तथा चिट्ठा कंपनी अधिनियम 1956 के अनुसार क्षैतिज प्रारूप में बनाइये–

1. 25 मार्च 2019 को मजदूरी 10,000 ₹, वेतन 5,000 ₹ तथा किराया 16,000 ₹ देय था।
2. प्लांट एवं मशीन पर 10% तथा फर्नीचर पर 20% ह्रास का प्रावधान कीजिए।
3. घोषित लाभांश की दर 2% है।
4. अंतिम रहतिये का मूल्यांकन 2,10,000 ₹ पर किया गया।
5. आयकर के लिए लाभ का 35% प्रावधान कीजिए।
6. कॉर्पोरेट लाभांश पर 10% है।

हल क्रमांक 6

Trading and Profit & Loss A/c
(for the year ending 31 March 2019)

Particulars		₹	Particulars	₹
To Opening stock		2,00,000	By Sales	40,00,000
To Purchases		25,00,000	By Closing stock	2,10,000
To Wages	1,20,000			
Add: O/s Wages	10,000	1,30,000		
To Gross profit c/d		13,80,000		
		42,10,000		42,10,000
To Salaries	1,20,000		By Gross Profit c/d	13,80,000
Add: O/s Salaries	5,000	1,25,000	By Discount received	4,500
To Discount Allowed		6,000		
To Insurance	24,000			
Less: Unexpired				
Insurance	6,000	18,000		
To Rent	69,500			
Add: O/s				
Rent	16,000	85,500		
To General expenses		30,000		
To Printing & Stationary		25,000		
To Advertisement		35,000		
To Bonus		5,000		
To Bad Debts		10,000		
To Dep on:				
Plant &				
Machinery	70,000			
Furniture	40,000	1,10,000		

टिप्पणी

To Provision for taxation			
(35% on 9,35,000)	3,27,250		
To Net profit c/d	6,07750		
	13,84,500		13,84,500
To Corporate			
Dividend Tax		By Balance b/f	2,40,000
(10% on ₹ 7100)	710	By Net profit b/d	6,07,750
To proposed Dividend			
(@1% on ₹ 7,10,000)	7,100		
To Balance c/d.	8,39,940		
	8,47,750		8,47,750

Balance Sheet of Shreya Ltd.
as on 31 March 2019

Liabilities		₹	Assets		₹
Liabilities:			**Assets:**		
Share Capital:			Fixed Assets:		
Authorised:			Building		10,00,000
1,00,000 shares of					
₹ 10 each		10,00,000	Plant & Machinery		
				7,00,000	
Issued & Subscribed			*Less*: Dep.	70,000	6,30,000
75000 shares of ₹ 10			Furniture	2,00,000	
fully called up 7,50,000			*Less*: Dep.	40,000	1,60,000
Less: Calls in					
Arrears	40,000	7,10,000	Investments		
Reserves & Surplus:			Current Assets,		
			Loans & Advances		
General Reserve		1,20,000	**(A) Current Assets:**		
Profit & Loss A/c		8,39,940	Stock		2,10,000
Secured loans:			Debtors		2,00,000
Unsecured Loans:			Cash at Bank		3,00,000
Loans from Managing			**(B) Loans & Advances:**		
Director		3,20,000	Prepaid Insurance		6,000
Current Liabilities & Provisions:					
(A) Current liabilities:					
Creditors		1,50,000			
Expenses outstanding		31,000			
(B) Provisions:					
Provison for Taxation		3,27,250			
Corporate Dividend Tax		710			
Proposed Dividend		7,100			
		25,06,000			25,06,000

टिप्पणी

उदाहरण– 7

31 मार्च 2019 को ऋषभ और हर्ष कपड़ा लिमिटेड का तलपट निम्न है–

Stock at on 1.4.2019	3,40,000	Purchase returns	10,000
Purchases	7,80,000	Sales	16,70,000
Wages	1,00,000	Discount	8,600
Carriage	7,000	Profit & Loss A/c	1,67,000
Furniture	40,000	Share Capital	10,00,000
Salaries	15,000	Creditors	1,40,000
Rent	24,000	General Reserve	60,000
Sundry Trade Expenses	8,000	Bills Payable	94,400
Dividend Paid	1,00,000		
Corporate Divi. Tax	10,000		
Debtors	2,40,000		
Plant & Machinery	6,36,000		
Cash at Bank	3,00,000		
Patents	2,00,000		
Bills Receivable	3,50,000		
	31,50,000		31,50,000

निम्नांकित अन्य सूचनायें दी गई हैं–

1. 31 मार्च 2019 को रहतिये का मूल्यांकन 2,00,000 ₹ पर किया गया।
2. आयकर के लिए लाभ पर 35% तथा लाभांश पर 10% की दर से प्रावधान कीजिए।
3. प्लांट एवं मशीनरी पर 10% फर्नीचर पर 10% तथा पेटेन्ट पर 20% ह्रास की व्यवस्था कीजिए।
4. 31 मार्च 2019 को किराया 12,000 ₹ तथा वेतन 3,000 ₹ अदत्त है।
5. संचालकों ने अंश पूँजी पर 15% से लाभांश घोषित किया।
6. संदिग्ध एवं डूबत ऋण के लिए 24,000 ₹ का संचय करना है।
7. नए मैनेजर को शुद्ध लाभ का (मैनेजर कमीशन काटने के पश्चात) 20% कमीशन मिलेगा।

उपयुक्त विवरण के आधार पर ऋषभ एवं हर्ष कपड़ा लिमिटेड के अंतिम खाते क्षैतिज प्रारूप में बनाइये।

हल क्रमांक 7

टिप्पणी

Profit & Loss A/c
(for the year ending 31 March 2019)

Particulars		Amt. (₹)	Particulars	Amt. (₹)
To Opening stock		3,40,000	By Sales	16,70,000
To Purchases	7,80,000		By Closing stock	2,00,000
Less: Purchase return	10,000	7,70,000		
To Wages		1,00,000		
To Carriage		7,000		
To Gross profit c/d		6,53,000		
		18,70,000		18,70,000
To Salaries	15,000			
Add: Outstanding Salaries	3,000	18,000	By Gross profit b/d	6,53,000
			By Discount	8,600
To Rent	24,000			
Add: Outstanding	12,000	36,000		
To sundry Trade Exp.		8,000		
To Depreciation :				
Plant & Machinery	63,600			
Furniture	4,000			
Patents	40,000	1,07,600		
To Provision for Doubtful Debts		24,000		
To Managerial Remuneration		78,000		
To provision for I. Tax (4,08,000 × 20/120)		1,36,500		
To Net profit		2,53,500		
		6,61,600		6,61,600
To Dividend paid		1,00,000		
To Proposed Dividend (1,50,000 – 1,00,000)		50,000	By Net Profit	2,53,500
			By Bal b/d	1,67,000
To General reserve 5% of ₹ 2,53,500		12,675		
To Corporate Dividend Tax (10% of ₹ 1,50,000)		15,000		
To Balance c/d.		2,42,825		
		4,20,500		4,20,500

टिप्पणी

Balance Sheet
(as on 31 March 2019)

Share Capital:			**Fixed Assets:**		
Authorised:			Plant & Machinery		
				6,36,000	
Issued & Subscribed:		10,00,000	***Less*:**		
			Depreciation	63,600	5,72,400
Reserves & Surplus:			Furniture	40,000	
General reserve	60,000		***Less*:**		
Addition	12,675	72,675	Depriciation	4,000	36,000
			Patents	2,00,000	
Profit & Loss A/c		2,42,825	***Less*:**		
			Depreciation	40,000	1,60,000
Secured Loans:			**Current Assts,**		
			Loans & Advances:		
Unsecured loans:			**(A) Current Assets:**		
Current liabilities					
& provision			Stock		2,00,000
(A) Current liabilities:			Debtors	2,40,000	
Bills payable		94,400	***Less*: Provision**	24,000	2,16,000
Creditors		1,40,000	Cash at bank		3,00,000
Outstanding expenses:			**(B) Loans & Advances:**		
Managerial			Bills Receivable		3,50,000
Remuneration	78,000				
Salaries	3,000				
Rent	12,000	93,000			
(B) Provisions:					
Provision for Taxation		1,36,500			
Proposed Dividend		50,000			
Corporate Dividend Tax					
(15,000 – 10,000)		5,000			
		18,34,400			18,34,400

उदाहरण– 8

ग्लास कम्पनी अक्षित लिमिटेड द्वारा दी हुई निम्नांकित सूचनाओं के आधार पर इस कंपनी का चिट्ठा 31 मार्च 2019 का कम्पनी अधिनियम, 1956 की अनूसूची VI के भाग 1 के अनुसार ऊर्ध्वाधर प्रारूप में बनाइये।

टिप्पणी

Term loan	3,07,000	Sundry Debtors	2,05,000
Sundry creditors	2,00,000	Miscellaneous Expenses	1,26,000
Advances	4,00,000	Loans from Debtors	1,24,000
Cash & Cash Balances	5,60,000	Provision for doubtful debts	5,000
Staff Advances	40,000	Stores	1,15,000
Provision for Taxation	1,00,000	Fixed Assets	6,00,000
Securities premium	1,45,000	Finished goods	2,40,000
Loose Tools	25,000	General Reserve	8,00,000
Investments	1,75,000	Capital work in progress	4,00,000
Loss for the year	95,000		

निम्नांकित अतिरिक्त सूचनायें दी गई हैं–

1. इस कम्पनी की पूँजी निम्न प्रकार थी–
   (a) 100 ₹ वाले 5,000 समता अंश जिन पर 100 ₹ पूर्ण चुकता हैं।
   (b) 12% पूर्वाधिकार 100 ₹ वाले 8,000 अंश जो पूर्ण चुकता हैं।
2. सम्पत्तियों पर 1,00,000 ₹ ह्रास की व्यवस्था की गई थी।
3. टर्म लोन रक्षित है।

हल क्रमांक 8

Particulars	**Sch. No.**		**As on March 31, 2002 ₹**	**As on March 2002 ₹**
(A) Sources of funds				
1. Share holders Funds:				
(a) Capital		13,00,000		
(b) Reserves & surplus		9,45,000	22,45,000	
2. Loan funds:		3,07,000		
(a) Secured loans			3,07,000	
(b) Unsecured loans			25,52,000	
(B) Application of funds:				
1. Fixed Assets				
(a) Gross Block		7,00,000		
(b) ***Less***: Depreciation		1,00,000		
(c) Net Block		6,00,000		
(d) Capital work in progress		4,00,000	10,00,000	

2. Investments:			1,75,000	
3. Current Assets,				
Loans & Advances:				
(a) Inventories		3,80,000		
(b) Sundry Debtors		2,00,000		
(c) Cash Balances		5,60,000		
(d) Loans & Advances		4,40,000		
Less: Current liabilities		15,80,000		
and Provisions:				
(a) Liabilities		3,24,000		
(b) Provision for taxation		1,00,000	4,24,000	
Net current assets			11,56,000	
4. Miscellaneous				
Expenditure				
(to the extent not				
written off)				
Profit & Loss A/c		95,000		
Miscellaneous Expenses		1,26,000	2,21,000	
			25,52,000	

Working Notes–

(i) Capital:

5,000 equity shares of ₹ 100 each	5,00,000
8,000, 12% Redeemable preference shares of ₹ 100 each	8,00,000
	13,00,000

(ii) Reserves Surplus:

Securities premium	1,45,000
General Reserve	8,00,000
	9,45,000

(iii) Gross Block of Assets:

At WDV	6,00,000
Add: Depreciation	1,00,000
	7,00,000

(iv) Inventories:

Finished goods	2,40,000
Stored	1,15,000
Loose Tools	25,000
	3,80,000

टिप्पणी

(v)	**Sundry Debtors:**	2,05,000
	Less**:** Provision for doubtful debts	5,000
		2,00,000
(vi)	**Loan & Advances:**	
	Advances	4,00,000
	Staff Advances	40,000
		4,40,000
(vii)	**Current Liabilities:**	
	Sundry creditors	2,00,000
	Loan from Debtors	1,24,000
		3,24,000

उदाहरण– 9

रोहन लिमिटेड के खातों में 31 मार्च 2019 को निम्नलिखित बाकियाँ थीं। निम्नांकित अन्य सूचनाएँ दी गई हैं–

Particulars	Dis.	Particulars	Crs.
Land at cost	7,00,000	Equity Capital (shares of ₹ 10 each)	5,00,000
Plant & Machinery at cost	4,00,000	10% Debentures	2,00,000
Debtors	2,20,000	General Reserve	1,00,000
Stock (31.3.2019)	1,60,000	Profit & loss A/c	86,000
Bank	2,40,000	Securities premium	1,20,000
Adjusted Purchases	5,70,000	Sales	11,00,000
Factory Expences	2,00,000	Creditors	3,80,000
Administration Expenses	30,000	Provision for Depreciation	1,00,000
Selling Expenses	35,000		
Debenture Interest	20,000		
Interim dividend paid	10,000		
Corporate Dividend Tax	1,000		
	25,86,000		25,86,000

1. 31 मार्च 2019 को कम्पनी द्वारा अपने अंशधारियों को 1:10 के अनुपात में बोनस शेयर्स निर्गमित किये। जिसकी कोई प्रविष्टि नहीं की गई है।
2. कम्पनी की अधिकृत पूँजी 6,00,000 ₹ जो 10 ₹ वाले 60,000 अंश में विभक्त है।
3. कम्पनी द्वारा भूमि का स्वतंत्र मूल्यांकन 7,50,000 ₹ पर किया गया।
4. कम्पनी द्वारा आयकर के लिए 35% प्रस्तावित अन्तिम लाभांश 10% कॉर्पोरेट लाभांश कर तथा 50,000 ₹ सामान्य संचय में हस्तांतरित करना है।
5. प्लांट तथा मशीनरी पर 10% ह्रास की व्यवस्था कीजिए।

उपरोक्त सूचनाओं के आधार पर कम्पनी अधिनियम 1956 के अन्तर्गत इसके ऊद्धर्वाधर प्रारूप में अन्तिम खाते बनाइये।

हल क्रमांक 9

टिप्पणी

Balance Sheet
(as on 31.3.2019)

Particulars	Sch. No.			
(i) Sources of funds				
1. Share holders Funds:				
(a) Capital	1		5,50,000	
(b) Reserves & surplus	2		3,73,250	9,23,250
2. Loan funds:				
10% Debentures				2,00,000
(ii) Application of funds:				
1. Fixed Assets				
Land			7,50,000	
Gross Block		4,00,000		
***Less*: Depreciation**		1,40,000	2,60,000	10,10,000
2. Current Assets:				
Stock		1,60,000		
Debtors		2,20,000		
Bank		2,40,000	6,20,000	
***Less*: Current liabilities**				
Creditors		3,80,000		
Provision for Tax		71,750		
Proposed Dividend		50,000		
Corporate Dividend Tax		5,000	5,06,750	1,13,250
				11,23,250

Profit & Loss A/c
for the year ended 31.3.2019

A. Sales & Other Income			₹	
Sales			11,00,000	
Other Income				
Total Income			11,00,000	
B. ***Less*: Expenses**				
Purchases		5,70,000		
Factory Expenses		2,00,000		
Administration Expenses		3,00,000		
Selling Expenses		35,000		
Depreciation		40,000		
Interest on Debentures		20,000	8,95,000	

टिप्पणी

C. Net profit before tax [A-B]			2,05,000	
D. ***Less***: Tax @ 35%			71,750	
E. Net profit after Tax			1,33,250	
F. ***Add:*** Balance brought forward from the previous years			86,000	
G. Total			2,19,250	
H. ***Less***: Appropriations:				
Transfer to reserve		50,000		
Interim Dividend		10,000		
Proposed Dividend		50,000		
Corporate Dividend Tax @10%		6,000	1,16,000	
			1,03,250	

Working Notes–

(i) Bonus issue proportion = 1:10

(ii) No. of shares = 5,00,000 × 1/10 = 50,000

Journal

Particulars	C.F.	Dr. (₹)	Cr. (₹)
General Reserve A/c Dr.		50,000	
To equity share capital A/c			50,000
(being reserves capitalized for bonus)			
Land A/c. Dr.		50,000	
To Revaluation Reserve A/c		50,000	
(being land revalued)			

Schedule

Schedule 1: Share Capital		
Authorised	₹	
60,000 shares of ₹ 10 each	6,00,000	
Issued, Subscribed and fully paid-up		
55,000 shares of ₹ 10 each	5,50,000	
(Of the above shares are allotted as fully paid-up way of Bonus shares Bonus shares were issued by utilising the general reserve)		
Schedule 2: Reserves and Surplus		
	₹	
Securities Premium Account	1,20,000	
Revaluation reserve (land)	50,000	
General Reserve (1,00,000 – 50,000 + 50,000)	1,00,000	
Balance in Profit & Loss Account	1,03,250	
	3,73,250	

Schedule 3: Fixed Assets

Particulars	As on 1.4.2009	Additions	Deletions	Depriciation	Net Blocks
Land	7,00,000	50,000	—	—	7,50,000
Plant & Machinery	4,00,000			40,000	3,60,000
Total				40,000	11,10,000

उदाहरण– 10

विद्यार्थी लिमिटेड जो एक निर्माणी कम्पनी है जिसकी अधिकृत पूँजी 10,000 समता अंश जो प्रत्येक 100 ₹ तथा 5000, 6% पूर्वाधिकार अंश जो प्रत्येक 100 ₹ का है।

कंपनी के खातों ने 31 मार्च 2019 को निम्न बाकियाँ दर्शायी।

Particulars	Dr. (₹)	Cr. (₹)
8000, shares fully paid-up		8,00,000
6% Preference share capital fully paid-up		3,00,000
General Reserve		3,00,000
Profit & Less A/c		1,20,000
Purchases	8,00,000	
Creditors		2,50,000
Sales		15,50,000
Wages	80,000	
Salaries	20,000	
Commission to M.D.	20,000	
Factory Expenses	13,800	
Carriage Inward	2,000	
Opening Stock:		
Finished goods	1,40,000	
Raw Materials	1,20,000	
Other Administrative Expenses	30,000	
Debtors	3,25,000	
Plant & Machinery	6,00,000	
Furniture	1,20,000	
Dividend unpaid		25,000
Preliminary Expenses	20,000	
Preference share dividend for the year	18,000	
Corporate Dividend Tax	1,800	
Cash and Bank balance	2,89,400	
Provision for Doubtful Debts		4,400
Miscellaneous		50,600
Land and Building	8,00,000	
	34,00,000	34,00,000

टिप्पणी

निम्न सूचनाओं को ध्यान में रखकर 31 मार्च 2019 के वर्ष के लिए विद्यार्थी लिमिटेड का लाभ-हानि खाता एवं चिट्ठा कम्पनी अधिनियम 1956 के अनुसार बनाइऐ–

1. अन्तिम स्कन्ध निर्मित माल 80,000 ₹ कच्चा माल
2. ह्रास प्लाण्ट 10%, फर्नीचर 20%
3. प्रारम्भिक व्यय का 1/2 अपलिखित करना है।
4. आयकर के लिए 35% तथा कॉर्पोरेट लाभांश कर 10% है।
5. देनदारो पर 10% डूबत ऋण संचय कीजिए।
6. प्रबन्ध अभिकर्ता के कमीशन के लिए 18,000 ₹ का प्रावधान कीजिए।
7. समता अंशों पर प्रस्तावित लाभांश दर 10% है।
8. 25,000 ₹ एक ग्राहक से प्राप्त हुए जो पिछले वर्षों में डूबत ऋण के रूप में अपलिखित कर दिया के रूप में गया था। तथा जिन्हें गलती से वसूल होने पर लेनदारों में शामिल कर लिया गया।
9. 16,000 ₹ सामान्य संचय में हस्तांतरित किये जायें।

हल क्रमांक 10

Trading and Profit & Loss A/c
(for the year ended 31.3.2019)

Particulars	₹	Particulars	₹
To Finished goods stock	1,40,000	By Sales	15,50,000
To Raw Material		By Closing stock	80,000
Consumed	8,60,000		
(Opening stock +			
Purchases closing stock)			
To Wages	80,000		
To Carriage Inward	2,000		
To Factory Expenses	13,800		
To Gross Profit c/d	5,34,200		
	16,30,000		16,30,000
To Salaries	20,000	By Gross Profit b/d	5,34,200
To Adm. Expenses	30,000	By Misc. Income	50,600
To Depreciation :		By Bad debt recovered	25,000
Plant & Machinery	6,000		
Furniture	24,000		
To Prel. Expenses	4,000		
To Managing Directors			
Commission	18,000		
To Provision for			
Doubtful debts	28,100		
To Provision for I. Tax	1,48,995		
To Net Profit c/d	2,76,705		
(4,25,700 × 35%)	6,09,800		6,09,800

To Reserve	16,000	By Bal. b/d	1,20,000
To Preference Dividend	18,000	By Profit in the	
To Proposed Equity Div.	80,000	year b/d	2,76,705
To Corporate Div. Tax	9,800		
To Bal. c/d	2,72,905		
	3,96,705		3,96,705

Balance Sheet
(as on 31 March 2019)

Liabilities	₹	Assets	₹
Share Capital:		Fixed Assets:	
Authorised:		Land & Building	
		(Presumed at cost)	8,00,000
3,000, 5% pref shares			
of ₹ 100 each	3,00,000	Plant & Machinery	
6000, equity shares		Balance (1.4.2020)	
of ₹ 100 each	6,00,000	6,00,000	
	9,00,000	***Less*:**	
		Depreciation 60,000	5,40,000
		Furniture:	
		Balance 1,20,000	
		Dep. 24,000	96,000
Issued & Subscribed:		Investments:	Nil
3,000, 6% Preference			
shares of ₹ 100 each			
fully paid	3,00,000	Current Assets,	
		Loans & Advances	
80,000 Equity shares of			
₹ 10 each fully paid	8,00,000	A, Current Assets	
		Stock in trade	
Reserves & Surplus:		Raw	
		Material 60,000	
General		Finished	
Reserve 3,00,000		goods 80,000	1,40,000
Add: During		Sundry	
the year 16,000	3,16,000	Debtors 3,25,000	
Profit & loss A/c	2,72,905	***Less*:** Provision	
Secured Plans:		for bad debts 32,500	2,92,500
Unsecured loans:		Cash in hand &	
		Cash at Bank	2,89,400

Current liabilities & Provisions:		Loans & Advances:	
(A) Current liabilities:		Recoverable from	
Sundry Creditors	2,25,000	Managing Director	2,000
Dividend unpaid	25,000	Miscellaneous Expenditure:	
(B) Provisions:		Preliminary Expenses	16,000
Provision for I. Tax	1,48,995		
Proposed Equity Dividend	80,000		
Corporate Dividend Tax	8,000		
	21,75,900		21,75,900

1.3 लाभांश की घोषणा (Declaration of Dividend)

किसी भी संयुक्त स्कन्ध प्रमण्डल में पूँजी का प्रतिफल लाभांश होता है। लाभांश पर कम्पनी के अंशधारियाँ का अधिकार होता है। कम्पनी में लाभों के बटवोट के लिये कम्पनी अधिनियम 2013 की वैधानिक व्यवस्था लागू होती है। जिसके अन्तर्गत लिखा गया है कि लाभों का बटवारा सीधे अंशधारियाँ को नही किया जा सकता है। जब कम्पनी के वार्षिक खाते वित्तीय वर्ष के आधार पर तैयार हो जाते हैं तब उनका अंकेक्षण कार्य करवाया जाता है। अंकेक्षण हो जाने के उपरान्त कम्पनी के संचालकों की सभा में यह निर्णय किया जाता है कि चालू वर्ष के शुद्ध लाभ एवं पिछले वर्ष के आगे ले जाये गये लाभों में से लाभांश की घोषणा कबसे की जाना है। लाभों में से लाभांश की घोषणा किये जाने के अलावा भी संचालक मण्डल यह ध्यान रखता है कि अंशधारियों को पर्याप्त उचित लाभांश एवं बोनस देने के साथ-साथ कम्पनी की वित्तीय स्थिति भी सुदृढ हो। अतः इस हेतु पर्याप्त संचयों और कोशों का निर्माण भी किया जाता है।

1.4 लाभ-हानि नियोजन खाता एवं लाभों का निपटारा (Profit-Loss Planning Account and Settlement of Benefits)

संयुक्त स्कन्ध प्रमण्डल में लाभ-हानि नियोजन हेतु निम्न दो बातों को ध्यान रखना होगा–

1. विभाजन-योग्य लाभ का विभाजन।
2. संचयों एवं कोषों में लाभों का नियोजन।

1. विभाजन-योग्य लाभ का विभाजन (Division-Division of Gains)

विभाजन-योग्य लाभ का आशय शुद्ध लाभ के उस हिस्से से है जो वैधानिक रूप से प्रमण्डल के अशंधारियाँ में किया जाता है। शुद्ध लाभों के विभाजन हेतु लाभ-हानि नियोजन खाता बनाया जाता है। इस खाते में शुद्ध लाभों को पहले क्रेडिट पक्ष में स्थानांतरित किया जाता है तद्उपरान्त कम्पनी के विभिन्न संचयों एवं कोषों में वांछित रकम हस्तांतरित करने के बाद जो लाभ शेष रहता है उसे अंशधारियों के लिये

उपलब्ध विभाजन-योग्य लाभ कहते हैं। कम्पनी के समस्त लाभ विभाजन-योग्य वही होते हैं। केवल वह लाभ विभाजन-योग्य होते हैं, जिन्हें अंशधारियों को बाँटा जाता है।

अंशधारियों को विभाजन-योग्य लाभ का विभाजन निम्न दो तरीकों से किया जाता है–

1. लाभांश के रूप में।
2. बोनस के रूप में।

कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 123(4) में लाभांश में अन्तरिम लाभांश को सम्मलित करते हुये कहा है! – "लाभांश में अन्तरिम लाभांश सम्मिलित है।"

कम्पनी अधिनियम 2013 में लाभांश के सम्बन्ध में निम्न प्रावधान हैं–

1. कम्पनी वित्तीय वर्ष के लिये केवल उन्हीं लाभों में से लाभांश की घोषणा कर सकती है, जिसमें से धारा 123(1)(a) के अनुसार ह्रास का आयोजन कर दिया गया हो।
2. कम्पनी गत वर्षो के लाभों में से भी लाभांश का वितरण कर सकती है। बेशर्त यह लाभ अवितरित लाभ हैं एवं इसमें से भी धारा 123(1)(a) के अनुसार ह्रास का आयोजन कर दिया गया है।
3. कम्पनी द्वारा ऐसी राशि को भी लाभांश के रूप में विभाजित किया जा सकता है, जो राज्य या केन्द्र शासन द्वारा गारण्टी के अनुसार लाभ विभाजन हेतु दी गई है।
4. कम्पनी के लाभांश का भुगतान केवल पंजीकृत अंशधारियों को या उनके द्वारा निर्देशित व्यक्तियों को ही किया जायेगा।
5. कम्पनी द्वारा लाभांश का भुगतान, घोषणा तिथि के 30 दिन के अन्दर होना चाहिये।
6. कम्पनी के लाभांश की दर संचालक मण्डल द्वारा तय की जाती है।
7. कम्पनी अपने लाभांश की घोषणा संचालक सभा में करती है।
8. विभाजन योग्य लाभ के सम्बन्ध में पार्षद सीमानियम और अन्तनियमों के दिये हुए नियमों का पालन किया जाना आवश्यक है।
9. अन्त में ऐसे लाभांश की राशि जो भुगतान न की गई दो, को विशेष लाभांश खाते में हस्तांतरित कर दी जाती है।

2. संचयों एवं कोषों में से लाभांश का नियोजन (Dividend out of Deposits)

कम्पनी अपने संचयों एवं कोषों में से भी केन्द्रीय सरकार की अनुमति से लाभांश घोषणा नियम, 2014 के अन्तर्गत लाभांश की घोषणा कर सकती है। लाभांश घोषणा नियम, 2014 में निम्न शर्ते हैं–

1. घोषित किए जाने वाले लाभांश की दर गत तीन वर्षों की लाभांश दरों की औसत दर से अधिक नहीं होगी।
2. संचयों से निकली जाने वाली राशि प्रदन्त पूँजी तथा मुक्त संचयों के योग की 10% से अधिक नहीं होगी। इसके अतिरिक्त ऐसी निकाली गयी राशि को

सर्वप्रथम उस वित्तीय वर्ष में हुई हानियाँ को अपलिखित करने के लिए प्रयोग किया जायेगा। एवंम शेष बची राशि को ही लाभांश की घोषणा के लिए प्रयोग किया जा सकता है।

टिप्पणी

3. संचयों में से लाभांश देने के बाद जो शेष राशि आती है, वह राशि कम्पनी की प्रदन्त पूँजी के 15 से कम नहीं होना चाहिये।
4. संचयों में लाभ-हानि नियोजन खाते से प्रतिवर्ष हस्तांतरित राशि सम्मलित होती है।
5. विकास छूट संचय की रकम को भी संचय में शामिल किया जाता है।

1.5 समामेलन के पूर्व एवं पश्चात के लाभ-हानि की गणनाऐं (Counts of Profit and Loss Before and After the Conference)

प्रत्येक प्रमण्डल का समामेलन होना अनिवार्य हैं। कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 11 के अनुसार, किसी भी कम्पनी को अनुबन्ध करने की योग्यता समामेलन का प्रमाण पत्र एवं व्यवसाय चालू करने का प्रमाण पत्र मिलने के बाद ही प्राप्त होता है। जब कम्पनी का निर्माण किया जाता है, तब समामेलन से काफी पूर्व अवधि से इसकी योजना बनाना प्रारम्भ हो जाती है। अतः कम्पनी के प्रवर्तक योजना बनते ही, समामेलन का प्रमाण पत्र प्राप्त किये बिना ही कम्पनी का कार्य करना प्रारम्भा कर देते हैं। कई कम्पनियों का निर्माण ही किसी पुरानी कम्पनी को कर का अधिक लाभ कमाने के उद्देश्य से किया जाता है। ऐसे में कम्पनी के क्रय मूल्य का भुगतान और समामेलन की तिथि में अन्तर हो जाने के कारण यह आवश्यक हो जाता है कि प्रथम वित्तीय वर्ष का लाभ दो भागों में निकाला जाये अर्थात समामेलन के पूर्व का लाभ या हानि एवं समामेलन के पश्चात का लाभ या हानि ज्ञात करना।

क्रय की तारीख से समामेलन की तारीख तक वह व्यवसाय निरंतर चालू रहता है, जिसे क्रय किया गया है। इस अवधि में उस व्यापार से होने वाले लाभ या हानि को समामेलन के पूर्व का लाभ या हानि कहा जाता है। क्रय करने वाली कम्पनी का समामेलन हो जाने पर, समामेलन की तिथि से वित्तीय वर्ष की अन्तिम तिथि तक लाभ या हानि समामेलन के बाद की अवधि का लाभ या हानि कहा जाता है।

इस लाभ या हानि को निम्न द्वारा समझा जा सकता है।

क्रय की तिथि से ⟶ समामेलन तक ⟶ पूर्व का लाभ या हानि

समामेलन की तिथि से ⟶ वित्तीय वर्ष के अन्त तक

⟶ बाद का लाभ या हानि

समामेलन या व्यापार प्रारम्भ करने का प्रमाण पत्र पाने के पूर्व का लाभ या हानि ज्ञात करना।

चुँकि व्यापार खाते में समस्त क्रय-विक्रय के लेखे किये जाते है, अंतः सकल लाभ पूर्व से ही उपलब्ध होता है। इस सकल लाभ में से समामेलन के प्रमाण पत्र प्राप्त करने तक की अवधि के व्यय घटाने के बाद आयी हुई राशि समामेलन के पूर्व का लाभ या हानि कहलाता है।

समामेलन के पूर्व का लाभ, पूँजी लाभ की श्रेणी में रखा जाता है अतः इसे लाभांश की तरह, अंशधारियों को वितरित नही किया जाता है। इस राशि का प्रयोग निम्नलिखित राशियाँ के प्रयोग हेतू किया जाता है–

1. ख्याति के पुस्तकीय मूल्य को कम करने के लिये।
2. पूँजीगत हानियों की पूर्ति के लिये।
3. लाभ की राशि का हस्तांतरण पूँजी संचय में करने के लिये।

समामेलन के पूर्व की हानि का लेखा निम्नलिखित राशियों हेतू किया जाता है–

1. पूर्व से ख्याति की राशि दी हुई होने पर इस राशि में जोड़ कर लेखा किया जाता है।
2. पूर्व से ख्याति की राशि न देने पर, ख्याति खाता खोल कर लेखा किया जाता है।
3. हानि की राशि को पूँजीगत लाभों की राशि में अपलिखित करना।

समामेलन या व्यापार प्रारम्भ करने का प्रमाण पत्र पाने के बाद का लाभ या हानि ज्ञान करना।

समामेलन का प्रमाण पत्र प्राप्त करने के बाद का लाभ-हानि व्यापार का युद्ध लाभ या शुद्ध हानि कहलाती है। अतः इस अवधि का लाभ या हानि ज्ञात करने के लिए समामेलन से वित्तीय वर्ष समाप्ति तक का लाभ एवं हानि खाता बनाया जाता है। समामेलन के बाद का लाभ व्यापार का शुद्ध लाभ होता है, इसका प्रयोग ठिक वैसे ही किया जाता है जैसे किसी कम्पनी के शुद्ध लाभ का सामान्य तौर प्रयोग किया जाता है।

समामेलन के पूर्व एवं बाद का लाभ या हानि ज्ञात करने के लिये सबसे आवश्यक कार्य होता है कि समस्त आयों एवं व्ययों के बटवारे का उचित अनुपात होना। व्यापार में कई प्रकार के आय एवं व्यय होते हैं, इन आयों एवं व्ययों के बंटवारे का क्या आधार होता है, इसकी जानकारी के लिये निम्न बातों पर ध्यान देना होगा–

1. **समय के अनुसार कुल लाभ का बंटवारा करना**– व्यापार के सकल लाभ का विभाजन समय के आधार पर किया जा सकता है। यह विभाजन इस मान्यता को आधार मानकर किया जाता है कि वर्ष-पर्यन्त विक्री एक समान होती है। परन्तु लाभ-विभाजन हेतु यह विधि ज्यादा प्रयोग में नही आती है।

2. **विक्री के अनुसार कुल लाभ का विभाजन करना**– इस विधि के अर्न्तगत सकल लाभ का विभाजन समामेलन के पूर्व के विक्रय एवं समामेलन के बाद के विक्रय के आधार पर किया जाता है। सस विधि को एक उपयुक्त विधि माना गया है।

3. समय एवं विक्री दोनों विधियों का प्रयोग समामेलन के लाभों एवं व्ययों को विभाजन हेतू किया जा सकता है। यह विधि सबसे ज्यादा उपयुक्त विधि होती है इस विधि के अनुसार निम्न अदो को बाँटने का निम्न आधार होता है–

1. सकल आय या सकल लाभ को कम्पनी की बिक्री के आधार पर बाँटना चाहिये।
2. **कुछ व्ययों को समय के अनुसार बाँटना**– बिजली का बिल का व्यय, बीमा प्रीमियम, ब्याज, किराया, बेतन, ह्रास, कार्यालय व्यय, डाक व्यय एवं छपाई व स्टेशनरी के व्ययों को समय या अंवधि के अनुसार बाँटना चाहिये।

3. **कुछ व्ययों की बिक्री के अनुसार बाँटना**— ऐसे व्यय जो विक्रय पर निर्भर रहते हैं, उन्हें समामेलन के पूर्व एवं बाद की बिक्री के अनुपात में बाँटा जाता है जैसे— विज्ञापन व्यय, ग्राहकों को दी जाने वाली छुट, कमिशन, बिक्री व्यय, अप्राध्यभण आदि।
4. **कुछ व्ययों का समामेलन के पूर्व का होना**— व्यापार में कुछ व्ययों की प्रवृति ऐसी होती है, जो समामेलन के पूर्व के ही होते हैं जैसे क्रम मूल्य पर ब्याज एवं विक्रेताओं को दिया जाने वाला कमीशन या अन्य कोई राशि। क्रय मूल्य पर ब्याज का भुगतान यदि समामेलन के बाद तक किया जाता है, तो इसे समामेलन के पूर्व की अवधि एवं समामेलन के बाद की अवधि के अनुपात से बाँटा जाता है।
5. **कुछ व्ययों का समामेलन के बाद का होना**— व्यापार में कुछ व्यय पूर्णतः समामेलन के बाद के व्यय ही होते हैं। अतः इन व्ययों को समामेलन के बाद की अवधिक में ही डेबिट किया जाना चाहिये। जैसे संचालकों की फीस, प्रबन्ध संचालकों का शुल्क एवं पारिश्रमिक या अन्य कोई देय राशि, प्रमाण पत्रों पर ब्याज, यह व्यय हमेशा समामेलन के बाद के ही व्यय होते हैं। इसके अतिरिक्त प्रारम्भिक व्यय एवं राजनीतिक पार्टी को कम्पनी द्वारा दिया गया चन्दा भी समामेलन की बाद की अवधि का होता है।
6. **व्ययों की प्रवृति के अनुसार व्ययों का बंटवारा**— व्ययों को स्थायी एवं परिवर्तनशील व्ययों में विभाजित किया गया है। अतः स्थायी व्ययों को समय के आधार पर एवं परिवर्तनशील व्ययों को बिक्री के आधार पर बाँटा जाना चाहिये।

समामेलन के पूर्व एवं बाद का लाभ ज्ञात करने के लिये विवरण पत्र भी बनाया जा सकता है या फिर लाभ-हानि खाता बनाकार भी पूर्व एवं बाद का लाभ किया जा सकता है। यहाँ हम पहले विवरण पत्र के आधार पर एक उदाहरण देखगें, उसके बाद लाभ-हानि खाता बनाकर पूर्व एवं बाद का लाभ ज्ञात करेंगें।

उदाहरण— 11

एक सीमित दायित्ववाली कम्पनी के निम्न व्यवहार दिये हुये हैं।

1. वर्ष का सकल लाभ ₹ 1,00,000;
2. वर्ष की बिक्री ₹ 2,50,000;
3. बिक्री व्यय ₹ 10,000;
4. प्रारम्भिक व्यय ₹ 5,000;
5. वेतन ₹ 12,000।

कम्पनी 1 अप्रैल 2019 से प्रारम्भ हुई, लेकिन समामेलन का प्रमाण पत्र 1 जुलाई 2019 को प्राप्त हुआ। अन्तिम खाते प्रति वर्ष 31 मार्च को बनाए जाते हैं। वर्ष में समामेलन से पूर्व की बिक्री ₹ 50,000 है जो उपरोक्त बिक्री में सम्मलित है। समामेलन के पूर्व एवं समामेलन के बाद का लाभ निकालने के लिये विवरण पत्र बनाइऐ।

टिप्पणी

हल क्रमांक 11

Statement Showing Pre & Post Incorporation Profit
(for the year ended on 31st March, 2020)

Particulars	Total amount	Basis of allocation	Pre incorporation	Post incorporation
Gross profit	1,00,000	Sales	20,000	80,000
Less: Selling Exp.	10,000	Sales	2,000	8,000
Less: Preliminary Exp.	5,000	Post	—	5,000
Less: Salary	12,000	Time	3,000	9,000
Total Net Profit	73,000			
Pre Incorporation			15,000	
Post Incorporation				58,000

1. बिक्री अनुपान की गणना

   पूर्व की बिक्री ₹ 50,000

   बाद की बिक्री ₹ 2,00,000

   बिक्री अनुपात 5:20 या 1:4

2. समय अनुपात की गणना

   पूर्व का समय – 1 अप्रैल से 1 जुलाई तक = 3 माह

   बाद का समय – 1 जुलाई से 31 मार्च तक = 9 माह

3. बिक्री व्यय का विभाजन

   पूर्व का व्यय = $10{,}000 \times \frac{1}{5} = 2{,}000$

   बाद का व्यय = $10{,}000 \times \frac{4}{5} = 8{,}000$

4. वेतन का विभाजन

   पूर्व का वेतन = $12{,}000 \times \frac{1}{4} = 3{,}000$

   बाद का वेतन = $12{,}000 \times \frac{3}{4} = 9{,}000$

उदाहरण– 12

1 अप्रैल 2019 से एक कम्पनी का व्यवसाय प्रारम्भ करने के लिये आदित्य सचान लिमिटेड का समामेलन 31 अगस्त, 2019 को सम्पन्न हुआ। इस सम्बन्ध में निम्न व्ययों को पुस्तकों में दिखाया गया है। आपको समामेलन के पूर्व एवं बाद के लाभों की गणना लाभ-हानि खाता बनाकर करनी है।

Bad debts	₹	360
Director's fee	₹	1,200
Interest to vendor	₹	400
Depreciation	₹	600
Gross profit	₹	12,000
Salaries	₹	720
General Expeience	₹	840
Sales	₹	75,000

1 अप्रैल से 31 अगस्त के मध्य की बिक्री ₹ 25,000 है।

हल क्रमांक 12

Profit and Loss A/c

(for the year ending on 31st March, 2020)

Particulars	Prior	Post	Particulars	Prior	Post
To Bad dabts	120	240	By Gross Profit	4,000	8,000
To Director fees		1,200			
To Interest to vendor		400			
To Depreciation	250	350			
To Salary	300	420			
To General Exp.	350	490			
To Net Profit	2,980	4,900			
	4,000	8,000		4,000	8,000

1. सकल लाभ का विभाजन बिक्री अनुसार होगा, बिक्री अनुपात निम्नानुसार निकाला जायेगा।

   समामेलन से पूर्व की अवधि की बिक्री ₹ 25,000

   समामेलन से बाद की अवधि की बिक्री ₹ 50,000

   बिक्री अनुपात 25,000:50,000 या 1:2

   सकल लाभ पूर्व का = $12{,}000 \times \frac{1}{3} = 4{,}000$

   सकल लाभ बाद का = $12{,}000 \times \frac{2}{3} = 8{,}000$

2. बुरा ऋण का विभाजन बिक्री के अनुपात में।

   पूर्व का = $360 \times \frac{1}{3} = 120$

   बाद का = $360 \times \frac{2}{3} = 240$

3. ह्रास का विभाजन समयनुसार होगा।

   समामेलन से पूर्व का समय = 1 अप्रैल से 31 अगस्त तक = 5 माह

   समामेलन से बाद का समय = 31 अगस्त से 31 मार्च तक = 7 माह

समय अनुपात = 5:7

पूर्व का ह्रास = $600 \times 5/12 = 250$

बाद का ह्रास = $600 \times 7/12 = 350$

4. वेतन का विभाजन समयनुसार होगा।

पूर्व का वेतन = $720 \times 5/12 = 300$

बाद का वेतन = $720 \times 7/12 = 420$

5. सामान्य व्यय का विभाजन समयनुसार होगा।

पूर्व का व्यय = $840 \times 5/12 = 350$

बाद का व्यय = $840 \times 7/12 = 490$

अपनी प्रगति जाँचिए (Check Your Progress)

1. समामेलन के पूर्व के लाभ को हस्तांतरित किया जाता है।
   (क) सामान्य संचय में (ख) पूँजी संचय में
   (ग) व्यापार खाते में (घ) प्रारम्भिक व्यय में
2. समामेलन के बाद के लाभ को हस्तांतरित किया जाता है।
   (क) सामान्य संचय में (ख) पूँजी संचय में
   (ग) व्यापार खाते में (घ) लाभ-हानि खाते में
3. वेतन को विभाजित किया जाता है।
   (क) समय अनुपात में (ख) बिक्री अनुपात में
   (ग) बाद का व्यय है (घ) पूर्व का व्यय है
4. बिक्री व्यय को विभाजित किया जाता है।
   (क) समय अनुपात में (ख) बिक्री अनुपात में
   (ग) बाद का व्यय है (घ) पूर्व का व्यय है
5. प्रारम्भिक व्यय को विभाजित किया जाता है।
   (क) समय अनुपात में (ख) बिक्री के अनुपात में
   (ग) बाद का व्यय है (घ) पूर्व का व्यय है

1.6 अंश पूँजी व्यवहार का लेखांकन (Authoring Share Capital Transaction)

प्रायः एक सीमित कम्पनी की पूँजी बराबर-बराबर के अनेक भागों में विभाजित होती है और ऐसा प्रत्येक भाग अंश कहलाता है। कम्पनी अधिनियम के अनुसार अंश का आशय कम्पनी की अंश पूँजी के अंश से है तथा इसमें स्कन्ध (Stock) भी सम्मिलित होते हैं जब तक कि अंश और स्कन्ध में अन्तर न किया गया हो। स्कन्ध कम्पनी के पूर्ण दत्त अंशों का परिवर्तित रूप होते हैं।

1.6.1 अंशों के प्रकार (Types of Share)

टिप्पणी

कम्पनी अधिनियम 1956 के अन्तर्गत एक सार्वजनिक कम्पनी निम्न दो प्रकार के अंशों को निर्गमित कर सकती है–

(i) पूर्वाधिकार अंश

(ii) साधारण अंश

1.6.2 पूर्वाधिकार अंश (Preference Shares)

इन अंशों से आशय उन अंशों से है, जिन्हें लाभांश सम्बन्धी तथा पूँजी के पुर्नभुगतान सम्बन्धी पूर्वाधिकार प्राप्त होते हैं। पूर्वाधिकार अंश निम्न प्रकार के हो सकते हैं–

(अ) संचयी पूर्वाधिकार अंश (Cumulative Preference Shares)– इस प्रकार के पूर्वाधिकार अंशों के अंशधारी को यदि किसी वर्ष कम्पनी को लाभ कम होने या न होने की दशा में लाभांश न दिया गया हो, तो इस बकाया लाभांश को अगले वर्षों के लाभों से दिया जाता है। इस प्रकार ऐसे अंशों पर लाभांश संचयी होता है।

(ब) असंचयी पूर्वाधिकार अंश (Non-Cumulative Preference Shares)– ऐसे अंशधारियों को लाभांश प्रत्येक वर्ष दिया जाता है। यदि किसी वर्ष लाभ कम होने या न होने के कारण लाभांश न वितरित किया जाय, तो अगले वर्ष कम्पनी द्वारा लाभांश नहीं दिया जाता है।

(क) शोध्य पूर्वाधिकार अंश (Redeemable Preference Shares)– कोई भी कम्पनी अपने अन्तर्नियमों द्वारा अधिकृत होने पर ऐसे पूर्वाधिकार अंशों को अपने जीवनकाल में पूर्ण भुगतान कर सकती है।

(ड) अशोध्य पूर्वाधिकार अंश (Irredeemable Preference Shares)– इस प्रकार के अंश कम्पनी के पास स्थायी पूँजी के रूप में रहते हैं और कम्पनी अपने समापन के पहले इनको वापस नहीं करती।

(य) परिवर्तनशील पूर्वाधिकार अंश (Convertible Preference Shares)– ऐसे अंशधारियों को यह अधिकार प्राप्त होता है कि वे अपने अंशों को एक निश्चित समय के अन्दर या एक निश्चित तिथि तक साधारण अंशों में परिवर्तित करा सकते हैं।

(र) भागयुक्त पूर्वाधिकार अंश (Participating Preference Shares)– ऐसे अंशधारियों को निश्चित दर से लाभांश देने के बाद कम्पनी के अतिरिक्त शेष लाभों में से साधारण अंशधारियों के साथ इनको भी हिस्सा पाने का अधिकार होता है।

(ल) अभाग्ययुक्त पूर्वाधिकार अंश (Non-Participating Preference Shares)– ये वे पूर्वाधिकार अंश होते हैं, जो भागयुक्त नहीं होते हैं।

1.6.3 साधारण अंश (Equity Shares)

साधारण अंश वे अंश होते हैं, जो पूर्वाधिकार अंश नहीं होते। साधारण अंशों पर लाभांश पूर्वाधिकार अंशों पर निश्चित लाभांश देने के बाद प्राप्त होता है तथा ऐसे अंशों की पूँजी की वापसी कम्पनी के समापन पर पूर्वाधिकार अंशों की पूँजी की वापसी के बाद ही की जा सकती है।

1.6.4 अंश पूँजी के प्रकार (Forms of Share Capital)

एक कम्पनी की पूँजी का विभाजन निम्नलिखित रूपों में किया जा सकता है–

1. अधिकृत पूँजी (Authorised Capital)– ऐसी पूँजी जिसका वर्णन कम्पनी के पार्षद सीमा नियम में होता है। यह पूँजी की वह अधिकतम राशि है जिसको निर्गमित करने का अधिकार कम्पनी को प्राप्त है।

2. निर्गमित पूँजी (Issued Capital)– निर्गमित पूँजी कम्पनी की अधिकतम पूँजी का वह भाग है जो कम्पनी द्वारा वास्तव में निर्गमित किया गया है अर्थात पूँजी के जितने अंशों का आबंटन कर दिया गया है, की अंकित मूल्य निर्गमित पूँजी कहलाता है।

3. प्रार्थित पूँजी (Subscribed Capital)– निर्गमित पूँजी का वह भाग जो जनता द्वारा ले लिया जाता है उसे प्रार्थित पूँजी या अभिदत्व पूँजी कहते हैं।

4. याचित पूँजी या माँगी गयी पूँजी (Called-up Capital)– यह प्रार्थित पूँजी का वह भाग जो जनता द्वारा याचित किया जाता है उसे माँगी गयी पूँजी कहते हैं।

5. दत्त पूँजी या चुकता पूँजी (Paid-up Capital)– याचित पूँजी का वह भाग जो जनता द्वारा वास्तव में चुका दिया गया हो उसे चुकता पूँजी कहते हैं।

6. संचित पूँजी (Reserve Capital)– कम्पनी एक प्रस्ताव के द्वारा यह निर्णय कर सकती है कि कम्पनी की प्रार्थित पूँजी का वह भाग जो माँगा नहीं गया है, केवल कम्पनी के समापन की दशा में ही माँगा जायेगा। पूँजी के ऐसे भाग को संचित पूँजी कहते हैं।

1.6.5 अंशों का निर्गमन (Issue of Shares)

अंश पूँजी के निर्गमन के लिए कम्पनी प्रविवरण (Prospectus) के माध्यम से आवेदन–पत्र माँगती है। अंशों को लेने के इच्छुक विनियोग कर्ता वर्ग अपने आवेदन पत्र की राशि सहित कम्पनी के बैंकरों के पास जमा कराते हैं। यह राशि आवेदन खाते में जमा होती है। आवेदन के लिए निर्धारित तिथि एवं अवधि व्यतीत होने पर कम्पनी का बैंकर आवेदनों की तालिका कम्पनी को भेजता है। कम्पनी द्वारा आवेदनों की व्यापक जांच की जाती है तथा अधिक राशि के आवेदन व अपूर्ण राशि के आवेदन–पत्रों को हटाकर शेष उचित आवेदन पत्रों को स्वीकृत कर लिया जाता है। जो आवेदन–पत्र स्वीकृत नहीं होते, उनकी राशि वापस कर दी जाती है। स्वीकृत आवेदन–पत्रों को क्रमबद्ध किया जाता है तथा उन्हें अंश आवेदन एवं आबंटन पुस्तक में लिख लिया जाता है।

इसके पश्चात् अंशों के आबंटन (Allotment) का कार्य प्रारम्भ होता है। एक सार्वजनिक कम्पनी द्वारा अंशों के आबंटन से सम्बन्धित निम्न प्रावधान हैं–

(i) बिना न्यूनतम अभिदान (Minimum subscription) प्राप्त किये हुए कोई भी लोक कम्पनी अपने अंशों का आबंटन नहीं कर सकती। न्यूनतम अभिदान की राशि कम से कम अंशों के अंकित मूल्य का 5 प्रतिशत होनी चाहिए और यह धनराशि किसी अनुसूचित बैंक में जमा होनी चाहिए।

(ii) कम्पनी के अंशों के आवेदकों से प्राप्त समस्त धनराशि किसी अनुसूचित बैंक में तब तक जमा रहती है जब तक कि कम्पनी को ब्यापार प्रारम्भ करने का प्रमाण–पत्र प्राप्त नहीं हो जाता।

(iii) यदि प्रविवरण निर्गमन के 120 दिनों के अन्दर उपर्युक्त दोनों शर्तों का पालन नहीं हो पाता तो सम्पूर्ण आवेदन राशि तुरन्त लौटा दी जानी चाहिए और यदि अगले 10 दिनों के अन्दर ऐसी राशि न लौटायी गयी तो 130 वे दिन के समाप्त होते ही कम्पनी के संचालकगण संयुक्त रूप से 6% ब्याज सहित ऐसी राशि को चुकाने के लिए उत्तरदायी होंगे।

(iv) आबंटन के पश्चात् प्रत्येक कम्पनी को कम्पनी रजिस्ट्रार के पास एक आबंटन ब्यौरा 30 दिन के अन्दर भेज देना चाहिए।

अंशों पर माँग (Calls on Shares)– अंशों पर आबंटन राशि की प्राप्ति के पश्चात् कम्पनी के संचालक अंशों पर देय शेष राशि को अंशधारियों से एक या एक से अधिक किश्तों में माँगते हैं। ऐसी किश्तों को माँग (Calls) कहते हैं। कम्पनी अंशधारियों से की गयी माँग का विवरण एक माँग पुस्तक (Call book) में रखती है। इस पुस्तक में नाम, पता, अंशों की संख्या, देय राशि, भुगतान की तिथि, भुगतान की गई राशि आदि के स्तम्भ होते हैं।

वित्तीय पुस्तकों में लेखांकन (Accounting in Financial Books)

1. जब अंशों की राशि किस्तों में न प्राप्त होकर पूर्ण रूप से एक साथ प्राप्त होती है तो निम्न प्रविष्टि होती है।

Cash or Bank A/c Dr.
    To Share Capital A/c

2. आवेदन–पत्र की राशि प्राप्त होने पर–

Bank A/c Dr.
    To Share Application A/c

3. आवेदन–पत्र की राशि को अंश पूँजी खाते में हस्तांतरित करने पर–

Share Application A/c Dr.
    To Share Capital A/c

4. आवंटन की राशि अंश पूँजी खाते में हस्तांतरित करने पर–

Share Allotment A/c Dr.
    To Share Capital A/c

5. आबंटन की राशि प्राप्त होने पर–

Bank A/c Dr.
    To Share Allotment A/c

यदि कुछ अंशधारियों के आवेदन पर भेजी हुई राशि का उपयोग आबंटन के लिए करना हो अथवा आवेदन पर प्राप्त आधिक्य की राशि को वापस करना हो तो निम्नलिखित प्रविष्टि करेंगे।

टिप्पणी

Share Application A/c Dr.

To Share allotment A/c

या

Share Application A/c Dr.

To Bank A/c

6. आबंटन के पश्चात् प्रथम माँग करने पर–

Share First Call A/c Dr.

To Share Capital A/c

7. प्रथम माँग की राशि प्राप्त होने पर–

Bank A/c Dr.

To Share First Call A/c

8. द्वितीय या अन्तिम माँग के देय होने पर–

Share Second or Final Call A/c Dr.

To Share Capital A/c

9. द्वितीय या अन्तिम माँग की राशि प्राप्त होने पर–

Bank A/c Dr.

To share second or final call A/c

10. आबंटन के साथ अंशों की पूरी राशि अग्रिम प्राप्त हो जाने पर–

Bank A/c Dr.

To Calls in Advance Account A/c

11. माँग करने पर भी राशि न प्राप्त होने पर–

Call in Arrear Account Dr.

To Share allotment A/c

Or To Share First Call A/c

Or To Share Second or Final

Call A/c

अग्रिम प्राप्त माँगें (Calls in Advance)– माँग अग्रिम में प्राप्त होने से आशय माँग करने से पूर्व ही अंशधारी द्वारा अंशों की पूरी राशि चुका दी जाने से है। इस हेतु माँग की अग्रिम राशि का लेखा (Calls in Adv.) खाता खोला जाता है तथा उसमें राशि जमा कर ली जाती है तथा याचनाओं के समय याचित राशि इसमें से समायोजित कर ली जाती है। इस राशि पर कम्पनी अधिकतम 6% की दर से ब्याज दे सकती है। जब तक समायोजन नहीं होता है, इस लेखे का शेष स्थिति विवरण में दायित्व में दर्शाया जाता है।

टिप्पणी

2. अदत्त याचना (Calls in Arrears)– अदत्त याचना से आशय उस राशि से होता है जो याचना करने के बावजूद भी अंशधारी द्वारा नहीं चुकायी जाती है। साधारणतया इसका लेखा आवश्यक नहीं होता है। मात्र स्थिति विवरण पत्र में दायित्व पक्ष में कुल माँगी गयी पूँजी में से अदत्त याचना की राशि घटा दी जाती है तथा कभी अंशधारी चाहे तो अदत्त राशि का भुगतान 5% की दर से ब्याज के साथ अदत्त राशि कम्पनी को दे सकता है।

1.6.6 अंशों के निर्गमन की विधियाँ (Methods of Issue of Shares)

1. अंशों का सम-मूल्य पर निर्गमन (Issue of Shares at Par)– जब अंकित मूल्य पर अंशों का निर्गमन किया जाता है तो इसे सम-मूल्य पर अंशों का निर्गमन कहा जाता है। जैसे अंशों का प्रतिअंश अंकित मूल्य 10 रुपये है तो अंशों पर आवेदन, आबंटन तथा याचनाओं के रूप में 10 रुपये ही अंशधारियों से माँगे जाते हैं तो यह अंशों का सम-मूल्य पर निर्गमन कहलायेगा।

2. अंशों का प्रब्याजि पर निर्गमन (Issue of Shares at Premium)– प्रत्येक अंश का अंकित मूल्य होता है। जब अंशों को अंकित मूल्य से अधिक मूल्य पर निर्गमित किया गया हो तो निर्गमन मूल्य तथा अंकित मूल्य का जो अन्तर होता है उसे प्रब्याजि (Premium) कहते हैं।

ऐसे प्रब्याजि का उपयोग कम्पनी के अंशों तथा ऋण पत्रों के निर्गमन पर व्यय या कमीशन या छूट के अपलेखन के लिए किया जाता है। कम्पनी के किन्हीं शोध्य पूर्वाधिकार अंशों या ऋण पत्रों के शोधन (Redemption) पर कोई प्रब्याजि दिये जाने की व्यवस्था हो तो उसके लिए भी अंशों पर प्रब्याजि का उपयोग किया जा सकता है। प्रीमियम की राशि, प्रार्थना-पत्र, आबंटन अथवा याचना राशि के साथ मँगाई जा सकती है। यदि प्रब्याजि की राशि आबंटन के साथ मँगाई जाती है तो जर्नल का लेखा निम्न प्रकार किया जायेगा–

Share allotment A/c　　　　　　Dr.
　　To Share Capital A/c
　　To Share Premium A/c

Note— यदि प्रश्न में यह स्पष्ट नहीं किया गया है कि प्रीमियम की रकम किस याचना के साथ मँगाई गई है तो प्रीमियम की रकम आबंटन की राशि के साथ मँगाना उचित होगा।

3. अंशों का छूट पर निर्गमन (Issue Shares at Discount)– यदि कम्पनी अपने अंशों का निर्गमन अंकित मूल्य से कम पर करती है तो इसे छूट पर निर्गमन कहते हैं। साधारणतया एक कम्पनी अपने अंशों का निर्गमन छूट पर नहीं कर सकती। छूट पर अंशों का निर्गमन करने के सम्बन्ध में निम्नलिखित नियम हैं–

(i) छूट पर निर्गमन के सम्बन्ध में कम्पनी की साधारण सभा में प्रस्ताव पास कर लिया गया है।
(ii) न्यायालय की स्वीकृति प्राप्त हो गयी हो।
(iii) छूट की अधिकतम दर 10% है, इस दर में वृद्धि केन्द्रीय सरकार की अनुमति से ही की जा सकती है।
(iv) कम्पनी को व्यापार करने का अधिकार प्राप्त करने के बाद कम से कम एक वर्ष व्यतीत हो चुका है।

(v) केवल वही अंश छूट पर निर्गमित किये जा सकते हैं, जिस वर्ग के अंश पहले से ही निर्गमित हों।

(vi) अंशों का निर्गमन न्यायालय द्वारा स्वीकृति देने के दो माह के अन्दर हो जाना आवश्यक है। अन्यथा न्यायालय से समय वृद्धि की स्वीकृति प्राप्त करना आवश्यक है। छूट के सम्बन्ध में जर्नल लेखा आबंटन के समय किया जाता है। जो निम्न प्रकार है।

Share Allotment A/c Dr.
Discount on issue of share A/c Dr.
    To Share Capital A/c

छूट खाते को चिट्ठे में सम्पत्ति पक्ष में दिखाते हैं। इस खाते का एक भाग प्रतिवर्ष लाभ-हानि खाते में अपलिखित करने जाते हैं। छूट को लाभ-हानि खाते में अपलिखित करने के सम्बन्ध में निम्नलिखित जर्नल लेखा होगा।

Profit and Loss A/c Dr.
    To Discount on issue of shares A/c

उदाहरण– 13

Raghu Ltd. invites applications for 10,000 shares at ₹ 10 each, at a premium of ₹ 2 per share, payable as ₹ 2 on application, ₹ 5 on allotment (including premium) and balance one month later. All the shares are subscribed, alloted and paid for at due dates. Show journal entries and prepare cash book.

रघु लि. ने 10 ₹ वाले 10,000 अंशों के लिए 2 ₹ प्रीमियम पर प्रार्थना-पत्र आमन्त्रित किये। इस पर 2 ₹ प्रार्थना-पत्र पर, 5 ₹ आबंटन पर (प्रीमियम सहित) और शेष रकम एक माह बाद मँगाई जानी थी। सब अंशों के लिए प्रार्थना-पत्र प्राप्त हो गये और उनका आबंटन हो गया और निश्चित तिथि पर भुगतान प्राप्त हो गया। जर्नल में आवश्यक लेखे कीजिए और रोकड़ बही बनाइये।

हल क्रमांक 13

Journal Entries	Amt. (₹)	Amt. (₹)
1. Share Application A/c Dr.	20,000	
To share capital A/c		20,000
(being share application money transferred to share capital A/c)		
2. Share Allotment A/c Dr.	50,000	
To share capital A/c		30,000
To share premium A/c		20,000
(being allotment money due on 10,000 share @ 5% par share including share premium @ ₹ 2 par share		
3. Share call A/c Dr.	50,000	
To share capital A/c		50,000
(being share call money due on 10,000 share @ 5% per share)		

टिप्पणी

Cash Book (Bank Column only)

To Share app. A/c To Share allot. A/c To Share call A/c	20,000 50,000 50,000	By Bal c/d	1,20,000
	1,20,000		1,20,000

उदाहरण– 14

Ram Ltd. invited applications for 1,000 shares of ₹ 100 each at a discount of 6%, payable as follows– on application-₹ 25, on allotment-₹ 34, On I[st] and final Call-₹ 35, the application were received for 900 shares and all of these were accepted. All money due were received except the first and final call on 10 shares. Pass the entries in the cash book and journal of the company. Also show how these transactions will be reflected in the company's balance sheet.

राम लि. ने 100 ₹ वाले 1,000 अंशों के लिए 6% छूट पर प्रार्थना-पत्र आमन्त्रित किया। अंशों पर निम्न प्रकार राशियाँ प्राप्त हुई।

प्रार्थना-पत्र पर– 25 ₹, आबंटन पर– 34 ₹, प्रथम एवं अन्तिम याचना पर 35 ₹।

900 अंशों के लिए प्रार्थना-पत्र प्राप्त हुए। सब प्रार्थना-पत्र स्वीकार कर लिये गये। 10 अंशों पर प्रथम एवं अन्तिम याचना को छोड़कर सब रकम प्राप्त हो गई। कम्पनी की रोकड़ पुस्तक में तथा जर्नल में आवश्यक लेखे कीजिए, ये लेन-देन कम्पनी के चिट्ठे में प्रदर्शित कीजिए।

हल क्रमांक 14

Journal of Ram Ltd.

Share app. A/c Dr. To Share capital A/c (being the share App. money due)	22,500	22,500
Share allotment A/c Dr. Discount on issue of shares A/c To Share Capital A/c (being the share allot. due)	30,600 5400	36,000
Share first and final call A/c Dr. To Share capital A/c (being the share first & final call due)	31,500	31,500

Cash Book (Bank Column only)

To Share application A/c To Share allotment A/c To Share first and final call A/c	22,500 30,600 31,150	By Bal. c/d	84,250
	84,250		84,250

Balance Sheet.......

Liabilities		Amt. (₹)	Assets	Amt. (₹)
Share Capital:			Cash at Bank	84,250
900 shares at			Discount on	
₹ 100 each	90,000		Issue of	5,400
Less: Calls in	350	89,650	Shares	
Arrears				
		89,650		89,650

1.6.7 अंशों का हरण (Forfeiture of Shares)

यदि कोई अंशधारी अपने अंशों पर समस्त रकम का भुगतान नहीं करता है तो उन अंशों का हरण किया जा सकता है अर्थात् उस अंशधारी का नाम अंशधारियों के रजिस्टर से निकाल दिया जायेगा तथा उन अंशों पर भुगतान की गई राशि जब्त कर ली जायेगी। कोई कम्पनी अंशों का हरण तभी कर सकती है जब कम्पनी के अन्तर्नियम उसे यह अधिकार प्रदान करते हैं। इस सम्बन्ध में जर्नल लेखा निम्न प्रकार होगा–

Share Capital A/c	Dr.	(जब्त किये गये अंशों पर कुल माँगी गई राशि)
To share forfeiture A/c		(प्राप्त हुई राशि)
To various Calls A/c		(याचनाओं पर अप्राप्य राशि)

उदाहरण– 15

वासू कम्पनी ने 200 ₹ अंकित मूल्य वाले अंश जारी किये जिन पर प्रार्थना की 15 ₹ राशि तथा आबंटन पर 40 रुपये प्राप्त हो चुके हैं परन्तु 150 अंशों पर पहली माँग 30 रुपये की और दूसरी माँग 15 ₹ की प्राप्त नहीं हुई है और इन अंशों को जब्त कर लिया गया है। हरण सम्बन्धी लेखे कीजिए।

हल क्रमांक 15

Share Capital A/c	Dr.	(150 × 100)	15,000
To Share First Call A/c		(150 × 30)	4,500
To Share Final Call A/c			2,250
To Share Forfeiture A/c			8,250

उदाहरण– 16

जय के पास 10 ₹ वाले 20 अंश थे, जिसमें से उसने 2 ₹ प्रार्थना-पत्र के दिये, लेकिन आबंटन के 3 ₹ और प्रथम माँग के 1 ₹ न दे सका। संचालकों ने अंशों का हरण कर लिया। अंशों के हरण सम्बन्धित आवश्यक प्रविष्टियों को जर्नल में लेखे कीजिए।

हल क्रमांक 16

Jai was holding 20 shares of ₹ 10 each on which he paid ₹ 2 on application but could not pay ₹ 3 on allotment and ₹ 1 on first call, directors forfeited the shares. Give journal entries needed for recording the forfeiture of shares.

Journal

Share Capital A/c	Dr.	(20 × 6)	120	
To Share allotment A/c		(20 × 3)		60
To Share first call A/c		(20 × 1)		20
To Share forfeited A/c				40

छूट (Discount) पर निर्गमित अंशों का हरण–

(i) अंशों के हरण का जर्नल लेखा करते समय, जो अंश कटौती पर निर्गमित किये हैं उनको (Discount on share account) से निरस्त कर देना चाहिए।

(ii) यह एक प्रकार की हानि है। जब अंशों का निर्गमन किया था तब (Discount A/c) डेबिट किया गया होगा। अतः निरस्तीकरण के समय इसे क्रेडिट करेंगे।

उदाहरण– 17

शरद के पास वासू लि. के 10 ₹ वाले 30 अंश थे जो 10% छूट पर निर्गमित किये गये थे। उसने 2 ₹ प्रार्थना पर दिये लेकिन आबंटन के 3 ₹ नहीं दे सका। उसके अंशों का हरण कर लिया गया। अंशों के हरण की जर्नल में प्रविष्टियाँ कीजिए।

Sharad was holding 30 shares at ₹ 10 each of Vasu Ltd. issued at 10% Discount, he paid ₹ 2 on application but could not pay the allotment money ₹ 3 and his shares were forfeited. Make journal entry for forfeiture on shares.

हल क्रमांक 17

Journal Entries

Share Capital A/c	Dr.	(30 × 6)	180	
To Share allotment A/c		(30 × 3)		90
To Discount on share		(30 × 1)		30
To Share forfeiture A/c				60

प्रीमियम पर निर्गमित अंशों का हरण–

(i) यदि अंशों का प्रीमियम पर निर्गमन किया गया है और प्रीमियम की राशि प्राप्त नहीं हुई है तो प्रीमियम खाते को डेबिट कर दिया जाता है।

(ii) यदि अंशों का प्रीमियम पर निर्गमन किया गया है और प्रीमियम की राशि प्राप्त हो गयी है तो प्रीमियम खाते को डेबिट नहीं किया जायेगा।

टिप्पणी

उदाहरण– 18

A लिमिटेड ने 10 ₹ अंशों का निर्गमन 10% प्रब्याजि पर किया। राशि इस प्रकारदेय थी– 2 ₹ आवेदन पर, 3 ₹ आंवल पर (प्रब्याजि सहित), 2 ₹ प्रथम याचना पर एवं 4 ₹ अन्तिम याचना पर P जो 50 अंशों का स्वामी था, ने आबंटन का धन और प्रथम माँग के रुपये नहीं जमा किये। उनके अंशों का हरण कर लिया गया। S जो कि 30 अंशों का मालिक था, ने भी प्रथम माँग के रुपये नहीं दिये। उसके अंशों का भी हरण कर लिया गया। इन अंशों का हरण प्रथम याचना के तुरन्त बाद कर लिया गया। अंशों के हरण से सम्बन्धित जर्नल में आवश्यक लेखे कीजिए।

A. Ltd. issued shares of ₹ 10 each at 10% premium payable as follows– on application ₹ 2, on allotment ₹ 3 (including premium), on first call ₹ 2, on final call ₹ 4, P who was holding 50 shares did not pay his allotment and first call. His shares were forfeited and S who was holding 30 shares, did not pay first call and his shares were also forfeited. These shares were forfeited after first call, i.e., before making second call. Journalise transactions to record forfeiture of shares.

हल क्रमांक 18

Journal Entries

Share Capital A/c	Dr.	(50 × 6)	300	
Share premium A/c	Dr.	(50 × 1)	50	
To Share allotment A/c		(50 × 3)		150
To Share first call A/c	Dr.	(50 × 2)		100
To Share forfeiture A/c				100
Share Capital A/c	Dr.	(30 × 6)	180	
To Share first call A/c	Dr.	(30 × 4)		120
To Share forfeiture A/c	Dr.	(30 × 2)		60

उदाहरण– 19

'A' Company limited invited application for 5,000 shares of the value of ₹ 20 each. The amount is payable as ₹ 5 on application, as ₹ 7 on allotment and balance as and when required.

The whole of above issue was applied for and cash duly received. Give the journal entries for the above transaction.

हल क्रमांक 19

Books of 'A' Company Ltd.

Journal

टिप्पणी

Date	Particulars	L.F.	Amt. Dr.	Amt. Cr.
	Bank A/c Dr. To share application A/c (being application money received on 5,000 shares at ₹ 5 per share)		25,000	 25,000
	Share Application A/c Dr. To Share Capital A/c (being application money transferred to share capital account)		25,000	 25,000
	Share allotment A/c Dr. To Share Capital A/c (being allotment money due on 5,000 shares)		35,000	 35,000
	Bank A/c Dr. To Share Allotment A/c (being receipt on 5,000 @ 7 share)		35,000	 35,000

1.6.8 पूर्वाधिकार अंशों का शोधन (Redemption of Preference Shares)

पूर्वाधिकार अंशों से तात्पर्य ऐसे अंशों से है, जिन्हें समता अंशों से पहले एक निश्चित प्रतिशत से भुगतान किया जाता है। एक सीमित दायित्व वाली कम्पनी शोध योग्य पूर्वाधिकार अंशों का निर्गमन कर सकती है। शोधन का तात्पर्य भुगतान से है। शोध्य योग्य पूर्वाधिकार अंशों का निर्गमन कर सकती है। शोधन का तात्पर्य भुगतान से है। शोध्य योग्य पूर्वाधिकार अंशों का भुगतान निश्चित तिथि को निर्धारित समय के पश्चात् किया जा सकता है। परन्तु यह भुगतान अवधि, निर्गमन तिथि से बीस वर्ष से अधिक की नहीं होनी चाहिए। सामान्यतया अंशों द्वारा सीमित कम्पनी को कम्पनी समापन के अतिरिक्त पूँजी लौटाने का अधिकार नहीं है। परन्तु कम्पनी द्वारा शोधनीय पूर्वाधिकार अंशों का निर्गमन किया जाता है, तो ऐसे अंशों के शोधन सम्बन्धी प्रावधान कम्पनी के पार्शद अन्तर्नियम (Articles of Association) में उल्लेखित होना चाहिए तथा कम्पनी अधिनियम की धारा 100 के अन्तर्गत न्यायालय से अनुमति प्राप्त होनी चाहिए। यदि न्यायालय यह उचित समझता है तो कम्पनी अधिनियम की धारा 80 के अनुसार पूर्वाधिकार अंशों के शोधन के सम्बन्ध में निम्न शर्तों का पालन कम्पनी द्वारा किया जाना आवश्यक है–

1. शोध्य पूर्वाधिकार अंशों का शोधन अंशों के पूर्णदत्त होने पर ही किया जा सकेगा।
2. कम्पनी के पार्शद अन्तर्नियम में शोध्य पूर्वाधिकार अंशों के शोधन सम्बन्धी प्रावधान का उल्लेख होना चाहिए।

3. शोध्य पूर्वाधिकार अंशों का शोधन ऐसे लाभों में से किया जाना चाहिए, जो लाभांश के लिए उपलब्ध हों या नये समता या पूर्वाधिकार अंशों के निर्गमन द्वारा किया जा सकता है।
4. शोध्य पूर्वाधिकार अंशों के शोधन करने पर कम्पनी की अधिकृत पूँजी में कोई परिवर्तन नहीं होता है।
5. शोध्य पूर्वाधिकार अंशों के भुगतान हेतु अंशों के अंकित मूल्य के बराबर धनराशि लाभों में से हस्तांतरित करके पूँजी शोधन संचय खाते में डाली जायेगी।
6. शोध्य पूर्वाधिकार अंशों का शोधन प्रीमियम पर किया जाना है, तो प्रीमियम का प्रावधान लाभ या प्रतिभूतियों पर प्राप्त प्रीमियम में से ही किया जाना चाहिए।
7. पूर्वाधिकार अंशों के भुगतान हेतु प्रयोग की गयी राशि को पूँजी की कटौती या कमी नहीं माना जायेगा।
8. नये अंशों के निर्गमन द्वारा भी पूर्णाधिकार अंशों का शोधन किया जा सकता है।

1.6.9 शोधन हेतु प्रावधानों का उद्देश्य (Purpose of Provisions for Rectification)

पूर्वाधिकार अंशों का शोधन एक निश्चित अवधि के पश्चात् करने का उल्लेख पार्श अन्तर्नियम में किया जा सकता है। शोधन हेतु प्रावधान के निम्नलिखित उद्देश्य होते हैं–

1. **कम्पनी की तरल पूँजी में परिवर्तन न होना**– शोधन हेतु कम्पनी को रोकड़ की आवश्यकता होती है। यदि शोधन हेतु नये अंशों का निर्गमन कम्पनी द्वारा किया जाता है, तो कम्पनी की तरल पूँजी पर कोई परिवर्तन नहीं होगा।
2. **बोनस अंशों का निर्गमन**– यदि शोधन हेतु लाभ का प्रयोग किया जाना है तो लाभ की राशि पूँजी शोधन संचय खाते में हस्तांतरित की जायेगी। इसके उपरान्त इस संचय राशि से बोनस अंशों का निर्गमन किया जा सकता है।
3. **लेनदारों की हित रक्षा**– शोधन हेतु प्रावधान करने से लेनदारों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ेगा। यदि ऋणपत्रों के निर्गमन या सम्पत्तियों के विक्रय से प्राप्त राशि से पूर्वाधिकार अंशों का शोधन किया जाता है तो लेनदारों के लिए सम्पत्तियाँ कम हो जायेंगी।

1.6.10 नये अंशों के निर्गमन से आशय (Explanation of Proceeds of Fresh Issue)

'Proceeds' शब्द के अर्थ के सम्बन्ध में विभिन्न मतभेद हैं। अतः पहले इस शब्द का आशय भलीभाँति समझना होगा। 'Proceeds' शब्द का हिन्दी अर्थ प्राप्त धनराशि से है। प्राप्त धनराशि में अंशों पर प्राप्त पूर्ण राशि प्रीमियम को सम्मिलित करते हुए राशि से होगा। परन्तु शोध पूर्वाधिकार अंशों के शोधन हेतु नये अंशों का निर्गमन प्रीमियम पर करने पर प्राप्त धनराशि (Proceeds) में प्रीमियम को सम्मिलित करने पर कम्पनी अधिनियम की धारा 78 का उल्लंघन होगा। इस धारा के अनुसार पूर्वाधिकार अंशों का शोधन प्रीमियम राशि से नहीं किया जा सकता है। अतः अंशों के निर्गमन पर प्राप्त धनराशि की गणना करते समय प्रीमियम राशि को सम्मिलित नहीं किया जायेगा।

यदि नये अंशों का निर्गमन सम मूल्य पर किया जाता है तो कुल राशि ही प्राप्त धनराशि होगी। यदि नये अंशों का निर्गमन छूट पर किया जाता है तब प्राप्त धनराशि से आशय अंकित मूल्य घटाया छूट राशि से होगा।

संक्षेप में नये अंशों के निर्गमन से प्राप्त धनराशि को निम्नानुसार समझा जा सकता है–

1. जब अंशों का निर्गमन सम मूल्य पर किया जाता है, तब अंकित मूल्य प्राप्त धनराशि होती है।
2. जब अंशों का निर्गमन छूट पर किया जाता है, तब वास्तविक राशि, प्राप्त धनराशि होगी।
3. जब अंशों का निर्गमन प्रब्याजि पर किया जाता है तब सम मूल्य, प्राप्त धनराशि कहलायेगी।

1.6.11 अंशधारियों का विभाज्य लाभ (Divisional Benefit of Shareholders)

शोध पूर्वाधिकार अंशों का शोधन कम्पनी द्वारा ऐसे लाभों में से किया जा सकता है, जो लाभांश के लिए उपलब्ध है। इसका आशय यह है कि सामान्य लाभ का प्रयोग भुगतान हेतु किया जा सकता है। यह लाभ पूँजीगत प्रकृति का नहीं होता है। अतः यह ज्ञात होना आवश्यक है कि कौन-कौन से लाभ वितरण के लिए उपलब्ध हैं। शोधन हेतु निम्न लाभों को पूँजी शोधन संचय खाते में हस्तांतरित किया जाता है–

1. सामान्य संचय
2. लाभ-हानि खाते का जमा शेष
3. संचय कोष
4. लाभांश समता संचय
5. कर्मचारी क्षतिपूर्ति कोष
6. कर्मचारी दुर्घटना क्षतिपूर्ति कोष
7. ऋणपत्र शोधन निधि (अनिवार्य सीमा के अतिरिक्त)
8. बीमा कोष
9. संदिग्ध संचय
10. संदिग्ध दायित्वों के लिए संचय
11. करों के लिए प्रावधान हेतु संचय

ऐसे लाभ जिन्हें विभाज्य लाभ में सम्मिलित नहीं किया जाता है–

1. पूँजी संचय
2. अंश प्रब्याजि खाता
3. समामेलन से पूर्व का लाभ
4. पुनर्मूल्यांकन संचय
5. अंश हरण खाता
6. विकास छूट संचय
7. विनियोग छूट संचय

8. स्थायी सम्पत्तियों के विक्रय से लाभ
9. परियोजना नियति संचय
10. नियति लाभ संचय

टिप्पणी

1.6.12 पूँजी शोधन संचय खाता (Capital Redemption Reserve Account)

पूँजी शोधन संचय खाता शोध्य पूर्वाधिकार अंशों का भुगतान करने हेतु कम्पनी अधिनियम की धारा 80 के अन्तर्गत बनाया जाता है। ऐसे लाभों को जिनकी चर्चा ऊपर की गयी है। पूर्वाधिकार अंशों के शोधन के उद्देश्य से पूँजी संचय खाते में हस्तांतरित किया जाता है। इस खाते से केवल बोनस अंशों का निर्गमन किया जा सकता है।

1.6.13 अंशतः पूर्वाधिकार अंशों के भुगतान सम्बन्धी प्रावधान (Disturbance: Provisions Regarding Payment of Prior Rights shares)

ऐसे शोध्य पूर्वाधिकार अंश जिनका पूर्ण चुकता मूल्य प्राप्त नहीं हुआ है, कम्पनी अधिनियम की धारा 80(a) के अनुसार शोधन नहीं किया जा सकता है। इस धारा के अन्तर्गत तीसरे पक्षकार को एक तरह सुविधा प्रदान की जाती है, अर्थात् किसी तीसरे पक्षकार ने कम्पनी को कोई ऋण या अग्रिम प्रदान किया है तो उन्हें प्रतिभूति दी जा सकती है। यह प्रतिभूति केवल वर्तमान में न होकर भविष्य में भी प्रयोग की जायेगी। अंशतः पूर्वाधिकार अंशों की अदत्त राशि को कम्पनी समापन के समय माँग सकती है। धारा 80 कम्पनी को अनुमति देती है, तो समापन के समय नये अंशों से प्राप्त राशि या पूँजी शोधन संचय खाते से पूर्वाधिकार अंशों का शोधन किया जा सकता है।

1.6.14 पूर्वाधिकार अंशों का प्रीमियम पर शोधनी (Refinement of Premium on Premium Shares)

पूर्वाधिकार अंशों का शोधन यदि प्रीमियम पर किया जाना है, तो इसका शोधन अंशों पर प्राप्त प्रीमियम राशि से, नये अंशों के निर्गमन द्वारा या कम्पनी के लाभों में से, चाहे यह लाभ पूँजीगत हो या आयगत किया जा सकता है।

पूर्वाधिकार अंशों के भुगतान से सम्बन्धित निम्न पूँजी प्रविष्टियाँ की जायेंगी—

1. नये अंशों के निर्गमन पर

   Bank A/c ... Dr.

   To Share capital A/c

2. अंशधारियों का भुगतान सम मूल्य पर करने पर

   (a) पूर्वाधिकार अंश पूँजी को अंशधारियों के खाते में हस्तांतरित करने पर

   Pref. share capital A/c ... Dr.

   To Pref. shareholders A/c

   (b) पूर्वाधिकार अंशधारियों को भुगतान करने पर

   Pref. shareholder A/c ... Dr.

   To Bank A/c

टिप्पणी

(c) अंशधारियों के प्रीमियम पर भुगतान करने पर

Pref. share capital A/c	Dr.
Premium on redemption of pref. share A/c	Dr.
To Pref. shareholder A/c	

(d) नकद भुगतान करने पर

Pref. shareholders A/c	Dr.
To Bank A/c	

3. अंशों पर देय प्रीमियम का आयोजन करने पर

Security premium A/c	Dr.
or	
Profit & Loss A/c	Dr.
To Premium on Redemption of Pref. share A/c	

4. लाभ को पूँजी शोधन खाते में हस्तांतरित करने पर

General Reserve A/c	Dr.
or	
Profit & Loss A/c	Dr.
To Capital Redemption Reserve A/c	

5. बोनस अंशों के निर्गमन पर

Capital Redemption Reserve A/c	Dr.
To Bonus to shareholder's A/c	
Bonus to shareholders A/c	Dr.
To share capital A/c	

6. नये अंशों का छूट पर निर्गमन

Bank A/c	Dr.
Discount on issue of shares A/c	Dr.
To Share capital A/c	

पूर्वाधिकार अंशों के भुगतान हेतु नये अंशों का निर्गमन कितनी राशि के लिए किया जाये, इसे निम्न समीकरण द्वारा ज्ञात किया जा सकता है–

शोध्य पूर्वाधिकार अंशों की राशि =

पूँजी शोधन संचय खाता + नये अंशों के निर्गमन से प्राप्त राशि

शोध्य पूर्वाधिकार अंशों का शोधन कम्पनी में उपलब्ध रोकड़ एवं बैंक रोकड़ से किया जाता है, यदि कम्पनी में उपलब्ध नकद राशि भुगतान करने हेतु पर्याप्त नहीं है तो निम्न विधि द्वारा रोकड़ एकत्र की जा सकती है–

1. बैंक ऋण द्वारा
2. चालू सम्पत्तियाँ एवं विनियोग के विक्रय द्वारा
3. नये अंशों के निर्गमन द्वारा

टिप्पणी

उदाहरण– 20

एक कम्पनी की सम्पत्तियाँ एवं दायित्वों का 31 मार्च 2008 को विवरण निम्नानुसार है–

A company shows following particulars of Assets & Liabilities as on 31st March 2008.

Plant	1,10,000
Less Depreciation	50,000
Cash at bank	1,00,000
Debtors	1,40,000
Stock	1,40,000
10,000 Equity shares @ ₹ 10 each	1,00,000
14% Pref. shares @ ₹ 10 each (all redeemable)	1,00,000
Profit & Loss A/c	45,000
General Reserve	80,000
Taxation Reserve	30,000
Current Liabilities	85,000

कम्पनी ने 3,000 नये समता अंशों को 5 ₹ प्रीमियम पर निर्गमन करने एवं पूर्वाधिकार अंशों का शोधन करने का निर्णय लिया।

Company was decided to issue further 3000 equity shares at a premium of ₹ 5 per share and to redeem at par the redeemable Pref. shares.

आवश्यक पूँजी प्रविष्टियां कीजिए एवं कम्पनी की पुस्तकों में 1 अप्रैल 2008 को स्थिति विवरण बनाइऐ।

Show the necessary journal entries and prepare a Balance Sheet on 1st April 2008 in company books.

हल क्रमांक 20

Journal Entries
in the Books of Company

Date	Particulars		C.F.	Amt. Dr.	Amt. Cr.
	Bank A/c	Dr.		45,000	
	To Equity share capital A/c				30,000
	To Security Premium A/c				15,000
	(being New shares allotted at premium)				
	Profit & Loss A/c	Dr.		45,000	
	General Reserve A/c	Dr.		25,000	
	To Capital Redemption Reserve A/c				70,000
	(being creation of capital redemption reserve A/c				

टिप्पणी

	14% Pref. share capital A/c Dr. To Pref. shareholders A/c (being transfer of capital to pref. shareholder A/c)		1,00,000	1,00,000
	Pref. shareholders A/c Dr. To Bank A/c (being made to pref. shareholder in cash)		1,00,000	1,00,000

Balance Sheet
(As on 1st April 2008)

Liabilities	Amt. (₹)	Assets		Amt. (₹)
Share capital		Plant	1,10,000	
13,000 equity shares of		Less dep.	50,000	60,000
₹ 10 each fully paid up	1,30,000	Stock		1,40,000
Reserve & Surplus		Debtor		1,40,000
Capital Redemption		Cash at Bank		45,000
Reserve A/c	70,000			
Security Premium	15,000			
General Reserve	55,000			
Current liabilities	85,000			
Taxation reserve	30,000			
	3,85,000			3,85,000

Working Note:

Amount required for redemption	1,00,000
Less: Issue of fresh shares	30,000
Amount transferred to Capital Redemption Reserve	70,000

उदाहरण– 21

पूर्वाधिकार अंशों का शोधन 1 अप्रैल 2008, 10% प्रीमियम पर करना है। अंशों का शोधन देय तिथि को किया जाना है। शोधन हेतू कम्पनी ने बैंक से ऋण लिया है। कम्पनी की पुस्तकों में आवश्यक पूँजी प्रविष्टियाँ कीजिए।

The preference shares are redeemable on April I, 2008 at a premium of 10%. The redemption was duly carried out on the due date, assuming that the company raised the necessary loan from bank. Show the necessary journal entries in the books of company.

टिप्पणी

The Balance Sheet of Company
(as on 31st March, 2008)

Liabilities	Amt. (₹)	Assets	Amt. (₹)
Share Capital		Sundry Fixed Assets	42,50,000
10,000, 10% Pref. Shares @ ₹ 100 each fully paid	10,00,000	Current Assets	7,50,000
2,00,000 Equity shares @ ₹ 10 each fully paid	20,00,000		
Profit & Loss A/c.	6,00,000		
General Reserve	3,00,000		
Creditors	9,00,000		
	48,00,000		48,00,000

हल क्रमांक 21

Journal Entries
in the Books of Company

Date	Particulars	C.F.	Amt. Dr.	Amt. Cr.
2008 1st April	10% Redeemable Pref. share capital A/c Dr.		10,00,000	
	Premium on Red. of Pref. share A/c Dr.		1,00,000	
	To 10% Pref. shareholder A/c			11,00,000
	(being redemption due to Pref. shareholder with 10% premium)			
	Profit & Loss A/c Dr.		6,00,000	
	General Reserve A/c Dr.		4,00,000	
	To Capital Redemption Reserve A/c			10,00,000
	(being utilization of G.R. & P/l for Redemption)			
	General Reserve A/c Dr.		1,00,000	
	To Premium on Redemption of Pref. share A/c			1,00,000
	(being utilization of general reserve for writing off the premium on redemption)			

	Bank A/c Dr. To Bank Loan A/c (being raised of bank loan)		3,50,000	3,50,000
	10% Pref. Shareholders A/c Dr. To Bank A/c (being payment made to Pref. shareholders on redemption)		11,00,000	11,00,000

Working Notes–

Cash at Bank	
Cash in Hand	3,50,000
Add: Sale price of Investments	3,00,000
Add: Issue of Equity shares	9,00,000
	15,50,000
Less: Payment made to Preference shares	12,60,000
Closing balance of Cash	2,90,000

1.7 बोनस अंश (Bonus Fraction)

कम्पनी अधिनियम की धारा 63 में बोनस अंश का आशय है, एकत्रित लाभों एवं संचयों कारे पूँजीकृत करके अंशधारियों के मध्य वितरित करना।

बोनस अंश उन्हीं अंशधारियों को निर्गमित किये जाते है जो पहले से कम्पनी अधिनियम, 2013 के अनुसार कम्पनी के अंशधारी होते हैं। अतः बोनस अंशो का अभिप्राय वर्तमान अंशधारियों को अतिरिक्त अंशों के निर्गमन से है।

बोनस अंशों के निर्गमन से कम्पनी पर कई तरह के प्रभाव पड़ते हैं, जो इस प्रकार हैं–

1. प्रत्येक बोनस अंश के निर्गमन से कम्पनी की अंश पूंजी में वृध्दि होती है।
2. प्रत्येक बोनस अंश के निर्गमन से अंशों की प्रति अंश अर्जन दर गिर जाती है।
3. प्रत्येक बोनस अंश के निर्गमन से अंशों के प्रति अंश पुस्तक मूल्य घट जाता है।
4. प्रत्येक बोनस अंश के निर्गमन से कम्पनी के संचय एवं लाभों में कमी आती है।
5. प्रत्येक बोनस अंश के निर्गमन पर अंशों का बाजार मूल्य प्रभावित होता है।

बोनस अंशों के निर्गमन के लिये कम्पनी में उपलब्ध पूँजीगत संचयों का प्रयोग किया जाता है। इन बोनस अंशों का निर्गमन केवल समता अंशधारियों को ही किया जा सकता है। पूर्वाधिकार अंशधारी बोनस अंश प्राप्त करने के अधिकारी नही होते हैं। बोनस अंशों का निर्गमन समता अंशधारियों को प्रीमियम भी ही किया जा सकता है। बोनस अंशों निर्गमन से पहले ऐसे अंश जिनका आंशिक भुगतान किया गया है उन्हें पूर्णयन्त बनाना अनिवार्य है।

बोनस अंशों के निर्गमन के लिये प्रयुक्त संचय–

कम्पनी बोनस अंशों के निर्गमन के लिये केवल निम्न संचयों का ही प्रयोग कर सकती है–

1. पूँजी शोधन संचय (Capital Redemption Reserve)
2. प्रतिभूति प्रब्याजित संचय (Securities Reserve)
3. मुक्त संचय (Free Reserve)

बोनस अंशों से सम्बन्धित लेखा प्रविष्टियों–

1. कम्पनी द्वारा सामान्य संचय एवं पूँजी संचय से बोनस अंशों का निर्गमन करने पर

    General Reserve A/c Dr.
    Capital Reserve A/c Dr.
        To Bonus to Shareholders A/c

2. आंशिक दत्त अंशों को पूर्णयन्त बनाने हेतु

    Equity Share Final Call A/c Dr.
        To Equity Share Capital A/c

3. बोनस अंश को अंशों के अन्तिम याचना से समायोजित करने पर

    Bonus to Shareholders A/c Dr.
        To Equity Share Final Call A/c

4. बोनस अंशो का निर्गमन करने पर

    Bonus to Shareholders A/c Dr.
        To Equity Share Capital A/c

1.8 अधिकार अंश (Right Share)

कम्पनी द्वारा अपने अंशधारियों को अधिकार अंश भी निर्गमित किये जाते हैं। कम्पनी अधिनियम, 2013 में इसका प्रावधान उल्लेखित है। अधिकार अंश कम्पनी के अधिकारियाँ को प्रब्याजि पर निर्गमित किया जाता है।

1.9 कर्मचारी स्टॉक वाई बैंक (Employee Stock Y Bank)

कम्पनी अपने कर्मचारियों को लाभ पहुँचाने के उद्देश्य से उन्हें स्टॉक विकल्प योजना का लाभ प्रदान करती है। यह ऐसे कर्मचारियों को दिया जाता है जो कम्पनी के लिये उत्तम योजना बनाने में सहायक होते हैं। कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 2(37) के अनुसार कम्पनी द्वारा कर्मचारियों को भविष्य में पूर्व निर्धारित मूल्यों पर अंश खरीदने के विकल्प को कर्मचारी स्कन्ध विकल्प योजना कहते है। इस योजना लाभ निम्न व्यक्ति ले सकते हैं–

1. कम्पनी के स्थायी कर्मचारी।
2. कम्पनी के अधिकारी।
3. सूत्रधारी एवं सहायक कम्पनी के कर्मचारी एवं अधिकारी।

टिप्पणी

इस सम्बन्ध में निम्न लेखा प्रविष्टियों की जाती हैं–

1. अंशों के अभिदान हेतु राशि प्राप्त होने पर

Bank A/c	Dr.
Employee's Compensation Expenses A/c	Dr.
To Equity Share Capital A/c	
To Security Premium Reserve A/c	

2. कर्मचारी क्षतिपूर्ति व्यय को लाभ-हानि विवरण खाते में हस्तांतरित करने पर

Statement of Profit & Loss A/c	Dr.
To Employee's Compensation Expenses A/c	

कम्पनी अपने अंशों का क्रय भी कर सकती हैं, जब कम्पनी या कम्पनी के कर्मचारी अपने अंशों का क्रय करते हैं तो इसे अंशों की पुनखरीद कहते हैं। कम्पनी अधिनियम, 2013 की धारा 68 के अनुसार निम्न स्थानों/व्यक्तियों से अपने अंशों का क्रय कर सकती है–

1. कम्पनी के वर्तमान समता अंशधारियों से आनुपातिक आधार पर क्रय या।
2. खुले बाजार से क्रय या।
3. अनियमित अंशधारियों के समूह से क्रय या।
4. स्कन्ध विकल्प योजना के अन्तर्गत कर्मचारियों द्वारा लिये गये अंशों का क्रय।

1.10 अंशों के अन्तर्गत विकल्प (Options under Portions)

कम्पनी अपने अंशधारियाँ को समय-समय पर पूँजी में वृद्धि करने के उद्देश्य से कई विकल्प उपलब्ध कराती है। यह निम्न प्रकार के हो सकते हैं–

1. पूर्वाधिकार अंशों के बदले समता अंशों का निर्गमन।
2. ऋणपत्रों के स्थान पर अंशों का निर्गमन।
3. प्रब्याजि पर पूर्वाधिकार अंशों का भुगतान।

1.11 अपनी प्रगति जाँचिए प्रश्नों के उत्तर (Answers to Check Your Progress)

1. (ख)
2. (घ)
3. (क)
4. (ख)
5. (ग)

टिप्पणी

1.12 सारांश (Summary)

प्रत्येक निगम अपने वार्षिक आय-व्यय एवं दायित्वों तथा सम्पत्तियों की गणना करने के लिये प्रत्येक वित्तीय वर्ष के अन्त में अन्तिम खाते बनाता है। अन्तिम खातों के अन्तर्गत व्यापार खाता, लाभ-हानि खाता एवं चिट्ठा सम्मलित होता है। व्यापार खाते से सकल लाभ एवं लाभ-हानि खाते से शुध्द लाभ की गणना की जाती है जबकि चिट्ठा बनाकर निगमों की कुल सम्पत्तियों एवं दायित्वों का पता लगाया जाता है। कम्पनी के लाभ-हानि खाते में विनियोग से आय, ब्याज के रूप में प्राप्त आय सहायक कम्पनी से प्राप्त लाभांश की राशि एवं विविध आय लिखी जाती है। कम्पनी में एक महत्वपूर्ण गणना प्रबन्धकीय परिभाषिक की जाती है। प्रबन्धकीय पारिश्रमिक की गणना कम्पनी अधिनियम की धारा 349 (क) अनुसार गणना किये गए लाभ पर की जाती है। प्रत्येक कम्पनी का सभामेलन अनिवार्य होता है। लेकिन सभामेलन की तिथि वर्ष की कोई भी तिथि हो सकती है। अतः प्रत्येक कम्पनी सभामेलन के पूर्व एवं बाद का लाभ-हानि ज्ञात करने के लिये कम्पनी के लाभ-हानि खाते को दो भागों में विभाजित करके बनाया जाता है। इस खाते के द्वारा कम्पनी के सभामेलन से पूर्व एवं पश्चात का लाभ या हानि ज्ञात किया जाता है। सभामेलन के पूर्व के लाभ को पूँजी संचय खाते में एवं बाद के लाभ को शुद्ध लाभ की श्रेणी में रखा जाता है।

1.13 मुख्य शब्दावली (Key Terminology)

- **निदेशक**: संचालक
- **विभाजन योग्य लाभ**: वैधानिक रूप से अंशधारियों के मध्य बटंवारा
- **सभामेलन**: रजिस्ट्रेशन
- **वित्तीय वर्ष**: 1 अप्रैल से 31 मार्च तक
- **प्रमण्डल**: निगम या कम्पनी

1.14 स्व-मूल्यांकन प्रश्न एवं अभ्यास (Self Assessment Questions and Exercises)

सैद्धान्तिक प्रश्न (Theoretical Questions)

1. अंशों से आप क्या समझते हैं?
2. बकाया याचना और अग्रिम याचना में क्या अन्तर है?
3. अंशों के हरण का क्या अर्थ है? अंशों का हरण कैसे होता है?
4. एक कम्पनी द्वारा कितने प्रकार के अंशों का निर्गमन किया जा सकता है?

टिप्पणी

क्रियात्मक प्रश्न (Practical Questions)

1. गंगवार लिमिटेड का निर्माण 1 अप्रैल 2018 को किया गया। 31 मार्च 2019 को गंगवार लिमिटेड की पुस्तकों में निम्नांकित खातों के बाकियों के आधार पर क्षैतिज प्रारूप में चिट्ठा बनाइये

	₹		₹
Work in Progress	4,00,000	Interest accrued on Bonds of city Bank	10,000
Additions to Machineries during the year	27,000	Machineries	3,45,000
Sale of Machineries during the year	50,000	Accumulated Depreciation	60,000
General Reserve	1,00,000	Equity share capital of ₹ 100 each, ₹ 80 paid-up	15,00,000
Preference shared capital (Fully paid share of ₹ 100)	5,00,000	Profit & Loss A/c (Dr.)	7,00,000
		Calls in Advance	2,00,000
Development Expenditure	20,000	Providend Fund	60,000
Unclaimed Dividend	12,000	Prepaid Expenses	1,000
Sundry Debtors	1,60,000	Loose tools	55,000
Bonds of City Bank	23,000	Public Deposits	70,000
Loan from City Bank	1,00,000	Bills discounted not matured	30,000
Live Stock	40,000	Provision for doubtful debts	9,000
Copyright	40,000	Interest accrued & due on loan from City Bank	10,000
Bills of Exchange	45,000	Interest accrued but not due on Public Deposits	2,000
Capital work in progress	20,000		
10000 shares of Ltd. ₹ 10 each	4,00,000		

टिप्पणी

2. The following items appear in the Trial Balance of Bosch Ltd. As at 31 March 2019.

		₹
1.	12% Preference share capital	10,00,000
2.	Equity share capital of ₹ 100 each	20,00,000
3.	Equity share capital of ₹ 100 each ₹ 50 paid-up	5,00,000
4.	Securities premium Account	6,00,000
5.	Revaluation Reserve	1,00,000
6.	10% Debentures	15,00,000

7. Profit & Loss A/c (as on 1.4.2000) ₹ 9,00,000 Profit before interest on debentures & tax is ₹ 3,00,000 for the year ended 31st March 2019. The recommendation of the Company's Board of Director's include equity dividend of 10%. Transfer to General Reserve is to be made @ 10% of current profits.

   Assume Corporate Tax 35% and Corporate Dividend Tax 10%). Show the above items in Profit & Loss account, Profit and Loss Appropriation A/c. Balance Sheet account.

परीक्षा सूची (दिनांक 31.3.2019)

Trial Balance (as on 31.3.2019)

Particulars	**विकलन**	**समाकलन**
प्राथमिक स्कन्ध (Opening Stock)	60,000	
क्रय (Purchases)	3,10,000	
मजदूरी (Wages)	20,000	
विक्रय (Sales)		7,00,000
उपहार (Discount)	300	1,000
वेतन (Salaries)	40,000	
किराया (Rent)	20,000	
सामान्य व्यय (General Expenses)	7,000	
लाभांश दत्त (Dividend paid)	13,000	
लाभालाभ लेखा (1.4.2019)		
(Profit & Loss A/c. 1.4.2019)		62,000
अशोध्य ऋण (Bad Debts)	3,500	
संचित (Reserves)		7,000
उत्तमर्ण (Creditors)		40,000
अधमर्ण (Debtors)	1,60,000	
पूँजी (Capital)		2,90,000
यन्त्र (Machinery)	4,00,000	
रोकड़ (Cash)	66,200	
	11,00,000	11,00,000

3. मनीषा लिमिटेड के उपर्युक्त तलपट के आधार पर निम्न बातों को ध्यान में रखते हुए कम्पनी अधिनियम के अनुसार क्षैतिज प्रारूप में अन्तिम खाते तैयार कीजिए।

अतिरिक्त जानकारी:

(a) 31.3.3019 को स्कन्ध का मूल्य 96,000 ₹ है।

(b) यन्त्र पर 10% अवक्षयण का आयोजन कीजिए।

(c) अदत्त किराया 45 ₹ है।

(d) पूर्वदत्त सामान्य व्यय 38 ₹ है।

(e) आयकर के लिए 35% प्रावधान।

(f) संचालकों द्वारा 10% लाभांश घोषित किये जाने पर कॉर्पोरेट लाभांश कर की दर 10% है।

4. 30 जून 2019 को कपड़ा कम्पनी राजू लिमिटेड का तलपट निम्नांकित है। इसका लाभ-हानि खाता एवं चिट्ठा तैयार कीजिए।

Carriage Inward	2,500	
Wages	5,000	
Sales		10,00,000
Sales Return		50,000
Coal, Gas & Water	60,000	
Purchases	3,00,000	
Purchases Return		20,000
Stock 1 July 2019	80,000	
Salaries	50,000	
Bad Debts Reserve 1 July 2019		7,500
Bank charges	8,000	
Rates & Taxes	4,500	
General Expenses	9,200	
Fire Insurance	1,800	
Athorised Capital 5,00,000 shares of ₹ 10 each per share ₹ 5,00,000		
Subscribed Capital: 1,00,000 shares of ₹ 10 per share		10,00,000
Calls in Arrears	10,000	
Land	2,40,000	
Building	10,00,000	
Plant & Machinery	79,500	
Furniture & Fixtures	20,000	
Bills Receivable	10,000	
Sundry Debtors	90,000	

टिप्पणी

Sundry Creditors		55,000
Cash at Bank	1,60,000	
Cash in Hand	40,000	
Share Premium		18,000
General Reserve		20,000
	21,70,500	21,70,500

भवन पर 10% प्लाण्ट एवं मशीनरी पर 15% और फर्नीचर एवं फिक्सचर्स पर 20% ह्रास की व्यवस्था कीजिए। अशोध्य ऋणों के लिए विविध देनदारों पर 10% का संचय कीजिए। निम्नलिखित असमाप्त हुए धन को आगे ले जाइये। अग्नि बीमा 1/3।

नम्नालिखित अदत्त दायित्वों के लिए प्रबन्ध कीजिए। मजदूरी 5,000 ₹, वेतन 2,000 ₹, किराया एवं कर 1,500 ₹, 30 जून 2009 को रहतिये का मूल्य 12,000 ₹ था।

5. सुनंदा लिमिटेड का दिसम्बर 2019 का निम्नांकित तलपट था।

Purchases	4,10,000	
Sales		8,00,000
Opening Stock	40,000	
Wages	25,000	
Manufacturing Expenses	26,000	
Freight	4,000	
Interest on Debentures	3,000	
Salaries	1,24,000	
Depriciation	30,000	
General Expenses	25,000	
Insurance	26,000	
Land & Building (Cost ₹ 1,80,000)	1,80,000	
Furniture (Cost ₹ 20,000)	18,000	
Lease hold premises (lease to expire on 31 Dec.)	1,00,000	
Sundry Debtors	2,00,000	
Sundry Creditors		10,000
Shares in Subsidiary Company	40,000	
Called up Capital		4,00,000
Bills Recievable	20,000	
Advances against purchases of goods	12,000	
Profit & Loss A/c	80,000	
Overdraft from Bank		
(Secured against land & building)		18,000
Equity shares call Account	1,000	
6% Debentures		1,50,000
Prepaid Insurance	2,000	
Discount of Issue of Debentures	12,000	
	13,78,000	13,78,000

टिप्पणी

इस कम्पनी की पूँजी निम्न प्रकार थी–

1. 6% पूर्वाधिकार 100 ₹ वाले 1,000 अंश।
2. 100 ₹ वाले 4,000 समता अंश जिन पर 75 ₹ प्रति अंश आबंटित या याचित किया गया। संचालकों ने पिछले साल तक एकत्रित हानियों को निम्नांकित रूप से अपलिखित करने का निश्चय किया। जिसकी अंशधारियों व न्यायालयों ने स्वीकृति दे दी।
3. पूर्वाधिकार अंशों का मूल्य 20 ₹ प्रति अंश तक चुकता माने जायेंगे।
4. अगर कोई आधिक्य होगा तो साधारण संचय में हस्तांतरित कर दिया जायेगा।

अन्य सूचनायें–

(अ) अन्तिम रहतिया 90,000 ₹
(ब) भुनाये हुए बिल 6,500 ₹
(स) नए मैनेजर को शुद्ध लाभ का 10% कमीशन मिलेगा।

6. जी.के. लिमिटेड का जिसकी अधिकृत पूँजी 10,00,000 ₹ है। जो 10 ₹ वाले 1,00,000 समता अंशों में विभक्त है। 31 दिसम्बर 2019 को निम्नांकित तलपट था।

Debenture Interest (half year to 30.6.2019)	6,000	
Interim Dividend	80,000	
Salaries	1,20,000	
Profit & Loss A/c		25,000
Trading Account (G.P.)		7,20,000
Selling Expenses	65,000	
Interest	7,000	
General Expenses	6,000	
Depreciation	12,000	
Income Tax Paid	25,000	
Share Transfer Fees		1,000
Insurance	7,000	
Building	8,00,000	
Furniture	1,40,000	
Preliminary Expenses	20,000	
Subscribed Capital		8,00,000
General Reserve		1,25,000
Provision for Taxation		96,000
Sundry Creditors		1,60,000
Bank 10 am		3,00,000
Loan to Director	60,000	
Closing Stock	25,000	
Sundry Debtors	4,94,000	
Cash & Bank Balances	6,00,000	
Outstanding Expenses		40,000
6% Debentures		2,00,000
	24,67,000	24,67,000

निम्नांकित सूचनाओं को ध्यान में रखकर लि. के अन्तिम खाते क्षैतिज प्रारूप में बनाइऐ—

1. 31 दिसम्बर 2019 तक भवन का ह्रास 80,000 ₹ तथा फर्नीचर का 14,000 ₹ है।
2. कम्पनी ने 1 अप्रैल 2019 को अपने अंशधारियों को 1,00,000 ₹ के अंकित मूल्य के बोनस अंश निर्गमित किये।
3. वर्ष में एक संचालक को 80,000 ₹ का ऋण दिया गया जिसमें से 20,000 ₹ उसने 31 दिसम्बर 2019 को भुगतान किया।
4. 31 दिसम्बर 2019 वाली वर्ष के आयकर के दायित्व के सम्बन्ध में 70,000 ₹ आगे ले जाये गये और चालू वर्ष के लाभों के सम्बन्ध में 35% का प्रावधान करना है।
5. विविध देनदारों में 4,000 ₹ अवशिष्ट याचना के शामिल है।
6. संचालकों ने 5 ₹ प्रति अंश की दर से अम्तिम लाभांश की सिफारिश की है।

7. स्टील कम्पनी R लिमिटेड द्वारा दी हुई निम्नांकित सूचनाओं के आधार पर इस कंपनी का चिट्ठा 31 दिसम्बर 2019 का कम्पनी अधिनियम 1956 की अनुसूची VI के भाग I के अनुसार ऊर्ध्वाधर प्रारूप में बनाइये।

समता पूँजी (अंकित मूल्य 100 ₹ का)			4,00,000
अदत्त याचनाएँ		5,000	
सामान्य संचय			1,00,000
लाभ-हानि खाता			2,00,000
राज्य वित्तीय निगम से ऋण			2,00,000
ऋण (आरक्षित)			90,000
भूमि		5,00,000	
भवन		4,00,000	
प्लाण्ट एवं मशीनरी		60,000	
फर्नीचर		5,000	
अन्तिम रहतियाँ:			
निर्मित माल	20,000		
कच्चा माल	10,000	30,000	
देनदार		60,000	
अग्रिम		5,000	
रोकड़ बाकी		95,000	
बैंक में रोकड़		35,000	
करों के लिए प्रावधान			80,000
प्रस्तावित लाभांश		60,000	
लेनदार (माल एवं व्ययों के लिए)			1,90,000
प्रारम्भिक व्यय		5,000	
		12,60,000	12,60,000

टिप्पणी

निम्नांकित अतिरिक्त सूचना भी दी हुई है–

1. 500 समता अंशों का निर्गमन रोकड़ के अतिरिक्त अन्य प्रतिफल के लिए किया गया।
2. 20,000 ₹ के लेनदार छः माह से अधिक है।
3. संपत्तियों की लागतः

भवन	5,00,000
प्लाण्ट एवं मशीन	1,00,000
फर्नीचर	8,000

4. राज्य वित्तीय निगम के 2,00,000 ₹ के ऋण की बाकी में 12,000 ₹ उस ब्याज में शामिल है जो अर्जित हो चुका है परन्तु देय नहीं हुआ है। यह ऋण प्लाण्ट एवं मशीन की प्रतिभूति पर दिया गया है।
5. 30 जून 2019 को देय प्राप्य बिल 1,00,000 वालों को भुना लिया गया है।

8. आर.एच. कम्पनी लिमिटेड जिसकी अधिकश्त, निर्गमित, प्रार्थिक एवं चुकता पूँजी 5,00,000 ₹ है जो प्रत्येक 10 ₹ वाले 50,000 समता अंशों में बटी है। और खाता बही ने 31 मार्च 2019 को निम्नांकित शेष बताये।

क्रय एवं क्रय वापसी	3,60,500	10,500
विक्रय एवं विक्रय वापसी	15,000	8,95,000
आगत गाड़ी भाड़ा	2,300	
मजदूरी	28,000	
विज्ञापन	9,000	
कानूनी व्यय	9,000	
किराया, कर एवं बीमा	12,000	
स्कन्ध 1 जून 2009	81,000	
आयकर	30,000	
व्यापारिक व्यय	70,500	
मरम्मत	12,000	
अन्तरिम लाभांश अर्द्धवार्षिक 30 जून 2019	5,000	
भूमि एवं भवन	5,00,000	
संयंत्र एवं मशीनरी	3,50,000	
खुले उपकरण	4,60,000	
फर्नीचर एवं फिटिंग	45,000	
प्रारम्भिक व्यय	70,000	
याचना बाकी	2,000	
रोकड़ हाथ में	22,000	

टिप्पणी

6% सरकारी बॉण्ड अंकित मूल्य 50,000 ₹	45,000	
प्राप्त विपत्र	14,000	
मोटर	1,20,000	
ख्याति	7,000	
विविध देनदार	80,000	
विविध लेनदार		65,000
संचय कोष		1,20,000
1 जून 2019 को लाभ-हानि खाता		95,000
बैंक अधिविकर्ष		40,000
अंश पूँजी (50,000 अंश प्रत्येक 10 ₹ का)		5,00,000
8% ऋण पत्र 100 ₹ प्रत्येक		2,00,000
	19,25,500	19,25,500

1. व्यापारिक एवं लाभ-हानि, लाभ-हानि नियोजन खाता और आर्थिक चिट्ठा तैयार कीजिए।
2. देनदारों पर 5% से संदिग्ध ऋण आयोजन बनाइये।
3. मशीनरी पर 10%, फर्नीचर पर 15%, फुटकर उपकरणों पर 10% व मोटर पर 20% की दर से ह्रास लगाइये।
4. 30 सितम्बर 2018 को स्कन्ध का मूल्य 1,00,000 ₹ था।
5. संचालकों ने 30 जून 2019 को समाप्त होने वाली छमाही के लिए 5% की दर से अन्तरिम लाभांश घोषित किया।

9. 31 दिसम्बर 2018 को भोपाल इंडस्ट्रीज लि. की पुस्तकों से निम्नांकित बाकियां ली गई। 2018 वर्ष के लिए कम्पनी अधिनियम 1956 के अन्तर्गत इसके ऊर्ध्वाधर प्रारूप के अन्तिम खाते बनाइऐ।

Opening stock	25,000	Plant & Machinery at cost	3,00,000
Sales	2,25,000	Loose Tools	1,20,000
Material Purchased	14,00,000	Goodwill	9,000
Wages	1,00,000	Equity share capital	10,00,000
Profit & Loss A/c. (cr.)	40,000	5000 Pref share capital	5,00,000
Audit Fees	6,000	5% Debentures	4,00,000
Trade Expenses	25,000	Sundry Debtors	4,50,000
Bad Debts	4,000	Sundry Creditors	20,000
Debenture Interest	2,000	Bills Recievable	3,00,000
Div. on Preference Share	5,000	Bills Payable	3,000

Directors Fees	10,000	Cash in Hand	16,000
Interest Paid	7,000	Bank Overdraft	40,000
Land & Building at cost	80,000	Patents	5,40,000

आपको निम्नांकित सचनाएँ दी हैं–

(a) कम्पनी की अधिकश्त पूँजी 2,00,000 ₹ है जो कि 100 ₹ वाले 15,000 समता अंशों में तथा 5,000, 6% 100 ₹ वाले पूर्वाधिकार अंशों में विभक्त हैं।

(b) 31 दिसंबर 2018 को रहतियाँ 1,00,000 ₹ था।

(c) 15,000 ₹ का माल जो कि विक्रय और वापसी के आधार पर ग्राहकों को भेजा गया था विक्रय में 20,000 ₹ पर शामिल कर लिया गया तथा इसकी स्थिति को सुधारने के लिए पुस्तकों में कोई लेखा नहीं किया गया।

(d) ह्रास निम्नांकित दरों पर निकालिये : प्लाण्ट एवं मशीनरी 10%, लूज टूल्स 20%, पेरेन्ट 20%, भूमि और भवन 10%।

(e) देनदारों के सम्बन्ध में कटौती के लिए 2½% तथा संदिग्ध एवं डूबत ऋणों के लिए 10% का संचय करना है।

(f) संचालकों ने 35% करों के लिए हस्तांतरण करने के बाद समता अंशों पर 10 ₹ प्रति अंश तथा पूर्वाधिकार अंशों पर 6 ₹ प्रति अंश की दर से लाभांश घोषित किया। जिस पर कॉर्पोरेट लाभांश कर 10% है।

10. देहली प्रोडक्ट्स लि. का 31 दिसम्बर 2019 को निम्नांकित तलपट था।

Purchase	4,10,000	
Sales		8,00,000
Opening Stock	40,000	
Wages	25,000	
Manufacturing Expenses	26,000	
Freight	4,000	
Interest on Debentures	3,000	
Salaries	1,24,000	
Depreciation	30,000	
General Expenses	25,000	
Insurance	26,000	
Land & Building (Cost ₹ 2,00,000)	1,80,000	
Furniture (Cost ₹ 20,000)	18,000	
Lease hold premises (lease to expire on 31 Dec. 2019)	1,00,000	

Sundry Debtors	2,00,000	
Sundry Creditors	2,00,000	2,10,000
Shares in Subsidiary Co.	40,000	
Called up Capital		4,00,000
Bills Receviable	20,000	
Advances against purchases of goods	12,000	
Profit & Loss Account	80,000	
Overdraft from Bank		18,000
Equity Share Call Account	1,000	
6% Debentures		1,50,000
Prepaid Insurance	2,000	
Discount on Issue of Debentures	12,000	
	13,78,000	13,78,000

(i) 6% पूर्वाधिकार 100 ₹ वाले 1000 अंश

(ii) 100 ₹ वाले 4,000 समता अंश जिन पर 75 ₹ प्रति अंश आबंटित व याचित किया गया। संचालकों ने पिछले साल तक एकत्रित हानियों को निम्नाकित रूप से अपलिखित करने का निश्चय किया जिसकी अंशधारियों व न्यायालयों ने स्वीकृति दे दी–

(a) पूर्वाधिकार अंशों का मूल्य 20 ₹ प्रति अंश से कम कर दिया गया।

(b) समता अंश 50 ₹ प्रति अंश तक चुकता माने जायेंगे।

(c) अगर कोई आधिक्य होगा तो साधारण संचय में हस्तांतरित कर दिया जायेगा।

अन्य सूचनाएँ–

(अ) अन्तिम रहतियाँ 90,000 ₹

(ब) भुनाये हुए बिल 6,500 ₹

(स) नए मैनेजर को शुद्ध लाभ का 10% कमीशन मिलेगा।

टिप्पणी

1.15 सहायक पाठ्य सामग्री (Suggested Readings)

1. अग्रवाल महेश, निगमीय लेखे, रामप्रसाद एण्ड सन्स, भोपाल।
2. शर्मा शाह, मंगल अग्रवाल जैन, आर.बी.डी. पब्लिशिंग हाऊस, नई दिल्ली (जयपुर)।
3. Sharda Gangwar, Himalaya Publishing House Pvt. Ltd., Mumbai.
4. Mangal Ramesh, Company Accounts, Universal Publication, Agra.
5. Gupta R.L., Radhaswamy M., Company Account, Sultan Chand and Sons, New Delhi.
6. Maheshwari S.N., Corporate Accounting, Vikas Publishing House, New Delhi.
7. Modi, Oswal and S.K. Khatik, Corporate Accounting in Hindi and English (both), Colloge Book House, Jaipur.
8. Mehta, Brahmbhati, Corporate Accounting, Devi Ahilya Prakashan, Indore.
9. Jain and Narang, Kalyani Publishers, New Delhi.
10. Shukla S.M., Sahitya Bhavan Publication, Agara.

इकाई 2 ख्याति और अंशों का मूल्यांकन एवं सार्वजनिक उपयोगिता कम्पनियाँ के खाते (Valuation and Evaluation of Goodwill and Shares in the Accounts of Public Utility Companies)

संरचना (Structure)

2.0 परिचय

2.1 उद्देश्य

2.2 ख्याति का मूल्यांकन

- 2.2.1 ख्याति की विचारधारा
- 2.2.2 ख्याति निर्माण के कारण
- 2.2.3 ख्याति की परिभाषा
- 2.2.4 ख्याति के विशेष तत्व
- 2.2.5 ख्याति के मूल्य को प्रभावित करने वाले तत्व
- 2.2.6 ख्याति के मूल्यांकन की आवश्यकता
- 2.2.7 ख्याति के मूल्यांकन की विधियाँ

2.3 अंशों का मूल्यांकन

- 2.3.1 अंशों के मूल्यों को प्रभावित करने वाले तत्व
- 2.3.2 अंशों के मूल्यांकन की आवश्यकता
- 2.3.3 अंश मूल्यांकन की विधियाँ
- 2.3.4 पूर्वाधिकार अंशों का मूल्यांकन
- 2.3.5 आय के आधार पर मूल्यांकन
- 2.3.6 वास्तविक आय की दर के आधार पर मूल्यांकन
- 2.3.7 वास्तविक आय दर
- 2.3.8 लाभ की सामान्य दर
- 2.3.9 अंश का चुकता मूल्य

2.4 सार्वजनिक उपयोगिता कम्पनियों के खाते (विद्युत कम्पनी)

- 2.4.1 दोहरा खाता प्रणाली की परिभाषाएँ
- 2.4.2 दोहरा लेखा प्रणाली की विशेषताऐं
- 2.4.3 दोहरा प्रविष्टि प्रणाली एवं दोहरा खाता प्रणाली में अन्तर
- 2.4.4 दोहरा खाता प्रणाली का प्रारूप
- 2.4.5 दोहरा खाता प्रणाली के उद्देश्य
- 2.4.6 दोहरा लेखा प्रणाली के दोष
- 2.4.7 दोहरा खाता प्रणाली की लेखांकन विधि
- 2.4.8 पूँजी खाता व सामान्य चिट्ठे में अन्तर
- 2.4.9 सार्वजनिक कम्पनियों के खातों से सम्बन्धित प्रारूप
- 2.4.10 दोहरा लेखा प्रणाली के लाभ
- 2.4.11 दोहरा लेखा प्रणाली की हानियाँ
- 2.4.12 बिजली पूर्ति कम्पनियों के खाते

2.5 अपनी प्रगति जाँचिए प्रश्नों के उत्तर

2.6 सारांश

2.7 मुख्य शब्दावली

2.8 स्व-मूल्यांकन प्रश्न एवं अभ्यास

2.9 सहायक पाठ्य सामग्री

टिप्पणी

2.0 परिचय (Introduction)

व्यापार की प्रतिष्ठा ख्याति कहलाती है, यह प्रतिष्ठा व्यापारी के व्यवहार, वस्तू या माल के गुण, अच्छे व उचित स्थान पर व्यवसाय का स्थापित होना या इसी प्रकार से किसी अन्य कारणों से होती है, ख्याति व्यवसाय की अमूल्य सम्पत्ति होने के बाद भी विभिन्न लेखाकारों द्वारा ख्याति का मूल्यांकन कम या ज्यादा किया गया है, अर्थात ख्याति का मूल्य व्यवसाय में कम या ज्यादा हो सकता है इसके अलावा एक सा व्यवसाय करने वाले अलग-अलग व्यवसायी के लिये ख्याति मूल्य अलग हो सकता है।

किसी ने कहा है ''ख्याति एक व्यवसाय की भविष्य की अतिरिक्त आय का वर्तमान मूल्य है।'' अर्थात भविष्य में हमें जो आय प्राप्त होने वाली है, उसका मूल्यांकन हम वर्तमान में करते हैं। यही अतिरिक्त आय व्यवसाय को उसके नाम, व्यापार के स्थान, व्यापार की सुविधाएं या व्यापारी के व्यवहार आदि के कारण हो सकती है। ख्याति का साधारण शब्दों में अर्थ है, ख्याति एक ऐसी सम्पत्ति है जो ग्राहकों को अपनी ओर आकर्षित करती है एवं आय में वृद्धि करती है, जिससे व्यवसाय की क्रय क्षमता और गुणवत्ता में निरन्तर वृद्धि होती जाती है।

अंशों का निर्गमन कम्पनी द्वारा सममूल्य, प्रब्याजि एवं छूट पर किया जा सकता है। कम्पनी समय-समय पर अपने अंशों का निर्गमन करती रहती है। स्कन्ध बाजार में विभिन्न प्रकार के अंशों तक लेनदेन होता है, इसी के आधार पर एक अंश के बाजार मूल्य का निर्धारण किया जाता है। अंशों के मूल्य पर कम्पनी की ख्याति का प्रभाव भी पड़ता है। ख्याति के मूल्य में परिवर्तन के साथ-साथ अंशों के बाजार मूल्य में परिवर्तन स्वाभाविक है। अंशों, का क्रय विक्रय कम्पनी की प्रकृति, गुणवत्ता एवं अन्य बातों को ध्यान में रखकर किया जाता है। कम्पनी के अंशों का मूल्यांकन करने में विभिन्न सिद्धान्तों को भी ध्यान में रखा जाता है। इन सिद्धान्तों का पालन करने के लिये वित्तीय एवं लेखांकन ज्ञान का होना अति आवश्यक है।

अंशों के मूल्य में परिवर्तन निरन्तर होता रहता है, जिस पर कम्पनी की वित्तीय स्थिति, लाभ-अर्जन क्षमता एवं उद्योग की आन्तरिक एवं बाहय परिस्थितियाँ अपना प्रभाव डालती है।

एक कम्पनी दो प्रकार के अंशों का मूल्यांकन करती है–

(1) समता या साधारण अंश

(2) पूर्वाधिकार अंश

अंशों से सम्बन्धित तत्व–

(1) दावे (Claims)

(2) लाभांश (Dividend)

(3) शोधन (Redemption)

(4) परिवर्तन (Conversion)

दोहरा प्रविष्टि प्रणाली से हम सभी परिचित हैं। भारत में व्यापार से सम्बन्धित जितने भी लेखे किये जाते हैं, दोहरा प्रविष्टि प्रणाली के अनुसार ही किये जाते हैं, जैसा कि हम सभी जानते हैं कि दोहरा प्रविष्टि प्रणाली के अन्तर्गत लेखा करने पर एक प्रविष्टि का असर दो अलग-अलग खातों पर पड़ता है, अतः दो खाते खोले जाते हैं।

ऊपर हमने एक शब्द का प्रयोग किया है व्यापार। व्यापार का समान्य भाषा में अर्थ होता है, लाभ कमाने के उद्देश्य से किया गया लेनदेन। इसके अतिरिक्त अन्य लेनदेन भी व्यवहार में देखने को मिलते हैं जैसे रेल्वे से व्यवहार, बिजली प्रदान करने वाली कम्पनियों से व्यवहार, जल प्रदान संस्थाए, गैस प्रदान करने वाली संस्थाए आदि, क्या यह सभी संस्थाए लाभ के उद्देश्य से चलायी जाती हैं, तो हमारा उत्तर होगा नहीं। अतः ऐसी संस्थाए जो, सार्वजनिक उपयोगिता वाले कार्य करती हैं, जिनका कार्य आम जनता के हित के लिए कार्य करना होता है, उन्हें एकाधिकार प्राप्त होता है तथा इनकी स्थापना विशेष अधिनियमों के अन्तर्गत की जाती है। इन संस्थाओं के द्वारा जो लाभ अर्जित किया जाता है किसी एक व्यक्ति को न होकर उसका फायदा पूरे समाज को होता है। इन संस्थाओं द्वारा अपनी पूँजी एवं विनियोगों से सम्बन्धित जानकारी जनता को देनी होती है तथा यह संस्थाए अपने विनियोग की बड़ी राशि का प्रयोग स्थायी सम्पत्तियों के लिए करती हैं, के द्वारा जो खाते बनाये जाते हैं दोहरा खाता प्रणाली के अन्तर्गत आते हैं।

2.1 उद्देश्य (Objectives)

इस इकाई को पढ़ने के बाद आप–

- ख्याति के मूल्य को प्रभावित करने वाले तत्वों से अवगत हो पाऐंगे।
- ख्याति के मूल्यांकन की आवश्यकता एवं मूल्यांकन की विधियाँ को समझ पाऐंगे।
- अंशों के मूल्य को प्रभावित करने वाले तत्वों से अवगत हो पाऐंगे।
- अंश मूल्यांकन की आवश्यकता एवं मूल्यांकन की विधियाँ को समझ पाऐंगे।
- दोहरा खाता प्रणाली की लेखांकन विधि एवं सार्वजनिक कम्पनियों के खातों से सम्बन्धित प्रारूप से अवगत हो पाऐंगे।

2.2 ख्याति का मूल्यांकन (Valuation of Goodwill)

2.2.1 ख्याति की विचारधारा (Ideology of Goodwill)

कुछ लेखाकारों का ख्याति से आशय सामान्य लाभ से अधिक लाभ से है अर्थात् एक समान व्यवसाय करने वाले दो व्यवसायी में से एक व्यवसायी को अधिक लाभ प्राप्त होना ही ख्याति कहलाती है, लेकिन कुछ लोगों का कहना है कि ख्याति का सीधा सम्बन्ध अधिकाधिक ग्राहकों से हैं, ऐसे ग्राहकों से जो बार-बार एक व्यवसाय या व्यवसायी के पास आते हैं, अतः उन्हें पूरा विश्वास है कि इस व्यवसायी से जो भी सामग्री क्रय करेगें, यह उसका मूल्य सही लेंगे और विश्वास है वस्तु की गुणवत्ता पर।

कानूनी तौर पर देखा जाये तो ख्याति का आशय उत्तम स्थिति से है। अर्थशास्त्रियों के अनुसार ख्याति का अर्थ ऐसी सम्पत्तियों से है, जिसका पुस्तकों में लेखा न हो अर्थात् ऐसी आय, जो पुस्तकों में लिखी सम्पत्ति के अतिरिक्त होती है।

जैसा कि हमने देखा अलग-अलग शास्त्रियों ने ख्याति के बारे में अलग-अलग विचार व्यक्त किये है, इससे हम कह सकते है कि किसी भी व्यवसाय के लिए ख्याति का मूल्यांकन कम या ज्यादा हो सकता है।

टिप्पणी

2.2.2 ख्याति निर्माण के कारण (Reasons for Creating Goodwill)

ख्याति का निर्माण अनेक कारणों से हो सकता है, जिसमें से प्रमुख कारण इस प्रकार हैं–

(1) व्यवसायी एवं प्रबन्धकों के अच्छे व्यवहार के कारण।

(2) उचित मूल्य व अच्छी किस्म के कारण।

(3) व्यवसाय का ऐसे स्थान पर होना, जो ग्राहकों के लिए सुविधाजनक है।

(4) व्यवसाय के पास ऐसा ऐडमार्क हो, जो ग्राहकों के लिए लाभदायक हो।

(5) व्यवसायी एवं प्रबन्धकों का ग्राहकों के प्रति इमानदार होना।

2.2.3 ख्याति की परिभाषा (Refinition of Goodwill)

विभिन्न लेखाकारों एवं विभिन्न शास्त्रियों द्वारा ख्याति की विभिन्न परिभाषाऐं दी गयी है, जिनके विचारों से हम ऊपर अवगत भी हो चुके हैं। यहाँ हम इंग्लैंड के एकाउंटिंग स्टैण्डर्ड एवं भारतीय एकाउंटिंग स्टैण्डर्ड के द्वारा दी गयी परिभाषा का अवलोकन करेंगे।

इंग्लैण्ड के एकाउंटिंग स्टैण्डर्ड के अनुसार

"Goodwill is difference between the value of a business as a whole and the aggregate of the fair values of its separable net assets."

उपरोक्त परिभाषा के अनुसार समस्त सम्पत्तियों को बेचने एवं समस्त दायित्वों के अलग-अलग भुगतान करने के बाद, सम्पत्तियों के शुद्ध मूल्य एवं व्यापार के मूल्य में अन्तर की राशि को ख्याति कहते है। इस परिभाषा के अनुसार ख्याति का अपना कोई मूल्य नहीं होता है।

भारती चार्टर्ड इन्स्टीटयूट के एकाउंटिंग स्टैण्डर्ड (As-10) के अनुसार

"Whenever a business is acquired for a price (payable in cash or in share or otherwise) which is in excess of the value of the net assets of the business taken over, the excess should be termed as goodwill."

इस परिभाषा में क्रय मूल्य को आधार माना है, अर्थात जब हम किसी व्यवसाय को क्रय करते है, तो उस व्यवसाय का मूल्यांकन किया जाता है, मूल्यांकन उपरान्त भी उस व्यवसाय के लिये हम ज्यादा मूल्य चुकाने को तैयार रहते है, इसी आधिक्य की राशि को ख्याति कहा जाता है। भारतीय प्रमापक–10 के अनुसार ख्याति को पुस्तकों में उसी दशा में दिखाया जाना चाहिये, जब वास्तव में उसके लिये भुगतान किया गया हो, आन्तरिक मूल्यांकन के आधार पर ख्याति को पुस्तकों में नहीं दिखाया जायेगा।

"If the expected future carries are less than a satisfactory return, the capitalization of this deficiency is sometimes thought of as negative goodwill."

–Hendriksen

टिप्पणी

2.2.4 ख्याति के विशेष तत्व (Special Elements of Goodwill)

(1) व्यवसाय की ख्याति धनात्मक या ऋणात्मक हो सकती है।

(2) व्यवसाय की ख्याति विविध सम्पत्तियों की भांति अलग खरीदा या बेचा नहीं जा सकता।

(3) ख्याति का मूल्य प्रतिवर्ष बदलता रहता है।

(4) ख्याति का कोई निश्चित मूल्य नहीं होता है, यह मूल्यांकनकर्ता पर निर्भर करता है कि ख्याति का मूल्यांकन क्या है।

(5) ख्याति प्राप्त करने के लिये खर्च की गयी राशि आवश्यक नहीं कि वसूल हो जाये।

(6) बिना व्यवसाय के ख्याति को कोई औचित्य नहीं है।

(7) ख्याति को प्रभावित करने वाले तत्वों के आधार पर ख्याति की राशि कम या ज्यादा हो सकती है।

(8) धनात्मक राशि अर्थात ख्याति चिट्ठे के सम्पत्ति पक्ष में तथा ऋणात्मक राशि अर्थात पूँजी संचय चिट्ठे के दायित्व पक्ष में दिखाया जाता है।

2.2.5 ख्याति के मूल्य को प्रभावित करने वाले तत्व (Factors Affecting the Value of Goodwill)

ख्याति व्यवसाय में सामान्य लाभ से अधिक लाभ प्राप्त करने पर आधारित है, अतः ख्याति पर ऐसे बहुत सारे तत्वों का प्रभाव पड़ता है, जिसके कारण ख्याति का मूल्यांकन, मूल्यांकनकर्ता द्वारा अधिक राशि पर किया जाता है। एक व्यवसाय की ख्याति के मूल्यांकन को मुख्यतः निम्न तत्व प्रभावित करते हैं–

(1) व्यवसाय का स्थान– व्यवसाय का स्थान ख्याति को मुख्य रूप से प्रभावित करता है। किसी ऐसे स्थान पर व्यवसाय का स्थापित होना जहाँ आवागमन ज्यादा हो एवं आवागमन सुगम हो उस स्थान की ख्याति ज्यादा होगी।

(2) व्यवसायी की आदत– व्यवसाय पर व्यवसायी का प्रभाव एवं व्यवसायी का ग्राहकों पर सीधा प्रभाव पड़ता है, किसी व्यापारी का माल तो गुणवत्ता से पूर्ण है, लेकिन उसकी आदत ग्राहकों को उचित सम्मान न देने की है, तो ऐसी दशा में ख्याति का मूल्यांकन कम होगा।

(3) वस्तु में गुणवत्ता का होना– वस्तु अगर अच्छी गुणवत्ता की है, तो ज्यादा आय प्राप्त होगी, और वस्तु की गुणवत्ता में दोष है तो आय के साथ-साथ ख्याति भी कम होगी।

(4) व्यापार की अवधि– व्यापार कितनी अवधि के लिये कितने वर्ष के लिये किया जा रहा है, या उस पर भी ख्याति का मूल्यांकन निर्भर करता है। कम अवधि के व्यवसाय में ग्राहकों की संख्या कम होती है, अतः ख्याति भी कम होगी। इसके विपरीत लम्बी अवधि के व्यवसाय में ग्राहकों की संख्या अधिक होने के कारण ख्याति का मूल्यांकन भी अधिक होता है।

(5) व्यापार में जोखिम की स्थिति– व्यापार में जोखिम अधिक होने पर या अनिश्चित होने पर ख्याति की राशि कम होगी, इसके विपरीत जोखिम कम होने पर ख्याति की राशि का मूल्यांक अधिक होगा।

टिप्पणी

(6) **व्यवसाय में एकाधिकार**– यदि किसी व्यवसाय में व्यापारी को एकाधिकार प्राप्त है तो समस्त ग्राहक उसी व्यवसाय से लेन-देन करेंगे, तो ऐसी स्थिति में व्यवसाय की ख्याति अधिक होती है।

(7) **व्यवसाय का प्रबन्धकों द्वारा कुशल प्रबन्ध**– वर्तमान व्यवसाय में प्रबन्धकों की भूमिका सबसे अधिक महत्वपूर्ण होती है, व्यवसाय की आय अर्जन क्षमता प्रबन्धकों पर निर्भर रहती है कुशल प्रबन्धकों द्वारा कुशल प्रबन्ध कर व्यवसाय की ख्याति में वृद्धि की जा सकती है, इसके विपरीत अगर व्यवसाय को अकुशल प्रबन्धकों द्वारा संचालित किया जा रहा है तो ख्याति का मूल्यांकन भी कम होगा।

(8) **पूँजी का प्रयोग**– अधिक मात्रा में व्यवसाय में पूँजी लगाने पर ख्याति कम होती है क्योंकि मात्रा तो अधिक होती है परन्तु उसका प्रयोग उचित रूप से नहीं होता, जिसके कारण व्यवसाय की ख्याति कम होती है, इसके विपरीत कम मात्रा में पूँजी विनियोजित करने पर पूँजी का प्रयोग व्यवसाय में अधिक होता है और ख्याति की राशि भी अधिक होती है।

(9) **वस्तु की प्रकृति**– यदि किसी ऐसी वस्तु का व्यापार किया जा रहा है जिसकी माँग स्थिर है तो व्यवसाय में भी स्थिरता रहती है और ख्याति का मूल्य भी अधिक होगा। परन्तु यदि ऐसी वस्तुओं का व्यापार है जिसकी माँग में उतार चढ़ाव आता रहता है, तो ऐसी व्यवसाय की ख्याति का मूल्य भी कम होगा।

2.2.6 ख्याति के मूल्यांकन की आवश्यकता (Need for Valuation of Goodwill)

जैसा कि ऊपर हमने देखा कि ख्याति का मूल्यांकन करना आवश्यक नहीं है, इसके अलावा ख्याति का मूल्य कम या ज्यादा हो सकता है, ख्याति के मूल्यांकन की भी विभिन्न विधियाँ होती है जिसके आधार पर ख्याति का मूल्यांकन अलग-अलग मूल्यों में निकलता है। ख्याति का मूल्यांकन सामान्यतः व्यवसाय के क्रय एवं विक्रय के लिये किया जाता है, और उसी समय व्यवसाय की ख्याति मूल्यांकित की जाती है, इसके अतिरिक्त ऐसी कई और स्थितियाँ होती है, जब व्यवसाय के लिये ख्याति का मूल्यांकन करना आवश्यक होता है, यहाँ पर हम उन्हीं दशाओं के बारे में अध्ययन करेगें।

ख्याति का मूल्यांकन मुख्यतः तीन प्रकार के व्यवसायों में होता है–

(I) कम्पनी की स्थिति में– कम्पनी की स्थिति में ख्याति में मूल्यांकन के निम्न कारण हो सकते हैं–

(1) जब किसी कम्पनी को किसी दूसरी कम्पनी को विक्रय किया जाता है।

(2) जब दो कम्पनियाँ मिलकर एक साथ कार्य करने को सहमत होती हैं।

(3) जब एक कम्पनी किसी दूसरी कम्पनी की आय जानना चाहती है।

(4) जब सरकार किसी कम्पनी का अधिग्रहण कर लेती है।

(5) जब करों के प्रावधान के लिये कम्पनी के अंशों का मूल्यांकन किया जाता है।

(6) जब कम्पनी के अंशों को किसी और भाग में परिवर्तित किया जाता है।

टिप्पणी

(II) साझेदारी फर्म की स्थिति में–

(1) जब नया साझेदार फर्म में प्रवेश करता है।

(2) जब कोई साझेदार फर्म से निवृत्त होता है।

(3) जब साझेदारी व्यवसाय को संयुक्त स्कन्ध कम्पनी में परिवर्तित किया जाता है।

(4) जब साझेदारी व्यवसाय को किसी ओर व्यवसाय के साथ एकीकरण किया जाता है।

(5) जब व्यवसाय को विक्रय किया जाता है।

(6) जब किसी साझेदार की मृत्यु हो जाती है।

(III) एकल व्यापारी की स्थिति में–

(1) जब व्यवसाय को बेचा जाता है।

(2) जब व्यवसायी अपने व्यवसाय का मूल्यांकन करना चाहता है।

(3) जब व्यवसायी को अत्यधिक लाभ प्राप्त होता है।

(4) आयकर के दृष्टिकोण से भी व्यवसाय की ख्याति का आकलन आवश्यक है।

2.2.7 ख्याति के मूल्यांकन की विधियाँ (Methods of Valuation of Goodwill)

ख्याति का मूल्यांकन विभिन्न व्यवसायों की प्रकृति, कार्य करने का तरीका, लाभ अर्जन की क्षमता, बाजार में उसी प्रकार का व्यवसाय करने वाली विभिन्न कम्पनियाँ आदि कई खातों पर निर्भर होता है, ख्याति के मूल्यांकन की भी विभिन्न विधियाँ है, विभिन्न विधियों से ख्याति की राशि भी विभिन्न विभिन्न राशिया में गणना होकर निकलती है। किसी विधि से ख्याति का मूल्यांकन कम होता है, और किसी विधि से ख्याति के मूल्यांकन की राशि अधिक निकल कर आती है।

I. औसत लाभ विधि (Average Profit Method)

औसत का अर्थ होता है कई वर्षों के जोड़ को उन वर्षों के योग से भाग देने पर प्राप्त संख्या। इस विधि से ख्याति की गणना के लिये निम्न सूत्र का प्रयोग किया जाता है–

ख्याति = औसत वार्षिक लाभ × क्रय किये गये वर्षों की संख्या

Goodwill = Average Annual Profit × No. of Years Purchase

उपरोक्त सूत्र का स्पष्टीकरण इस प्रकार–

(i) औसत वार्षिक लाभ (Average Annual Profit)– औसत लाभ की गणना पिछले वर्षों के लाभों के आधार पर की जाती है, इस वर्षों की संख्या तीन, चार, पाँच, सात आदि हो सकती है। व्यापार का क्रेता पिछले वर्षों के लाभों के आधार पर आगामी वर्षों में लाभ अर्जन का अनुमान लगाता है। अतः पिछले वर्षों के लाभों में से उन सभी ऐसी आयों का घटा दिया जाना चाहिए, जो भविष्य में प्राप्त नहीं की जा सकती हैं, या ऐसी आय जो अनिश्चितता के कारण प्राप्त हुयी हो या इस प्रकार आय जो किसी विशेष अवसर पर अर्जन की गयी हो, इसी तरह से व्यापार की औसत वार्षिक आय की गणना करने के लिए ऐसे व्ययों एवं हानियाँ को कुल आयों में घटा देना चाहिये, जिसे भविष्य

टिप्पणी

में करने पड़ सकते हैं। तथा ऐसी हानियाँ को घटा दिया जाना चाहिये, जो किसी अनिश्चितता के कारण हुयी हों। औसत लाभ की गणना करने में एक बात का ध्यान और रखा जाता है यदि पिछले वर्षो का लाभ लगातार बढ़ (असाधारण) रहा है, या लगातार घट रहा है तो उस समय भारयुक्त औसत (Weighed Average) ज्ञात किया जाना चाहिए।

(ii) क्रय किये गये वर्षों की संख्या (No. 06 year purchase)– सामान्यतः क्रय किये गये वर्षो का आशय होता है लाभ द्वारा ख्याति की राशि का वसूल ले जाना। ख्याति का मूल्य ज्ञात करने के लिये औसत लाभ को वर्षो की संख्या से गुणा किया जायेगा। वर्षो की संख्या का निर्धारण व्यापार के लाभ अर्जन पर निर्भर होता है। यह अनुमान लगाया जाता है कि व्यापार के क्रेता द्वारा विशेष प्रयत्न न करने पर पुराना राशि कितने वर्षो में अर्जित की जा सकती है।

उदाहरण– 1

एक्स कम्पनी लिमिटेड का पिछले तीन वर्षो का लाभ इस प्रकार है–

वर्ष 2007	₹ 12,000
वर्ष 2008	₹ 15,000
वर्ष 2009	₹ 18,000

औसत लाभ विधि से ख्याति की राशि की गणना कीजिये, यदि ख्याति का मूल्यांकन पिछले तीन वर्षो के औसत लाभ के दो वर्षो के क्रय के आधार पर किया जाता है।

हल क्रमांक 1

Formula

Goodwill = Average Annual Profit × No. of years

Calculation of Average Profit

Profit of loss years = 12,000 + 15,000 + 18,000

= 45,000

$$\text{Average Profit} = \frac{45{,}000}{3} = 15{,}000$$

Goodwill = 15,000 × 2 = 30,000 ₹

उदाहरण– 2

रवि लि. ने ध्रुव लि. को 31 मार्च 2008 को क्रय किया। ध्रुव लिमिटेड का पिछले तीन वर्षो का लाभ-हानि इस प्रकार है

Year	Profit	Loss
2016	1,04,500	—
2017	—	69,000
2018	1,06,500	—

वर्ष 2016 के लाभों में 3,000 ₹ की राशि मशीनरी के विक्रय से प्राप्त हुयी है। वर्ष 2017 की हानियों में 38,000 ₹ की हानि अग्नि से माल नष्ट होने के कारण हुयी है। ख्याति की गणना पिछले तीन वर्षों के लाभों के दो वर्षों के क्रय के आधार पर की जाना है।

टिप्पणी

हल क्रमांक 2

Calculation of goodwill

Goodwill = Average Annual Profit × No. of years purchase

Average Annual Profit

Year	Profit/Loss	Actual Profit/Loss
2016	1,04,500 – 3,000 =	1,01,500
2017	69,000 (Loss) – 38,000	31,000
2018	1,06,500	1,06,500
Total Profit कुल लाभ		1,77,000

$$\text{Average Profit} = \frac{177{,}000}{3} = 59{,}000$$

$$\text{Goodwill} = 59{,}000 \times 2 = 1{,}18{,}000$$

उदाहरण– 3

मोनी लिमिटेड 31 मार्च 2018 को अवनी लिमिटेड को क्रय करने की समस्त कार्यवाही पूरी कर ली। इस हेतु अवनी लिमिटेड की ख्याति का मूल्यांकन किया जाना है। ख्याति की गणना औसत लाभ विधि के आधार पर करिये। पिछले पाँच वर्षों का लाभ-हानि इस प्रकार है।

2014	21,000
2015	27,000
2016	21,000 (Loss)
2017	25,000
2018	28,000

मोनी लिमिटेड क्रय किये गये व्यवसाय के लिये एक प्रबन्धक रखना चाहती है, जिसका वेतन 250 ₹ मासिक होगा।

ख्याति की गणना पिछले पाँच वर्षों के औसत लाभ के तीन वर्ष के क्रय के आधार पर की जाती है।

हल क्रमांक 3

Calculation of Average Actual Annual Profit

Year	Profit
2014	21,000
2015	27,000
2016	21,000 [Loss (–)]
2017	25,000
2018	28,000
Total Profit	80,000

टिप्पणी

Less Manager's Salary	
250 × 12 = 3,000 × 5	15,000
Average Actual Average Profit	65,000
Goodwill = 65,000 × 3 =	1,95,000

II. अधिलाभ विधि (Super Profit Method)

ऐसे लाभ की राशि जो सामान्य लाभ से अधिक हो, अधिलाभ कहलाती है। अतः सामान्य लाभ से वास्तविक लाभ का आधिक्य ही अधिलाभ है, इस विधि से ख्याति का मूल्यांकन करने के लिये निम्न मदों की गणना की जाती है–

(a) औसत विनियोजित पूँजी (Average Capital Employed)– व्यापार में वास्तव में कितनी पूँजी विनियोजित की गयी है इसका आकलन व्यापारी द्वारा समय-समय पर किया जाता है। विनियोजित पूँजी का अनुमान व्यापार में लगी शुद्ध सम्पत्ति से किया जाता है शुद्ध सम्पत्तियाँ की गणना करने के लिये कुल सम्पत्तियों के योग में से कृत्रिम सम्पत्तियाँ एवं गैर व्यापारिक सम्पत्तियाँ जैसे चिट्ठे में दी गयी ख्याति, प्रारम्भिक व्यय, अशों एवं ऋणपत्रों पर अभिगोपन कमीशन एवं व्यापार के बाहर के विनियोग आदि को घटा दिया जाता है।

कुल सम्पत्तियों के योग में से उपरोक्त दर्शायी गयी कृत्रिम सम्पत्तियों को घटा देने के बाद व्यापार के समस्त बाहय दायित्वों को भी घट दिया जाता है, तत्पश्चात जो राशि प्राप्त होती है शुद्ध सम्पत्ति मूल्य (Net Assets Value) कहलाती है।

शुद्ध सम्पत्ति मूल्य ज्ञात करने का सूत्र

	Total Assets	....
Less:	Fictions Assets	....
Less:	External liability	....
Net	Assets Value	

विनियोजित पूँजी ज्ञात करने का एक सूत्र और प्रयोग में आता है इसे शुद्ध मूल्य भी कहते है।

शुद्ध मूल्य (Net Worth) की गणना

	शुद्ध मूल्य (Net Worth) की गणना	
	Share Capital	....
Add:	General Reserve	....
Add:	Profit & Loss	....
Add:	Reserve Fund	....
	Net Worth	

विनियोजित पूँजी का आशय व्यापार में लगी हुयी कुल पूँजी से होता है, जिसका अध्ययन हमने उपरोक्त दोनों सूत्रों द्वारा कर लिया है।

टिप्पणी

इसके अतिरिक्त यदि हमें सम्पत्तियों का बाजार मूल्य ज्ञात है तो विनियोजित पूँजी ज्ञात करते समय पुस्तक मूल्य के स्थान पर सम्पत्तियों के बाजार मूल्य के आधार पर गणना की जाएगी। विनियोजित पूँजी ज्ञात करने के पश्चात औसत विनियोजित पूँजी की गणना की जाएगी। औसत विनियोजित पूँजी ज्ञात करने के लिये निम्न बातों का ध्यान रखा जाना चाहिए–

(i) वर्ष की प्रारम्भिक पूँजी एवं वर्ष की अन्तिम पूँजी को जोड़कर दो से भाग देकर औसत विनियोजित पूँजी की गणना की जाती है।

(ii) यदि वर्ष की अन्तिम पूँजी में वर्ष का सम्पूर्ण लाभ सम्मलित है तो वर्ष के लाभ का आधा भाग घटा दिया जाना चाहिए।

(iii) यदि वर्ष की अन्तिम पूँजी में पिछले वर्ष का लाभ सम्मलित नहीं है, लेकिन यह लाभ वर्ष के अन्त में व्यापार से निकाला गया है तो औसत पूँजी की गणना करने के लिये वर्ष के लाभ का आधा भाग अन्त की पूँजी में जोड़ दिया जाएगा।

उदाहरण– 4

31 मार्च, 2019 को यश लिमिटेड का चिट्ठा निम्नानुसार था।

Balance Sheet of Yash Limited as at 31st March, 2019 is as under.

Balance Sheet

Liabilities	Amt. (₹)	Assets	Amt. (₹)
Equity share capital			
Less of ₹ 10 each	3,00,000	Goodwill	50,000
General Reserve	35,000	Machinery	1,00,000
Profit & Loss A/c	20,000	Stock	1,20,000
Gratuity Fund	15,000	Debtors	1,35,000
Sundry Creditors	25,000	Cash	10,000
Outstanding		Prepaid Expenses	2,000
Expenses	5,000	Preliminary Exp.	13,000
Bank Overdraft	30,000		
	4,30,000		4,30,000

वर्ष के अन्त में मशीनरी का मूल्यांकन 60,000 ₹ किया गया। देनदारों से लगभग 1,42,000 ₹ प्राप्त होते है। एक 6,000 ₹ की राशि जिस पर विवाद चल रहा था, भुगतान करनी है।

टिप्पणी

विनियोजित पूँजी की गणना कीजिये।

हल क्रमांक 4

Calculation of Capital Employed.

Particulars		Amount
Machinery		60,000
Stock		1,20,000
Debtors		1,42,000
Cash		10,000
Prepaid Expenses		2,000
Less: Liabilities		
Sundry Creditors	25,000	
Outstanding Expenses	5,000	
Bank Overdraft	30,000	
Graduity Fund	15,000	
Disputed Amount to be paid	6,000	
Capital Employed		81,000

(b) लाभ की सामान्य दर (Normal Rate of Return)– प्रत्येक व्यापारी, व्यापार में एक सामान्य दर की अपेक्षा करता है इसका आशय है, व्यापारी को यह आशा रहती है, कि एक न्यूनतम लाभ उसे प्राप्त होगा ही, जिसे उचित दर भी कहते हैं। लाभ की सामान्य दर को व्यापार में जोखिम की मात्रा एवं विनियोग की अवधि प्रभावित करती है।

सामान्य लाभ की दर प्रश्न में दी हुयी होती है, यदि प्रश्न में इस दर को नहीं दर्शाया गया है तो विनियोजित पूँजी के आधार पर इसकी गणना कर ली जाती है।

(c) सामान्य लाभ (Normal Profit)– सामान्य लाभ का आशय औसत विनियोजित पूँजी पर सामान्य दर के आधार पर गणना की गयी राशि से है। सामान्य लाभ ज्ञात करने का सूत्र निम्नलिखित है।

$$\frac{\text{Normal Profit} = \text{Average Capital Employed} \times \text{Normal Rate}}{100}$$

(d) अधिलाभ (Super Profit)– इस विधि के अनुसार ख्याति गणना करने का मुख्य आधार अधिलाभ ही है। अधिलाभ से आशय सामान्य लाभ पर औसत लाभ के आधिक्य से है। इसका अर्थ है ऐसा लाभ जो उसी प्रकार का व्यवसाय करने वाले को होता है से अधिक लाभ प्राप्त करना, इस अधिक राशि या अन्तर की राशि अधिलाभ कहलाती है, इसे निम्न सूत्र द्वारा ज्ञात किया जाता है–

Super Profit = Actual Average Profit – Normal Profit

ख्याति का मूल्य अधिलाभ के निर्धारित वर्षों के क्रय मूल्य के बराबर होगा। इस विधिनुसार ख्याति ज्ञात करने का सूत्र है–

Goodwill = Super Profit × No. of Years Purchase

टिप्पणी

उदाहरण– 5

रवि लिमिटेड की निम्न जानकारी से कम्पनी के सामान्य लाभ की गणना कीजिए।

(a) कम्पनी का चिट्ठा

Liabilities	Amt. (₹)	Assets	Amt. (₹)
Share Capital		Plant Machinery	60,000
10,000 Equity Shares		Land & Building	40,000
@ ₹ 10 each	1,00,000	Stock in Trade	30,000
2500, 8% Profit share		Sundry Debtors	40,000
@ ₹ 10 each	25,000	Cash Balance	20,000
General Reserve	15,000	Bank Balance	10,000
P/L A/c	5,000	Preliminary Exp.	2,000
Sundry Credit	20,000		
Bank Overdraft	37,000		
	2,02,000		2,02,000

(b) कम्पनी के लाभ की सामान्य दर 8% है।

हल क्रमांक 5

Calculation of Capital Employed

Total Assets		2,02,000
Less: Preliminary Exp.		2,000
Less: Liabilities		2,00,000
Sundry Creditors	20,000	
Bank Overdraft	37,000	57,000
Net Assets Value/Capital employed		1,43,000

$$\text{Normal Profit} = \frac{\text{Capital Employed} \times \text{Rate}}{100}$$

$$\text{Normal Profit} = \frac{1,43,000 \times 8}{100} = 11,440$$

उदाहरण– 6

30 अप्रैल, 2018 को गुप्ता क. लिमिटेड की स्थिति विवरण इस प्रकार था।

The following is the Balance Sheet of Gupta Company Limited as on 30th April 2018.

Liabilities	Amt. (₹)	Assets	Amt. (₹)
Share Capital		Land & Building	36,000
16,400 Shares		Plant	54,000
@ ₹ 10 each	1,64,000	Investments	30,000
General Reserve	40,000	Stock	26,850
Creditors	38,040	Bank	75,990
		Debtors	19,200
	2,42,040		2,42,040

टिप्पणी

पिछले तीन वर्षों के लाभ इस प्रकार हैं–

The following were the profits for the last three years.

I Year	32,280
II Year	36,870
III Year	43,350

उपरोक्त लाभों में विनियोगों से आय के 1,800 ₹ प्रति वर्ष सम्मलित हैं।

The above amounts include income from investments ₹ 1,800 each year.

आपको ख्याति की गणना पिछले तीन वर्षों के औसत लाभ के आधार पर निकाले गये अधिलाभ के दो वर्षों के क्रय पर करना है। विनियोजित पूँजी पर आय की सामान्य पर 10% है।

You are required to value the goodwill of the above business at two years purchase of the average super profits for the three taking into account the fact the normal rate of return on capital employed in such type of business is 10%.

हल क्रमांक 6

1. Calculation of Capital Employed

Land & Building	36,000
Plant	54,000
Stock	26,850
Bank	75,990
Debtors	19,200
Total Assets	2,12,040
Less: Liabilities	
Creditors	38,040
Capital Employed	1,74,000

2. Calculation of Normal Profit

$$\frac{\text{Capital Employed} \times \text{Normal Rate}}{100}$$

$$\text{Normal Profit} = \frac{174{,}000 \times 10}{100} = 17{,}400$$

3. Calculation Actual Average Profit

Year	**Profit**
I	32,280
II	36,870
III	43,350
Total Profit	1,12,500
Less Income from Investment	
(1800 × 3)	5,400
Actual Profit	1,07,100

$$\text{Actual Average Profit} = \frac{1,07,100}{3} = ₹\ 35,700$$

Super Profit = Actual Average Profit – Normal Profit

Super Profit = 35,700 – 17,400 = ₹ 18,300

Gooodwill = Super Profit × No. of Years

Goodwill = 18,300 × 2 = ₹ 36,600

उदाहरण– 7

ध्रुव लिमिटेड का चिट्ठा इस प्रकार है–

Following is the Balance Sheet of Dhurv Ltd.

Liabilities		Amt. (₹)	Assets	Amt. (₹)
Share Capital		1,80,000	Land & Building	50,000
Depreciation Fund			Plant & Machinery	98,000
Land &			5% Investments	20,000
Building	5,000			
Plant &			Current Assets	80,000
Machinery	8,000	13,000		
General Reserve		7,000	Preliminary Exp.	2,000
Current Liabilities		50,000		
		2,50,000		2,50,000

समान व्यवसाय से आय की दर 10% है। भूमि व भवन का बाजार मूल्य 60,000 ₹ है।

The average return expected from such business is 10%. The market value of Land Building is ₹ 60,000.

पिछले चार वर्षों के लाभ इस प्रकार है–

Profits for last four years are as follows–

I	₹ 15,000
II	₹ 18,000
III	₹ 25,000
IV	₹ 30,000

व्यवसाय की ख्याति की गणना अधिलाभ के तीन वर्षों के क्रय आधार पर किया जाना है। विनियोग पिछले चार वर्षों से कम्पनी के पास हैं।

Compute the value of goodwill at three years purchase of super profit of the business. Investment held since the starting of business.

टिप्पणी

हल क्रमांक 7

(1) Calculation of Capital Employed

Land & Building		60,000
Plant & Machinery	98,000	
Less: Depreciation Fund	8,000	90,000
Current Assets		80,000
Total Assets		2,30,000
Less: Current Liabilities		50,000
Net Assets or Capital Employed		1,80,000

(2) Calculation of Normal Profit

$$\text{Normal Profit} = \frac{1,80,000 \times 10}{100} = ₹\ 18,000$$

(3) Calculation of Actual Average Profit

Year	**Profit**
I	15,000
II	18,000
III	25,000
IV	30,000
	88,000

Less Income From Investment

$$\frac{20,000 \times 5}{100} = 1,000$$

(1,000 × 4)	4,000
Total Profit	84,000

$$\text{Actual Average Profit} = \frac{84,000}{4} = ₹\ 21,000$$

Super Profit = 21,000 – 18,000 = ₹ 3,000

Goodwill = Super Profit × No. of Years

Goodwill = 3,000 × 3 = ₹ 9,000

उदाहरण– 8

31 मार्च, 2018 को रमेश कम्पनी लिमिटेड की सम्पत्तियों एवं दायित्व इस प्रकार हैं।

The assets & liabilities of Ramesh Company limited as on 31st March 2018, were as follows.

Liabilities	Amt. (₹)	Assets	Amt. (₹)
10,000 shares of		Land & Building	80,000
₹ 10 each fully paid	1,00,000	Plant & Machinery	64,000
Profit & Loss A/c	20,000	Furniture	5,000
Debentures	15,000	5% Govt. Bonds	20,000
Trade Creditors	21,000	Stock	3,000
Provision for taxation	8,000	Book debts	5,000
Proposed dividend	15,000	Cash	2,000
	1,79,000		1,79,000

कम्पनी का शुद्ध लाभ ह्रास एवं कर के बाद इस प्रकार है।

The Net Profit of the company after charging depreciation and Taxes were as follows.

2018	₹ 19,000
2017	₹ 20,000
2016	₹ 18,000
2015	₹ 19,000
2014	₹ 17000

31 मार्च 2018 को भूमि व भवन का मूल्यांकन 95,000 ₹, यन्त्र एवं सयंत्र का 71,000 ₹ एवं फर्नीचर का 4,000 ₹ था। सामान्य दर 10% है।

On 31st March, 2018 Land & Buildings were revalued at ₹ 95,000. Plant & Machinery at ₹ 71,000 & Furniture at ₹ 4,000. Normal Rate is 10%.

ख्याति की गणना पिछले पाँच वर्षों के औसत अधिलाभ के पाँच वर्षों के क्रय के आधार पर कीजिए।

Find out the value of goodwill basing it at five years purchase of the average super profit for the last five years.

हल क्रमांक 8

(1) Calculation of Capital Employed.

	Land & Building		60,000
	Land & Building		95,000
	Plant & Machinery		71,000
	Furniture & Fittings		4,000
	Stock		3,000
	Book debts		5,000
	Cash		2,000
			1,80,000
Less:	Liabilities		
	Debentures	15,000	

टिप्पणी

Creditor	21,000	
Provision for taxation	8,000	44,000
Net Assets		1,36,00
Less: ½ of Profit for 2008 after adjusting Income from Investment (19,000 – 1,000) × ½		9,000
Average Capital Employed		1,27,000

(2) Calculation of Normal Profit

$$\frac{1,27,000 \times 10}{100} = 12,700$$

(3) Calculation of Average Profit

Year	**Profit**
2014	17,000
2015	19,000
2016	18,000
2017	20,000
2018	19,000
	93,000

Less Income from Investment

$$\frac{20,000 \times 5}{100} = 1,000 \quad (1,000 \times 5) \quad 5,000$$

88,000

$$\text{Average Profit} = \frac{88,000}{5} = 17,600$$

Super Profit = 17,600 – 12,700 = 4,900

Goodwill = 4,900 × 5 = 24,500

III. वार्षिकी विधि (Annuity Method)

इस विधि के अनुसार एक रुपये की वार्षिक के आधार पर ख्याति का मूल्यांकन किया जाता है। इस विधि के अनुसार ख्याति का मूल्यांकन करने पर ख्याति के क्रेता को ब्याज प्राप्त होता है। वार्षिकी आधार पर गणना की हुयी राशि होती है और उसका भुगतान क्रेता को एक साथ करना होता है। इस विधि के अन्तर्गत औसत लाभ व अधिलाभ दोनों के आधार पर ख्याति की गणना की जा सकती है–

(a) औसत लाभ द्वारा– औसत लाभ द्वारा ख्याति की गणना प्रथम विधि द्वारा निकाले गये औसत लाभ की वार्षिकी मूल्य से गुणा करने पर प्राप्त की जाती है, इस विधि के अनुसार ख्याति की गणना करने का सूत्र निम्नानुसार है।

Goodwill = Average Actual Profit × Present Value of Rupee One

उदाहरण– 9

वार्षिक औसत लाभ 15,000 ₹ है, 5% ब्याज की दर से 4 वर्षों में एक रुपये की वार्षिकी का वर्तमान मूल्य 3.546 है। ख्याति की गणना औसत लाभ के वार्षिकी विधि से करिए।

हल क्रमांक 9

ख्याति = औसत लाभ × वार्षिकी मूल्य

$15,000 \times 3.546 = 51,840$

ख्याति = 51,840 ₹

(b) अधिलाभ द्वारा– अधिलाभ विधि द्वारा ख्याति की गणना करने पर क्रेता को ब्याज का लाभ प्राप्त होता है। इस विधि के अन्तर्गत अधिलाभ को वार्षिकी से गुणा करने पर ख्याति की राशि ज्ञात की जाती है। इसका सूत्र निम्नानुसार है–

Goodwill = Super Profit × Present Value of Rupee One

अधिलाभ पूर्व विधि में प्रयोग किये गये सूत्र के अनुसार ही निकाला जाता है।

उदाहरण– 10

नीचे दी गयी जानकारी के आधार पर ख्याति की गणना वार्षिकी विधि से करिए।

From the following information, ascertain the value of goodwill, acording to the annuity method.

(1) शुद्ध सम्पत्तियाँ (Net Assets) ₹ 350,000

(2) सामान्य आय की दर (Normal Rate of Return) 10%

(3) तीन वर्षों का लाभ (Profit for the three years)

I Year	₹ 63,000
II Year	₹ 59,000
III Year	₹ 68,000

(4) द्वितीय वर्ष के लाभ में असामान्य हानि के 1,000 ₹ अपलिखित किये गये है, एवं तृतीय वर्ष के लाभ में गैर आर्वती आय के 500 ₹ सम्मलित है।

Profit for the second year has been arrived at after writing off abnormal loss of ₹ 1,000 & Profit for the third year included a non-rewrring income of ₹ 500.

(5) एक रुपये की वार्षिकी का मूल्य 8 वर्षों के लिये 0.154722 है।

The present value of Rupee 0.154722 invested every year for 8 years.

(6) 1 ₹ पर वर्तमान ब्याज की दर 5% वार्षिक है।

The present rate interest of 5% P. is Re 1

(7) ख्याति की गणना अधिलाभ के वार्षिकी के आधार पर करिए।

Estimate the value of goodwill from super profit according to annuity method.

टिप्पणी

हल क्रमांक 10

(a) Calculation of Average Profit

Year		Profit
I		63,000
II	(59,000 + 1,000)	60,000
III	(68,000 – 500)	67,500
	Total Profit	1,90,500

$$\text{Average Profit} = \frac{1,90,500}{3} = ₹\ 63,500$$

(b) Calculation of Normal Profit

$$\text{Normal Profit} = \frac{3,50,000 \times 10}{100} = ₹\ 35,000$$

(c) Calculation of Super Profit

Super Profit = 63,500 – 35,000 = ₹ 28,500

(d) Calculation of Goodwill

$$\text{Goodwill} = \frac{28,500}{0.154722} = ₹\ 1,84,201$$

उदाहरण– 11

निम्नलिखित विवरण से ABC कम्पनी की वार्षिकी पद्धति से ख्याति की गणना कीजिए–

(1) एक रुपये की वार्षिकी का वर्तमान मूल्य 5 वर्ष के लिये 10% वार्षिक दर पर 3.78 ₹ है।

Present value of an annuity of one rupee for 5 years at 10% is ₹ 3.78

(2) शुद्ध लाभ (Net Profits)

2006	₹ 1,05,000
2007	₹ 97,000
2008	₹ 1,08,000

(3) व्यवसाय की औसत विनियोजित पूँजी 5,00,000 ₹ है।

The average Capital employed in the business is ₹ 5,00,000 ।

(4) इस प्रकार की विनियोजित पूँजी में जोखिम की दर 10% है।

Return expected from invested capital having regard to risk involved is 10%.

(5) एक 700 ₹ राशि 2017 के लाभों में सम्मलित है, जिसे एक देनदार से प्राप्त किया गया था, इस राशि को पहले पूर्व वर्षों में अप्राप्य ऋण की तरह अपलिखित किया गया था।

An amount of ₹ 700 is included in the profits of 2017, which has been recovered from a debtors whose account had been written as bad several years before.

(6) व्यवसाय का मालिक ₹ 10,000 प्रतिवर्ष परिश्रमिक प्राप्त करता है। Remuneration of ₹ 10,000 p.a. to the proprietors is considered reasonable.

(7) अधिलाभ की गणना पिछले पाँच वर्षों के औसत लाभ के आधार पर करनी है।

It is expected that super profit can be maintained for the next five years.

टिप्पणी

हल क्रमांक 11

I. Calculation of Average Profit

(a) Calculation of Average Profit

Net Profit	2016		1,05,000
	2017	97,000	96,300
	2018		1,08,000
Total Profit			3,09,300

Average Profit $= \frac{3,09,300}{3} =$ 1,03,100

Less:	Proprietor's Remuneration	10,000
	Adjusted Average Profits	93,100

Goodwill = Average Profits × Present value of an annuity

Goodwill = 93,100 × 3.78 = 3,51,918

II. Calculation of Goodwill by Super Profits

(b) Calculation of Normal Profit

Normal Profit = Average Capital $\frac{\text{Employed} \times \text{Rate}}{100}$

Normal Profit $= \frac{5,00,000 \times 10}{100} = 50,000$

(c) Calculation of Super Profit

Average Profit – Normal Profits

93,100 – 50,000 = 43,100

(d) Calculation of Goodwill

Goodwill = Super Profit × Present value of an annuity

Goodwill = 43,100 × 3.78 = 1,62,918

टिप्पणी

IV. पूँजी विधि (Capitalisation Method)

इस विधि के अन्तर्गत औसत लाभ या अधिलाभ का पूँजीकरण किया जाता है, उपरोक्त समस्त विधियों से इस विधि द्वारा गणना की गयी ख्याति की राशि अधिक होती है। इस विधि के अन्तर्गत पहले व्यापार का कुल मूल्य ज्ञात करते हैं। व्यापार का कुल मूल्य लाभ की सामान्य दर से औसत लाभ या अधिलाभ का पूँजीकरण करके ज्ञात किया जाता है। उपरोक्त प्रकार से ज्ञात राशि में से विनियोजित पूँजी घटाकर ख्याति का मूल्य ज्ञात किया जाता है। इस विधि के अन्तर्गत ख्याति का मूल्य दो प्रकार से निकाला जा सकता है–

(a) औसत लाभ के पूँजीकरण द्वारा (Capitalisation of Average Profit)– इस विधि के अन्तर्गत औसत लाभ की गणना पूर्व में विधि में ज्ञात किये गये औसत लाभ के अनुसार ही की जाती है। अतः पिछले तीन-चार वर्षों का औसत लाभ ज्ञात किया जाता है, इसके उपरान्त औसत लाभ का पूँजीकरण किया जाता है। इसका सूत्र निम्नानुसार है–

$$\text{Goodwill} = \frac{\text{Average Profit} \times 100}{\text{Normal Rate}} - \text{Capital Employed.}$$

(b) अधिलाभ के पूँजीकरण द्वारा (Capitalisation of Super Profit)– इस विधि के अनुसार द्वितीय विधि के अनुसार अधिलाभ की गणना की जाती है। तत्पश्चात अधिलाभ का सामान्य लाभ की दर से पूँजीकरण किया जाता है। इसे निम्न सूत्र द्वारा ज्ञात किया जाता है।

$$\text{Goodwill} = \frac{\text{Super Profit} \times 100}{\text{Normal Rate}}$$

उदाहरण– 12

अंकिता लिमिटेड का चिट्ठा 31 मार्च, 2018 को निम्नानुसार था।

The Balance sheet of Ankita limited as on 31st March, 2018 is as under.

Liabilities	Amt. (₹)	Assets	Amt. (₹)
Share Capital		Goodwill	2,25,000
11,250 Equity shares		Land & Building	4,75,000
@ ₹ 100 each	11,25,000	Plant	4,01,500
Profit & Loss A/c	3,00,000	Stock in Trade	6,50,500
Loans	4,50,000	Book debts	6,62,500
Creditors	3,25,000	Cash at Bank	35,500
Provision for Taxation	2,50,000		
	24,50,000		24,50,000

व्यापार प्रारम्भ करने की तिथि से कम्पनी के लाभ इस प्रकार है।

The profits of the company since the commen cement of the busniess were–

2014	₹ 4,30,000
2015	₹ 3,40,000
2016	₹ 3,70,000
2017	₹ 5,00,000
2018	₹ 6,00,000

टिप्पणी

लाभांश 2014, 2015, 2016 में 10% की दर से था एवं 2017 व 2018 में 15% की दर से था।

Dividend were paid at 10% in 2014, 2015 & 2016, while for 2017 & 2018 the rate was 15%.

ख्याति की गणना कीजिये यदि कर की दर 50% है एवं यंत्र का मूल्य 5,95,500 है। अधिलाभ के पूँजीकरण विधि का प्रयोग करिए।

Calculate the goodwill assuming the rate of tax 50% & the value of the plant 5,95,500. Use capitalization method based on ruper profit.

हल क्रमांक 12

(a) Calculation of Capital Employed

Land & Building		4,75,000
Plant		5,95,500
Stock in Trade		6,50,500
Book debts		6,62,500
Cash		35,500
Total Assets		24,19,000
Less: Liabilities		
Loans	4,50,000	
Creditors	3,25,000	
Provision for Taxation	2,50,000	
		10,25,000
Capital Employed		13,94,000

(b) Normal Rate of Return

$$\frac{10+10+10+15+15}{5} = \frac{60}{5} = 12\%$$

टिप्पणी

(c) Calculation of Normal Profit

$$= \frac{\text{Capital Employed} \times \text{Rate of Return}}{100}$$

$$= \frac{13{,}94{,}000 \times 12}{100} = 1{,}67{,}280$$

(d) Calculation of Average Profit

Year	Profit
2014	4,30,000
2015	3,40,000
2016	3,70,000
2017	5,00,000
2018	6,00,000
Total Profit	22,40,000

$$\text{Average Profit} = \frac{22{,}40{,}000}{5} = 4{,}48{,}000$$

Less: 5% Tax on 4,48,000	2,24,000
₹	2,24,000

(e) Calculation of Super Profit

Super Profit = Average Profit – Normal Profit

= 2,24,000 – 1,67,280 = 56,720

Goodwill = Super Profit × 100

Rate of Return

$$\frac{56{,}720 \times 100}{12} = 47{,}267$$

Goodwill = ₹ 47,267

उदाहरण– 13

31 मार्च, 2019 को मि. यशवन्त को चिट्ठा निम्न स्थिति को प्रदर्शित करता है।

The Balance sheet of Mr. Yashwant on 31st March, 2019 show the following conditions.

Liabilities	Amt. (₹)	Assets	Amt. (₹)
Capital	5,00,000	Land & Building	2,20,000
Creditors	90,000	Plant & Machinery	3,00,000
Bank Loan	70,000	Furniture	64,000
Bills Payable	15,000	Stock	26,000
Outstanding Exp.	25,000	Cash at Bank	90,000
	7,00,000		7,00,000

31 मार्च 2019 को व्यवसाय का पाँच वर्षों का लाभ इस प्रकार था।

The Profits of the business for the five years ending 31st March, 2019 are–

I	₹ 80,000
II	₹ 82,000
III	₹ 92,000
IV	₹ 95,000
V	₹ 1,11,000

सम्पत्तियों का पूर्नमूल्यांकन इस प्रकार था।

The assets were revalued as under–

Land & Building	₹ 3,80,000
Machinery	₹ 2,44,000
Furniture	₹ 2,000

औसत लाभ विधि के पूँजीकरण के आधार पर ख्याति की गणना कीजिए। यदि लाभ की सामान्य दर 10% हो।

Find out goodwill by capitalisation method through Average Profit. If Normal Rate of Return is 10%.

हल क्रमांक 13

Valuation of Goodwill of Mr. Yashwant

(a) Calculation of Capital Employed—

	Land & Building		3,80,000
	Machinery		2,44,000
	Furniture		2,000
	Stock		26,000
	Cash at Bank		90,000
			7,42,000
Less:	Liabilities		
	Creditors	90,000	
	Bank Loan	70,000	
	Bills Payable	15,000	
	Outstanding Exp.	25,000	2,00,000
Capital Employed			5,42,000

टिप्पणी

(b) Calculation Future Maintainable Profits

I	₹ 80,000
II	₹ 82,000
III	₹ 92,000
IV	₹ 95,000
V	₹ 1,11,000
Total Profit	4,60,000

$$\text{Average Profit} = \frac{4,60,000}{5} = 92,000$$

Average Profit ₹ 92,000

(c) Capitalised Value of Average Profit

$$= \frac{92,000 \times 100}{10} = 9,20,000$$

(d) Calculation of Goodwill

Capitalised Value of Average Profit	9,20,000
Less: Capital Employed	5,42,000
Goodwill	3,78,000

V. अधिलाभ का गिरते हुए क्रम में मूल्यांकन (Sliding Scale Valuation of Super Profit)

यह विधि कटफोर्थ द्वारा प्रतिपादित की गयी थी। कटफोर्थ ने अपनी पुस्तक (4 Method of Amalgamation and Valuation of Business) में इसका उल्लेख किया था। उपरोक्त विधि में हमने देखा कि औसत लाभ या अधिलाभ को अर्जित करने की अवधि से गुणा कर दिया जाता है। इस विचार को कटफोर्थ के अपनी पुस्तक में उजागर किया है कि अधिलाभ जितना अधिक होगा उतनी ही उसको भविष्य में अर्जित करने की अवधि कम होगी। क्योंकि जितना कम अधिलाभ होगा उतने अधिक व्यापारी आकर्षित होगें और प्रतियोगिता उतनी ही अधिक होगी। अतः अधिलाभ अर्जित करने की अवधि कम हो जायेगीं इस विधि के अन्तर्गत अधिलाभ को भागों में विभक्त कर दिया जाता है, फिर घटते क्रम में अधिलाभ के भागों को गुणा किया जाता है। गुणनफल का योग ही ख्याति कहलाता है।

उदाहरण– 14

एक व्यवसाय का अधिलाभ 25,000 ₹ है अधिलाभ को पाँच वर्षों में 5,000 ₹ के भाग में विभक्त किया गया है। ख्याति की गणना कीजिए।

हल क्रमांक 14

I	₹ 5,000 × 5	=	25,000
II	₹ 5,000 × 4	=	20,000
III	₹ 5,000 × 3	=	15,000
IV	₹ 5,000 × 2	=	10,000
V	₹ 5,000 × 1	=	5,000

उदाहरण– 15

निम्न जानकारी के आधार पर ज्ञात कीजिए–

(a) औसत लाभ विधि द्वारा ख्याति

(b) अधिलाभ द्वारा ख्याति की गणना

(c) पूँजीकरण विधि द्वारा

31 मार्च, 2019 को सोना लि. का चिट्ठा निम्न प्रकार है।

Following is the balance sheet of Sona Ltd. as on 31st March 2019.

Liabilities	Amt. (₹)	Assets		Amt. (₹)
Share Capital		Goodwill		1,25,000
4,000 shares	4,00,000	Land &		
@ ₹ 10 each		Building	1,80,000	
Reserve Fund	20,000	***Less***:		
Workmen		Depreciation	36,000	1,44,000
Compensation		Plant &		
Fund	5,000	Machinery	2,40,000	
Workmen's Profit		***Less:***		
Sharing Fund	45,000	Depreciation	40,000	2,00,000
Profit & Loss A/c		Investments	3,60,000	
Creditors	2,30,000	***Less:*** Provision	30,000	2,33,000
Other Liabilities	1,00,000	Debtors		1,00,000
		Stock		2,00,000
		Cash at Bank		75,000
		Preliminary		26,000
	12,00,000			12,00,000

अतिरिक्त जानकारियाँ

(1) कम्पनी के पिछले तीन वर्षों के लाभ इस प्रकार हैं।

2017	₹ 3,10,000
2018	₹ 2,73,000
2019	₹ 2,90,000

उपरोक्त समस्त लाभ कर की दर 50% प्रयोग करने के पूर्व के हैं।

(2) कम्पनी पिछले कई वर्षों से व्यापार का संचालन कर रहीं है। कम्पनी एक नयी कम्पनी को क्रय करना चाहती है, इस उद्देश्य से ख्याति की गणना औसत लाभ विधि एवं अधिलाभ विधि द्वारा दो वर्षीय क्रय के आधार पर भी करनी है।

(3) कम्पनी अपने ही संचालक मंडल द्वारा व्यापार करना चाहती है, बिना किसी अतिरिक्त संचालक के। कम्पनी अपने संचालक को 9,000 ₹ प्रतिवर्ष शुल्क देती है।

(4) कम्पनी अब बड़े पैमाने पर व्यापार करने के इच्छुक है इसके लिये कम्पनी एक अतिरिक्त कार्यालय को 12,000 ₹ प्रति वर्ष के किराये पर लिया है।

(5) 31 मार्च, 2019, को भूमि व भवन का मूल्यांकन 3,00,000 ₹, प्लाटे व मशीनरी का 1,80,000 है। विनियोग व रहनिये के मूल्य में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है। एवं

(6) वर्कमेन क्षतिपूर्ति संचय के वास्तव में 5,000 रुपये भुगतान किये गये है।

(7) समान व्यवसाय में आय की दर 12% है।

(8) विनियोग प्लांट एवं मशीनरी के लिये लिया गया है सभी गणनायें मुख्य भाग में दिखाना आवश्यक है।

हल क्रमांक 15

(a) औसत लाभ विधि द्वारा ख्याति की गणना

(1)	Calculation of Average Profit for 2017		3,10,000
Add:	Savings in the form of Directors fees		9,000
			3,19,000
Less:	Rent for additional office		12,000
			3,07,000
	Profit for 2018	2,73,000	
Add:	Sixty in the form of directors fees	9,000	
		2,82,000	
Less:	Rent for additional office	12,000	2,70,000
	Profit for 2019	2,90,000	
Add:	Saving in the form of directors fees	9,000	
		2,99,000	
Less:	Rent for additional office	12,000	
			2,87,000
	Total Profit (i + ii + iii)		8,64,000
	Average Profit $= \frac{864,000}{3} =$		2,88,000
Less:	Tax 50% on 2,88,000		1,44,000
	Average Actual Profit		1,44,000

Goodwill = Average Actual Profit × No of Years Purchase

Goodwill = 1,44,000 × 2 = 2,88,000

(b) अधिकार विधि द्वारा ख्याति की गणना

(1) Calculation of Capital Employed

	Land & Building		3,00,000
	Plant & Machinery		1,80,000
	Investment		3,30,000
	Stock		2,00,000
	Debtors		1,00,000
	Cash at Bank		75,000
	Total Assets		11,85,000
Less:	Liabilities		
	Workmen Compensation Fund	5,000	
	Workmen Profit Sharing Fund	45,000	
	Creditors	2,30,000	
	Other Liabilities	1,00,000	
			3,80,000
	Capital Employed		8,05,000

Calculaton of Normal Profit

Normal Profit = 8,05,000 × 12/100 = 96,600

Super Profit = Average Profit – Normal Profit

= 1,44,000 – 96,600 = 47,400

Goodwill = 47,400 × 2 = 94,800

(c) ख्याति की गणना पूँजीकरण विधि द्वारा

(a) औसत लाभ का पूँजीकरण द्वारा

	1,44,000 × 100/12 =	12,00,000
Less:	Capital Employed	8,05,000
	Goodwill	3,95,000

(d) अधिलाभ के पूँजीकरण द्वारा

$$\text{Goodwill} - \frac{\text{Super Profit} \times 100}{\text{Normal Rate of Return}}$$

$$\frac{1{,}44{,}000 \times 100}{12} = 12{,}00{,}000$$

Goodwill = ₹ 12,00,000

टिप्पणी

अपनी प्रगति जाँचिए (Check Your Progress)

1. ख्याति एक सम्पत्ति है।
   (क) कृत्रिम (ख) स्थायी
   (ग) चालू (घ) इनमें से कोई नही
2. ख्याति पर ह्रास
   (क) लगाया जाता है (ख) नही लगाया जाता है
   (ग) व्यापार पर निर्भर है (घ) इनमें से कोई नही

2.3 अंशों का मूल्यांकन (Valuation of Shares)

2.3.1 अंशों के मूल्यों को प्रभावित करने वाले तत्व (Factors Affecting the Valuation of Shares)

अंशों का मूल्य कम्पनी की वित्तीय स्थिति एवं कम्पनी की लाभार्जन क्षमता से प्रभावित होता है, परन्तु इसके अलावा कम्पनी की आन्तरिक एवं बाहय तथा आर्थिक एवं कम्पनी के अंशों पर प्रभाव पड़ता है। कम्पनी के अंशों को प्रभावित करने वाले मुख्य तत्व निम्नलिखित हैं–

(1) **कम्पनी की वित्तीय स्थिति**– एक कम्पनी की वित्तीय स्थिति जितनी अधिक मजबूत होगी, कम्पनी के अंशों का मूल्य उतना ही अधिक होगा, इसके विपरीत कम्पनी की वित्तीय दशा ठीक नहीं चल रही है, तो कम्पनी के अंशों का मूल्य गिरता जायेगा।

(2) **कम्पनी की लाभ अर्जन शक्ति**– सामान्य व्यवसाय से अधिक दर पर लाभ अर्जन करने वाली कम्पनियों के अंशों का मूल्य अधिक होगा एवं सामान्य दर से कम लाभ अर्जन वाली कम्पनियों के अंशों का मूल्य कम होगा। व्यवसाय में वही व्यक्ति पैसा लगाना चाहेगा, जिसे अपने विनियोग पर ब्याज या आय प्राप्त करने का पूर्ण विश्वास हो, और यह विश्वास कम्पनी की लाभार्जन क्षमता पर निर्भर करेगा।

(3) **कम्पनी का ढाँचा**– कम्पनी का पूँजी ढाँचा किस प्रकार का है, इसका प्रभाव भी कम्पनी के अंशों पर पड़ता है, यदि कम्पनी की अंश पूँजी अधिक है, तो कम्पनी के अंशों का मूल्यांकन अधिक मूल्य पर होगा, यदि कम्पनी के पूँजी ढाँचे में ऋण-पत्रों की अधिकता है तो ब्याज की राशि अधिक चुकाने के कारण कम्पनी की लाभार्जन क्षमता कम होगी एवं अंशों का मूल्य भी कम होगा।

(4) **व्यवसाय की प्रकृति**– व्यवसाय के कार्यों एवं व्यवसाय की प्रकृति कम्पनी के अंशों को प्रभावित करती है, यदि व्यवसाय के कार्य की प्रकृति ऐसे उत्पादों के लिये जिसका सामान्यतः प्रभाव या प्रत्यक्ष प्रभाव जनता पर नहीं पड़ता तो अंशों का मूल्य कम एवं इसके विपरीत प्रत्यक्ष प्रभाव पड़ने पर अंशों का मूल्य अधिक होगा।

(5) **कम्पनी की सम्पत्तियाँ एवं दायित्व**– कम्पनी की सम्पत्तियाँ यदि कम्पनी के दायित्वों की दोगुनी होंगी तो अंशों का मूल्यांकन अधिक मूल्य पर किया जायेगा, यदि कम्पनी के दायित्व कम्पनी की सम्पत्तियों से अधिक होंगे तो ऐसी स्थिति में कोई भी उस कम्पनी में विनियोग नहीं करेगा, फलस्वरूप कम्पनी के अंशों का मूल्यांकन कम मूल्य पर होगा।

(6) **कम्पनी की लाभांश नीति**– कम्पनी अपने अंशधारियों को एक निश्चित अवधि के पश्चात् लाभांश का भुगतान करती है, यदि लाभांश नीति स्थायी प्रकृति की है तो कम्पनी के अंशों का मूल्य अधिक होगा। यदि कम्पनी की लाभांश नीति अस्थिर रहती है, या बहुत अधिक दर परिवर्तन होता है, तो कम्पनी के अंशों का मूल्य कम होगा।

(7) **कम्पनी की ख्याति**– किसी भी व्यवसाय की ख्याति कम्पनी की लोकप्रियता के साथ-साथ अंशों के मूल्यों में भी वृध्दि करती है, अतः ख्याति की राशि अधिक होने के कारण अंशों का मूल्य अधिक होगा तथा ख्याति की राशि कम होने के फलस्वरूप अंशों का मूल्य भी कम होगा।

(8) **संचालकों की योग्यता**– कम्पनी के संचालक जितने अधिक योग्य एवं चतुर होंगे कम्पनी के अंशों का मूल्य उतना ही अधिक होगा, यदि संचालक कम्पनी के हित को समय-समय पर ध्यान नहीं देंगे तो कम्पनी को कई बार हानियों का सामना करना पड़ सकता है तथा अंशों का मूल्य भी गिरता जाएगा, और कम्पनी बाजार से बाहर हो जाएगी।

(9) **भविष्य की सम्भावनाएँ**– जनता अपने विनियोग ऐसी कम्पनियों में करना चाहती है, जहाँ उनकी राशि निरन्तर बढ़ती रहे, अतः कम्पनी की लाभअर्जन क्षमता अधिक है, तो कम्पनी भविष्य की योजनायें बनाने में सफल होगी एवं कम्पनी के अंशों का मूल्य भी अधिक होगा। यदि कम्पनी अपने अंशों पर उचित लाभांश का भुगतान नहीं कर पाती है तो कम्पनी की वित्तीय स्थिति खराब होती जाएगी एवं भविष्य के लिये विनियोजन क्षमता में कमी के साथ-साथ अंशों के मूल्यांकन में भी कमी आएगी।

(10) **सरकारी नीति**– किसी देश की अर्थव्यवस्था पर सरकारी नीतियों का प्रत्यक्ष प्रभाव पड़ता है, इन नीतियों का प्रत्यक्ष प्रभाव देश के विनियोजन कार्य में लगी कम्पनियों पर भी पड़ता है, सरकारी नीति ऐसी है कि व्यवसाय को बढ़ाने में किसी समस्या का सामना नहीं करना पड़ता है तो अंशों का मूल्य अधिक होगा, तथा यदि सरकारी नीतियाँ ऐसी हैं कि आम आदमी या पूँजीपति अपने व्यवसाय संचालन में समस्या महसूस करता है तो अंशों का मूल्य भी कम होगा।

उपरोक्त के अतिरिक्त व्यवसायिक प्रतियोगिता, राजनीतिक दर्शायें एवं देश में शान्ति तथा सुख की स्थिति भी कम्पनी के अंशों को प्रभावित करती है।

2.3.2 अंशों के मूल्यांकन की आवश्यकता (Need for Valuation of Shares)

स्कन्ध विपणि में अंशों का व्यापार बखूबी होता है, इसके अलावा भी अंशों के मूल्यांकन की आवश्यकता पड़ती है, इसके कई कारण है, अतः अंशों का मूल्यांकन करना निम्न परिस्थितियों में आवश्यक होता है–

(1) एक कम्पनी का दूसरी कम्पनी में विलय होने की स्थिति में।

(2) कम्पनी के व्यवसाय के क्रय-विक्रय मूल्य निर्धारित करने हेतु।

(3) धनकर का निर्धारण करने हेतु।

(4) कम्पनी द्वारा व्यवसाय पर नियन्त्रण करने हेतु।

(5) राष्ट्रीयकरण के उपरांत क्षतिपूर्ति निर्धारण हेतु।

टिप्पणी

(6) कम्पनी के आन्तरिक एवं बाहय पूर्णनिर्माण हेतु।
(7) असन्तुष्ट अंशधारियों को धन वापिस करने हेतु।
(8) अंशों का उचित मूल्य ज्ञात करने हेतु।
(9) एक कम्पनी से दूसरी कम्पनी में अंश हस्तांतरण हेतु।
(10) अंशों का आन्तरिक मूल्य ज्ञात करने हेतु।

अंशों के मूल्यांकन का आधार (Base of Valuation of Shares)

कम्पनी का चिट्ठा कम्पनी की वास्तविक स्थिति को प्रदर्शित करता है। कम्पनी के चिट्ठे के सम्पत्ति पद में दर्शायी गयी मदों के आधार पर कहा जा सकता है कि कम्पनी की वित्तीय स्थिति सुदृढ है या नहीं। इसके अतिरिक्त कम्पनी अपने व्यवसाय में किस दर से लाभ कमा रही है। लाभार्जन क्षमता से भी किसी कम्पनी के अंशों का मूल्य आँका जा सकता है। सामान्य दर अधिक लाभ दर किसी कम्पनी की लाभार्जन क्षमता को अधिक अच्छा प्रदर्शित करती है। अतः हम कह सकते हैं कि अंशों के मूल्यांकन को निम्न आधारों पर विभाजित किया जा सकता है–

(1) कम्पनी की सम्पत्तियाँ– कम्पनी की सम्पत्तियाँ जितनी अधिक होंगी कम्पनी के अंशों का मूल्य भी अधिक होगा।

(2) कम्पनी की लाभार्जन क्षमता– व्यवसाय की सामान्य दर से अधिक दर पर लाभ प्राप्त करना कम्पनी के अंशों के मूल्य को बढ़ा देता है।

उपरोक्त आधारों पर निम्न बातों को भी ध्यान में रखना होगा–

(1) कम्पनी का अस्तित्व समाप्त होने पर कम्पनी का समापन सम्पत्तियों के आधार पर किया जाना चाहिए।
(2) ऐसे व्यवसाय जो आय पर निर्भर करते हैं जैसे– इंजीनियरिंग, सलाहकार, आरकीटेक्ट आदि के लिये कम्पनी की लाभार्जन क्षमता के आधार पर अंशों का मूल्यांकन करना चाहिए।
(3) एक चालू कम्पनी के अंशों का मूल्यांकन करते समय सम्पत्ति तथा लाभ दोनों को ध्यान में रखा जाना चाहिए।
(4) ऐसी कम्पनी जहाँ संचय एवं कोष अधिक मात्रा में हो सम्पत्ति के आधार पर अंशों का मूल्यांकन किया जाना चाहिए।

2.3.3 अंश मूल्यांकन की विधियाँ (Methods of Share Valuation)

किसी भी कम्पनी के अंशों का मूल्य कम्पनी की सम्पत्तियाँ एवं कम्पनी द्वारा अर्जित किये गये लाभ के आधार पर मूल्यांकित की जाती है, जैसे किसी व्यक्ति द्वारा जब विनियोग की योजना उसके दिमाग में आती है, तब वह विभिन्न कम्पनियों का विश्लेषण कम्पनी की सम्पत्ति एवं कम्पनी द्वारा अर्जित लाभ दर के आधार पर करता है। यदि दोनों बातों में उसे कम्पनी की सफलता दिखती है तो उसी कम्पनी में विनियोजन की योजना बनाता है, अतः अंशों के मूल्यांकन में निम्न विधि अपनायी जाती है–

1. शुद्ध सम्पत्ति विधि (Net Assets Method)
2. आय के आधार पर मूल्यांकन (Yield Method)
3. उचित मूल्य विधि (Fair Value Method)

(1) शुद्ध सम्पत्ति विधि (Net Assets Method)– इस विधि को आन्तरिक मूल्य विधि (Intrinsic Value Method) भी कहते हैं। इसके अतिरिक्त स्थिति विवरण विधि भी कहा जाता है। इस विधि के अन्तर्गत वास्तविक सम्पत्तियों में से बाहय दायित्वों को घटाने के बाद सम्पत्तियों का शुद्ध मूल्य ज्ञात किया जाता है, फिर इसे अंशों की संख्या से भाग देकर प्रत्येक अंश का मूल्य ज्ञात किया जाता है।

इस विधि से अंशों का मूल्य ज्ञात करने के लिये निम्न मदों को ज्ञात करना आवश्यक है–

(1) सम्पत्तियों के शुद्ध मूल्य की गणना
(2) बाहरी दायित्वों की गणना
(3) प्रत्येक अंश का मूल्य ज्ञात करना

निम्न सूत्र के आधार पर कम्पनी के प्रत्येक अंश का मूल्य ज्ञात किया जा सकता है–

$$\text{अंशों का आन्तरिक मूल्य} = \frac{\text{शुद्ध सम्पत्ति मूल्य}}{\text{समता अंशों की संख्या}}$$

$$\text{Intrinsic Value per Share} = \frac{\text{Net Assets Value}}{\text{Number of equity shares}}$$

शुद्ध सम्पत्ति मूल्य ज्ञात करने की विधि–

सम्पत्तियाँ का बनाम मूल्य	________
घटाया – बाह्य दायित्व	________
घटाया – पूर्वाधिकार अंश पूँजी	________
शुद्ध सम्पत्ति मूल्य	________

पूर्वाधिकार अंशों का मूल्यांकन

पूर्वाधिकार अंश कई प्रकार के होते हैं, अतः पूर्वाधिकार अंशों का मूल्यांकन अंशों के प्रकार एवं अर्न्तनियम में उल्लिखित प्रावधानों पर निर्भर करता है। पूर्वाधिकार अंश असंचयी प्रकृति के होने पर लाभ के आधिक्य में से हिस्सा प्राप्त करने का अधिकार नहीं होता अतः ऐसे अंशों का मूल्यांकन अंशों के चुकता मूल्य के बराबर होगा। यदि कम्पनी की शुद्ध सम्पत्ति का मूल्य चुकता रूप से कम है तो अंशों का मूल्य भी आनुपातिक रूप से कम हो जाएगा।

यदि पूर्वाधिकार अंश संचयी प्रकृति के हैं, तो अंश का मूल्य चुकता मूल्य एवं अवशेष लाभांश के बराबर होता है तथा पूर्वाधिकार अंशों को आधिक्य में हिस्सा प्राप्त होता है।

सम्पत्तियों का मूल्यांकन

सम्पत्तियों का मूल्यांकन करते समय केवल वास्तविक सम्पत्तियाँ ही ली जायेंगी। कृत्रिम सम्पत्तियों को शामिल नहीं किया जायेगा। सम्पत्तियों के मूल्यांकन के समय हमारे समक्ष दो प्रकार के मूल्य रहते हैं, सम्पत्ति का पुस्तकीय मूल्य एवं सम्पत्ति का बाजार मूल्य, मूल्यांकन की प्रक्रिया के लिये सम्पत्तियों के बाजार मूल्य को गणना करने के लिये प्रयुक्त किया जाता है।

टिप्पणी

बाहय दायित्वों को ज्ञात करना

कम्पनी दायित्वों को दो भागों में विभाजित किया जाता है। पहला आन्तरिक दायित्व जो कि कम्पनी के अन्दर ही उपस्थित रहते हैं एवं दूसरी बाहरी दायित्व, जिनका भुगतान तीसरे पक्ष को करना होता है। शुद्ध सम्पत्ति मूल्य की गणना करने के लिये कुल सम्पत्तियों में से बाहय दायित्वों को घटाकर दिखाया जाता है। बाहय दायित्वों में ऐसे दायित्वों को भी सम्मिलित किया जाएगा जिनका लेखा जोखा पुस्तकों में नहीं किया गया है, इसके अतिरिक्त ऐसे दायित्व जिनके भुगतान की सम्भावना है, को भी सम्मिलित किया जाएगा। प्रस्तावित लाभांश्य की राशि को एवं पूर्वाधिकार अंशधारियों को देय राशि भी दायित्व में शामिल की जाती है।

समता अंशों का मूल्यांकन

समता अंश चुकता पूँजी के आधार पर विभिन्न प्रकार के हो सकते हैं। भिन्न-भिन्न अंकित मूल्य एवं चुकता मूल्य के अनुसार विभिन्न प्रकार के समता अंशों का मूल्य भी विभिन्न प्रकार का होगा। इनका मूल्यांकन करते समय यह मान लिया जाता है कि अंशों पर समस्त याचना की राशि माँग ली जाये तो अंशों का मूल्य क्या होगा। इस मूल्य से ऐसी याचना की राशि जो अभी तक अवशेष है घटा दी जायेगी। विभिन्न प्रकार के समता अंशों का मूल्यांकन करते समय निम्नलिखित विधियों को प्रयोग में लाया जा सकता है–

(1) इकाई मूल्य के आधार पर मूल्यांकन– इस विधि के अन्तर्गत शुद्ध सम्पत्ति मूल्य को कुल चुकता अंशपूँजी से विभाजित किया जाता है। इकाई मूल्य निकल कर आ जाता है एवं इसके उपरान्त अंशों के चुकता मूल्य से गुणा कर दिया जाता है, इसके लिये निम्न सूत्र का प्रयोग किया जाएगा–

(a) $\text{Unit value of the share capital} = \dfrac{\text{Net Assets}}{\text{Paid - up share capital}}$

(b) Value of one equity share =

Unit value of the share capital × paid-up value of one share

(2) चुकता पूँजी के आनुपातिक आधार पर– इस विधि के अन्तर्गत समता अंशों का मूल्यांकन करने के लिये, समता अंशधारियों के लिये उपलब्ध राशि को विभिन्न प्रकार के चुकता मूल्य का अनुपात निकाल कर विभाजित कर लिया जाता है, जिससे विभिन्न अंशों का कुल मूल्य की गणना हो जाती है इसके उपरान्त विभिन्न चुकता मूल्य को उसके ही कुल अंशों से भाग देकर प्रति अंश मूल्य की गणना कर ली जाती है। इसके लिये निम्न सूत्र का प्रयोग करेंगे।

$$\text{Net Assets for one category share} = \frac{\text{Paid - up capital}}{\text{Total paid - up capital}}$$

Value of Equity share of one category share =

$$\frac{\text{Net Assets for one category share}}{\text{No. of category equity share}}$$

उदाहरण– 16

मान लीजिये एक कम्पनी ने समता अंशों का निर्गमन निम्नानुसार किया।

'अ' श्रेणी के 2,000 अंश प्रत्येक 10 ₹ का पूर्णदत्त 'ब' श्रेणी के 3,000 अंश प्रत्येक 10 ₹ का 8 ₹ चुकता 'स' श्रेणी के 4,000 अंश प्रत्येक 10 ₹ का 4 ₹ चुकता समता अंशधारियों के लिये 6,00,000 ₹ उपलब्ध हैं। प्रति अंश मूल्य की गणना कीजिए।

हल क्रमांक 16

A	Category 2,000 share of ₹ 10 each	20,000
B	Category 3,000 share of ₹ 8 each	24,000
C	Category 4,000 share of ₹ 4 each	16,000

$$\text{Net Assets for A category} = 6{,}00{,}000 \times \frac{20{,}000}{60{,}000} = 2{,}00{,}000$$

$$\text{Net Assets for B category} = 6{,}00{,}000 \times \frac{24{,}000}{60{,}000} = 2{,}40{,}000$$

$$\text{Net Assets for C category} = 6{,}00{,}000 \times \frac{16{,}000}{60{,}000} = 1{,}60{,}000$$

Calculation of Value of one Equity share of different category–

(1) Value of one equity share of A category =

$$\frac{2{,}00{,}000}{2{,}000} = ₹\ 100 \text{ per share}$$

(2) Value of one equity share of B category =

$$\frac{2{,}40{,}000}{2{,}000} = ₹\ 80 \text{ per share}$$

(3) Value of one equity share of C category =

$$\frac{1{,}60{,}000}{4{,}000} = ₹\ 40 \text{ per share}$$

2.3.4 पूर्वाधिकार अंशों का मूल्यांकन (Valuation of Preference Shares)

पूर्वाधिकार अंशों का समता अंशधारियों से पूर्व अपनी पूँजी प्राप्त करने का अधिकार होता है, एवं बाहरी दायित्वों को कुल सम्पत्ति मूल्य में से घटाने के बाद पूर्वाधिकार अंश पूँजी को भी घटा दिया जाता है। इसके अलावा निम्न विधि के द्वारा पूर्वाधिकार अंशों का मूल्यांकन किया जा सकता है–

(a) **जब पूर्वाधिकार अंशधारियों को अपने अंशों पर लाभांश तथा पूँजी पाने का पूर्वाधिकार हो–** इसके अन्तर्गत दो बातों को ध्यान में रखा जाना चाहिये–

(i) जब लाभांश पर एवं आय की सामान्य दर बराबर हो– ऐसी दशा में शुद्ध सम्पत्ति में से पूर्वाधिकार अंशों का बकाया लाभांश एवं पूँजी को घटा कर शेष राशि को सामान्य अंशों की संख्या से भाग दिया जाता है। पूर्वाधिकार प्रति अंश ज्ञात करने के लिये बकाया लाभांश तथा पूर्वाधिकार चुकता अंश पूँजी के योग को पूर्वाधिकार अंशों का संख्या से भाग दिया जाता है। अतः इस सूत्र का प्रयोग करते हैं–

Value of per preference share =

$$\frac{\text{Arrears of dividend} + \text{paid - up capital of Preference Share}}{\text{No. of Preference Shares}}$$

(ii) जब पूर्वाधिकार अंशों पर लाभांश की दर एवं पूर्वाधिकार अंशों पर सामान्य आय की दर में अन्तर हो– ऐसी दशा में पूर्वाधिकार अंशों के लाभांश को पूर्वाधिकार लाभांश की सामान्य दर से पूँजीकृत किया जाता है तथा पूँजीकृत मूल्य को पूर्वाधिकार अंशों की संख्या से भाग देने पर प्रति पूर्वाधिकार अंश राशि की गणना हो जाती है। इसकी गणना करने के लिये निम्न सूत्र का प्रयोग करेंगे–

- Capitalised Value of Preference Share =

$$\frac{\text{Amount of Preference Dividend} \times 100}{\text{Normal Rate of Preference Dividend}}$$

- Value of per Preference Share =

$$\frac{\text{Capitalised Value of preference}}{\text{No. of Preference Share}}$$

(b) जब पूर्वाधिकार को केवल अपनी पूँजी प्राप्त करने का पूर्वाधिकार हो– ऐसी दशा में शुद्ध सम्पत्ति मूल्य में से केवल पूर्वाधिकार अंशपूँजी को ही घटाया जायेगा, तथा शेष राशि समता अंशधारियों के लिये उपलब्ध रहेगी।

(c) जब पूर्वाधिकार अंशधारियों को केवल लाभांश प्राप्त करने का पूर्वाधिकार प्राप्त हो– ऐसी दशा में शुद्ध सम्पत्ति मूल्य में से केवल लाभांश की राशि को घटाया जाता है तथा शेष राशि पूर्वाधिकार एवं समता अंशों के लिये उपलब्ध रहेगी। प्रति अंश राशि ज्ञात करने के लिये पूर्वाधिकार अंशों एवं समता अंशों की संख्या से भाग दिया जाता है। अतः इस सूत्र का प्रयोग करेंगे–

Net Assets	………..
***Less*:** Dividend of Preference share	………..
Amount available for Preference	………..
Shareholder & Equity shareholder	
Value of per Equity share	

$$\frac{\text{Amount available for Preference shareholder \& Equity shareholder}}{\text{No. of Preference share + No. of Equity share}}$$

टिप्पणी

(d) जब पूर्वाधिकार अंशधारियों को न ही लाभांश और न ही पूँजी प्राप्त करने का पूर्वाधिकार प्राप्त हो– ऐसी दशा में शुद्ध सम्पत्ति मूल्य में से कोई भी राशि नहीं घटायी जाएगी तथा पूर्वाधिकार एवं समता अंशपूँजी के चुकता मूल्य बराबर होने की दशा में शुद्ध सम्पत्ति मूल्य को दोनों प्रकार के अंशों की संख्या से भाग देने पर प्रति अंश मूल्य ज्ञात हो जाएगा।

यदि पूर्वाधिकार अंश एवं समता अंशों का चुकता मूल्य समान न हो तो शुद्ध सम्पत्ति मूल्य को दोनों प्रकार के अंशों के चुकता मूल्य के अनुपात में विभाजित किया जाएगा, तथा शुद्ध सम्पत्ति मूल्य के भाग को अलग-अलग अंशों के प्रकार से भाग देकर प्रति अंश मूल्य ज्ञात किया जाएगा।

उदाहरण– 17

एक कम्पनी द्वारा निर्गमित अंशों का विवरण निम्नानुसार है–

2,000 समता अंश 10 ₹ वाले 8 ₹ चुकता किये गये हैं 16,000 ₹ 2,000, 5% पूर्वाधिकार अंश 10 ₹ वाले जिस पर 6 ₹ चुकता है, कम्पनी की शुद्ध सम्पत्ति का मूल्य 21,000 ₹ है। प्रति अंश मूल्य ज्ञात कीजिए।

हल क्रमांक 17

समता अंशों का चुकता मूल्य	16,000 ₹
पूवाधिकार अंशों का चुकता मूल्य	12,000 ₹
कुल चुकता मूल्य	28,000 ₹

शुद्ध सम्पत्ति मूल्य 21,000 ₹ को चुकता मूल्य 16 : 12 के अनुपात में विभाजित किया जायेगा।

शुद्ध सम्पत्ति मूल्य समता अंशों का भाग =

$$\frac{21,000 \times 16,000}{28,000} = 12,000 \text{ ₹}$$

शुद्ध सम्पत्ति मूल्य में पूर्वाधिकार अंशों का भाग =

$$\frac{21,000 \times 12,000}{28,000} = 9,000 \text{ ₹}$$

प्रति अंश समता मूल्य = $\frac{12,000}{2,000}$ = 06 ₹

प्रति अंश पूर्वाधिकार मूल्य = $\frac{9,000}{2,000}$ = 4.5 ₹

टिप्पणी

शुद्ध सम्पत्ति मूल्य विधि से प्रति अंश राशि गणना हेतु निम्न विधि को प्रयोग में लाया जाता है–

(1) सकल सम्पत्ति मूल्य की गणना

सम्पत्ति का बाजार मूल्य	
भूमि व भवन	....
प्लाण्ट व मशीनरी	....
फर्नीचर	....
विनियोग	....
रहतिया	....
देनदार	....
प्राप्य बिल	....
हस्तस्थ रोकड़	....
रोकड़ बैंक में	....
सकल सम्पत्ति मूल्य	....

(2) शुद्ध सम्पत्ति मूल्य की गणना

सकल सम्पत्ति मूल्य	....
घटाया बाह्य दायित्व	
लेनदार	....
देय बिल	....
ऋण-पत्र	....
ऋण-पत्रों पर ब्याज	....
अदत्त व्यय	....
शुद्ध सम्पत्ति मूल्य	....
घटाया पूर्वाधिकार अंश पूँजी	....
शेष राशि समता अंशों के लिए	....

(3) समता अंशों के आन्तरिक मूल्य की गणना/प्रति समता अंश मूल्य

$$\text{प्रति समता अंश मूल्य} = \frac{\text{समता अंश धारियों के लिए उपलब्ध राशि}}{\text{समता अंशों की संख्या}}$$

दूसरी विधि

प्रति समता अंश का मूल्य निम्न विधि द्वारा भी निकाला जा सकता है–

समता अंश पूँजी	....
जोड़ा संचय एवं आधिक्य	....
लाभ-हानि खाता	....
सकल समता राशि	....
घटाया लाभ-हानि खाते का डेबिट शंख	....

टिप्पणी

घटाया अन्य हानियों	....
शुद्ध समता राशि	....

$$\text{प्रति अंश मूल्य} = \frac{\text{शुद्ध समता राशि}}{\text{समता अंशों की संख्या}}$$

उदाहरण– 18

31 मार्च, 2018 को एक लिमिटेड कम्पनी की स्थिति निम्नानुसार थी–

समता अंश पूँजी प्रत्येक 10 ₹ का	40,000 ₹
लाभ-हानि खाता	2,000 ₹
संचय	9,000 ₹
ऋण-पत्र	10,000 ₹
लेनदार	13,000 ₹

सम्पत्तियों का शत्तकीय मूल्य इस प्रकार है–

स्थायी सम्पत्तियाँ	50,000 ₹
चालू सम्पत्तियाँ	20,000 ₹
ख्याति	4,000 ₹

31 मार्च, 2018 को स्थायी सम्पत्तियों से 35,000 ₹, चालू सम्पत्तियों से पूर्ण राशि एवं ख्याति से 4,000 ₹ वसूल हुये। अंश का आन्तरिक मूल्य ज्ञात कीजिए।

हल क्रमांक 18

शुद्ध सम्पत्ति मूल्य की गणना

Calculation of Net Assets Value

Fixed Assets		35,000
Current Assets		20,000
Goodwill		4,000
		59,000
***Less*: External Liabilities**		
Creditors	13,000	
Debentures	10,000	23,000
Intrinsic value of Assets		36,000

$$\text{Intrinsic Value of share} = \frac{\text{Net Assets}}{\text{No. of Equity shares}}$$

$$= \frac{36,000}{4,000}$$

$$= ₹\ 9 \text{ per share}$$

टिप्पणी

2.3.5 आय के आधार पर मूल्यांकन (Yield Method)

विनियोग का सीधा सम्बन्ध उस पर प्राप्त आय से होता है। एक विनियोग पर जितनी अधिक दर से आय या बयान प्राप्त होगा वह विनियोग उतना ही अच्छा माना जाएगा। जब किसी कम्पनी द्वारा किसी अन्य कम्पनी में विनियोग की बात आती है तो विनियोग क्रय करने वाली कम्पनी विक्रेता कम्पनी के विनियोग का आकलन आय के आधार पर लगाती है। आय का स्वरूप मुख्यतः तीन प्रकार का हो सकता है–

(1) लाभांश के आधार पर

(2) वास्तविक आय दर के आधार पर

(3) विभाज्य योग्य लाभ के पूँजीकृत मूल्य के आधार पर

1. लाभांश के आधार पर मूल्यांकन (Valuation based on dividend)– कम्पनी अपने अंशधारियों को एक निश्चित अवधि के उपरान्त लाभांश प्रदान कर दी है। इसी लाभांश के आधार पर अंशों का मूल्यांकन किया जाता है। लाभांश पर एवं सामान्य दर की तुलना करके यह ज्ञात किया जाता है कि विनियोगकर्ता अंशों के लिये क्या मूल्य देंगे। एक अंश के लिये विनियोगकर्ता जितना प्रतिशत लाभ चाहते हैं उसी के आधार पर अंश का मूल्य चुकाने के लिये तैयार होते हैं, इसे हम इस सूत्र की सहायता से ज्ञात कर सकते हैं–

$$\text{Value per share} = \frac{\text{Expected Rate of Dividend}}{\text{Normal Rate of Return}} \times \text{Paid - up Value of Share}$$

उदाहरण– 19

100 ₹ वाले 50, समता अंशों के लिये 80 ₹ चुकता किये गये हैं, जिस पर सामान्य दर 10% प्रतिवर्ष है। लाभांश की औसत दर 30% है। प्रति अंश मूल्य ज्ञात कीजिये।

हल क्रमांक 19

Rate of dividend 30%

Paid of value of share ₹ 80

Normal Rate of Return is 10%

$$\text{Value per share} = \frac{\text{Expected Rate of dividend}}{\text{Normal Rate of Return}} \times \text{Paid - up Value of Share}$$

$$\text{Value per share} = \frac{30 \times 80}{10} = ₹\ 240$$

प्रति अंश का मूल्य निम्न सूत्र का प्रयोग करके भी निकाला जा सकता है–

$$\text{Value per share} = \frac{\text{Dividend per share}}{\text{Normal Rate of Return}} \times 100$$

$$\text{Dividend per share} = \frac{\text{Paid-up value of share} \times \text{Rate of dividend}}{100}$$

टिप्पणी

$$\text{Dividend for share} = \frac{80 \times 30}{10} = ₹\ 240$$

$$\text{Value per share} = \frac{24 \times 100}{10} = ₹\ 240$$

लाभांश की दर (Rate of Dividend)

जब लाभांश की दर ज्ञात हो तो उसी दर का प्रयोग कर प्रति अंश मूल्य की गणना कर ली जाती है, लेकिन लाभांश दर नहीं पता हो उसकी लाभांश दर की गणना करने के लिये पिछले वर्षों के लाभांश का औसत ज्ञात कर लिया जाता है। यदि लाभांश दर में परिवर्तन निरन्तर बढ़ने या निरन्तर घटने के कारण अधिक दिखाई दे रहा हो तो भारयुक्त औसत के आधार पर लाभांश की गणना की जाती है। लाभांश दर की गणना समता अंशधारियों को विभाज्य लाभ के आधार पर भी की जा सकती है, अतः निम्न सूत्रों के आधार पर लाभांश दर की गणना की जा सकती है–

1. औसत लाभांश दर के आधार पर

$$\text{Average rate of Dividend} = \frac{\text{Dividends (last 3 - 4 years)}}{\text{No. of years}}$$

2. विभाज्य योग्य लाभ के आधार पर

$$\text{Expected rate of Dividend} = \frac{\text{Distributable Profits to Equity share}}{\text{Paid - up equity share capital}} \times 100$$

3. प्रति अंश लाभांश के आधार पर

$$\text{Expected rate of Return} = \frac{\text{Dividends per share in ₹}}{\text{Paid - up value per share}} \times 100$$

2.3.6 वास्तविक आय की दर के आधार पर मूल्यांकन (Valuation of Share based on Actual Rate of Earning)

इस विधि के अन्तर्गत अंशों के मूल्यांकन के लिये वास्तविक आय या अर्जित आय को लाभ का आधार मानकर तथा समता अंशधारियों को दिये गये लाभांश को ध्यान पर रखकर प्रति अंश मूल्य ज्ञात किया जाता है। ऋण-पत्रधारियों या विनियोगकर्ताओं द्वारा किसी कम्पनी में विनियोग करने का आधार अर्जित आय ही होती है। अतः यह आवश्यक है कि उचित आय दर पर प्रति अंश मूल्य ज्ञात किया जाये। इस विधि द्वारा प्रति अंश मूल्य ज्ञात करने के लिये निम्न सूत्र का प्रयोग किया जाएगा–

$$\text{Value per share} = \frac{\text{Actual Rate of Earning}}{\text{Normal Rate of Return}} \times \text{paid-up value of share}$$

$$\text{Actual Rate of Earning} = \frac{\text{Actual Profit Earned} \times 100}{\text{Effective Capital Employed}}$$

टिप्पणी

2.3.7 वास्तविक आय दर (Actual Rate of Earning)

ऊपर हमने वास्तविक आय दर की गणना के सूत्र को देखा। जिसमें निम्न दो मदों की गणना करना होगी–

(1) वास्तविक अर्जित लाभ (Actual Profit Earned)

(2) प्रभावी विनियोजित पूँजी (Effective Capital Employed)

1. वास्तविक अर्जित लाभ– वास्तविक अर्जित लाभ से आशय कम्पनी को चालू स्थिति में प्राप्त आय से है, यदि कम्पनी का निर्माण इसी वर्ष हुआ है, तो इसे हमें भविष्य की अनुमानित आय भी कह सकते हैं। जिसे ज्ञात करने के लिये पिछले कुछ वर्षों के लाभ का औसत ज्ञात किया जाता है। इस औसत लाभ की गणना, ख्याति के मूल्यांकन अध्याय के अनुसार ही की जाती है।

2. प्रभावी विनियोजित पूँजी– प्रभावी विनियोजित पूँजी से आशय व्यापार में लगी शुद्ध सम्पत्ति से होता है। शुद्ध सम्पत्ति की गणना करने के लिये व्यापार की कृत्रिम सम्पत्तियों को इसमें सम्मिलित नहीं किया जाता है, अतः इसे हमें निम्न सूत्र द्वारा ज्ञात कर सकते हैं।

Capital Employed = Total Assets (Except goodwill and non-trading assets) – External Liabilities

2.3.8 लाभ की सामान्य दर (Normal Rate of Return)

कम्पनी के अंशधारियों द्वारा अपने विनियोग पर एक निश्चित दर से आय प्राप्त करने की आशा की जाती है। इस दर को उसी प्रकार का व्यवसाय करने वाली कम्पनी द्वारा अपने अंशधारियों को दिया जाता है। अतः लाभ की सामान्य दर से आशय एक ऐसी दर से है, जो सामान्यतयः इसी प्रकार के व्यवसाय से अंशधारियों को प्राप्त होती है। कम्पनी में दो प्रकार के अंशधारी होते हैं, पूर्वाधिकार अंशधारी एवं समता अंशधारी। समता अंशधारियों की जोखिम, पूर्वाधिकार अंशधारियों की तुलना में अधिक होती है, अतः समता अंशों पर लाभ की दर भी अपेक्षाकृत अधिक होगी।

2.3.9 अंश का चुकता मूल्य (Paid-up Value of Share)

जैसे पहले ही बताया जा चुका है, अंश के चुकता मूल्य से आशय एक अंश पर भुगतान की गयी राशि से होता है।

उदाहरण– 20

निम्न जानकारी से प्रति अंश मूल्य ज्ञात कीजिए।

From the following information, calculate the value of share–

(1) 10,000 Equity Share @ ₹ 100 each, ₹ 80 per share paid-up ₹ 8,00,000

(2) Profits Last three years are (before Tax) ₹ 4,50,000, ₹ 5,00,000, ₹ 5,50,000.

(3) Rate of Income Tax– 50%

(4) Normal Rate of Earning– 10%

हल क्रमांक 20

टिप्पणी

1. Calculation of Expected Profit (Average)

$$\text{Expected Average Profit} = \frac{4,50,000 + 5,00,000 + 5,50,000}{3}$$

= ₹ 5,00,000 (before tax)

Profit after Tax = 5,00,000 – 2,50,000 (50%)

= ₹ 2,50,000

Profit available for Dividends ₹ 2,50,000 to Equity Shareholder

$$\text{Actual Rate of Earning} = \frac{\text{Profit Available for Equity share}}{\text{Paid - up Equity Share Capital}} \times 100$$

$$= \frac{2,50,000 \times 100}{8,00,000} = 31.25\%$$

Market value or value of per Equity Share

$$= \frac{\text{Actual Rate of Earning} \times \text{Paid-up Value of Share}}{\text{Normal Rate}}$$

$$= \frac{31.25 \times 80}{10} = ₹\ 250$$

3. विभाज्य लाभ के पूँजीकृत मूल्य के आधार पर अंश का मूल्यांकन (Valuation of Shares Based on Capitalisation of Divisible Profits)– इस विधि के अन्तर्गत अंशधारियों को दिये गये लाभांश एवं लाभ का पूँजीकरण करके प्रति अंश का मूल्यांकन किया जाता है। पूँजीकरण हेतु लाभ एवं लाभांश की गणना ऊपर दी गयी विधि के अनुसार ही की जाती है।

अतः प्रति अंश मूल्य ज्ञात करने के लिये निम्न सूत्रों का प्रयोग किया जाएगा–

(a) Value of Share =

$$\frac{\text{Capitalised Value of Profits} \times \text{Paid - up Value of Share}}{\text{Paid - up Equity Share Capital}}$$

(b) $\text{Capitalised Value of Profit} = \dfrac{\text{Profit Available for Holders} \times 100}{\text{Normal Rate of Return}}$

लाभ की सामान्य दर की गणना ऊपर दी गयी है।

टिप्पणी

यदि समता अंशों का अंकित मूल्य एवं चुकता मूल्य समान है तो निम्न सूत्र द्वारा भी प्रति अंश मूल्य ज्ञात किया जा सकता है–

$$\text{Value of Share} = \frac{\text{Capitalise Value of Profits}}{\text{No. of Equity Share}}$$

उदाहरण– 21

निम्न जानकारी के आधार पर प्रति अंश मूल्य ज्ञात कीजिए।

From the following information, Calculate the value of per share.

Profit for Equity Shareholders ₹ 60,000

Normal Rate of Return 15%

No. of Equits Shareholder–4000

Paid-up Value of Per Equity Share ₹ 100

हल क्रमांक 21

$$\text{Capitalised Value of Equits Profit} = \frac{\text{Profit} \times 100}{\text{Normal Rate}}$$

$$= \frac{60{,}000 \times 100}{15} = ₹\ 4{,}00{,}000$$

$$\text{Value of an Equits Share} = \frac{\text{Capitalised Value of Share}}{\text{No. of Share}}$$

$$= \frac{4{,}00{,}000}{4000} = ₹\ 100$$

निम्नांकित सूचना के प्रत्येक अंश का मूल्य निकालिय–

Balance Sheet of X Company

Liabilities	**Amt. (₹)**	**Assets**	**Amt. (₹)**
Share Capital		Fixed Assets:	
10,000 equity shares		Goodwill	20,000
of ₹ 10 each	1,00,000	Investments	2,50,000
Resurve & Surplus		Current Assets, Loans	
Revenue	1,50,000	& Advances :	
Profit & Loss A/c	90,000	(a) Current Assets	32,000
Unsecured Loans	60,000	(b) Loans & Advances	1,40,000
Current liabilities	50,000	Misc. Expenditure	8,000
	4,50,000		4,50,000

मूल्यांकन के लिये ख्याति का मूल्य गत 5 वर्षो के औसत लाभ के 3 वर्ष के क्रय के बराबर होगा। गत 5 वर्षो के लाभ हैं– 10,000 ₹ 12,000 ₹, 14,000 ₹, 12,000 ₹ और 22,000 ₹।

Ans.: Total Profit = ₹ 10,000 + ₹ 12,000 + ₹ 14,000 + ₹ 12,000 + ₹ 22,000 = 70,000

$$\text{Avarage Profit} = \frac{70,000}{5} = ₹\ 14,000$$

Goodwill = 14,000 × 3 = ₹ 42,000.

टिप्पणी

Calculation of Net Assets

Goodwill		42,000
Investment		2,50,000
Current Assets		32,000
Loan in Advance		1,40,000
		4,64,000
***Less*:** Unsecured Creditors	60,000	
Current liabilities & provisions	50,000	1,10,000
	Net Assets	3,54,000
Value of one equity share =	3,54,000 / 10,000	₹ 35.40

उदाहरण– 22

31 मार्च 2019 को एक सीमित कंपनी का स्थिति–विवरण निम्नलिखित स्थिति प्रकट करता है–

Liabilities	Amt. (₹)	Assets	Amt. (₹)
10 ₹ प्रति अंश के		स्थायी संपत्तियाँ	7,00,000
50,000 समता अंश	5,00,000	चालू संपत्तियाँ	3,00,000
सामान्य संचय	50,000	ख्याति	50,000
लाभ-हानि खाता	40,000		
6% ऋण-पत्र	2,00,000		
चालू दायित्व	2,60,000		
	10,50,000		10,50,000

31 मार्च 2019 को स्थायी संपत्तियों का मूल्यांकन 6,00,000 ₹ पर तथा ख्याति का 75,000 ₹ पर किया गया। शुद्ध सम्पत्ति विधि द्वारा कम्पनी के अंशों के मूल्य की गणना कीजिए।

हल क्रमांक 22

Valuation of Shares
Calculation of Net Assets

Goodwill		75,000
Tangible Assets		
Fixed Assets		6,00,000
Current Assets		3,00,000
Liabilities		9,75,000
5% Debentures	2,00,000	
Current liabilities	2,60,000	4,60,000

Net Assets	5,15,000
No. of Equity Shares	50,000
Value per Equity Share	

टिप्पणी

$$\frac{\text{Net Assets}}{\text{No. of Shares}} = \frac{5,15,000}{50,000} = ₹\ 10.30$$

उदाहरण– 23

31 मार्च 2019 को, ओपेल लि. का स्थिति विवरण निम्नानुसार था–

Liabilities	Amt. (₹)	Assets	Amt. (₹)
100 प्रति अंश के 10,000		स्थायी संपत्तियाँ	9,50,000
समता अंश	10,00,000	विनियोग	4,65,000
सामान्य संचय	20,000	स्टॉक	3,42,000
कर्मचारी बचत खाता	1,80,000	रोकड़ एवं बैंक शेष	1,18,000
कर्मचारी सुरक्षा निक्षेप	60,000	प्रारंभिक व्यय	25,000
श्रमिक क्षति-पूर्ति कोष	82,000		
ह्रास कोष	90,000		
आयकर	68,000		
लेनदार	3,00,000		
लाभ-हानि खाता	1,00,000		
	19,00,000		19,00,000

ह्रास कोष वास्तविक ह्रास की तुलना में 12,000 ₹ अधिक है। अंशों का आन्तरिक मूल्य ज्ञात कीजिए। स्थायी संपत्तियों का मूल्यांकन 9,00,000 ₹ पर किया गया।

हल क्रमांक 23

Valuation of Shares

(i)	Tangible Assets:	
	Fixed Assets	9,00,000
	Investment	4,65,000
	Stock	3,42,000
	Cash & Bank Balances	48,000
		17,55,000
(ii)	Liabilities:	
	Employee's Saving A/c	1,80,000
	Employees Security Deposit	60,000
	Depreciation Fund (90,000 – 12,000)	78,000

	Income Tax	68,000	
	Creditors	3,00,000	6,86,000
(iii)	Net Assets		10,69,000
(iv)	No. of Equity shares		10,000
(v)	Value per Equity share		
	Net Assets / No. of Shares	11,39,000 / 10,000	₹ 113.9

टिप्पणी

उदाहरण– 24

एक सीमित कम्पनी के स्थिति-विवरण ने निम्नलिखित स्थिति प्रकट की थी–

Liabilities	Amt. (₹)	Assets	Amt. (₹)
अंश पूँजी–		स्पर्शनीय संपत्तियाँ	14,40,000
100 ₹ प्रति अंश के (पूर्ण दत्त)			
3000 'X' समता अंश	3,00,000		
100 ₹ प्रति अंश के (80 ₹ दत्त)			
4000 'Y' समता अंश	3,20,000		
100 ₹ प्रति अंश के (50 ₹ दत्त)			
5000 'Z' समता अंश	2,50,000		
संचय	4,00,000		
दायित्व	1,70,000		
	14,40,000		14,40,000

हल क्रमांक 24

Valuation of Shares

Tangible Assets	14,40,000
Liabilities	1,70,000
Net Assets	12,70,000

$$\text{Value of Share in a Rupee} = \frac{\text{Net Assets}}{\text{Total Equity Share}}$$

$$= \frac{12,70,000}{8,70,000} = ₹\ 1.4598$$

Value of 'X' Equity Share of ₹ 100 each fully paid

= 1.4598 × 100 = 145.98

Value of 'Y' Equity Share of ₹ 80 paid fully

= 1.4598 × 80 = 116.784

Value of 'Z' Share of ₹ 50 paid

= 1.4598 × 50 = 72.99

उदाहरण– 25

31 दिसम्बर 2019 को एक कम्पनी का संक्षिप्त स्थिति विवरण निम्नलिखित है–

Liabilities	Amt. (₹)	Assets	Amt. (₹)
अंश पूँजी–		स्थायी सम्पत्तियाँ	35,50,000
100 ₹ प्रति अंश		विनियोग	32,00,000
के 25,000			
6% पूर्वाधिकार अंश	25,00,000	व्यापार में स्टॉक	25,00,000
10 ₹ प्रति अंश के		विविध देनदार	12,00,000
3,00,000 समता अंश	30,00,000	रोकड़ एवं बैंक शेष	1,50,000
सामान्य संचय	20,00,000		
लाभ-हानि खाता	5,00,000		
8% ऋण-पत्र	10,00,000		
विविध लेनदार	15,00,000		
व्ययों के लिए दायित्व	1,00,000		
	1,06,00,000		1,06,00,000

अंशों के मूल्यांकन के उद्देश्य से स्थायी सम्पत्तियों पर 5% से ह्रास लगाया जाना है तथा विनियोगों का 34,00,000 ₹ पर पुर्नमूल्यांकन किया जाना है। देनदारों से 11,50,000 ₹ वसूल होंगे। ऋण-पत्रों पर 6 महीनों से देय ब्याज उपार्जित है, तथा 2018 का पूर्वाधिकार लाभांश भी देय है। इनमें से किसी के लिये भी स्थिति-विवरण में आयोजन नहीं किया गया है। प्रत्येक समता अंश के मूल्य की गणना कीजिए।

हल क्रमांक 25

Valuation of Shares

Tangible Assets	
Fixed assets	33,72,500
Investments	34,00,000
Stock in Trade	25,00,000
Sundry Debtors	11,50,000

Cash & Bank Balances		1,50,000
		1,05,72,500
Liabilities		
6% Debentures	10,00,000	
Sundry Creditors	15,00,000	
Liability for Expenses	1,00,000	
Interest on Debentures	40,000	26,40,000
(10,00,000 × 8/100 × 6/12)		79,32,500
Arrear of preference share dividend		
Preference share capital		
Net Assets		

Value per equity share–

$$\frac{\text{Net Assets}}{\text{No. of Shares}} = \frac{52,82,500}{3,00,000} = ₹\ 17.61$$

4. औसत के आधार पर अंशों का मूल्यांकन या अंशों का उचित मूल्य (Valuation of Shares on Average Basis or Fair Value Method)– कई विनियोगकर्ता, पूँजी विनियोजन के समय कम्पनी की कुल सम्पत्तियों का आकलन करते हैं एवं कई विनियोगकर्ता कम्पनी की आय के आधार पर पूँजी विनियोजन की योजना बनाते हैं। कुछ विनियोगकर्ताओं का मानना है कि कम्पनी की सम्पत्ति एवं आय दोनों की स्थिति अच्छी होनी चाहिए। अतः इन्हीं बातों को ध्यान में रखकर इस विधि के अन्तर्गत प्रति अंश मूल्य ज्ञात किया जाता है। इस विधि के अनुसार शुद्ध सम्पत्ति मूल्य विधि एवं आय विधि दोनों के आधार पर प्रति अंश मूल्य ज्ञात करने के उपरान्त दोनों को जोड़कर, दो से भाग दे दिया जाता है, प्रति अंश उचित मूल्य की गणना हो जाती है। निम्न सूत्र द्वारा प्रति अंश मूल्य ज्ञात किया जा सकता है–

Fair Value of the Share =

$$\frac{\text{Intrinsic Value of the Share + Yeild Value of the Share}}{2}$$

उदाहरण– 26

31 मार्च, 2018 को यश लिमिटेड का चिट्ठा निम्नानुसार दिया हुआ है–

The Balance Sheet of Yash Ltd. on 31st March, 2018 are as given below.

Liabilities	Amt. (₹)	Assets	Amt. (₹)
Share Capital		Building	1,40,000
8,000 Equity shares of		Furniture	6,000
₹ 100 each fully paid	8,00,000	Stock (market value)	9,00,000
2,000 8% Pref. shares of		Investment at cost	6,70,000
₹ 100 each fully paid	2,00,000	(face value ₹ 8,00,000)	

Reserve & Surplus			
Profit & Loss A/c	3,00,000	Debtors	5,60,000
Balance on previous		Bank	1,20,000
year 1,60,000		Preliminary	
Profit to (2018) 8,60,000	10,20,000	Expenses	20,000
(before transfer			
to reserve)			
Creditors	96,000		
	24,16,000		24,16,000

अतिरिक्त जानकारियाँ

Additional Information

(a) कम्पनी प्रविवरण 2018 का ठीक है।

(b) भवन का मूल्यांकन अभी 7,00,000 ₹ है।

(c) पिछले तीन वर्षों में लाभों में प्रतिवर्ष 50,000 ₹ की वृद्धि हुयी है।

(d) शुद्ध लाभ का 25% प्रतिवर्ष, संचय में हस्तांतरित किया जाता है।

(e) सामान्य आय की अनुमानित दर 15% है।

(f) पूर्वाधिकार अंशधारियों को पूँजी एवं लाभांश प्राप्त करने का पूर्वाधिकार है।

उपरोक्त जानकारी के आधार पर अंशों का उचित मूल्य ज्ञात कीजिए।

हल क्रमांक 26

1. Valuation of shares by Assets Valuation Method

	Building	7,00,000
	Furniture	6,000
	Stock (Market value)	9,00,000
	Investment	6,70,000
	Debtors	5,60,000
	Bank	1,20,000
	Total Assets	29,56,000
Less:	External liabilities creditors	96,000
		28,60,000
Less:	Net Assets for Preference Shares	2,00,000
	Net Assets for Equity Shares	26,60,000

Value per Equity Share

$$\text{(Intrinsic value per share)} = \frac{\text{Net Assets for Equity Shareholders}}{\text{No. of Equity Shares}}$$

$$= \frac{26,60,000}{8,000} = ₹\ 332.50$$

2. Valuation of share by yield method

	Profit for the year 2018 (given)	8,60,000
Add:	Expected increase in next year	1,00,000
		9,60,000
Less:	25% transfer to reserve	2,40,000
	Profit available for Dividend	7,20,000
Less:	8% dividend on pref. share ₹ 2,00,000	16,000
	Profits available for equity shares	7,04,000

Rate of Return on Equity Capital =

$$\frac{\text{Profits available for Equity shares} \times 100}{\text{Equity paid - up capital}}$$

$$= \frac{7,04,000 \times 100}{8,00,000} = 88\%$$

Market value per Equity share =

$$\frac{\text{Rate of Earning}}{\text{Normal rate of Return}} \times \text{Paid-up value of a share}$$

$$= \frac{88 \times 100}{15} = ₹\ 586.67$$

3. Fair Value of an Equity Share

$$= \text{Intrinsic } \frac{\text{Value of the Share} + \text{Market Value of Share}}{2}$$

$$= \frac{332.50 + 586.67}{2} = ₹\ 459.58$$

5. अंश मूल्यांकन की उत्पादकता विधि (Productivity Method of Share Valuation)– इस विधि के अनुसार अंश मूल्यांकन की वैज्ञानिक रीति का प्रयोग कर गणना की जाती है। जैसे-जैसे व्यवसाय निरन्तर प्रगति की ओर बढ़ रहा है, वैसे-वैसे व्यवसाय में जोखिम भी बढ़ रहा है। प्रत्येक विनियोगकर्ता, विनियोग करने से पहले व्यवसाय की सभी प्रकार से मूल्यांकन कर लेना चाहता है। आत्मसन्तुष्टि के उपरान्त ही किसी कम्पनी में विनियोगी, अपने पैसे लगाता है, अतः इस विधि के अन्तर्गत व्यवसाय मूल्यांकन की समस्त प्रक्रिया अपना ली जाती है तथा व्यवसायी या विनियोगकर्ता को यह विश्वास हो जाता है कि भविष्य में एक निश्चित प्रतिशत से उन्हें लाभ प्राप्त होगा। इस विधि का प्रयोग निम्न कार्य विधि के द्वारा सम्पन्न किया जाता है–

(1) पिछले कुछ वर्षों का औसत लाभ लिया जाता है। इस औसत लाभ में आयकर की राशि को घटा दिया जाता है।

(2) औसत लाभ ज्ञात करने हेतु गैर–व्यापारिक विनियोगों का लाभ सम्मिलित नहीं किया जाता है।

टिप्पणी

(3) औसत लाभ की तरह ही पिछले कुछ वर्षों की शुद्ध सम्पत्ति ज्ञात करके औसत शुद्ध सम्पत्ति ज्ञात करेंगे। शुद्ध सम्पत्ति ज्ञात करने के लिये गैर–व्यापारिक विनियोगों को सम्मिलित नहीं किया जाएगा।

(4) उत्पादकता दर की गणना करने के लिये औसत शुद्ध सम्पत्ति द्वारा औसत लाभ दर ज्ञात की जाती है।

(5) भविष्य में अनुमानित लाभ की गणना करने हेतु शुद्ध सम्पत्ति पर उत्पादकता दर के आधार पर लाभ ज्ञात करेंगे।

(6) कम्पनी द्वारा यदि पूर्वाधिकार अंशों का भी निर्गमन किया गया है तो पूर्वाधिकार लाभांश भी लाभ में से घटा दिया जाएगा।

(7) अनुमानित लाभ को पूँजीकृत किया जाएगा।

(8) उपरोक्त प्रक्रिया के उपरान्त पूँजीकृत मूल्य में गैर व्यापारिक विनियोग, जिसे पूर्व में सम्मिलित नहीं किया गया था, जोड़ देंगे।

(9) प्रति अंश मूल्य ज्ञात करने हेतु उपरोक्त मूल्य को समता अंशों की संख्या से भाग दे दिया जाएगा।

(10) इस विधि द्वारा अंश मूल्यांकन हेतु निम्न सूत्र का प्रयोग करेंगे–

Value of one equity share =

$$\frac{\text{Capitalised Value of Profit + Value of Investment}}{\text{No. of Equity Share}}$$

उदाहरण– 27

31 दिसम्बर, 2019 को मेल लि. का स्थिति विवरण निम्नलिखित है–

दायित्व	₹	सम्पत्तियाँ	₹
अंश पूँजी		विविध सम्पत्तियाँ	19,00,000
100 ₹ प्रति अंश के		ऋणपत्रों पर डिस्काउण्ट	10,000
5000 पूर्वाधिकार अंश	5,00,000	प्रारम्भिक व्यय	10,000
100 ₹ प्रति अंश के		लाभ-हानि खाता	1,00,000
8000 समता अंश	8,00,000		
सामान्य संचय	40,000		
ऋण-पत्र शोधन कोष	1,20,000		
6% ऋण-पत्र	2,50,000		
ह्रास कोष	1,15,000		
विविध लेनदार	1,95,000		
	20,20,000		20,20,000

ऋण-पत्रों पर एक वर्ष का ब्याज बकाया है, और पूर्वाधिकार अंशों पर तीन वर्षो का लाभांश बकाया है। यह कल्पना करते हुए कि विविध सम्पत्तियाँ उनके पुस्तकीय मूल्यों की कीमत की है, अंशों का समता मूल्य दर्शाइए, यदि–

(1) पूर्वाधिकार अंश-पूँजी के सम्बन्ध में पूर्वाधिकारी है और समापन में 'कमाया' देय है।

(2) पूर्वाधिकार अंश-पूँजी के सम्बन्ध में पूर्वाधिकारी है, किन्तु 'बकाया' देय नहीं है।

(3) पूर्वाधिकार अंश-पूँजी की प्राथमिकता नहीं रखते हैं, किन्तु बकाया देय है तथा

(4) पूर्वाधिकार अंश न तो पूँजी की प्राथमिकता रखते हैं और न ही अन्तर्नियम 'बकाया' के भुगतान की अनुमति देते हैं।

हल क्रमांक 27

Valuation of Shares
Base : Net Assets Method

(i) Tangible Assets		
Sundry Assets		19,00,000
(ii) Liabilities:		
6% Debentures	2,50,000	
Depreciation fund	1,15,000	
Sundry Creditors	1,95,000	
Debenture Interest owing for one year	15,000	5,75,000
Net Assets:		13,25,000
Less: Part share Dividend (3 years).		
5,00,000 × 8% = 40,000 × 3 years.	1,20,000	
8% preference share capital	5,00,000	6,20,000
Value of Equity share		7,05,000

$$\text{Value of per equity share} = \frac{7,05,000}{8,000} = ₹\,88.125$$

Net Assets:	13,25,000
Less: 8% Pref. share capital	5,00,000
Value of equity share	8,25,000

$$\text{Value of per equity share} = \frac{8,25,000}{8,000} = ₹\,103.125$$

Net Assets:	13,25,000
Less: Pref. share Dividend (3 yrs)	
5,00,000 × 8% = 40,000 × 3 yrs.	1,20,000
Value of 8% pref. share & eq. share	12,05,000

$$\text{Value of pre. share} = \frac{12,05,000}{(5,000+8,000)} = ₹\,92.692$$

Net Assets: 13,25,000

$$\text{Value of per} = \frac{13,25,000}{(5,000+8,000)} = ₹\ 101.92$$

टिप्पणी

उदाहरण– 28

पार्षद अन्तर्नियमों में ऐसी व्यवस्था है कि किसी अंशधारी की मृत्यु पर उसके अंश शेष अंशधारियों द्वारा एक ऐसी कीमत पर खरीद लिये जाएंगे जिसका निर्धारण अन्तिम स्थिति–विवरण के आधार पर होगा। आगे ऐसी भी व्यवस्था है कि ख्याति का मूल्यांकन पिछले पाँच वर्षों के औसत वार्षिक लाभ की दो वर्षों की खरीद के आधार पर किया जाएगा। अन्तिम स्थिति विवरण अग्रानुसार है–

दायित्व	₹	संपत्तियाँ	₹
10 ₹ प्रति अंश के		ख्याति	50,000
10,000 समता अंश	1,00,000	लागत पर विनियोग	
सामान्य संचय	50,000	(बाजार मूल्य	
		1,50,000 ₹)	1,05,000
श्रमिक संचय कोष	60,000	लागत पर स्टॉक	1,00,000
कर्मचारी प्राविडेण्ट फण्ड	90,000	देनदार	1,00,000
लेनदार	30,000	बैंक शेष	50,000
लाभ-हानि खाता	75,000		
	4,05,000		4,05,000

पिछले पाँच वर्षों के लाभ 25000 ₹, 30,000 ₹, 20,000 ₹, 15,000 ₹ तथा 40,000 ₹ थे। आपसे चाहा जा रहा है कि आप प्रति अंश के लिए दिये जाने वाले मूल्य की गणना कीजिए।

हल क्रमांक 28

Computation of Goodwill

Base : Maintainable Profit Method

(i) Average Profit –

Year	Profit ₹	Weight	Profit × weight ₹
I	25,000	1	25,000
II	30,000	2	60,000
III	20,000	3	60,000
IV	15,000	4	60,000
V	40,000	5	2,00,000
			4,05,000

Average Profit $= \frac{4,05,000}{15}$ = ₹ 27,000

(ii) Goodwill – Average Profit × No. of years

= 27,000 × 2 = 54,000

(iii)	Goodwill		54,000
	Tangible Assets		
	Investments as market value	1,50,000	
	Stock at cost	1,00,000	
	Debtors	1,00,000	
	Bank Balance	50,000	4,00,000
			80,000
	Less: Liabilities		2,74,000

(iv)No. of Equity Shares = 10,000

(v) Value per Equity Share $= \frac{\text{Net Assets}}{\text{No. of Shares}}$

$= \frac{2,74,000}{10,000}$ = ₹ 27.40

उदाहरण– 29

30 मार्च 2020 को, बम्बई लि. का स्थिति विवरण नीचे दिया गया है–

दायित्व	₹	संपत्तियाँ	₹
अंशपूँजी		भूमि एवं भवन	2,60,000
100 ₹ प्रति अंश के		यन्त्र एवं मशीनरी	1,40,000
5000 समता अंश	5,00,000	स्टॉक	3,00,000
सामान्य संचय	30,000	विविध लेनदार	60,000
बैंक ओवरड्राफ्ट	20,000		
देनदार	1,20,000		
करारोपण के लिये			
आयोजन	60,000		
प्रस्तावित लाभांश	30,000		
	7,60,000		7,60,000

संचालन व्ययों को घटाने के बाद किन्तु करारोपण के लिए आयोजन करने से पहले, कंपनी के शुद्ध लाभ निम्नानुसार हैं– 2016 का 1,00,000 ₹, 2017 का 2,20,000 ₹, 2018 का 1,30,000 ₹, 2019 का 1,40,000 ₹, तथा 2020 को 1,50,000 ₹। 31 मार्च

2020 को, भूमि एवं भवन का मूल्यांकन 2,80,000 ₹ पर तथा यन्त्र एवं मशीनरी का 1,20,000 ₹ पर किया गया। उसी तारीख को विविध देनदारों में 5,000 ₹ अप्राप्य शामिल थे। व्यवसाय की प्रकृति का ध्यान रखते हुए, विनियोजित शुद्ध स्पर्शनीय पर 10% का लाभ उचित समझा जाता है। ख्याति का आपका स्वयं का मूल्यांकन वार्षिक अधिलाभों की तीन वर्षों की खरीद पर आधारित हो सकता है। कर की दर 50% पर मानी जानी है। समता अंश के मूल्य को निर्धारित कीजिए।

हल क्रमांक 29

Computation of Goodwill
Base : Super Profit Method

Tangible Trading Assets		
Land & Building	2,80,000	
Plant & Machinery	1,20,000	
Stock	3,00,000	
Sundry Debtors	55,000	7,55,000
Liabilities		
Bank overdraft	20,000	
Creditors	1,20,000	
Provision for Taxation	60,000	2,00,000
Capital Employed		5,55,000

Current year ½ profit

Profit $1{,}50{,}000 \times \frac{1}{2} = 75{,}000$

Less: Tax 50% $\frac{37{,}500}{37{,}500}$ 5,17,500

Reasonable Return $= \frac{5{,}17{,}500 \times 10}{100} = 51{,}750$

Normal Aveage Profit

$$= \frac{1{,}00{,}000 + 1{,}20{,}000 + 1{,}30{,}000 + 1{,}40{,}000 + (1{,}50{,}000 - 5000)}{5}$$

$$= \frac{6{,}35{,}000}{5} = 1{,}27{,}000$$

Normal Average Profit 1,27,000

–50% Income Tax $\frac{63{,}500}{63{,}500}$

Super Profit

Normal Average Proft – Reasonable Return

63,500 – 51,750 = 11750.

Goodwill

Super Profit × No. of Years.

11,750 × 3 = 35,250

Valuation of Shares

Goodwill		35,250
Tangible Assets		
Land & Building	2,80,000	
Plant & Machinery	1,20,000	
Stock	3,00,000	
Sundry Debtors	55,000	7,55,000
		7,90,250
Liabilities		
Bank Overdraft	20,000	
Creditors	1,20,000	
Provision for Taxation	60,000	
Proposed Dividend	30,000	2,30,000
Net Assets		5,60,250
No. of Equity Shares	5,000	

Value per Share–

$$\frac{\text{Net Assets}}{\text{No. of Shares}} = \frac{5,60,250}{5,000} = ₹\ 112.05$$

उदाहरण– 30

श्री रवि नेशनल लि. के जिसकी दत्त पूँजी 10 ₹ प्रति अंश के 50,000 समता अंश है, 15,000 समता अंशों की धारी है। यह निर्धारित हुआ है कि–

(i) इस प्रकार की कम्पनी का साधारण वार्षिक शुद्ध लाभ 1,50,000 ₹ है तथा

(ii) इस प्रकार के व्यवसाय के लिए जैसा कम्पनी द्वारा चलाया जा रहा है साधारण लाभ 10% है। श्री रवि आपसे चाहते हैं कि आप उपर्युक्त अंकों के आधार पर, उसके धारण का मूल्यांकन करें।

हल क्रमांक 30

Valuation of Shares.

Base : Yield Method.

(i) Expected Return.

टिप्पणी

(ii) Expected Rate of Return.

$$\frac{\text{Expected Return}}{\text{Total paid up Equity Capital}} \times 100$$

$$= \frac{1,50,000}{5,00,000} \times 100 = 30\%$$

(iii) Normal Rate of Return = 10%.

(iv) Value per Equity Share–

$$\frac{\text{Expected Rate}}{\text{Normal Rate}} \times \text{Paid - up value per share}$$

$$\frac{30}{10} \times 10 = ₹\ 30$$

(v) Value of 15,000 Equity Shares

15,000 × 30 = ₹ 4,50,000.

उदाहरण– 31

एक कम्पनी की दत्त पूँजी में 100 ₹ प्रति अंश के 50,000, 10% पूर्वाधिकार अंश तथा 10 ₹ प्रति अंश के (₹ प्रति अंश दत्त) 1,50,000 समता अंश शामिल हैं। प्रति वर्ष करारोपण से पहले, अपेक्षित लाभ 11,37,500 ₹ है और इस प्रकार के व्यवसाय में, जैसा कि इस कम्पनी द्वारा चलाया जा रहा है, साधारण लाभ 20% है। कर की दर 50% पर ली जा सकती है। यह कम्पनी प्रति वर्ष लाभ का 20% सामान्य संचय को अन्तरित करती है। समता अंश का मूल्य ज्ञात करिए।

हल क्रमांक 31

Valuation of Shares

(i) Expected Return	
Expected profit	11,37,500
Less: Tax at 50%	5,68,750
	5,68,750
Less: Transfer to reserve (5,68,750 × 20/100)	1,13,750
	4,55,000
Less: Preference Dividend (5,00,000 × 10/100)	50,000
	4,05,000

Expected Rate of Return–

$$\frac{\text{Expected Return}}{\text{Total paid - up Equity Capital}} \times 100$$

$$\frac{4,05,000}{13,50,000} \times 100 = 30\%$$

Normal Rate of Return = 20%.

Value Per Equity Share–

$$\frac{\text{Expected Rate}}{\text{Normal Rate}} \times \text{Paid - up Value per share}$$

टिप्पणी

$$\frac{30}{20} \times 9 \;= ₹\ 13.50$$

उदाहरण– 32

एक कम्पनी की दत्त पूँजी में 10 ₹ प्रति अंश के 25,000 समता अंश तथा 10 ₹ प्रति अंश के 15,000, 10% पूर्वाधिकार अंश शामिल हैं। पूर्वाधिकार अंश लाभों में आगे भाग नहीं लेते हैं। यह निर्धारित हुआ है कि इस प्रकार की कम्पनी का साधारण वार्षिक शुद्ध लाभ 60,000 ₹ है और ऐसी कम्पनी की जो इसी प्रकार का व्यवसाय चला रही है, समता अंश पूंजी के दत्त मूल्य पर लाभांश के रूप में साधारण लाभ 10% है। लाभ विधि द्वारा समता अंशों का मूल्य ज्ञात कीजिए।

हल क्रमांक 32

Valuation of Shares

(i) Expected Return	
Expected profit	60,000
Less: Preference dividend (1,50,000 × 10/100)	15,000
	45,000

(ii) Expected Rate of Return–

$$\frac{\text{Expected Return}}{\text{Total paid - up Equity Capital}} \times 100$$

$$\frac{45,000}{2,50,000} \times 100 \;= 18\%$$

(iii) Normal Rate of Return = 10%.

(iv) Value per Equity Share–

$$\frac{\text{Expected Rate}}{\text{Normal Rate}} \times \text{Paid up value per share}$$

$$\frac{18}{10} \times 10 \;= ₹\ 18$$

उदाहरण– 33

एक कम्पनी की दत्त अंशपूँजी में 10 ₹ प्रति अंश के 5,000, 8% पूर्वाधिकार अंश तथा 10 ₹ प्रति अंश के 20,000 समता अंश शामिल हैं। 8% के एक निश्चित लाभांश के अतिरिक्त, पूर्वाधिकार अंशधारी समता अंशों पर 10% के लाभांश के भुगतान के बाद 5% तक लाभ में हिस्सा लेने के भी अधिकारी हैं। अतिरेक लाभ, यदि कोई है, समता अंशधारियों को प्राप्य होगा।

टिप्पणी

ह्रास एवं करारोपण के लिए आयोजन के पश्चात् कम्पनी का वार्षिक औसत लाभ 60,000 है, और प्रतिवर्ष 3500 ₹, सामान्य को अन्तरित करना आवश्यक समझा जाता है। पूर्वाधिकार अंशों पर अपेक्षित साधारण लाभ 10% तथा समता अंशों पर 12% है। प्रत्येक वर्ग के अंशों का मूल्य ज्ञात कीजिए।

हल क्रमांक 33

Divisible Profit

Annual Average Profit	60,000
Less: Transfer to General Reserve	3,500
	56,500
Less: Pref. Dividend @ 8% on ₹ 50,000	4,000
	52,500
Less: Pref. Dividend @ 10% on ₹ 2,00,000	20,000
	32,500
Less: Additional Pref. Dividend @ 5% on ₹ 50,000	2,500
Balance being additional Equity Dividend	30,000

Valuation of Equity Share

(i) Expected Return

Equity Dividend @ 10% on ₹ 2,00,000	20,000
Additional Equity Dividend	30,000
	50,000

(ii) Expected Rate of Return =

$$\frac{\text{Expected Return}}{\text{Total paid - up Equity Shares}} \times 100$$

$$\frac{50,000}{2,00,000} \times 100 = 25\%$$

(iii) Normal Rate of Return = 10%.

(iv) Value per Equity Share =

$$\frac{\text{Expected Rate}}{\text{Normal Rate}} \times \text{Paid - up value per share}$$

$$\frac{25}{12} \times 10 = ₹\ 20.83$$

Valuation of Preference Shares

(i) Expected Return–

Pref. Dividend @ 8% on ₹ 50,000	4,000
Addition Pref. Div. @ 5% on ₹ 50,000	2,500
	6,500

टिप्पणी

(ii) Expected Rate of Return =

$$\frac{\text{Expected Return}}{\text{Total paid - up preference Capital}} \times 100$$

$$\frac{6,500}{50,000} \times 100 = 13\%$$

(iii) Normal Rate of Return = 10%.

(iv) Value per Equity Share–

$$\frac{\text{Expected Rate}}{\text{Normal Rate}} \times \text{Paid - up value per share}$$

$$\frac{25}{12} \times 10 = ₹\ 20.83$$

(i) Expected Return–

Pref. Dividend @ 8% on ₹ 50,000	4,000
Addition Pref. Div. @ 5% on ₹ 50,000	2,500
	6,500

(ii) Expected Rate of Return.

$$\frac{\text{Expected Return}}{\text{Total paid - up preference Capital}} \times 100$$

$$\frac{6,500}{50,000} \times 100 = 13\%$$

(iii) Normal Rate of Return = 10%

(iv) Value per Preference Share–

$$\frac{\text{Expected Rate}}{\text{Normal Rate}} \times \text{Paid - up value per share}$$

$$\frac{13}{10} \times 10 = ₹\ 13$$

उदाहरण– 34

31 दिसम्बर 2019 को एक सीमित कम्पनी के स्थिति विवरण ने निम्नलिखित स्थिति प्रकट की थी–

टिप्पणी

दायित्व		संपत्तियाँ	
10 ₹ के अंशों में			
निर्गमित पूँजी	10,00,000	स्थायी सम्पत्तियाँ	15,00,000
सामान्य संचय	1,00,000	चालू सम्पत्तियाँ	62,000
लाभ-हानि खाता	1,20,000	ख्याति	38,000
6% ऋण-पत्र	2,00,000		
चालू दायित्व	1,80,000		
	16,00,000		16,00,000

31 दिसम्बर 2019 को स्थायी सम्पत्तियों का स्वतंत्र रूप से मूल्यांकन 13,50,000 ₹, पर तथा ख्याति का 60,000 ₹ पर किया गया। तीन वर्षों के शुद्ध लाभ इस प्रकार थे–

2017 का 40,000 ₹, 2018 का 70,000 ₹ तथा 2019 का 77,500 ₹। इसका 20% संचय को अन्तरित किया गया था– यह समानुपात इस उद्योग में उचित समझा जाता है जिसमें यह कम्पनी कार्यरत है तथा जहाँ विनियोग पर उचित लाभ 10% पर माना जा सकता है। कम्पनी के अंशों के मूल्य की गणना कीजिए–

(a) शुद्ध सम्पत्ति विधि द्वारा तथा

(b) लाभ विधि द्वारा।

हल क्रमांक 34

Valuation of Shares

(a)	Goodwill		60,000
(b)	Tangible Assets–		
	Fixed Assets		13,50,000
	Current Assets		38,000
			14,48,000
(c)	Liabilities		
	6% Debentures	2,00,000	
	Current liabilities	1,80,000	3,80,000
	Net Assets		10,68,000

(d) No. of Equity Shares = 1,00,000

(e) Value Per Equity Share–

$$\frac{\text{Net Assets}}{\text{No. of Shares}}$$

$$= \frac{10,68,000}{1,00,000} = ₹\ 10.68$$

टिप्पणी

Valuation of Shares

1. Expected Return–

Total Profit $= \dfrac{40,000 + 70,000 + 77,500}{3} = 1,87,500$

***Less*: Transfer to Reserve** $= \dfrac{1,87,500 \times 20}{100} = \dfrac{37,500}{1,50,000}$

2. Expected Rate of Return–

$$\frac{\text{Expected Return}}{\text{Total paid - up equity capital}} \times 100$$

$$\frac{1,50,000}{10,00,000} \times 100 = 15\%$$

3. Normal Rate of Return = 10%.
4. Value Per Equity Share–

$$\frac{\text{Expected Rate}}{\text{Normal Rate}} \times \text{Paid - up value per share}$$

$$\frac{15}{10} \times 10 = ₹\ 15$$

उदाहरण– 35

31 दिसम्बर 2019 को दीपक प्राइवेट लि. का स्थिति विवरण निम्नलिखित है–

दायित्व		संपत्तियाँ	
अंश पूँजी		भूमि एवं भवन	2,00,000
100 रु. प्रति अंश के		यन्त्र एवं मशीनरी	1,20,000
25,000 समता अंश	2,50,000	ट्रेड मार्क्स	40,000
सामान्य अंश	40,000	स्टॉक	35,000
कर्मचारी बचत खाता	60,000	देनदार	65,000
करारोपण के लिए			
आयोजन	12,000	बैंक में रोकड़	38,000
लाभ–हानि खाता	49,000	प्रारम्भिक व्यय	2000
विविध लेनदार	89,000		
	5,00,000		5,00,000

टिप्पणी

जैसा कि एक स्वतन्त्र मूल्यांकन द्वारा मूल्यांकन किया गया है, यन्त्र एवं मशीनरी की कीमत 1,05,000 ₹ तथा भूमि एवं भवन की कीमत 3,00,000 ₹ है। देनदारों में से 5,000 ₹ के डूबत के रूप में लिये जाने हैं। कम्पनी के लाभ इस प्रकार थे–

2017 का 50,000 ₹, 2018 का 60,000 ₹ तथा 2019 का 70,000 ₹। लाभ का 25% संचय को अन्तरित करने की कम्पनी की प्रथा है। करारोपण की अवहेलना करते हुए, अंश के उचित मूल्य की गणना कीजिए। इसी प्रकार की कम्पनियों के अंश, जिनका स्टॉक एक्सचेंज में भाव बताया जाता है, अपने बाजार मूल्य पर 15% लाभ कमाते हैं। कम्पनी की ख्याति 1,60,000 ₹ पर मानी जा सकती है।

हल क्रमांक 35

Valuation of Shares

(i)	Goodwill		1,60,000
(ii)	Tangible Assets–		
	Land & Building	3,00,000	
	Plant & Machinery	1,05,000	
	Trade Marks	40,000	
	Stock	35,000	
	Debtors	60,000	
	Cash at Bank (65,000 – 5,000)	38,000	
			5,78,000
(iii)	Liabilities–		
	Wrokmen's Saving Account	60,000	
	Taxation Provision	12,000	
	Sundry Creditors	89,000	1,61,000
(iv)	Net Assets–		5,77,000

(v) No. of Equity Share = 25,000

(vi) Value per Equity Share–

$$\frac{\text{Net Assets}}{\text{No. of Shares}}$$

$$= \frac{5,77,000}{25,000} = ₹\ 23.08$$

Valuation of Shares

(a) Expected Return–

$$\text{Average Profit} = \frac{70,000 + 1,00,000 + \ 97,500 - 5,000}{3} = 87,500$$

Less: Transfer to Reserve $\frac{87,500 \times 20}{100}$ = 17,500

Expected Return	70,000

Expected Rate of Return–

$$\frac{\text{Expected Return}}{\text{Total paid - up equity capital}} \times 100$$

$$\frac{75,000}{8,70,000} \times 100 = 28\%$$

Normal Rate of Return = 15%.

Value Per Equity Share–

$$\frac{\text{Expected Rate}}{\text{Normal Rate}} \times \text{Paid - up value per share}$$

$$\frac{28}{15} \times 10 = ₹\ 18.67$$

Fair Value

$$\text{Fair Value} = \frac{\text{Net Assets Value} + \text{Yield Value}}{2}$$

$$= \frac{23.08 + 18.67}{2} = ₹\ 20.875$$

उदाहरण– 36

एक कम्पनी जिसके पास 10 ₹ प्रति अंश के 10,000 पूर्णदत्त समता अंश तथा 50,000 ₹ के संचय एवं अतिरेक हैं, धारण किये गये पाँच समता अंशों के लिए एक बोनस अंश निर्गमित करती है। बोनस अंश के निर्गमन से पहले तथा निर्गमन के बाद अंशों का मूल्य ज्ञात कीजिए।

हल क्रमांक 36

Valuation of Share Before Issue of Bonus Shares.

Equity Share Capital (10,000 Sares of ₹ 10 Each)	1,00,000
Reserves & Surplus.	50,000
Net Assets	1,50,000

No. of Equity Shares = 10,000.

Value Per Equity Share–

$$\frac{\text{Net Assets}}{\text{No. of Shares}}$$

$$= \frac{1,50,000}{10,000} = ₹\ 15$$

Valuation of Shares After the Issue of Bonus Shares.

टिप्पणी

Equity Share Capital	
(10,000 + 2000 = 12,000 Shares of ₹ 10 each)	1,20,000
Reserves & Surplus (50,000 – 20,000)	30,000
Net Assets	1,50,000

No. of Equity Shares (10,000 + 2000) = 12000.

Value Per Equity Share–

$$\frac{\text{Net Assets}}{\text{No. of Shares}}$$

$$= \frac{1,50,000}{12,000} = ₹\ 12.50$$

उदाहरण– 37

एक कंपनी के पास 100 ₹ वाले अंशों में 5,00,000 ₹ की दत्त पूँजी है। यह 100 ₹ प्रति अंश के ऐसे 2,500 नए अंशों के सृजन के द्वारा अपनी अंश पूँजी बढ़ाती है, जिन्हें वर्तमान अंशधारियों को 150 ₹ प्रति अंश पर प्रत्येक दो पुराने धारित अंशों के लिए एक नए अंश के समानुपात में प्रस्तावित किया गया है। कंपनी ने पिछले वर्ष के लिए लागत से मुक्त 20 ₹ प्रति अंश का लाभांश घोषित किया है। लाभांश की घोषणा तथा नये अंशों के प्रस्ताव की सूचना पर पुराने अंशों के भाव 230 ₹ लाभांश सहित अधिकार सहित पर बताये जा रहे हैं। बाजार भावों में शामिल अधिकारों के मूल्य की गणना करिए।

हल क्रमांक 37

Valuation of Rights

Market Price cum-div-cum-right	230
Dividend Per Share	20
Market price cum p. right	210

Value of Right

$$\frac{\text{No. of New Shares}}{\text{No. of Existing Shares + No. of New Shares}} \times (\text{Market Price - Issue Price})$$

$$= \frac{1}{2+1}(210-150)$$

$$= \frac{1}{3} \times 60 = ₹\ 20$$

अपनी प्रगति जाँचिए (Check Your Progress)

3. अंशों के मूल्यांकन का शद्ध सम्पत्ति आधार संबंध रखता है
   (क) अंश सम्पत्ति आवरण से (ख) ख्याति से
   (ग) आय से (घ) व्यय से
4. अंशों का निर्गमन किया जाता है
   (क) प्रीमियम पर (ख) घुट पर
   (ग) सम मूल्य पर (घ) उपरोक्त सभी

टिप्पणी

2.4 सार्वजनिक उपयोगिता कम्पनियों के खाते (विद्युत कम्पनी) (Public Utilities Companies Account (Power Company))

2.4.1 दोहरा खाता प्रणाली की परिभाषाएँ (Definition of Double Accounting System)

विशेष अधिनियम द्वारा स्थापित लाभ न कमाने के उद्देश्य से खाता रखने जो प्रणाली अपनायी जाती है, उसे दोहरा खाता प्रणाली कहते हैं। इस प्रणाली का प्रारम्भ इंग्लैंड से हुआ है। इस पद्धति के अन्तर्गत स्थायी सम्पत्तियों एवं दायित्वों के लिए एक अलग से खाता रखा जाता है तथा अन्य सम्पत्तियों एवं दायित्वों के लिए सामान्य स्थिति विवरण बनाया जाता है।

पिकिल्स के अनुसार– दोहरा खाता प्रणाली पुस्तपालन की कोई विशेष प्रणाली नहीं है, इसमें भी लेखे दोहरा प्रविष्टि प्रणाली के अनुसार ही किये जाते हैं। केवल यह प्रणाली सार्वजनिक उपयोगिता वाली संस्थाओं एवं कम्पनियों में प्रकाशित खातों को प्रस्तुत करने की एक विशेष विधि है।

कोहलर ने कहा है– सार्वजनिक कार्य में लगी हुई रेल्वे, गैस एवं बिजली, आदि कम्पनियों के लिये दोहरा खाता प्रणाली लेखांकन की एक विशेष प्रणाली है। इसकी विशेषता स्थायी सम्पत्तियाँ एवं स्थायी दायित्वों को अस्थायी सम्पत्तियाँ एवं अस्थायी दायित्वों से अलग दिखाना होता है। जिससे यह स्पष्ट हो जाये कि जिस सम्पत्ति के लिए पूँजी प्राप्त की गयी है उसका प्रयोग उसी के लिए किया गया है।

2.4.2 दोहरा लेखा प्रणाली की विशेषताऐं (Characteristics of Double Accounting System)

जनता के हितों की रक्षा करने के लिए जिन कम्पनियों का निर्माण किया जाता है, उन्हें सार्वजनिक उपयोगिता वाली संस्थाएँ कहा जाता है, एवं इस संस्थाओं के लेखे करने की पद्धति को दोहरा लेखा प्रणाली कहा जाता है। इस प्रणाली की निम्न विशेषताऐं हैं–

(1) अन्तिम खाते बनाने की विधि अन्य कम्पनियों के अन्तिम खाते बनाने की विधि से भिन्न होती है।

(2) लाभ-हानि खाते के स्थान पर रेवेन्यू खाता एवं लाभ-हानि समायोजन खाते के स्थान पर शुद्ध रेवेन्यू खाता बनाया जाता है।

(3) ऋण-पत्रों और ऋणों पर ब्याज का लेखा शुद्ध रेवेन्यू खाते में किया जाता है।

(4) स्थिति विवरण को दो भागों में तैयार किया जाता है।

(5) स्थायी सम्पत्तियों एवं स्थायी दायित्वों के लिये अलग से प्राप्ति भुगतान खाता रखा जाता है।

(6) अंशों पर कटौती एवं प्रीमियम को समायोजित कर पूँजी खाते में दर्शाया जाता है।

टिप्पणी

आधार Base	दोहरा प्रविष्टि प्रणाली Double Entry System	दोहरा खाता प्रणाली Double Account System
अन्तिम खाते	इसमें लाभ-हानि खाता, लाभ-हानि समायोजन खाता एवं चिट्ठा बनाया जाता है।	इसमें रेवेन्यू खाता, शुद्ध रेवेन्यू खाता, प्राप्ति एवं भुगतान खाता एवं सामान्य चिट्ठा बनाया जाता है।
स्थायी सम्पत्तियाँ एवं स्थायी दायित्व	स्थायी सम्पत्तियाँ एवं स्थायी दायित्वों को चिट्ठे में दिखाया जाता है।	स्थायी सम्पत्तियों एवं स्थायी दायित्वों को प्राप्ति भुगतान खाते में लिखा जाता है।
स्थायी सम्पत्तियों पर न्ह्रास	स्थायी सम्पत्तियों को ह्रास सम्बन्धित सम्पत्तियों में से घटाकर चिट्ठे में दिखाया जाता है।	स्थायी सम्पत्तियाँ प्राप्ति भुगतान खाते में एवं इनका ह्रास सामान्य चिट्ठे में लिखा जाता है।
ब्याज का लेखा	ब्याज का लेखा लाभ-हानि खाते में करते हैं।	ब्याज का लेखा शुद्ध रेवेन्यू खाते में करते हैं।
स्थिति विवरण का प्रारूप	स्थिति विवरण या चिट्ठे का प्रारूप एक विवरण की तरह होता है।	इसमें चिट्ठे को दो भागों में प्राप्ति भुगतान खाता तथा सामान्य चिट्ठे के रूप में बनाया जाता है।

(7) सम्पत्तियों के ह्रास का लेखा स्थायी सम्पत्तियों के साथ नहीं किया जाता है।

(8) चिट्ठे का दूसरा भाग सामान्य चिट्ठा कहलाता है।

2.4.3 दोहरा प्रविष्टि प्रणाली एवं दोहरा खाता प्रणाली में अन्तर (Difference between Dual Entry System and Double Accounting System)

दोहरा प्रविष्टि प्रणाली एवं दोहरा खाता प्रणाली में लेखा करने के नियमों को आधार मानकर लेखा करने के उपरान्त भी कुछ विभिन्नताएँ पाई गई हैं, जो इस प्रकार हैं–

टिप्पणी

एकहरा खाता प्रणाली एवं दोहरा खाता प्रणाली में अन्तर

आधार	एकहरा खाता प्रणाली	दोहरा खाता प्रणाली
लेखों का प्रस्तुतीकरण	एकहरा खाता प्रणाली खातों को प्रस्तुत करने की एक सामान्य प्रणाली है।	दोहरा खाता प्रणाली विशेष अधिनियम द्वारा स्थापित वार्षिक खाते बनाने की एक विशेष प्रणाली है।
अन्तिम खाते	इस प्रणाली में एक विवरण के आधार पर लाभ निकालकर स्थिति विवरण तैयार किया जाता है।	इस प्रणाली में रेवेन्यू खाता, शुद्ध रेवेन्यू खाता तथा समय चिट्ठा बनाया जाता है।
प्राप्ति भुगतान खाता	इसमें प्राप्ति भुगतान नहीं बनाया जाता है।	इसमें स्थायी पूँजी के प्रयोग एवं प्राप्ति को दिखाने के लिए प्राप्ति भुगतान बनाया जाता है।

2.4.4 दोहरा खाता प्रणाली का प्रारूप (Dual Accounting System Format)

दोहरा खाता प्रणाली का प्रारम्भ इंग्लैण्ड से हुआ। सर्वप्रथम 1868 में रेलवे नियमों के अन्तर्गत इसे प्रयोग करना अनिवार्य किया गया। सन् 1871 में 'गैस वर्क्स क्लार्जिज अधिनियम' के अन्तर्गत इसे गैस कम्पनियों में अनिवार्य घोषित किया गया। इस प्रणाली को कानून द्वारा प्रारम्भ से ही मान्यता दी गयी। बिजली कम्पनियों में इसे 1882 से अनिवार्यतः लागू किया गया।

2.4.5 दोहरा खाता प्रणाली के उद्देश्य (Objective of Dual Accounting System)

(1) पूँजी प्राप्तियों का ज्ञान होना– पूँजी खाते में समस्त स्थायी पूँजी का लेखा किया जाता है जिससे कुल प्राप्त पूँजी का ज्ञान आसानी से हो जाता है। इस प्रणाली के अनुसार पूँजी खाता बनाकर पूँजी प्राप्तियों को अधिक स्पष्ट रूप से जनता को भी प्रदर्शित किया जाता है।

(2) स्थायी पूँजी के प्रयोग की जानकारी– स्थायी पूँजी का प्रयोग किस प्रकार किया गया है, अतः स्थायी सम्पत्तियों का क्रय कितना है एवं अन्य सम्पत्तियों में इसका क्या अनुपात है, खातों को देखकर तुरन्त पता लगाया जा सकता है।

(3) स्थायी प्राप्तियाँ एवं स्थायी व्ययों की बाकी का ज्ञान होना– व्यवसाय की सही आर्थिक एवं वित्तीय स्थिति का ज्ञान प्राप्त करने के लिये यह आवश्यक है कि यह पता लगाया जाये कि पूँजीगत स्थायी प्राप्तियाँ का कौन सा भाग पूँजीगत स्थायी सम्पत्तियों पर व्यय हुआ है। यदि स्थायी सम्पत्तियों पर व्यय की राशि का योग स्थायी पूँजी प्राप्तियों से कम होगा तो व्यवसाय की दशा अच्छी मानी जाएगी।

(4) गत वर्ष एवं चालू वर्ष की मदों का लेखा अलग से करना– पूँजी खाते के लिये जो प्राप्ति भुगतान खाता बनाया जाता है, इसमें गत वर्ष एवं चालू वर्ष की मदों की राशि के लिये अलग-अलग कॉलम होते हैं। इनके द्वारा दोनों वर्षों में हुई सम्पत्ति या दायित्वों में कमी एवं वृद्धि का पता लगाया जा सकता है।

(5) स्थायी सम्पत्तियाँ एवं चल सम्पत्तियों का अलग-अलग लेखा होना– इस प्रणाली के अन्तर्गत स्थायी सम्पत्तियाँ पूँजी खाते में एवं चल सम्पत्तियाँ सामान्य चिट्ठे में दिखायी जाती हैं, जिससे पूँजी के प्रयोग का ज्ञान हो जाता है।

(6) चल दायित्वों को स्थायी दायित्वों से अलग दिखाना– जिस प्रकार स्थायी सम्पत्तियों एवं चल सम्पत्तियों का लेखा अलग-अलग किया जाता है, ठीक उसी प्रकार स्थायी दायित्वों को पूँजी खाते में एवं चल दायित्वों को सामान्य चिट्ठे में दिखाया जाता है।

2.4.6 दोहरा लेखा प्रणाली के दोष (Dual Backs of Double Accounting System)

इस प्रणाली के कुछ दोष भी हैं, जो इस प्रकार हैं–

(1) **सम्पत्तियों के ह्रास की राशि को अलग से दिखाया जाना–** स्थायी सम्पत्तियों के ह्रास सम्बन्धी राशि को इस प्रणाली के अन्तर्गत सम्बन्धित सम्पत्ति में से घटाकर नहीं दिखाया जाता है बल्कि ह्रास की राशि को अलग सामान्य चिट्ठे में लिखा जाता है, जिससे सम्पत्ति के वास्तविक मूल्य का ज्ञान नहीं हो पाता है।

(2) **प्रारम्भिक व्यय एवं संसद सम्बन्धी व्ययों का लेखा–** प्रारम्भिक व्ययों एवं संसद सम्बन्धी व्ययों को भी स्थायी व्ययों की प्रकृति में रखकर पूँजी खाते में लिखा जाता है, जो कि न्यायसंगत नहीं लगता है।

(3) **विशेष अधिनियम का ज्ञान न होना–** दोहरा प्रविष्टि प्रणाली का ज्ञान तो लगभग सभी को होता है, लेकिन दोहरा खाता प्रणाली के विशेष अधिनियम का ज्ञान सभी को नहीं हो पाता है, इसलिये जो खाते तैयार किये जाते हैं, उनमें त्रुटि होने की सम्भावना अधिक होती है।

(4) **सम्पत्तियों के पुर्ननिर्माण के समय लेखा करना कठिन–** रेवेन्यू खाते में सम्पत्तियों के पुर्ननिर्माण के सम्बन्ध में लेखा किया जाना अत्यन्त कठिन है। सम्पत्तियों के पुर्ननिर्माण पर किया गया व्यय रेवेन्यू खाते के नाम पक्ष में किया जाता है ऐसा करने से लाभ-हानि खाते पर बुरा असर पड़ता है, अतः इस सम्बन्ध में यह प्रणाली उपयुक्त प्रतीत नहीं होती है।

2.4.7 दोहरा खाता प्रणाली की लेखांकन विधि (Accounting Method of Double Accounting System)

इस प्रणाली के अन्तर्गत सार्वजनिक कम्पनियों के वार्षिक खाते बनाते समय निम्न खाते बनाये जाते हैं–

(1) रेवेन्यू खाता (Revenue Account)– रेवेन्यू खाता बनाने की विधि लाभ-हानि खाता बनाने जैसी ही होती है। केवल ब्याज का लेखा रेवेन्यू खाते में नहीं किया जाता है। इस खाते के डेबिट पक्ष में व्यय एवं क्रेडिट पक्ष में आयों का लेखा किया जाता है।

(2) शुद्ध रेवेन्यू खाता (Net Revenue Account)– जिस प्रकार दोहरा प्रविष्टि प्रणाली के अन्तर्गत लाभ-हानि नियोजन खाता बनाया जाता है, वैसे ही दोहरा खाता प्रणाली के अन्तर्गत शुद्ध रेवेन्यू खाता तैयार किया जाता है। रेवेन्यू खाते के शेष को शुद्ध रेवेन्यू खाते में हस्तांतरित किया जाता है। इसके डेविट पक्ष में ऋणपत्रों पर ब्याज, अंशों पर लाभांश आदि का लेखा किया जाता है। तथा इस खाते के शेष को सामान्य चिट्ठे में हस्तांतरित कर दिया जाता है।

(3) पूँजी खाते (Capital Account)– स्थायी सम्पत्तियाँ एवं स्थायी दायित्वों के लेखे करने के लिये पूँजी खाते तैयार किये जाते हैं, समस्त स्थायी प्राप्तियाँ इस खाते में दायें पक्ष में एवं समस्त स्थायी भुगतान इस खाते के बायें पक्ष में लिखे जाते हैं। इस खाते में अंशों के निर्गमन पर कटौती को प्रीमियम से समायोजित करके दिखाया जाता है। इसके अतिरिक्त स्थायी सम्पत्तियों के ह्रास की व्यवस्था इस खाते में न करके सामान्य चिट्ठे में की जाती है।

पूँजी खाते का प्रारूप

Capital Account

(for the year ending .....)

Capital Expenditure	Expenditure up to the end of previous year	Expenditure during the year	Total expenditure to........	Capital Receipts	Receipts up to the end of previous year	Received during the year	Total Receipts to.....

यदि पूँजी खाते के दायें पक्ष का जोड़ बड़ा तथा बायें पक्ष का जोड़ छोटा होता है, तो इस अन्तर को सामान्य चिट्ठे के दायित्व पक्ष में लिखा जाता है, इसके विपरीत पूँजी खाते का बाँया पक्ष बड़ा एवं दायाँ पक्ष छोटा होता है, तो सम्पत्ति पक्ष में लिखा जाता है। लेकिन बिजली कम्पनियों के पूँजी खाते का शेष नहीं निकाला जाता है, अतः दोनों पक्षों का जोड़ ही सामान्य चिट्ठे में उचित स्थान पर हस्तांतरित किया जाता है।

(4) सामान्य चिट्ठा (General Balance Sheet)– सार्वजनिक कम्पनियों के वार्षिक खाते में सामान्य चिट्ठा सबसे अलग बनाया जाता है। सामान्य चिट्ठे में सर्वप्रथम पूँजी खाते का शेष हस्तांतरित किया जाता है, एवं बिजली पूर्ति कम्पनी के सम्बन्ध में पूँजी खाते के दोनों पक्षों के योग को हस्तांतरित किया जाता है, तत्पश्चात् चालू सम्पत्तियाँ सम्पत्ति पक्ष में एवं चालू दायित्वों को दायित्व पक्ष में लिखा जाता है। चालू सम्पत्तियों या अस्थायी सम्पत्तियों को लंकास्टर ने इस प्रकार परिभाषित किया है।

अस्थायी सम्पत्तियों से आशय उन सम्पत्तियों से हैं जिनके मूल्य में लगातार परिवर्तन होते रहते हैं, जैसे स्टॉक, देनदार, प्राप्त बिल आदि।

कार्टर के अनुसार– ''अस्थायी सम्पत्तियों में रोकड़ व देनदार, आदि शामिल किये जाते हैं। वे सम्पत्तियाँ जिनका मूल्य सरलता से प्राप्त किया जा सकता है और जिनके द्वारा दायित्वों का भुगतान किया जाता है, स्थायी सम्पत्तियों में आता है। इनके उदाहरण सरकारी प्रतिभूतियाँ, प्राप्त बिल या व्यापारिक स्टॉक आदि है।''

टिप्पणी

2.4.8 पूँजी खाता व सामान्य चिट्ठे में अन्तर (Difference between Capital Account and General Ledger)

सार्वजनिक कम्पनी के वार्षिक खातों के अन्तर्गत चिट्ठे को दो भागों में विभाजित कर दिया जाता है पहला भाग पूँजी खाता एवं दूसरा भाग सामान्य चिट्ठा कहलाता है। यहाँ हम देखेंगे कि पूँजी खाते एवं सामान्य चिट्ठे में क्या अन्तर है।

अन्तर का आधार	पूँजी खाता	सामान्य चिट्ठा
स्थायी सम्पत्तियों का लेखा	स्थायी सम्पत्तियों का लेखा बायें पक्ष में किया जाता है।	सामान्य चिट्ठे में स्थायी सम्पत्तियों का लेखा नहीं किया जाता है।
अस्थायी सम्पत्तियों का लेखा	पूँजी खातों में अस्थायी सम्पत्तियों के लेखे के लिए कोई स्थान नहीं होता है।	सामान्य चिट्ठे में सम्पत्ति पक्ष में अस्थायी सम्पत्तियों का लेखा किया जाता है।
राशि का लेखा	पूँजी खाते में राशियों के लेखे के लिए तीन खाने होते हैं।	सामान्य चिट्ठे में केवल एक ही खाना राशि लिखने के लिये होता है।
आर्थिक स्थिति का ज्ञान	स्थायी सम्पत्तियों एवं स्थायी दायित्वों के आधार पर कम्पनी की आर्थिक स्थिति का पता लगाया जा सकता है।	सामान्य चिट्ठे में या तो शेष या योग हस्तांतरित किया जाता है। आर्थिक स्थिति इस चिट्ठे को बनाने से पूर्व ही ज्ञात हो जाती है।
पूँजी का लेखा	पूँजी खाते में समस्त प्रकार की पूँजी का लेखा किया जाता है।	सामान्य चिट्ठे में केवल शेष या योग का लेखा किया जाता है।
स्थायी दायित्वों का लेखा	पूँजी खाते में स्थायी दायित्वों का लेखा पूर्ण विवरण के साथ किया जाता है।	सामान्य चिट्ठे में केवल स्थायी दायित्वों के शेष या योग का हस्तांतरण किया जाता है।

विविध प्रकार की सार्वजनिक कम्पनियों की स्थायी सम्पत्तियाँ भी विविध प्रकार की होती हैं। अतः जिससे सम्बन्धित खाते तैयार किये जाते हैं उनसे सम्बन्धित स्थायी सम्पत्तियों का ज्ञान होना आवश्यक है, इससे लेखे करने में सरलता होती है।

2.4.9 सार्वजनिक कम्पनियों के खातों से सम्बन्धित प्रारूप (Format of Accounts of Public Companies)

Receipts & Expenditure on Capital Account
(For the year ending 31st March 20….)

Expenditure	Previous year	During year	Total	Receipts	Previous year	During year	Total
To Preliminary Exp. To Land including law charges To Building To Plant Total Exp. To Balance of Capital account Carried to General B/s				By Ordinary shares By Pref. shares By Debentures By Mortgages & Bonds By Amount received in anticipation of Calls etc. Total Receipts By Balance of Capital A/c carried to General Balance sheet			

General Balance Sheet
(As on 20………)

Liabilities	Amt. (₹)	Assets	Amt. (₹)
Capital A/c (Balance carried forward from capital account) Sundry Creditors Net Revenue A/c Reserve Fund Depreciation Fund Special items		Capital A/c (Balance carried forward from capital account) Stores in hand Preliminary expenses Securities Special items Cash at bank Cash in hand	

टिप्पणी

Revenue Account
(for the year ending on 20........)

Particulars	Amt. (₹)	Particulars	Amt. (₹)
A. Generation		By Sale of Energy for lighting	
To Fuel		By Sale on Energy for power	
To Oil, wastage water		By Sale of Energy	
To Salary of engineer		Under Special Contracts	
To Wages & gratuities		By Public Lighting	
To Repairs & maintenance		By Rental of Meters	
B. Distribution		By Rent Receivable	
To salary of engineers			
To Wages & gratuities		By Transfer Fees	
To Repairs & maintenance		By Other Items	
C. Public lamps		By Miscellaneous	
To Attendance & repairs		Receipts	
To Renewals		By Sale of Ashes	
D. Rent, Rates & Taxes		By Reconnection &	
To Rent payable		Disconnection Fees	
To Rates & Taxes			
E. Management Expenses			
To Directors Remuneration			
To Management Exp.			
To General Establishment			
To Auditor of the company			
F. Law charges			

G. Depreciation To Lease To Building To Plant H. To Special charges To Balance carried to Net Revenue A/c			

Net Revenue Account
(for the year ending on 20.........)

Liabilities	Amt. (₹)	Assets	Amt. (₹)
To Balance from last year A/c To Interest on Loans To Contingency reserve To Interest on debentures To Dividends To Balance carried to General balance sheet		By Balance from last years A/c By Balance brought from Revenue Account By Interest on Bank A/c By Balance carried to General Balance Sheet	

ह्रास (Depreciation)

यदि किसी स्थायी सम्पत्ति पर चालू वर्ष में ह्रास की व्यवस्था की जाती है, तो भी स्थायी सम्पत्ति को उसके लागत मूल्य पर पूँजी खाते में दिखाया जाता है। इस ह्रास की राशि से ह्रास कोष के निर्माण कर सामान्य चिट्ठे के दायित्व पक्ष में लिखा जाता है। अतः यहाँ ह्रास कोष को चल दायित्व की संज्ञा दी जाती है।

उदाहरण– 38

कोरबा कोलियरी कं. लिमिटेड से निम्न जानकारियाँ प्राप्त हुयी हैं–

Following information received from Korba Colliery Co. Ltd.

Authorised Capital	12,00,000
Subscribed & Paid up Capital	11,20,000
5% Debentures	1,20,000
Trade Creditors	64,000
Reserve Fund	60,000
Trade Debtors	1,52,000
Cash in Hand	2,20,000
Reserve Fund Investment	60,000
Stock	96,000

टिप्पणी

30 जून 2019 तक के व्यय इस प्रकार थे– भूमि 48,000 ₹, सिफ्टिंग आदि 5,40,000 ₹, मशीनरी 1,60,000 ₹ एवं भवन 52,000 ₹।

30 जून, 2019 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिये अन्तिम तीन मदों पर व्यय क्रमशः 1,00,000 ₹, 1,00,000 ₹ और 40,000 ₹ थे। 1,00,000 ₹ का ह्रास कोष बनाया गया था। 64,000 ₹ कम्पनी का लाभ माना जा सकता है। 30 जून, 2019 को समाप्त होने वाले वर्ष में 80,000 ₹ की अंश पूँजी निर्गमित की गयी और पूर्ण राशि का भुगतान हो गया।

दोहरा खाता प्रणाली के आधार पर पूँजी खाता एवं चिट्ठा बनाइये। साथ ही लेखाकर्म की साधारण प्रणाली के अनुसार 30 जून, 2009 को कम्पनी का चिट्ठा बनाइये।

Expenditure upto June 30, 2019 were Land ₹ 48,000, Shafting ₹ 5,40,000, Machinery ₹ 1,60,000, Building ₹ 52,000.

The expenditure during the year ended June 30, 2019, was ₹ 1,00,000, ₹ 1,00,000 & ₹ 40,000 on the last three items & a depreciation fund of ₹ 1,00,000 had been created. The balancing items of ₹ 64,000 may be taken as profit of the company. During the year ending at 30th June, 2019. Capital of ₹ 80,000 was issued & the whole amount was paid in full. Prepare capital account & General Balance Sheet according to Double account system and also prepare Balance Sheet according to simple method of Accountancy.

हल क्रमांक 38

Capital Account
For the year ending 30th June 2019

Expenditure	Previous year	During year	Total	Receipts	Previous year	During year	Total
Land	48,000	—	48,000	Capital	10,40,000	80,000	11,20,000
Shafting	5,40,000	1,00,000	6,40,000	5% Debentures	1,60,000		1,60,000
Machinery	1,60,000	1,00,000	2,60,000				
Buildings	62,000	40,000	92,000				
Total Exp.	8,00,000	2,40,000	10,40,000	Total Receipts	12,00,000	80,000	12,80,000
Balance			2,40,000				
			12,80,000				12,80,000

टिप्पणी

General Balance Sheet
As at 30th June, 2009

Liabilities	Amt. (₹)	Assets	Amt. (₹)
Capital A/c	2,40,000	Trade Debtors	1,52,000
Trade Creditors	64,000	Cash in hand	2,20,000
Reserve Fund	60,000	Reserve fund Investment	60,000
Depreciation Fund	1,00,000	Stock	96,000
Revenue A/c (Profit)	64,000		
	5,28,000		5,28,000

Simple Method of Accountancy
Balance Sheet

Liabilities	Amt. (₹)	Assets	Amt. (₹)
Capital (Authorised)	12,00,000	Land	48,000
Subscribed Capital	11,20,000	Buildings	92,000
Reserve Fund	60,000	Shaftings	2,40,000
5% Debentures	1,60,000	Machinery	2,60,000
Trade Creditors	64,000	Trade Debtors	1,52,000
Depreciation Fund	1,00,000	Reserve Fund Investments	60,000
Profit & Loss A/c	64,000	Stock	96,000
		Cash in hand	2,20,000
	15,68,000		15,68,000

रेलवे कम्पनी के पूँजी खाते का प्रारूप

Receipts & Expenditure on
Capital Account

Expenditure	Previous year	During year	Total	Receipts	Previous year	During year	Total
Lines open for traffic				Shares & Stocks			
Lines not open for traffic				Loans			
New lines, widening of existing lines				Debenture stock			
Lines issued				Premiums on Shares & stock			
Lines jointly owned							
Lines jointly				Premium on			

टिप्पणी

				Debentures			
				stock			
Leased							
Rolling stock				Total Premium			
Manufacturing							
& Repairing							
works							
Land &							
Building							
Plant &							
Machinery							
Total Capital							
expenditure							
upon							
Railway							
Road Vehicles							
Employed							
in the							
Collection of							
parcels goods							
(a) Goodwill &				Discount			
parcels road				on shares			
vehicles				& stocks			
(b) Passengers							
road vehicles				Discount on			
steam boats				Debentures			
Docks, harbours				Stock			
& Wharnes				Total Discount			
Electric Power							
Station							
Land,							
Properties							
etc. not							
forming							
part of the							
railway							
(a) Used in							
connection				Balance A/c			
with railway							
working				Premium &			
				Discount			
(b) not used in							
connection							
with railway							
working							
Other							
industries							

टिप्पणी

(to be stated separately) Subscription to other companies Special items							
Total Expenditure ₹				Total Receipts ₹			
To Balance (if any) ₹				By Balance (if any) ₹			
Total				Total ₹			

सामान्य चिट्ठे का प्रारूप

Under Double Account System
Balance Sheet

Liabilities	₹	₹	Assets	₹	₹
Capital A/c balance (credit)			Capital A/c balance (at debit)		
Amount due to Bankers					
Temporary loans & Calls paid in advance			Cash at bank		
			Cash in hand		
Llyod's Bonds			Cash on deposit at interest		
Unpaid Interest & dividend			Investments in Consols & Govt. Securities		
Interest & dividends payable or accruing & provided for			Investments in stocks & Shares held by the Company, not charged as capital expenditure		
Amount due to Railway Companies & Committees					
Amount due to Railway Clearing Houses			Investment of superannuation & other provident funds		
Savings Bank					
Superannuation & other Provident fund			Stock of shares and materials		
Amount payable			Outstanding traffic accounts		
Liabilities Accrued			Amounts due to Railway		
Miscellaneous Accounts			Company & Committees		
Special items (to be details)			Amount due to Railway		
Fire Insurance Fund			Clearing Houses		

टिप्पणी

Railway			Amount due to Postmaster General		
Steam boats (including insurance Fund)			Amount Receivable		
Other Business			Miscellaneous Accounts		
Balance available for Dividends & Reserve			Suspense Account (if any) to be enumerated		
***Less*: Interim dividends paid**			Special items (to be detailed)		
₹			₹		

उदाहरण– 39

31 मार्च, 2019 को समाप्त होने वाले 6 माह के लिये भोपाल रेलवे कम्पनी का तलपट रेवेन्यू खाता पूर्ण होने के पश्चात् निम्न है।

The following is Trial Balance of Bhopal Railway Co. after the Completion of Revenue Account for the half year ended 31st March, 2019.

Trial Balance

Particulars	Amt. Dr.	Amt. Cr.
Balance of credit of Net Revenue A/c		40,000
Superannuation Fund		10,000
Fire Insurance Fund		3,000
Sundry Creditors		40,000
Debts due to other Companies		1,000
Sundries Accounts	8,000	
Due from other Companies	2,000	
Traffic Amounts due to Company	20,000	
General stores stocks on hand	20,000	
Cash at Bank	10,000	
3½% Preference stocks		6,00,000
Equity stock		10,00,000
4% Debenture stock		4,00,000
Lines not commenced	100	
Working stock-engines, carriage etc.	2,60,000	
Contribution to joint lines	1,00,000	
Premium on stock, etc. sold		50,000
Purchase of Grand Cannal	10,000	
	21,44,000	21,44,000

टिप्पणी

छः माह की अवधि के दौरान 20,000 ₹ के 3½% पूर्वाधिकार स्टॉक का सममूल्य पर निर्गमन किया गया जो पूर्णरूप से प्रार्थित एवं पूर्णदत्त हुए तथा 40,000 ₹ के समता स्टॉक का भी 5% पर निर्गमन किया जो पूर्णरूप से प्रार्थित एवं पूर्णदत्त हुए। यातायात के लिये नए लौहपथ के निर्माण पर 50,000 ₹, निर्माण की अवस्था में लौहपथ पर 2,000 ₹ और चालू रहतिये पर 10,000 ₹ व्यय हुए। पूँजी खाता एवं सामान्य चिट्ठा तैयार कीजिए।

During the half year there was an issue ₹ 20,000, 3½% preference stock at par, which was fully subscribed & paid up also of ₹ 40,000 Equity Stock, fully subscribed & paid-up at a premium of 5%. The expenditure on lines open for traffic was ₹ 50,000, on lines in course of construction of ₹ 2,000 & on working stock ₹ 10,000. Make out Capital Account & General Balance Sheet.

हल क्रमांक– 39

Receipts & Expenditure on Capital Account

To Expenditure	Amt. Exp. to 30th Sep. 2019	Amt. Exp. during the half year	Total	By Receipts	Amt. Received to 30th Sep. 2019	Amt. Received during half year	Total
Lines open for traffic	16,53,900	50,000	17,03,900	Equity stock	9,60,000	40,000	10,00,000
Lines in course of Construction				3½% Preference stock	5,80,000	20,000	6,00,000
Lines not commenced	8,000	2,000	10,000	4% Debentures			
Contribution to Joint				Stock	4,00,000	—	4,00,000
Lines	100	—	100				
Working	1,00,000	—	1,00,000	Premium on			
stock				Stock	48,000	2,000	50,000
	2,50,000	10,000	2,60,000				
Purchase of Grand Canal	10,000	—	10,000				
	20,22,000	62,000	20,84,000	Total Receips	19,88,000	62,000	20,50,000
				Balance			34,000
Total			20,84,000	Total			20,84,000

टिप्पणी

General Balance Sheet
As at 31st March 2009

Liabilities	Amt. (₹)	Assets	Amt. (₹)
Debts due to other Companies	1,000	Capital A/c (Balance)	34,000
Sundry Creditors	40,000	Cash at Bank	10,000
Superannuation Fund	10,000	General Stores	20,000
Fire Insurance Fund	3,000	Traffic Account due to Co.	20,000
Net Revenue A/c (Balance)	40,000	Due from other Companies	2,000
		Sundry Outstanding Account	8,000
	94,000		94,000

गैस कम्पनी के अन्तिम खाते

उदाहरण– 40

31 मार्च, 2019 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिये हिन्दुस्तान गैस कम्पनी लिमिटेड का तलपट निम्न स्थिति प्रकट करता है–

The Trial Balance of the Hindustan Gas Company Ltd. for the year ending at 31st March, 2019 are presented the following position–

Trial Balance

Particulars	Amt. Dr.	Amt. Cr.
Nominal Capital		
2,00,000 Equity shares @ ₹ 10 each		20,00,000
Paid-up Capital		
1,50,000 Equity shares @ ₹ 8 each		12,00,000
6%, 64,000 Debentures @ ₹ 10 each		6,40,000
Share Premium Reserve		8,210
Depreciation Fund		1,64,000
Depreciation Fund Investment	1,64,000	
Freehold land	6,71,000	
Buildings	2,57,250	
Mains & Meters	1,69,856	
Plant, Stores etc.	7,75,800	
Wagons & Lorries	9,500	
Opening stock:		
(i) Coal	77,060	
(ii) Purifying Materials	432	

टिप्पणी

Purchase – (i) Coal	3,42,698	
(ii) Purifying Materials	5,290	
Repairs & Renewals of Plant, Stores etc.	73,694	
Renewals & Maintenance of Mains & Meters	37,964	
Wages	55,840	
Salaries	8,910	
Directors Fees	19,000	
Rates & Taxes	18,920	
Audit Fees	7,170	
General Expenses, Administrative	21,306	
Sick and Accident Compensation paid to workmen	8,440	
Certificate Fee		40
Sale of Grass		7,97,652
Sale of Coke & other products		2,54,500
Dividend paid	3,00,000	
Interest on Debentures	38,400	
Balance of Net Revenue Account		81,734
Sundry Creditors		36,652
Sundry debtors	86,994	
Cash	33,264	
	31,82,788	31,82,788

(i) Closing stock on 31st March, 2019–
   (i) Coal ₹ 69,294
   (ii) Purifying Materials ₹ 1,070

(ii) Depreciation is to be provided as follows–
   (i) 5% of value of Plant
   (ii) 5% of value of Stores
   (iii) 2½% of value of Building

(iii) Prepare Revenue Account, Capital Account & General Balance Sheet under the Double Account System.

टिप्पणी

हल क्रमांक 40

Particulars		Amt. (₹)	Particulars	Amt. (₹)
To Coal Consumed		3,50,464*	By Gas Sales	7,97,652
To Material Consumed		4,652**	By Coke Sales	2,54,500
To Wages		55,840	By Certificate fees	40
To Plant Repairs		73,694		
To Distribution of Gas				
Mains Repairs	37,964			
Salary	8,910			
Rates & Taxes	18,920	65,794		
To Management Exp.				
Directors fees	19,000			
Audit Fees	7,170			
General Expenses	21,306			
Compensation	8,440	55,916		
To Depreciation		45,222***		
To Balance carried To Net Revenue A/c		4,00,610		
		10,52,192		10,52,192

*	Coal Consumed	77,060
Add:	Purchases	3,42,698
		4,19,758
Less:	Stock	69,294
		3,50,464
**	Material Consumed	
	Stock	432
Add:	Purchase	5,290
		5,722
Less:	Stock	1,070
		4,652

*** Depreciation $\frac{7,75,800 \times 5}{100} + \frac{2,57,250 \times 5}{2 \times 100}$

38,790 + 6,431.25 = 45,222

टिप्पणी

Net Revenue Account
(for the year ending 31st March, 2019)

Particulars	Amt. (₹)	Particulars	Amt. (₹)
To Interest on Debentures	38,400	By Balance b/d	81,734
To Dividend	3,00,000	By Revenue A/c	4,00,610
To Balance c/d	1,43,944		
	4,82,344		4,82,344

Receipts & Expenditure on Capital Account
(for the year ending 31st March, 2019)

Expenditure	Amt. spent till 31.3.19	Amt. spent during the year	Total	Receipts	Amt. received till 31.3.19	Amt. received during the year	Total
Free hold land	6,71,000		6,71,000	Share Capital	12,00,000		12,00,000
Buildings	2,57,250		2,57,250	6% Debentures	6,40,000		6,40,000
Mains	1,69,856		1,69,856				
Plant	7,75,800		7,75,800	Total	18,40,000		18,40,000
Wagons	9,500		9,500				
				Balance	43,406		43,406
Total	18,83,406		18,83,406		18,83,406		18,83,406

General Balance Sheet

Liabilities		Amt. (₹)	Assets	Amt. (₹)
Share Premium Reserve		8,210	Capital Expenditure	43,406
Depreciation Fund			Cash	33,264
Balance	1,64,000		Stores	69,294
Add: Provision			Purifying Materials	1,070
Current year	45,222	2,09,222	Sundry Debtors	86,994
Creditors		36,652	Dep Fund Investment	1,64,000
Balance of Net Revenue A/c		1,43,944		
		3,98,028		3,98,028

टिप्पणी

जल–पूर्ति निगम के अन्तिम खाते

उदाहरण– 41

भोपाल जलपूर्ति कम्पनी लिमिटेड के निम्नलिखित चिट्ठे से दोहरा खाता प्रणाली के आधार पर 31 मार्च 2019 को आवश्यक लेखे तैयार कीजिये।

From the following Balance Sheet of Bhopal Water Supply Company Ltd., prepare necessary accounts according to Double Account System on 31st March, 2019.

Balance Sheet
As at 31st March, 2009

Liabilities		Amt. (₹)	Assets		Amt. (₹)
Equity share capital			Land & Building		
6,000 Share of		1,60,000	Balance as per last		
₹ 10 each fully paid			B/S	1,70,660	
Preference share capital			Addition		
4,000, 6% Cumulative			during the year	40,000	2,10,660
Preference shares			Mains & Service Pipes		
@ ₹ 10 each		40,000	Balance as per last		
Premium on shares		40,000	B/S	20,000	
Sundry Creditors		1,682	Add during the		
			year	3,840	23,840
Reserve Fund		1,000	Meters		2,100
Unclaimed Dividend		40	Preliminary Exp.		2,000
Revenue A/c			Reserve Fund		
Balance as per			Investment		1,000
last B/S	2,000		Stores on Hand		680
Add: Bal. brought from			Debtors		2,580
Revenue A/c	15,348		Cash & Bank		8,326
	17,348				
Less: Interim					
dividend	6,000	8,464			
Dividned					
on Pref. share	2,400				
Transfer	484	8,884	8,464		
		2,51,186			2,51,186

टिप्पणी

हल क्रमांक 41

Revenue Account
For the year ended 31st March, 2019

Particulars	Amt. (₹)	Particulars	Amt. (₹)
To Interim Dividend	6,000	By Balance b/d	2,000
To Reserve Fund	484	By Revenue A/c	15,348
To Dividend on			
Pref. shares	2,400		
To Bal. c/d	8,464		
	17,348		17,348

Capital Account
For the year ended 31st March 2019

Expenditure	Amt. expended till 31.3.19	Amt. during the year	Total	Receipts	Amt. received	Addition during the year	Total
Land & Buildings	1,70,660	40,000	2,10,660	Equity share cap.	1,60,000		1,60,000
Mains & Service				Pref. share capital	40,000		40,000
Pipes	20,000	3,840	23,840	Premium on			
Meters	2,100	—	2,100	Shares	40,000		40,000
	1,92,760	43,840	2,36,600				
			3,400				
			2,40,000		2,40,000		2,40,000

General Balance Sheet
As on 31st March, 2019

Liabilities	Amt. (₹)	Assets	Amt. (₹)
Balance of capital A/c	3,400	Preliminary Exp.	2,000
Sundry Creditors	1,682	Reserve Fund	1,000
Reserve Fund	1,000	Investments	
Unclaimed Dividend	40	Stores	680
		Debtors	2,580
Revenue A/c Balance	8,464	Cash & Bank	8,326
	14,586		14,586

टिप्पणी

2.4.10 दोहरा लेखा प्रणाली के लाभ (Advantages of Double Account System)

1. इस प्रणाली के अन्तर्गत पूँजी खाता प्राप्ति भुगतान खाते की तरह बनाया जाता है, जिसे समझने में कोई कठिनाई का सामना नहीं करना पड़ता है।
2. स्थायी सम्पत्तियों का योग पूँजी खाते से बड़ी सरलता से प्राप्त किया जा सकता है।
3. कुल प्राप्त या एकत्र पूँजी की गणना एवं जानकारी लेना आसान है।
4. सम्पत्तियों का पुर्नस्थापन करना आसान प्रक्रिया है।
5. ह्रास कोष का निर्माण आवश्यक रूप से करने के कारण सम्पत्तियों के पुर्नस्थापन के लिये अन्य कोषों पर निर्भर नहीं रहना पड़ता है।
6. रेवेन्यू खाता संचालन सम्बन्धी कार्यविधि को एवं शुद्ध रेवेन्यू खाता गैर संचालन सम्बन्धी कार्यविधि को प्रदर्शित करता है।
7. लेखों को प्रदर्शित करने के लिये उपयुक्त प्रारूप की व्यवस्था विशेष प्रावधानों के अन्तर्गत निहित है, जिसे सभी लेखाकारों द्वारा आसानी से समझी जा सकती है।
8. चल सम्पत्तियों एवं चल दायित्वों को सामान्य चिट्ठे में लिखने के कारण दोनों में तुलना करना आसान प्रक्रिया है।

2.4.11 दोहरा लेखा प्रणाली की हानियाँ (Disadvantages of Double Account System)

1. सामान्य चिट्ठा व्यवसाय की उचित स्थिति को प्रदर्शित नहीं करता है।
2. पूँजी खाते में स्थायी सम्पत्तियों को लागत पर दिखाया जाता है, जिसके कारण स्थायी सम्पत्तियों के शुद्ध मूल्य को ज्ञात करना कठिन हो जाता है।
3. प्रारम्भिक व्यय एवं संसद व्ययों का लेखा पूँजी खाते में किया जाता है, जो कि उचित प्रतीत नहीं होता है।
4. दोहरा खाता प्रणाली के अन्तर्गत अनावश्यक विवरण देने के कारण असमंजस की स्थिति पैदा हो जाती है।
5. व्यापार का सही लाभ रेवेन्यू खाता नहीं दिखा पाता है।
6. ब्याज प्राप्त एवं देय ब्याज का लेखा रेवेन्यू खाते में नहीं किया जाता है।
7. कम अवधि की सम्पत्तियों को भी पूँजी खाते में दिखा दिया जाता है।

टिप्पणी

2.4.12 बिजली पूर्ति कम्पनियों के खाते (Accounts of Electricity Supply Companies)

बिजली पूर्ति कम्पनी सार्वजनिक हित के लिए बनायी गयी कम्पनी होती है। जिसका उद्देश्य उद्योगों एवं जनता को उचित दर पर बिजली पूर्ति करना होता है। भारत में इसके नियन्त्रण के लिये दो अधिनियम बनाये गये हैं–

(1) भारतीय बिजली अधिनियम, 1910 (Indian Electricity Act, 1910)
(2) बिजली (पूर्ति) अधिनियम, 1948 (Electricity (Supply) Act, 1948)

इस अधिनियम में आय एवं व्यय शब्द को स्पष्टता समझाया गया है जिसका वर्णन निम्नानुसार किया गया है–

आय (Income)– इसके अन्तर्गत निम्नलिखित आयों को सम्मलित किया जाता है–

(i) शक्ति बेचने से प्राप्त आय (बिक्री पर दी जाने वाले कटौती घटाकर)
(ii) मीटर और अन्य यन्त्रों का किराया
(iii) लैम्प आदि की बिक्री व मरम्मत से होने वाली आय
(iv) किराया
(v) हस्तांतरण शुल्क
(vi) विनियोगों से आय
(vii) अन्य आय

व्यय (Expenditure)– इसके अन्तर्गत निम्नलिखित व्ययों को सम्मलित किया जाता है–

(i) बिजली पैदा करने एवं क्रय करने सम्बन्धी
(ii) बिजली के वितरण सम्बन्धी व्यय
(iii) किराया व कर
(iv) ऋणों पर ब्याज
(v) जमा की हुयी प्रतिभूतियों पर ब्याज
(vi) अंकेक्षण के व्यय
(vii) अप्राप्य ऋण
(viii) प्रबन्धकों एवं प्रबन्ध अभिकर्ताओं के पारिश्रमिक एवं व्यय
(ix) प्राविडेण्ट फण्ड में अंशदान
(x) पेन्शन फण्ड
(xi) कर्मचारियों के सम्बन्ध में रखे गये अन्य फण्ड, तथा
(xii) कर्मचारियों को दिया गया बोनस।

शुद्ध लाभ की गणना (Calculation of Net Profit)

उपरोक्त आय एवं व्यय के अन्तर को लाभ या हानि की संज्ञा दी जाती है, अगर इस लाभ या हानि में निम्न समायोजनाए भी कर दी जाये तो शुद्ध लाभ या हानि की गणना की जा सकती है। समायोजनाए इस प्रकार हैं–

(i) हानियों के लिये प्रावधान
(ii) लाभ व आय पर कर
(iii) संदिग्ध संचय में अंशदान
(iv) अवशिष्ट ह्रास
(v) विकास ह्रास
(vi) पूँजी के निर्गमन सम्बन्धी व्यय
(vii) राज्य सरकारों द्वारा स्वीकृत समायोजनाए

लाभ में से उपरोक्त समायोजनाए घटाने के बाद शेष राशि शुद्ध लाभ कहलाती है।

भारत में बिजली कम्पनी के अन्तिम खाते भारतीय बिजली नियम, 1956 की अनुसूची 4 और 5 में दिये हुये नमूने के अनुसार बनाये जाने चाहिये। सार्वजनिक कम्पनियों के अन्तिम खाते प्रतिवर्ष 31 मार्च को बनाये जाते हैं एवं इसके लिये कम्पनीज अधिनियम, 1956 का अनुसूची 6 के अनुसार बिजली कम्पनी अंशधारियों के समक्ष अपने खाते प्रस्तुत करती है।

बिजली कम्पनी के अन्तिम खाते बनाते समय विवरण पत्र भारतीय बिजली नियम, 1956 की अनुसूची 4 और 5 के अनुसार बनाये जाते हैं, अनुसूची 5 के अनुसार निम्नांकित विवरण पत्र बनाये जाते हैं–

1. अंश और पूँजी का विवरण पत्र (Statement of Share & Loan Capital)
2. पूँजी व्यय का विवरण पत्र (Statement of Capital Expenditure)
3. चालू रेवेन्यू का विवरण पत्र (Statement of Operating Revenue)
4. चालू व्ययों का विवरण पत्र (Statement of Operating Expenses)
5. ह्रास की व्यवस्था के लिये विवरण पत्र (Statement of Provision for Depreciation)
6. संदिग्ध संचय का विवरण पत्र (Statement of Contingency Reserve)
7. प्रशुल्क और लाभाश नियन्त्रण संचित खाते का विवरण पत्र (Statement of Tariff & Dividends Control Reserve Account)
8. उपभोक्ता छूट संचिति खाते का विवरण पत्र (Statement of Consumer's Rebate Reserve Account)
9. राज्य सरकार द्वारा शिकस्त विशेष नियोजनों का विवरण पत्र (Statement of Special Appropriations Permitted by the State Govt.)
10. शुद्ध रेवेन्यू खाता (Net Revenue Account)
11. सामान्य चिट्ठा (General Balance Sheet)
12. कुछ अन्य विवरण पत्र (Some other Statement)

टिप्पणी

उपरोक्त विवरण पत्रों के प्रारूप निम्नानुसार हैं–

STATEMENT No. 1
Statement of Share & Loan Capital
(for the year ended 31st March)

Description of Capital	Balance of the beginning of the year	Receipts during the year	Redeemed during the year	Balance at the end of the year	Remark
A. Share Capital Authorised Issued Subscribed Called up ***Less*:** calls in Arrears					
Total of paid-up capital					
B. Capital Reserve Security Premium A/c Share forfeiture A/c Other items					
Total of Capital Reserve					
C. Loan Capital Loan from State Electricity Board 5% Debentures Other secured loans Unsecured loans Advances					
Total of Loan Capital					
D. Other Capital Contribution from Consumers Including local authorities for service lines & public lighting					
Total of other capital					
Total capital Raised (A + B + C + D)					

टिप्पणी

STATEMENT No. 2
Statement of Capital Expenditure
(for the year ended 31st March)

Particulars	Balance of the beginning of the year	Receipts during the year	Redeemed during the year	Balance at the end of the year	Remark
A. Intangible Assets Preliminary & Promotional Expenses Cost of License Expenses of Conversion from DC to AC etc.					
Total of Intangible assets					
B. Hydraulic Power Plant Land & Rights Buildings etc. Hydraulic works Switch gear Water wheels etc. Miscellaneous Power Plant Equipment Other civil works					
Total of Hydraulic Power Plant					
C. Steam Power Plant Land & Rights Buildings etc. Boiler Plant Engines etc. Water Cooling System etc. Switch gear Miscellaneous Power Plant Other Civil Works					
Total of Steam Power Plant					

टिप्पणी

D. Internal Combustion Power Plant Land & Rights Buildings Engines Water Cooling System Switch gear Miscellaneous Power Plant Other Civil Works					
Total of Internal Combustion Power Plant					
E. Transmission Plant (High or Extra high voltage) Land & Rights Buildings & Structures Substation transformers etc. Switch gear Towers, Poles, Fixtures Under ground cables					
Total of Transmission Plant					
F. Distribution Plant (High Voltage) Land & Rights Buildings & Structures Substation transformers & equipment Switch gear Towers, Poles, etc. Underground cables Service Lines Metering equipment					
Total of Distribution Plant					

G. Distribution Plant (Medium & Low Voltage)					
Land & Rights					
Buildings & Structures					
Substation transformers etc.					
Switch gear					
Towers, Poles, Fixtures					
Underground cables					
Service lines					
Metering equipment					
Total of Distribution Plant					
H. Public Lighting					
Street & Signal Lighting System					
I. General Equipment (Not allocated to other sub heads)					
Land & Rights					
Buildings & Structures					
Office Furniture & Equipments					
Transportation Equipment					
Laboratory & meter testing Equipment					
Workshop Plant & Equipment					
Tools & Works Equipment					
Communication Equipment					
Misc. Equipment					
Total General Equipment					
Total Capital Assets in issue (A + B + C + D + E + F + G + H + I)					

टिप्पणी

STATEMENT No. 3
Statement of Operating Revenue
(for the year ended 31st March)

Particulars of Revenue	Corresponding Amt. for the previous year	Amt. for the current year	Remark
A. Net Revenue by Sale of Electricity for			
Cash & Credit			
Domestic & Residential			
Commercial			
Industrial			
Public Lighting			
Public Power Works & Sewage Pumping			
Irrigation			
Traction			
Supplies in Bulk to distribution licenses			
Total of Revenue by sale of Electricity			
B. Miscellaneous Revenue from Consumers			
Rent from (i) Meters			
(ii) Electric Motors etc.			
Service Connection Fees			
Public Lighting Maintenances			
Total of Miscellaneous Revenue			
C. Other Revenue			
Sale of Stores			
Repairs of Lamps & Apparatus			
Commission for the collection of Electricity duty			
Other Miscellaneous items			
Total of other services			
Deduct – Total operating expenses as per statement No. IV			
Net Surplus or Deficit carried to the Net Revenue Account			

टिप्पणी

STATEMENT No. 4
Statement of Operating Revenue
(for the year ended 31st March)

Particulars of Expenses	Corresponding Amt. for the previous year	Amt. for the current year	Remark
A. Hydraulic Power Generation (a) Operation (i) water for power (ii) Lubrication & other consumable stores (iii) Station Supplies & Miscellaneous expenses (iv) Proportion of salaries allowances (v) Wages & Gratuities of labour (vi) Contribution to P.F. & Staff Pension			
Total of Operation			
(b) Maintenance– (i) Salaries for supervision staff (ii) Building etc (iii) Hydraulic works (iv) water wheels, generators (v) switch gear (vi) Misc. power plant equipment (vii) other civil works (viii) contribution to P.F. Total of Maintenance (c) Depreciation- Depreciation on hydraulic power generating plant & equipment			
Total of Hydraulic Power Generation			
B. Steam Power Generation (a) Operation– (i) Fuel (ii) Lubrication (iii) Water if purchased separately (iv) Station supplies & misc. expenses (v) Proportion of salaries etc. (vi) Wages & gratuities to labour (vii) Contribution of P.F. & Pension			
Total of Operation			
(b) Maintenance (i) Salaries & supervisory staff (ii) Building etc. (iii) Boiler Plant (iv) Engineer (v) Water cooling system (vi) Switch gear (vii) Misc. Power Plant (viii) Other civil works (ix) Contribution to P.F. & Staff pension			
Total of Maintenance			

(c) Depreciation- Total of steam power generating exp.			
C. Internal Combustion Power Generation			
(a) Operation– (i) Fuel (ii) Lubricants (iii) Water (iv) Station Supplies (vi) Proportion of salaries (vi) Wages etc. to labour (vii) Contribution to P.F. & Staff Pension.			
Total of Operation			
(b) Maintenance– (i) Salaries (ii) Buildings (iii) Engines (iv) Water cooling System (v) Switch gear (vi) Misc. power plant (vii) Other civil works (viii) Contribution to P.F. & Staff pension			
Total of Maintenance			
(c) Depreciation			
Total of Internal Combustion Power Generation			
D. Power Purchased			
Total of Production Exp. (A+B+C+D)			
E. Transmission (High or extra high voltage)			
(a) Operation & maintenance– (i) Proportion of salaries (ii) Wages etc. to substation labour and to labour on lines (iii) Buildings (iv) Substation transformers (v) Switchgear (vi) Tower poles (vii) Underground cables (viii) Contribution to P.F. & Pension of staff			
Total of Operation & Maintenance			
(b) Depreciation			
Total of Transmission Expenses			
Distribution (high voltage)			
(c) Operation & Maintenance – (i) Proportion of salaries (ii) wages & gratuities to substation labour (iii) Wages & gratuities to labour for mains (iv) Building (v) Switch gear (vi) Tower etc. (vii) Underground cables (viii) Metering equipment (ix) Contribution to P.F.			

टिप्पणी

	Total of Operation & Maintenance				
(d)	Depreciation				
	Total of Distribution (H.V.)				
G.	**Distribution (Medium & Low Voltage)**				
(a)	Operation & Maintenance [contents same as in (i) of (viii) above]				
(b)	Depreciation				
	Total of Distribution				
(c)	Operation & Maintenance [Contents same as in (i) to (ix) above]				
(d)	Depreciation				
	Total of Distribution				
I.	**Consumers Servicing, Meter Reading, Bills Accounting Sales Promotings etc.** (i) Promotion of salaries (ii) Meter reading & Inspection (iii) Billing accounting (iv) Exhibitions & advertisements (v) Servicing etc. (vi) Mis-expenses (vii) Contribution to P.F. & Staff funds (viii) Depreciation				
	Total Consumers Services etc.				
J.	**General Establishment Charges** (i) Promotion of salary (ii) Salary & Wages of staff (iii) Contribution to local authority administration for supervision (iv) Travelling & other exp. (v) Rates (vi) Depreciation (vii) Audit Service (viii) Legal service (ix) Insurance expenses				
	Total of General Establishment charges				
K.	**Other Charges** Bad debts Total of other charges				
A.	Management Expenses– (i) Directors fees (ii) Managing Agents Ordinary remuneration (iii) Managing agents office allowances				
	Total of Management Expenses				
	Total of Operating Expenses				
Transferred to statement No. III					

टिप्पणी

STATEMENT No. 5
Statement of Provision for Depreciation
(for the year ended 31st March........)

Description of Assets	Balance of accrued depreciation bought forward from last year	Balance of arrears of dep brought forwarded from last year	Interest @ 4% p.a. at the balance at the beginning of the year	Dep provided for the year	Arrears of Dep written able during the year	Total	Withdrawal during the year	Balance of accrued dep carried to next year	Balance of arrears of dep carried to next year	Remarks

STATEMENT No. 6
Statement of Contingency Reserve
(for the year ended 31st March........)

Particulars	Balance at the beginning of the year	Addition during the year			Withdrawals during the year				Remarks
		Appropriation during the year	Additions	Total	Instalment	Expenses and/or compensation	Total	Balance at the end of the year	

STATEMENT No. 7
Statement of Tariffs & Dividends Control Reserve A/c
(for the year ended 31st March........)

Particulars	Balance beginning of the year	Appropriation during the year	Withdrawal during the year	Balance at the end of the year	Remark

STATEMENT No. 8
Statement of Consumers Rebate Reserve A/c
(for the year ended 31st March……..)

Particulars	Balance at the beginning of the year	Distributed to consumers during the year	Appropriated during the year	Balance at the end of the year	Remark

STATEMENT No. 9
Statement of Special Appropriation Permitted by the State Government
(for the year ended 31st March……..)

Particulars	Balance at the beginning of the year	Addition by way of appropriation during the year	Transfer by way of reappropriation during the year	Balance at the end of the year	Remark

STATEMENT No. 10
Net Revenue & Appropriation Account
(for the year ended 31st March……..)

Corresponding Amt. of the pre. year	Particulars	Amt.	Corresponding Amt. of the pre. year	Particulars	Amt.
	To Balance of Loss B/d from prev. year			By Balance of profit b/d from previous year	
	To Net Revenue deficit as per Statement III			By Net operation Surplus from Statement III	
	To appropriations (applicable to local authority licenses only			By internal on Security & Investment	
	Investment on loan capital			By other receipts	
	Instalment of Redemption of Loan Capital			By Balance c/d	
	To Taxes on Income & Profits paid				
	To Instalments written down in respect of intangible assets				

	To Instalment of Contribution to arrears of depreciation To Contribution towards Contingency reserve To Appropriation to Tarrifs & Dividends Control Reserve To Appropriations to Consumers Rebate Reserve To Appropriation towards Interest paid & accrued & dividends paid & payable (a) Interest on debentures (b) Interest on others Secured loans (c) Interst on unsecured Loans (d) Dividends on pref. share capital (e) Dividend on equity share capital To Balance c/d (if profit)				

टिप्पणी

टिप्पणी

STATEMENT No. 11
General Balance Sheet
(as at 31st March......)

Corresponding Amt. of the pre. year	Particulars	Amt.	Corresponding Amt. of the pre. year	Particulars	Amt.
	Contingency Reserve Fund Tarrifs & Dividends Control Reserve Consumers Rebate Reserve Special Appropriation (as permitted by the state govt.) Reserve Balance of Net Revenue Account (if profit) Current liabilities & Provisions Balance due to Construction of Plant Machinery etc. Creditors on open Account Consumers Security Deposits Amount payable Temporary Accommodation Bank overdraft etc. Other accrued liabilities Contingent liabilities			Statement II ***Less***: Accumulated provision for depreciation Net Block Balance of written down cost of obsolete & inadequate assets Current Assets Capital works in progress Stores & Materials in hand (a) Fuel coal, oil etc. (b) General Stores Debtors for amounts paid in advance on account of contract Sundry Debtors for electricity supplied Other debtors Amount receivable Investments in Statutory securities (a) Contigency Reserve Fund Investment (b) Depreciation Reserve Fuel Investment (c) Other Investment Spcial Deposits (a) In respect of taxation	

टिप्पणी

				(b) Others Balance at Bank Cash in hand Net Revenue A/c (Dr. Bal) Deferred payments	

SOME OTHER STATEMENT

Statement of Loans Raised & Redeemed
(for the year ended 31st March 20….)

Description of loans raised from time to time	Amount sanctioned	Rate	Period of		Payment Amount of Instalment
			From	To	
1	2	3	4		5

Amount of loan redeemed up to beginning of the year	Loan redeemed during the year	Total Loan redeemed upto the end of the year	Balance of loan out standing at the end of the year	Remarks
6	7	8	9	10

STATEMENT OF LOAN AND OTHER CAPITAL
(for the year ended 31st March 20….)

Particulars	Balance of the beginning of the year	Receipts during the year	Redeemed during the year	Balance at the end of the year	Remark
A. **Capital Raised** Amount of loans outstanding (as per Col. 10 of statement I.A) Grants & advances made from the general funds of the local authorities Grant-in-aid from Govt.					
Total Capital					
B. **Capital Reserve** Loan Redemption A/c Special items (to be specified)					
Total capital Reserve					
C. **Other Capital** Consumers Contributions for service lines after the					

टिप्पणी

commencement of the Electricity Supply Act 1948 Special Items (to be specified)					
Total Other Capital					
Total Capital Raised & Appropriated (A + B + C)					

Statement Showing the Written Down Cost of Fixed Assets Retired on Account of Obsolescence Inadequacy Superfluity Etc.

Particulars of the Assets	Written down cost of assets at the beginning of the year	Written down cost of assets required during the year	Written down cost of assets sold during the year
1	2	3	4

Amount realized during the year	Excess of sale proceeds over written down cost transferred to contingencies reserve A/c	Annual Instalment Written of during the year	Balance of Written down cost at the end of the year
5	6	7	8

उपरोक्त समस्त विवरण बिजली पूर्ति कम्पनी द्वारा बनाये जाते हैं, लेकिन छात्रों के लिये व्यवहार में लाये जाने वाले प्रमुख विवरण I, II, III, IV, X और XI हैं।

सम्पत्तियों की जीवन अवधि बिजली पूर्ति अधिनियम की सांतवीं अनुसूची के अनुसार– बिजली पूर्ति अधिनियम 1948 की धारा 68 के अनुसार प्रत्येक बिजली कम्पनी के लिये प्रतिवर्ष एक निश्चित रकम स्थायी सम्पत्तियों पर ह्रास के रूप में रेवेन्यू खाते से चार्ज करके ह्रास संचिति तिथि खाते में हस्तांतरित करना आवश्यक कर दिया गया है। इस सम्बन्ध में यह सिद्धान्त है कि सम्पत्ति के आर्थिक जीवन काल में कुल ह्रास की रकम स्थायी सम्पत्ति की मूल लागत के 90% के बराबर होगी।

उदाहरण– 42

1. द बेला कोल कं. लि. के पास निम्न अधिकृत पूँजी है–

The Bela Coal Co. ltd. has the following Authorised Capital—

टिप्पणी

20,000 समता अंश प्रत्येक 100 ₹ का (20,000 Equity Shares of ₹ 100 each)		2,00,000
20,000 6% पूर्वाधिकारी अंश प्रत्येक 100 ₹ का 20,000 6% Preference Shares of ₹ 100 each		2,00,000
इनका 31 मार्च 2010 का तलपट निम्न था The following was its Trial Balance on 31st March 2010		
निर्गमित एवं चुकता पूँजी (Issued & Subscribed Capital)		
समता अंश प्रत्येक 100 ₹ पर पूर्णदत्त 15000 (15,000, Equity Shares of ₹ 100 each fully paid)		15,00,000
15000, 6% पूर्वाधिकारी अंश प्रत्येक 100 ₹ पूर्णदत्त (15000, 6% Preference Shares of ₹ 100 each fully paid)		15,00,000
10% ऋण-पत्र (10% Debentures)		5,00,000
विविध लेनदार (Sundry Creditors)		40,000
भूमि सम्पत्ति (Land Acquired)	7,00,000	
सॉफ्ट सिंकिग आदि (Shaft Sinking etc.)	1,55,000	
संयन्त्र एवं कल (Plant & Machinery)	8,00,000	
गाड़ियाँ (Wagons)	3,00,000	
कार्यालय भवन (Office Building)	7,00,000	
कर्मचारी गृह (Workmen's Cottage)	4,80,000	
अवक्षयण संचय (Depreciation fund)		50,000
सामान्य संचय (Reserve fund)		30,000
लाभ-हानि खाता (Profit & loss A/c)		80,000
Stock in hand (हस्तस्थ स्कन्ध)	1,65,000	
विनियोग (Investments)	2,00,000	
हस्तस्थ रोकड़ (Cash in hand)	1,25,000	
अल्पकार्य खाता (Short working A/c)	35,000	
विविध देनदार (Sundry Debtors)	40,000	
	37,00,000	37,00,000

टिप्पणी

उपरोक्त मदों में शामिल है– वर्ष के दौरान 5,000 समता अंश जारी किये गये पूर्णतः चुकता हुए तथा 50,000 ₹ के ऋण-पत्र भी निर्गमित किये। वर्ष के दौरान व्यय हुए सॉफ्ट सिंकिंग 55,000 ₹ संयन्त्र पर 10,000 ₹, कर्मचारी गृह 80,000 ₹ तथा गाड़ियों पर 25,000 ₹।

(The above figures include as issue during the year of 5000 Equity Shares fully Subscribed & paid & ₹ 50,000 Debentures : Money spent during the period as shaft sinking ₹ 55,000, Machinery ₹ 10,000, workmen's cottage ₹ 80,000 & wagons ₹ 25000)

31 मार्च 2019 को कंपनी का पूँजी खाता तथा सामान्य चिट्ठा तैयार कीजिए।

(Prepare the Capital Account & the Balance Sheet of the Company as on 31st March 2019).

हल क्रमांक 42

Capital Account
(for the year ended 31 March 2019)

Expenditure	Previous year	During year	Total	Receipts	Previous year	During year	Total
To Lands	7,00,000	—	7,00,000	By Equity Share Capital	10,00,000	5,00,000	15,00,000
To Shaft Sinking	1,00,000	55,000	1,55,000	By Pref. Share Capital	15,00,000	—	15,00,000
To Machinery	7,00,000	100,000	8,00,000	By Debenture	4,50,000	50,000	5,00,000
To Wagon	2,75,000	25,000	3,00,000				
To Building	7,00,000	—	7,00,000				
To Workmen's Cottage	4,00,000	80,000	4,80,000				
Total ₹	28,75,000	2,60,000	31,35,000	Total ₹	29,50,000	5,50,000	35,00,000
To Bal. c/d			3,65,000				
		₹	35,00,000			₹	35,00,000

General Balance Sheet
(As on 31st March 2019)

Liabilities	Amt. (₹)	Assets	Amt. (₹)
Balance of Capital A/c	3,65,000	Stock in hand	1,65,000
Depreciation Fund	50,000	Sundry Debtors	40,000
Reserve Fund	30,000	investments	2,00,000
Profit & Loss A/c	80,000	Short workings A/c	35,000
Sundry Creditors	40,000	Cash in hand	1,25,000
	5,65,000		5,65,000

उदाहरण— 43

भारतीय कोलियरी कं. लि. की पुस्तकों से निम्न तथ्य प्रकट हुए हैं, वर्ष 2018-19 के लिए दोहरा प्रणाली आधारित चिट्ठा तैयार करिए और इसे इकट्ठा लेखा पद्धति से भी दर्शाइये–

(From the following figures relating to the Bhartiya Colliery Co. for the year ending 31st March 2018-19. Prepare the Balance Sheet on Double Account Systems & also present the same figure in a Balance Sheet on the Single Account Systems)–

अधिकृत पूँजी (Authorised Capital)		10,00,000
निर्गमित पूँजी (Issued Capital)		
40,000 समता अंश प्रत्येक 10 ₹ का पूर्णदत्त		
40,000, Ordinary Shares of ₹ 10 each fully paid		4,00,000
30,000 8% पूर्वाधिकारी अंश प्रति अंश 10 ₹ पूर्णदत्त		
30,000 8% Preference Shares of ₹ 10 each fully paid		3,00,000
6% ऋण-पत्र (6% Debentures)		2,00,000
देय विपत्र (Bills Payable)		20,000
विविध लेनदार (Sundry Creditors)		35,000
भू-सम्पत्ति (Land Acquired)		1,20,000
सॉफ्ट सिंकिग (Shaft Sinking)		20,000
संयन्त्र एवं कल (Plant & Machinery)		1,88,500
गाड़ियाँ (Wagons)		1,60,000
कार्यालय भवन (Office Building)		2,00,000
कर्मचारी गृह (Workmen's Cottage)		50,000
ह्रास कोष (Depreciation fund)		45,000
सामान्य संचय (General Reserve)		7500
लाभ-हानि खाता (Profit & loss A/c)		1,26,000
हस्तगत स्कन्ध (Stock in hand)		42,500
विनियोग (Investments)		87,500
विविध देनदार (Sundry Debtors)		80,000
रोकड़ हाथ व बैंक में (Cash in hand & at Bank)		1,20,000
लघुकार्य की रकम (Short working Amount)		65,000

टिप्पणी

उक्त मदों में 1,00,000 ₹ पूर्वाधिकारी अंश वर्ष के दौरान निर्गमित शामिल है तथा वर्ष में निम्न व्यय भी किये गये थे–

These figures include an issue of ₹ 10,000 Preference shares during the year & the following amount were spent during the same period.

सॉफ्ट सिंकिग (Shaft Sinking)	₹ 2,000
संयंत्र एवं कल (Plant & Machinery)	₹ 8,500
गाड़ियाँ (Wagons)	₹ 20,000
गृह (Cottages)	₹ 5,000

हल क्रमांक 43

The Bhartiya Colliery Co. Ltd.
Recicpts & Expenditure on Capital A/c
(for the year ended 31st March 2019

Expenditure	Previous year	During year	Total	Receipts	Previous year	During year	Total
To Land	1,20,000	—	1,20,000	By Ordinary share	4,00,000	—	4,00,000
To Shaft sinking	18,000	2,000	20,000	By Pref. shares	2,00,000	1,00,000	3,00,000
To Plant Machinery	1,80,000	8,500	1,88,500	By 5% Debentures	2,00,000	—	2,00,000
To Wagons	1,40,000	20,000	1,60,000				
To Building	2,00,000	—	2,00,000				
To Cottages	45,000	5,000	50,000				
Total ₹	7,03,000	35,500	7,38,500	Total ₹			
To Bal. of Capital A/c			1,61,500				
₹			9,00,000	₹	8,00,000	1,00,000	9,00,000

General Balance Sheet

(As on 31st March 2019)

Liabilities	Amt. (₹)	Assets	Amt. (₹)
Capital Account Balance	1,61,500	Cash in hand & at Bank	1,20,000
Sundry Creditors	35000	Investments	87,500
Depreciation Fund	45000	Stock in hand	42,500
General Reserve	7500	Sundry Debtors	80,000
Bills Payable	20,000	Short working A/c	65,000
Net Reserve A/c	1,26,000		
	3,95,000		3,95,000

उदाहरण– 44

टिप्पणी

डावरी डे रेलवे कंपनी की पुस्तकों से निम्न आँकड़े उदृत किये हैं। आप 31 मार्च 2019 को कंपनी का आगम खाता, शुद्ध आगम खाता, पूँजी खाता एवं सामान्य चिट्ठा तैयार कीजिए।

Set out below are the figures extracted from the Every day Railway Co. Ltd. on 31 March 2019. Prepare Reserve A/c. Net Reverve A/c, Capital A/c & General B/s. in the Prescribed Form.

समता अंश (Ordinary Shares)		6,00,000
6% पूर्वाधिकार अंश (6% Preference Shares)		5,00,000
प्रीमियम प्राप्त (Premuim Received)		50,000
रखरखाव (Maintenance)		60,000
यात्री ले जाने से आय (Passengers Carried)		1,90,000
पट्टे की पटरी का किराया दिया		
(Rent paid on leased lines)		1,32,000
यातायात हेतु पटरियाँ		
सामग्री ले जाने से आय (Material Carried)		2,10,000
सामान्य स्टोर्स (General Stores)		35,000
यातायात व्यय (Traffic Exp.)		82,000
डाक ले जाने से आय (Mails Carried)		90,000
भाडा एवं गाड़ी मरम्मत (Carriage & wagon Repair)		26,000
विनियोग (Investment)		1,00,000
शुद्ध आगम लेखा (प्रारंभिक) (Net Revenue A/c.)		65,000
क्षतिपूर्ति (Compensation)		13,100
Lines open for Traffic		
विविध अदत्त लेनदार		9,00,000
Sundry o.s. creditors.		32,000
यातायात रेलवे कं. को देय (Traffic A/c due to Rly. Co.)		
कार्य स्कंध (Working Stock)		2,00,000
पार्सल ले जाने से आय (Parcels Carried)		46,000
शक्ति (Locomotive Power)		85,000
दर तथा कर (Rates & Taxes)		16,000
माल ले जाने से आय (Merchandise Carried)		1,13,000
अग्नि बीमा कोष (Fire Insurance Fund)		3000
किराया व्यय (Rend charges)		62000
अन्य कंपनियों के ऋण (Debts due to other Co.)		81000
बैंक ब्याज जमा [Bank Interest (Cr)]		700
बैंक में रोकड़ (Cash at Bank)		2,22,000

टिप्पणी

हल क्रमांक 44

The Every Day Railway Co. Ltd.
Revenue A/c.
(For the year ended 31st March 2019)

Liabilities	Amt. (₹)	Assets	Amt. (₹)
To Maintenance of way.	60,000	By Passenger's Carried.	1,90,000
To Locomotive Power.	85,000	By Parcel's Carried.	46,000
To Rates & Taxes.	16,000	By Merchandise Carried.	1,13,000
To Traffic Expenses.	82,000	By Material's Carried.	2,10,000
To Carriage & wagons Repairs.	26,000	By Mails Carried.	90,000
To Compensation.	13,100		
To Bal. Carried to Net Revenue A/c	3,66,900		
	6,49,000		6,49,000

Net Revenue A/c

Liabilities	Amt. (₹)	Assets	Amt. (₹)
To Rent paid on leased lines	1,32,000	By Bal. from last year. By Bal. b/f. from Revenue A/c.	65,000 3,66,900
To Rent changes.	62,000	By Bank Interest.	700
To Bal. c/d.	2,38,600		
	4,32,600		4,32,600

Receipt & Expenditure on Capital A/c
For the year ended 31 March 2019

Expenditure	Previous year	During year	Total	Receipts	Previous year	During year	Total
To lines open for Traffic	9,00,000	—	9,00,000	By Ordinary Shares	6,00,000	—	6,00,000
To Working Stock	2,00,000	—	2,00,000	By 6% Pref. Shares	5,00,000	—	5,00,000
				By Premium Received	50,000	—	50,000
₹			11,00,000				
To Balanc c/d			50,000				
₹	11,00,000		11,50,000	₹	11,50,000		11,50,000

टिप्पणी

General Balance Sheet

Liabilities	Amt. (₹)	Assets	Amt. (₹)
Capital Account Balance.	50,000	Cash at Bank	2,22,000
Sundry Creditors.	32,000	Investments	1,00,000
Debts due to other Co.	81,000	General Stores	35000
Fire Insurance Fund.	30,000	Traffic A/c. due to Co.	74,600
Bal. of Net Revenue A/c.	2,38,600		
	4,31,600		4,31,600

उदाहरण– 45

31 मार्च 2019 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए इंडियन रेलवे कंपनी के निम्नांकित चिट्ठे से–

(अ) पूँजी लेखा

(ब) आगम लेखा

(स) शुद्ध आगम लेखा एवं

(द) उस तिथि का सामान्य चिट्ठा तैयार कीजिए। 31 मार्च 2019 को समाप्त होने वाले वर्ष में स्थायी संपत्तियों में निम्न वृद्धियाँ की गई।

From the following Total Balance of Indian Railway Co. Ltd. for the year ended 31 March 2019 prepare–

(a) Capital A/c

(b) Revenue A/c

(c) Net Revenue A/c &

(d) The General Balance Sheet as on that date. In the year ended 31st March 2019 the following additions to fixed assets were made–

भूमि (Land)		1,00,000
भवन (Building)		2,00,000
रेलवे इंजन और वेगन (Railway Engine & wagons)		50,000
कारखाने की मशीनरी (Workshop Machinery)		25000
रेलवे लाइन (Railway Lines)		1,50,000
स्टेशन (Station)		40,000
फर्नीचर (Furniture)		20,000
मृत स्टॉक (Dead Stock)		10,000

टिप्पणी

वर्ष के लाभ के शेष में से 25000 ₹ ह्रास को और 30,000 ₹ सिंकिंग फण्ड में अंशधारियों को प्राप्य लाभांश की राशि की गणना के पूर्व हस्तांतरित कीजिए।

Balance of Profit for the year appropriate ₹ 25000 to Dep. fund 30,000 to Sinking Fund before ascertaining the amount available for Shareholder's Dividend.

31st मार्च 2019 को तलपट

(Trial Balance at March 31, 2010)

चुकता अंश पूँजी (Share capital paid up)		10,00,000
ऋणपत्र (Debentures)		5,00,000
भवन (Buildings)	3,00,000	
वर्कशाप मशीनरी (Workshop Machinery)	75000	
रेलवे इंजन व वेगन (Railway engine & wagons)	4,50,000	
स्टेशन (Station)	30,000	
भूमि (Land)	1,40,000	
रेलवे लाइनें (Railway lines)	3,60,000	
यातायात व्यय (Traffic Exps.)	7000	
लोकोमोटिव पावर (Locomotive Power)	10,000	
फर्नीचर (Furniture)	1,90,000	
पूर्वदत्त व्यय (Prepaid Exp.)	15,000	
सिंकिंग फण्ड का विनियोग (Investment of Sinking Fund)	40,000	
देनदार (Debtors)	70,000	
लेनदार (Creditors)		65,000
पूँजी संचय (Capital Reserve)		75,000
हस्तस्थ स्टोर्स (Stores in hand)	95,000	
नेट रेवेन्यू खाते का शेष (Bal. of Net Revenue A/c)		1,00,000
क्रय पर बट्टा (Discount on purchases)		2,000
विशेष गाड़ियों से प्राप्तियाँ (Special Train Receipts)		7,000
प्रबंधकीय व्यय (Management Exps.)	48,000	
बैंक ऋण अल्पकालीन (Bank Loan Short Term)		50,000
मरम्मत (Repaires)	7,500	
वेतन (Salaries)	8,200	
सिंकिंग फण्ड विनियोगों पर ब्याज (Interest on S.F. Investments)		500
अंश हस्तांतरण शुल्क (Share Transfer fees)		700
बैंक ऋण पर ब्याज (Int. on Bank Loan)	5,000	
बीमा प्रीमियम (Insurance Premium)	7,200	

ऋणपत्रों पर ब्याज (Int. on Debentures)	30,000	
मश्त स्टॉक (Dead Stock)	50,000	
भाड़ा एवं स्टोरेज वसूल किया आदि (Freight & Storage Charged)		2,00,000
यात्रियों से प्राप्तियाँ (Passengers Receipts)		3,50,000
विधि व्यय (Law charges)	7,800	
विविध प्राप्तियाँ (Misc. Receipts)		52000
ह्रास कोष (Dep. Fund)		80,000
सिंकिंग फण्ड (Sinking Fund)		70,000
रेल पथ का रखरखाव (Maintenance of Railway way)	9,600	
मजदूरी (Wages)	8,700	
हस्तस्थ रोकड़ (Cash in hand)	50,000	
बैंक में रोकड़ (Cash at Bank)	5,38,200	
	25,52,200	25,52,200

हल क्रमांक 45

Indian Railway Company
Revenue Account
(for the year ended 31st March 2019)

Liabilities	Amt. (₹)	Assets	Amt. (₹)
To Traffic Expenses	7,000	By Discount on Purchase	2,000
To Locomotive Power	10,000	By Special Train (Recd)	7,000
To Mangt. Exp.	48,000	By Freight & Storage charged	2,00,000
To Repairs	7,500	By Passengers Receipts	3,50,000
To salaries	8,200	By Misc. Receipts	52,000
To law charges	7,800	By Share Transfer fees	700
To Mainte. of Railway lines	9,600		
To wages	8,700		
To Insurance Premium	7,200		
To Bal. transfer to Net Revenue A/c	49,700		
	6,11,700		6,11,700

टिप्पणी

Net Revenue A/c

Liabilities	Amt. (₹)	Assets	Amt. (₹)
To Int. on Bank Loan	5000	By Bal. b/d	1,00,000
To Int. on Debentures	30,000	By Revenue A/c Bal	4,97,700
To Dep. Fund	25,000		
To Sinking Fund	30,000		
To Bal. c/d	5,07,700		
	5,97,700		5,97,700

Depreciation Fund A/c

Liabilities	Amt. (₹)	Assets	Amt. (₹)
To Bal. c/d	1,05,000	By Bal b/d	80,000
Sundry Creditors		By Net Revenue A/c	25,000
	1,05,000		1,05,000

Sinking Fund Account

Liabilities	Amt. (₹)	Assets	Amt. (₹)
To Bal. c/d	1,00,500	By Bal. b/d	70,000
		By Int. on Sinking Fund	500
		By Net Revenue A/c	30,000
	1,00,500		1,00,500

Capital Account

Expenditure	Previous year	During year	Total	Receipts	Previous year	During year	Total
To Building			3,00,000	By Share Capital paid up	10,00,000	—	10,00,000
To Workshop Mach.			75,000				
To Railway Engine			4,50,000	By Debentures	5,00,000	—	5,00,000
To Stations			3,00,000				
To Land			1,40,000				
To Railway lines			3,60,000				
To Furnitures			1,90,000				
To Dead stock			50,000				
Total Exp.	—	—	15,95,000	Total Rec.	15,00,000		15,00,000
				₹ Balance			95,000
			15,95,000				15,95,000

टिप्पणी

General Balance Sheet

As on 31st March 2019

Liabilities	**Amt. (₹)**	**Assets**	**Amt. (₹)**
Bank Loans Short term.	50,000	Bal. of Capital	95000
Net Revenue A/c.	5,07,700	Prepaid Exp.	15000
Sinking Fund A/c.	1,00,500	Cash in hand.	50,000
Depreciation Fund.	1,05,000	Cash at Bank.	5,38,200
Capital Reserve.	75,000	Investment on Sinking Fund.	40,000
Creditors.	65,000	Debtors.	70,000
		Stores in hand.	95000
	9,03,200		9,03,200

उदाहरण– 46

केरवा कं. वॉटर कं. लि. के 31 मार्च 2019 के निम्नांकित तलपट से आप–

(अ) पूँजी खाता

(ब) आगम खाता

(स) शुद्ध आगम खाता एवं

(द) संचय कोष खाता और

(ई) सामान्य चिट्ठा बनाइये। संचय कोष 15,500 ₹ से निर्मित करना है।

Make out from the following Trial Balance as on 31 March 2019 of the Kerva Water Co. Ltd. –

(a) Capital A/c

(b) Revenue A/c

(c) Net Revenue A/c

(d) Reserve Fund A/c

(e) General Balance Sheet. The Reserve fund is to be raised to ₹ 15,500 as reserve.

टिप्पणी

नामे बाकियाँ

Liabilities	Amt. (₹)	Assets	Amt. (₹)
क्रय की हुई भूमि पर व्यय	80,000	15000, समता अंश 10 ₹ वाले	1,50,000
कारखाने के निर्माण पर व्यय	1,20,000	500, 8% पूर्वाधिकार अंश 150 ₹ वाले	50,000
मेन्स एवं सर्विस पाईप पर व्यय	75,000	5% ऋणपत्र स्कन्ध	80,000
मीटरों पर व्यय	18,000	अंशों पर प्रीमियम	40,000
संसदीय व्यय	2000	विविधि लेनदार	1500
विविध देनदार	25000	संचय कोष	700
जलदर हेतु देनदार	35000	जल किराया	2,54,300
हस्तस्थ स्टोर्स	40,000	सामान्य किराया	14000
हस्तस्थ रोकड़	6000	न माँगा गया लाभांष	1000
बैंक में रोकड़	95,000	अन्तरण शुल्क	2000
वेतन	14,000	1 अप्रैल 2009 को शुद्ध	
छपाई	27,000	आगम खाते का शेष	45000
आकस्मिक व्यय	9,500		
पम्पिंग स्टेशनों का रखरखाव	19,000		
रिजवियर्स–रखरखाव	7000		
फिल्टर बेड–रखरखाव	5000		
मेन्स की मरम्मत	3000		
सामान्य मरम्मत	9000		
संचालक शुल्क	12000		
अंकेक्षक शुल्क	3000		
किराया एवं कर	18,000		
ऋणपत्र स्कन्ध पर ब्याज	4000		
पूर्वाधिकार अंशों पर लाभांश	4000		
समता अंशों पर अन्तरिम लाभांश	8000		
	6,38,500		6,38,500

टिप्पणी

	Dr. Bal		Cr. Bal
Expended on purchases of land	80,000	15000, Equity Shares of ₹ 10 each	1,50,000
Expended on Construction of works	1,20,000	500, 8% Pref. Shares of ₹ 100 each	50,000
Expended on Main & Service pipes.	75,000	5% Debenture Stock	80,000
Expended on Meters	18,000	Premium on Shares	40,000
Partiamentary Expenses	2,000	Sundry creditors	1,500
Sundry Debtors	25,000	Reserve fund	700
Debtors for water rates	35,000	Water Rent	2,54,300
Stores in hand	40,000	General Rent	14,000
Cash in hand	6,000	Transfer fees	2,000
Cash at Bank	95,000	Unclaimed Dividind	1,000
Salaries	14,000	Bal. Net Revenue A/c on 1 April 2009	45,000
Printing	27,000		
Incidental Expenses	9,500		
Maintenance of Pumping Stations	19,000		
" Reserviors	7,000		
" Filter Beds	5,000		
Repairs to Mains	3,000		
General Repairs	9,000		
Director's fees	12,000		
Auditors fees	3,000		
Rent & Taxes	18,000		
Int. on Deb Stock to date	4,000		
Dividend on Pref. share	4,000		
Interim Div. on Equity Shares	8,000		
	6,38,500		6,38,500

हल क्रमांक 46

टिप्पणी

Kerva Water Co. Ltd.
Revenue A/c
(for the year ended 31st March 2019)

Liabilities	Amt. (₹)	Assets	Amt. (₹)
To Salaries	14,000	By Water Rents	2,54,300
To Printing	27,000	By Gen. Rates	14,000
To Incidental Exps	9,500	By Transfer Fees	2,000
To Maintenance of pumping Station	19,000		
" Reserviors	7,000		
" Filter beds	5,000		
To Repairs to Mains	3,000		
To Gen. Repairs	9,000		
To Director's fees	12,000		
To Auditor's fees	3,000		
To Rent & Taxes	18,000		
To Net Revenue A/c	1,43,800		
	2,70,300		2,70,300

Net Revenue A/c

Liabilities	Amt. (₹)	Assets	Amt. (₹)
To Interim on Deb Stock A/c	4,000	By Balance b/d	45,000
To Div. on Pref. shares	4,000	By Revenue A/c	1,43,800
To Interim Div. on equity shares	8,000		
To Reserve fund (15,500 – 700)	14,800		
To Bal. c/d	1,58,000		
	1,88,800		1,88,800

Reserve Fund

Liabilities	Amt. (₹)	Assets	Amt. (₹)
To Bal c/d	15,500	By Bal. B/d	700
		By Net. Revenue A/c	14,800
	15,500		15,500

टिप्पणी

Capital Account

Expenditure	Previous year	During year	Total	Receipts	Previous year	During year	Total
To Land	8,000	—	8,000	By Eqity share			
To Works	1,20,000	—	1,20,000	Capital	1,50,000	—	1,50,000
To Mains	75,000	—	75,000	By 8% Pref.			
To Meters	18,000	—	18,000	Share Capital	50,000	—	50,000
To Prelim. Exp.	2,000	—	2,000	By Deb. Stock	80,000	—	80,000
				By Share Premi.	40,000	—	40,000
Total			2,95,000				3,20,000
Balance			25,000				
₹			3,20,000				3,20,000

General Balance Sheet

Liabilities	Amt. (₹)	Assets	Amt. (₹)
Sundry Creditors	1,500	Sundry Debtors	25,000
Reserve Fund	15,500	Debtors for water Rates	35,000
Net Revenue A/c	1,58,000	Stores in hand	40,000
Unclaimed Dividend	1,000	Cash in hand	6,000
Balance of capital	25,000	Cash at Bank	95,000
	2,01,000		2,01,000

उदाहरण– 47

निम्नलिखित सूचनाओं के आधार पर पूँजी खाता एवं सामान्य चिट्ठा से सम्बन्धित विवरण पत्रों को इलेट्रिक कम्पनी लि. की पुस्तकों में 31 मार्च 2019 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए बिजली आपूर्ति नियम 1956 के अनुसार बनाइये।

10 ₹ वाले समता अंश 31 मार्च 2018 को (Equity shares of ₹ 10 each on 31st March 2018)		5,00,000
चालू वर्ष में नया निर्गमन (New issue during current year)		50,000
10 ₹ वाले पूर्वाधिकारी अंश 31 मार्च 2018 को (Preferential Shares of ₹ 10 each on 2018)		3,00,000
6% ऋणपत्र 31 मार्च 09 (6% Debentures on 31.3.18)		1,00,000
6% ऋणपत्र चालू वर्ष में (6% Deb. during current year)		50,000
विविध लेनदार (Sundry Creditors)		32,000
संदिग्ध संचय (Contigency Reserve)		2,385
न माँगा लाभांश (Unclaimed Dividend)		5,000

टिप्पणी

शुद्ध आगम खाता 31-3-18 (Net Revenue A/c. on 31.3.18)		25,000
शुद्ध आगम खाता 31-3-2018 (Net Revenue A/c. on 31.3.2018)		85,000
स्टोर्स (Stores)	7,000	
अन्तरिम लाभांश (Interim Dividend)	15,000	
संचित कोष अंतरण (Transfer to Reserve fund)	17,000	
भवन 31-3-18 (Building on 31.3.18)	5,00,000	
नई मोटर क्रय (New Motor Purchased)	1,40,000	
मेन्स 31.3.18 (Mains on 31.3.18)	1,50,000	
मेन्स में वृद्धि 31-3-2018 (Additions on 31.3.2018)	10,000	
मीटर्स (Meters)	1,20,000	
प्रारंभिक व्यय (Preliminary Expenses)	7,000	
पूर्वाधिकारी लाभांश (Preferential Dividends)	3,000	
संचित कोष विनियोग (Reserve fund Investment)	20,000	
कुल देनदार (Total Debtors)	45,000	
रोकड़ हाथ में (Cash in hand)	26,000	
रोकड़ बैंक में (Cash at Bank)	89,385	
	11,49,385	11,49,385

हल क्रमांक 47

STATEMENT No. 1
Statement of Share & Loan Capital
(for the year ended 31st March 2019)

Description of Capital	Balance of the beginning of the year	Receipts during the year	Redeemed during the year	Balance at the end of the year	Remark
A. Share Capital					
Pref. Shares of ₹ 10 each	3,00,000			3,00,000	
Eq. Shares of ₹ 100 each	5,00,000	50,000		5,50,000	
	8,00,000	50,000		8,50,000	
B. Capital Reserve					
C. Loan Capital					
6% Debentures	1,00,000	5,000		1,50,000	
D. Other Capital					
Total (A+B+C+D)		9,00,000	1,00,000		10,00,000

टिप्पणी

STATEMENT No. 2
Statement of Share & Loan Capital
(for the year ended 31st March 2019)

Description of Capital	Balance of the beginning of the year	Receipts during the year	Redeemed during the year	Balance at the end of the year	Remark
Building	5,00,000			5,00,000	
New Motor		1,40,000		1,40,000	
Mains	1,50,000	10,000		1,60,000	
Meters	1,20,000	—		1,20,000	
Preferenc Exp.	7,000	—		7,000	
Total of Capital Assets ₹				9,27,000	

STATEMENT No. XI
General Balance Sheet
(As on 31st March 2010)

Liabilities		Amt. (₹)	Assets		Amt. (₹)
Capital raised as per St. No. I		10,00,000	Works in use as per St. No. II		9,27,000
Reserves & Surplus			Current Assets :		
Contigency Res.	2,385		Stores	7,000	
Net Revenue	75,000	77,385	Debtors	45,000	
A/c Current liabilities & provisions			Investments	20,000	
Creditors	32,000		Cash in hand	26,000	
Unclaimed Dividend	5,000	37,000	Cash at Bank	89,385	1,87,385
		11,14,385			11,14,385

Note: Net Revenue A/c = 25,000 + 85,000 – 15,000 – 17,000 – 3,000
= 75,000.

उदाहरण– 48

डोम्स इलेक्ट्रिक सप्लाई कं. लि. का 31 मार्च 2019 का तलपट कुछ समायोजनाओं के साथ दिया गया है जो निम्न है।

The Trial Balance of Doms Electric Supply Co. Ltd. For the year ending 31st March 2019 is given below together with some informations:

टिप्पणी

मदें (Items)	₹ नामे (Dr.)	₹ जमा (Cr.)
भूमि व भवन (Land & Building)	3,50,000	
उत्पादन संयन्त्र (Generation Plant)	2,60,000	
ट्रान्सफार्मर इत्यादि (Transformer etc)	7,00,000	
केबल्स लाईन वितरण (Distribution Cables Lines)	2,00,000	
उपस्कर व स्थापन (Furnitures & Fixtures)	40,000	
अंश पूँजी (Share Capital 100 ₹ each)		14,00,000
10% ऋण-पत्र (10% Debentures)		4,00,000
किराया व कर (Rent & Taxes)	50,000	
कोयला भाड़ा (Coal, Carriage)	2,55,000	
संचय कोष विनियोग (Investment of Reserve Fund)	4,00,000	
विविध देनदार (Sundry Debtors)	2,25,000	
विविध लेनदार (Sundry Creditors)		62000
संचय कोष (Reserve Fund)		3,20,000
हस्तस्थ रोकड़ (Cash in hand)	1,60,000	
बैंक में रोकड़ (Cash at bank)	7,50,000	
उत्पादन प्लांट पर मजदूरी (Wages at Generation Plant)	2,00,000	
वितरण मजदूरी (Wages for distribution)	1,00,000	
अशोध्य ऋण (Bad debts)	12,000	
अवशेष की बिक्री (Sale of Scrap)		15,000
ह्रास कोष (Dep. fund)		2,00,000
तेल, पानी, सफाई इत्यादि (Oil, water etc.)	35,000	
कानूनी व्यय (Law Charges)	7,000	
विद्युत बिक्री (Sale of current)		14,00,000
जन विद्युत (Public lighting)	42,000	
ऋणपत्रों को ब्याज (Interest on Debentures)	40,000	
बीमा प्रीमियम (Insurance Premium)	25,000	
अन्तरण शुल्क (Transfer fees)		1,00,000
अंकेक्षण शुल्क (Audit fees)	3,000	
वेतन कर्मचारियों एवं अभियांत्रिकों का (Salaries of Staff & Engineers)		
उत्पादन पर (On generation)	37,000	
वितरण पर (On Distribution)	25,000	
कार्यालय पर (On office)	2,000	
प्रशासन पर (On Administration)	36,000	

मरम्मत व नवकरण (Repairs & Maintenance):		
उत्पादन पर (on generation)	7,000	
वितरण पर (on Distribution)	8,000	
प्रबन्धकीय व्यय (Management Expenses)	15,000	
मीटर किराया (Meter Rent)		1,10,000
स्टोर्स हाथ में (Stores in hand)	25,000	
शेष शुद्ध आगम खाते का (Bal. of Net Revenue A/c)		20,000
	40,27,000	40,27,000

(a) स्थायी सम्पत्ति, पूँजी और ऋण-पत्रों में वृद्धिः

जनरेशन प्लांट (Generation Plant)	60,000	
वितरण केबल्स (Distribution Cables)	50,000	
अंश पूँजी (Share Capital)	2,00,000	
ऋण-पत्र (Debentures)	1,00,000	

(b) वर्ष के दौरान ह्रास का आयोजन किया जाना हैः
(Dep. is to be provided during the year)

Building	10,000	
Generation	30,000	
Transmission	7,000	
Distribution	12,000	
Furnitures	4,000	

(c) विद्युत बिक्री में शामिल है (Sale of Energy includes):

जन विद्युत (Public Lighting)	1,00,000	
शक्ति (Power)	6,00,000	
विशेष उपक्रमों में (Under special contracts)	50,000	

(d) आयोजन करना है (Provide for):

आयकर के लिए (Income Tax).
पिछले वर्ष के लाभों में से 7,500 ₹ संचय कोष को हस्तांतरित करना है।
Contribution to Reserve Fund ₹ 7,500 out of last year's Balance.
Draw out of the Final Accounts:
Under Statutory forms required by Electricity Rules under 1956.

टिप्पणी

हल क्रमांक 48

STATEMENT No. I
Statement of Share & Loan Capital
(for the year ended 31st March 2019)

Description of Capital	Balance of the beginning of the year	Receipts during the year	Redeemed during the year	Balance at the end of the year	Remark
A. **Share Capital** Authorised, Issued & Subs. 14,000 Equity Share of ₹ 100 each	12,00,000	2,00,000		14,00,000	
Total paid up capital	12,00,000	2,00,000		14,00,000	
B. **Capital Reserve** C. **Loan Capital** **10% Debenture**	3,00,000	1,00,000		4,00,000	
Total Loan Capital	3,00,000	1,00,000		4,00,000	
D. **Other Capital**					
Total Capital Raised & Appropriated	15,00,000	1,20,000		18,00,000	

STATEMENT No. II
Statement of Capital Expenditure

Description of Capital	Balance of the beginning of the year	Receipts during the year	Redeemed during the year	Balance at the end of the year	Remark
A. Intangible Assets					
B. Hydraulic power plant					
C. Steam power plant					
D. Interval Combusion power plant					
(i) Land & building	3,50,000			3,50,000	
(ii) Generation plant	2,00,000	60,000		2,60,000	
Total Generation plant	5,50,000	60,000		6,10,000	
E. Transmission etc.	7,00,000			7,00,000	
Total Transmission Plant	7,00,000			7,00,000	
F. Distribution Plant (H.V)					

टिप्पणी

G Distribution plant (N & L.V.) 1. Cables & Lines	1,50,000	50,000		2,00,000	
Total Distribution Plant	1,50,000	50,000		2,00,000	
H. Public lighting I. General Equipment 1. Office Furniture	40,000			40,000	
Total General Equipment	40,000			40,000	
Total Capital Assets in use	14,40,000	1,10,000		15,50,000	

STATEMENT No. III
Statement of Operating Revenue for the Year

Particulars of Revenue	Corresponding Amt. for previous year	Amt. for the year	Remark
A. Net Revenue Sale of Electricity (i) Domestic & Residential (ii) Industrial (iii) Public lighting (iv) Special Contract		 6,50,000 6,00,000 1,00,000 50,000	
Total of Revenue by Sale of Electricity		14,00,000	
B. Miscellaneous Revenue from Consumers (i) Rent from Meters (ii) Transfer Fees		 1,10,000 1,00,000	
Total of Misc. Revenue from Consumers		2,10,000	
C. Other Revenue (i) Sale of Scraps		15,000	
Total of Operating Revenue		16,25,000	
Less: Total operating Expenses As per statement IV Net Surplus Carried to Net Revenue & Appropriation Account X		9,25,000 6,85,000	

टिप्पणी

STATEMENT No. IV
Statement of Operating Expenses of the Year

Particulars of Revenue	Corresponding Amt. for previous year	Amt. for the year	Remark
A. Hydraulic Power Generation			
B. Steam Power Generation			
C. Interval Combustion Power Generation			
(a) Operation:			
1. Fuel	2,55,000		
2. Consumable Stores	35,000		
3. Salaries of Engineers	37,000		
4. Wages	2,00,000		
Total Operation		5,27,000	
(b) Maintenance Repairs	7,000		
Total Maintenance		7,000	
(c) Depreciation (10,000 + 30,000)	40,000	40,000	
Total General Expenses			
D. Power Purchased			
Total Production Expenses		5,74,000	
E. Transmission (H.V.)			
(a) Operation & Maintenance	7,000		
(b) Depreciation		7,000	
F. Distribution (H.V.)			
G. Distribution (L & H.V.)			
(a) Operation & Maintenance			
1. Salaries	25,000		
2. Wages	1,00,000		
3. Repairs & Maintenance	8,000		
(b) Depreciation	12,000		
Total Distribution Expenses			
H. Public lighting			
(a) Operation & Maintenance	42,000		
(b) Depreciation			
Total Public lighting Expenses	1,52,000	7,000	
J. Consumer's Servicing etc.			
K. General Establishment charges			
(i) Salaries of office Executives	36,000		
(ii) Salaries of general office staff	20,000		
(iii) Rent	50,000		
(iv) Rates & Taxes	—		
(v) Depreciation on furniture	1,000		

टिप्पणी

(vi)	Audit Fees	3,000		
(vii)	Legal Services	7,000		
(viii)	Insurance Expenses	25,000		
	Total General Charges		1,42,000	
L.	Other Charges			
	Bad debts	12,000		
	Total other charges		12,000	
M.	Management Expenses	15,000		
	Total Management Expenses		15,000	
	Total Operating Expenses			
	Transferred to St. III		9,40,000	

STATEMENT No. X
Net Revenue & Appropriate on Account

Corresponding figures of pre. year	Particulars	Amt. (₹)	Corresponding figures of pre. year	Particulars	Amt. (₹)
	To Contigency Reserve	7,750		By Bal. b/f	
	To Taxes on Income	72,250		From last year 20,000	
	To Interest on Debenture	40,000		***Less:*** Gen. Reserve 7,500	12,500
	To Balance of profit Carried over	5,77,500		By Operating Surplus Statement III	6,85,000
		6,97,500			6,97,500

STATEMENT No. XI
General Balance Sheet
As on 31st March 2019

Corresponding figures of pre. year	Particulars	Amt. (₹)	Corresponding figures of pre. year	Particulars		Amt. (₹)
1.	Capital raised & appropriated statement I	18,00,000		Capital Expenditure Statement II		15,50,000
	Reserve & Surplus :			***Less:***		
	Contigency Reserve	7,750		Depreciation Fund (Statement V)		
	Reserve Fund	3,27,500		(2,00,000 + 63,000)		(2,63,000)
	Balance of Net Revenue & Appropriation Account			Net Block		
				Current Assets		12,87,000
				Stores & Materials	25,000	
	Statement X	5,77,500		Sundry Debtors	2,25,000	
	Current Liabilities & Provisions :			Investment	4,00,000	
				Balance at Bank	7,50,000	
	Creditors on open Account	62,000		Cash in hand	1,60,000	15,60,000
	Account payable (I-Tax)	72,250				
		28,47,000				28,47,000

टिप्पणी

उदाहरण– 49

रामभरोसे पॉवर कम्पनी लि. की पुस्तकों में 31 मार्च 2019 को निम्न शेष थे।

The following are the balances on 31st March 2019 in the books of the Ram Bharose Power Co. Ltd.

	Dr.	Cr.
भूमि 1 अप्रैल 2018 को (Land on 1st April 18)	4,00,000	
भूमि क्रय की वर्ष के दौरान (Land purchased during the year)	50,000	
संयन्त्र 1 अप्रैल 2018 को (Plant on 1 April 18)	5,00,000	
संयन्त्र क्रय वर्ष में (Plant purchased during the year)	1,00,000	
मेन्स लगाने की लागत सहित (Mains, including cost of laying)	3,00,000	
मेन्स क्रय वर्ष में (Mains purchased in year)	30,000	
समता अंश (Equity shares)		6,00,000
ऋण-पत्र (Debentures)		4,00,000
विविध लेनदार (Sundry Creditors)		12,000
ह्रास कोष लेखा (Dep. fund A/c)		2,40,000
विविध देनदार बिजली आपूर्ति हेतु (Sundry Debtors for Current Supply)	1,60,000	
अन्य देनदार (Other Debtors)	15,000	
रोकड़ (Cash)	35,000	
बिजली उत्पादन व्यय (Cost of Generation of Electricity)	2,15,000	
बिजली वितरण व्यय (Distribution of Electricitiy)	25,000	
किराया दर व कर (Rent, Rate & Taxes)	12,500	
प्रबन्ध व्यय (Management Exp.)	27,500	
ह्रास (Depreciation)	25,000	
विद्युत बिक्री (Sale of Current)		6,34,000
मीटर्स किराया (Rent of meters)		24,000
ऋण-पत्रों पर ब्याज (Interest on Debentures)	30,000	
अन्तरिम लाभांश (Interim Dividend)	25,000	
शेष 1 अप्रैल 2018 को (Balance on 1st April 2018)		40,000
	19,50,000	19,50,000

उपर्युक्त शेषों से पूँजी खाता, सामान्य चिट्ठा एवं आगम खाते तैयार कीजिए।

From the above Balances Prepare Capital A/c, General B/s and Revenue A/c.

हल क्रमांक 49

टिप्पणी

Ram Bharose Power Revenue A/c
(for the year ended 31st March 2019)

To cost of generation of Electricity	2,15,000	By Sale of Current	6,34,000
To cost of Distri. of Electricity	25,000	By Meter Rent	24,000
To Rent, Rate & Taxes	12,500		
To Mangt. Expenses	27,500		
To Depreciation	25,000		
To Balance c/d to Net Revenue A/c	3,53,000		
	6,58,000		6,58,000

Net Revenue A/c
(for the year ended 31st March 2019)

To Interest on Debentures	30,000	By Bal. b/d	40,000
To Interim Dividend	25,000	By Bal. transfer From Revenue A/c	3,53.000
To Bal. Carried to gen. b/s	3,88,000		
	3,93,000		3,93,000

Receipts & Expenditure on Capital A/c
(for the year ended 31st March 2019)

Expenditures	Previous year	During year	Total	Receipts	Previous year	During year	Total
To Land	4,00,000	50,000	4,50,000	By Equity shares	6,00,000	—	6,00,000
To Plant	5,00,000	1,00,000	6,00,000	By Debentures	4,00,000	—	4,00,000
To Mains.	3,00,000	30,000	3,30,000	By Balance on Capital A/c			3,80,000
	12,00,000	1,80,000	13,80,000		10,00,000	—	13,80,000

टिप्पणी

General Balance Sheet
(as on 31st March 2019)

Capital Account (Amount Received)	10,00,000	Capital A/c (Amt. expended for work)	13,80,000
Sundry Creditors	12,000	Sundry Debtors for Current supply	1,60,000
Net Revenue A/c Bal.	3,38,000	Other Debtors	15,000
Dep. Fund A/c	2,40,000	Cash	35,000
	15,90,000		15,90,000

उदाहरण– 50

निम्न आंकड़े भेल इलेक्ट्रिक सप्लाई कम्पनी के हैं। इसके अन्तिम खाते दोहरा लेखा प्रणाली के अनुसार बनाइये।

The figures given below relate to the BHEL Electric Supply Co. Ltd. Prepare its final account on Double Account System.

अधिकृत पूँजी 5,00,000 समता अंश प्रत्येक 10 ₹ का 1,00,000 पूर्वाधिकारी अंश प्रत्येक 10 ₹ का।

(Authorised Capital 10,00,000 Equity Shares of Re 10 each 1,00,000 Preference Shares of ₹ 10 each).

साधारण अंश (Subscribed Capital)		8,50,000
पूर्वाधिकारी अंश (Equity shares)		6,00,000
बन्धक ऋण-पत्र 10% (10% Mortgage Deb.)		2,00,000
समता अंश पर प्रीमियम जो पूँजी कोष में रखी है (Premium on Equity shares place to Cap. Reserve)		85,000
फ्रीहोल्ड भूमि व भवन (Freehold Land & Building)	2,50,000	
मशीन एवं यन्त्र (Machinery & Plant)	4,50,000	
मेन्स (Mains)	2,10,000	
मीटर्स (Meters)	80,000	
बिजली उपकरण (Electrical Instruments)	1,50,000	
कार्यालय उपस्कर (Office Furniture)	10,000	
विद्युत बिक्री मीटर किराये सहित (Sale of Current with Rent of Meters)		5,51,000
हस्तांतरित शुल्क (Transfer Fees)		1,000
विविध प्राप्तियाँ (Sundry Receipts)		20,000
विद्युत निर्माण (Generation of Electricity)	1,10,000	

टिप्पणी

विद्युत वितरण (Distribution of Electricity)	90,000	
लेम्पस की मरम्मत (Repairs of Lamps)	10,000	
किराया एवं कर (Rent & Taxes)	5,000	
प्रबन्ध व्यय (Management Expenses)	17,000	
उपभोक्ताओं के निक्षेप पर ब्याज (Interest on Customers Deposits)	10,000	
ऋण-पत्रों पर ब्याज (Interest on Debentures)	20,000	
ह्रास एवं नवीनीकरण (Dep. & Renewals)	1,00,000	
बैंक निक्षेप पर ब्याज (Int. on Bank Deposits)		35,000
ह्रास एवं नवीनीकरण कोष (Dep. & Renewal Fund)		2,10,000
विविध लेनदार (उपभोक्ता निक्षेप सहित) (Sundry Creditors (with Customers Deposit)		30,000
विविध देनदार (Sundry Debtors)	1,20,000	
बैंक में जमा रोकड़ (Cash at Bank)	5,00,000	
विनियोग (Investments)	4,00,000	
हस्तस्थ रोकड़ (Cash in hand)	50,000	
	25,82,000	25,82,000

हल क्रमांक 50

Revenue A/c
(for the year ending 31st March 2018)

To generation of electricity	1,10,000	By Sale of current (including Rent & Meter)	5,51,000
To Distribution of electricity	90,000		
To Repair of lamps	10,000	By Transfer Fees	1,000
To Management Exp.	17,000	By Sundry Receipts	20,000
To Dep. & Renewals	1,00,000		
To Rent & Taxes	5,000		
To Balance carried to Net Revenue A/c	2,40,000		
	5,72,000		5,72,000

टिप्पणी

Net Revenue A/c
(for the year ended 31st March 2018)

To Interest on Consumers Deposits	10,000	By Bal. (From Rev. A/c)	2,40,000
To Interest on Debentures	20,000	By Int. on Bank Deposit	35,000
To Bal. c/d	2,40,000		
	2,75,000		2,75,000

Capital A/c
(for the year ended 31st March 2018)

Expenditure	Previous year	During year	Total	Receipts	Previous year	During year	Total
To Free Hold Land & Building	2,50,000	—	2,50,000	By Equity shares	8,00,000	50,000	8,50,000
To Mach. & Plant	4,00,000	50,000	4,50,000	By Prefer. shares	5,00,000	1,00,000	6,00,000
To Mains	1,50,000	60,00	2,10,000	By Mortgage Debenture	2,00,000		2,00,000
To Meters	60,000	20,000	80,000				
To Electricity Inst.	1,20,000	30,000	1,50,000				
To Furnitures	10,000	—	10,000				
Total ₹	9,90,000	1,60,000	11,50,000		15,00,000	1,50,000	16,50,000
To Bal.			5,00,000				
			16,50,000				16,50,000

General Balance Sheet
(as on 31st March 2018)

Liabilities	Amt. (₹)	Assets	Amt. (₹)
Total of Capital A/c	16,50,000	Total of Capital A/c	11,50,000
Sundry Creditors	30,000	Sundry Debtors	1,20,000
Net Revenue A/c	2,45,000	Investment	4,00,000
Capital Reserve	85,000	Cash at Bank	5,00,000
Dep. & Renewal Fund	2,10,000	Cash in hand	50,000
	22,20,000		22,20,000

उदाहरण– 51

एवरेडी इलेक्ट्रिक कं. लि. का 31 मार्च 2019 का तलपट निम्न है–

Following is the trial Balance of Eveready Electric Co. Ltd. on 31st March 2019–

टिप्पणी

तलपट (Trial Balance)

विवरण (Particulars)	Dr.	Cr.
पूँजी (Capital)		
15,000 समता अंश 100 ₹ वाले पूर्णदत्त		
(15.000 Equity shares of ₹ 100 each Fully paid)		15,00,000
अंश निर्गमन पर प्रीमियम (Premium on shares Issues)		50,000
ऋण-पत्र (Debentures)		5,00,000
निवेश संचय (Investment Reserve)		35,000
ऋण-पत्रों पर अदत्त ब्याज		
(Accrued Interest on Debentures)		25,000
ऋण-पत्र धारियों के प्रन्यासियों का पारिश्रमिक		
(Remuneration of Trustees for Deb. holders)	6,200	
विनियोग पर ब्याज (Interest on Investments)		6,000
शुद्ध आगम लेखा (Net Revenue A/c) (1st April 2009)		1,32,000
कुल लेनदार (Total Creditors)		2,000
अवक्षयण संचित (Depreciation Reserve)		1,65,000
मीटर से बिक्री (Sale by Meter)		4,95,000
अनुबन्ध से बिक्री (Sale by Contract)		2,99,000
मीटर किराया (Meter Rent)		33,000
मरम्मत एवं नवीनीकरण संचय		
(Repairs & Renewals Reserve)		27,000
मशीनरी (Machinery)	10,00,000	
मेन्स (Mains)	1,37,800	
मीटर्स (Meters)	2,00,000	
कुल देनदार (Total Debtors)	1,50,000	
उपस्कर (Furniture)	75,000	
अवक्षयण (Depreciation)	1,25,000	
सरकारी सहायता (Govt. Subsidy)		45,000
भुमि एवं भवन (Land & Building)	7,00,000	

टिप्पणी

विनियोग (Investments)	3,20,000	
पर ब्याज (Interest on Debentures)	50,000	
Management Exps. (प्रबन्ध व्यय)	62,500	
General Exps. (सामान्य व्यय)	72,890	
Distribution Exps. (वितरण व्यय)	14,610	
मरम्मत एवं नवीनीकरण पर वास्तविक व्यय		
(Actual Exps. on Rep. & Renewals)	35,000	
कोयला, तेल आदि स्कन्ध में (Coal, Oil in stock)	1,65,000	
हस्तस्थ रोकड़ (Cash in hand)	2,00,000	
	33,14,000	33,14,000

दोहरा लेखा पद्धति के अंतर्गत लेखे निम्न सूचनाओं को तैयार करिए–

(i) वर्ष के मध्य कंपनी ने भूमि और भवन पर 1,00,000 ₹, मशीनरी पर 2,50,000 ₹, मेन्स पर 7800 ₹, अतिरिक्त व्यय किये। गये इस उद्दश्य के लिए कंपनी ने 5000 समता अंश 10% प्रीमियम पर और 1,00,000 ₹ के ऋणपत्र अंकित मूल्य पर निर्गमित किये। इन पर पूरी राशि प्राप्त हो गई।

(ii) मरम्मत एवं नवीनीकरण संचय के लिए प्रतिवर्ष आगम खाते से 10,000 ₹ हस्तांतरित किये जाते हैं।

(iii) वर्ष के करों के दायित्व के लिए 30,000 ₹ की व्यवस्था कीजिए। समता अंशों पर संचालकों ने 10% लाभांश का भुगतान घोषित किया है। स्थायी संपत्तियों पर ½% संदिग्ध संचय करना है।

Prepare final account according to double account system after taking the following into consideration–

(a) During the year company incurred additional expenditure of 2,06,250 ₹ on Land & Building, ₹ 70,400 on Machinery, ₹ 33,000, on mains, for this purpose the company had issued 5,000, Equity Shares at a premium of 10% & Debentures of the face value of ₹ 1,00,000 these shares and debentures were fully subscribed & paid-up.

(b) The Repairs and renewals reserves had been maintained by charging to revenue each year with a fixed sum of ₹ 10,000.

(c) Provide ₹ 30,000 for the years liabilities for taxation. The directors have recommended the payment of demdend at 10% on Equity Shares create ½% Contigency Reserve on fixed Assets.

टिप्पणी

हल क्रमांक 51

Eveready Electric Co. Ltd.
Revenue A/c
(for the year ended 31st March 2019)

Liabilities	Amt. (₹)	Assets	Amt. (₹)
To General Exps.	72,890	By Sale by Meter	4,95,000
To Distribution Exps.	14,610	By Sale by contract	2,99,000
To Exps. on Management	62,500	By Meter Rent	33,000
To Dep.	1,25,000		
To Repairs & Renewals	10,000		
To Bal. c/d	5,42,000		
	8,27,000		8,27,000

Net Revenue A/c

Liabilities	Amt. (₹)	Assets	Amt. (₹)
To Debentures Interest	50,000	By Balance B/d	1,32,000
To Reserve for Contingency	10,564	By In. on Investments	6,000
To Remuneration of trustees for Debenture Holders	6,200	By Govt. Subsidy	45,000
		By Revenue A/c	5,42,000
To Liabilities for Taxation	30,000		
To Dividend on equity shares	1,50,000		
To Balance c/d	4,78,236		
	7,25,000		7,25,000

टिप्पणी

Capital A/c

Expenditures	Previous year	During year	Total	Receipts	Previous year	During year	Total
To Land & Building	6,00,000	1,00,000	7,00,000	By Capital	10,00,000	5,00,000	15,00,000
To Machinery	7,50,000	2,50,000	10,00,000	By Debentures	4,00,000	1,00,000	5,00,000
To Mains	1,30,000	7,800	1,37,800	By Premium on Issue of shares		50,000	50,000
To Meters	2,00,000		2,00,000				
To Furnitures	75,000		75,000				
	17,55,000	3,57,800	21,12,800		14,00,000	6,50,000	20,50,000
							62,800
			21,12,800				21,12,800

General Balance Sheet
(as on 31st March 2019)

Liabilities	Amt. (₹)	Assets	Amt. (₹)
Capital A/c	20,50,000	Capital A/c	21,12,800
Investment Reserve	35,000	Investments	3,20,000
Accrued Deb. Interest	25,000	Sundry Debtors	1,50,000
Sundry Creditors	2,000	Coal, Oil etc in Stock	1,65,000
Dep. Reserve	1,65,000	Cash in hand	2,00,000
Repairs & Renewal Reserve	2,000		
Contingency Reserve	10,564		
Net Revenue A/c	4,78,236		
Proposed Dividend on Equity shares	1,50,000		
Liability for Taxation	30,000		
	29,47,800		29,47,800

1. Repairs & Renewals Reserve (27000 + 10000 – 35000 = 2000)

अपनी प्रगति जाँचिए (Check Your Progress)

5. बिजली कम्पनियों के लेखे किस पध्दति से रखे जाते है।

(क) दोहरा लेखा पध्दति (ख) दोहरा खाता विधि

(ग) पूँजी खाता विधि (घ) उपरोक्त में से कोई नही

6. बिजली (पूर्ती) अधिनियम किस वर्ष में बना था।

(क) 1910 (ख) 1930

(ग) 1940 (घ) 1948

2.5 अपनी प्रगति जाँचिए प्रश्नों के उत्तर (Answers to Check Your Progress)

1. (क)
2. (ख)
3. (क)
4. (घ)
5. (ख)
6. (घ)

2.6 सारांश (Summary)

प्रत्येक व्यवसाय में ख्याति का बहुत महत्व होता है। ख्याति किसी व्यवसाय की भविष्य की अतिरिक्त आय का वर्तमान मुल्य होता है। ख्याति ज्ञात करने के लिये औसत लाभ विधि, अधिलाभ विधि तथा वार्षिक विधि का प्रयोग किया जाता है। ख्याति ज्ञात करने को अधिलाभ विधि सबसे अच्छी विधि मानी जाती है।

निगमों के अंशों का मूल्य ज्ञात करके बाजार मूल्य की गणना की जाती है। जिससे प्रत्येक अंश का मूल्य ज्ञात हो जाता है। किसी भी कम्पनी के अंशों का मूल्य कम्पनी की सम्पत्तियों एवं कम्पनी द्वारा अर्जित किये गये लाभ के आधार पर मूल्यांकित की जाती है। अंशों के मूल्यांकन हेतु शुद्ध सम्पत्ति विधि, आय मूल्यांकन विधि एवं उचित मूल्य विधि का प्रयोग किया जाता है। अंशों का मूल्य ज्ञात करने के लिये सम्पत्तियों के शुद्ध मूल्य एवं बाहरी दायित्वों की गणना की जाती है।

दोहरा प्रविष्टि प्रणाली से सभी परिचित है। लेकिन सार्वजनिक उपयोगिता कम्पनी के खाते दोहरा खाता प्रणाली पर आधारित होते है। दोहरा खाता प्रणाली, सार्वजनिक कार्य में लगी डुई रेल्वे, गैस एवं बिजली आदि कम्पनियों के लिये प्रयोग की जाती है। इस प्रणाली में सार्वजनिक कम्पनियों के अन्तिम खातों में पूँजी खाता आगम खाता तथा चिट्ठा सम्मलित होता है। दोहरा खाता प्रणाली में चिट्ठे का दो भागों में प्राप्ति भुगतान खाता तथा सामान्य चिट्ठे के रुप में बनाया जाता है।

2.7 मुख्य शब्दावली (Key Terminology)

- **ख्यातिः** व्यापार की प्रतिष्ठा
- **औसतः** कई वर्षों के लाभ के जोड़ को उन वर्षों के योग से भाग देने पर प्राप्त संख्या
- **विनियोजित पूँजीः** शुद्ध सम्पत्तियों में से बाहरी दायित्वों को घटाने के बाद आयी राशि
- **वास्तविक आयः** अर्जित आय
- **लाल की सामान्य दरः** उसी प्रकार का व्यवसाय करने वाली कम्पनी द्वारा अपने अंशधारियों को दी जाने वाली दर
- **अस्थायी सम्पत्तियाँः** चालू सम्पत्तियाँ

2.8 स्व-मूल्यांकन प्रश्न एवं अभ्यास (Self Assessment Questions and Exercises)

टिप्पणी

सैद्धान्तिक प्रश्न (Theoretical Questions)

1. अंशों का मूल्यांकन क्यों किया जाता है?
2. अंशों के मूल्यांकन की विभिन्न विधियों का वर्णन कीजिए।
3. अंशों के उचित मूल्य से आप क्या समझते हैं?
4. क्या पूर्वाधिकार अंशों के मूल्यांकन की प्रक्रिया समता अंशों के मूल्यांकन से भिन्न है?
5. अंशों के आन्तरिक मूल्य एवं आय मूल्य में क्या अन्तर है?
6. अंशों के मूल्यांकन की उत्पादकता घटक पद्धति किस तरह के व्यवसायों के लिये उपयुक्त है?
7. अंशों का उचित मूल्य क्या होता है?
8. अंशों के मूल्यांकन की आवश्यकता कब पड़ती है।
9. लेखांकन प्रमाप–20 में किस मद का उल्लेख है।
10. लाभ की सामान्य दर को समझाइए।
11. दोहरा खाता पद्धति से क्या आशय है? इसके लाभों व सीमाओं का वर्णन कीजिए।

    What is meant by 'Double Account System'? Discuss its merits & limitations.
12. दोहरा खाता पद्धति एवं दोहरा लेखा पद्धति में अन्तर बताइये।

    Distinguish with Double Account System & Double Entry System.
13. दोहरा खाता पद्धति के प्रमुख तत्वों की व्याख्या कीजिए।

    Explain the salient features of Double Account System.
14. किन-किन कम्पनियों द्वारा दोहरा खाता पद्धति अपनायी जाती है? व्याख्या कीजिए।

    Which companies are used Double Account System? Explain.
15. 'उचित प्रत्याय' का अर्थ बिजली कम्पनी के संदर्भ में स्पष्ट कीजिए।

    Explain the meaning of 'Reasonable Return' in case of Electricity Companies.
16. उचित प्रत्याय से अधिक अतिरिक्त लाभ का किस प्रकार प्रयोग किया जाता है?

    How will you deal with the surplus profits over the above the reasonable return.
17. बिजली कम्पनी के अन्तिम खातों से आप क्या समझते हैं?

    What do you understand by Final Accounts of Electricity Company?

18. सार्वजनिक उपयोग वाली कम्पनी के प्राप्ति व भुगतान खाते एवं सामान्य चिट्ठे पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।

    Write Short note on Receipt & Payment on Capital Account & General Balance Sheet of a Public utility Concern.

19. संदिग्ध संचय से आपका क्या आशय है?

    What do you meant by Contingency Reserve?

20. दोहरा खाता प्रणाली के अन्तर्गत एक सम्पत्ति की पुनः स्थापना कैसे की जाती है?

    How to replace of Assets under Double Account System.

21. वितरण योग्य आधिक्य को समझाइए।

    Explain Disposable Surplus.

22. स्पष्ट लाभ की गणना कैसे की जाती है?

    How to Calculate clear profit?

23. प्राप्ति भुगतान खाते का प्रारूप दीजिए।

    Give a Specimen of Reccipts & Payment account on capital.

क्रियात्मक प्रश्न (Practical Question)

1. A limited decided to purchase the business of B Limited on 31st March, 2019. Its profits for the last four years are as follows.

2016	₹ 1,00,000
2017	₹ 1,25,000
2018	₹ 1,20,000
2019	₹ 1,45,000

   Find out the amount of Average Proft.

   Ans.: Average Profit ₹ 61,250

2. Amit limited decided to purchase the business of Sachin Limited on 31st March, 2019. Its profits for the last five years are as follows.

2016	₹ 1,20,000
2017	₹ 1,29,000
2018	₹ 1,50,000
2019	₹ 1,65,000
2020	₹ 12,000 (Loss)

   Find out the amount of Average Profit.

   Ans.: Average Profit ₹ 38,400

3. Valuation of Goodwill of Arun Limited as at 31st March 2018 from the following particulars.

टिप्पणी

Profit for the last five years are as under–

Year	Profit
2014	₹ 25,000
2015	₹ 32,500
2016	₹ 45,000
2017	₹ 65,000
2018	₹ 62,500

The business was looked after by the owner, the remuneration of the same business is ₹ 7,500 per annum.

Goodwill are valued on the basis of last three years purchase of the average net profit of last five years.

Ans.: Average Profit – ₹ 38,500

Goodwill ₹ 1,15,500

4. R.K Limited sold his business to D.R. Limited on 30th June, 2018 for ₹ 4,00,000. You are required to Calculated Goodwill according to Average Profit Method from the following information.

   Goodwill should be valued at two years purchase of the average profit, which for the last years are as–

Year	Profit
2016	₹ 2,80,000
2017	₹ 4,07,000
2018	₹ 3,70,000

   Abnormal loss of ₹ 14,000 has reduced the profit of the year 2016. The profit for the year 2017 includes a nonrecurring profit of ₹ 24,000. An Income received from Bingo game of ₹ 34,000. ₹ 70,000 as depreciation on such machinery which was destroyed by fire in the previous year, 2018.

   Ans.: Average Profit ₹ 3,61,000

   Goodwill ₹ 7,22,000

5. From the following information, calculate the value of Goodwill taking three years purchase of Super Profit.
   (a) Average Capital Employed ₹ 18,00,000.
   (b) Profits for last three years were ₹ 3,45,000, ₹ 2,99,250 and ₹ 2,87,950.
   (c) Normal rate of return is 12%.
   (d) Remuneration to the proprietor is ₹ 36,000 per annum.
   (e) Total assets is ₹ 20,00,000.
   (f) Current Liabilities is ₹ 1,22,000.

   Ans.: Super Profit – ₹ 58,800

   Goodwill ₹ 1,76,400

टिप्पणी

6. Following are the information relating to the ABC Limited.

   Average Capital Employed ₹ 1,00,000.

   Normal Rate of Return 10%.

   Profit for last five years are as under–

I	₹ 15,000
II	₹ 16,000
III	₹ 17,000
IV	₹ 18,000
V	₹ 20,000

   Non-recurring profit included of ₹ 1,200 on an average basis.

   Remuneration of proprietor is ₹ 800 per annum that is not charged to profit and loss accounts.

   Find out the value of Goodwill as per five-year purchase of Super Profit.

   Ans.: Goodwill ₹ 26,000

7. You are required to calculate Goodwill as per three-year purchase of Super Profit from the following information relating to the Shan Limited.

   (a) Average profit ₹ 52,000.

   (b) Normal rate of Return on Profit is 10%.

   (c) Total assets of the business is ₹ 4,25,000.

   (d) Total External Liabilities of the business is ₹ 1,25,000.

   Ans.: Goodwill ₹ 66,000

8. You are required to calculate the Goodwill as per five years purchase of Super Profit. If the rate of Normal profit is 10%. The Balance Sheet of Ravi Limited gives the following position.

Balance Sheet

Liabilities	Amount	Assets	Amount
Share Capital 5,250 Equity shares @ ₹ 100 each fully paid	5,25,000	Goodwill	72,000
Reserve Fund	37,500	Machinery	2,25,000
Profit and Loss A/c	24,250	Building	1,99,000
Creditors	1,52,500	Furniture	75,000
Bills Payable	32,750	Debtors	51,000
		Stock	39,000
		Cash balance	78,000
		Preliminary Exp.	33,000
	7,72,000		7,72,000

टिप्पणी

Profits for last five years are as follows–

I	₹ 25,000
II	₹ 20,500
III	₹ 30,750
IV	₹ 40,375
V	₹ 48,375

Ans.: Goodwill ₹ 34,125

9. The following Balance Sheet of Ramesh Limited as on 31st March, 2018.

Liabilities	Amount	Assets	Amount
Share Capital 9,000 Equity shares @ ₹ 10 each fully paid	90,000	Goodwill	10,000
Reserve Fund	90,000	Machinery	1,50,000
6,000 Pref. Shares @ ₹ 10 each	60,000	Investment	20,000
Creditors	25,000	Debtors	50,000
Provision for Taxation	10,000	Stock	80,000
9% Debentures	50,000	Discount on issue of Shares	3,500
		Preliminary Exp.	7,500
		Profit and Loss A/c	4,000
	3,25,000		3,25,000

Profit for last three years are as under–

I	₹ 29,500
II	₹ 32,500
III	₹ 34,000

The Remuneration of proprietor is ₹ 1,000 an average included in above profits. Normal rate of return is 10%. The market value of Machinery is ₹ 5,000 more. Calculate Goodwill by using capitalized method of Super Profit and Average profit of the firm. Assume that super profit based on average employed.

Ans.: Goodwill by Super Profit method ₹ 1,17,000

Goodwill by Average Profit method ₹ 1,50,000

टिप्पणी

10. Ascertain the value of Goodwill of X Limited from the following particulars.
   (a) The average profit before provision for taxation is ₹ 4,50,000.
   (b) The rate of Taxation is 50%.
   (c) The normal rate of return is 12%.
   (d) The Valuation of Goodwill according to capitalzed value of average profit.
   (e) The Balance Sheet of company given below.

Balance Sheet

Liabilities	Amount	Assets	Amount
Share Capital 12,500 Equity shares @ ₹ 100 each fully paid	12,50,000	Goodwill	1,25,000
Bank Overdraft	2,40,000	Machinery	5,00,000
Profit and Loss A/c	3,00,000	Land and Building	5,50,000
Creditors	4,02,500	Debtors	4,80,000
Provision for Taxation	2,12,500	Stock	7,50,000
	24,05,000		24,05,000

Ans.: Capital Employed ₹ 15,50,000
Goodwill ₹ 3,25,000

11. Find out the Goodwill as per annuity method from the following particulars–
   1. Present value of an annuity of Re. 1 for five years at 105 is ₹ 3.78.
   2. Normal rate of Profit is 10%.
   3. The average profit for last three years are ₹ 17,200.
   4. Average capital employed ₹ 150,000.

   Ans.: Goodwill ₹ 8,316

12. एक व्यवसाय का अधिलाभ 1,25,000 ₹ है अधिलाभ को पाँच वर्षों में 25,000 ₹ के भाग में विभक्त किया गया है। ख्याति की गणना कीजिए।
13. निम्न जानकारी के आधार पर ज्ञात कीजिए–
   (a) औसत लाभ विधि द्वारा ख्याति
   (b) अधिलाभ द्वारा ख्याति की गणना
   (c) पूँजीकरण विधि द्वारा

टिप्पणी

31 मार्च, 2019 को सोना लि. का चिट्ठा निम्न प्रकार है।

Liabilities	Amt. (₹)	Assets		Amt. (₹)
Share Capital		Goodwill		1,25,000
10,000 shares		Land &		
@ ₹ 10 each	1,00,000	Building	1,80,000	
Reserve Fund	50,000	*Less:*		
Workmen's Profit	25,000	Depreciation	36,000	1,44,000
Sharing Fund	1,25,000	Investments	3,60,000	
Profit & Loss A/c	1,12,500	*Less:*		
Creditors	4,75,000	Provision	30,000	3,30,000
Other Liabilities	1,12,500	Debtors		1,00,000
		Stock		2,00,000
		Cash at Bank		75,000
		Preliminary		26,000
	10,00,000			10,00,000

अतिरिक्त जानकारियाँ

(1) कम्पनी के पिछले तीन वर्षों के लाभ इस प्रकार हैं।

2017	₹ 2,10,000
2018	₹ 2,03,000
2019	₹ 2,60,000

उपरोक्त समस्त लाभ कर की दर 50% प्रयोग करने के पूर्व के हैं।

(2) कम्पनी पिछले कई वर्षों से व्यापार का संचालन कर रहीं है। कम्पनी एक नयी कम्पनी को क्रय करना चाहती है, इस उद्देश्य से ख्याति की गणना औसत लाभ विधि एवं अधिलाभ विधि द्वारा दो वर्षीय क्रय के आधार पर भी करनी है।

(3) कम्पनी अपने ही संचालक मंडल द्वारा व्यापार करना चाहती है, बिना किसी अतिरिक्त संचालक के। कम्पनी अपने संचालक को 12,000 ₹ प्रतिवर्ष शुल्क देती है।

(4) कम्पनी अब बड़े पैमाने पर व्यापार करने के इच्छुक है इसके लिये कम्पनी एक अतिरिक्त कार्यालय को 15,000 ₹ प्रति वर्ष के किराये पर लिया है।

(5) 31 मार्च, 2019, को भूमि व भवन का मूल्यांकन 2,90,000 ₹ विनियोग व रहनिये के मूल्य में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है। एवं

(6) वर्कमेन क्षतिपूर्ति संचय के वास्तव में 4,600 ₹ भुगतान किये गये है।

(7) समान व्यवसाय में आय की दर 12% है।

(8) विनियोग प्लांट एवं मशीनरी के लिये लिया गया है सभी गणनाए मुख्य भाग में दिखाना आवश्यक है।

टिप्पणी

14. 31 मार्च, 2019 को मि. यश को चिट्ठा निम्न स्थिति को प्रदर्शित करता है।

Liabilities	Amt. (₹)	Assets	Amt. (₹)
Capital	5,00,000	Land & Building	2,20,000
Creditors	1,90,000	Plant & Machinery	3,00,000
Bank Loan	1,70,000	Furniture	2,64,000
Bills Payable	15,000	Stock	26,000
Outstanding Exp.	25,000	Cash at Bank	90,000
	9,00,000		9,00,000

31 मार्च 2019 को व्यवसाय का पाँच वर्षों का लाभ इस प्रकार था।

I	₹ 1,20,000
II	₹ 89,000
III	₹ 98,000
IV	₹ 99,000
V	₹ 1,31,000

सम्पत्तियों का पूर्नमूल्यांकन इस प्रकार था

The assets were revalued as under

Land & Building	₹ 2,80,000
Machinery	₹ 2,94,000
Furniture	₹ 2,20,000

औसत लाभ विधि के पूँजीकरण के आधार पर ख्याति की गणना कीजिए। यदि लाभ की सामान्य दर 10% हो।

15. अंकिता लिमिटेड का चिट्ठा 31 मार्च, 2018 को निम्नानुसार था।

Liabilities	Amt. (₹)	Assets	Amt. (₹)
Share Capital		Goodwill	2,25,000
10,000 Equity shares		Land & Building	2,75,000
@ ₹ 100 each	10,00,000	Plant	4,01,500
Profit & Loss A/c	2,75,000	Stock in Trade	4,50,500
Loans	3,50,000	Book debts	6,62,500
Creditors	3,75,000	Cash at Bank	35,500
Provision for Taxation	50,000		
	20,50,000		20,50,000

टिप्पणी

व्यापार प्रारम्भ करने की तिथि से कम्पनी के लाभ इस प्रकार है।

2014	₹ 4,40,000
2015	₹ 3,90,000
2016	₹ 2,75,000
2017	₹ 4,80,000
2018	₹ 5,55,000

लाभांश 2014, 2015, 2016 में 10% की दर से था एवं 2017 व 2018 में 15% की दर से था।

ख्याति की गणना कीजिए यदि कर की दर 50% है एवं यंत्र का मूल्य 5,05,000 है। अधिलाभ के पूँजीकरण विधि का प्रयोग करिए।

16. मि. A के पास 5,000 समता अंश पूर्णदत्त वाले हैं। कम्पनी का वार्षिक शुद्ध लाभ 14,000 ₹ है इसी प्रकार का व्यवसाय करने वाले अन्य कम्पनी को 14% की दर से आय प्राप्त होती है। आय मूल्यांकन विधि द्वारा प्रति अंश का मूल्यांकन कीजिए।

1. विद्यार्थी कम्पनी का स्थिति–विवरण निम्नलिखित है–

दायित्व		सम्पत्तियाँ	
पूँजी–		भूमि	1,35,000
100 ₹ प्रति अंश के		भवन	4,20,000
6000 पूर्ण दत्त अंश	6,00,000	यन्त्र एवं मशीनरी	3,60,000
संचय कोष	1,40,000	स्टॉक	2,00,000
कर्मचारी बचत खाता	40,000	प्रारम्भिक व्यय	5000
श्रमिक सुरक्षा निक्षेप	50,000	पुस्तकीय ऋण	40,000
ह्रास कोष खाता	1,05,000		
लेनदार	1,20,000	रोकड़ एवं बैंक शेष	5000
लाभ-हानि खाता	1,10,000		
	11,65,000		11,65,000

ह्रास कोष उचित ह्रास से 5000 ₹ अधिक है। अंश का आन्तरिक मूल्य ज्ञात कीजिए।

टिप्पणी

17. निम्नलिखित स्थिति–विवरण से, समता अंश का मूल्यांकन कीजिए–

दायित्व		सम्पत्तियाँ	
100 ₹ प्रति अंश के 5000		सम्पत्तियाँ (पुस्तकीय मूल्य)	15,00,000
5% पूर्वाधिकार अंश	5,00,000		
10 ₹ प्रति अंश के			
80,000 समता अंश	8,00,000		
लेनदार	2,00,000		
	15,00,000		15,00,000

75% सम्पत्तियों का बाजार मूल्य पुस्तकीय मूल्य से 10% अधिक तथा शेष 25% संपत्तियों का पुस्तकीय मूल्य से 5% कम सोचा जा रहा है। 5,000 ₹ का एक दायित्व ऐसा था जिससे कल्पना कीजिए कि पूर्वाधिकार अंशों को पूँजी के पुनः भुगतान अथवा लाभांश के सम्बन्ध में कोई प्राथमिकता नहीं है।

18. भारत लि. का स्थिति विवरण निम्नलिखित है–

दायित्व		सम्पत्तियाँ	
अंश पूँजी		स्थायी सम्पत्तियाँ	5,40,000
10 ₹ प्रति अंश		प्रारम्भिक व्यय	10,000
के 12,000			
8% पूर्वाधिकार अंश	1,20,000	ऋण-पत्रों पर डिस्काउण्ट	20,000
10 ₹ प्रति अंश के		लाभ-हानि खाता	30,000
19,000 समता अंश	1,90,000		
सामान्य संचय	25,000		
ऋण-पत्र शोधन कोष	15,000		
8% ऋण-पत्र	2,00,000		
ह्रास कोष	5000		
लेनदार	45000		
	6,00,000		6,00,000

19. सम्पत्तियाँ उनके पुस्तकीय मूल्य की कीमत की है। पूर्वाधिकार अंशों पर तीन वर्षों का लाभांश बकाया है। ऋण-पत्रों पर एक वर्ष का ब्याज देना है। अंशों का मूल्यांकन दिखाइये– (a) जब पूर्वाधिकार अंश केवल पूँजी के पुनः भुगतान के लिए प्राथमिकता रखते हैं। (b) जब पूर्वाधिकार अंशों को पूँजी के पुनः भुगतान तथा लाभांश के लिए कोई प्राथमिकता नहीं है। (c) जब पूर्वाधिकार अंश पूँजी तथा लाभांश के बकाया भुगतान के सम्बन्ध में प्राथमिकता रखते हैं।

(d) जब पूर्वाधिकार अंश पूँजी के लिए कोई प्राथमिकता नहीं रखते, किंतु लाभांश के बकाया के लिए रखते हैं।

20. ख्याति लि. का स्थिति विवरण निम्नलिखित है–

दायित्व		सम्पत्तियाँ	
10 ₹ प्रति अंश के		ख्याति	1,00,000
10,000 समता अंश	1,00,000	विनियोग	2,05,000
सामान्य संचय	60,000	चालू सम्पत्तियाँ	95,000
लाभ-हानि खाता	45,000	ऋण एवं अग्रिम	40,000
आरक्षित ऋण	1,42,000	विविध व्यय	5,000
चालू दायित्व	98,000		
	4,45,000		4,45,000

अंशों के मूल्यांकन के उद्देश्य के लिए ख्याति पिछले पाँच वर्षों के औसत लाभ को तीन वर्षों की खरीद पर ली जाएगी। पिछले पाँच वर्षों के लाभ इस प्रकार हैं– 55,000 ₹ 60,000 ₹ 65,000 ₹ 70,000 ₹ तथा 75,000 ₹। प्रत्येक अंश का मूल्य ज्ञात कीजिए।

21. महाराजा लि. के पार्षद अन्तर्नियमों में ऐसी व्यवस्था है कि किसी अंशधारी की मृत्यु पर उसके अंशों को शेष अंशधारियों द्वारा उस मूल्य पर खरीदा जाएगा जो पिछले स्थिति विवरण में दिखायी गयी शुद्ध सम्पत्तियों के आधार पर अंकेक्षकों द्वारा निर्धारित किया जाएगा। इसके अतिरिक्त ऐसी भी व्यवस्था है कि इस उद्देश्य के लिए ख्याति का मूल्य पिछले चार वर्षों के औसत वार्षिक लाभों की दो वर्षों की खरीद पर लिया जाएगा। अन्तिम स्थिति विवरण निम्नानुसार है–

दायित्व		संपत्तियाँ	
100 ₹ प्रति अंश के		ख्याति	1,35,000
10,000 समता अंश	10,00,000	विनियोग (विनियोग	
सामान्य संचय	1,05,000	बाजार मूल्य 42,000 ₹)	2,00,000
लाभ-हानि खाता	25,000	व्यापार में स्टॉक	6,30,000
10% ऋण-पत्र	7,00,000	पुस्तकीय ऋण	8,00,000
विविध लेनदार	1,35,000	बैंक रोकड़	2,00,000
	19,65,000		19,65,000

पिछले चार वर्षों के लाभ इस प्रकार थे– 90,000 ₹, 1,00,000 ₹, 1,20,000 ₹ तथा 1,20,000 ₹ क्रमशः। प्रति अंश मूल्य निर्धारित करिए।

टिप्पणी

22. रिलेक्स लि. प्रत्येक 10 ₹ के 20,000 अंशों में विभक्त 2,00,000 ₹ की निर्गमित अंश पूँजी के साथ एक पुरानी स्थापित कम्पनी है। पूर्वाधिकार लाभांश का भुगतान करने के बाद साधारण लाभ 25,000 ₹ वार्षिक है, और विनियोजित पूँजी पर उचित लाभ 10% पर माना जा सकता है, लाभ विधि द्वारा अंशों के मूल्य का निर्धारण कीजिए।

[**Ans.:** ₹ 12.50 each]

23. मिस्टर हीरो के पास सुन्दर लि. के 2,000 समता अंश हैं, जिसकी अभिहित एवं दत्त पूँजी में 10 ₹ प्रति अंश के 50,000 समता अंश तथा 100 ₹ प्रति अंश के 2000, 6% पूर्वाधिकार अंश शामिल हैं पूर्वाधिकार अंश आगे लाभों में भाग नहीं लेते हैं। ऐसा निश्चित हुआ है कि इस प्रकार की किसी कम्पनी का साधारण वार्षिक शुद्ध लाभ 1,25,000 ₹ है, और इस प्रकार के व्यवसाय में जैसा कि इस कम्पनी द्वारा चलाया जा रहा है, समता अंश पूँजी के दत्त मूल्य पर लाभांश के रूप में साधारण लाभ 15% है। हीरो आपसे चाहता है कि आप उपयुक्त अंकों पर आधारित उसके अंशधारण का मूल्यांकन करें।

[**Ans.:** ₹ 15.067 per share, value of 2000 share 3013.]

24. समय लि. के पास 10 ₹ प्रति अंश के (9 ₹ दत्त) 50,000 समता अंश तथा 10 ₹ प्रति अंश के (पूर्ण दत्त) 30,000, 6% पूर्वाधिकार अंश हैं। प्रति वर्ष लाभ का 20% सामान्य संचय को अन्तरित करने की कन्पनी की प्रथा रही है। यदि करारोपण से पहले अपेक्षित लाभ 90,000 ₹ है तथा कर की दर 50% है तो समता अंश के मूल्य की गणना कीजिए। ऐसी कल्पना की जा सकती है कि लाभांश की साधारण दर 10% है।

[**Ans.:** Value per share ₹ 10.44]

25. नोकिया लि. की अधिकृत एवं दत्त पूँजी 10 ₹ प्रति अंश के 2,00,000, 6% पूर्वाधिकार अंश तथा 50 ₹ प्रति अंश के (40 ₹ प्रति अंश माँगी गयी एवं दत्त) 75,000 समता अंश है। युवराज इस कम्पनी के 2,000 समता अंशों का धारी है। इस कम्पनी का साधारण वार्षिक लाभ 5,00,000 ₹ है और समता अंशों पर साधारण लाभ 12% है। युवराज आपसे प्रार्थना करता है कि आप इन परिस्थितियों के अन्तर्गत उसके धारण का मूल्यांकन करें।

[**Ans.:** Per share 42.22, value of 2000 shares 84.444]

26. एक कम्पनी की दत्त पूँजी में 10 ₹ प्रति अंश के 5,000, 8% भागी पूर्वाधिकार अंश तथा 10 ₹ प्रति अंश के 10,000 समता अंश शामिल हैं। पूर्वाधिकार अंश समता अधिकारियों को 15% के लाभांश के भुगतान के बाद 10% की सीमा तक लाभ के भाग में और हिस्सा लेने के लिए अधिकारी है। और इसके बाद का आधिक्य समता अंशधारियों को प्राप्य है। करारोपण के बाद साधारण औसत लाभ 40,000 ₹ वार्षिक है। इस प्रकार की कम्पनी पर लागू साधारण लाभ समता अंशों के अंकित मूल्य पर 12% तथा पूर्वाधिकार अंशों पर 10% है। अंशों के वर्गों में से प्रत्येक का मूल्य ज्ञात कीजिए।

[**Ans.:** Value per pref. share ₹ 25.83, value per Equity share ₹ 31]

टिप्पणी

27. 31 दिसम्बर 2019 की Yuvi लि. का स्थिति विवरण निम्नलिखित है–

दायित्व		सम्पत्तियाँ	
10 ₹ प्रति अंश के		भूमि एवं भवन	2,80,000
50,000 समता अंश	5,00,000	यन्त्र एवं मशीनरी	1,20,000
सामान्य संचय	2,00,000	ट्रेड मार्क्स	50,000
करारोपण संचय	1,30,000	स्टॉक	1,30,000
श्रमिकों का बचत खाता	40,000	देनदार	1,40,000
लाभ-हानि खाता	50,000	बैंक में रोकड़	2,50,000
विविध लेनदार	60,000	प्रारम्भिक व्यय	10,000
	9,80,000		9,80,000

यन्त्र की कीमत 1,10,000 ₹ है, और भूमि दावे भवन का मूल्यांकन 3,40,000 ₹ पर किया गया है। देनदारों में 5,000 डूबत शामिल है। कम्पनी का लाभ 2017 में 72,000, 2018 में 50,000 ₹ तथा 2019 में 75,000 हुआ है। लाभ का 10% संचय के लिए अन्तरित करने की कम्पनी की प्रथा है। इसी प्रकार की कम्पनियाँ अपने अंशों के बाजार मूल्य पर 10% की आय प्रदान करती है। ख्याति का मूल्य 60,000 ₹ पर निश्चित हो गया है। आयकर की अवहेलना कीजिए। अंशों का मूल्य ज्ञात कीजिए।

28. 31 मार्च 2020 को धनराज लि. का संक्षिप्त स्थिति विवरण निम्नलिखित है–

दायित्व		सम्पत्तियाँ	
10 ₹ प्रति अंश के		फ्रीहोल्ड संपत्ति	2,00,000
40,000 समता अंश	4,00,000	यन्त्र एवं मशीनरी	2,50,000
सामान्य संचय	1,00,000	स्टॉक	30,000
पूंजीगत संचय	50,000	देनदार	60,000
लाभ-हानि खाता	60,000	बैंक	2,50,000
देनदार	1,20,000	हाथ में रोकड़	10,000
देय आय-कर	20,000		
प्रस्तावित लाभांश	30,000		
कर के लिए आयोजन	20,000		
	8,00,000		8,00,000

पिछले तीन वर्षों के शुद्ध लाभ इस प्रकार हैं– 31 मार्च 2018 को समाप्त वर्ष का 75,000 ₹, 31 मार्च 2019 को समाप्त वर्ष का 95,000 ₹ तथा 31 मार्च 2020 को समाप्त वर्ष का 1,25,000 ₹। 2020 में फ्रीहोल्ड संपत्ति का मूल्यांकन 2,40,000 ₹ पर तथा यन्त्र का 55,000 ₹ पर किया गया था। इस प्रकार के व्यवसाय में औसत लाभ विनियोजित पूँजी पर 10% है। आपसे चाहा जा रहा है

कि आप ऊपर उल्लेखित तथ्यों के आधार पर प्रत्येक समता अंश का मूल्य ज्ञात कीजिए। अंशों के उचित मूल्य का निर्धारण भी कीजिए।

29. 31 मार्च 2019 को मनीषा कम्पनी लि. की पुस्तकों से निम्नलिखित सूचनाएँ प्राप्त हुई हैं–

दायित्व		सम्पत्तियाँ	
10 ₹ प्रति अंश 20,000		सामान्य संचय	1,25,000
पूर्णदत्त समता अंश	2,00,000	विविध पक्षों को दायित्व	40,000
10 ₹ प्रति अंश के		ह्रास घटाने के बाद	
(8 ₹ 50 पै. दत्त)		स्थायी सम्पत्तियाँ	2,55,000
15,000 समता अंश	1,27,500	अंशों के निर्गमन पर	
10 ₹ प्रति अंश		कमीशन	40,000
(6 ₹ दत्त)		प्रारम्भिक व्यय	7500
10,000 समता अंश	60,000	चल सम्पत्ति	2,50,000

ऐसा अनुमान है कि कर घटाने के बाद कम्पनी का साधारण औसत लाभ 90,000 ₹ पर बना रहेगा। और पूँजीकरण के उद्देश्य के लिए अपेक्षित दर 10% है। शुद्ध सम्पत्ति विधि (ख्याति को छोड़कर) द्वारा तथा लाभ विधि द्वारा भी प्रत्येक प्रकार के अंशों के मूल्य की गणना कीजिए।

30. 31 दिसम्बर 2019 को सहनशील लि. का स्थिति–विवरण निम्नलिखित है–

दायित्व			सम्पत्तियाँ	
100 ₹ प्रति अंश के			भवन–लागत पर	5,00,000
5,000 समता अंश		5,00,000	फर्नीचर	65,000
संचय कोष		2,00,000	सरकारी प्रतिभूतियों में	
			विनियोग लागत पर	1,25,000
ह्रास कोष			व्यापार में स्टॉक	75,000
भवन	15,000		विविध लेनदार सभी	
विनियोग	5,000	20,000	अच्छे माने गये	3,20,000
			बैंक में रोकड़	80,000
विविध लेनदार		1,20,000		
डूबत ऋणों के				
लिए संचय		25,000		
लाभ-हानि खाता				
31.12.2019 को				
शेष	1,40,000			
वर्ष का लाभ	1,60,000	3,00,000		
		11,65,000		11,65,000

अब यह निर्धारित हुआ है कि–

(a) 2020 के लिए कम्पनी की सम्भावना समान रूप से अच्छी है।

(b) पिछले तीन वर्षों के लाभ ने 20,000 ₹ वार्षिक की वृद्धि दिखायी है।

(c) अब भवन 8,00,000 ₹ की तथा फर्नीचर्स 40,000 ₹ की कीमत के है।

(d) इसी प्रकृति की कम्पनियों के अंशों के बाजार मूल्य पर 8% की लाभ अर्जन क्षमता दिखा रही है।

(e) विनियोगों के पुस्तकीय मूल्य पर 10% शुद्ध आय होती है तथा

(f) ख्याति का मूल्यांकन अधिलाभों की तीन वर्षों की खरीद पर किया जाना है।

आपसे चाहा जा रहा है कि आप, अपनी गणनाओं को विस्तार से दिखाते हुए प्रत्येक अंश के उचित मूल्य का निर्धारण कीजिए।

31. एक कम्पनी जिसके पास 100 ₹ प्रति अंश के 20,000 पूर्वदत्त समता अंश तथा 9,00,000 ₹ के संचय एवं अतिरेक हैं। धारण किये गये पाँच अंशों के लिए एक बोनस अंश निर्गमित करती है। बोनस अंशों के निर्गमन से पहले तथा निर्गमन के बाद अंशों का मूल्य ज्ञात कीजिए।

32. एक कम्पनी के पास 10 ₹ वाले 50,000 ₹ की दत्त पूँजी है। यह 10 ₹ प्रति अंश के ऐसे 25,000 नए अंशों का सज्जन के द्वारा अपनी अंश पूँजी बढ़ाती है। जिन्हें वर्तमान अंशधारियों को 15 ₹ प्रति अंश पर, प्रत्येक दो पुराने धारित अंशों के लिए एक नए अंश के समान अनुपात पर प्रस्तावित किया है। कम्पनी ने पिछले वर्ष के लिए लागत से मुक्त 2 ₹ प्रति अंश का लाभांश घोषित किया है। लाभांश की घोषणा तथा नए अंशों के प्रस्ताव की सूचना पर पुराने अंशों के भाव 23 ₹ लाभांश सहित अधिकार सहित पर बताये जा रहे हैं। बाजार भाव में शामिल अधिकारों के मूल्य की गणना कीजिए।

33. 31 मार्च 2019 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए एक तार कम्पनी के निम्न विवरणों से दोहरा लेखा प्रणाली के अंतर्गत उसके: (i) पूँजी खाते में आय एवं व्यय का विवरण तथा (ii) सामान्य चिट्ठा बनाइए।

From the following particulars of an Tar Co. for the year ended March 31, 2019. Prepare under the Double Account System the: (i) Receipts & Expenditure on Capital A/c & (ii) General Balance Sheet).

पूँजी (Capital) अधिकश्त 20,000 समता अंश प्रत्येक 100 ₹ का निर्गमित एवं प्रदत्त 15,000 समता अंश प्रत्येक 100 ₹ का जिन पर 90 ₹ प्राप्त (Authorised, 10,000 Equity shares of ₹ 1,000 each Issued & Called up 15,000 Equity shares of ₹ 10 each ₹ 90 per share paid up)		13,50,000
8% ऋण-पत्र (8% Debentures)		10,00,000
विविध लेनदार (Sundry Creditors)		2,00,000
शुद्ध आगम खाते (Bal. Transferred from Net Revenue Account)		5,00,000
विनियोग (Investments)	8,00,000	
ह्रास कोष (Depreciation fund)		4,00,000
मुक्त भूसम्पत्ति (Freehold Land)	3,50,000	
कार्यालय उपस्कर (Office Furniture)	40,000	
भवन (Building)	6,00,000	
संयन्त्र एवं कल (Plant & Machinery)	4,00,000	
मेन्स (Mains)	1,70,000	
विविध संयन्त्र औजार (Sundry Machiner Parts)	1,30,000	
मीटर्स (Meters)	2,00,000	
उपकरण एवं सामग्री (Instruments & Appliances)	4,60,000	
स्कन्ध एवं सामान्य सामग्री (Stock & General Stores)	50,000	
ईंधन हाथ में (Fuel in stock)	91,000	
विविध यन्त्र सामग्री (जूट वेस्ट इत्यादि) का स्कन्ध (Stock of Sundry Machine Room Material (Jut Waste etc.)	59,000	
विविध देनदार (Sundry Debtors)	48,000	
रोकड़ हाथ में एवं बैंक में (Cash in hand & at Bank)	52,000	
	34,50,000	34,50,000

34. 31 मार्च 2019 को समाप्त होने वाले 6 माह के लिये लोह रेलवे कम्पनी का तलपट रेवेन्यू खाता पूर्ण होने के पश्चात् निम्न है–

The following is the Trial Balance of Loha Railway Co. after the Completion of Revenue A/c for the half year ended 31st March 2019.

टिप्पणी

8% पूर्वाधिकार स्कन्ध (8% Pref. Stock)		4,00,000
समता स्कन्ध (Equity Stock)		8,00,000
10% ऋण-पत्र स्कन्ध (10% Debenture Stock)		1,60,000
यातायात के लिए नये लौह पथ निर्मित किये गये (Lines open for traffic)	12,60,000	
लौहपथ निर्माण की अवस्था में (Lines in course of construction)	1,75,000	
लौहपथ अभी शुरू नहीं हुए (Lines not commenced)	5,000	
चालू रहतिया–इंजन, डिब्बे आदि (Working stock- Engine Carriage etc.)	2,25,000	
योगदान : संयुक्त लौहपथ के लिए (Contribution to Joint Lines)	1,60,000	
अंश स्कन्ध के विक्रय पर प्रीमियम (Premium on stock etc. sold)		80,000
नहर का क्रय (Purchase of Canal)	60,000	
बैंक में रोकड (Cash at Bank)	70,000	
सामान्य स्टोर्स, हस्तस्थ रहतिया (General Stores, Stock in land)	1,75,000	
यातायात खाता से कम्पनी को प्राप्त होने वाली राशि (Traffic amounts due to Railway Co.)	1,80,000	
अन्य कम्पनियों द्वारा देय धन (Due from other Companies)	20,000	
विविध अदत्त खाते (Sundry outstanding Accounts)	15,000	
अन्य कम्पनियों को देय ऋण (Debts due to other Companies)		65,000
विविध व्यापारी आदि (Sundry Tradesmen etc.)		1,15,000
अग्नि बीमा कोष (Fire Insurance Fund)		10,000
सुपर एनुएशन कोष (Superannuation Fund)		1,90,000
शुद्ध रेवेन्यु खाते का क्रेडिट शेष (Balance to Credit of Net Revenue A/c)		5,25,000
	23,45,000	23,45,000

6 माह की अवधि के दौरान 1,00,000 ₹ के 8% पूर्वाधिकार स्टॉक का सममूल्य पर निर्गमन किया गया जो पूर्णरूप से प्रार्थित एवं पूर्णदत्त हुए तथा 2,00,000 ₹ के समता स्टॉक का भी 10% प्रीमियम पर निर्गमन किया जो पूर्णरूप से प्रार्थित एवं पूर्णदत्त हुए। यातायात के लिए नये लौहपथ के निर्माण पर 2,60,000 निर्माण की अवस्था में लौहपथ पर 15,000 ₹ और चालू रहतिया पर 1000 ₹ व्यय हुए। पूँजी खाता एवं सामान्य चिट्ठा तैयार कीजिए।

During the half year there was an issue of ₹ 1,00,000 8% Preference stock at par which was fully subscribed & paid-up also of ₹ 2,00,000 Equity Stock, fully subscribed & paid -up at a premuim of 10%. The expenditure on lines open for traffic was ₹ 20,000 on lines in course of construction of ₹ 15,000 & on working stock ₹ 1,000 Prepare Capital a/c & general B/s.

35. निम्नलिखित विवरण मेरेडोना रेलवे कम्पनी से सम्बन्धित हैं। आप आगम खाता, शुद्ध आगम खाता एवं सामान्य चिट्ठा 31 मार्च 2019 का बनाइए।

(From the following Particulars relating to Meredona Railway Co. draw-up a Revenue A/c, Net Revenue A/c, & general B/s as on 31 March 2019).

विनियोग (Investment)		1,16,000
मार्ग रख–रखाव (Maintenance of Way)		25,000
चालक शक्ति (Locomotive Power)		10,000
यात्री ले जाने से प्राप्ति (Passengers carried)		1,85,000
पार्सल ले जाने से प्राप्ति (Parcels carried)		95,000
दर व कर (Rates & Taxes)		78,000
किराया व्यय एवं मुख्य किराया दिया (Rent charges & Chief Rent paid)		9,200
डाक ले जाने से आय (Mains carried)		17,000
व्यापारिक माल ले जाने से आय (Mechandise carried)		82,000
बीमा संचय (Insurance Fund)		19,000
क्षतिपूर्ति (Compensation)		14,200
अन्य कम्पनी का देय ऋण (Debts due to other Co.)		15,000
किराया व्यय स्कन्ध गारंटी लाभांश (Rent Charges Stock Guarantee Dividends)		62,000
विविध लेनदार (Sundry Creditors)		28,000
खनिज ले जाने से प्राप्ति (Minerals Carried)		65,000
सामान्य सामग्री हाथ में (General Stores in hand)		97,000
यातायात व्यय (Traffic Exp)		27,800
पट्टे के लौह पथ का किराया दिया (Rent paid on leased lines)		85,000
मरम्मत (Repairs)		8,000
ऋण-पत्रों पर ब्याज (Interest on Debentures)		12,000
शुद्ध आगम लेखा (Net Revenue A/c)		62,000
नगद बैंक में (Cash at Bank)		85,000
बैंक ब्याज जमा (Bank Interest Cr.)		1,800

टिप्पणी

सुपरएनुएशन फण्ड (Superannuation Fund)		18,000
यातायात लेखा रेलवे कम्पनी को देय (Traffic A/c due to Rly. Co.)		50,000
पूँजी खाते में जमा पक्ष का शेष (Bal. at Credit of Capital A/c)		21,200

36. 30 सितंबर 2019 को अर्द्धवर्ष की समाप्ति पर सेन्ट्रल रेलवे कम्पनी के निम्न शेष अद्धृत हुए हैं। आप उक्त दिनांक कोरू– (1) पूँजी खाता (2) आगम खाता (3) शुद्ध आगम खाता एवं (4) सामान्य चिट्ठा तैयार कीजिए।

The following are the Balances of the central Railway Co. for the half year ended 30 Sep. 2019. Prepare in the prescribed from– (i) Capital A/c. (ii) Revenue A/c. (iii) Net Revenue A/c. & (iv) General Balance Sheet on that date.

बन्धक ऋण-पत्र ब्याज (Mortgage Debenture Interest)	20,000	
बन्धक ऋण-पत्र अर्जित (Mortgage Debenture Accrued)		15,000
पूर्वदत्त ऋण-पत्र ब्याज (Prior lien Debenture Interest)	35,000	
पूर्वप्रदत्त ऋण-पत्र अर्जित (Prior lien Accrued)		22,000
हस्तस्थ एवं बैंक में रोकड़ (Cash in hand & at Bank)	4,60,000	
ब्याज प्राप्त (Interest Received)		4,600
निवेश (Investments)	5,00,000	
विनियोग से हानि (Loss in Investments)	7,000	
आयकर (Income Tax)	8,000	
विविध प्राप्तियाँ (Misc. Receipts)		5,000
यात्रियों से आय (Passengers Receipts)		2,50,000
भाड़ा स्टोरेज आदि (Carriage Storage etc.)		3,00,000
मोटर सेवा (Motor Service)		30,000
सामान्य संचय लेखा (General Reserve A/c)		18,000
विशेष रेल से प्राप्तियाँ (Special Trains Receipts)		2,000
यातायात व्यय (Traffic Expenses)	56,000	
यंत्र नवीनीकरण संचय (Renewals of Plant Reserve A/c)		8,000
रेलपथ रख-रखाव (Maintenance of way works etc.)	1,28,000	
अन्तरण शुल्क (Transfer Fees)		23,000
चालक शक्ति (Locomotive Power)	1,25,000	
पूँजीगत व्यय 1-4-19 को (Capital Exp. on 1.4.19)	25,00,000	
पूँजीगत व्यय 30-9-19 को (Capital Exp. on 30.9.19)	50,000	
पूँजीगत प्राप्ति अंश एवं ऋण-पत्र (Capital Receipts share & Deb.)		30,00,000
शासकीय सहायता (Gov. Subsidy)		15,000

वाहनों की मरम्मत (Repairs of wagons)	8,000	
ऋण-पत्र धारियों के प्रन्यासियों का पारिश्रमिक (Remuneration of Transfers of Deb. holders)	7,000	
क्षतिपूर्ति (Compensation)	1,000	
सामान्य व्यय (General Charges)	28,000	
शुद्ध आगम लेखे का शेष (31.3.19) को (Net Revenue A/c Bal. on 31.3.19)		1,80,000
लाभांश लेखा अर्द्ध वर्ष पर (Dividend A/c on half year)	1,00,000	
सामग्री हस्तस्थ एवं मार्गस्थ (Stores in hand & transit)	25,000	
ब्याज एवं बट्टा (Interest & Discount)	28,000	
प्राप्य विपत्र (Bills Receivable)	1,40,000	
देय विपत्र (Bills payable)		1,60,000
विविध देनदार (Sundry Debtors)	1,50,000	
विविध लेनदार (Sundry Creditors)		3,43,400
	43,76,000	43,76,000

टिप्पणी

37. 31 मार्च 2019 को सिलेंडर गैस कम्पनी का तलपट निम्न था–

The Trial Balance of Cylinder Gas Co. Ltd. as on 31 March 2019 was as follows–

अंकित पूँजी 10 ₹ वाले 30,000 अंश (Normal Capital 4,00,000 shares of ₹ 5 each)		3,00,000
चुकता पूँजी 8 ₹ वाले 20,000 अंश (Paid up capital 3,00,000 share of ₹ 4 each)		1,60,000
10% 100 ₹ वाले 2,500 ऋण-पत्र (10%, 2,500 Debentures of ₹ 100 each)		2,50,000
अंश प्रीमियम कोष (Share Premium Reserve)		1,00,000
ह्रास कोष (Depreciation Fund)		1,00,000
ह्रास कोष का विनियोग (Depreciation Fund Investment)	1,00,000	
फ्रीहोल्ड भूमि (Free hold land)	3,50,000	
भवन (Building)	1,00,000	
प्लांट, स्टोर्स आदि (Plant, Stores etc.)	50,000	
मेन्स एवं मीटर्स (Mains & Meters)	40,000	
गाड़ियाँ एवं लारियाँ (Wagons & Lorries)	17,000	
प्रारम्भिक रहतिया (Opening Stock):		
(i) कोयला (Coal)	15,000	
(ii) शुद्धिकरण सामग्री (Purfying Material)	12,000	
क्रय : कोयला (Purchases : Coal)	1,20,000	

शुद्धिकरण सामग्री (Purfying Material)	50,000	
प्लांट व स्टोर्स की मरम्मत एवं नवीनीकरण (Repaire & Renewals of Plant, Stores etc.)	6,000	
मेन्स एवं मोटरों की मरम्मत एवं नवीनीकरण (Renewals & Maintenance of Mains & Meters)	8,000	
मजदूरी (Wages)	17,000	
वेतन (Salaries)	25,000	
संचालक शुल्क (Director's Fees)	10,000	
दर एवं कर (Rates & Taxes)	1,000	
अंकेक्षण शुल्क (Audit Fees)	2,000	
सामान्य व्यय, प्रबन्ध (General Expenses, Administrative)	3,000	
बीमारी एवं दुर्घटना क्षतिपूर्ति कर्मचारी को दी गयी (Stock & Accident Compensation paid to women)	20,000	
प्रमाण-पत्र शुल्क (Certificate Fees)		400
गैस की बिक्री (Sale of Gass)		2,13,600
कोक एवं अन्य उत्पादों की बिक्री (Sale of Coke & other product)		1,00,000
लाभांश चुकाया (Dividend paid)	90,000	
ऋण-पत्रों पर ब्याज (Interest on Debentures)	25,000	
शुद्ध रेवेन्यु खाता बाकी (Bal. of Net Revenue A/c)		2,00,000
विविध लेनदार (Creditors)		14,000
विविध देनदार (Debtors)	65,000	
रोकड़ (Cash)	12,000	
	11,38,000	11,38,000

ह्रास का प्रबन्ध निम्न प्रकार करना है– प्लांट, स्टोर्स आदि की कीमत का 15% एवं भवन की कीमत का 15%। दोहरा लेखा प्रणाली के अनुसार रेवेन्यू खाता, शुद्ध रेवेन्यू खाता, पूँजी खाता और सामान्य चिट्ठा बनाइये।

Deprciation is to be provided as follows: 15% of value of plant, Stores etc 5% of value of Building Prepare Revenue A/c, Net Revenue A/c, capital A/c, & General Balance Sheet under the Double Account System.

38. निम्न आँकड़े साकेत कोलियरी कं. लि. से सम्बन्धित हैं। आप इनसे वर्ष 31 मार्च 2019 के लिए दोहरा लेखा प्रणाली आधारित पूँजी लेखा और सामान्य चिट्ठा तैयार कीजिए और इन्हीं आँकड़ों से इकहरा लेखा प्रणाली से भी चिट्ठा बनाइये।

The figures given below relate to the Saket Colliery Co. Ltd. for the year ending 31st March 2019. Prepare Capital A/c & General Balance Sheet on the Double Account System & then exhibit the same figures in a Balance Sheet on the Single Account System.

25,000 समता अंश प्रत्येक 100 ₹ पूर्णदत्त (25,000 Equity share of ₹ 100 each fully paid)	25,00,000	
10,000 5% पूर्वाधिकारी अंश प्रत्येक 100 ₹ पूर्वदत्त (10,000 5% Preference shares of ₹ 100 each fully paid)	10,00,000	
8% ऋण-पत्र (8% Debentures)	5,00,000	
कार्यालय भवन (Office Building)	4,50,000	
कर्मचारी गृह (Workman's Cottages)	5,50,000	
अधिग्रहित भूमि (Land Acquired)	6,00,000	
साफ्ट सिंकिंग (Shaft Sinking)	15,00,000	
संयन्त्र व कल (Plant & Machinery)	4,00,000	
गाड़ियाँ (Wagons)	2,00,000	
विविध देनदार (Sundry Debtors)	62,450	
हस्तस्थ रोकड़ (Cash in hand)	37,500	
ह्रास कोष (Dep. Fund)	1,99,950	
सामान्य संचय (Reserve Fund)	1,50,000	
लाभ-हानि खाता (जमा शेष) (P&L A/c (Cr. Balance))	1,75,000	
देय विपत्र (Bills payable)	40,000	
विविध लेनदार (Sundry Creditors)	60,000	
हस्तस्थ स्कंध (Stock in hand)	5,00,000	
विनियोग (Investment)	3,00,000	
लघु कार्य खाता (Short Workings A/c)	25,000	

उपरोक्त में वर्ष 2019-2020 के दौरान जारी किये 2000 पूर्वाधिकारी अंश शामिल हैं, वर्ष के दौरान किये व्यय सॉफ्ट सिंकिंग 5,00,000 ₹, संयंत्र 1,00,000 ₹, गाड़ियाँ 50,000 ₹, कर्मचारी गृह 50,000 ₹।

The above figures includes issue 2000 preferance share during the year 2019-2020 & the following amounts were also spent during the same period shaft sinking ₹ 5,00,000, Machinery ₹ 1,00,000, wagons ₹ 50,000, workmen's cottage ₹ 50,000.

39. भास्कर कोल कं. लि. के निम्नलिखित विवरणों से तैयार कीजिएरू (अ) एकल खाता पद्धति के अन्तर्गत कम्पनी का 31 मार्च 2019 को चिट्ठा तथा (ब) उसी तिथि को दोहरा खाता पद्धति के अनुसार पूँजी खाता तथा सामान्य चिट्ठा।

From the following particulars relating to the Bhaskar Coal Co. Ltd. draw up: (i) The B/s of the Company as on 31st March 2019 on the Single Account System & (ii) The Capital Account & General Balance Sheet as on the same date on the Double Account System.

अंकित पूँजी (Nominal Capital)	10,00,000	
प्रार्थित पूँजी (Subscribed Capital)	5,00,000	
6% ऋण-पत्र (6% Debentures)	2,00,000	
लेनदार (Creditors)	1,00,000	
संचय कोष (Reserve Fund)	50,000	
देनदार (Debtors)	45,000	
रोकड़ (Cash in hand)	25,000	
संचय कोष का विनियोग (Investments of Reserve Fund)	80,000	
स्टॉक (Stock)	1,65,000	
व्यय पूर्व 31 मार्च 2019 तक (Expenditure last up to 31 March 2019)		
भूमि (Land)	1,00,000	
साफ्टिंग (Shafting)	1,25,000	
मशीनरी (Machinery)	2,10,000	
भवन (Building)	1,50,000	
वर्ष के दौरान व्यय अन्तिम तीन मदों पर क्रमशः (Expenditures during the year was ₹ 25,000, 10,000 & 20,000 on last three items respectively)		
ह्रास कोष (Depreciation Fund)	25,000	

The Balancing items of Trial Balance may be taken as the profit of the company.

40. मेक्स बिजली कम्पनी लि. ने ऋण-पत्रों का 6% की दर से 50,000 ₹ ब्याज देने के पश्चात् 31 मार्च 2010 को समाप्त होने वाले वर्ष में 3,00,000 ₹ का लाभ अर्जित किया। आपको कुछ अतिरिक्त सूचनायें दी जा रही हैं। जो निम्न हैं–

Max General Electricity Co. Ltd. earned a profit of ₹ 3,00,000 after paying ₹ 50,000 at 6% as debenture interest for the year ended 31st March 2010. The following further information is supplied to you.

स्थायी सम्पत्ति (Fixed Assets)	26,00,000	
ह्रास अपलिखित किया (Depreciation Written off)	1,00,000	
विद्युत मंडल से ऋण (Loan from Electricity Board)	2,00,000	
संचय कोष विनियोग 6% (Reserve Fund Investment at par 6%)	4,00,000	
संदिग्ध संचय विनियोग 6% से (Contingency Reserve Investment at part 6%)	3,00,000	
प्रशुल्क एवं लाभांश नियंत्रण कोष (Tariff & Dividend Control Reserve)	10,000	
ग्राहकों की सुरक्षा जमा (Security Deposits of Customers)	1,35,000	

टिप्पणी

सम्पत्तियों में ग्राहकों का अंशदान (Customer's Contribution to Assets)	65,000	
प्रारम्भिक व्यय (Preliminary Expenses)	12,000	
चालू सम्पत्तियों का मासिक औसत ग्राहकों से प्राप्य राशि ₹ 1,00,000 सहित (Monthly average of Current Assets including amount due from customers ₹ 1,00,000)	3,00,000	
विकास संचय (Development Reserve)	50,000	

उपरोक्त को ध्यान में रखते हुए लाभों का समायोजन दर्शाइए यह मानकर कि बैंक दर 8% है।

(Show the disposal of profits mentioned above, assuming Bank Rate is 8%.

41. निम्न शेष वेव इलेक्ट्रसिटी कं. से सम्बन्धित है, जिसके लेखे 31 मार्च 2019 को समाप्त होने वाले हैं।

The following balances relate to wave Electricity Co. & pertain to its accounts for the year ended 31st March 2019.

अंश पूँजी (Share Capital)

स्थिर सम्पत्ति (Fixed Assets)

स्थिर सम्पत्तियों पर ह्रास कोष (Depreciation Reserve on Fixed Assets)

ग्राहकों की जमा (Consumer's Deposits)

संचय कोष शा. प्रतिभूतियों में निवेशित

(Reserve Fund & Invested is 6% lost Securities at par)

संदिग्ध संचय 8% राज्य सरकार ऋणों में निवेशित

(Contingency Reserve Invested in 8% State Govt. Loans)

राज्य विद्युत मण्डल से ऋण (Loan from State Electricity Board)

12% ऋण-पत्र (12% Debentures)

विकास संचय (Development Reserve)

चालू सम्पत्तियाँ मासिक औसत (Current Assets Monthly Average)

प्रशुल्क और लाभांश नियंत्रण संचय (Tariff & Dividend Control Reserve)

अमूर्त सम्पत्ति (Intangible Assets)

स्थिर सम्पत्तियों के लिए ग्राहकों का अंशदान

(**Amt.** Contributed by Consumers towards Fixed Assets)

कम्पनी ने कर लगाने के पश्चात् 90,000 ₹ का लाभ अर्जित किया है। विद्युत कं. अधिनियम के प्रावधानानुसार कंपनी लाभों का समायोजन कैसे करेगी, यदि बैंक दर 8% मान ली जाये?

(The Co. earned a post to a profit of ₹ 90,000 show how the profit of the Co. will be dealt with under the provisions of the Electricity act, assuming that the Bank rate during the year was 8%).

टिप्पणी

42. निम्न तलपट डे एण्ड डे इलेक्ट्रिक कम्पनी के दि. 31 मार्च 2019 के हैं। आप कम्पनी का पूँजी खाता आगम खाते एवं सामान्य चिट्ठा तैयार कीजिए।

From the following Trial Balance of the Day & Day Electric Co. as on 31st March 2019. Prepare Capital A/c, Revenue A/c & General Balance Sheet–

समता अंश (Equity shares)		4,00,000
ऋण-पत्र (Debentures)		2,00,000
भूमि 31 मार्च 2019 (Land to 31st March 2019)	4,00,000	
भूमि क्रय वर्ष के दौरान (Land Expended during the year)	20,000	
सयन्त्र मार्च 2019 को (Machinery to March 2019)	30,000	
सयन्त्र क्रय वर्ष के दौरान (Machinery Exp. during the year)	30,000	
मेन्स (लगाने के व्यय सहित) 31 मार्च 2019 (Mains on 31st March 2019 including cost of laying)	1,00,000	
मेन्स क्रय वर्ष के दौरान (Mains Exp. during the year)	10,000	
विविध लेनदार (Sundry Creditors)		4,500
ह्रास लेखा (Depreciation Account)		25,000
विविध देनदार विद्युत आपूर्ति के लिए (Sundry Debtors for current supplied)	20,000	
अन्य देनदार (Other Debtors)	42,000	
स्टोर्स हाथ में (Stores in hand)	10,000	
नकद हाथ में (Cash in hand)	30,000	
विद्युत उत्पादन लागत (Cost of Generation of Electricity)	42,000	
विद्युत वितरण लागत (Cost of Distribution of Electricity)	36,000	
दर, कर व किराया (Rent, Rates & Taxes)	4,000	
प्रबन्ध व्यय (Management Exp.)	26,000	
ह्रास (Depreciation)	15,000	
विद्युत बिक्री (Sale of Current)		
मीटर का किराया (Meter Rent)		
ऋण-पत्रों पर ब्याज (Interest on Debentures)		
अन्तरिम लाभांश (Interim Dividend)		
शेष शुद्ध आगम खाते का (31 मार्च 2019 को) (Balance of Net Revenue A/c on 31st March 2019)		

स्थायी सम्पत्तियों के जोड़ पर ½% संदिग्ध संचय बनाइये।

Make provision for Contingency Reserve @ ½% on fixed assets.

43. वाईट लाईट कम्पनी का 31 मार्च 2020 को तलपट निम्नानुसार था।

White Light Co. Ltd. have a complete trial balance on 31st March 2020 as follow–

31 मार्च 2019 को शेष	Dr.	Cr.
(Balance on 31st March 2019)		
अधिकृत पूँजी (Authorised Capital):		
50,000 समता अंश प्रत्येक 100 ₹ का		
(50,000 Equity shares of \₹. 100 each)		
निर्गमित एवं चुकता पूँजी		
(Subscribed & paid up capital):		
40,000 अंश प्रत्येक 100 ₹ का 80 ₹ चुकता		
(40,000 shares of ₹ 100 each ₹ 80 paid up)		3,20,000
8% प्रथम बन्धक ऋण-पत्र		
(8% First Mortgage Debentures):		
200 ऋण-पत्र प्रति 1,000 ₹ का		
(200 Debentures of ₹ 1,000 each)		2,00,000
अंश प्रीमियम संचय (Shares premium Reserve)		32,000
अवक्षयण कोष (Depreciation Fund)		25,000
अवक्षयण निवेश (Depreciation Investments)	1,00,000	
अधियुक्त भूमि (Freehold land)	1,00,000	
भवन सम्पत्ति (Building Assets)	6,00,000	
मेन्स व मीटर्स (Mains & Meters)	2,00,000	
सयन्त्र (Plant)	4,30,000	
गाड़ियाँ (Wagons)	1,20,000	
कार्यालय उपस्कर (Office furniture)	50,000	
स्कन्ध हाथ में 1-4-2019 (Stock in hand on 1.4.2019)		
कोयला (Coal)	60,000	
अन्य सामग्री (Other Materials)	3,600	
क्रय (Purchase)		
कोयला (Coal)	28,000	
अन्य सामग्री (Other Materials)	25,000	
सयन्त्र की मरम्मत व रख-रखाव		
(Repairs & Renewals of plant)	12,000	
मेन्स व मीटर की मरम्मत व रख-रखाव		
(Repairs of Mains & Meters)	10,000	
मजदूरी (Wages)	9,000	
वेतन (Salaries)	4,000	
संचालक शुल्क (Directors Fees)	3,800	

टिप्पणी

दर व कर (Rates & Taxes)	8,000	
डूबत ऋण (Bad Debts)	4,000	
कानूनी व्यय (Legal charges)	2,300	
अंकेक्षण शुल्क (Audit Fees)	3,300	
सामान्य व्यय प्रशासनिक (Gen. Expenses Administrative)	27,000	
बीमारी एवं दुर्घटना हेतु कर्मियों की क्षतिपूर्ति (Sick & Acccident Compensation to workmen)	50,000	
प्रमाण पत्र शुल्क (Certificate Fees)		5,000
विद्युत शक्ति की बिक्री (Sale of Electricity Power)		8,00,000
प्रकाश एवं ऊर्जा की बिक्री (Sale of lighting, heating etc.)		4,00,000
लाभांश दिया (Dividend paid)	9,000	
ऋण-पत्र पर ब्याज (Interest on Debentures)	16,000	
विविध लेनदार (Sundry Creditors)		2,60,000
शुद्ध आगम खाते का शेष (Net Revenue A/c Bal.)		58,000
विविध देनदार (Sundry Debtors)	25,000	
इंडियन बैंक लि. में चालू खाते का शेष (Bal. in current A/c at Indian Bank Ltd.)	1,90,000	
हाथ में रोकड़ (Cash in hand)	10,000	
	21,00,000	21,00,000
31 मार्च 2030 को हाथ में रहतिया		
कोयला	12,000	
अन्य सामग्री	2,000	

ह्रास निम्न प्रकार से लगाना है–

अप्रैल 2019 को सयन्त्र की कीमत पर 10% तथा भवन की कीमत पर 5% आवश्यक संदिग्ध संचय बनाइये। रेवेन्यू खाता पूँजी खाता, शुद्ध रेवेन्यू खाता और साधारण चिट्ठा दोहरी खाता पद्धति के अन्तर्गत तैयार कीजिए।

Stock in hand on 31st March 2010–

Coal.

Other Materials.

Depreciation is to be provided as–

10% of value on plant, 5% of value of Building on 1st April 2019. Make necessary Provisions for contingencies. Prepare Revenue A/c, Capital A/c, Net Revenue A/c & General Balance Sheet under the Double Account System.

टिप्पणी

44. 31 मार्च 2020 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए दीप इलेक्ट्रिक सप्लाई कं. लि. की निम्न बाकियाँ थी इनसे आप–

(अ) पूँजी खाता (ब) आगम खाता (स) ह्रास कोष खाता (द) शुद्ध आगम खाता (य) सिंकिंग फण्ड खाता (ई) उस तिथि को सामान्य चिट्ठा बनाइये। लाभ के शेष में से अंशधारियों को लाभांश की राशि की गणना करने के पूर्व 7,000 ₹ ह्रास कोष के लिए एवं 13,000 ₹ सिंकिंग फण्ड के लिए नियोजित कीजिए। ½% संदिग्ध संचय बनाइये।

The following blance relate to the Deep Electric Supply Co. Ltd. for the year ended 31st March 2020. Make out–

(a) Capital Account (b) Revenue Account (c) Depreciation Fund A/c. (d) Net Revenue A/c. (e) Sinking Fund A/c. & (f) General Balance Sheet as on that date of the balance of profit appropriate ₹ 7,000 to Depreciation fund & ₹ 13,000 to sinking fund, before ascertaining the amt. available for share holders Dividend Provide ½% Contigency Reserve.

10 ₹ प्रति अंश वाले 50,000 समता अंश पूर्णदत्त (50,000 Eqquity shares of ₹ 10 each fully paid)		5,00,000
ऋण-पत्र स्कन्ध (Debentures Stock)		4,00,000
भूमि एवं भार (Land & Charges)		2,50,000
भवन एवं कारखाना (Building & Works)		3,80,000
मशीनरी, प्लांट आदि (Machinery, Plant etc.)		90,000
मेन्स एवं उसकी स्थापना की लागत (Mains & Cost of laying)		45,000
टूल्स एवं कलपुर्जे (Tools & loose plant)		80,000
एकूमलटर्स (Accumulators)		40,000
कार्यालय फर्नीचर एवं फिटिंग्स (Office Furnitures & Fittings)		20,000
विद्युत उपकरण (Electrical Instruments)		14,700
आरटीजन कुआँ (Artesian Well)		2,000
विविध एवं संसदीय व्यय (Law & Parliametary charges)		4,000
कोयला, ढुलाई आदि (Coal Carriage etc.)		15,000
तेल एवं अन्य स्टोर्स (Oil Waste & Other Stores)		7,000
इंजीनियर एवं अधिकारियों के वेतन (Salaries of Engineers & Officers)		18,000
स्टेशन पर मजदूरी (Wages at station)		7,500
मरम्मत एवं रख-रखाव (Repairs & Maintenance)		9,500
किराया दर एवं कर (Rent, Rates & Taxes)		17,650
प्रबन्धकीय व्यय (Management Expenses)		11,350
विधि व्यय (Law Expenses)		1,700
बीमा एवं विशेष खर्च (Insurance & Special Charges)		2,800

टिप्पणी

ऋण-पत्र स्टॉक पर ब्याज		
(Interest on Debentures Stock)		40,000
बैंक ऋण पर ब्याज (Interest on Bank loan)		5,000
सिंकिंग फण्ड विनियोग पर ब्याज		
(Interest on Sinking Fund Investments)		1,400
विद्युत की बिक्री से प्राप्तियाँ		
(Receipts for Sale of Current)		2,08,400
मीटरों से एवं अन्य प्रकार से प्राप्त किराया		
(Meter & Other Rents Received)		2,000
हस्तांतरण शुल्क (Transfer Fees)		1,500
क्रय पर कटौती (Discount on purchases)		
पुरानी सामग्री के विक्रय से प्राप्त		1,900
(Received for sale of old material)		
पिछली शुद्ध रेवेन्यू खाते से क्रेडिट शेष		1,000
(Balance to Credit of last Net Revenue A/c)		
ह्रास कोष के क्रेडिट शेष		28,000
(Depreciation Fund, Balance to Credit)		17,000
सिंकिंग फण्ड क्रेडिट शेष		
(Sinking Fund, Balance to Credit)		25,000
विविध लेनदार (Sundry Creditors)		28,000
बैंक ऋण (Bank Loan)		50,000
पूँजी संचय (Capital Reserve)		11,000
हस्तस्थ स्टोर्स कोयला (Stores in hand coal)		25,000
हस्तस्थ स्टोर्स तेल आदि		
(Stores in hand oil waste etc.)		7,000
विविध देनदार (Sundry Debtors)		40,000
अग्रिम दर व बीमा (Advance Rates & Insurance)		17,000
सिंकिंग फण्ड विनियोग		
(Investment on Account of Sinking Fund)		25,000
हस्तस्थ एवं बैंक रोकड़ (Cash in hand & Bank)		60,000

45. निम्न से एक आगम खाता, पूँजी खाता और चिट्ठा बनाइये। 31 मार्च 2019 को 10 ₹ प्रति अंश की एक याचना देय थी और अवशिष्ट राशियों पर 5% प्रतिवर्ष ब्याज है। ह्रास भवन पर 5% मशीन पर 10%, मेन्स पर 15%, ट्रांस्फार्मर्स आदि पर 20% मीटर और बिजली के औजारों पर 25% स्थायी सम्पत्तियों पर संदिग्ध संचय बनाइये।

Prepare a Revenue A/c, Capital A/c, & Balance Sheet from the following Trial Balance A Call of ₹ 10 Per Share was payable on 31 March 2009 & arrears are Subject to Interest at 5% p.a.

Depreciation to be provided for on Building 5%, Machinery, 10% Mains 15%, Transformers etc, Meters & Electrical Instruments 25%. Create Contignecy Reserve on Fixed Assets.

टिप्पणी

31 मार्च 2019 को तलपट (Trial Balance as at 31st March 2019).

Amt. on 31st March 2019 विवरण Particulars		
अधिकृत पूँजी प्रत्येक 100 ₹ वाले 25,000 अंश (Capital Nominal 25,000 shares of ₹ 100 each)		
याचित पूँजी 20,000 अंश प्रत्येक 50 ₹ वाला (Subscribed Capital : 20,000 shares of ₹ 50 each)		10,00,000
6% ऋण-पत्र (6% Debentures)		5,00,000
ह्रास कोष (Depreciation Fund)		40,000
अवशिष्ट याचनाएँ (Calls in Arrears)	10,000	
फ्रीहोल्ड भूमि (Freehold Land)	8,00,000	
भवन (Building)	4,00,000	
मशीनरी (Machinery)	2,00,000	
मेन्स (Mains)	1,00,000	
ट्रांसफार्मर्स मोटर्स आदि (Transformers, Motors etc.)	50,000	
मीटर (Meters)	25,000	
बिजली के औजार (Electricity Instruments)	12,500	
सामान्य स्टोर्स (General Stores)	6,250	
ऑफिस फर्नीचर (Office Furniture)	3,125	
कोयला और ईंधन (Coal, Fuel etc.)	45,625	
तेल वेस्टस ईंजन रूम स्टोर्स (Oil, Waste Engine Room Stores)	7,500	
कोयला, तेल, वेस्टेज, आदि स्टॉक में (Coal, oil, waste etc. in stocks)	22,000	
मजदूरी स्टेशन पर (Wages at Station)	43,000	
मरम्मत और प्रतिस्थापन (Repairs & Replacement)	25,600	
दरें व कर (Rates & Taxes)	18,000	
सेक्रेटरी व मैनेजर का वेतन (Salary of Secretary, Manager etc.)	46,750	
संचालक की फीस (Director's Fees)	37,500	
छपाई, विज्ञापन और स्टेशनरी (Stationery, Printing & Advertising)	22,570	
कानूनी व संबंधित व्यय (Law & Incidental Expenses)	7,500	
मीटर की बिक्री (Sale by Meter)		5,00,000
अनुबन्ध से बिक्री (Sale by Contract)		2,00,000
मीटर किराया (Meter Rents)		10,000
कुल लेनदार (Sundry Creditors)		2,920
कुल देनदार (Sundry Debtors)	1,20,000	
रोकड़ हाथ में और बैंक में (Cash in hand & Bank)	2,50,000	
	22,52,920	22,52,920

टिप्पणी

46. गेलेक्सी कंपनी लि. की पुस्तकों के निम्नलिखित खाता शेषों से 31 मार्च 2020 को पूँजी खाता तथा सामान्य चिट्ठा विद्युत अधिनियमानुसार बनाइये।

From the following Balances of Galaxy Co. Ltd. Prepare as on 31st March 2020. Capital Account & General Balance Sheet as per Electricity Act.

प्रदत्त पूँजी (Paid up Capital)	16,75,000	
5% ऋणपत्र (5% Debentures)	1,25,000	
संचय (Reserve)	85,000	
व्यापारिक लेनदार (Trade Creditors)	1,95,000	
रोकड़ (Cash)	4,10,000	
संदिग्ध संचय (Contingency Reserve)	65,000	
स्टोर्स (Stores)	2,19,000	
विनियोग (Investments)	2,00,000	
विविध देनदार (Sundry Debtors)	1,97,100	
व्यय (Expenditures)		
स्टीम पावर संयंत्र (Steam Power Plant)	73,000	900
हाइड्रोलिक पावर यन्त्र (Hydraulic Power Plant)	10,00,000	2,00,000
वितरण यन्त्र (Distribution Bution Plant)	1,50,000	50,000
संविहित यन्त्र (Transmission Plant)	93,000	7,000

वर्ष में 1,75,000 ₹ का ह्रास कोष बनाया गया है तथा 31 मार्च 2020 को शुद्ध आगम खाते की बाकी 2,80,000 ₹ थी।

A depreciation fund of ₹ 1,75,000 has been credited during the year & the balance of Net Revenue Account as 31st March 2020 was ₹ 2,80,000.

2.9 सहायक पाठ्य सामग्री (Suggested Readings)

1. अग्रवाल महेश, "निगमीय लेखे," रामप्रसाद एण्ड सन्स, भोपाल।
2. शर्मा शाह, मंगल अग्रवाल जैन, आर.बी.डी. पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली (जयपुर)।
3. Sharda Gangwar, Himalaya Publishing House Pvt. Ltd., Mumbai.
4. Mangal Ramesh, "Company Accounts", Universal Publication, Agra.
5. Gupta R.L., Radhaswamy M., "Company Account", Sultan Chand and Sons, New Delhi.
6. Maheshwari S.N., "Corporate Accounting", Vikas Publishing House, New Delhi.
7. Modi, Oswal and S.K. Khatik, "Corporate Accounting" in Hindi and English (both), Colloge Book House, Jaipur.
8. Mehta, Brahmbhati, "Corporate Accounting", Devi Ahilya Prakashan, Indore.
9. Jain and Narang, Kalyani Publishers, New Delhi.
10. Shukla S.M., Sahitya Bhavan Publication, Agara.

इकाई 3 सूत्रधारी एवं सहायक कम्पनी (Holding and Subsidiary Companies)

टिप्पणी

संरचना (Structure)

3.0 परिचय
3.1 उद्देश्य
3.2 सूत्रधारी एवं सहायक कम्पनी का अर्थ
 3.2.1 परिभाषा
 3.2.2 सहायक कम्पनी पर अंशतः एवं पूर्णतः अधिकार
 3.2.3 लेखांकन से सम्बन्धित सूत्रधारी कम्पनी के वैधानिक प्रावधान
 3.2.4 सूत्रधारी कम्पनी को लाभ
 3.2.5 सूत्रधारी कम्पनी को हानि
 3.2.6 मिश्रित वित्तीय विवरण—लेखांकन प्रमाप—21
 3.2.7 मिश्रित वित्तीय विवरणों की प्रस्तुति
3.3 सूत्रधारी कम्पनी का समेकित चिट्ठा तैयार करना
 3.3.1 समेकित सिद्धान्त
 3.3.2 पूर्वाधिकार लाभांश
 3.3.3 कम्पनियों के आपसी लेन-देन
 3.3.4 सूत्रधारी कम्पनी की एक से अधिक सहायक कम्पनी होना
 3.3.5 सूत्रधारी कम्पनी द्वारा अंशों का पुनः क्रय या धीरे-धीरे क्रय
 3.3.6 सूत्रधारी कम्पनी द्वारा क्रय किये गये अंशों का विक्रय
 3.3.7 सहायक कम्पनी द्वारा सूत्रधारी कम्पनी के अंशों का क्रय
 3.3.8 मिश्रित लाभ-हानि खाता
3.4 कम्पनियों के परिसमापन के लिए लेखांकन
 3.4.1 कम्पनी के समापन की विधियाँ
 3.4.2 पूर्वाधिकार के आधार पर देय राशि का भुगतान
 3.4.3 समापक के खाते का अन्तिम विवरण
 3.4.4 'ब' तालिका के योगदायी का दायित्व
 3.4.5 ऋण-पत्रधारियों के लिए प्राप्तकर्ता
 3.4.6 कम्पनी का स्थिति विवरण
 3.4.7 स्थिति विवरण बनाने की विधि
 3.4.8 कमी/आधिक्य खाता
 3.4.9 समापक का रोकड़ खाता
3.5 अपनी प्रगति जाँचिए प्रश्नों के उत्तर
3.6 सारांश
3.7 मुख्य शब्दावली
3.8 स्व-मूल्यांकन प्रश्न एवं अभ्यास
3.9 सहायक पाठ्य सामग्री

3.0 परिचय (Introduction)

वर्तमान व्यवसाय निरन्तर बढ़ता जा रहा है, एक बड़ी कम्पनी जब किसी दूसरी कम्पनी के प्रबन्ध पर नियन्त्रण कर लेती है, तब ऐसी स्थिति में बड़ी कम्पनी को सूत्रधारी कम्पनी एवं छोटी कम्पनी को उसकी सहायक कम्पनी कहा जाता है। एक कम्पनी द्वारा दूसरी

कम्पनी पर प्रबन्ध नियन्त्रण क्रय या अन्य प्रकार से किया जा सकता है। बाजार में एकाधिकार बनाने के लिए व अन्य लाभदायी कार्यों को करने के लिए ऐसा किया जाता है। एकीकरण की दशा में दो कम्पनियाँ एक साथ मिलकर व्यवसाय करने के लिए एक नयी कम्पनी का निर्माण करती है, एवं अपने पुराने नाम को खो देती है, जबकि सूत्रधारी एवं सहायक कम्पनी में ऐसा नहीं होता, इस दशा में कोई भी कम्पनी अपना नाम नहीं खोती बल्कि उसी नाम से चलती है और सहायक कम्पनी का अस्तित्व भी नहीं खत्म होता है। सूत्रधारी कम्पनी वह कम्पनी होती है, जो सहायक कम्पनी के 50% से अधिक अंश क्रय करती है एवं कम्पनी पर पूर्ण नियन्त्रण रखती है। एक सहायक कम्पनी की एक सूत्रधारी कम्पनी निम्न कारणों से हो सकती है–

1. अन्य कम्पनी के 50% से अधिक अंशों का क्रय करने पर
2. अन्य कम्पनी के संचालक मंडल गठन पर नियन्त्रण होने पर
3. किसी ऐसी सहायक कम्पनी की सूत्रधारी कम्पनी होना जोकि अन्य किसी कम्पनी की सूत्रधारी कम्पनी है।

कम्पनी का निर्माण किसी विशेष उद्देश्य की पूर्ति के लिए किया जा सकता है अथवा एक निश्चित अवधि के लिए कम्पनी निर्मित हो सकती है। एक संयुक्त स्कन्ध कम्पनी का निर्माण कम्पनी अधिनियम के अन्तर्गत होना अनिवार्य है, और इस तरह कम्पनी की समाप्ति भी अधिनियम द्वारा की जा सकती है, अतः कम्पनी का समापन कानूनी प्रक्रिया द्वारा होना ही कम्पनी का समापन कहलाता है। जिस प्रकार एक साझेदारी व्यवसाय के समापन पर समस्त सम्पत्तियों की वसूली कर दायित्वों का भुगतान किया जाता है, ठीक उसी प्रकार कम्पनी का समापन पूर्ण रूप से करने के लिए कम्पनी की सम्पत्तियों की वसूली करनी होती है, एवं दायित्वों का भुगतान किया जाता है। दायित्वों का भुगतान प्राप्त राशि से अधिक होने पर अयाचित पूँजी की माँग कम्पनी अपने अंशधारियों से करती है, और लेनदारों का निपटारा किया जाता है। दायित्वों का भुगतान पूर्वाधिकार के आधार पर करना अनिवार्य है। उपरोक्त कार्यों को सुचारू रूप से सम्पन्न कराने के लिए जिस व्यक्ति की नियुक्ति की जाती है उसे समापक (Liquidator) कहते हैं। अतः समापक द्वारा एक विवरण प्राप्तियाँ एवं भुगतान का तैयार किया जाता है।

3.1 उद्देश्य (Objectives)

इस इकाई के अध्ययन के बाद आप इस योग्य हो सकेंगे कि–

- सूत्रधारी एवं सहायक कम्पनी का अर्थ एवं लेखांकन प्रमाप – 21 से अवगत हो पाएंगे।
- सूत्रधारी कम्पनी का समेकित चिट्ठा तैयार कर पाएंगे।
- कम्पनी के समापन की विधियाँ से अवगत हो पाएंगे।
- ऋणपत्रधारियों के लिए प्राप्तकर्ता का खाता बनाना सीख पाएंगे।
- कमी/आधिक्य खाते को बनाना सीख पाएंगे।

3.2 सूत्रधारी एवं सहायक कम्पनी का अर्थ (Meaning of Holding and Subsidiary Company)

3.2.1 परिभाषा (Definition)

कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 4 के अनुसार एक सूत्रधारी कम्पनी एवं सहायक कम्पनी की परिभाषा निम्न प्रकार दी गई है–

(a) एक कम्पनी किसी अन्य कम्पनी की सहायक होगी यदि यह, अन्य कम्पनी इसके संचालक मण्डल के गठन पर नियन्त्रण रखती हो, या

(b) अन्य कम्पनी (i) जहाँ प्रथम कम्पनी एक विद्यमान कम्पनी है जिसके 1956 से पूर्व निर्गमित पूर्वाधिकार अंशों के धारक समता अंशधारियों के समान ही वोट–अधिकार रखते हों, इस कम्पनी के कुल वोट अधिकार के आधे से अधिक भाग पर नियन्त्रण रखती हो। (ii) जहाँ प्रथम कम्पनी जो कि अन्य कोई कम्पनी है इसके सामान्य अंशों के आधे से अधिक भाग का स्वामी हो अथवा

(c) प्रथम कम्पनी किसी ऐसी कम्पनी की सहायक हो जो स्वयं उस अन्य कम्पनी की सहायक है।

उपरोक्त परिभाषा से स्पष्ट है कि किसी कम्पनी के आधे से अधिक अंश किसी अन्य कम्पनी के पास होने एवं संचालक मण्डल के गठन का अधिकार होने तथा सहायक कम्पनी का किसी अन्य कम्पनी के 50% से अधिक अंशों का अधिकार रखने के कारण एक कम्पनी सूत्रधारी कम्पनी तथा दूसरी कम्पनी सहायक कम्पनी कहलाती है।

3.2.2 सहायक कम्पनी पर अंशतः एवं पूर्णतः अधिकार (Absolute and Absolute Power over Subsidiary Company)

यदि किसी सहायक कम्पनी के आधे से अधिक अंश सूत्रधारी कम्पनी के पास है तो यह अंशतः अधिकार वाली सूत्रधारी कम्पनी कहलायेगी तथा यदि सूत्रधारी कम्पनी के पास सहायक कम्पनी के 100% अंश है तो पूर्ण अधिकार वाली सूत्रधारी कम्पनी कहलायेगी। अशंतः अधिकार की दशा में अंशों का कुछ भाग जनता या अन्य कम्पनियों के पास होता है, ऐसी दशा में जो राशि अल्पमतधारियों को देय होती है उसे सूत्रधारी कम्पनी के चिट्ठे में दायित्व पक्ष की ओर दिखाया जाता है और यह राशि अल्पमत हित (Minority Interest) के नाम से जानी जाती है। कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 42 के अनुसार सहायक कम्पनी को सूत्रधारी कम्पनी में मत देने का अधिकार नहीं होता है।

3.2.3 लेखांकन से सम्बन्धित सूत्रधारी कम्पनी के वैधानिक प्रावधान (Statutory Provisions of Accounting related to Holding Company)

कम्पनी अधिनियम की धारा 212 के अनुसार सूत्रधारी कम्पनी के लेखांकन में सहायक कम्पनी के निम्नलिखित प्रपत्र संलग्न होना चाहिए–

(a) सहायक कम्पनी के चिट्ठे की एक प्रतिलिपि

(b) सहायक कम्पनी के लाभ-हानि खाते की प्रतिलिपि

(c) संचालक मण्डल की रिपोर्ट की एक प्रतिलिपि

टिप्पणी

(d) अकेंक्षक के रिपोर्ट की एक प्रतिलिपि

(e) सूत्रधारी कम्पनी का सहायक कम्पनी में हित का विवरण

(f) उपधारा (5) के अनुसार विवरण यदि आवश्यक हो तो

(g) उपधारा (6) के अनुसार विवरण यदि आवश्यक हो तो

उपरोक्त विवरण में निम्नलिखित का उल्लेख होना चाहिए–

(i) सहायक कम्पनी के वित्तीय वर्ष समाप्त होने के समय सूत्रधारी कम्पनी का हित

(ii) सहायक कम्पनी के लाभ या हानि में सूत्रधारी कम्पनी के अंशधारियों का हित

उपरोक्त विवरण में यह ध्यान रखना आवश्यक है कि सहायक कम्पनी के लाभ का लेखा चाहे किया गया हो या नहीं, लेकिन लेखा अलग-अलग होना चाहिए।

(h) सभी व्यावसायिक संगठनों का वित्तीय वर्ष 31 मार्च को समाप्त होना अनिवार्य है। जब सूत्रधारी कम्पनी व सहायक कम्पनी के अन्तिम खाते बन्द होने की तिथियों में अन्तर होता है तब अन्तर राशि में सूत्रधारी कम्पनी के हित का विवरण। इस विवरण में सूत्रधारी कम्पनी के हित में परिवर्तन की मात्रा तथा सहायक कम्पनी की सम्पत्तियाँ एवं दायित्वों में महत्त्वपूर्ण परिवर्तन का उल्लेख होना चाहिए।

3.2.4 सूत्रधारी कम्पनी को लाभ (Advantages of Holding Company)

सूत्रधारी कम्पनी को सहायक कम्पनी के अंश क्रय करने पर कई प्रकार के लाभ होते हैं–

(1) सूत्रधारी कम्पनी द्वारा सहायक कम्पनी के अंश क्रय करने पर कानूनी अस्तित्व में आ जाती है।

(2) दोनों कम्पनियाँ अपना लेखांकन अलग-अलग रखती हैं, तो दोनों कम्पनियों की वित्तीय स्थिति का पता आसानी से लगाया जा सकता है।

(3) यह बहुत ही आसान तरीका होता है, किसी भी कम्पनी पर नियन्त्रण करने का।

(4) दोनों कम्पनियों के खाते अलग-अलग बनाये जाते हैं, अतः हानि होने की स्थिति में, हानियों को आगे ले जाया जा सकता है।

(5) सहायक कम्पनी की किसी भी हानि का प्रभाव सूत्रधारी कम्पनी पर नहीं पड़ता है।

(6) सूत्रधारी कम्पनी के पास सहायक कम्पनी का प्रबन्ध नियन्त्रण होता है, इसके अलावा सहायक कम्पनी अपनी इच्छा के अनुसार कहीं भी कार्य कर सकती है।

(7) सूत्रधारी कम्पनी, सहायक कम्पनी के किसी भी हानि को वहन करने के लिए बाध्य नहीं है।

(8) सहायक कम्पनी की अपनी अलग ख्याति होती है।

(9) सूत्रधारी कम्पनी के संचालक अपनी प्रबन्ध योग्यता का प्रयोग सहायक कम्पनी पर कर लाभ पहुँचा सकते हैं।

(10) सूत्रधारी कम्पनी का अंश सहायक कम्पनी में आधे से अधिक होता है।

टिप्पणी

3.2.5 सूत्रधारी कम्पनी को हानि (Disadvantages of Holding Company)

सूत्रधारी कम्पनी का सहायक कम्पनी में हिस्सा होने पर उसे कई प्रकार की हानियाँ वहन करनी पड़ती हैं–

(1) सहायक कम्पनी का संचालक मण्डल यदि योग्य नहीं है, तो उसका प्रभाव सूत्रधारी कम्पनी पर पड़ता है।

(2) सूत्रधारी कम्पनी का बिना किसी प्रयास के सहायक कम्पनी पर अधिकार होने का प्रयोग कर सकती है।

(3) अर्न्तकम्पनीय ऋण आदि का प्रभाव भी सूत्रधारी कम्पनी पर पड़ता है।

(4) सूत्रधारी कम्पनी के अंशधारियों को सहायक कम्पनी की वित्तीय स्थिति की जानकारी नहीं होती है।

(5) सहायक कम्पनी अपने संचालक उच्च पारिश्रमिक पर नियुक्त कर सकते हैं।

(6) अल्पमत हितकारियों के लिए यह समझौता उचित नहीं है।

(7) सूत्रधारी कम्पनी सहायक कम्पनी का शोषण कर सकती है।

(8) सहायक कम्पनी प्रबन्ध नियन्त्रण में ज्यादा हस्तक्षेप नहीं कर पाती।

(9) सूत्रधारी कम्पनी अपनी मनमानी सहायक कम्पनी पर कर सकती है।

3.2.6 मिश्रित वित्तीय विवरण–लेखांकन प्रमाप–21 (Consolidated Financial Statement – Accounting Standard-21)

लेखांकन प्रमाप–21, 1 अप्रैल 2020 को या उसके बाद प्रारम्भ होने वाली लेखांकन अवधियों के सम्बन्ध में लागू होता है।

लेखांकन प्रमाप–21 के उद्देश्य–

(1) समेकित वित्तीय विवरणों की रचना तथा प्रस्तुति हेतु सिद्धान्तों तथा प्रविधियों की व्याख्या करना।

(2) समेकित वित्तीय विवरणों को सूत्रधारी कम्पनी द्वारा प्रस्तुत करना।

(3) समूह की आर्थिक विधियों के बारे में वित्तीय सूचनाओं की व्यवस्था करना।

क्षेत्र

(1) विवरण को एक सूत्रधारी कम्पनी के नियन्त्रणाधीन उपक्रमों के एक समूह के लिए मिश्रित वित्तीय विवरणों की रचना तथा प्रस्तुति में लागू किया जाना चाहिए।

(2) विवरण को एक सूत्रधारी कम्पनी के पृथक वित्तीय विवरणों में सहायक कम्पनियों में विनियोगों हेतु लेखांकन में भी काम में लाया जाना चाहिए।

3.2.7 मिश्रित वित्तीय विवरणों की प्रस्तुति (Presentation of Consolidated Financial Statements)

एक सूत्रधारी कम्पनी को अपने वित्तीय विवरणों के साथ, निम्न विवरणों को भी प्रस्तुत किया जाना चाहिए।

टिप्पणी

(1) सूत्रधारी कम्पनी के पृथक् वित्तीय विवरण का प्रस्तुतीकरण
(2) समेकित वित्तीय विवरण जो सम्पूर्ण समूह की गतिविधियों के परिणामों तथा वित्तीय सूचनाओं को पेश करते हैं–
(3) एक सहायक कम्पनी को समेकन से मुक्त किया जाना चाहिए जब
   (i) नियन्त्रण के अस्थायी रहने का विचार हो क्योंकि सहायक कम्पनी को निकट भविष्य में उसके तदोपरान्त निपटान के इरादे को पूरी तरह उपार्जित तथा धारित किया जाता हो, या
   (ii) यह एक ऐसी भारी दीर्घकालीन बाधाओं के दौर में हो जो सूत्रधारी कम्पनी को अन्तरण हेतु उसकी योग्यता को महत्त्वपूर्ण तौर पर बाधित करे।

3.3 सूत्रधारी कम्पनी का समेकित चिट्ठा तैयार करना (Consolidate Letter from the Holding Company)

मिश्रित चिट्ठे या वित्तीय विवरणों की रचना करते समय सूत्रधारी कम्पनी एवं सहायक कम्पनी के वित्तीय विवरण मदों के आधार पर एकीकृत किया जाना चाहिए। दोनों कम्पनियों की सम्पत्तियाँ, दायित्वों, व्ययों तथा आयों की मदों को एक साथ जोड़कर दिखाया जाना चाहिए। ऐसा करने के लिए वित्तीय विवरणों को पेश करते हुये निम्न कदम उठाये जाने चाहिए–

(1) प्रत्येक सहायक कम्पनी में उसके निवेश की सूत्रधारी कम्पनी की लागत तथा प्रत्येक सहायक कम्पनी की समता में सूत्रधारी का भाग उस तिथि को जब प्रत्येक सहायक कम्पनी में निवेश किया जाता है, हटा दिया जाना चाहिए।
(2) सूत्रधारी कम्पनी की लागत का कोई आधिक्य, जो उस तिथि को हो जब सहायक कम्पनी में निवेश किया जाता है, ख्याति के रूप में दिखाया जाना चाहिए।
(3) जब एक सहायक कम्पनी में सूत्रधारी कम्पनी की लागत सहायक कम्पनी की समता के सूत्रधारी वाले भाग से कम हो, उस तिथि को जब सहायक कम्पनी में निवेश किया जाता है तो अन्तर की राशि को मिश्रित वित्तीय विवरण में पूँजी संचय के रूप में दिखाया जाना चाहिए।
(4) रिपोर्टिंग अवधि के लिए समेकित सहायक कम्पनियों की शुद्ध आय में अल्पमत हितों को निकाला जाना चाहिए।
(5) समेकित सहायक कम्पनियों की शुद्ध सम्पत्तियों में अल्पमत हितों को दायित्वों से पृथक समेकित चिट्ठे में बताया तथा प्रस्तुत किया जाना चाहिए, तथा सूत्रधारी कम्पनी के अंशधारियों को अलग से दिखाया जाना चाहिए।

3.3.1 समेकित सिद्धान्त (Consolidated Theory)

सूत्रधारी कम्पनी एवं सहायक कम्पनी के आयों, व्ययों, सम्पत्तियाँ एवं दायित्वों को सम्मलित करते हुए मिश्रित वित्तीय विवरण तैयार किया जाता है। इस विवरण में समेकित लाभ–हानि खाता एवं स्थिति विवरण सम्मिलित होते हैं। दोनों कम्पनियों के आपसी सौदे एवं विभिन्न समायोजनाओं को ध्यान में रखकर इस विवरण को तैयार किया जाता है। सबसे महत्त्वपूर्ण समायोजन सूत्रधारी कम्पनी द्वारा सहायक कम्पनी में विनियोग तथा

सहायक कम्पनी की अंश पूँजी तथा संचय से सम्बन्धित होता है। मिश्रित चिट्ठा बनाते समय निम्न समायोजनाओं की गणना पहले कर लेनी चाहिए–

1. सूत्रधारी कम्पनी द्वारा क्रय किये गये अंशों का मूल्य– सूत्रधारी कम्पनी द्वारा सहायक कम्पनी के अंश क्रय किये जाते हैं, अतः यह ज्ञात होना आवश्यक है कि सूत्रधारी कम्पनी द्वारा कितने अंश क्रय किये गये हैं, एवं इनकी लागत कितनी है।

उदाहरण– 1

चिकू लिमिटेड कम्पनी ने एम लिमिटेड कम्पनी के 75% अंश 1,50,000 ₹ में क्रय किए। एम लिमिटेड की अंश पूँजी 1,00,000 ₹ में (प्रत्येक अंश 100 ₹) विभक्त है। सूत्रधारी कम्पनी के भाग की गणना कीजिए।

हल क्रमांक 1

Purchase Price ₹ 1,50,000

$$\text{Cost Price} = \frac{1,00,000 \times 75}{100} = ₹\ 75,000$$

1,50,000 ₹ क्रय मूल्य, लागत मूल्य से 75,000 ₹ अधिक है। अतः सूत्रधारी कम्पनी द्वारा क्रय किये गये अंशों का मूल्य 1,50,000 ₹ होगा।

2. अंश क्रय करने के पूर्व का लाभ– यदि सूत्रधारी कम्पनी द्वारा सहायक कम्पनी के अंश क्रय करते समय सहायक कम्पनी की पुस्तकों में कोई लाभ या हानि का शेष है तो यह लाभ या हानि पूँजीगत लाभ या हानि होगा। यदि सूत्रधारी कम्पनी ने सहायक कम्पनी के समस्त अंश क्रय नहीं किये हैं तो इस लाभ में से अन्य अंशधारियों का हिस्सा घटा देने के बाद आया लाभ पूँजीगत लाभ होगा। पूँजीगत लाभ को मिश्रित चिट्ठे के दायित्व पक्ष में दिखाया जाता है। इसकी गणना निम्नानुसार की जाती है।

उदाहरण– 2

चिकू लिमिटेड का चिट्ठा निम्न स्थिति प्रकट करता है–

Balance Sheet

Liabilities	Amt. (₹)	Assets	Amt. (₹)
80,000 equity shares @ ₹ 10 each	8,00,000	Fixed Assets	13,00,000
Profit & Loss A/c.	5,00,000		
	13,00,000		13,00,000

मीकू लिमिटेड ने चिकू लि. के 80% अंश 8,00,000 ₹ में 30 सितम्बर 2018 को क्रय किये। अंश क्रय करने की तिथि पर चिकू कम्पनी के लाभ-हानि खाते का जमा शेष 3,00,000 ₹ था। मिश्रित चिट्ठे में दर्शाने के लिए पूँजीगत लाभ की गणना कीजिए। यदि खाते प्रतिवर्ष 31 मार्च को बन्द किए जाते है।

हल क्रमांक 2

उपरोक्त प्रश्न में सूत्रधारी कम्पनी ने अंश वर्ष के मध्य में क्रय किए हैं, अतः वर्ष के कुल लाभ का 1/2 ही पूँजीगत लाभ की गणना करने में प्रयुक्त किया जाएगा।

टिप्पणी

इसके अतिरिक्त लाभ का ऐसा भाग जो अंश क्रय करने के पूर्व का है, पूँजीगत लाभ कहलायेगा। इसकी गणना निम्न प्रकार से की जा सकती है–

अंश क्रय करने से पूर्व का लाभ	3,00,000
अंश क्रय करने के पश्चात् का लाभ	
(5,00,000 – 3,00,000) = 2,00,000 ₹	
सम्पूर्ण वर्ष का लाभ 2,00,000 ₹	
$^1/_2$ वर्ष का लाभ = 2,00,000 × ½ =	1,00,000
	4,00,000

सूत्रधारी कम्पनी ने सहायक कम्पनी के 80% अंशों का क्रय किया है। 20% अंश अल्पमतधारियों के पास हैं।

$$\text{कुल लाभ में सूत्रधारी कम्पनी का भाग} = \frac{4,00,000 \times 80}{100} = 3,20,000$$

मिश्रित चिट्ठे में पूँजीगत लाभ के रूप में दिखाई जाने वाली राशि 3,20,000 ₹ है।

3. सहायक कम्पनी द्वारा लाभांश का भुगतान– सहायक कम्पनी द्वारा जब लाभांश का भुगतान किया जाता है तब यह ध्यान दिया जाना आवश्यक है कि लाभांश का भुगतान अंश क्रय करने की तिथि के पहले किया गया है अथवा बाद के लाभ में से किया गया है। लाभांश का भुगतान उसी अवधि के लाभ में से किया जाता है, जिस अवधि का लाभांश घोषित किया जाता है। यदि उस अवधि का लाभ अप्रयाप्ति हो तो पूर्व शेष का उपयोग किया जा सकता है।

उदाहरण– 3

एम लिमिटेड का चिट्ठा 31 मार्च, 2018 को निम्न स्थिति प्रकट करता है–

Balance Sheet

Liabilities	Amt. (₹)	Assets	Amt. (₹)
Share Capital		Fixed Assets	50,000
6,000 equity shares		Current Assets	80,000
@ ₹ 10 each	60,000		
Profit & Loss A/c.	40,000		
Creditors	30,000		
	1,30,000		1,30,000

लाभ-हानि खाते का जमा शेष 1 अप्रैल, 2016 को 20,000 ₹ था। सूत्रधारी कम्पनी ने 30 सितम्बर 2018 को एम लिमिटेड के समस्त अंशों को 75,000 ₹ में क्रय किया। 31 दिसम्बर 2017 को कम्पनी ने वर्ष 2016–2017 के लिए 20% लाभांश की घोषाणा की। पूँजीगत लाभ तथा आगमगत लाभ की गणना कीजिए।

हल क्रमांक 3

सूत्रधारी, कम्पनी ने चालू वर्ष में पिछले वर्ष के लिए लाभांश की घोषणा की है, अतः लाभांश पिछले वर्ष के लाभ में से दिया जाएगा। पिछले वर्ष का लाभ 20,000 ₹ था।

टिप्पणी

1. पूँजी लाभ की गणना	20,000
1 अप्रैल 2016 को लाभ	
घटाया लाभांश	
$\frac{60,000 \times 20}{100} = 12,000$	12,000
शेष लाभ	8,000
शेष लाभ	8,000
चालू वर्ष का लाभ	
(40,000 – 20,000) = 20,000	
$\frac{20,000 \times 1}{2} =$	10,000
	18,000

पूँजी लाभ– 18,000 ₹

2. आयगत लाभ की गणना

चालू वर्ष का लाभ 20,000 ₹	
$\frac{20,000 \times 1}{2} =$	10,000

आयगत लाभ 10,000 ₹

4. सम्पत्तियाँ एवं दायित्वों का पुनर्मूल्यांकन– जब कोई कम्पनी किसी अन्य कम्पनी के अंशों को क्रय करना चाहती है, तब उसकी सम्पत्तियाँ एवं दायित्वों का मूल्यांकन भी करती है। अतः सूत्रधारी कम्पनी द्वारा सहायक कम्पनी की सम्पत्तियाँ एवं दायित्वों का अंश क्रय करने की तिथि को पुर्नमूल्यांकन किया जा सकता है। पुर्नमूल्यांकन पर प्राप्त लाभ या हानि पूँजीगत लाभ या हानि माना जाएगा। कम्पनी की स्थायी सम्पत्तियों का पुर्नमूल्यांकन होने पर ह्रास का समायोजन भी किया जाता है। ह्रास की राशि में वृद्धि होने पर, अतिरिक्त ह्रास की राशि सहायक कम्पनी के आयगत लाभ में घटायी जाएगी।

5. अल्पमतधारियों का हित– जब सूत्रधारी कम्पनी द्वारा, सहायक कम्पनी के समस्त अंश क्रय नहीं किये जाते हैं, तब बचा हुआ हिस्सा अन्य द्वारा लिया जाता है, जिसे अल्पमतधारी कहा जाता है। अल्पमतधारियों के हित की गणना करने के लिए ठीक वैसी ही प्रक्रिया अपनायी जाती है, जैसे सूत्रधारी कम्पनी के भाग की गणना की जाती है। अल्पमत हित को चिट्ठे में दायित्व पक्ष में दिखाया जाता है।

अल्पमत हित की गणना निम्नानुसार की जाती है–

	Share in share capital	....
Add:	Share in capital profit	....
Add:	Share in Revenue Profit	....
Add:	Share in Reserve Fund	....
	Minority Interest	....

उदाहरण– 4

31 मार्च 2019 को सहायक कम्पनी का चिट्ठा निम्न स्थिति को प्रदर्शित करता है।

टिप्पणी

Liabilities	Amt. (₹)	Assets	Amt. (₹)
Share Capital		Land & Building	90,000
10,000 equity share		Plant & Machinery	81,000
@ ₹ 10 each	1,00,000	Furniture	35,000
Profit & Loss A/c	24,000	Cash at Bank	15,000
General Reserve	40,000		
Bank loan	23,000		
Creditors	34,000		
	2,21,000		2,21,000

सूत्रधारी कम्पनी ने 30 सितम्बर 2018 को सहायक कम्पनी के 7,500 अंशों को 90,000 ₹ में क्रय किया। क्रय की तिथि को लाभ-हानि खाते एवं सामान्य संचय का शेष क्रमशः 16,000 ₹ 30,000 ₹ था अल्पमत हित की गणना कीजिए।

हल क्रमांक 4

Calculation of Minority Interest

Ratio 7,500 : 2,500 or 3:1

Share in equity Capital 1,00,000 × 1/4	25,000
Share in Profit & Loss A/c 24,000 × 1/4	6,000
Share in Reserve Fund 40,000 × 1/4	10,000
Minority Interest	41,000

6. नियन्त्रण की लागत– सूत्रधारी कम्पनी द्वारा सहायक कम्पनी के अंश सामान्यतया चुकता मूल्य से कम या ज्यादा मूल्य पर क्रय किये जा सकते हैं, इसके अतिरिक्त सहायक कम्पनी का चिट्ठा लाभ-हानि का जमा या नामे शेष को दर्शा सकता है। सहायक कम्पनी के पास और भी आन्तरिक दायित्व हो सकते हैं, जैसे संचय कोष आदि। इन सब राशियों का समायोजन क्रय किया गया मूल्य इन समस्त राशियों के योग से अधिक हो सकता है या कम हो सकता है। जैसी भी स्थिति हो इस अन्तर राशि को ख्याति अथवा पूँजी संचय कहा जाता है, और इसे मिश्रित चिट्ठे में उचित स्थान पर दिखाया जाता है। इस राशि को ज्ञात करने के लिए निम्न सूत्र का प्रयोग किया जा सकता है।

Cost of required shares in subsidiary company	………
***Less*:** Paid-up value of shares acquired	………
Add: Share in Profit & Loss A/c	………
Add: Share in Reserve funds A/c	………
ख्याति / पूँजी संचय	………

यदि क्रय किये गये अंशों का लागत मूल्य, अंशों के चुकता मूल्य एवं अन्य दायित्वों से अधिक हैं तो अन्तर की राशि ख्याति कहलायेगी एवं यदि क्रय किये गए अंशों का लागत मूल्य अंशों के चुकता मूल्य एवं अन्य दायित्वों से कम होता है तो अन्तर की राशि पूँजी संचय कहलायेगी। अतः जिस मूल्य पर सूत्रधारी कम्पनी, सहायक कम्पनी के अंश क्रय करती है, वह नियन्त्रण की लागत कहलाती है।

उदाहरण– 5

उदाहरण 4 के अनुसार ख्याति अथवा पूँजी संचय की गणना कीजिए।

हल क्रमांक 5

Cost of acquired shares in Subsidiary Company			90,000
Paid-up value of share acuired			
$\frac{1,00,000 \times 75}{100} = 75,000$	=	75,000	
Share in Profit & Loss A/c.			
$= 16,000 \times \frac{3}{4}$	=	12,000	
Share in Reserve Fund			
$= 30,000 \times \frac{3}{4}$	=	22,500	1,09,500
Capital Reserve			19,500

19,500 ₹ पूँजी संचय की राशि को मिश्रित चिट्ठे में दायित्व पक्ष में दिखाया जाएगा।

7. सहायक कम्पनी के पूर्वाधिकार अंशः सहायक कम्पनी समता अंशों के साथ–साथ पूर्वाधिकार अंशों का निर्गमन कर सकती है। सूत्रधारी कम्पनी द्वारा समता अंशों के पूर्वाधिकार अंशों का भी क्रय किया जा सकता है। यदि सूत्रधारी कम्पनी ने सहायक कम्पनी के कुछ पूर्वाधिकार अंशों को क्रय किया है तो इन अंशों की लागत मूल्य ख्याति/पूँजी संचय की गणना करते समय समता अंशों की लागत में जोड़ दिया जाना चाहिए।

यदि सूत्रधारी कम्पनी द्वारा पूर्वाधिकार अंशों का कोई भाग नहीं लिया जाता है, तब ऐसी दशा में सहायक कम्पनी की समस्त पूर्वाधिकार अंश पूँजी का समायोजन अल्पमत हित की गणना के साथ किया जाएगा।

उदाहरण– 6

हंस लिमिटेड ने 1 अप्रैल 2018 को कछुआ लि. के 24,000 अंश 6,50,000 ₹ में क्रय किए 31 मार्च 2019 को दोनों कम्पनियों के चिट्ठे निम्न प्रकार थे।

टिप्पणी

Balance Sheet

Liabilities	Hansh Ltd.	Kacchua Ltd.	Assets	Hansh Ltd.	Kacchua Ltd.
Pref. share capital		1,00,000			
Equity share capital of ₹ 10 each	16,00,000	3,00,000	Land & Builing	8,00,000	2,00,000
			Plant & Machinery	5,50,000	2,25,000
General Reserve (1.04.2008)	9,50,000	2,50,000	Stock	4,50,000	82,500
			Debtors	2,00,000	1,62,000
Profit & Loss A/c (1.04.2008)	4,25,000	1,60,000	Shares in Kacchua Ltd.	6,50,000	—
Sundry Creditors	3,62,500	82,500	Bills Receivable	90,000	55,000
Bills Payable	1,42,500	1,22,500	Cash at Bank	7,40,000	2,90,500
	34,80,000	10,15,000		34,80,000	10,15,000

मिश्रित चिट्ठा बनाइये। Prepare Consolidated Balance Sheet.

हल क्रमांक 6

(1) Calculation of Minority Interest

Ratio 24,000 : 6000
or
4 : 1

Preference Share Capital			1,00,000
Share in Equity Share Capital	$\frac{3,00,000 \times 1}{5}$	=	60,000
Share in General Reserve	$\frac{2,50,000 \times 1}{5}$	=	50,000
Share in Profit & Loss A/c	$\frac{1,60,000 \times 1}{5}$	=	32,000
Minority Interest			2,42,000

(2) Calculation of Goodwill/Capital Reserve

Cost of acquired shares in subsidiary Co.				6,50,000
Less: Paid-up value of share acquired				
	$\frac{3,00,000 \times 4}{5}$	=	2,40,000	
Share in General Reserve =	$\frac{2,50,000 \times 4}{5}$	=	2,00,000	
Share in Profit & Loss A/c =	$\frac{1,60,000 \times 4}{5}$	=	1,28,000	5,68,000
			Goodwill	82,000

Goodwill

Consolidated Balance Sheet (as on 31st March, 2019)

Liabilities	Amt. (₹)	Assets	Amt. (₹)
Share Capital			
Equity share capital		Land & Building	10,00,000
of ₹ 10 each	16,00,000	Plant & Machinery	7,75,000
General Reserve	9,50,000	Stock	5,32,500
Profit & Loss A/c	4,25,000	Debtors	3,62,000
Sundry			
Creditors 3,62,500		Bills Receivable	1,45,000
Subsidiary 82,500	4,45,000	Cash at Bank	10,30,500
Bills Payable 1,42,500		Goodwill	82,000
Subsidiary 1,22,500	2,65,000		
Minority Interest	2,42,000		
	39,27,000		39,27,000

टिप्पणी

उदाहरण– 7

एम. एच. लिमिटेड ने 1 अप्रैल 2019 को एस लिमिटेड के 12,000 अंश 1,70,000 ₹ में क्रय किये। 31 दिसम्बर, 2019 को दोनों कम्पनियों के चिट्ठे निम्न प्रकार थे।

Liabilities	M.H.Ltd.	S.Ltd.	Assets	M.H.Ltd.	S.Ltd.
Share Capital			Goodwill	3,00,000	70,000
(Share of					
₹ 10 each)	8,00,000	2,00,000	Land & Building	4,00,000	1,00,000
10%, 5000			Plant &		
Pref share			Machinery	3,00,000	1,00,000
@ ₹ 10 each	—	50,000	Stock	2,00,000	40,000
General Reserve			Book Debts	3,00,000	85,000
(as on 1st					
Jan. 2019)	4,50,000	1,50,000	Investments	2,00,000	—
Profit &					
Loss A/c.	2,60,000	85,000	Bills Receivable	50,000	30,000
Sundry Creditors	1,82,500	42,000	Cash & Bank	22,500	
Bills Payable	1,12,000				
	80,000	10,000			
	17,72,500	5,37,000		17,72,500	5,37,000

1 जनवरी 2019 को एस लिमिटेड के लाभ-हानि खाते का शेष 40,000 ₹ था। जून 2019 में एस लिमिटेड ने सामान्य संचय से प्रति दो अंशों के लिए एक अंश निर्गमित किया। एस लिमिटेड की पुस्तकों में बोनस निर्गमन का लेखा नहीं किया गया है। मिश्रित चिट्ठा बनाइये।

टिप्पणी

हल क्रमांक 7

1. Calculation of Minority Interest

Ratio 12,000 : 8,000 3:2

Preference share capital		50,000
Share in share capital	2,00,000 × 2/5	80,000
Share in General Reserve	1,50,000 × 2/5	60,000
Share in Profit & Loss A/c	85,000 × 2/5	34,000
	Minority Interest	2,24,000

2. Calcualtion of Goodwill/Capital Reserve

Cost of acquired share in subsidiary company		1,70,000
Less: Paid-up value of share acquired		
2,00,000 × 3/5	1,20,000	
Share in General Reserve = 50,000 × 3/5	30,000	
(1,50,000 – 1,00,000) = 50,000		
Bonus share = $\frac{12,000 \times 1 \times 10}{2}$ =	60,000	
Share in Profit & Loss A/c. 40,000 × 3/5	24,000	
Share in current Profit		
85,000 – 40,000 = 45,000		
(1 Jan. 2019 to 31st March 2019)		
$45,000 \times \frac{3}{12} \times \frac{3}{5}$	6,750	2,40,750
	Capital Reserve	70,750

3. Calculation of Profit & Loss A/c

Profit & Loss of holding company	2,60,000
Add: Profit of subsidiary company	
$45,000 \times \frac{9}{12} \times \frac{3}{5}$	20,250
	2,80,250

4. Calculation of Capital Profits

General Reserve on 1st Jan, 2019	1,50,000
Less: Utilised for Bonus share	1,00,000
	50,000
Add: Profit & Loss A/c. as on 1st Jan, 2019	40,000
Add: Profit for year 2019 from 1st Jan to 31st March	
(85,000 – 40,000) × ¼	11,250
Less: Minority's share 101250 × 2/5	1,01,250
	40,500
Holding Company's Share	60,750

Consolidated Balance Sheet

(as at 31st Dec., 2019)

Liabilities	Amt. (₹)	Assets	Amt. (₹)
Share Capital		Fixed Assets	
80,000 shares of			
₹ 10 each	8,00,000	Goodwill	
Reserve & Surplus		H Ltd. 3,00,000	
General Reserve	4,50,000	S. Ltd. 70,000	
Profit & Loss A/c.	2,80,250	3,70,000	
Sundry Creditors		***Less:*** Capital	
H. Ltd. 1,82,500		Reserve 70,750	2,99,250
S. Ltd. 42,000	2,24,500		
Bills Payable		Land & Building	
H. Ltd. 80,000		H. Ltd. 4,00,000	
S. Ltd. 10,000	90,000	S. Ltd. 1,00,000	5,00,000
Minority Interest	2,24,000	Plant & Machinery	
		H. Ltd. 3,00,000	
		S. Ltd. 1,00,000	4,00,000
		Current Assets	
		Stock	
		H. Ltd. 2,00,000	
		S. Ltd. 40,000	2,40,000
		Book Debts	
		H. Ltd. 3,00,000	
		S. Ltd. 85,000	3,85,000
		Investments 2,00,000	
		Shares in	
		Subsidiary Co. 1,70,000	30,000
		Bills Receiable	
		H. Ltd. 50,000	
		S. Ltd. 30,000	80,000
		Cash at Bank	
		H. Ltd. 22,500	
		S. Ltd. 1,12,000	1,34,500
	20,68,750		20,68,750

3.3.2 पूर्वाधिकार लाभांश (Preference Dividend)

जैसे कि उपरोक्त उदाहरण में देखा कि सूत्रधारी कम्पनी द्वारा यदि सहायक कम्पनी के पूर्वाधिकार अंशों का क्रय नहीं किया जाता है तो समस्त पूर्वाधिकार अंश पूँजी को अल्पमत हित की गणना करने के साथ समायोजित कर दिया जाता है। ठीक इसी प्रकार पूर्वाधिकार लाभांश का लेखा किया जाता है। यदि सूत्रधारी कम्पनी के पास पूर्वाधिकार अंश नहीं है तो मिश्रित चिट्ठा बनाने की तिथि तक का समस्त लाभांश अल्पसंख्यकों के हित में जोड़ा जाएगा। यदि सूत्रधारी कम्पनी के पास पूर्वाधिकार अंश है तो लाभांश का समायोजन अंशों के अनुपात में किया जाएगा। सूत्रधारी कम्पनी द्वारा अंश क्रय करने के पूर्व का लाभांश पूँजी लाभ तथा पश्चात् का लाभांश आयगत लाभ माना जाएगा।

टिप्पणी

संचयी पूर्वाधिकार अंशों की दशा में यदि पिछले वर्ष का लाभांश अदत्त है, तो अदत्त लाभांश के अल्पमतधारियों के भाग अल्पमत हित की गणना करते समय सम्मिलित किया जाएगा। लेकिन हानि होने की दशा में पूर्वाधिकारी अंशधारी हानि में हिस्सा नहीं लेंगे। समस्त हानि की राशि को सूत्रधारी एवं अल्पमतधारियों के बीच विभाजित किया जाएगा।

यदि किसी वर्ष लाभ का शेष अपर्याप्त है तो कमी की राशि को टिप्पणी के रूप में दिखाया जाएगा।

उदाहरण– 8

निम्न जानकारी के आधार पर 31 मार्च 2019 को मिश्रित चिट्ठा बनाइये।

Liabilities	Hony Ltd.	Sony Ltd.	Assets	Hony Ltd.	Sony Ltd.
Share Capital			Sundry Assets	8,850	15,100
@ ₹ 10 each	14,000	10,000	Shares in Sony		
Creditors	3,500	1,900	Ltd. (900 shares	11,250	
Profit &			at cost)		
Loss A/c	2,600	3,200			
	20,100	15,100		20,100	15,100

हनी लिमिटेड द्वारा सोनी लिमिटेड को क्रय करने की तारीख पर एस लिमिटेड के लाभ हानि खाते का जमा शेष 2,200 ₹ था। इस तिथि तक किसी लाभांश की घोषणा नहीं की गई है।

हल क्रमांक 8

Consolidated Balance Sheet

(as on 31st Dec. 2019)

Liabilities		Amt. (₹)	Assets		Amt. (₹)
Share Capital			Goodwill		270
@ ₹ 10 each		14,000	Sundry Assets		
Profit & Loss A/c		3,500	H. Ltd.	8,850	
Credtiros			S. Ltd.	15,100	23,950
H. Ltd.	3,500				
S. Ltd.	1,900	5,400			
Minority Interest		1,320			
		24,220			24,220

1. Calculation of Minority Interest

   Ratio 900 : 100 or 9:1

Share in share capital 10,000 × 1/10	1,000
Share in Profit & Loss A/c 3,200 × 1/10	320
	1,320

2. Calculation of Goodwill/Capital Reserve Cost of Share Capital in S. Ltd. — 11,250

	Share Capital in S. Ltd.		11,250
Less:	Share in share capital	10,000 × 9/10 = 9,000	
	Profit & Loss A/c	2200 × 9/10 = 1,980	10,980
	Goodwill		270

उदाहरण– 9

अमित लिमिटेड ने अजय लिमिटेड से 30 जून 2018 को 40,000 अंश 10 ₹ वाले 5,20,000 ₹ में क्रय किए। अमित लिमिटेड ने 10% लाभांश वर्ष 2017 का प्राप्त किया लेकिन प्राप्त लाभांश को अमित लिमिटेड के लाभ-हानि खाते में सम्मलित किया गया। निम्न चिट्ठा दिनांक 31 दिसम्बर 2018 का है।

Liabilities	Amit Ltd.	Ajay Ltd.	Assets	Amit Ltd.	Ajay Ltd.
Share Capital Share @ ₹ 10 each	6,00,000	5,00,000	Investment in Ajay Ltd. (40,000 Shares)	5,20,000	
General reserve (1.1.2017)	1,20,000	1,00,000			
Profit & Loss A/c	3,40,000	2,80,000	Sundry Assets	6,40,000	9,60,000
Creditors	1,00,000	80,000			
	11,60,000	9,60,000		11,60,000	9,60,000

1 जनवरी 2018 को अजय लिमिटेड के लाभ.हानि का जमा शेष 80,000 ₹ था। 31 दिसम्बर 2018 को मिश्रित चिट्ठा बनाइये।

हल क्रमांक 9

1. Calculation of Capital Reserve

Cost of Shares held			5,20,000
Less:	Paid-up value of shares held share of pre-acquisition profit	4,00,000	
	1,55,000 × 4/5	1,24,000	
Share of General Reserve	1,00,000 × 4/5	80,000	
Dividend received out of pre-acquisition profit of Ajay Ltd. wrongly credited to P/L A/c of Amit Limited		40,000	6,44,000
			1,24,000

2. Calculation of consolidated P/L

Balance of Amit Limited		3,40,000
Less:	Dividend received from Ajay Limited out of pre-acquisition profit wrongly credited	40,000
Add:		3,00,000

टिप्पणी

Share of post acquisition profit
of Ajay Limited

1,25,000 × 4/5	1,00,000
	4,00,000

3. Calculation of Minority Interest

paid-up value of share held	1,00,000
Add: Share of pre-acquisition profit	
1,55,000 × 1/5	31,000
Share of post acquisition profit	
1,25,000 × 1/5	25,000
Share of Pre-acquisition Reserve	
1,00,000 × 1/5	20,000
	1,76,000

4. Calculation of Pre-acquisition Profit of Ajay Ltd.

Profit on 1st Jan 2018	80,000
Less: Dividend @ 10% (5,00,000 × 10/100)	50,000
	30,000
Add: Half of Profit of 2018 (2,80,000 – 30,000) = 2,50,000 × ½	1,25,000
	1,55,000

5. Calculation of Post acquisition profit
   2,80,000 – 30,000 = 2,50,000 × ½ =1,25,000

Consolidated Balance Sheet
(as on 31st Dec. 2018)

Liabilities		Amt. (₹)	Assets		Amt. (₹)
Share Capital 60,000 Shares @ ₹ 10 each		6,00,000	Sundry Assets		
			Amit Ltd.	6,40,000	
Capital Reserve		1,24,000	Ajay Ltd.	9,60,000	16,00,000
General Reserve		1,20,000			
Profit & Loss A/c		4,00,000			
Minority Interest		1,76,000			
Creditors					
Amit Ltd.	1,00,000				
Ajay Ltd.	80,000	1,80,000			
		16,00,000			16,00,000

उदाहरण– 10

निम्नलिखित चिट्ठा तरणदीप एवं करनदीप लिमिटेड का है। 31 दिसम्बर, 2018 को तरणदीप लिमिटेड की पुस्तकों में मिश्रित चिट्ठा बनाइये।

Liabilities	Taran-deep Ltd.	Karan-deep Ltd.	Assets	Taran-deep Ltd.	Karan-deep Ltd.
Share Capital			Land & Building	3,00,000	90,000
Shares @			Furniture	50,000	17,000
₹ 100 each	5,00,000	1,00,000	Stock	4,40,000	1,43,000
Reserve Fund	2,00,000	75,000	Investment in		
Profit &			Karandeep Ltd.		
Loss A/c	1,00,000	25,000	(800 shares)	1,60,000	—
Bills Payable	1,50,000	50,000			
	9,50,000	2,50,000		9,50,000	2,50,000

अन्य जानकारियाँ (Other Information)

(1) क्रय की तिथि पर संचय कोश एवं लाभ-हानि खाते का जमा शेष क्रमशः 25,000 ₹ एवं 15,000 ₹ था।

(2) तरणदीप लिमिटेड ने करणदीप लिमिटेड के 80% अंश 1 जनवरी 2018 को क्रय किये।

(3) भूमि व भवन (पुस्तकीय मूल्य 1,00,000) एवं फर्नीचर (पुस्तकीय मूल्य 20,000 ₹) का पुर्नमूल्यांकन क्रमशः 1,50,000 तथा 15000 ₹ अंशों के मूल्य निर्धारण के समय था।

(4) क्रय की तिथि तक सम्पत्तियों का क्रय विक्रय नहीं हुआ है।

हल क्रमांक 10

1. Calculation of Reserve Fund

Balance of Holding Company	2,00,000
Add: Share of post acquisition Reserve	
of subsidiary Ltd. ₹ 50,000 × 4/5	40,000
	2,40,000

2. Calculation of Consolidated Profit & Loss A/c

Balance of Holding Company	1,00,000
Add: Post acquisition profits	
₹ 10,000 × 4/5	8,000
Share of over depreciation of subsidiary Co.	
Furniture ₹ 750 × 4/5	600
	1,08,600
Less: Share of under depreciation of Subsidiary Co.	
Land & Building ₹ 5,000 × 4/5	4,000
	1,04,600

3. Calculation of Minority Interest

Paid-up value of shares			20,000
Add: Share of Reserve			
	75,000 × 1/5		15,000
Share of Profit			
	25,000 × 1/5		5,000
Share of Revaluation Profits			
	₹ 50,000 × 1/5		10,000
Share of over depreciation			
	750 × 1/5		150
			50,150
***Less*:** Share of Revaluation Loss			
	5,000 × 1/5	1,000	
Share of under depreciation			
	5,000 × 1/5	1,000	2,000
			48,150

4. Calculation of Goodwill/Capital Reserve

Cost of shares held			1,60,000
***Less*:** Paid-up value of shares		80,000	
Shares of Pre-acquisition Reserve		20,000	
	25,000 × 4/5		
Share of Pre-acquisition profit			
	15,000 × 4/5	12,000	
Share of Revaluation Profit			
	50,000 × 4/5	40,000	1,52,000
			8,000
Add: Share of Revaluation Loss			
	5,000 × 4/5		4,000
Goodwill			12,000

5. Calculation of value of Land & Building at the beginning

$$\frac{90,000 \times 100}{90} = ₹\ 1,00,000$$

Depreciation = 1,00,000 – 90,000 = 10,000

$$\text{Rate of Depreciation} = \frac{10,000 \times 100}{1,00,000} = 10\%$$

Appreciation in the value by ₹ 50,000

Therefore, under depreciation = 10% of ₹ 50,000 = 5,000

Land & Building of Holding Limited	3,00,000
Land & Building of Subsidiary Limited	90,000
	3,90,000
Add: Appreciation in value	50,000

	4,40,000
Less: Under Depreciation now adjusted	5,000
Shown in Consolidated Balance Sheet	4,35,000

6. Calculation of value of Furniture
Amount of Depreciation = 20,000 × 15/100 = 3,000
Revalued at ₹ 15,000
The amount of over depreciation
at 15% on ₹ 5,000 ₹ 750

Holding Ltd.	50,000	
Subsidiary Ltd.	17,000	
	67,000	
Less: Decrease in value	5,000	62,000
Add: Over Depreciation now adjusted		750
		62,750

टिप्पणी

Consolidated Balance Sheet

Liabilities	Amt. (₹)	Assets	Amt. (₹)
Share Capital		Goodwill	12,000
5,000 shares			
@ ₹ 100 each		Land & Building	4,35,000
fully paid	5,00,000	Furniture	62,750
Reserve Funds	2,40,000	Current Assets	
Profit & Loss A/c	1,04,600	Holding Ltd. 4,40,000	
Minority Interest	48,150	Subsidiary Ltd. 1,43,000	5,83,000
Creditors			
Holding Ltd. 1,50,000			
Subsidiary Ltd. 50,000	2,00,000		
	10,92,750		10,92,750

उदाहरण – 11

1 जनवरी 2018 को महेन्द्र लिमिटेड ने माइनर लिमिटेड के 80% अंशों को 8,50,000 ₹ में क्रय किया। दोनों कम्पनियों का चिट्ठा 31 दिसम्बर 2018 को इस प्रकार था।

Liabilities	Mahinder Ltd.	Minor Ltd.	Assets	Mahinder Ltd.	Minor Ltd.
Share Capital			Land & Building	8,10,000	3,85,000
Equity shares @ ₹ 10 each	10,00,000	5,00,000	Plant & Machinery	3,25,000	2,22,000
Preference			Stock	2,15,000	1,40,000
shares @ ₹ 100			Investments	8,50,000	
each	4,00,000	—	Debtors	2,40,000	1,24,800

General Reserve	7,00,000	30,000	Bank	4,00,000	88,200
Profit & Loss A/c	6,00,000	3,00,000			
Creditors	1,40,000	1,30,000			
	28,40,000	9,60,000		28,40,000	9,60,000

निम्न अतिरिक्त जानकारियाँ हैं–

(1) महेन्द्र लिमिटेड के लेनदारों में माइनर लिमिटेड से क्रय किये गये माल के लेनदार सम्मलित हैं जिस पर 10,000 ₹ का लाभ सहायक कम्पनी ने कमाया है।

(2) महेन्द्र लिमिटेड के स्टॉक में अभी तक उपरोक्त बेचे गये माल का आधा सम्मलित है।

(3) माइनर लिमिटेड का सामान्य संचय का शेष 1 जनवरी 2018 का है एवं लाभ-हानि खाते का शेष 1 जनवरी 2018 को 1,00,000 ₹ था, जिसमें से 10% की दर से 2017 का लिए लाभांश घोषित किया गया था।

आपको 31 दिसम्बर, 2018 को मिश्रित चिट्ठा बनाना है।

हल क्रमांक 11

1.	Calculation of Capital Profit		
	General Reserve as on 1st Jan. 2018		30,000
	Profit & Loss A/c as on 1st Jan 2018	1,00,000	
	Less: 10% dividend for 2017		
	5,00,000 ×10/100	50,000	50,000
			80,000
	Less: 20% share of minority share holders		16,000
	Share of Mahendra Limited		64,000
2.	Calculation of Revenue Profit		
	Profit & Loss A/c 31.12.2018		3,00,000
	Add: 10% dividend on ₹ 5,00,000		50,000
			3,50,000
	Less: Pre-acquisition profit on 1st Jan 2018		1,00,000
			2,50,000
	Less: 20% share of minority share holders		50,000
	Share of Mahendra Limited		2,00,000
3.	Calculation of Goodwill/Capital Reserve		
	Cost of Share purchased		8,50,000
	Less: Nominal value of share	4,00,000	
	10% dividend received	40,000	
	Capital Profit	64,000	5,04,000
			3,46,000

4. Calculation of Minority Interest

Paid-up value of 10,000 shares	1,00,000
Share of capital profit	16,000
Share of revenue profit	50,000
Minority Interest	1,66,000

Consolidated Balance Sheet

Liabilities	Amt. (₹)	Assets	Amt. (₹)
Share Capital			
1,00,000 equity shares		Goodwill	3,46,000
@ ₹ 10 each	10,00,000	Land & Building	
4,000 Preference share		Mahendra 8,10,000	
@ ₹ 10 each	4,00,000	Minor 3,85,000	11,95,000
General Reserve	7,00,000	Plant & Machinery	
Profit & Loss A/c		Mahendra 3,25,000	
Mahendra Ltd. 6,00,000		Minor 2,22,000	5,47,000
Less: Dividend 40,000			
5,60,000		Debtors	
Less: Unrealised			
Profit 5,000		Mahendra 2,40,000	
5,55,000		Minor 1,24,800	
Add: Share of Profit		3,64,800	3,24,800
in Minor Ltd. 2,00,000	7,55,000	Less mutual	
		debts 40,000	
		Bank	
Creditors 1,40,000		Mahendra 4,00,000	
Subsidiary 1,30,000		Minor 88,200	4,88,200
2,70,000		Stock	
Less: Mutual		Mahendra 2,15,000	
debt 40,000	2,30,000	Minor 1,40,000	
Minority Interest	1,66,000	3,55,000	
		Less: Unrevised	
		Profit 5,000	3,50,000
	32,51,000		32,51,000

उदाहरण– 12

निम्न जानकारी के आधार पर मिश्रित चिट्ठा बनाइये–

(1) एस लिमिटेड की पुस्तकों में समस्त लाभ एच लिमिटेड द्वारा अंश क्रय करने की तिथि के बाद का है, लेकिन 1,80,000 ₹ का संचय अंश क्रय करने के पहले का है।

(2) एच लिमिटेड के लिए एस लिमिटेड ने 30,000 ₹ के बिलों को स्वीकार किया।

टिप्पणी

(3) एस लिमिटेड की सम्पत्तियों को 60,000 ₹ से कम मूल्यांकित किया गया है।

(4) एच लिमिटेड के रहतिये में 1,50,000 ₹ का माल एस लिमिटेड से क्रय किया गया सम्मलित है जिस पर 25% लागत पर लाभ कमाया गया है।

(5) दोनों कम्पनियों का चिट्ठा निम्न प्रकार है।

Balance Sheet

Liabilities	H.Ltd.	S.Ltd.	Assets	H.Ltd.	S.Ltd.
Share Capital			Sundry Assets	24,00,000	3,60,000
(₹ 10 each)	30,00,000	6,00,000	Stock	18,30,000	7,20,000
Profit & Loss A/c	12,00,000	3,60,000	Debtors	3,90,000	5,10,000
Reserve	3,00,000	1,80,000	Bills Receivable	30,000	
Creditors	6,00,000	3,60,000	Investment		
Bills Payable	—	90,000	(45,000 shares)	4,50,000	
	51,00,000	15,90,000		51,00,000	15,90,000

हल क्रमांक 12

1. Calculation of Goodwill/Capital Reserve

Cost of shares acquired in subsidiary Co.		4,50,000
***Less*:** Nominal value of 45,000 shares	4,50,000	
Reserve Fund A/c subsidiary company	1,35,000	
$1,80,000 \times \frac{45}{60}$		
Increase in value of Assets		
60,000 × 45/60	45,000	6,30,000
Capital Reserve		1,80,000

2. Calculation of Minority Interest

Nominal value of 15,000 shares	1,50,000
Add: Share of Reserve Funds	
1,80,000 × 15/60	45,000
Increase in value of Assets	
60,000 × 15/60	15,000
Share of profit	
3,60,000 × 15/60	90,000
Minority Interest	3,00,000

टिप्पणी

Consolidated Balance Sheet

Liabilities		Amt. (₹)	Assets		Amt. (₹)
Share Capital			Assets		
3,00,000 shares					
@ ₹ 10 each		30,00,000	H. Ltd.	24,00,000	
Capital Reserve		1,80,000	S. Ltd.	4,20,000	28,20,000
Reserve of Holding Co.		3,00,000			
Profit & Loss A/c			Stock		
H. Ltd.	12,00,000		H. Ltd.	18,30,000	
S. Ltd.	2,70,000		S. Ltd.	7,20,000	
	14,70,000			25,50,000	
***Less*: Unrealised**					
profit	30,000	14,40,000			
Bills payable			***Less*:**		
S. Ltd.	90,000		Unrealised profit	30,000	25,20,000
***Less*: Held by**					
H. Ltd.	30,000	60,000			
Creditors			Debtors		
H. Ltd.	6,00,000		H. Ltd.	3,90,000	
S. Ltd.	3,60,000	9,60,000	S. Ltd.	5,10,000	9,00,000
Minority Interest		3,00,000			
		62,40,000			62,40,000

उदाहरण– 13

31 दिसम्बर, 2018 को तक्षित लि. एवं अक्षित लि. का चिट्ठा इस प्रकार है।

Liabilities	Takshit Ltd.	Akshit Ltd.	Assets	Takshit Ltd.	Akshit Ltd.
Share Capital					
(share					
@ ₹ 10 each)	80,000	40,000	Fixed assets	1,00,000	70,000
General Reserve	40,000	20,000	Current Assets	1,60,000	80,000
Profit & Loss			Investment	40,000	10,000
(1.1.2017)	20,000	16,000	(3,200 shares)		
Profit for 2018	40,000	24,000			
12% Debentures	80,000	40,000			
Creditors	40,000	20,000			
	3,00,000	1,60,000		3,00,000	1,60,000

टिप्पणी

1 जुलाई 2018 को तक्षित लिमिटेड ने अक्षित लिमिटेड के अंश क्रय किये। 1.1.2018 को सामान्य संचय का शेष 16,000 ₹ था। मार्च 2018 में अक्षित लिमिटेड का 8,000 ₹ माल नष्ट हो गया।

हानि को लाभ-हानि खाते से चार्ज किया गया है। आपको मिश्रित चिट्ठा बनाना है।

हल क्रमांक 13

1. Calculation of Capital Profit & Revenue Profit

Particulars	**Capital Profit**	**Revenue Profit**
General Reserve (1.1.2018)	16,000	
Profit & Loss A/c (1.1.2018)	16,000	
Profit for the year before transfer of Reserve & Writing off the loss of stock (24,000 + 4,000 + 8,000)	18,000	18,000
	50,000	18,000
***Less*: Loss of Stock**	8,000	—
	42,000	18,000
***Less*: Minority Interest (1/5)**	8,400	3,600
Share of holding company	33,600	14,400

2. Calculation of Capital Reserve

Amount paid for purchase of shares		40,000
***Less*: Nominal value of shares**	32,000	
Share of capital profit	33,600	65,600
Capital Reserve		(25,600)

3. Calculation of Minority Interest

Nominal value of shares	8,000
***Add:* Share of Capital profit**	8,400
Share of Revenue profit	3,600
	20,000

टिप्पणी

Consolidated Balance Sheet
(as on 31st Dec. 2018)

Liabilities		Amt. (₹)	Assets		Amt. (₹)
Share Capital			Fixed Assets		
8,000 shares					
@ ₹ 10 each		80,000	Takshit	1,00,000	
General Reserve		40,000	Akshit	70,000	1,70,000
Profit & Loss A/c			Current Assets		
Takshit	60,000		Takshit	1,60,000	
Akshit	14,400	74,400	Akshit	80,000	2,40,000
Capital Reserve		25,600			
12% Debentures			Investment		10,000
Takshit	80,000				
Akshit	40,000	1,20,000			
Creditors					
Takshit	40,000				
Akshit	20,000	60,000			
Minority Interest		20,000			
		4,20,000			4,20,000

3.3.3 कम्पनियों के आपसी लेन-देन (Inter-Company Transactions of Companies)

सूत्रधारी कम्पनी और सहायक कम्पनी के बीच में यदि कोई लेन-देन हुआ है, तो उसे आपसी लेन-देन कहते हैं। मिश्रित चिट्ठा बनाते समय आपसी लेन-देनों का समायोजन किया जाता है। आपसी लेन-देनों का समायोजन निम्न प्रकार से होगा–

(1) **लेनदार एवं देनदार (Creditors & Debtors)**– यदि किसी एक कम्पनी ने दूसरी कम्पनी से माल उधार क्रय किया है, तब ऐसी दशा में एक कम्पनी लेनदारों में यह राशि शामिल होगी, तथा दूसरी कम्पनी के देनदारों में भी यह राशि सम्मलित होगी। अतः मिश्रित चिट्ठा बनाते समय लेनदारों एवं देनदारों की मदों से यह राशि घटाकर दिखाई जाएगी। यदि लेनदार या देनदार दोनों मदों में से कोई भी राशि ऐसी है, जिसके आधार पर समायोजन करने पर कठिनाई हो रही है, तो न्यूनतम राशि की दोनों मदों से घटाकर दिखाया जाएगा।

उदाहरण के लिए सूत्रधारी कम्पनी ने सहायक कम्पनी से 20,000 ₹ का माल उधार क्रय किया। ऐसी स्थिति में सूत्रधारी कम्पनी के लेनदारों से एवं सहायक कम्पनी के देनदारों में से 20,000 ₹ की राशि घटाकर दिखाई जाएगी।

यदि चिट्ठे की तिथि के कुछ दिन पूर्व माल बेचा गया है तो जो चिट्ठे की तिथि तक दूसरी कम्पनी को प्राप्त नहीं हुआ है तो देनदार

की राशि लेनदार से अधिक होगी। इस दशा में अन्तर की राशि को रास्ते में माल अथवा रास्ते में रोकड़ के रूप में मिश्रित चिट्ठे में दिखाएंगे।

टिप्पणी

(2) एक दूसरे के बिलों को स्वीकार करना (Inter-Company Acceptances)– सूत्रधारी कम्पनी एवं सहायक कम्पनी के मध्य लेन-देन बिलों के आधार पर हुआ है तो एक कम्पनी के लिए प्राप्य बिल एवं दूसरी कम्पनी के लिए देय बिल कहलायेगा। अतः मिश्रित चिट्ठा बनाते समय देय बिल एवं प्राप्य बिलों की राशि में से यह राशि घटाकर दिखाई जाएगी।

उदाहरण के लिए सूत्रधारी कम्पनी के 10,000 ₹ के बिल सहायक कम्पनी द्वारा स्वीकार किये गये हैं। मिश्रित चिट्ठा बनाते समय बिलों की राशि को कम्पनी प्राप्त बिल में से एवं देय बिलों की राशि से घटाकर दिखाया जाएगा। यदि बिलों की कुछ राशि भुना ली जाती है, तो चिट्ठा बनाते समय दोनों बिलों में से समान राशि ही घटाकर दिखाई जाएगी।

(3) आपसी ऋण (Mutual Loans)– सूत्रधारी कम्पनी एवं सहायक कम्पनी के मध्य ऋणों का लेन-देन हुआ है तो मिश्रित चिट्ठा बनाते समय आपसी ऋण की राशि को दोनों पत्रों की मदों में से घटाकर दिखाया जाएगा।

उदाहरण– 14

सूत्रधारी कम्पनी एवं सहायक कम्पनी के निम्न चिट्ठे के आधार पर 31 मार्च, 2018 को एक मिश्रित चिट्ठा बनाइये।

Liabilities	Holding Ltd.	Subsidiary Ltd.	Assets	Holding Ltd.	Subsidiary Ltd.
Shares Capital			Goodwill	1,50,000	50,000
@ ₹ 10 each	25,00,000	10,00,000	Machinery	15,00,000	7,50,000
General Reserve	4,00,000	3,00,000	Stock	4,00,000	2,50,000
Profit & Loss A/c	4,50,000	3,50,000	Debtors	6,00,000	8,00,000
Sundry Creditors	2,50,000	2,00,000	Cash	1,00,000	50,000
Outstanding Exp.	1,00,000	50,000	Investments 80,000 in Subsidiary Co.	9,50,000	
	37,00,000	19,00,000		37,00,000	19,00,000

जिस तिथि को अंश क्रय किये गये उस तिथि पर सामान्य संचय 2,00,000 ₹ तथा लाभ 1,50,000 ₹ था। अंशों के क्रय के तत्काल बाद सूत्रधारी कम्पनी ने सहायक कम्पनी से 80,000 ₹ का लाभांश प्राप्त किया।

सूत्रधारी कम्पनी के देनदारों में सहायक कम्पनी से प्राप्य 100,000 ₹ शामिल थे जबकि सहायक लिमिटेड के लेनदारों में सूत्रधारी कम्पनी को देय 75,000 ₹ शामिल थे। इन दोनों में अन्तर, मार्ग में चेक होने के कारण था।

हल क्रमांक 14

टिप्पणी

1.	Calculation of Capital Profit		2,00,000
	Pre-acquisition Reserve	2,00,000	
	Add: Pre-acquisition Profit	1,50,000	50,000
	***Less*:** Dividend paid	1,00,000	2,50,000
	***Less*:** Minority Interest 1/5 of 2,50,000		50,000
	Holding Company's Share		2,00,000
2.	Calculation of Revenue Profit		
	Post-acquisition Profit		
	(3,50,000 – 50,000)		3,00,000
	***Less*:** Minority Interest 1/5 of 3,00,000		60,000
	Holding Company's Share		2,40,000
3.	Calculation of Holding Company Profit		
	Balance as given in B/s		4,50,000
	***Less*:** Dividend from Subsidiary Company		80,000
			3,70,000
4.	Calculation of Consolidated Profit		
	Profit of Holding Company		3,70,000
	Post acquisition profit of Subsidiary Co.		2,40,000
	Shown in Consolidated B/s		6,10,000
5.	Calculation of Minority Interest		
	Nominal value of share capital (1/5)		2,00,000
	Share in General Reserve 3,00,000 × 1/5		60,000
	Share in P/c A/c 3,50,000 × 1/5		70,000
			3,30,000
6.	Calculation of Capital Reserve		
	Cost of shares acquired		9,50,000
	***Less*:** Dividend Received		80,000
			8,70,000
	***Less*:** Nominal value of shares		
	10,00,000 × 4/5 = 8,00,000		
	Share in Capital Profit 2,00,000		10,00,000
	Capital Revenue		(1,30,000)

टिप्पणी

Consolidated Balance Sheet
(as on 31st March, 2019)

Liabilities	Amt. (₹)	Assets	Amt. (₹)
Share Capital		Goodwill 2,00,000	
2,50,000 shares		***Less***: Capital	
@ ₹ 10 each	25,00,000	Reserve 1,30,000	70,000
General Reserve		Machinery	22,50,000
Holding Co. 4,00,000		Stock in Trade	6,50,000
Subsidiary Co. 80,000	4,80,000	Sundry Debtors	13,00,000
Profit & Loss A/c	6,10,000	Cash at Bank	1,50,000
Sundry Creditors	3,75,000	Cash in Transit	25,000
Outstanding Exp.	1,50,000		
Minority Interest	3,30,000		
	44,45,000		44,45,000

3.3.4 सूत्रधारी कम्पनी की एक से अधिक सहायक कम्पनी होना (Holding Company having More than one Subsidiary)

कभी-कभी एक सूत्रधारी कम्पनी की एक से अधिक सहायक कम्पनियाँ हो सकती हैं, ऐसी स्थिति में सूत्रधारी कम्पनी का सहायक कम्पनी में हिस्से के आधार पर गणना की जाएगी। गणना करने के लिए सूत्रधारी कम्पनी का हित एवं क्रय की तारीख को ध्यान में रखना आवश्यक है।

मिश्रित चिट्ठा बनाते समय यह देखा जाएगा कि सूत्रधारी कम्पनी का हित अन्य सहायक कम्पनियों में कितना है। यदि सूत्रधारी कम्पनी का हित सहायक कम्पनी में 50% या इससे अधिक है अलग अलग सहायक कम्पनी में सूत्रधारी कम्पनी के हित की गणना भी अलग-अलग की जाएगी। इसी तरह से अल्पमतधारियों के हित की गणना भी अलग की जाएगी। मिश्रित चिट्ठा बनाते समय समस्त सहायक कम्पनियों के योग को प्रदर्शित किया जाएगा। इसके अलावा ऐसे लेन-देन जो अन्तर कम्पनी लेन-देन हैं, समाप्त कर दिये जाऐंगे।

उदाहरण– 15

लायन लिमिटेड ने 1 जनवरी 2019 को ऐलीफेंट लि. एवं बियर लिमिटेड पर नियंत्रण प्राप्त किया। 31 दिसम्बर 2019 को उनके चिट्ठे निम्नानुसार थे।

टिप्पणी

	Lion Ltd.	Elephant	Bear
Share Capital			
Equity shares of ₹ 10 each	9,00,000	4,80,000	3,00,000
General Reserve	60,000	—	—
Profit & Loss A/c.	2,70,000	78,000	66,000
Trade Creditors	1,80,000	1,08,000	72,000
Loan from Lion Ltd.	—	60,000	—
Bills Payable to Lion Ltd.	—	—	18,000
	2,35,000	1,21,000	76,000
Fixed Assets	1,86,000	2,16,000	1,32,000
Investments in Subsidiaries	7,50,000	—	—
Loan to Elephant Ltd.	60,000	—	—
Current Assets			
Stock	1,56,000	1,44,000	96,000
Debtors	1,68,000	2,88,000	1,62,000
Bills Receivable from Bear Ltd.	12,000	—	—
Bank	78,000	78,000	66,000
	14,10,000	7,26,000	4,56,000

अतिरिक्त जानकारियाँ
(Other Information)

(1) लायन लिमिटेड ने एलीफेंट लिमिटेड के 36,000 अंशों को 4,50,000 एवं बियर लिमिटेड के 24,000 अंशों को 3,00,000 ₹ में क्रय किया है।

(2) 1 जनवरी 2019 को लाभ-हानि खाते का शेष क्रमशः 1,56,000 ₹ 54,000 ₹ एवं 48,000 ₹ था।

(3) प्रस्तावित लाभांश 2019 के लिए क्रमशः 10%, 12% एवं 15% है।

(4) एलिफेंट लिमिटेड की स्थायी सम्पत्तियों में जून 2019 में बियर लिमिटेड से 6,000 ₹ में क्रय किया गया प्लांट सम्मलित है। बियर लिमिटेड जो प्लांट के निर्माता है प्लांट की लागत 4,500 ₹ थी और कम्पनी द्वारा लाभ क्रेडिट कर लिया गया है।

(5) 31 दिसम्बर 2019 को एलीफेंट लिमिटेड के पास लायन लि. से क्रय किया गया 1,20,000 ₹ का रहतिया है लायन लि. ने लागत पर 25% लाभ जोड़कर माल बेचा है।

(6) लायन लिमिटेड द्वारा ऋण 1 जुलाई 2019 को दिया गया। ऋण पर 6% प्रतिवर्ष की दर से ब्याज दिया जाता है, जिसका कोई लेखा पुस्तकों में नहीं किया गया है।

31 दिसम्बर 2019 को मिश्रित चिट्‌ठा बनाइये।

टिप्पणी

हल क्रमांक 15

		Elephant Ltd.	Bear Ltd.
1.	Calculation of Capital Profit		
	Profit & Loss A/c on 1.1.19	54,000	48,000
	Less: Minority Interest	13,500	9,600
	Holding Company's share	40,500	38,400
2.	Calculation of Revenue Profit		
	Profit for 2019	24,000	18,000
	Less: Interest due to Lion Ltd. on Loan	1,800	
	$(60,000 \times \frac{6}{100} \times \frac{1}{2}$	22,200	18,000
	Less: Minority Interest	5,550	3,600
	Holding Company's share	16,650	14,400

3.	Calculation of Consolidated Profit & loss		
	Profit & Loss A/c of Lion Co.		2,70,000
	Add: Interest on loan to Elephant Ltd. for		
	6 months @ 6% on 60,000		1,800
			2,71,800
	Add: Revenue Profit of Elephant Ltd.		16,650
	Revenue Profit of Bear Ltd.		14,400
			3,02,850
	Less: Proposed Dividend of Lion Ltd.	90,000	
	Stock Reserve 2400 × 3/4	1,800	
	Unrealised profit included in Plant		
	1500 × 3/4 × 4/5	900	92,700
			2,10,150
4.	Calculation of goodwill		
	Cost of shares acquired		
	Elephant Ltd. 4,50,000		
	Bear Ltd. 3,00,000		7,50,000
	Less: Nominal value of shares acquired		
	Elephant Ltd. 3,60,000		
	Bear Ltd. 2,40,000		6,00,000
			1,50,000
	Less: Capital Profits		
	Elephant Ltd. 40,500		
	Bear Ltd. 38,400		78,900
	Goodwill		71,100

5.	Calculation of Minority Interest		
	Share in share capital	1,20,000	60,000
	Share capital profit	13,500	9,600
	Share in revenue profit	5,550	3,600
		1,39,050	73,200

Consolidated Balance Sheet
As on 31st Dec. 2019

Liabilities		Amt. (₹)	Assets		Amt. (₹)
Share Capital			Goodwill		71,100
90,000 shares					
@ ₹ 10 each		9,00,000	Fixed Assets		
General Reserve		60,000	Lion	1,86,000	
Profit & Loss A/c		2,10,150	Elephant	2,16,000	
Trade Creditors			Bear	1,32,000	
Lion	1,80,000			5,34,000	
Elephant	1,08,000		***Less***: Unrealised		
Bear	72,000	3,60,000	profit	900	5,33,100
			Stock		
Bills Payable		6,000	Lion	1,56,000	
Proposed Dividend		90,000	Elephant	1,44,000	
Minority Interest		2,12,250	Bear	96,000	
				3,96,000	
			Less Reserve	1,800	3,94,200
			Debtors		
			Lion	1,68,000	
			Elephant	2,88,000	
			Bear	1,62,000	6,18,000
			Bank		
			Lion	78,000	
			Elephant	78,000	
			Bear	66,000	2,22,000
		18,38,400			18,38,400

टिप्पणी

3.3.5 सूत्रधारी कम्पनी द्वारा अंशों का पुनः क्रय या धीरे-धीरे क्रय (Subsequent Purchase of Shares or Holding Company)

सूत्रधारी कम्पनी द्वारा यह आवश्यक नहीं है कि सहायक कम्पनी के समस्त अंशों का क्रय एक ही समय पर कर ले। सूत्रधारी कम्पनी शनैः शनैः भी अंशों का क्रय कर सकती है, लेकिन नियन्त्रण 50% या इससे अधिक अंशों के क्रय पर ही प्राप्त होगा। धीरे-धीरे अंशों के क्रय की स्थिति में भी प्रथम क्रय की तिथि को ही ध्यान में रखते हुये विभिन्न क्रयों के लिए पूँजीगत एवं आयगत लाभ की गणना की जाएगी। परन्तु अमेरिकन इन्स्टीट्यूट ऑफ सर्टीफाइड पब्लिक एकाउण्टेंट्स के अनुसार यदि प्रारम्भिक शेष बहुत कम अंशों का है तो पूँजी लाभ की गणना उस स्थिति में की जाएगी, जब सूत्रधारी कम्पनी को सहायक कम्पनी पर नियंत्रण प्राप्त हो जाये।

3.3.6 सूत्रधारी कम्पनी द्वारा क्रय किये गये अंशों का विक्रय (Acquired Shares by Holding Company than Disposal of Shares)

यदि सूत्रधारी कम्पनी द्वारा सहायक कम्पनी के अंश क्रय करने के पश्चात् बेचे जाते हैं, तो ऐसी स्थिति में मिश्रित चिट्ठा बनाने की तिथि पर सूत्रधारी कम्पनी के पास

उपलब्ध अंशों की संख्या के आधार पर पूँजीगत एवं आयगत लाभ की गणना की जाती है। सूत्रधारी कम्पनी द्वारा जो अंश क्रय के उपरान्त बेचे जाते हैं, उन अंशों के मूल्य की गणना अल्पमत हित की तरह ही की जाती है।

टिप्पणी

अंशों के विक्रय पर लाभ या हानि का समायोजन चिट्ठे में करना पड़ता है। अंशों के विक्रय पर लाभ या हानि को पूँजीगत माना जाएगा। हानि को लाभ-हानि खाते में डेबिट करेंगे तथा लाभ को पूँजी संचय खाते में क्रेडिट किया जाएगा।

क्रय किये अंशों का विक्रय अल्पमत हित की गणना के साथ किया जा सकता है एवं विक्रय पर लाभ-हानि का समायोजन अलग से किया जा सकता है।

उदाहरण– 16

यश कम्पनी ने 1 जनवरी 2018 को हर्ष कम्पनी के 30,000 समता अंश क्रय किये। हर्ष लिमिटेड की अंश पूँजी 10 ₹ वाले 1,00,000 अंशों में विभाजित है। 1 जुलाई 2018 को यश लिमिटेड ने पुनः 50,000 अंश वर्तमान अंशधारियों से क्रय किए। हर्ष लिमिटेड के लाभ-हानि खाते का शेष 1 जनवरी 2019 को 6,00,000 ₹ था तथा वर्ष 2019 का लाभ 4,00,000 ₹ हुआ। पूँजीगत लाभ, आयगत लाभ एवं अल्पसंख्यकों के हित की गणना कीजिए।

हल क्रमांक 16

Ratio 30,000 + 50,000 = 80,000

80,000 : 20,000 or 4:5

1. Calculation of Capital Profit

Profit & Loss on 1st Jan 2018	
600,000 × 4/5	4,80,000
Profit for 6 months from 1.1.2008 to 30.06.18	
4,00,000 × 1/2 = 2,00,000	
New 50,000 share purchased	
200,000 × 5/10	1,00,000
	5,80,000

2. Calculation of Revenue Profit

Profit for 6 months from 1st Jan to 30th June 2018	
4,00,000 × 1/2 × 3/10	60,000
Profit for 6 months for 1 July 2008 to 31.12.18	
4,00,000 ×1/2 × 8/10	1,60,000
	2,20,000

3. Calculation of Minority Interest

Share in Profit & Loss A/c	
10,00,000 × 2/10	2,00,000

टिप्पणी

उदाहरण– 17

नरेन्द्र लिमिटेड ने 1 जनवरी 2018 को महेन्द्र लिमिटेड के 32,000 अंश 3,60,000 ₹ में क्रय किये। इस तिथि को महेन्द्र लिमिटेड के लाभ-हानि खाते का शेष 2,40,000 ₹ था एवं अंश पूँजी 10 ₹ वाले 40,000 अंशों में विभक्त थी। 31 दिसम्बर 2018 को लाभ-हानि खाते का शेष 4,00,000 ₹ था। 1 अप्रैल 2018 को नरेन्द्र लिमिटेड ने 4,000 अंश 40,000 ₹ में बेच दिये। पूँजीगत तथा आयगत लाभ की गणना कीजिए।

हल क्रमांक 17

1. Calculation of Capital Profit
   Share of Profit & Loss A/c
   2,40,000 × 7/10 — 1,68,000
2. Calculation of Revenue Profit
   Profit for 2018
   4,00,000 – 2,40,000 = (1,60,000 × 7/10) — 1,12,000
3. Calculation of Minority Interest
   Ratio = 7:3
   4,00,000 × 3/10 — 1,20,000

3.3.7 सहायक कम्पनी द्वारा सूत्रधारी कम्पनी के अंशों का क्रय (Purchase of Shares by Subsidiary Company in Holding Company)

कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 42 में इस सम्बन्ध में उल्लेख है। कम्पनी अधिनियम के अनुसार एक सहायक कम्पनी सूत्रधारी कम्पनी के अंशों का क्रय नहीं कर सकती है। लेकिन कुछ स्थितियाँ ऐसी होती हैं, जिसके अन्तर्गत सहायक कम्पनी सूत्रधारी कम्पनी के अंशों का क्रय कर सकती है। वे इस प्रकार हैं–

(1) सहायक कम्पनी द्वारा सूत्रधारी कम्पनी के अंश उस समय क्रय किये गये हों जब वह सहायक कम्पनी नहीं थी।

(2) कम्पनी अधिनियम 1956 के प्रारम्भ होने अतः 1 अप्रैल 1956 के पहले सहायक कम्पनी द्वारा सूत्रधारी कम्पनी के अंश क्रय किये गये तो सहायक कम्पनी ऐसे अंशों को अपने पास रख सकती है, परन्तु उसे सूत्रधारी कम्पनी की सभा में मत देने का अधिकार नहीं होगा।

(3) जब सहायक कम्पनी के पास दूसरों के ट्रस्टी के रूप में सूत्रधारी कम्पनी के अंश हों।

(4) जब सहायक कम्पनी के पास किसी मश्तक अंशधारी के प्रतिनिधि के रूप में अंश हों।

मिश्रित चिट्ठा बनाते समय एक दूसरी कम्पनी में लाभ का जो हिस्सा सम्मलित होगा, उसको ध्यान में रखकर समीकरण के तहत पूँजीगत एवं आयगत लाभ की गणना की जाएगी। पूँजीगत एवं आयगत लाभ की गणना करने के लिए उस तिथि को ही ध्यान में रखा जायगा, जिस तिथि तक सूत्रधारी कम्पनी ने सहायक कम्पनी के अंश क्रय किये थे। सहायक कम्पनी के कुल लाभ में सूत्रधारी कम्पनी

के लाभ का हिस्सा भी सम्मलित होगा, साथ ही सूत्रधारी कम्पनी के लाभ में सहायक कम्पनी का लाभ भी शामिल होगा, अतः इसे एक समीकरण द्वारा हल किया जाएगा।

टिप्पणी

उदाहरण– 18

31 मार्च 2020 को एच लिमिटेड एवं एस लिमिटेड का चिट्ठा निम्नलिखित स्थिति को प्रदर्शित करता है।

Liabilities	H. Ltd.	S. Ltd.	Assets	H. Ltd.	S. Ltd.
Share Capital @ ₹ 100 each	6,00,000	2,40,000	Land & Building	6,50,000	2,00,000
			Plant & Machinery	3,46,000	88,000
Capital Profits	1,20,000	96,000	Investments		
Revenue Profit	3,60,000	60,000	1920 shares in S. Ltd	2,64,000	
Creditors	1,00,000	60,000	1200 Shares in H. Ltd.		1,80,000
Bank Loan	80,000	12,000			
	12,60,000	4,68,000		12,60,000	4,68,000

उपरोक्त विनियोगों को ध्यान में रखकर मिश्रित चिट्ठा बनाइये।

हल क्रमांक 18

1. Calculation of capital profit

   Suppose capital profit of holding company is X

   & Capital profit of Subsidiary Company Y

   X = 1,20,000 + 4/5 Y

   Y = 96,000 + 1/5 X

   Y = 96,000 + 1/5 (1,20,000 + 4/5 Y)

   Y = 96,000 + 24,000 + 4/25

   Y = 4/25Y = 1,20,000 or 21/25Y = 1,20,000

   Y = 1,20,000 × 25/21 = ₹ 1,42,857

   Holding Company's share 4/5 = ₹ 1,14,286

   Minority's share in Holding Co. 1/5 = ₹ 28,571

2. Calculation of Revenue Profit

   Suppose revenue profit of H. Ltd. is X

   & revenue profit of S. Ltd. is Y

   X = 3,60,000 + 4/5 Y

   Y = 60,000 + 1/5 X

   Y = 60,000 + 1/5 (3,60,000 + 4/5 Y)

   Y = 60,000 + 72,000 + 4/25 Y

OR

21/25 Y = 1,32,000

OR

Y = 1,32,000 × 25/21 = ₹ 1,57,143

Holding Company's share = 1,57,143 × 4/5 = 1,25,714

Minority Interest 1,57,143 × 1/5 = 31,429

3. Calculation of Goodwill

Cost of shares		
held by Holding Co. in Subsidiary Co.	2,64,000	
held by Subsidiary Co. in Holding Co.	1,80,000	
		4,44,000
Less: Paid-up value of shares		
held by H. Ltd. in S. Ltd.	1,92,000	
held by S. Ltd. in H. Ltd.	1,20,000	
		3,12,000
		1,32,000
Less: Capital Profit		1,14,286
Goodwill		17,714

4. Calculation of Minority Interest

Share in share capital	48,000
Share in capital profit	28,571
Share in revenue profit	31,429
Minority Interest	1,08,000

5. Calculation of Reserves

Total profit of B Ltd.		
Capital Profit		1,42,857
Revenue Profit		1,57,143
		3,00,000
Less: Total profit of S. Ltd. as per B/s		
Capital profit	96,000	
Transfer from Holding Co.	60,000	1,56,000
Reserve		1,44,000
Total profit of H. Ltd. as per Balance Sheet		4,80,000
Less: Transfer to B. Ltd. as calculated above		1,44,000
		3,36,000
Add: Revenue Profit of S. Ltd.		1,25,714
Total Reserves		4,61,714

टिप्पणी

Consolidated Balance Sheet
(as on 31st March 2020)

Liabilities		Amt. (₹)	Assets		Amt. (₹)
Share Capital			Land & Building		
Authorised, issued &			H. Ltd.	6,50,000	
Subscribed Capital			S. Ltd.	2,00,000	8,50,000
4,800 shares of					
₹ 100 each		4,80,000	Plant & Machinery		
Minority Interest		1,08,000	H. Ltd.	3,46,000	
Reserve		4,61,714	S. Ltd.	88,000	4,34,000
Sundry Creditors					
H. Ltd.	1,00,000		Goodwill		17,714
S. Ltd.	60,000	1,60,000			
Bank Loan					
H. Ltd.	80,000				
S. Ltd.	12,000	92,000			
		13,01,714			13,01,714

3.3.8 मिश्रित लाभ-हानि खाता (Consolidated Profit & Loss Account)

सूत्रधारी कम्पनी के अंशधारी सहायक कम्पनी की वित्तीय स्थिति जानने के उद्देश्य से एवं पूरे समूह की जानकारी लेने के लिए मिश्रित लाभ-हानि खाते का सहारा ले सकते हैं। मिश्रित लाभ-हानि खाता पूरे समूह के लाभ एवं हानि को प्रदर्शित करता है।

मिश्रित लाभ-हानि खाता बनाते समय निम्न बातों को ध्यान में रखना चाहिए–

1. **स्थायी सम्पत्तियों पर ह्रास की व्यवस्था**– जब सूत्रधारी कम्पनी द्वारा सहायक कम्पनी के अंशों को क्रय किया जाता है तब स्थायी सम्पत्तियों का पुर्नमूल्यांकन किया जा सकता है ऐसी दशा में सम्पत्तियों के ह्रास में वृद्धि या कमी हो सकती है। जैसी भी स्थिति हो ह्रास को मिश्रित लाभ-हानि खाते में समायोजित करना आवश्यक होता है। उसके उपरान्त ही समूह की आर्थिक स्थिति का सही ज्ञान प्राप्त होता है।
2. **स्थायी सम्पत्ति के विक्रय पर लाभ**– यदि समूह के बीच किसी स्थायी सम्पत्ति का विक्रय लाभ पर किया गया है तो इस लाभ की राशि को मिश्रित खाते बनाते समय समाप्त कर दिया जाएगा। एक दूसरे से जो लाभ कमाया जाता है, समूह में कार्य करने पर उसका अस्तित्व समाप्त हो जाता है, लेकिन अल्पमतधारियों से जो लाभ कमाया गया है, उसे पुस्तकों में रहने दिया जाएगा।
3. **आपसी लेन-देन को समाप्त करना**– मिश्रित लाभ-हानि खाता बनाते समय लाभ-हानि से सम्बन्धित मदें जैसे ब्याज, कमीशन लाभांश आदि अगर एक दूसरे से प्राप्त और भुगतान किये गये हैं तो दोनों पक्षों से इन मदों को समाप्त कर दिया जाएगा।

टिप्पणी

4. **सूत्रधारी कम्पनी एवं सहायक कम्पनी के मध्य लाभ पर माल का विक्रय**– सूत्रधारी कम्पनी द्वारा यदि माल सहायक कम्पनी को लाभ पर बेचा गया हो या सहायक कम्पनी द्वारा सूत्रधारी कम्पनी को माल लाभ पर बेचा गया हो, दोनों ही स्थितियों में सम्पूर्ण माल या माल का कुछ भाग अभी भी सम्बन्धित कम्पनी के रहतिये में सम्मलित है तो ऐसे माल पर कमाया गया लाभ अनुपार्जित लाभ (Unrealised Profit) के नाम से घटा दिया जाता है।
5. **सहायक कम्पनी द्वारा सूत्रधारी कम्पनी के संचालकों को पारिश्रमिक का भुगतान**– यदि सहायक कम्पनी द्वारा सूत्रधारी कम्पनी के संचालकों को पारिश्रमिक का भुगतान किया गया है तो इस राशि को मिश्रित लाभ-हानि खाते से समाप्त किया जाएगा। क्योंकि सूत्रधारी कम्पनी के संचालकों को सहायक कम्पनी से किसी भी प्रकार का पारिश्रमिक या फीस लेने का अधिकार नहीं है। संचालकों को यह राशि सूत्रधारी कम्पनी को समर्पित करनी होगी।
6. **सहायक कम्पनी से प्राप्त लाभांश**– यदि सूत्रधारी कम्पनी द्वारा सहायक कम्पनी से कोई लाभांश प्राप्त किया है या प्राप्त करना है तो इसे भी मिश्रित लाभ-हानि खाते से हटा दिया जाएगा। मिश्रित लाभ-हानि खाते के नाम एवं जमा दोनों ही पक्षों से इसे समाप्त कर दिया जाएगा। यदि ऐसी कोई लाभांश की राशि जिसे सूत्रधारी कम्पनी द्वारा प्राप्त नहीं किया गया है या प्रस्तावित लाभांश की राशि, जिसे सूत्रधारी कम्पनी द्वारा लाभ-हानि खाते में क्रेडिट नहीं किया गया है तो पहले सूत्रधारी कम्पनी के लाभ-हानि खाते में लाभांश की राशि क्रेडिट करेंगे, तत्पश्चात् लाभांश की राशि को मिश्रित चिट्ठे के दोनों पक्षों से समाप्त कर दिया जाएगा। लेकिन अल्पमतधारियों के अंश को अल्पमतधारियों के हित में जोड़कर दिखाया जाएगा।
7. **सहायक कम्पनी द्वारा सामान्य संचय में हस्तांतरण**– ऐसी कोई राशि जिसे सहायक कम्पनी ने सूत्रधारी कम्पनी के अंश क्रय करने से पहले सामान्य संचय में हस्तांतरित किया है तो ऐसी राशि को पूँजी संचय खाते में हस्तांतरित कर दिया जाएगा।
8. **आयकर एवं आयकर के लिए संचय**– यदि ब्याज एवं लाभांश पर आयकर काटकर शुद्ध रकम लाभ-हानि खाते में प्रदर्शित किया गया है तो इस राशि को सकल बनाकर मिश्रित लाभ-हानि खाते से समाप्त कर दिया जाएगा।

   यदि कम्पनी द्वारा भविष्य के आयकर के भुगतान हेतु कोई संचय बनाया गया है तो इस संचय की राशि को दायित्व के रूप में चिट्ठे में दिखाया जाएगा।
9. **व्यय एवं आय की राशि**– ऐसे व्ययों एवं आयों की राशियों को मिश्रित लाभ-हानि खाते से समाप्त कर दिया जाएगा, जो दोनों कम्पनियों के लिए हैं, जैसे मिश्रण के समय के व्यय, अगर दोनों कम्पनियों द्वारा लाभ-हानि खाते में लिखे गये हैं तो इन्हें लाभ-हानि खाते से हटा दिया जाएगा।

उदाहरण– 19

31 मार्च 2018 को समाप्त होने वाले वर्ष का सूत्रधारी एवं सहायक कम्पनी का लाभ-हानि खाता इस प्रकार है।

टिप्पणी

Profit & Loss Account
(for the year ended on 31st March, 2018)

Liabilities	H. Ltd.	S. Ltd.	Assets	H. Ltd.	S. Ltd.
To Raw Material	48,000	12,000	By Sales	3,00,000	60,000
To Wages	48,000	9,000			
To Production Exp.	12,000	6,000	By Stock	60,000	12,000
To Administrative Exp.	12,000	6,000			
To Selling & Distribution Exp.	12,000	3,000			
To Interest	6,000	3,000			
To Depreciation	6,000	3,000			
To Profit	2,16,000	30,000			
	3,60,000	72,000		3,60,000	72,000
To Provision for Tax	72,000	12,000	By Profit	2,16,000	30,000
To Proposed Dividend	72,000	9,000			
To Profit	72,000	9,000			
	2,16,000	1,74,000		2,16,000	1,74,000

अन्य जानकारीयाँ

(1) सूत्रधारी कम्पनी ने सहायक कम्पनी को माल लागत में 20% जोड़कर बेचा।

(2) सहायक कम्पनी के रहतिये में 2,400 ₹ का माल सम्मलित है।

(3) सहायक कम्पनी के प्रशासन व्यय में सूत्रधारी कम्पनी को देय 2,000 ₹ सलाहकार शुल्क के रूप में सम्मलित हैं।

(4) सूत्रधारी कम्पनी के विक्रय एवं वितरण व्यय में सहायक कम्पनी को देय 3,000 ₹ कमीशन के सम्मलित हैं।

(5) सूत्रधारी कम्पनी ने सहायक कम्पनी के 80% अंश अप्रैल 2009 को क्रय किये हैं।

(6) मिश्रित लाभ-हानि खाता बनाइये।

हल क्रमांक 19

Particulars	Amt.	Adjustment	Net Amt.
Incomes			
Sales	3,60,000	-11,000	3,49,000
Stock	72,000	—	72,000
(A)	4,32,000	-11,000	4,21,000
***Less*: Expenses**			
Raw Material	60,000	-6,000	54,000
Wages	57,000	—	57,000
Production Expenses	18,000	—	18,000
Administrative Expenses	18,000	-2,000	16,000
Selling & Distribution Expenses	15,000	-3,000	12,000
Interest	9,000	—	9,000
Depreciation	9,000	—	9,000
(B)	1,86,000	-11,000	1,75,000
Profit before Tax (A-B)	2,46,000	—	2,46,000
Less: Provision for Tax	84,000	—	84,000
Profit after Tax	1,62,000	—	1,62,000
Less: Proposed Dividend	81,000	-7,200	73,800
Balance of Profit	81,000	—	88,200
Less: Minority Interest			2,200
Balance of Profit transferred to consolidated Profit & Loss A/c			86,000

Share of Minority Interest in Profit

$$9{,}000 \times \frac{20}{100} = 1{,}800$$

Share in Stock Reserve

$$2{,}400 \times \frac{20}{120} = 400$$

2,200

अपनी प्रगति जाँचिए (Check Your Progress)

(1) सूत्रधारी कम्पनी वह कम्पनी होती हैं जो सहायक कम्पनी के अंश क्रय करती है।

(क) 25% से अधिक (ख) 50% से अधिक

(ग) 75% से अधिक (घ) उपरोस्त (ख) एवं (ग)

(2) अल्पमत हित होता है

(क) लाभ (ख) हानि

(ग) दायित्व (घ) सम्पत्ति

3.4 कम्पनियों के परिसमापन के लिए लेखांकन (Accounting for Liquidation of Companies)

टिप्पणी

3.4.1 कम्पनी के समापन की विधियाँ (Modes of Winding up of a Company)

कम्पनी अधिनियम की धारा 425(1) के अन्तर्गत कम्पनी का समापन ऐच्छिक, अनिवार्य एवं न्यायालय द्वारा किया जा सकता है। अनिवार्य एवं एच्छिक समापन की स्थिति में भी कम्पनी न्यायालय द्वारा समापन करवा सकती है, जो कि अंशधारियाँ, लेनदारों, ऋण-पत्रधारियों एवं अन्य व्यापारिक लेनदारों के दृष्टिकोण से उचित होती है। कम्पनी के समापन की विभिन्न विधियाँ इस प्रकार हैं–

(1) **अनिवार्य समापन (Compulsory Winding up)**– अनिवार्य समापन न्यायालय द्वारा किया जाता है। न्यायालय कम्पनी के समापन का आदेश निम्न परिस्थितियों में दे सकता है–

   (a) न्यायालय के समक्ष विशेष प्रस्ताव पारित करके कम्पनी द्वारा समापन किया जा सकता है।

   (b) वैधानिक सभा की वैधानिक रिपोर्ट, कम्पनी रजिस्ट्रार को प्रेषित न की जाए।

   (c) निश्चित अवधि में वैधानिक सभा न करने पर।

   (d) जब कम्पनी का व्यापार एक वर्ष के लिए स्थगित कर दिया जाए या समामेलन के बाद एक वर्ष के भीतर प्रारम्भ न किया जाए।

   (e) निजी कम्पनी की दशा में सदस्यों की संख्या दो एवं सार्वजनिक कम्पनी की दशा में सदस्यों की संख्या सात से कम होने पर।

   (f) जब कम्पनी अपने देयकों एवं ऋणों के भुगतान करने में समर्थ न हो।

   (g) न्यायालय के दृष्टिकोण से कम्पनी का समापन करना उचित एवं न्यायोचित हो।

   उपरोक्त किसी भी स्थिति में न्यायालय कम्पनी के समापन की प्रार्थना पर विचार करने के उपरान्त समापन का आदेश दे सकता है। आदेश उपरान्त न्यायालय द्वारा समापक (Liquidator) की नियुक्ति कर दी जाती है। समापक की नियुक्ति के 21 दिन के अन्दर एक स्थिति विवरण (Statement of Affairs) सम्पत्तियाँ एवं दायित्वों के सम्बन्ध में समापक को भेज देना चाहिए।

(2) **ऐच्छिक समापन (Voluntary Winding up)**– ऐच्छिक समापन कम्पनी द्वारा स्वयं किया जाता है, एक निश्चित अवधि या किसी उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए कम्पनी का निर्माण होता है। अवधि समाप्ति पर एवं उद्देश्य प्राप्ति के उपरान्त कम्पनी अपने अस्तित्व को समाप्त कर देती है। ऐच्छिक समापन में न्यायालय का हस्तक्षेप नहीं होता। लेकिन यदि कम्पनी न्यायालय के समक्ष कम्पनी का अस्तित्व समाप्त करना चाहती है या पूर्ण रूप से कानूनी प्रक्रिया के तहत अपना कार्य समापन करना चाहती है, तो कम्पनी न्यायालय के समक्ष उपस्थित हो सकती है।

टिप्पणी

कम्पनी अधिनियम की धारा 484 के अनुसार कम्पनी का ऐच्छिक समापन निम्न प्रकार से किया जा सकता है–

(a) यदि कम्पनी की स्थापना एक निश्चित अवधि के लिए की गई है, और वह अवधि पूर्ण हो जाती है।

(b) कम्पनी की स्थापना किसी उद्देश्य या घटना के लिए की गई हो, जिसके पूर्ण होने या घटना के घटित होने पर कम्पनी का समापन हो जाता है।

(c) कम्पनी अपनी सामान्य सभा में एक विशेष प्रस्ताव पास करके ऐच्छिक समापन का निर्णय ले सकती है।

(d) सदस्यों द्वारा कम्पनी का ऐच्छिक समापन किया जा सकता है।

(e) कम्पनी की शोधन क्षमता के आधार पर कम्पनी के लेनदारों द्वारा ऐच्छिक समापन किया जा सकती है।

(f) किसी सदस्य की प्रार्थना या लेनदारों के द्वारा एक आवेदन के आधार पर कम्पनी का ऐच्छिक समापन न्यायालय के निरीक्षण में किया जा सकता है।

ऐच्छिक समापन दो प्रकार का हो सकता है–

1. सदस्यों द्वारा ऐच्छिक समापन (Member's Voluntary Winding up)– सदस्यों द्वारा ऐच्छिक समापन की दशा में कम्पनी के संचालक, कम्पनी की शोधन क्षमता के विशय में एक घोषणा करते हैं कि कम्पनी में कोई लेनदार नहीं है या कम्पनी अपने देयकों व ऋणों का भुगतान समापन प्रारम्भ होने के तीन वर्षों के अन्दर कर देगी। इसके उपरान्त कम्पनी सामान्य सभा में एक समापक की नियुक्ति करती है। समापन द्वारा सम्पत्तियों से वसूली एवं दायित्वों का भुगतान अधिनियम के अनुसार कर अपना एक विवरण प्रस्तुत करना होता है।

2. लेनदारों द्वारा ऐच्छिक समापन (Creditors Voluntary Winding up)– संयुक्त स्कन्ध कम्पनी ऐच्छिक समापन की दशा में कम्पनी की शोधन क्षमता की घोषणा करती है, यदि वह ऐसा नहीं करती, तो कम्पनी का समापन लेनदारों द्वारा समापन कहलाता है। लेनदारों द्वारा ऐच्छिक समापन की दशा में लेनदारों का कम्पनी की शोधन क्षमता एवं अन्य विवरणों पर नियन्त्रण होता है। ऐसी स्थिति में लेनदारों द्वारा एक सभा बुलायी जाती है, जिसमें कम्पनी के लिए एक निस्तारक की नियुक्ति की जाती है।

3. न्यायालय के निरीक्षण में समापन (Winding up Subject to Supervision of the Court)– किसी भी प्रकार का समापन न्यायालय के निरीक्षण में एक प्रार्थना पत्र देकर किया जा सकता है। कम्पनी का कोई भी सदस्य लेनदार या अन्य कोई जिसका कम्पनी में हित हो, प्रार्थना पत्र न्यायालय को प्रस्तुत कर कम्पनी का समापन न्यायालय के निरीक्षण में करा सकता है, यदि न्यायालय आवश्यक और उचित समझे तो कम्पनी के समापन के सम्बन्ध में कम्पनी, सदस्यधारी एवं लेनदारों को निर्देश अथवा विशेष निर्देश दे सकता है। इसके अतिरिक्त यदि न्यायालय चाहे तो पहले से नियुक्त निस्तारक के अतिरिक्त एक और निस्तारक की नियुक्ति भी कर सकता है। न्यायालय उसी दशा में विशेष निर्देश देता है जब उसे यह विश्वास होता है कि कम्पनी के अल्पमतधारियों को धोखा देकर या उन पर दबाव बनाकर समापन कर निर्णय लिया गया है, इसी बात को ध्यान में रखकर न्यायालय एक अतिरिक्त समापक की नियुक्ति करता है।

कम्पनी के समापन पर विभिन्न पक्षों की स्थिति– एक कम्पनी में विभिन्न पक्षों का योगदान होता है, उसी तरह से विभिन्न पक्षों का कम्पनी में हित होता है। जब कम्पनी का अस्तित्व समाप्त होता है उस दशा में कम्पनी के अंशधारियों, लेनदारों कर्मचारियों एवं अन्य को कम्पनी द्वारा उनकी देय राशि का भुगतान करना पड़ता है। ज्यादातर कम्पनी जब हानि की स्थिति में होती है या जब कम्पनी के दायित्व कम्पनी की सम्पत्तियों से अधिक हो जाते हैं, एवं कम्पनी को ऐसा विश्वास हो जाता है कि वह अपने दायित्वों का भुगतान करने में असमर्थ रहेगी, ऐसी दशा में कम्पनी अपने आप को दिवालिया घोषित करते हुए न्यायालय में एक प्रार्थना पत्र इस आशय का प्रस्तुत करती है कि कम्पनी अपने अस्तित्व को समाप्त करना चाहती है, कम्पनी के समापन पर विभिन्न पक्षों के भुगतान की वैधानिक प्रक्रिया अपनाते हुए कम्पनी के निस्तारक द्वारा कम्पनी के समस्त दायित्वों का निपटारा किया जाता है।

कम्पनी के समापन का मुख्यतः दो पक्षों पर विशेष प्रभाव पड़ता है–

1. कम्पनी के समापन पर अंशधारियों की स्थिति
2. कम्पनी के समापन पर लेनदारों की स्थिति

I. कम्पनी के समापन पर अंशधारियों की स्थिति

कम्पनी अपने व्यवसाय काल में अंशों पर पूर्ण राशि प्राप्त नहीं करती है, कुछ याचनाएं अंशधारियों पर रह जाती हैं, जब कम्पनी का समापन होता है तथा दायित्वों के भुगतान की आवश्यकता को देखते हुए कम्पनी शेष राशि की याचना अपने अंशधारियों से करती है ऐसी दशा में अर्थात कम्पनी के समापन की कार्यवाही प्रारम्भ होने पर अंशधारियों को कम्पनी सम्पत्ति में अपना योगदान देना पड़ता है अतः ऐसी स्थिति में यह अंशधारी कम्पनी के योगदायी कहलाते हैं। योगदायी दो प्रकार के होते हैं–

(a) **'अ' तालिका योगदायी ('A' List Contributories)–** अ तालिका योगदायी वे अंशधारी कहलाते हैं, जो वर्तमान में कम्पनी के अंशधारी होते हैं।

(b) **'ब' तालिका योगदायी ('B' List Contributories)–** ऐसे अंशधारी जो अपने अंशों का हस्तांतरण समापन प्रारम्भ होने के एक वर्ष के अन्दर कर देते हैं ब तालिका योगदायी कहलाते हैं। ऐसे अंशधारियों का दायित्व उसी दशा में होता है जब वर्तमान अंशधारी अपने दायित्व को पूरा करने में असमर्थ रहते हैं। योगदायी अंशधारी को ऐसे धन को समायोजित करने का अधिकार प्राप्त नहीं होता है, जो उसे लाभांश या अन्य किसी मद के सम्बन्ध में कम्पनी से प्राप्त करना हो।

II. कम्पनी के समापन पर लेनदारों की स्थिति

किसी भी कम्पनी के समापन की दशा में कम्पनी के अंशधारियों से पहले कम्पनी के लेनदारों को अपनी देय राशि प्राप्त करने का अधिकार प्राप्त होता है। यदि कम्पनी दिवालिया नहीं हुयी है तो कम्पनी के समस्त लेनदारों का भुगतान कर दिया जाता है, यदि कम्पनी दिवालिया हो जाती है तो लेनदारों का भुगतान दिवालिया सिद्धान्तों के अधीन होगा।

कम्पनी में लेनदार निम्न प्रकार के होते हैं।

(a) सुरक्षित लेनदार (Secured Creditors)– सुरक्षित लेनदार वे लेनदार होते हैं, जिन्हें किसी सम्पत्ति पर यह अधिकार प्राप्त होता है कि पर्याप्त राशि न होने पर

टिप्पणी

सम्बन्धित सम्पत्ति को बेचने से प्राप्त राशि पर सबसे पहला अधिकार सुरक्षित लेनदारों का होता है।

सुरक्षित लेनदार को निम्न अधिकार प्राप्त होंगे–

(1) यदि सुरक्षित लेनदार प्रतिभूति को अपने ऋण के विरुद्ध पर्याप्त समझता है तो इस प्रतिभूति से रकम प्राप्त कर सकता है व आधिक्य की राशि समापक को सौंप देता है।

(2) यदि सुरक्षित लेनदार अपने ऋण के विरुद्ध प्रतिभूति से पर्याप्त राशि प्राप्त नहीं कर पाते हैं तो शेष राशि असुरक्षित लेनदारों की तरह माँग कर सकते हैं।

(3) लेनदार अपने ऋण के विरुद्ध प्रतिभूति का समर्पण करके समस्त राशि असुरक्षित लेनदार की तरह माँग कर सकते हैं।

कम्पनी अधिनियम की धारा 529-A के अनुसार सुरक्षित लेनदारों की प्रतिभूति में कर्मचारियों को देय धनराशि का भी आनुपातिक हिस्सा रहेगा। प्रतिभूति की राशि से कर्मचारियों को भुगतान करने के कारण सुरक्षित लेनदारों को जितना कम भुगतान हो सका है वह राशि पूर्वाधिकार सुरक्षित लेनदारों की भाँति भुगतान की जाएगी।

कर्मचारियों को देय राशि– उपरोक्त वर्णित कर्मचारी से आशय ऐसे कर्मचारियों से है जो औद्योगिक विवाद अधिनियम के अन्तर्गत कर्मचारी माने जाते हैं। कर्मचारियों के देय राशि में निम्नलिखित मदें शामिल की जाती हैं–

(1) सभी मजदूरी व वेतन जिसका भुगतान समय या कार्य के आधार पर किया जाता है।

(2) अवकाश का पारिश्रमिक

(3) औद्योगिक विवाद अधिनियम के अन्तर्गत देय क्षतिपूर्ति।

(4) कम्पनी के कार्यों के लिए देय कमीशन की राशि।

(5) कर्मचारी क्षतिपूर्ति अधिनियम के अन्तर्गत देय राशि, लेकिन इसमें निम्न परिस्थितियों को सम्मलित नहीं किया जाएगा–

(a) जब कम्पनी का समापन दो कम्पनियों के मिश्रण हेतु किया जाता है।

(b) जब अधिनियम के अन्तर्गत दायित्वों का बीमा कराया गया हो एवं बीमे की राशि कर्मचारियों को हस्तांतरीय हो।

(c) कर्मचारियों के हित के लिए बनाया गया फंड जैसे ग्रेच्युटी फंड, पेन्शन फंड, प्रावीडेन्ट फंड आदि।

(b) पूर्वाधिकार लेनदार (Preferencial Creditors)– ऐसे लेनदार जिन्हें सचल प्रभाव रखने वाले एवं ऋण-पत्रधारियों व अन्य असुरक्षित लेनदारों से पहले अपनी देय राशि प्राप्त करने का अधिकार होता है, पूर्वाधिकार लेनदार कहलाते हैं।

पूर्वाधिकार लेनदारों में निम्न मदें सम्मलित होती हैं–

1. केन्द्रीय सरकार, राज्य सरकार एवं स्थानीय निकायों को देय कर की राशि।
2. उपरोक्त देय कर की राशि निर्धारित तिथि से पूर्व 12 माह के अन्दर देय हो गई हो।

3. निर्धारित तिथि के पहले 12 माह के अन्दर अधिकतम चार माह का वेतन जो कि समय या कार्य के आधार पर देय हो।
4. अवकाश का समस्त पारिश्रमिक।
5. कर्मचारी क्षतिपूर्ति की राशि।
6. प्रावीडेन्ट फंड, ग्रेच्युटी फंड, पेन्शन फंड आदि से देय राशि जो कर्मचारी के हित में हो।
7. कम्पनी अधिनियम की धारा 235 या 237 के अन्तर्गत की गई कम्पनी की जाँच से सम्बन्धित देय व्यय की राशि।
8. उपरोक्त वर्णित (3) में देय राशि यदि ऋण लेकर भुगतान की गई तो सीमा के अन्दर भुगतान की गई राशि।

(c) असुरक्षित लेनदार (Unsecured Creditors)– ऐसे लेनदार जिन्हें न तो कोई प्रतिभूति अपनी देय राशि के विरुद्ध प्राप्त होती है और न ही वे पूर्वाधिकार लेनदार होते हैं, असुरक्षित लेनदारों की राशि में सम्मिलित किये जाते हैं। असुरक्षित लेनदारों की देय राशि का भुगतान सुरक्षित लेनदारों, ऋण-पत्रधारियों एवं पूर्वाधिकार लेनदारों के भुगतान के पश्चात् किया जाता है।

3.4.2 पूर्वाधिकार के आधार पर देय राशि का भुगतान (Compensation of dues on the basics of Priority)

कम्पनी के निस्तारक को सम्पत्तियों से वसूली करने के उपरान्त पूर्वाधिकार के आधार पर विभिन्न देय राशियों का भुगतान करना चाहिए। विभिन्न देय राशि का भुगतान निम्न क्रम में किया जाएगा–

(1) सुरक्षित लेनदार
(2) कानूनी व्यय।
(3) निस्तारक का पारिश्रमिक।
(4) समापन से सम्बन्धित लागत एवं व्यय।
(5) धारा 530 के अन्तर्गत पूर्वाधिकार लेनदार।
(6) कम्पनी की किसी भी सम्पत्ति पर चल प्रभार रखने वाले दायित्व।
(7) असुरक्षित लेनदार
(8) कम्पनी के अंशधारियों को भुगतान
  (a) पूर्वाधिकार अंशधारी
  (b) समता अंशधारी

3.4.3 समापक के खाते का अन्तिम विवरण (Liquidator's Final Statement of Account)

कम्पनी का निस्तारक विविध सम्पत्तियाँ तथा न चुकायी गयी याचनाओं से वसूली के उपरान्त कम्पनी के लेनदारों का पूर्वाधिकार के आधार पर भुगतान करता है। इसके लिए निस्तारक समस्त प्राप्तियाँ तथा भुगतान का विवरण तैयार करता है, इस विवरण का समापक या निस्तारक का अन्तिम खाता विवरण (Liquidator's Final Statement of Account) कहते हैं। यह विवरण प्राप्ति एवं भुगतान खाते की तरह होता है। इस विवरण को उचित प्रारूप में ही बनाया जाना चाहिए। जिस प्रकार प्राप्ति एवं भुगतान खाते के बाए पक्ष में समस्त प्राप्तियाँ एवं दाए पक्ष में समस्त भुगतान के लेखे किये जाते हैं, ठीक

उसी प्रकार निस्तारक के अन्तिम खाता विवरण में भी समस्त प्राप्तियाँ बाए पक्ष में एवं समस्त भुगतान दाए पक्ष में लिखे जाते हैं।

निस्तारक के खाते का अन्तिम विवरण का प्रारूप इस प्रकार है–

Form No. 156 (See Rule 329) Company Act, 1956

Liquidator's Statement of Account of the Winding up

Member's/Creditor's Voluntary Winding up)

(Pursuant to Section 497/509)

1. Name of the Company .... Ltd.
2. Nature of proceeding.
3. Date of commencement of the winding up.
4. Name & address of the Liquidator.

Statement showing how the winding up has been conducted and the property of the company has been disposed of From .... 20 (Commencement of winding up) to .... 20 (Close of winding up)

Receipts	Estimated Value	Value Realised	Payments	₹
Assets			Legal charges	
Cash at Bank			Liquidator's	
Cash in hand			remuneration	
Marketable				
Securities			% on ₹ realized	
Biils Receivable			% on ₹ ….	
Trade Debtors			distributed	
Loans & Advances			Cost of possession &	
Stock in Trade			maintenance of	
Work in Progress			estate cost of	
Freehold property			notices in Gazette &	
Lease hold property			newspapers	
Plant & Machinery			Total cost & charges	
Furniture, fittings			(1) Debentures	
Patent, Trade Mark			holders	
Investment other			Payments of	
than			₹ …per	
Marketable			debentures ₹ ……	
securities			Creditors	
Unpaid calls at			Preferential	
commencement of			Unsecured	
winding up			Dividend (s)… P	
Amount received			in the rupee on	
from calls			₹ (The estimate	
on contributories			of the amount	
made in the			expected to rank	
winding up			for dividend was ₹)	

टिप्पणी

Receipts per Trading A/c Other property ***Less*: Payments to redeem securities Costs of execution Payments per trading A/c			Return to Contributories ....Per rupee share ......Per rupee share Balance/surplus distributed to share holder	

1. The following assets estimated to be of the value of ₹............ have proved to be unrealisable : (Give details of the assets which have proved to be unrealisable)

2. Amount paid into the Companies Liquidation Account in respect of

(a) Unclaimed dividends payable to creditors in the winding up ₹ ....

(b) Other unclaimed distributiors in the winding up ₹ ....

(c) Money held by the company in trust in respect of dividends or other sum due before the commencement of the winding up to any person as a member of the company ₹ ....

(d) Add here any remarks the Liquidator thinks desirable.

Date this ....day of...........20.... liquidator (sd) I declare that the above statement is true and contains are full and accurate account of the winding up from the commencement to the close of the winding up.

Dated this..................day of..............20

Sd

Liquidator

समापक के अन्तिम खाता विवरण की महत्त्वपूर्ण मदें इस प्रकार है–

1. समापक का पारिश्रमिक– समापक के पारिश्रमिक का भुगतान सम्पत्तियों की वसूली एवं भुगतान की जाने वाली राशि पर किया जाता है या एक निश्चित राशि एवं निश्चित दर के आधार पर किया जा सकता है पारिश्रमिक के भुगतान हेतु निम्न विधियों का प्रयोग किया जाता है।

(a) सम्पत्ति की वसूली पर निश्चित प्रतिशत– यदि निस्तारक को सम्पत्ति से प्राप्त राशि पर कमीशन प्राप्त होता है तो निम्न सूत्र द्वारा इसकी गणना की जाती है–

$$\text{निस्तारक का पारिश्रमिक} = \frac{\text{सम्पत्तियों से प्राप्त राशियाँ}}{100} \times \text{प्रतिशत}$$

(1) सामान्यतया– सम्पत्तियों की बिक्री से प्राप्त राशि में नकद रोकड़ व बैंक में रोकड़ को सम्मलित नहीं किया जाता है, लेकिन फिर भी इससे सम्बन्धित जानकारी यदि दी गई है तो उसी आधार पर कमीशन की गणना की जाएगी।

टिप्पणी

(2) यदि कोई सम्पत्ति लेनदारों के पास जमानत के रूप में सुरक्षित है तो उससे प्राप्त मूल्य पर उसे साधारणतया कमीशन प्राप्त नहीं होता है। यदि सम्पत्ति से प्राप्त मूल्य लेनदार को देय रकम से अधिक है तो आधिक्य पर निस्तारक को देय कमीशन की गणना की जाएगी।

(3) जमानत के रूप में सुरक्षित सम्पत्तियों से समापक ने वसूली की है तो सम्पूर्ण वसूली राशि पर पारिश्रमिक की गणना की जाएगी।

(b) असुरक्षित लेनदारों को भुगतान की जाने वाली राशि का निश्चित प्रतिशत– पूर्वाधिकार लेनदारों को असुरक्षित लेनदारों की श्रेणी में ही रखा जाता है। अतः असुरक्षित लेनदारों में समस्त ऐसे लेनदारों को सम्मलित किया जाएगा, जो सुरक्षित लेनदार या जिन्हें किसी प्रकार की प्रतिभूति न दी गई हो। असुरक्षित लेनदारों पर निस्तारक के देय पारिश्रमिक की गणना करने के लिए यह ध्यान रखना अति आवश्यक है कि असुरक्षित लेनदारों को दी जाने वाली राशि पर्याप्त है या नहीं। यदि असुरक्षित लेनदारों को भुगतान की जाने वाली राशि पर्याप्त है तो निम्न सूत्र का प्रयोग करेंगेः–

$$\text{निस्तारक का पारिश्रमिक} = \frac{\text{असुरक्षित लेनदारों की राशि}}{100} \times \text{प्रतिशत}$$

यदि असुरक्षित लेनदारों को भुगतान की जाने वाली राशि अपर्याप्त है तो पारिश्रमिक की गणना निम्न सूत्र द्वारा की जाएगीः

$$\text{निस्तारक का पारिश्रमिक} = \frac{\text{शेष राशि} \times \text{प्रतिशत}}{100}$$

शेष राशि– शेष राशि से आशय कुल प्राप्त राशि में से पूर्वाधिकार मदों को भुगतान करने के उपरान्त शेष बची राशि से है जिसे असुरक्षित लेनदारों को भुगतान किया जाना है एवं इसमें निस्तारक का पारिश्रमिक भी सम्मिलित है।

(c) ऋण-पत्रों को भुगतान की जाने वाली राशि का निश्चित प्रतिशत– ऋण-पत्रों को भुगतान की जाने वाली राशि पर भी निस्तारक का पारिश्रमिक की गणना करने के लिए उपरोक्त सूत्र का प्रयोग पर्याप्त एवं अपर्याप्त राशि के आधार पर किया जा सकता है।

(d) अंशधारियों को भुगतान की जाने वाली राशि का प्रतिशत– अंशधारियों की राशि का भुगतान समस्त दायित्वों के भुगतान के उपरान्त ही किया जाता है अतः शेष राशि किसी भी दशा में समता अंशधारियों के पास ही जाती है। इस वितरित राशि पर निम्न सूत्र के प्रयोग द्वारा निस्तारक के पारिश्रमिक की गणना की जाएगी–

$$\text{निस्तारक का पारिश्रमिक} = \frac{\text{अंशधारियों को वितरित की जाने वाली राशि} \times \text{प्रतिशत}}{100}$$

2. पूर्वाधिकार अंशों पर लाभांश– कम्पनी द्वारा पूर्वाधिकार अंशों पर यदि लाभांश की घोषणा की जा चुकी है तो इन लाभांश का भुगतान सामान्य लेनदारों की

भाँति होगा। यदि समापन की तिथि तक लाभांश की घोषणा नहीं की गई है और पूर्वाधिकार अंश संचयी प्रकृति के हैं, तो शेष लाभांश के भुगतान के सम्बन्ध में निम्न नियम लागू होंगे–

टिप्पणी

(i) लाभांश की राशि का भुगतान केवल समापन की तिथि तक का ही किया जाएगा।

(ii) समापन की तिथि एवं भुगतान की तिथि के मध्य का लाभांश नहीं दिया जाएगा।

(iii) लाभांश का भुगतान करने के पहले पूर्वाधिकार अंश पूँजी का भुगतान किया जाएगा।

(iv) यदि कम्पनी के अन्तर्नियम में लाभांश के भुगतान के सम्बन्ध में कोई प्रावधान है तो भुगतान उसी प्रावधान के अनुसार किया जाएगा, अन्यथा उचित आधार तो यह होगा कि समता पूँजी का चुकता मूल्य भुगतान करने के बाद यदि शेष बचे तो पूर्वाधिकार लाभांश का भुगतान किया जाए।

3. अंशधारियों से याचना– कम्पनी के समापन पर ऐसे अंशधारियों से याचना की जाती है जिन्होंने पूर्ण भुगतान नहीं किया है या अंश पूर्णदत्त नहीं है, इस सम्बन्ध में निम्न नियम ध्यान में रखने होंगे–

1. सर्वप्रथम समता अंशों से याचना करेंगे, यदि फिर भी प्राप्त राशि से लेनदारों का पूर्ण भुगतान न हो सके तो फिर पूर्वाधिकार अंशधारियों से ऐसे अंशों पर याचना की जाएगी, जिनके अंश पूर्णदत्त नहीं है।
2. यदि एक ही श्रेणी के चाहे वे समता अंश हों या पूर्वाधिकार अंश, उनके विविध चुकता मूल्यों के अंश को इस प्रकार याचित किया जाना चाहिए, कि सब अंशधारियों का त्याग समान हो जाए।

4. अंशधारियों को भुगतान– समापन की दशा में विविध लेनदारों के भुगतान के उपरान्त अंशधारियों को लौटाई जाने वाली राशि उनके चुकता मूल्य के अनुसार ही होना चाहिए। इस सम्बन्ध में निम्न बातें ध्यान में रखनी होंगी–

1. अंशधारियों में सर्वप्रथम भुगतान पूर्वाधिकार अंशधारियों को किया जाएगा।
2. पूर्वाधिकार अंशधारियों के भुगतान के बाद यदि आधिक्य हो तो समता अंशधारियों को भुगतान किया जाएगा।
3. पूर्वाधिकार अंशधारियों के ऐसे लाभांश का भुगतान भी पूर्वाधिकार अंशों के भुगतान के साथ किया जाएगा जो देय हो चुके हैं, लेकिन बकाया हैं।
4. एक ही श्रेणी के भिन्न–भिन्न चुकता अंशों का भुगतान इस प्रकार किया जाएगा कि सभी अंशधारियों का त्याग समान हो जाए।
5. चुकता अंशपूँजी के भुगतान के बाद भी यदि आधिक्य अवषेष रहता है, तो उसका भुगतान अन्तर्नियम के प्रावधानों के अनुसार किया जाएगा।
6. यदि अर्न्तनियमों में इस संबंध में कोई प्रावधान नहीं है तो आधिक्य की सम्पूर्ण राशि समता अंशधारियों को प्राप्त होगी।
7. यदि अर्न्तनियम में पूर्वाधिकार अंशधारियों को भी आधिक्य की राशि में से कोई भी राशि प्राप्त करने का अधिकार है, तो उनको उसी आधार पर भुगतान किया जाएगा।

टिप्पणी

3.4.4 'ब' तालिका के योगदायी का दायित्व (Liability of 'B' List Contributories)

कम्पनी के समापन के समय दो तालिका बनाई जाती हैं। तालिका 'अ' में कम्पनी के वर्तमान अंशधारियों को सम्मलित किया जाता है, एवं तालिका 'ब' में कम्पनी की सदस्यता से पृथक हुए अंशधारियों के दायित्वों का निर्धारण किया जाता है।

अंशधारियों के दायित्व का निर्धारण निम्नानुसार किया जाएगा–

(a) तालिका 'अ' के अंशधारी अपने दायित्व को पूरा न कर सकें।

(b) तालिका 'ब' के अंशधारी द्वारा अंश हस्तांतरण करने के पहले की अवधि के लेनदार अवशेष हैं। लेकिन यह अंशधारी उन ऋणों के लिए उत्तरदायी नहीं होंगे जो कम्पनी ने उनकी सदस्यता समाप्त होने के बाद लिए हैं।

(c) दायित्व की अधिकतम राशि अंशों के अंकित मूल्य से अधिक नहीं हो सकती।

(d) अंशधारियों का दायित्व अंशों के अंकित मूल्य तक ही सीमित रहता है।

3.4.5 ऋणपत्रधारियों के लिए प्राप्तकर्ता (Receiver for Debenture Holders)

यदि ऋण-पत्र संलेख में ऐसा उल्लेख है कि ऋण-पत्रधारियों को पृथक रिसीवर नियुक्त करने का अधिकार है तो इस स्थिति में कम्पनी की सम्पत्तियाँ रिसीवर के अधिकार में आ जाती हैं। रिसीवर कम्पनी के ऋण-पत्रों का भुगतान नियमानुसार करके शेष राशि, कम्पनी के समापक को दे देता है, इस स्थिति में प्राप्तियाँ और भुगतान से सम्बन्धित दो खाते बनाये जाएंगे।

(i) रिसीवर का प्राप्ति एवं भुगतान खाता

(ii) समापक का अन्तिम खाता विवरण

रिसीवर का प्राप्ति भुगतान खाते का प्रारूप

Particulars	Amt. (₹)	Particulars	Amt. (₹)
Sundry Assets Realised	……..	Costs of the Receiver	……
Surplus received from		Debenture holders	
Mortgage	…….	Interest on debentures	……
Sale proceeds by		Surplus transferred	
		to the	
Receiver	…….	Liquidator's Account	……

नोट– प्राप्ति भुगतान खाते की शेष राशि निस्तारक को दे दी जाती है, तथा निस्तारक के खाते के प्रारम्भ में रिसीवर से प्राप्त राशि का लेखा बायें पक्ष में किया जाता है।

टिप्पणी

उदाहरण– 20

एक टारगेट कम्पनी का परिसमापन हुआ। इसकी सम्पत्तियों से (सुरक्षित लेनदारों के पास रखी गयी सम्पत्तियों की बिक्री द्वारा वसूल हुई राशि को छोड़कर) 10,00,000 ₹ वसूल हुए। समापन के समय निम्नलिखित स्थिति थी–

Particulars	Amt. (₹)	Particulars	Amt. (₹)
अंश पूँजी प्रत्येक 100 ₹ के 25,000 अंश पूर्वदत्त	25,00,000	पूर्वाधिकारी लेनदार	65,000
सुरक्षित लेनदार (प्रतिभूतियों) से 1,20,000 वसूल हुए	90,000	सम्पत्तियों पर चल प्रभार द्वारा सुरक्षित ऋण-पत्र	4,50,000
आरक्षित लेनदार	5,00,000	परिसमापन व्यय	10,000
		परिसमापक का परिश्रामिक	25,000

हल क्रमांक 20

Target Company, Limited (in liquidation)
Liquidators final Statement of Account

Receipts	Amt. (₹)	Payments	Amt. (₹)
To liquidation of Assets not specifically pledged	10,00,000	By liquidators Remuneration	25,000
To surplus from security Creditors (₹ 1,20,000 90,000)	30,000	By liquidation expenses	10,000
		By Preferential creditors	65,000
		By Debentures holders	4,50,000
		By Unsecured creditors Payment of the first & the final dividend of approximately 96 paisa in a rupee on ₹ 5,00,000	4,80,000
	10,30,000		10,30,000

उदाहरण– 21

नेहा लिमिटेड ने, अपने व्यवसायिक उद्देश्यों को पूरा कर लेने के पश्चात्, निम्नलिखित दायित्वों के साथ ऐच्छिक परिसमापन किया–

प्रत्येक 10 ₹ के 50,000 पूर्वाधिकार अंश 8 ₹ दत्त		4,00,000
प्रत्येक 10 ₹ के 1,00,000 समता अंश 8 ₹ दत्त	8,00,000	
घटाइये अदत्त मांगें	1,00,000	7,00,000
पूर्वाधिकार अंशों पर लाभांश का भुगतान		60,000
समता अंशों पर लाभांश का भुगतान		40,000
व्यापारिक लेनदार		61,000
बैंक ओवरड्राफ्ट		86,000

सम्पत्तियों से 9,00,000 ₹ वसूल हुए और परिसमापन के खर्चे 9000 ₹ हुए ब्याज का लेखा करने की आवश्यकता नहीं है। परिसमापन का अन्तिम लेखा विवरण तैयार कीजिए। यह मानिए के लाभांश का भुगतान अंशधारियों के भुगतान से पहले करना है।

हल क्रमांक 21

Neha Limited (in voluntary liquidation)
Liquidator's final Statement of Account

Receipts	Amt. (₹)	Payments	Amt. (₹)
To Realisation of		By liquidation Expenses	9,000
Assets	9,00,000	By Unsecured	
To Collection of		Creditors :	
calls in arrear	1,00,000	Trade Creditors	61,000
		Bank overdraft	86,000
		By Payments	
		of dividend	
		On Preference share	60,000
		On Equity share	40,000
		By Preference	
		share holders	
		Return of capital	
		at ₹ 8 per share on	
		50,000 shares	4,00,000
		By Equity shareholders	
		Return of capital at	
		₹ 3.44 per share on	
		1,00,000 shares	3,44,000
	10,00,000		10,00,000

उदाहरण– 22

31 दिसम्बर 2018 को, जबकि निम्नलिखित स्थिति–विवरण तैयार किया गया था। एक कम्पनी का परिसमापन हुआ–

टिप्पणी

दायित्व	Amt. (₹)	सम्पत्ति	Amt. (₹)
अधिकष्त पूँजी प्रत्येक		ख्याति	2,00,000
10 ₹ के 50,000 अंश	5,00,000	लीज होल्ड भवन	2,50,000
निर्गमित पूँजी प्रत्येक		यन्त्र एवं मशीनरी	3,00,000
10 ₹ के 48,000 अंश		स्टॉक	1,50,000
पूर्वदत्त	4,80,000	विविध देनदार	1,60,000
विविध लेनदार :		रोकड़	19,500
पूर्वाधिकार	20,000	लाभ-हानि खाता	20,500
अंशतः रक्षित	3,00,000		
अरक्षित	2,80,000		
बैंक ओवरड्राफ्ट			
(आरक्षित)	20,000		
	11,00,000		11,00,000

परिसमापक ने सम्पत्तियों से निम्न प्रकार वसूली की। लीजहोल्ड भवन 2,80,000 ₹ (जिसका अंशतः रक्षित लेनदारों को यथानुपात चुकाने के लिए सर्वप्रथम उपयोग किया गया), यन्त्र एवं मशीनरी 2,50,000 ₹, स्टॉक 1,31,000 ₹, विविध देनदार 1,43,500 ₹, तथा रोकड़ 12,500 ₹। परिसमापन के खर्चे 2,500 ₹ हुए, और परिसमापक का पारिश्रमिक वसूल हुई राशि पर 3% तथा अरक्षित लेनदारों को चुकाई गई राशि पर 5% तय हुआ। परिसमापक का अम्तिम विवरण तैयार कीजिए।

हल क्रमांक 22

Company Limited (In voluntary Liquidation)
Liquidator's Final Statement of Account

Receipts		Amt. (₹)	Payments		Amt. (₹)
To Realisation of Assets			By liquidators Remuneration:		
Leasehold Property	2,80,000		on ₹ 8,24,000 @ 3%,	24,720	
Plant & Machinery	2,50,000		on ₹ 3,20,000 @ 5%,	16,000	40,720
Stock	1,31,000		By expenses of liquidation		2,500
Sundry Debtors	1,43,500		By Preferential Creditors		20,000
Cash	19,500				
	8,24,000				
Less: Paid to partly Secured Creditors	2,80,000	5,44,000	By unsecured creditors (₹ 30,000 – ₹ 2,80,000 + ₹ 2,80,000 + ₹ 30,000)		3,20,000
			By Shareholders Returns of Capital at ₹ 335 paise per share on 48,000 shares.		1,60,780
		5,44,000			5,44,000

उदाहरण– 23

31 मार्च 2019 को किस्मत लिमिटेड का (जिसकी स्थिति–विवरण में 6,00,000 ₹ की दत्त पूँजी और 6,49,200 ₹ की हानि दिखायी गयी थी) ऐच्छिक परिसमापन हुआ। उपर्युक्त स्टॉक एवं देनदार एवं मशीनरी से 6,00,000 ₹, रोकड़ 56,800 ₹, लेनदार 50,000 ₹, 6% ऋण-पत्र (जो चल प्रभार रखते हैं) 2,00,000 ₹, तथा उन पर 6 माह का उपार्जित ब्याज 6000 ₹। 30 सितम्बर 2019 तक ब्याज सहित, उपर्युक्त ऋण-पत्रों का भुगतान किया गया। लेनदारों में से 1,60,000 ₹ पूर्वाधिकारी है और शेष अरक्षित है। परिसमापन की लागत 4,500 ₹ हुई। परिसमापक, अपने स्वयं के पारिश्रमिक के रूप में सम्पत्तियों के विक्रय से वसूल हुई राशि के 3% तथा अरक्षित लेनदारों में बाँटी गयी राशि के 3% का अधिकारी है। परिसमापक का अन्तिम लेखा विवरण तैयार कीजिए।

टिप्पणी

	Calculation of Liquidators Remuneration		₹
(i)	On Assets Realised		
	on ₹ 6,00,000 × 3%		18,000
(ii)	On Amount paid to Preferential Creditors :		
	On ₹ 1,60,000 × 3%		4,800
(iii)	On Amount Distributed on other Unsecured Creditors :		
	Total amount available		
	(₹ 6,00,000 + 56,800)	6,56,800	
	***Less*:** Liquidator's Remuneration as		
	above (₹ 18,000 + 4,800)	22,800	
		6,34,000	
	***Less*:** Cost of liquidation	4,500	
		6,29,500	
	***Less*:** Debenture Holders		
	(₹ 2,00,000 + 6,000 + 6,000)	2,12,000	
		4,17,500	
	***Less*:** Preferential creditors	1,60,000	
	Amount available for others		
	Unseured creditors and liquidators		
	Remuneration thereon	2,57,500	

$$\text{Remuneration} = \frac{\text{amount available} \times \%}{100 + \%}$$

$$= \frac{2,57,500 \times 3}{103} \qquad 7,500$$

Liquidator's Remuneration ₹ 30,300

टिप्पणी

हल क्रमांक 23

Kismat Limited (In voluntary liquidation)
Liquidator's Final Statement of Account

Receipts	Amt. (₹)	Payments		Amt. (₹)
To Cash in hand	56,800	By Liquidation Remuneration		
To Realization of Assets Machinery, Stock & Debtors	6,00,000	on ₹ 60,000 @ 3%	18,000	
		on ₹ 1,60,000 @ 3%	4,800	
		on ₹ 2,50,000 @ 3%	7,500	30,300
		By Cost of liquidation		4,500
		By Debenture holders ₹ Principal	2,00,000	
		Interest accrued on 31.3.19	6,000	
		Interest from 1.4.19 to 30.9.19	6,000	2,12,000
		Preferential Creditors		1,60,000
		Unsecured Creditors		2,50,000
		Payment of the first and the final Dividend of approximately 73 paisa in a Rupee		
	6,56,800			6,56,800

उदाहरण– 24

एक कम्पनी का निम्नांकित विवरण है जिसका ऐच्छिक समापन हुआ। निस्तारक का अन्तिम विवरण खाता बनाइये–

(a) निस्तारक द्वारा सभी सम्पत्तियों के विक्रय से प्राप्त राशि में से 22,60,000 जो पूर्ण रक्षित लेनदार तथा ऋण-पत्रों का भुगतान करने के पश्चात के है।

(b) पूर्वाधिकार लेनदार 60,000 ₹।

(c) अन्य आरक्षित लेनदार 3,00,000 ₹।

(d) 14000, 6% पूर्वाधिकार अंश प्रत्येक 100 ₹ का। (पूर्णदत्त)

(e) 12000, समता अंश प्रत्येक 100 ₹ का प्रत्येक पर 80 ₹ याचित और भुगतान किये गए हैं।

(f) 16000, समता अंश प्रत्येक 100 ₹ का प्रत्येक पर 65 ₹ याचित और भुगतान किये गए हैं।

(g) निस्तारक का पारिश्रमिक 2% आरक्षित लेनदारों पर दी हुई राशि पर है।

(h) पूर्वाधिकार लेनदारों पर 2 वर्ष का लाभांश अदत्त है।

हल क्रमांक 24

Liquidator's Final Statement of Account

Receipts	Amt. (₹)	Payments	Amt. (₹)
To Cash in hand	22,60,000	By Liquidators Remuneration	
To Cash received @ ₹ 15 on 16,000 shares	2,40,000	2% on 3,60,000	7,200
		By Preferential Creditors	60,000
		By Unsecured Creditors	3,00,000
		By Preferential shareholders Capital: 14,00,000 *Add*: Dividend O/s 1,68,000	15,68,000
		By Equity Shareholders 28,000 shares @ ₹ 20.17	5,64,800
	25,00,000		25,00,000

टिप्पणी

उदाहरण– 25

गुडलाइट लिमिटेड का समापन हुआ तथा निस्तारक द्वारा पूर्णरक्षित लेनदारों के पास गिरवी रखी सम्पत्तियों को छोड़कर अन्य सम्पत्तियों से 6,00,000 वसूल किये। जिससे निम्नांकित भुगतान किये जाने हैं–

(i)	अंश पूँजी – 10,000 समता अंश प्रत्येक 50 ₹	5,00,000
(ii)	पूर्ण रक्षित लेनदार (गिरवी रखी सम्पत्ति से प्राप्त 90,000 ₹)	80,000
(iii)	पूर्वाधिकार लेनदार	12,500
(iv)	अन्य असुरक्षित लेनदार	2,00,000
(v)	ऋण पत्र जो सभी संपत्तियों पर चल प्रभार रखते हैं	4,00,000
(vi)	समापन व्यय	7,500
(vii)	समापक का पारिश्रमिक	10,000

निस्तारक का अंतिम विवरण खाता बनाइये।

हल क्रमांक 25

Liquidator's Final Statement of Account

Receipts	Amt. (₹)	Payments	Amt. (₹)
To Assets Realised	6,00,000	By Liquidator's remuneration	10,000
To Surplus from secured creditors	10,000	By Liquidation expenses	7,500
		By Debentures having a floating charge	4,00,000

टिप्पणी

		By Preferential Creditors	12,500
		By Unsecured Creditors	1,80,000
	6,10,000		6,10,000

उदाहरण– 26

मिस्टर हर्ष टू एण्ड डाई कम्पनी के निस्तारक नियुक्त हुए जिसका चिट्ठा 1 जनवरी 2019 को निम्न प्रकार था।

Balance Sheet of XYZ Ltd.
(as on 1st Jan. 2019)

Liabilities	Amt. (₹)	Assets	Amt. (₹)
Equity share capital @ ₹ 10 of 1,61,000 shares	16,10,000	Fixed Assets	19,50,000
		Stock	1,00,000
Debentures	2,00,000	Sundry Debtors	2,00,000
Loan	4,50,000	Cash	50,000
Creditors	2,40,000	Profit & Loss A/c	2,00,000
	25,00,000		25,00,000

स्थायी सम्पत्तियों का विक्रय 14,70,000 ₹ जिसमें से 20,000 ₹ ऋण-पत्रधारियों के पास गिरवी रखी गई सम्पत्तियों के हैं। तथा शेष राशि निस्तारक द्वारा प्राप्त की गई है। तत्पश्चात् देनदारों से 1,60,000 ₹ तथा स्टॉक से 90,000 ₹ प्राप्त हुए। समापन के व्यय 5,000 ₹ हुए। समापक का पारिश्रमिक 10,000 ₹ तथा 2% उसके द्वारा समस्त वसूल की गई राशि पर निश्चित है।

निस्तारक का अन्तिम विवरण खाता बनाइये।

हल क्रमांक 26

XYZ Ltd. (in liquidation)
Liquidator's Final Statement of Account

Liabilities	Amt. (₹)	Assets	Amt. (₹)
To Assets Realised:	14,50,000	By liquidators Remuneration	
(Amount after set off)		Fixed : 10,000	
		2% on 17,00,000 34,000	44,000
To Debtors	1,60,000	By Liquidation Expenses	5,000
To Stock	90,000	By Debentures	1,80,000
To Cash in hand	50,000	By Unsecured Creditors	
		Loan Creditors	4,50,000
		Creditors	2,40,000
		By Equity Shareholders (Balancing Figure) payment @ ₹ 5.16 per share	8,31,000
	17,50,000		17,50,000

उदाहरण– 27

31 मार्च 2019 को स्थायित्व लिमिटेड ने स्वेच्छा से समापन किया। उस दिन पुस्तकों में निम्न शेष थे।

टिप्पणी

Liabilities	Amt. (₹)	Assets	Amt. (₹)
Subscribed capital:		Goodwill	50,000
40,000 Equity shares of		Patents	20,000
₹ 10 each fully paid	4,00,000	Freehold Building	1,80,000
Sundry Creditors :		Plant	1,60,000
Preferential	40,000	Stock	1,70,000
(secured against		Sundry Debtors	1,00,000
Freehold property)	1,00,000	Bills Receivable	18,800
Unsecured creditors	2,48,000	Profit & Loss A/c	1,01,200
Bank overdraft			
(Unsecured)	12,000		
	8,00,000		8,00,000

निस्तारक द्वारा निम्न सम्पत्तियाँ वसूल की गई–

(1) फ्रीहोल्ड प्रापर्टी 1,60,000 ₹।

(2) स्टॉक 1,40,000 ₹।

(3) विविध देनदार 90,000 ₹।

(4) प्राप्त बिल 18,800 ₹।

7,000 ₹ निस्तारक द्वारा व्यय किये गये तथा निस्तारक का कमीशन 2½% वसूल हुई राशि पर एवं 2% उस राशि पर जो अनारक्षित लेनदारों को दी जाएगी निश्चित किया। निस्तारक का अन्तिम विवरण खाता बनाइये।

हल क्रमांक 27

Ltd. (in liquidation)
Liquidator's Final Statement of Account

Liabilities		Amt. (₹)	Assets	Amt. (₹)
To Assets			By Liquidation	
Realised	1,60,000		Expenses :	7,000
Plant			By Liquidator's	
Less: Credits	1,00,000	60,000	Commission	17,408
Stock		1,40,000	By Preferential	
			Creditors	40,000
Debtors		90,000	By Unsecured	
			Creditors	2,44,392
Bills Recivable		18,800		
		3,08,800		3,08,800

Working Notes:

Unsecured Creditors:

Liquidators Remuneration :

टिप्पणी

2.5% on 3,08,800 + 1,60,000 = 4,68,800	11,720
2% on 40,000	800
2% on 2,44,392	4,888
(3,03,800 – 7,000 – 11,720 – 800 2 40,000)	17,408

= 2,49,280 × 2/102

उदाहरण– 28

निम्न चिट्ठ आयु पटेल लिमिटेड का है।

Balance Sheet of Auyu Patel Ltd.
(as on 31st Dec. 2018)

Liabilities	Amt. (₹)	Assets	Amt. (₹)
Paid-up capital		Fixed Assets:	
2,000 6% preferential		Land & Building	4,00,000
shares of ₹ 100 each	2,00,000	Plant & Machinery	3,00,000
3,000, equity shares of		Current Assets :	
₹ 100 each fully paid	3,00,000	Stock	1,60,000
4,000 equity shares of		Debtors	2,30,000
₹ 100 each			
₹ 60 paid	2,40,000	Cash at Bank	1,10,800
Secured loan:		Misc. Expenditures:	
6% Debentures		Profit & Loss A/c	49,200
(Floating Charge			
on all assets)	2,00,000		
Others:			
(Mortgage on Land			
& Building)	50,000		
Current liabilities:			
Sundry Creditors	2,00,000		
Income Tax	60,000		
	12,50,000		12,50,000

कम्पनी का समापन 1 जनवरी 2019 को हुआ।

पूर्वाधिकार अंशों पर 3 वर्ष का लाभांश देय है। जो कम्पनी के समापन पर अंशधारियों को दिया जाएगा।

सम्पत्तियाँ निम्न प्रकार वसूल की गई–

भूमि तथा भवन 4,50,000 ₹, प्लाण्ट एवं मशीनरी 2,50,000 ₹, स्टॉक 1,35,000 ₹ तथा देनदार 2,15,000 ₹।

कम्पनी के समापन व्यय 15000 ₹ हुए।

समापक को पारिश्रमिक समस्त वसूल हुई सम्पत्ति पर 2% तथा 3% आरक्षित लेनदारों पर प्राप्त होगा।

समापक द्वारा समस्त भुगतान 30 जून, 2019 को कर दिए गए।

समापक का अन्तिम विवरण खाता बनाइये।

हल क्रमांक 28

Auyu Patel Ltd. (in liquidation)
Liquidator's Final Statement of Account

Liabilities		Amt. (₹)	Assets		Amt. (₹)
To Cash at Bank		1,10,800	By Expenses of liquidation		15,000
To Assets Realised			By Liquidator's		
Land & Building		4,00,000	Remuneration: (2% on ₹ 10,50,000		
Plant &			plus 3% on ₹ 2,60,000)		28,800
Machinery	2,50,000		By Debenture holders:		
Stock	1,35,000		Including interest at 6%		
Debtors	2,15,000	10,00,000	(1.1.2009 to 30.6.2009)		2,06,000
			By Unsecured Creditors		2,60,000
			By Preference share-		
			holders:	2,00,000	
			Dividend @ 6%		
			For 3 years	36,000	2,36,000
			By equity share-		
			holders :		
			on 3,000 shares @ 75		2,25,000
			on 4,000 shares @ 35		1,40,000
		11,10,800			11,10,800

उदाहरण– 29

आपको निम्न सूचनाएं दी गयी हैं।

Balance Sheet of Z Ltd.
(on March 31, 2019)

Liabilities	Amt. (₹)	Assets	Amt. (₹)
Share Capital :		Land & Building	1,35,000
1,500, 10% preference share of ₹ 100,		Plant & Machinery	3,20,000
full paid-up	1,50,000	Patents	50,000
2,000, equity shares of ₹ 100 each		Stock at Cost	75,000
₹ 80 paid	1,60,000	Sundry Debtors	1,75,000

टिप्पणी

3,000 Equity shares of ₹ 100 each ₹ 70 paid	2,10,000	Cash at Bank	95,000
		Profit & Loss A/c	80,000
10% Debentures having a floating charge on all assets	2,00,000		
Interest Outstanding	10,000		
Creditors	2,00,000		
	9,30,000		9,30,000

कम्पनी का समापन 31 मार्च 2019 को हुआ।

पूर्वाधिकार अंशों पर 2 वर्ष का लाभांश देय है। जो कम्पनी के समापन पर स्वतः ही भुगतान किया जाएगा। लेनदारों में 50,000 ₹ का ऋण शामिल है, जो भूमि तथा भवन से सुरक्षित है।

सम्पत्तियों से वसूली निम्न प्रकार हुई।

भूमि तथा भवन 1,90,000 ₹।

मशीनरी तथा कल 2,50,000 ₹।

पेटेण्ट 2,25,000 ₹।

स्टॉक 70,000 ₹।

विविध देनदार 1,70,000 ₹।

समापन के व्यय 12,000 ₹ तथा समापक का कमीशन 2% समस्त वसूल हुई सम्पत्तियों पर तथा 5% कमीशन आरक्षित लेनदारों को दी हुई राशि पर प्राप्त होगा। पूर्वाधिकार लेनदार 50,000 ₹ के हैं। यह मानते हुए कि सभी भुगतान 30 सितम्बर 2019 तक कर लिए गए। समापक का अन्तिम विवरण खाता बनाइये।

हल क्रमांक 29

Liquidator's Statement of Account

Receipts	Estimated value	Value Realised	Payments		Amt. paid
Assets realized			Liquidator's remuneration:		
Cash	95,000	95,000	2% on ₹ 6,55,000	13,100	
Debtors	1,75,000	1,70,000	5% on ₹ 2,00,000	10,000	23,100
Stock	75,000	70,000	Expenses of liquidation		12,000
Plant & Machinery	3,20,000	2,50,000	Debentures having a floating charge	2,00,000	
Patents	50,000	25,000			
Surplus from securities	–	1,40,000	Interest up to 30th Sept. 19	20,000	2,20,000
			Creditors:		
			Preferential		50,000

			Others		1,50,000
			Preference share holders		1,50,000
			Arrears of preference dividend		30,000
			Equity share holders : ₹ 28.98 on 2,000 shares 57,960 ₹ 18.98 on 3,000 shares 56,940		1,14,900
		7,50,000			7,50,000

टिप्पणी

उदाहरण– 30

31 मार्च 2019 को सर्वश्रेश्ठ कम्पनी का चिट्ठा निम्न प्रकार था।

Liabilities	Amt. (₹)	Assets	Amt. (₹)
Share Capital :		Buildings	1,50,000
2500, 12% Preference share of ₹ 100 each	2,50,000	Other Sundry Assets	10,00,000
20,000 Equity shares of ₹ 10 each fully paid	2,00,000	Preliminary expenses	50,000
50,000 Equity shares of ₹ 10 each ₹ 8.50 paid	4,25,000	Profit & Loss A/c	3,00,000
12% Debentures	3,50,000		
Loan on Mortgage	55,000		
Bank overdraft	90,000		
Trade Creditors	1,00,000		
Due for Tax :			
Previous year 22,000			
Current year 8,000	30,000		
	15,00,000		15,00,000

रहन भवन द्वारा पूर्ण सुरक्षित है तथा ऋण-पत्र समस्त सम्पत्तियों पर चल प्रभाव द्वारा सुरक्षित है। ऋण-पत्रधारियों द्वारा प्राप्तकर्ता (Reeciver) नियुक्त किया गया। तत्पश्चात् कम्पनी का समापन हुआ। एवं एक समापक नियुक्त किया गया। प्राप्तकर्ता द्वारा विविध सम्पत्तियों में 4,50,000 की सम्पत्तियों से 4,20,000 वसूल किये। बैंक अधिविकर्ष संचालकों द्वारा निजी गारन्टी द्वारा सुरक्षित है। जिसका भुगतान भी प्राप्तकर्ता द्वारा किया गया। शेष सम्पत्तियों से निस्तारक द्वारा 6,33,500 ₹ वसूल किये। प्राप्तकर्ता के खर्च 5,000 ₹ तथा प्राप्तकर्ता का पारिश्रमिक 12,000 ₹ था। तत्पश्चात् समापक द्वारा समापन व्यय 3,000 ₹ हुए। एवं समापक का पारिश्रमिक 8,500 ₹ था। पूर्वाधिकार अंशों पर 3 वर्ष का लाभांश देय है। इसका भुगतान समापन होने पर आधिक्य में से किया जाएगा अन्यथा नहीं। उपरोक्त सूचनाओं के आधार पर प्राप्तकर्ता का प्राप्ति भुगतान खाता तथा समापक का अन्तिम विवरण खाता बनाइये।

टिप्पणी

हल क्रमांक 30

Receiver's Receipts & Payments A/c

Liabilities		Amt. (₹)	Assets	Amt. (₹)
Assets Realised		4,20,000	Cost of the Receiver	5,000
Surplus received from mortgage			Remuneration of the Receiver	12,000
Proceeds of building	90,000		Preferential payments	30,000
Mortgage paid	55,000	35,000	(assessment as presumed to have been made within 12 months preceding the date of liquidation)	
			Debenture holders	3,50,000
			Balance transferred to liquidator	58,000
		4,55,000		4,55,000

Liquidator's Final Statement of A/c

Surplus received from receiver	58,000	Liquidator's Remuneration	8,500
Sundry Assets realized	6,33,500	Costs of liquidation	3,000
		Unsecured creditors	1,90,000
		Preferential creditors	2,50,000
		Equity shareholders :	
		₹ 4.50 on 20,000 shares 90,000	
		₹ 3 on 50,000 shares 15,00,000	2,40,000
	6,91,500		6,91,500

3.4.6 कम्पनी का स्थिति विवरण (Statement of Affairs)

जब कम्पनी का समापन होता है एवं निस्तारक की नियुक्ति न्यायालय द्वारा की जाती है, तो कम्पनी के संचालकों एवं अधिकारियों को न्यायालय के आदेश के 21 दिन के अंदर एक स्थिति विवरण प्रस्तुत करना होता है। इस स्थिति विवरण में निम्नलिखित सूचनाओं का उल्लेख किया जाना चाहिए।

कम्पनी की सम्पूर्ण सम्पत्तियों का विवरण, कम्पनी के सम्पूर्ण ऋणों तथा दायित्व का विवरण, लेनदारों के नाम, पते तथा व्यवसाय, एवं किसी विशेष मद से सम्बन्धित टिप्पणी इत्यादि होना चाहिए।

स्थिति विवरण का निर्धारित प्रारूप

(Proforma of Statement of Affairs)

Statement as to the affairs of ……. Ltd. on the ……… day of ……….20.

टिप्पणी

				Estimated Realisable value ₹
Assets not specifically pledged (As per list A) Balance at bank Cash in hand Marketable securities Bills Receivable Trade Debtors Loans & Advances Unpaid calls Stock in Trade Work in Progress Freehold property, land & building Lease hold property Plant & Machinery Furniture, Fitting, Utensils etc. Investment other than marketable securities Live stock Other property *viz.*				
	(a)	(b)	(c)	(d)
Assets specifically pledged (As per list B) ₹	Estimated Realisable value ₹	Due to secured creditors ₹	Deficiency as unsecured ₹	Surplus arrived to at column ₹
Estimated surplus from assets specifically Pledged Estimated total assets available for preferential creditors Debenture holders secured by a floating Charge & Unsecured creditors (carried forward) Summary of Gross Assets (d) Gross realizable value of assets specifically pledged Other Assets Gross Assets ₹ Estimated total assets available for preferential creditors, debenture holders secured by a floating charge and unsecured creditors (brought forward) Liabilities (To be deducted from surplus or added to deficiency as the case may be)				

टिप्पणी

Gross liabilities Secured Creditors (As per list 'B' to the extent to which claims are estimated to be covered by Assets specifically (Item (a) or (b) whichever is the less) (Insert the amount in Gross liabilities column only) Preferential creditors (as per list 'C') Estimated balance of Assets available for debenture holders secured by a floating charge and unsecured creditors Debenture holders secured by a floating charge (As per List 'D') Estimated surplus/Defeciency as regard Debenture holders ₹ Unsecured creditors (As per List 'E') Estimated unsecured balance of claims of creditors partly secured on specifies Assets, brought from preceding particulars) Trade Accounts Bills payable Outstanding Exps. Contingent liabilities (state nature) Estimated surplus/Deficiency as regards creditors (being difference) between Gross Assets bought from preceding page (d) & Gross liabilities as per column (e) Issued & Called up capital ……….Preference shares of ……each ₹ ….called up (As per List 'F') ………Equity shares of………each of ₹ …………..called up (As per list 'G') Estimated surplus/Deficiency as regards members (As per List 'H')	

Note : All assets specifically mortgaged, pledged or otherwise given as security should be included under this head. In the case of goods given as security, those in possession of the company and those not in possession should be separately set out–

(1) (f) There is no unpaid capital liable to be called up, or

(g) The nominal amount of unpaid capital liable to be called up is ₹ .... estimated to produce ₹ .... which is/is not charged in favour of Debenture holders (Strike our (f) or (g).

(2) The estimates are subject to costs of the Winding up and to any surplus or deficiency on trading pending realisation of the assets.

3.4.7 स्थिति विवरण बनाने की विधि (Method of preparing Statement of Affairs)

(1) सूची 'अ' के अनुसार सबसे पहले समस्त सम्पत्तियों का विवरण देना चाहिए, जिसमें ऐसी सम्पत्ति सम्मलित नहीं होनी चाहिए, जिसे लेनदार को प्रतिभूति के रूप में दिया हो।

(2) सूची 'अ' में याचना की बकाया राशि को भी सम्मिलित किया जाएगा।

(3) स्थिति विवरण में सम्पत्ति का अनुमानित वसूली मूल्य लिखा जाना चाहिए।

(4) सम्पत्तियों के पुस्तकीय मूल्य को स्थिति विवरण में अतिरिक्त सूचना के रूप में दिखाया जा सकता है।

(5) सूची 'ब' में उन सम्पत्तियों का विवरण दिया जाता है, जो किसी लेनदार के पास प्रतिभूति के रूप में सुरक्षित है, इसके अन्तर्गत सम्पत्ति से सम्बन्धित समस्त जानकारी दी होती है।

(6) सम्पत्तियों के कुल योग से दायित्वों तथा पूँजी को निम्न क्रम से घटाया जाता है।

(a) पूर्वाधिकार लेनदार

(b) ऐसे लेनदार जो कम्पनी की सम्पत्ति पर चल प्रभार रखते हैं।

(c) असुरक्षित लेनदार

(d) अंश पूँजी

उदाहरण– 31

एक्स कम्पनी का समापन हो गया है। 30 सितम्बर 2018 को इसका स्थिति विवरण निम्नानुसार है–

Liabilities	Amt. (₹)	Assets	Amt. (₹)
2,50,000 Equity shares		Land & Building	5,00,000
@ ₹ 10 each	25,00,000	Other Fixed assets	20,00,000
Secured Debentures		Current Assets	45,00,000
(On Land & Buildings)	10,00,000	Profit & Loss A/c	20,00,000
Unsecured Loans	20,00,000		
Sundry Creditors	35,00,000		
	90,00,000		90,00,000

संदिग्ध दायित्व इस प्रकार हैं–

भुनाये गये बिलों के लिए 1,00,000 ₹

एक्साइज ड्यूटी डिमाण्ड के लिए 1,50,000 ₹

अनुसंधान करने पर पता चला कि संदिग्ध दायित्व कुछ सीमा तक बढ़े हैं एवं सम्पत्तियों से निम्न प्रकार से राशियाँ वसूल हुईं–

भूमि व भवन	11,00,000
स्थायी सम्पत्तियाँ	18,00,000
चालू सम्पत्तियाँ	35,00,000

उपरोक्त को अपनी लेखे में लेते हुये स्थिति विवरण बनाइये।

टिप्पणी

हल क्रमांक 31

					Estimated realized value (₹)
Assets net specifically pledged (As per list A) Other Fixed Assets Current Assets					 18,00,000 35,00,000 53,00,000
		Assets Specifically Pledged (As per list B)			
	Estimated Realisable value	Due to Secured Creditors	Deficiency	Surplus	
Land & Building	₹	₹	₹	₹	
Estimated total assets available to unsecured creditors	11,00,000	10,00,000	……..	1,00,000	
Summary of Gross Assets					54,00,000
Gross realizable value of assets specifically pledged				11,00,000	
Other Assets				53,00,000	
Current Assets				64,00,000	
		Liabilities			
Gross Liabilities					
Secured Creditors (as per list B) to the extent to which claims are estimated to be covered by assets Specifically pledged					10,00,000
Preferential creditors (as per list C)					1,50,000
					52,50,000
Unsecured Creditors (as per list (E)					
Unsecured Loans					20,00,000
Trade Creditors					35,000
Contingent liability on bill discounted					1,00,000
Estimated deficiency as regards Creditors (67,50,000 – 64,00,000)					3,50,000
2,50,000 Equity shares of ₹ 10 each (as per list G)					25,00,000
Estimated Deficiency as regards members (as per list H)					28,50,000

उदाहरण– 32

1 जनवरी, 2018 को महेन्द्र लिमिटेड कम्पनी का समापन हुआ। निम्नलिखित विवरण से आपको स्थिति विवरण बनाना है।

80,000 Equity shares of ₹ 5 each fully paid-up	4,00,000
6%, 40,000 Preference shares of ₹ 10 each fully paid-up	4,00,000
5% First Mortgage Debentures secured by a floating charge upon the whole of the assets	2,00,000
Fully secured creditors	60,000
Preferential Creditors for Rates and Taxes	12,000
Bills Payable	20,000
Partly secured creditors	40,000
Unsecured Creditors	1,40,000
Bank Overdraft	20,000
Bills Receivable	30,000
Bills discount (one bill for 20,000 is likely to be bad)	80,000
Good	20,000
Book Doubtful	14,000
Bad	12,000
Shares in Sharma Ltd. (Estimated to produce ₹ 70,000)	90,000
Shares in B Ltd. (Estimated to produce ₹ 20,000) given to partly secured creditors as security) 30,000	
Land & Buildings (Estimated to produce ₹ 80,000)	3,00,000
Stock in trade (estimated to produce ₹ 40,000)	1,00,000
Cash in hand	20,000

हल क्रमांक 32

Statement of Affairs
as on 1st Jan, 2018

Assets not specifically pledged as per list A	Estimated realized value (₹)
Cash in hand	20,000
Books Debts (₹ 20,000 + 5% of ₹ 19,000)	27,000
Bills Receivable	30,000
Shares in Sharma Ltd.	70,000
Stock in trade	80,000
Machinery & Tools etc.	40,000
Hand & Building	80,000
	3,47,000

टिप्पणी

	Estimated Realisable value ₹	Due to Secured Creditors ₹	Deficiency ranking as unsecured ₹	Surplus carried to last column ₹	
Value of security for fully secured Crs.	60,000	60,000	—	—	
shares in B Ltd.	20,000	40,000	20,000		
	80,000	1,00,000	20,000		

Summary of Gross Assets	
Gross realizable value of assets	
Specifically pledged	80,000
Other assets	3,47,000
	4,27,000

Gross liabilities	Liabilities		
80,000	Secured creditors as per list B to the extent to which claims are estimated to be recovered by assets specifically pledged		
12,000	Preferential creditors as per list C		12,000
	Estimated balance of assets available for debentures secured by a floating charge and unsecured creditors		3,35,000
2,00,000	Debenture-holders secured by a floating charges as per list D		2,00,000
	Estimated surplus as regards debenture-holders		1,35,000
	Unsecured creditors as per list E		
	Unsecured balance of partly secured creditors	20,000	
	Bill Payable	20,000	
	Unsecured Creditors	1,40,000	
	Bank overdraft	20,000	
2,20,000	Liabilities as Bills discounted	20,000	2,20,000
5,12,000	Estimated deficiency as regards creditors (being the difference between gross assets & gross liabilities)		
	Issued & called up Capital		85,000
	6% 40,000 Prefrence shares of ₹ 10 each fully paid-up as per list F		4,00,000
	80,000 Equity shares of ₹ 5 each fully paid-up as per list G		4,00,000
	Estimated deficiency as regards contributories as per list H		8,85,000

टिप्पणी

नोट– 1 जनवरी, 2018 महेन्द्र लिमिटेड कम्पनी का चिट्ठा निम्नानुसार होगा–

Liabilities	Amt. (₹)	Assets	Amt. (₹)
80,000 Equity shares @ ₹ 5 each fully paid up	4,00,000	Land & Building	3,00,000
		Machinery & Tools	1,00,000
40,000, 6% Pref. shares of ₹ 10 each fully paid-up	4,00,000	Share in Sharma Ltd.	90,000
		Share in B Ltd.	30,000
6% Mortgage Debentures	2,00,000	Value of Security held fully Secured Creditors	60,000
Fully secured creditors	60,000	Bills Receivable	30,000
Partly secured creditors	40,000	Book debts	
Preferential creditors	12,000	Good	20,000
Bills Payable	20,000	Doubtful	14,000
Unsecured Creditors	1,40,000	Bad	12,000
Bank overdraft	20,000	Stock in trade	1,00,000
		Cash in hand	20,000
		Excess of liabilities our Assets	5,16,000
	12,92,000		12,92,000

3.4.8 कमी/आधिक्य खाता (Deficiency/Surplus Account)

कम्पनी के समापन पर कम्पनी के स्थिति विवरण के साथ एक कमी आधिक्य खाता भी बनाया जाता है, इस खाते में विभिन्न स्रोतों से उत्पन्न हानियों, लाभों तथा भुगतान किये गये लाभांश का विवरण दिया जाता है। समापक की अनुमति से विवरण की अवधि में कमी की जा सकती है, सामान्यतः यह विवरण समापन प्रारम्भ होने के पहले कम से कम 3 वर्ष की अवधि का होना चाहिए।

जिस कमी/आधिक्य को स्थिति विवरण के आधार पर सूची एच (List H) में निकाला जाता है, उसी कमी/आधिक्य का सम्पूर्ण विवरण कमी/आधिक्य खाते में दिखाया जाता है।

टिप्पणी

कमी/आधिक्य खाते का प्रारूप
Proforma of Deficiency/Surplus Account (List 'H')

Items Contributing to deficiency (or reducing surplus)	**₹**
1. Excess (if any) of Capital & liabilities over Assets on the …… 20…..as shown by balance sheet (copy annexed)	
2. Net dividends and bonus declared during the period from……… 20……. to the date of the Statement	
3. Net trading losses for the same period.	
4. Losses other than trading losses written off or far which provision has been made in the books during the same period (give particulars or annex Schedule)	
5. Estimated losses now written off or for which provision has been made for the purpose of preparing the statement (give particulars or annex Schedule)	
6. Other Items contributing to efficiency or reducing surplus…. Total	
Items reducing deficiency (or contributing to surplus)	
7. Excess (if any) of Assets over capital & liabilities on the …… 20……. as shown in the Balance Sheet (copy annexed)	
8. Net trading profits (after charging items shown in note below) for the period from the ……..20……..to the date of statement.	
9. Profits & Income other than trading profits during the same period (give particulars or annex Schedule)	
10. Other items reducing deficiency or contributing to surplus.	
₹	
Deficiency/Surplus as shown by the Statement of Affairs	
₹	

3.4.9 समापक का रोकड़ खाता (Liquidators Cash Account)

उपरोक्त वर्णित स्थिति विवरण, कमी खाते एवं निस्तारक का अन्तिम खाता विवरण के अलावा समापक एक रोकड़ खाता भी बनाता है, इस खाते में समस्त प्राप्तियाँ एवं भुगतानों का लेखा माह के आधार पर करता है, जैसे-जैसे समापक को राशियाँ प्राप्त होती जाती हैं उसका तिथिवार लेखांकन इस खाते में किया जाता है। समापक रोकड़ खाते के आधार पर अन्तिम खाता विवरण सरलता से बना सकता है।

टिप्पणी

उदाहरण– 33

31 दिसम्बर, 2018 को यश लिमिटेड कम्पनी का समापन हुआ, इसी तिथि को उसका चिट्ठा निम्नलिखित स्थिति प्रकट करता है, आपको निस्तारक का रोकड़ खाता एवं अन्तिम खाता विवरण बनाना है।

Liabilities	Amt. (₹)	Assets	Amt. (₹)
Equity Share Capital	5,00,000	Fixed Assets	6,00,000
Preference Share Capital	2,00,000	Current Assets	7,00,000
Profit & Loss A/c	1,00,000		
Creditors	2,00,000		
Bank (with a charge on fixed assets)	3,00,000		
	13,00,000		13,00,000

निस्तारक द्वारा निम्न सम्पत्तियाँ विविध तिथियों पर इस प्रकार प्राप्त की गईं–

2018	Fixed Assets	Current Assets
Feb. 1	1,00,000	2,00,000
March 1	3,00,000	2,00,000
April 1	Nil	1,00,000

निस्तारक सम्पत्तियों से वसूली राशि पर 5% एवं समता अंशधारियों को वितरित राशियों पर 2% कमीशन पाने का अधिकारी है। निस्तारक 20,000 ₹ व्ययों के भुगतान हेतु रोकने के बाद जैसे-जैसे राशि प्राप्त होती है वितरित करता जाता है। समापन व्यय 16,000 ₹ हैं।

हल क्रमांक 33

Liquidator's Cash Book

Date	Particulars	Amt. (₹)	Particulars	Amt. (₹)
1st Feb. 2018	Assets Realised	2,00,000	Liquidation Remuneration 5% on ₹3,00,000	15,000
			Bank overdraft	82,500
			Creditors	82,500
			Balance C/d	20,000
		2,00,000		2,00,000
1st March 2008	To Bal b/d	20,000	Liquidators Remuneration 5% on ₹5,00,000	25,000
	Assets realised	2,00,000		
	Surplus from securities	1,82,500	2% on ₹ 39,216	

टिप्पणी

			paid to equity Shareholders	784
			Creditors	1,17,500
			Pref. Shareholder	2,00,000
			Equity share-holder	39,216
			Bal. C/d	20,000
		4,02,500		4,02,500
1st April 2008	To Bal b/d	20,000	Expenses	16,000
	Assets Realised	1,00,000	Liquidators Remuneration 5% on ₹ 1,00,000	5,000
			2% on ₹ 97,059	1,941
			Equity share-holder	97,059
		1,20,000		1,20,000

Liquidators Statement of Account

Particulars	Amt. (₹)	Particulars	Amt. (₹)
Assets Realised	5,00,000	Expenses of Liquidation	16,000
Surplus from Securities	1,00,000	Liquidators Remuneration	
		5% on ₹ 9,00,000	45,000
		2% on ₹ 1,36,273	2,725
		Creditors	2,00,000
		Preference share-holders	2,00,000
		Equity shareholders	1,36,275
	6,00,000		6,00,000

उदाहरण— 34

15 सितम्बर 2018 को समापन की प्रक्रिया के समय कुछ लेनदारों को सम्पत्तियों की वसूली राशि एवं ऐसे अंशधारियों से प्राप्त राशि जो कि सूची 'अ' में आते हैं से अपनी देयक राशियाँ प्राप्त नहीं हुई। समापन से पहले कुछ अंश जो कि हस्तांतरित किए गए थे, एवं ऐसे लेनदार जो अभी तक अदत्त हैं, का विवरण इस प्रकार है।

Share-holders	No. of share transferred	Date where ceased to be member	Creditors remaining paid & outstanding
A	2,000	31.8.2017	8,000
B	1,800	20.9.2017	12,000
C	1,200	15.11.2017	17,400
D	1,000	22.4.2018	18,600
E	500	10.7.2018	22,000

सभी अंशों का अंकित मूल्य 10 ₹ प्रति अंश है जिसमें से 5 ₹ प्रति अंश याचित एवं भुगतान किए गए हैं। समापन के व्यय एवं समापक के पारिश्रमिक को ध्यान में मत रखिए। अंशधारियों से प्राप्त राशि की गणना कीजिए।

हल क्रमांक 34

केवल वे ही अंश जो कि 12 माह की अवधि के अन्तर्गत हस्तांतरित किए गए हैं समापन की प्रक्रिया हेतु सम्मिलित किए जाएंगे। 'A' अंशधारी ने अपने अंशों का हस्तांतरण 12 माह के पूर्व किया है, अतः इस हेतु सम्मिलित नहीं किया जाएगा।

Statement of Liability of B List Contributories

Creditors outstanding on date of ceasing to be member	B 1,800 shares ₹	C 1,200 shares ₹	D 1,000 shares ₹	E 500 shares ₹	Amount to be paid to creditors ₹
(i) 12,000 (18:12:10:5)	4,800	3,200	2,667	1,333	12,000
(ii) 5,400(12:10:5)		2,400	2,000	1,000	5,400
(iii) 1,200 (10:5)			800	400	500*
(iv) 3,400				3,400	NIL
	4,800	5,600	5,467	6,133	17,900
Maximum liability on Shares held (b)	9,000	6,000	5,000	2,500	* From 0 ₹ 333 + from P. ₹ 167
Amount paid lower of (a) or (b)	4,800	5,600	5,000	2,500	500

अपनी प्रगति जाँचिए (Check Your Progress)

3. कम्पनी के समापन की विधियों कम्पनी अधिनियम की किस धारा में उल्लेखित है।
   (क) 420 (1) (ख) 421 (2)
   (ग) 425 (1) (घ) 426 (2)
4. सुरक्षित लेनदारों को अधिकार प्राप्त होता है।
   (क) सम्पत्ति पर (ख) दायित्व पर
   (ग) आय पर (घ) उपरोक्त पर

3.5 अपनी प्रगति जाँचिए प्रश्नों के उत्तर (Answers to Check Your Progress)

टिप्पणी

1. (घ)
2. (ग)
3. (ग)
4. (क)

3.6 सारांश (Summary)

सूत्रधारी कम्पनी वह कम्पनी होती है जो किसी अन्य कम्पनी के आधे से अधिक अंश क्रय कर लेती है। यदि किसी सहायक कम्पनी के आधे से अधिक अंश सूत्रधारी कम्पनी के पास है तो यह अंशतः अधिकार वाली सूत्रधारी कम्पनी कहलायेगी तथा यदि सूत्रधारी कम्पनी के पास सहायक कम्पनी के 100% पूरे अंश है तो पूर्ण अधिकार वाली सूत्रधारी कम्पनी कहलायेगी। अंशतः अधिकार की दशा में कुछ भाग अंशों का जनता के पास होता है। ऐसी दशा में जो राशि जनता को देय होती है उसे अल्पमत धारियों का हित कहा जाता है, और इसे समेकित चिट्ठे के दायित्व पत्र में लिखा जाता है। सूत्रधारी कम्पनी का समेकित चिट्ठा बनाते समय सूत्रधारी कम्पनी एवं सहायक कम्पनी दोनों के वित्तीय विवरण मदों को ध्यान में रखा जाता है।

कम्पनी के समापन से आशय है, कम्पनी का भविष्य में अपने नाम से कार्य नहीं किया जाना या कम्पनी का बन्द हो जाना। कम्पनी का समापन ऐच्छिक, अनिवार्य एवं न्यायालय द्वारा किया जा सकता है। अनिवार्य या ऐच्छिक समापन की स्थिति में भी कम्पनी न्यायालय द्वारा समापन, करवा सकती है, जो कि अंशधारियाँ, लेनदारों एवं ऋण-पत्रधारियाँ दृष्टिकोण से उचित होती है। कम्पनी के समापन पर समापक पर लेनदारों की स्थिति किसी भी कम्पनी के समापन की दशा मे कम्पनी के अंशधारियों से पहले होती है। लेनदारों में भी दो तरह के लेनदार सम्मलित हाते हैं पहला पूर्वाधिकार लेनदार दूसरा असुरक्षित लेनदार।

3.7 मुख्य शब्दावली (Key Terminology)

- **सूत्रधारी कम्पनी:** जिसके पास सहायक कम्पनी के 50% इससे अधिक अंश हो।
- **नियन्त्रण की लागतः** अंशों का क्रय मूल्य
- **अल्पमत धारी:** सहायक कम्पनी के वह अंश जो जनता के पास है।
- **मिश्रित चिट्ठाः** सूत्रधारी एवं सहायक कम्पनी का समेकित चिट्ठा
- **अनिवार्य समापनः** न्यायालय द्वारा कम्पनी का समापन
- **पूर्वाधिकार लेनदारः** ऐसे लेनदार जिन्हें पूर्वाधिकार प्राप्त है।
- **योगदायी:** अंशधारी

3.8 स्व-मूल्यांकन प्रश्न एवं अभ्यास (Self Assessment Questions and Exercises)

टिप्पणी

सैद्धान्तिक प्रश्न (Theoretical Questions)

1. सूत्रधारी कम्पनी क्या है? यह कैसे बनती है?
2. अल्पमत हित से आपका क्या आशय है?
3. अल्पमतधारियों के हित की राशि की गणना आप कैसे करेंगे?
4. मिश्रित चिट्ठा बनाते समय ख्याति या पूँजी संचय की राशि कैसे ज्ञात की जाती है?
5. सहायक कम्पनी को पारिभाषित कीजिए।
6. सूत्रधारी कम्पनी के लाभ एवं हानियों को समझाइए।
7. अन्तर कम्पनी व्यवहारों का लेखा कैसे किया जाता है?
8. कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 212 के अनुसार प्रत्येक सहायक कम्पनी के सम्बन्ध में कौन.कौन सी सूचनाएँ सूत्रधारी कम्पनी के चिट्ठे के साथ दी जाती हैं।
9. संदिग्ध दायित्वों से आप क्या समझते हैं?
10. एक मिश्रित चिट्ठा बनाने की विधि का उपयुक्त उदाहरणों सहित उल्लेख कीजिए।
11. न वसूल हुआ लाभ क्या है? मिश्रित चिट्ठा बनाते समय इसे कैसे ज्ञात किया जाता हैं?
12. मिश्रित चिट्ठे से आपका क्या आशय है? यह कैसे बनाया जाता है? मिश्रित चिट्ठा बनाते समय किन बातों को ध्यान में रखा जाता है?
13. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए–
    (a) अल्पमतधारियों का हित
    (b) नियन्त्रण की लागत
    (c) पूँजी लाभ
    (d) संदिग्ध दायित्व
    (e) आयगत लाभ
14. मिश्रित चिट्ठा बनाने की प्रक्रिया को समझाइए।
15. अंशधारियों से आप क्या समझते हैं?
16. निस्तारक कौन होता है? समापन की प्रक्रिया में इसका क्या योगदान है?
17. निस्तारक के अधिकार क्या हैं?
18. कम्पनी के समापन से आप क्या समझते हैं? समापन के विभिन्न प्रकारों का वर्णन कीजिए।

टिप्पणी

19. समापक के खाता विवरण में किन बातों का उल्लेख किया जाता है?
20. भारतीय कम्पनी अधिनियम के अनुसार पूर्वाधिकार लेनदारों को स्पष्ट कीजिए।
21. कम्पनी के लेनदारों के प्रकारों का वर्णन कीजिए।
22. 'ब' तालिका के योगदायी से क्या समझते हैं? इस सूची के योगदायियों के दायित्वों को बताइये।
23. कमी/आधिक्य खाते से क्या आशय है?
24. स्थिति विवरण तथा कमी/आधिक्य खाते का प्रारूप काल्पनिक राशियों को देते हुए बनाइये।
25. निस्तारक के अन्तिम खाता विवरण से आप क्या समझते हैं?
26. निस्तारक द्वारा भुगतान की जाने वाली मदों का क्रम समझाइए।
27. निस्तारक के रोकड़ खाते का प्रारूप काल्पनिक आँकड़ों से बनाइये।
28. विविध योगदायी को उनकी राशियाँ वापस करने सम्बन्धि नियमों का वर्णन कीजिए।
29. निस्तारक का अन्तिम खाता विवरण कब और कैसे बनाया जाता है?

क्रियात्मक प्रश्न (Practical Question)

1. 31 मार्च 2019 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए यश कम्पनी एवं हर्ष कम्पनी का चिट्ठा निम्नानुसार है।

Liabilities	Yash Co. Ltd.	Harsh Co. Ltd.	Assets	Yash Co. Ltd.	Harsh Co. Ltd.
Share Capital			Land & Building	2,90,000	2,90,000
@ ₹ 10 each	5,00,000	3,00,000	Furniture	10,000	5,000
			Debtors	1,50,000	80,000
Profit &			Bill Receivable	50,000	25,000
Loss A/c	3,00,000	1,00,000	Investments	3,00,000	
	8,00,000	4,00,000		8,00,000	4,00,000

उपरोक्त तिथि को यश लिमिटेड ने हर्ष लिमिटेड के 18,000 अंशों को 3,00,000 ₹ में क्रय किया था। मिश्रित चिट्ठा बनाइये।

Ans.: Goodwill ₹ 60,000, Minority Interest ₹ 1,60,000 Consolidated B/s ₹ 9,60,000.

टिप्पणी

2. एच लिमिटेड एवं एस लिमिटेड का चिट्ठा 31 मार्च 2019 को इस प्रकार है।

Liabilities	H. Ltd.	S. Ltd.	Assets	H. Ltd.	S. Ltd.
Share Capital					
@ ₹ 10 each	30,000	12,500	Sundry Assets	50,000	20,000
Reserves	12,500	2,500	Investments		
P & L A/c	5,000	2,500	(1,000 shares)	16,250	
Sundry liabilities	18,750	2,500			
	66,250	20,000		66,250	20,000

एच लिमिटेड ने एस लिमिटेड के 80% अंशों को 30 सितम्बर 2019 को 16,250 ₹ में क्रय किया। मिश्रित चिट्ठा बनाइये।

Ans.: Goodwill ₹ 4250, Minority Interst ₹ 3,500 Consolidated B/s ₹ 72,250.

3. राम लिमिटेड एवं श्याम लिमिटेड का 31 दिसम्बर 2019 को चिट्ठा निम्नानुसार था।

Following are the Balance Sheet of Ram Ltd. & Shyam Ltd. as on 31st December 2019.

Liabilities	Ram Ltd.	Shyam Ltd.	Assets	Ram Ltd.	Shyam Ltd.
Share Capital			Building	3,00,000	2,00,000
@ ₹ 20 each	4,00,000	1,60,000	Machinery	1,00,000	—
Revenue			Shares in		
Reserve	1,60,000	–	Shyam Ltd.	1,20,000	
Profits	80,000	72,000	Stock	1,60,000	1,20,000
Bills Payable	60,000	64,000	Cash	30,000	10,000
Creditors	60,000	64,000	Banks	50,000	30,000
	7,60,000	3,60,000		7,60,000	3,60,000

राम लिमिटेड ने श्याम लिमिटेड के 6,000 अंशों का क्रय 30 जून 2019 को किया। श्याम लिमिटेड का चिट्ठा 84,000 ₹ की हानि 31 दिसम्बर 2018 को प्रदर्शित करता है। जिसे 2019 के लाभ से समायोजित करना है। ऐसा मानिए कि लाभ पूरे वर्ष समान रूप से अर्जित किया गया है। मिश्रित चिट्ठा बनाइये।

Ans.: Goodwill ₹ 4,500, Minority Interest ₹ 58,000, Consolidated Balance Sheet ₹ 10,84,500.

टिप्पणी

4. रवि लिमिटेड एवं ध्रुव लिमिटेड का चिट्ठा 31 मार्च 2019 को निम्न स्थिति प्रदर्शित करता है।

Liabilities	Ravi Ltd.	Dhruv Ltd.	Assets	Ravi Ltd.	Dhruv Ltd.
Share Capital					
Equity shares of			Sundry Assets	1,00,000	40,000
Re 1 each					
full paid	60,000	25,000	Investment in		
Reserves	25,000	5,000	25,000 shares		
Profit &			of Dhruv Ltd.	32,500	
Loss A/c	10,000	5,000			
Creditors	30,000	4,000			
Bills Payable	7,500	1,000			
	1,32,500	40,000		1,32,500	40,000

सूत्रधारी कम्पनी द्वारा सहायक कम्पनी के समस्त अंशों का क्रय 30 सितम्बर 2018 को किया गया। 31 मार्च 2019 की सहायक कम्पनी ने अपने लाभों में से 2,500 ₹ संचय खाते में हस्तांतरित किये। मिश्रित चिट्ठा बनाइये।

Ans.: Goodwill ₹ 1250, Consolidated B/S ₹ 1,41,250.

5. निम्न स्थिति विवरण नरेन्द्र लि. एवं महेन्द्र लिमिटेड का 31 दिसम्बर 2019 का है।

Liabilities	Narendra Ltd.	Mahendra Ltd.	Assets	Narendra Ltd.	Mahendra Ltd.
Share Capital					
Equity Share			Land & Building	2,00,000	10,00,000
Capital					
(₹ 10 each)	8,00,000	12,00,000	Plant & Machinery	1,60,000	6,80,000
Pref. share			Investment in		
Capital @			9,000 Equity		
			shares	12,00,000	
₹ 10 each)	4,00,000	1,60,000	100 Pref. Shares	1,60,000	
Reserves	1,60,000	40,000	Debtors	40,000	
Profit & Loss A/c	2,00,000	80,000			
Creditors	1,50,000	1,50,000			
Bills Payable	50,000	50,000			
	17,60,000	16,80,000		17,60,000	16,80,000

महेन्द्र लिमिटेड के अंशों का क्रय 1 जनवरी 2019 को नरेन्द्र लिमिटेड द्वारा करने के समय लाभ-हानि खाते का नाम शेष 40,000 ₹ था तथा संचय खाते में कोई शेष नहीं था। कम्पनी का मिश्रित चिट्ठा बनाइये।

Ans.: Goodwill ₹ 3,90,000, Minority Interest ₹ 4,20,000, Consolidated B/S ₹ 24,70,000.

टिप्पणी

6. निम्न जावेद लिमिटेड एवं अख्तर लिमिटेड के चिट्ठे से जावेद अख्तर लिमिटेड का मिश्रित चिट्ठा बनाइये। जावेद लिमिटेड ने अख्तर लिमिटेड के 4,000 अंशों का क्रय 50,000 ₹ की लागत पर 30 जून 2019 को किया।

Liabilities	Javed Ltd.	Akhtar Ltd.	Assets	Javed Ltd.	Akhtar Ltd.
Share capital (in ₹ 10 shares)	2,40,000	60,000	Plant & Machinery	70,000	25,000
Creditors	30,000	10,000	Land & Building	1,50,000	55,000
General Reserve	50,000	12,000	Investments 4,000 shares @ ₹ 125 each	50,000	
Profit & Loss A/c	24,000	18,000	Stock	27,000	75,000
			Debtors	45,000	12,500
			Bank	2,000	—
	3,44,000	1,00,000		3,44,000	1,00,000

क्रय की तिथि तक 10,000 ₹ का लाभ अवितरित था जो कि सामान्य संचय में सम्मलित है।

Ans.: Minority Interest ₹ 30,000, Total of B/S ₹ 3,97,334.

7. एक्स एवं वाई लिमिटेड का चिट्ठा 31 दिसम्बर 2019 को निम्न स्थिति प्रकट करता है।

Liabilities	X Ltd.	Y Ltd.	Assets	X Ltd.	Y Ltd.
35,000 Equity shares of ₹ 100 each full paid	35,00,000		Land & Building	7,00,000	2,80,000
			Plant & Machinery	6,00,000	3,50,000
			Stock	7,30,000	2,10,000
70,000 Equity Shares of ₹ 10 each full paid	—	7,00,000	Debtors	2,80,000	2,10,000
			Bills payable	35,000	40,000
			Bank	7,00,000	1,00,000
General Reserve	70,000	2,80,000	Cash	1,05,000	35,000
Creditors	1,00,000	2,10,000	Investments		
Bills payable	40,000	35,000	52,500 shares of Y Ltd.	5,60,000	
	37,10,000	12,25,000		37,10,000	12,25,000

एक्स लिमिटेड द्वारा वाई लिमिटेड के अंश क्रय की तिथि को वाई लिमिटेड के सामान्य संचय का शेष 70,000 ₹ था। 2019 की स्थिति में वाई लिमिटेड द्वारा किसी प्रकार का लाभांश घोषित नहीं किया गया।

एक्स लिमिटेड के सभी प्राप्त बिल, वाई लिमिटेड पर लिखे गये हैं। आपको 31 दिसम्बर, 2019 को एक्स लि. एवं वाई लिमिटेड का मिश्रित चिट्ठा बनाना है।

Ans.: Capital Reserve ₹ 17,500, Minority Interest ₹ 2,45,000, Total of Balance Sheet ₹ 6,20,000.

टिप्पणी

8. नीचे दिये गये चिट्ठे एवं जानकारियों से 31 दिसम्बर, 2019 के लिए मिश्रित चिट्ठा बनाइये।

Liabilities	X Ltd.	Y Ltd.	Assets	X Ltd.	Y Ltd.
Share Capital (in shares of ₹ 10 each)	45,00,000	9,00,000	Land & Building	30,00,000	5,00,000
Profit & Loss A/c	18,00,000	5,40,000	Plant & Machinery	6,00,000	40,000
Reserves	5,40,000	2,70,000	Stock	27,00,000	10,80,000
Bills payable		1,35,000	Debtors	6,50,000	7,00,000
Creditors	9,90,000	5,40,000	Bills payable	2,05,000	65,000
			Investments Shares in S Ltd. at Govt. (67,500 Shares)	6,75,000	
	78,30,000	23,85,000		78,30,000	23,85,000

अतिरिक्त जानकारियाँ

(1) एस लिमिटेड द्वारा स्वीकार किये गये समस्त बिल एच लिमिटेड के पक्ष में हैं।

(2) एच लिमिटेड के रहतिये में एस लिमिटेड से क्रय किये गये माल के 2,25,000 ₹ सम्मिलित हैं जो विक्रय के 20% लाभ पर है।

(3) एस लिमिटेड का समस्त लाभ एच लिमिटेड द्वारा अंश क्रय करने के बाद का है, लेकिन सामान्य संचय 2,70,000 ₹ क्रय तिथि के पूर्व के हैं।

Ans.: Capital Reserve ₹ 2,02,500, Minority Interest ₹ 4,27,500 Total Balance Sheet ₹ 93,60,000.

9. रमेश लिमिटेड ने 16,80,000 ₹ की कुल लागत पर 1 जुलाई 2009 को महेश लिमिटेड के समस्त अंश क्रय कर लिए। 31 दिसम्बर, 2019 को जब दोनों कम्पनियों के खाते बनाये गये, चिट्ठे निम्न प्रकार थे।

Liabilities	Amt. (₹)	Assets	Amt. (₹)
Share Capital		Land & Building	15,00,000
Shares of ₹ 50 each	22,50,000	Plant & Machinery	4,95,000
Creditors	2,25,000	Debtors	4,20,000
General Reserves	14,25,000	Stock	5,10,000
Profit & Loss A/c	12,00,000	Investments	16,80,000
		Cash at Bank	4,95,000
	51,00,000		51,00,000

टिप्पणी

अतिरिक्त जानकारियाँ
Additional Information

(1) महेश लिमिटेड से खरीदे गये माल से सम्बन्धित 90,000 ₹ सम्मलित है जिस पर महेश लि. ने 22,500 ₹ का लाभ अर्जित किया है।

(2) महेश लि. से खरीदे गये 90,000 ₹ के माल से बचा हुआ 45,000 ₹ की लागत का स्टॉक सम्मलित है।

(3) महेश लिमिटेड से प्राप्त 16% प्रति वर्ष की दर से अन्तरिम लाभांश सम्मिलित है।

(4) 1 जनवरी 2019 को महेश लिमिटेड के लाभ-हानि खाते का शेष 4,20,000 ₹ था।

(5) आवश्यक समायोजन कीजिए तथा 31 दिसम्बर 2019 को मिश्रित चिट्ठा बनाइये।

(6) महेश लिमिटेड का चिट्ठा 31 दिसम्बर, 2019 को निम्न स्थिति प्रकट करता है।

Balance Sheet of Mahesh Ltd.

Liabilities	Amt. (₹)	Assets	Amt. (₹)
Share Capital		Land & Building	4,50,000
Share of ₹ 5 each	7,50,000	Plant & Machinery	1,11,500
General Reserve		Stock	2,75,000
(1st Jan 2009)	30,000	Debtors	4,90,000
Profit & Loss A/c	5,40,000	Cash at Bank	1,55,000
Creditors	2,41,500	Cash in Hand	80,000
	15,61,500		15,61,500

Ans.: Goodwill ₹ 3,60,000

Total of Balance Sheet ₹ 52,40,250

10. 1st अप्रैल 2019 को रवि लिमिटेड ने शशि लिमिटेड के 80% समता अंश एवं 30% पूर्वाधिकार अंशों का क्रय क्रमशः 8,77,500 तथा 1,37,250 ₹ में किया। इस तिथि को शशि लिमिटेड के सामान्य संचय का शेष 1,35,000 ₹ तथा लाभ-हानि खाते का शेष 18,000 ₹ था। 31 मार्च 2019 को दोनों कम्पनियों का स्थिति विवरण निम्नानुसार है।

टिप्पणी

Liabilities	Ravi Ltd.	Shashi Ltd.	Assets	Ravi Ltd.	Shashi Ltd.
Equity share	45,00,000	9,00,000	Land & Building	22,00,000	9,00,000
capital			Plant &		
10% Pref. share			Machinery	17,50,000	3,50,000
Capital	12,15,000	4,50,000	Stock	11,45,000	92,500
General Reserve	1,35,000	1,80,000	Debtors	1,25,250	99,500
Profit &					
Loss A/c	4,50,000	1,75,500	Cash in hand	4,00,000	2,00,000
Creditors	8,10,000	4,36,500	Cash at Bank	4,75,000	5,00,000
			80% Equity share		
			in Shashi Co.	8,77,500	
			30% Pref. shares		
			in Shashi Co.	1,37,250	
	71,10,000	21,42,000		71,10,000	21,42,000

आपको 31 मार्च 2019 को मिश्रित चिट्ठा बनाना है।

Ans.: Goodwill ₹ 37,350, Minority Interest ₹ 5,88,600 Total of Balance Sheet ₹ 82,74,600.

11. सोनी कम्पनी लिमिटेड ने 32,000 समता अंश 1 जनवरी 2019 को मोनी कम्पनी लिमिटेड के क्रय किये। 31 दिसम्बर 2019 को दोनों कम्पनियों का चिट्ठा निम्न स्थिति प्रकट करता है।

Liabilities	Sony Ltd.	Mony Ltd.	Assets	Sony Ltd.	Mony Ltd.
Equity share			Land & Building	25,00,000	30,00,000
Capital @			Plant &		
₹ 100 each	80,00,000	40,00,000	Machinery	15,00,000	6,00,000
General			Debtors	4,00,000	4,80,000
Reserve			Shares in Many		
as on			Ltd. at a cost		
1st Jan 2019	16,00,000	8,00,000	of ₹ 125 each	40,00,000	—
Profit &			Bills Receivable	3,20,000	40,000
Loss A/c			Cash in hand	5,00,000	80,000
as on			Cash at Bank	15,00,000	12,00,000
1st Jan 2019	4,00,000	2,40,000	Stock	6,00,000	4,00,000
Profit &					
Loss A/c					
for 2019	8,00,000	3,20,000			
Creditors	3,00,000	3,00,000			
Bills Payable	2,20,000	1,40,000			
	1,13,20,000	58,00,000		1,13,20,000	58,00,000

अन्य जानकारियाँ
Other Information

टिप्पणी

(1) सोनी कम्पनी के 40,000 ₹ के प्राप्त बिलों को जी कम्पनी ने स्वीकार किया है।

(2) सोनी कम्पनी के देनदारों में 2,00,000 ₹ के देनदार जी लिमिटेड को देय हैं।

(3) सोनी लिमिटेड से क्रय किये गये माल का रहतिया 2,40,000 ₹ जी लिमिटेड में शामिल है जिसे सोनी लिमिटेड ने लागत पर 25% जोड़कर भेजा था।

(4) मिश्रित चिट्ठा बनाइये।

Ans.: Capital Reserve ₹ 32,000, Minority Interest ₹ 10,72,000, Total of Balance Sheet ₹ 1,28,41,600.

12. निम्न जानकारियों के आधार पर मिश्रित चिट्ठा बनाइये।

1. सूत्रधारी कम्पनी ने सहायक कम्पनी के 2/3 भाग के अंशों का क्रय 1 अप्रैल 2009 को किया।
2. वर्ष के प्रारम्भ में सामान्य संचय खाते का शेष 28,000 ₹ था।
3. वर्ष के प्रारम्भ में सहायक कम्पनी के लाभ-हानि खाते का शेष 4,000 ₹ था।
4. सहायक कम्पनी की विविध सम्पत्तियों को 4,000 ₹ से अपलिखित किया जाना है।
5. सूत्रधारी कम्पनी ने सहायक कम्पनी पर 40,000 ₹ के बिल लिखे, 24,000 ₹ के बिलों को बैंक से भुना लिया गया।
6. सहायक कम्पनी के लेनदारों में 20,000 ₹ का माल सूत्रधारी कम्पनी से क्रय किया हुआ शामिल है, जिसे सूत्रधारी कम्पनी ने 20% लाभ पर बेचा था।
7. सहायक कम्पनी के रहतिये में 4,000 ₹ का माल सूत्रधारी कम्पनी से क्रय किया हुआ शामिल है।
8. दोनों कम्पनियों के चिट्ठे निम्नानुसार हैं।

टिप्पणी

Liabilities	Holding Ltd.	Subsidiary Ltd.	Assets	Holding Ltd.	Subsidiary Ltd.
Equity share					
Capital @ ₹ 10			Sundry Assets	2,24,000	2,44,000
each	2,00,000	1,20,000	Debtors	40,000	12,000
			Investment		8,000
Reserves	80,000	40,000	8,000 shares		
Profit & Loss A/c	40,000	64,000	@ ₹ 95 each	76,000	
Creditors	45,000	25,000	Bills Receivable	50,000	6,000
Bank Loan	35,000	15,000	Cash	10,000	6,000
Bills payable	60,000	1,00,000	Stock	60,000	88,000
	4,60,000	3,64,000		4,60,000	3,64,000

Ans.: Capital Reserve ₹ 30,667, Minority Interest ₹ 73,333. Total of B/s ₹ 6,99,467.

13. सूत्रधारी कम्पनी एवं सहायक कम्पनी के निम्न लाभ-हानि खाते से 31 दिसम्बर 2019 को मिश्रित लाभ-हानि खाता बनाइये।

Liabilities	Holding Ltd.	Subsidiary Ltd.	Assets	Holding Ltd.	Subsidiary Ltd.
To Interim			By Net profit	4,00,000	
Dividend	60,000	30,000	By Interim		
To Proposed	90,000	45,000	Dividend		1,50,000
Dividend		75,000	from subsidiary		
To Balance C/d	2,92,500		Ltd.	42,500	
	4,42,500	1,50,000		4,42,500	1,50,000

सूत्रधारी कम्पनी ने सहायक कम्पनी द्वारा कुल निर्गमित पूँजी 12,000 अंशों में से 9,000 अंशों का क्रय 1 अप्रैल 2019 को किया। अंश क्रय तिथि पर सहायक कम्पनी के लाभ-हानि खाते का शेष 54,000 ₹ था।

Ans.: Profit ₹ 3,40,650.

14. 31 मार्च, 2019 को सूत्रधारी कम्पनी व सहायक कम्पनी का लाभ-हानि खाता इस प्रकार है–

Liabilities	Holding Ltd.	Subsidiary Ltd.	Assets	Holding Ltd.	Subsidiary Ltd.
To Opening stock	1,50,000	75,000	By Sales	12,00,000	10,50,000
To Purchases	6,00,000	4,50,000	By Closing Stock	3,00,000	22,500
To Wages	1,05,000	75,000			
To Gross Profit	6,45,000	4,72,500			
	15,00,000	10,72,500		15,00,000	10,72,500
To Sundry Exp.	1,38,000	90,000	By Gross Profit	6,45,000	4,72,500
To Depreciation	1,45,500	97,500	By Dep. Interest	4,500	
To Deb. Interest	—	9,000	By Preference		

To Net Profit	3,86,475	2,76,000	Shares Dividend	1,800	
			By Equity shares dividend	7,875	
			By Accrued dividend		
			Pref. shares	1,800	
			Equity shares	9,000	
	6,69,975	4,72,500		6,69,975	4,72,500
To Preference Divi.	—	4,500	By Net Profit	3,86,475,	2,76,000
To Interim dividend on Equity shares	—	10,500			
To Proposed dividend					
On Pref. shares		4,500			
On Equity shares	1,50,000	12,000			
To Balance C/d	2,36,475	2,44,500			
	3,86,475	2,76,000		3,86,475	2,76,000

The following further information is given–

(1) The Share capital of subsidiary company, comprised 3,000 Equity Shares of ₹ 50 each & 1,500, 15% preference shares of ₹ 50 each. It has also issued 15% debentures of ₹ 60,000.

(2) The shares in subsidiary were acquired by Holding Company on 1st July, 2009 and consisted of 75% of Equity Capital & 40% of preference share capital. Half of the debentures of subsidiary Co. were acquired by Holding Company, on 1st April 2009.

(3) After the acquisition of control, Holding Company, bought goods from subsidiary company at selling price which is cost + 25% valued at ₹ 40,000. One fourth of this purchase was still with Holding Company.

(4) Included in the fixed assets of subsidiary company is machinery which stood in books on 1st April, 2009 at ₹ 1,50,000. On which depreciation has been written off, @ 10% p.a. It was revalued at ₹ 1,80,000 on the date of acquistion of control. But the appreciation in the value of machinery remains unrecorded as yet.

Prepare a consolidated Profit & Loss a/c & Balance Sheet.

Ans.: Capital Reserve ₹ 50,062.5, Minority Interest ₹ 60,492

Total of Balance Sheet ₹ 3,65,638.5.

टिप्पणी

15. अमित लि. की पूँजी निम्न प्रकार थी– (a) प्रत्येक 100 ₹ में 4,500 X समता अंश 75 ₹ प्रति अंश दत्त (b) प्रत्येक 100 ₹ के 2,000 Y समता अंश 80 ₹ प्रति अंश दत्त तथा (c) प्रत्येक 100 ₹ के 1,500 पूर्वदत्त पूर्वाधिकार अंश (अन्तर्नियमों के अन्तर्गत, पूँजी के सम्बन्ध में ये अंश पूर्वाधिकार रखते थे)।

    विविध लेनदार (परिसमापक के 10,000 ₹ के पारिश्रमिक को शामिल करते हुए) 1,60,000 ₹ के थे। परिसमापक ने Y समता अंशों पर शेष 20 ₹ प्रति अंश की माँग की, जिसे पूर्ण रूप से चुका दिया गया। X समता अंशों पर भी 25 ₹ प्रति अंश की माँग की गई, और 500 अंशों के अपवाद के साथ इसे भी पूर्ण रुपेण चुका दिया गया। सम्पत्तियों से 6,00,000 ₹ वसूल हुए। परिसमापक का लेखा विवरण तैयार कीजिए।

16. दीपक लि. (जिसका ऐच्छिक परिसमापन हो रहा है) ने अपने लेनदारों को पूर्णरूपेण चुका दिया है, और परिसमापक अंशधारियों को पूँजी वापस करने की स्थिति में है। स्थिति निम्न प्रकार है–

    निर्गमित अंश पूँजीः प्रत्येक 10 ₹ के 20,000 पूर्वाधिकार अंश (पूर्णदत्त) प्रत्येक 10 ₹ के 30,000 समता अंश (पूर्णदत्त) तथा प्रत्येक 10 ₹ के 25,000 समता अंश (8 ₹ दत्त) कम्पनी के अन्तर्नियमों में यह व्यवस्था है कि पूँजी के पुनः भुगतान के सम्बन्ध में पूर्वाधिकार अंशों को समता अंशों पर प्राथमिकता प्राप्त होगी। परिसमापन की लागत 5,000 ₹ है। लेनदार 60,000 ₹ के हैं। सम्पत्तियों से 7,00,000 ₹ वसूल हुए। अंशतः दत्त समता अंशों पर (2 ₹ प्रति अंश की माँग 1,000) अंशों का स्वामित्व रखने वाले एक अंशधारी की स्थिति के अलावा यथाविधि चुकायी गयी। परिसमापक का अन्तिम लेखा विवरण तैयार कीजिए।

17. 1 जनवरी 2009 को, जबकि निम्नलिखित स्थिति विवरण तैयार किया गया था, कम्पनी लिमिटेड का समापन हुआ–

Liabilties	Amt. (₹)	Assets	Amt. (₹)
अंश पूँजी–		हाथ में रोकड़	40,000
प्रत्येक 1 ₹ के			
5,00,000 अंश	5,00,000	स्टॉक	1,50,000
लेनदार	50,000	देनदार	2,10,000
		लाभ-हानि खाता	1,50,000
	5,50,000		5,50,000

    लेनदारों से 10,000 ₹ के पूर्वाधिकार लेनदार शामिल हैं। परिसमापक के पारिश्रमिक की गणना वसूल हुई राशि पर 10% और आरक्षित लेनदारों में बाँटी गई राशि पर 3% की दर से की जानी है। परिसमापन के व्यय 9,000 ₹ हुए। परिसमापक का अन्तिम लेखा–विवरण तैयार कीजिए।

18. साकेत कम्पनी ने (जो ऐच्छिक समापन में है) अपने सभी लेनदारों को पूर्ण भुगतान कर दिया है और निस्तारक अंशधारियों को राशियाँ लौटाने की स्थिति में है। स्थिति निम्न प्रकार है– निर्गमित अंश पूँजी : 500 पूर्वाधिकारी अंश 100 ₹ वाले (पूर्णदत्त) 300 समता अंश 100 ₹ वाले (पूर्णदत्त) 500 समता अंश 100 ₹ वाले (प्रत्येक पर 80 ₹ चुकता किया गया है) पार्षद अन्तर्नियमों के अनुसार पूर्वाधिकार अंशों का समता अंशों की तुलना में पूँजी भुगतान के लिए पूर्वाधिकार प्राप्त हैं समापन के व्यय 5,000 ₹ है। लेनदार 40,000 ₹ के है। सम्पत्तियों पर 15,500 ₹ वसूल हुए। आंशिक रूप से भुगतान किये हुए अंशों पर प्रति अंश 20 ₹ की याचना की गयी। सभी अंशों पर पूर्ण राशि प्राप्त हो गयी परन्तु एक अंशधारी ने जिसके पास 50 अंश थे इसका भुगतान नहीं किया है। निस्तारक का अन्तिम विवरण खाता बनाइये।

19. एक सीमित दायित्व वाली कम्पनी का ऐच्छिक समापन 31 मार्च 2009 को हुआ। इसकी चुकता पूँजी 8,00,000 ₹ थी। समापन की तिथि पर उसकी सम्पत्तियों एवं दायित्वों के निम्नांकित विवरण थे : मशीनरी, रहतिया और देनदार 8,00,000 ₹, रोकड़ 65,000 ₹, लेनदार 3,00,000 ₹, 6% ऋण पत्र 5,00,000 ₹ जिन्हें सम्पत्तियों पर चल प्रभार है इन पर 6 माह का ब्याज अदत्त है।

    ऋण-पत्रों का भुगतान ब्याज सहित 31 दिसंबर 2019 तक कर दिया गया। इस तिथि पर लेनदारों को भी प्रथम एवं अन्तिम लाभांश का भुगतान कर दिया गया। 50,000 ₹ के पूर्वाधिकार लेनदार है, और शेष आरक्षित हैं। समापन के व्यय 15,000 ₹ है। निस्तारक को वसूल किये हुए रुपयों पर 5% कमीशन मिलता है। और 2% कमीशन उस राशि पर मिलता है जो कि पूर्वाधिकार लेनदारों को भुगतान किया जाता है। निस्तारक का अन्तिम विवरण खाता बनाइए।

20. अप्सरा लिमिटेड का जिसके स्थिति विवरण में अदत्त अंश पूँजी 5,00,000 ₹ और 1,95,000 ₹ की हानि दिखायी गयी है, 31 मार्च 2019 को ऐच्छिक समापन हुआ। उक्त तारीख को उसकी सम्पत्तियों एवं दायित्वों का विवरण निम्न प्रकार है–

    मशीनरी, स्टॉक एवं देनदार 3,00,000 ₹, रोकड़ 47,500 ₹, लेनदार 2,20,000 ₹ 6% ऋण-पत्र 1,50,000 ₹ और ब्याज की अदत्त राशि 6 माह की 4,500 ₹।

    उक्त ऋण-पत्रों का ब्याज सहित भुगतान 30 सितंबर 2009 तक कर दिया गया; इस तारीख को लेनदारों को प्रथम व अन्तिम लाभांश भी दिया। 20,000 ₹, के लेनदार पूर्वाधिकार हैं, और शेष आरक्षित हैं। समापन की लागत 4000 ₹ है। निस्तारक को सम्पत्तियों की बिक्री से प्राप्त राशि पर 2% का और आरक्षित लेनदारों को वितरित की हुई राशि पर 5% अपने पारिश्रमिक के रूप में प्राप्त करने का अधिकार है। निस्तारक का अन्तिम विवरण खाता तैयार कीजिए।

टिप्पणी

21. एक कम्पनी का ऐच्छिक समापन हुआ। इसकी सम्पत्तियों से 4,50,000 ₹ प्राप्त हुए। इसमें वह राशि शामिल नहीं है जो कि उन प्रतिभूतियों के बेचने से प्राप्त हुई जो पूर्ण रक्षित लेनदारों के अधिकारों में थी। अन्य जानकारियाँ इस प्रकार हैं–

अंश पूँजी 100 ₹ वाले 2000 अंश	2,00,000
पूर्ण रक्षित लेनदार (प्रतिभूतियों पर 2,50,000 ₹ प्राप्त हुए)	20,000
पूर्वाधिकार लेनदार	45,000
आरक्षित लेनदार	2,60,000
ऋणपत्र जिनका कम्पनी की सम्पत्तियों पर फलोटिंग अधिकार हो	3,00,000
समापन व्यय	12,000
निस्तारक का पारिश्रमिक	18,000

निस्तारक का अन्तिम विवरण खाता बनाइये।

22. टॉप कम्पनी ऐच्छिक समापन में है। इसकी पूँजी निम्न प्रकार है – 8,000 पूर्वाधिकार अंश, 100 ₹ (पूर्वदत्त), 10,000 समता अंश 10 ₹ वाले पूर्वदत्त 15,000 समता अंश 10 ₹ वाले (प्रति अंश पर 8 ₹ चुकता किये गए)। पूँजी के भुगतान के लिए पूर्वाधिकार अंशों को समता अंशों पर प्राथमिकता है। आरक्षित लेनदार 40,000 ₹ तथा समापन की लागत जिसमें निस्तारक का पारिश्रमिक भी शामिल है। 7,000 ₹ उन सम्पत्तियों पर जो कहीं भी गिरवी नहीं है 59,000 ₹ प्राप्त हुए और रक्षित लेनदारों से 20,000 ₹ आधिक्य के प्राप्त हुए। आंशिक चुकाये गए समता अंशों पर याचना की गई इन पर पूरी राशि प्राप्त हो गई है। परन्तु 1,000 अंशों पर यह याचना की राशि प्राप्त नहीं हुई। निस्तारक का अन्तिम विवरण खाता बनाइये।

23. गिरधर कम्पनी लिमिटेड का 31 दिसम्बर 2018 को निम्नांकित चिट्ठा था–

Liabilities	Amt. (₹)	Assets	Amt. (₹)
पूँजी :			
5,000, 6% संचयी			
पूर्वाधिकार अंश 100 ₹		भूमि	2,50,000
वाले (पूर्वदत्त)	50,000	भवन	3,00,000
2,500, समता अंश		प्लाण्ट एवं मशीनरी	2,00,000
100 ₹ वाले (पूर्वदत्त)	2,50,000	रहतिया	1,00,000
3,000 समता अंश			
100 ₹ वाले		देनदार	1,50,000
प्रत्येक पर 50 ₹ चुकता	1,50,000	हस्तस्थ रोकड़	50,000

बैंक ऋण (जिसके पास रहतिया और देनदारों की प्रतिभूति है)	1,00,000	लाभ–हानि खाता	2,00,000
दायित्व	2,50,000		
अवशिष्ट पूर्वाधिकार लाभांश 60,000 ₹			
	12,50,000		12,50,000

टिप्पणी

कम्पनी के पार्षद अन्तर्नियमों के अनुसार पूर्वाधिकार अंशों पर लाभांश चाहे घोषित हुआ हो या न हुआ हो इन्हें पूँजी और लाभांश के लिए प्राथमिकता है। कम्पनी का ऐच्छिक समापन हुआ और इनकी स्थायी सम्पत्तियों, रहतिया और देनदार से 8,00,000 ₹ नकद प्राप्त हुए। समापन के व्यय 3,000 ₹ थे। निस्तारक ने आंशिक चुकता किये हुए 3,000 समता अंशों पर 50 ₹ प्रति अंश की दर से याचना की और यह राशि पूर्ण रूप से प्राप्त हो गयी। निस्तारक का अंतिम विवरण खाता बनाइये।

24. 31 जनवरी 2020 को अनिवार्य समापन आदेश के अन्तर्गत सोनू लिमिटेड की पुस्तकों से निम्न सूचनाए प्राप्त हुई है।

	पुस्तकीय मूल्य	**वसूल हो सकने वाली अनुमानित राशि**
हाथ में रोकड़	40,000	40,000
देनदार	1,20,000	1,00,000
भूमि एवं भवन	5,00,000	4,50,000
फर्नीचर एवं फिक्चर्स	80,000	30,000

अरक्षित लेनदार 10,000 ₹, भूमि एवं भवन द्वारा सुरक्षित ऋण-पत्र 4,00,000 ₹, ऋण पत्र 50,000 ₹, पूर्वाधिकार लेनदार 22,000 ₹, अंश–पूँजी (प्रत्येक 100 ₹ के 4,000 अंश) 4,00,000 ₹, 18,000 ₹ के भुनाये बिल पर अनुमानित दायित्व (अनुमानित राशि 18,000 ₹) अन्य सम्भाव्य दायित्व 20,000 ₹ अनुमानित राशि 20,000 ₹) अन्य सम्भाव्य दायित्व 20,000 ₹ अनुमानित राशि 20,000 ₹) कम्पनी की स्थापना 1 जनवरी 2020 को हुई थी, और इसे 1,42,000 ₹ की हानियाँ हुई हैं। अवस्था-विवरण और कमी खाता तैयार कीजिए।

टिप्पणी

3.8 सहायक पाठ्य सामग्री (Suggested Readings)

1. अग्रवाल महेश, निगमीय लेखे, रामप्रसाद एण्ड सन्स, भोपाल।
2. शर्मा शाह, मंगल अग्रवाल जैन, आर.बी.डी. पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली (जयपुर)।
3. Sharda Gangwar, Himalaya Publishing House Pvt. Ltd., Mumbai.
4. Mangal Ramesh, Company Accounts, Universal Publication, Agra.
5. Gupta R.L., Radhaswamy M., Company Account, Sultan Chand and Sons, New Delhi.
6. Maheshwari S.N., Corporate Accounting, Vikas Publishing House, New Delhi.
7. Modi, Oswal and S.K. Khatik, Corporate Accounting in Hindi and English (both), Colloge Book House, Jaipur.
8. Mehta, Brahmbhati, Corporate Accounting, Devi Ahilya Prakashan, Indore.
9. Jain and Narang, Kalyani Publishers, New Delhi.
10. Shukla S.M., Sahitya Bhavan Publication, Agara.

इकाई 4 लेखा मानक 14 के अनुसार सम्मिश्रण के लिए लेखांकन एवं आन्तरिक पुनर्निर्माण (Accounting for Amalgamation and Internal Reconstruction of a Company as per Accounting Standard 14)

संरचना (Structure)

4.0 परिचय

4.1 उद्देश्य

4.2 लेखा मानक 14 के अनुसार सम्मिश्रण के लिए लेखांकन

- 4.2.1 कम्पनियों का मिश्रण
- 4.2.2 लेखांकन प्रक्रिया
- 4.2.3 अंशों के भाग के सम्बन्ध में लेखा
- 4.2.4 कम्पनियों के आपसी सौदे
- 4.2.5 कम्पनियों के पास आपसी अंशों का होना
- 4.2.6 दो कम्पनियों का संविलयन क्यों होता है?

4.3 आन्तरिक पुनर्निर्माण

- 4.3.1 अंश पूँजी में परिवर्तन
- 4.3.2 अंश पूँजी में कमी
- 4.3.3 पूँजी की कमी का कम्पनी की पुस्तकों में लेखांकन
- 4.3.4 पूँजी पुनर्निर्माण की राशि का प्रयोग
- 4.3.5 ब्याज एवं लाभांश की दर में समायोजन
- 4.3.6 कटौती की राशि की गणना
- 4.3.7 अंशों का किसी अन्य प्रतिभूति में परिवर्तन

4.4 अपनी प्रगति जाँचिए प्रश्नों के उत्तर

4.5 सारांश

4.6 मुख्य शब्दावली

4.7 स्व-मूल्यांकन प्रश्न एवं अभ्यास

4.8 सहायक पाठ्य सामग्री

4.0 परिचय (Structure)

संविलिय से तात्पर्य एक कम्पनी द्वारा किसी अन्य कम्पनी को क्रय कर अपनी कम्पनी के साथ मिलाने से है। जब एक चालू व्यवसाय किसी अन्य व्यवसाय को क्रय करता है, तो इसे संविलियन कहा जाता है। समान व्यवसाय करने वाली कम्पनियाँ, एक दूसरे की पूरक कम्पनियाँ एवं परस्पर निर्भरता के कारण कम्पनी संविलियन को महत्व देती है। संविलियन एवं एकीकरण को एक ही अर्थ में लिया जा सकता है, अतः एक दूसरी कम्पनी में विलय हो जाने को ही एकीकरण कहा जाता है। लेखाविधि के दृष्टिकोण से इसे हम दो भागों में विभक्त कर सकते हैं–

1. हित एकत्रीकरण विधि (Pooling of Interest Method)
2. क्रय विधि (Purchase Method)

1. हित एकत्रीकरण विधि– इस विधि का प्रयोग संविलियन के रूप में एकीकरण की दशा में किया जाता है। इस विधि के अन्तर्गत विलय होने वाली कम्पनी की सम्पत्तियों एवं दायित्वों को विलय करने वाली कम्पनी की पुस्तकों में पुस्तकीय मूल्य पर दशाई जाएगी। लाभ-हानि खाते के शेष को एकीकृत किया जाता है या सामान्य संचय खाते में हस्तांतरित कर दिया जाता है। इसी तरह क्रय मूल्य एवं विलय होने वाली कम्पनी की अंश पूँजी के अन्तर की राशि को भी सामान्य संचय खाते में समायोजित किया जाएगा। सामान्य संचय को संविलियन के उपरान्त बनाये गये चिट्ठे में दायित्व पक्ष में दिखाया जाएगा। संविलियन के दृष्टिकोण से इस विधि का प्रयोग करना उचित है।

2. क्रय विधि– जब दो कम्पनियाँ एक साथ मिलकर कार्य करती हैं तब इस विधि ा का प्रयोग किया जाता है। क्रय विधि के अन्तर्गत क्रेता कम्पनी की पुस्तकों में विक्रेता कम्पनी की सम्पत्तियों एवं दायित्वों को क्रय किये गए मूल्य पर दिखाया जाता है। क्रय मूल्य का क्रय की गयी सम्पत्तियाँ के मूल्य से अधिक होने की स्थिति में अन्तर की राशि को ख्याति के रूप में दर्शाया जाता है। इस विधि के अन्तर्गत संचय खाते की राशि, जो कि विक्रेता कम्पनी के चिट्ठे में दर्शायी गयी होती है, नये चिट्ठे में नहीं ले जायी जाती है। परन्तु वैधानिक संचय, जिनका अस्तित्व बाह्य दायित्वों की भांति होता है, नये चिट्ठे में पुनः दिखाए जाते हैं।

लेखांकन प्रमाप–14 के अनुसार कम्पनी के सम्मिश्रण के समय के लेखे हित एकत्रीकरण विधि के अनुसार रखे जाते हैं। तथा कम्पनी के संविलयन को कम्पनी का मिश्रण भी कहा जाता है। अतः आगे समस्त लेखे एवं व्यवहार कम्पनियों के मिश्रण के नाम से ही किए जाएंगे।

जब कभी कम्पनी की सम्पत्तियाँ उसके वास्तविक मूल्य से ज्यादा मूल्य में कम्पनी के चिट्ठे में दिखाई देती हैं तो ऐसी स्थिति को नियन्त्रण में लाने के लिए कम्पनी का आन्तरिक पुनर्निर्माण करना आवश्यक हो जाता है, अतः सम्पत्तियों को उसके वास्तविक मूल्य पर दिखाना आवश्यक है। कम्पनी का पुनर्निर्माण मुख्यतः दो प्रकार का होता है– (1) आन्तरिक पुनर्निर्माण (2) cाह्य पुनर्निर्माण। इस इकाई के अन्तर्गत हम आन्तरिक पुनर्निर्माण की चर्चा करेंगे।

आन्तरिक पुनर्निर्माण के अन्तर्गत अंश पूँजी में कमी की जा सकती है, अर्थात् एक तरफ तो सम्पत्तियों के मूल्य को कम किया जाना है, तो दूसरी तरफ अंश पूँजी को भी कम किया जाता है।

कम्पनी अधिनियम 1956 के अनुसार पूँजी में कमी करने के लिए निम्नलिखित प्रावधानों का पालन करना आवश्यक है–

(a) कम्पनी के अर्न्तनियम पूँजी में कमी करने की अनुमति देते हों।

(b) पूँजी में कमी करने के लिए कम्पनी द्वारा विशेष प्रस्ताव पारित किया जाए।

(c) कम्पनी द्वारा पारित विशेष प्रस्ताव का न्यायालय द्वारा पुष्टीकरण किया जाना चाहिए।

यह आवश्यक नहीं है कि कम्पनी का आन्तरिक पुनर्निर्माण अंश पूँजी को कम करके ही किया जाता है, अंश पूँजी में वृद्धि करके भी कम्पनी का आन्तरिक पुनर्निर्माण किया

जाता है, अतः हम कह सकते हैं कि अंश पूँजी में परिवर्तन द्वारा कम्पनी का आन्तरिक पुनर्निर्माण होता है।

4.1 उद्देश्य (Objectives)

इस इकाई को पढ़ने के बाद आप–

- लेखा मानक 14 के अनुसार सम्मिश्रण के लिये लेखांकन से अवगत हो पाएंगे।
- आन्तरिक पुनर्निर्माण एवं पूँजी की कमी का कम्पनी की पुस्तकों में लेखांकन कर पाएंगे।
- अंशों का किसी अन्य प्रतिभूतियों में परिवर्तन सीख पाएंगे।

4.2 लेखा मानक 14 के अनुसार सम्मिश्रण के लिए लेखांकन (Accounting for Amalgamation as per Accounting Standard 14)

4.2.1 कम्पनियों का मिश्रण (Merger of Company)

जैसा कि ऊपर बताया जा चुका है कि एकीकरण एवं विलयन का समाहित रूप ही मिश्रण कहलाता है, कम्पनियों के मिश्रण के अन्तर्गत हस्तांतरित (Transferor) होने वाली कम्पनी की समस्त सम्पत्तियों व दायित्व, मिश्रण के पश्चात् हस्तांतरिती (Transferee) कम्पनी की सम्पत्ति तथा दायित्व हो जाते हैं। हस्तांतरित होने वाली कम्पनी के अंशों का आबंटन किया जाना चाहिए। लेकिन अंशों के टुकड़ों (Fractions) के लिए नगद राशि का भुगतान किया जाता है। समस्त व्यापार का संचालन हस्तांतरिती कम्पनी द्वारा किया जाता है।

कम्पनी के मिश्रण के सम्बन्ध में लेखे करने की जो विधि अपनायी जाती है उसे 'हित एकत्रीकरण विधि' (Pooling of Interest Method) कहते हैं।

जब दो या दो से अधिक कम्पनियों का एकीकरण होता है या संविलयन होता है या फिर मिश्रण की स्थिति होती है, तो भी कुछ हमें किसी भी दशा में लेखा करने के लिए दो पक्षों की आवश्यकता होती है, अतः उपरोक्त दशाओं में भी दो पक्ष होते हैं– (1) क्रेता (2) विक्रेता जब क्रेता एवं विक्रेता किसी भी लेनदेन में शामिल होते हैं तो इसका आशय होता है, दोनों के बीच में एक प्रतिफल का तय होना, इस प्रतिफल को ही क्रय प्रतिफल कहा जाता है, क्रय मूल्य (Purchase Consideration) का भुगतान निम्न प्रकार से किया जा सकता है–

(i) **एकमुश्त राशि (Lumpsum Amount)**– इस पद्धति के अन्तर्गत क्रेता एवं विक्रेता के मध्य यह समझौता होता है कि विक्रय होने वाली कम्पनी या हस्तांतरित कम्पनी का क्या मूल्य हस्तांतरिती कम्पनी द्वारा भुगतान किया जाएगा। परस्पर बैठक में यह क्रय मूल्य तय कर लिया जाता है, और इसी आधार पर क्रय मूल्य का एकमुश्त भुगतान हस्तांतिरती कम्पनी द्वारा विक्रेता कम्पनी को कर दिया जाता है। इस दशा में क्रय मूल्य की अलग से गणना करने की आवश्यकता नहीं होती है। इस क्रय मूल्य का भुगतान नकद या अंशों में किया जा सकता है।

(ii) भुगतान विधि (Payment Method)– इस विधि के अन्तर्गत विक्रेता कम्पनी के विभिन्न धारक एवं लेनदारों को भुगतान किया जाता है जैसे समता अंशधारी, पूर्वाधिकार अंशधारी, ऋण-पत्र धारी एवं लेनदार आदि। परन्तु लेखांकन प्रमाप–14 (Accounting Standard-14) के अनुसार केवल अंशधारियों को भुगतान की जाने वाली राशि को ही क्रय मूल्य के अन्तर्गत शामिल किया जाता है, इसका आशय यह भी है कि जो राशि दायित्वों के लिए भुगतान की जाती है, उस राशि को क्रय मूल्य में सम्मिलित नहीं किया जाता है। तथा इस तरह के दायित्वों का भुगतान क्रेता कम्पनी मिश्रण के पश्चात अपनी पुस्तकों से करेगी।

उदाहरण– 1

निम्नलिखित चिट्ठा भोपाल कं. लिमिटेड का है।

Following is the Balance Sheet of Bhopal Company Limited.

Liabilities	**Amt. (₹)**	**Assets**	**Amt. (₹)**
Share Capital :		Land & Building	1,00,000
20,000 share			
of ₹ 10 each	2,00,000	Plant & Machinery	1,50,000
Debentures	1,00,000	Work in progress	30,000
Sundry Creditor	30,000	Stock	60,000
		Furniture & Fitting	2,500
		Sundry Debtors	25,000
P/L Appropriation	50,000	Cash at Bank	12,000
		Cash in hand	500
	3,80,000		3,80,000

उपरोक्त कम्पनी इन्दौर कं. लिमिटेड में विलय हो गयी। क्रय प्रतिफल का भुगतान विविध लेनदारों एवं 5% प्रब्याजि ऋण-पत्रों को लेते हुए समता अंश प्रत्येक के लिए 7 ₹ नकद एवं इन्दौर कं. लिमिटेड के 5 ₹ वाले प्रत्येक एक अंश के लिए 8 ₹ प्रति अंश के हिसाब से किया गया। क्रय प्रतिफल की गणना कीजिए।

हल क्रमांक 1

क्रय प्रतिफल की गणना (Calculation of Purchase Consideration).

Form of Payment	**For shareholders**	**Amt. (₹)**
Cash	20,000 × 7 (Equity Shares)	1,40,000
Shares	20,000 × 8 (Equity Shares)	1,60,000
	Purchase Price	3,00,000

उपरोक्त क्रय प्रतिफल क्रेता कम्पनी द्वारा विक्रेता कम्पनी को भुगतान किया जाएगा, जिसके बदले में क्रेता कम्पनी विक्रेता कम्पनी को समस्त सम्पत्तियों एवं विविध लेनदारों को ले लेगी तथा ऋण-पत्र धारियों को भुगतान कर देगी। विक्रेता कम्पनी का शुद्ध सम्पत्ति मूल्य इस प्रकार है–

टिप्पणी

कुल सम्पत्ति मूल्य		3,80,000
घटाया ऋण-पत्र	1,00,000	
प्रब्याजि (5%) 5,000	5,000	
लेनदार	30,000	1,35,000
		2,45,000

क्रेता कम्पनी द्वारा 2,45,000 ₹ के स्थान पर 3,00,000 ₹ का भुगतान विक्रेता कम्पनी को किया गया है।

क्रेता कम्पनी द्वारा 1,05,000 ₹ का भुगतान सीधे ऋण-पत्रधारियों को किया जाएगा।

लेखांकन प्रमाप–14 के अनुसार जो राशि अंशधारियों को दी जाती है, क्रय पतिफल कहलाती है। (As per As 14, amount payable to shareholder only is treated as purchase consideration)

(iii) शुद्ध सम्पत्ति विधि (Net Assets Method)– इस पद्धति के अनुसार क्रय मूल्य की गणना विक्रेता कम्पनी की ली हुई सम्पत्तियों में से लिये गये दायित्वों को घटाकर की जाती है। यदि क्रेता कम्पनी द्वारा समस्त सम्पत्तियों को तो ले लिया गया है, लेकिन उनके दायित्वों को नहीं लिया गया है तो कुल ली गयी सम्पत्तियों का मूल्य ही क्रय मूल्य कहलायेगा।

उदाहरण– 2

निम्न चिट्ठा अनुमलिक लिमिटेड का है। Following is the Balance Sheet of Anumalik.

Liabilities	Amt. (₹)	Assets	Amt. (₹)
Share Capital :		Goodwill	4,000
2,000 share of			
₹ 10 each	20,000	Fixed Assets	16,500
P/L A/c	7,000	Current Assets	19,500
Debentures	10,000		
Creditors	3,000		
	40,000		40,000

जाबेद अख्तर लिमिटेड उपरोक्त कम्पनी को निम्न शार्तों में विलय करने हेतु सहमत हुई–

(1) समस्त सम्पत्तियों को (ख्याति) 4,000 ₹ की एक स्थायी सम्पत्ति एवं 1,000 ₹ की रोकड़ को छोड़कर) 10% कम पुस्तक मूल्य से

(2) व्यापारिक दायित्व एवं ऋण-पत्रों को लेने के लिए।

(3) ख्याति के लिए 8,000 ₹ भुगतान करने हेतु।

(4) क्रय प्रतिफल का भुगतान इस प्रकार किया जाएगा।

(5) 1,000 अंशों का प्रत्येक 10 ₹ का निगर्मन करके जिसका बाजार मूल्य 15 ₹ प्रति अंश है।

(6) शेष राशि रोकड़ में

(7) समापन व्यय 400 ₹ के हैं।

क्रय प्रतिफल की गणना कीजिए।

हल क्रमांक 2

क्रय प्रतिफल की गणना
(Calculation of Purchase Consideration)

Goodwill (at agreed value)		8,000
Fixed assets (16,500 – 4,000)	12,500	
Less**:** 10%	1,250	11,250
Current assets (19,500 – 1,000)	18,500	
Less**:** 10%	1,850	16,650
		35,900
Less**:** Trade liabilities	3,000	
Debentures	10,000	13,000
Purchases Consideration		22,900

क्रय प्रतिफल का लेखा
(Settlement of Purchase Consideration)

Shares 1,000 × 15 (market price)	15,000
Cash (Balancing figures)	7,900
Total Purchase Price	22,900

(iv) भुगतान विधि एवं शुद्ध सम्पत्ति मूल्य का समावेश (A Combination of Payment Method & Net Assets Value)– कभी-कभी शुद्ध सम्पत्ति मूल्य से गणना करने के बाद भी कुछ राशि क्रेता कम्पनी द्वारा विक्रेता को भुगतान की जाती है, तब ऐसी दशा में शुद्ध सम्पत्ति मूल्य द्वारा गणना की गयी राशि में उसके अतिरिक्त भुगतान की राशि में जोड़ दी जाती है। लेकिन लेखांकन मानक द्वारा (As-14) अंशों के बदले में दी गयी राशि को क्रय प्रतिफल माना जाएगा।

टिप्पणी

उदाहरण– 3

निम्न चिट्ठा कानपुर लिमिटेड का है।

Liabilities	Amt. (₹)	Assets		Amt. (₹)
Share Capital	3,00,000	Sundry Assets		5,10,000
P/L A/c	20,000	Workmen		
Workmen		Compensation Fund		10,000
Compensation Fund	10,000	Debtors	1,70,000	
Bills Payable	45,000	*Less:* BDR	15,000	1,55,000
Creditors	2,00,000			
Debentures	1,00,000			
	6,75,000			6,75,000

कानपुर लिमिटेड ने अपना व्यापार मोदी लिमिटेड को बेच दिया तथा समस्त सम्पत्तियाँ पुस्तकीय मूल्य पर एवं व्यापारिक दायित्वों को ले लिया। इसके अतिरिक्त ऋण-पत्रों का भुगतान करने हेतु 10,000 ₹ 10% प्रब्याजि पर एवं 4,000 ₹ समापन के दिये। क्रय प्रतिफल का भुगतान 10 ₹ वाले 20,000 अंशों में प्रत्येक 12 ₹ व शेष राशि नगद किया गया। क्रय प्रतिफल की गणना कीजिये।

हल क्रमांक 3

क्रय प्रतिफल की गणना
(Calculation of Purchase Consideration)

Sundry Assets		5,10,000
Working Compensation Fund Investment		10,000
Debtors (Gross)		1,70,000
		6,90,000
***Less*:**		
Provision for Bad debts	15,000	
Creditors	2,00,000	
Bills Payable	45,000	
		2,60,000
Net Assets taken over		4,30,000

इसके अतिरिक्त क्रेता कम्पनी ने ऋण-पत्रों के प्रीमियम के लिए 10,000 ₹ एवं समापन व्ययों के लिये 4,000 ₹ का भुगतान किया है अतः क्रय प्रतिफल इस प्रकार से होगा–

टिप्पणी

Net Assets		4,30,000
Debentures Premium	10,000	
Liquidation Expenses	4,000	
		4,44,000

क्रय प्रतिफल का लेखा (Settlement of Purchase Consideration)

Shares 20,000 × 12	2,40,000
Cash (Balancing figures)	2,04,000
	4,44,000

उपरोक्त 4,44,000 में 10,000 ₹ ऋण-पत्रों का प्रीमियम है तथा 4,000 ₹ समापन व्यय के शामिल हैं।

लेकिन लेखांकन प्रमाप–14 के अनुसार जो राशि अंशधारियों को भुगतान की जाती है, केवल उस राशि को ही क्रय प्रतिफल में सम्मिलित किया जाता है, अतः लेखांकन प्रमाप–14 के अनुसार क्रय प्रतिफल की राशि निम्नानुसार होगी।

Total Purchase Price	4,44,000	
Less: Debentures	1,00,000	
Premium	10,000	
Liquidation Exp.	4,000	1,14,000
Actual Purchases Price (According to As 14)		4,30,000

4.2.2 लेखांकन प्रक्रिया (Accounting Procedure)

विघटित होने वाली विक्रेता कम्पनी की पुस्तकों में लेखे

(Entries in the books of vendor company which goes into liquidation)

जब भी किसी कम्पनी का विघटन होता है तो एक वसूली खाता खोला जाता है। वसूली खाते में वसूली योग्य सम्पत्तियों को हस्तांतरित किया जाता है। ऐसी सम्पत्तियाँ जिन्हें क्रेता कम्पनी ने क्रय नहीं किया हो, उसे वसूली खाते में हस्तांतरित नहीं किया जाता है, इसके अतिरिक्त बनावटी सम्पत्तियाँ जैसे प्रारम्भिक व्यय, लाभ-हानि खाते का नाम शेष आदि भी वसूली खाते में हस्तांतरित नहीं करते हैं। सम्पत्तियों की तरह ही विक्रेता कम्पनी के ऐसे दायित्व जिन्हें क्रेता कम्पनी द्वारा ले लिया जाता है वसूली खाते में हस्तांतरित कर दिया जाता है।

क्रय मूल्य को वसूली खाते के जमा पक्ष में लिखा जाता है।

विक्रेता कम्पनी की पुस्तकों में खोले जाने वाले प्रमुख खाते–

(1) वसूली खाता (Realisation A/c)

(2) क्रेता कम्पनी का खाता (Purchaser's Co. A/c)

(3) क्रेता कम्पनी का अंश खाता (Shares in Purchase's Co. A/c)

(4) अंशधारियों का खाता (Shareholder's A/c)

विक्रेता कम्पनी की पुस्तकों में पंजी प्रविष्टियाँ

(Journal Entries in the books of vendor company)

(1) जब वसूली खाता खोला जाता है, तब विक्रेता कम्पनी की विविध सम्पत्तियों को इस खाते में हस्तांतरण करते समय निम्न पंजी प्रविष्टि की जाती है–

Realisation A/c Dr.

To Various Assets A/c

(Individually)

(2) क्रेता कम्पनी द्वारा लिये जाने वाले दायित्वों को भी वसूली खाते में हस्तांतरित किया जाएगा एवं निम्न पंजी प्रविष्टि की जाएगी–

Liabilities A/c Dr.

To Realisation A/c

(Being Liabilities taken over by the purchaser's Co.)

(3) क्रय मूल्य की राशि के लिये निम्न प्रविष्टि की जाएगी–

Purchasing Company A/c Dr.

To Realisation A/c

(Being Purchasing price due)

(4) क्रेता कम्पनी द्वारा क्रय मूल्य के बदले रोकड़, अंश व ऋण-पत्र प्राप्त होने पर–

Cash A/c Dr.

Share in Purchasing Co. A/c Dr.

Debentures A/c Dr.

To Purchasing Co. A/c

(Being purchase price received in cash, share & debentures)

(5) (a) विघटन से सम्बन्धी व्यय विक्रेता कम्पनी द्वारा भुगतान करने पर

Realisation A/c Dr.

To Bank/Cash A/c

(Being amount of Liquidation exp. paid by vender)

(b) जिन दायित्वों को क्रेता कम्पनी द्वारा नहीं लिया जाता है, उनका भुगतान विक्रेता कम्पनी द्वारा किया जाता है, एवं निम्न पंजी प्रविष्टि की जाती है।

Liabilities A/c Dr.

To Bank/Cash A/c

(Being Payment of liabilities by the vendor company)

(6) ऐस दायित्वों को जिनका भुगतान विक्रेता कम्पनी द्वारा किया गया एवं दायित्व की पुस्तकीय राशि एवं वास्तविक भुगतान की राशि में अन्तर हो तो अन्तर की राशि को वसूली खाते में हस्तांतरित करते समय निम्न पंजी प्रविष्टि की जाती है।

Liabilities A/c Dr.

To Bank/Cash A/c

(Being the payment of liability other the value of its Bank value)

(7) ऐसी सम्पत्तियाँ जिनको क्रेता कम्पनी द्वारा नहीं लिया गया है, उन सम्पत्तियों की राशि की वसूली विक्रेता कम्पनी द्वारा की जाती है, एवं निम्न प्रविष्टि की जाएगी।

Bank/Cash A/c Dr.

To Assets A/c

(Being released the value of Assets which is not taken over by the Purchasing Co.)

(8) जिन सम्पत्तियों को विक्रेता कम्पनी द्वारा वसूला जाता है, अगर उनकी राशि पुस्तकीय मूल्य से ज्यादा वसूल होती है तो अन्तर की राशि से वसूली खाता जमा किया जाता है एवं निम्न प्रविष्टि की जाती है।

Bank/Cash A/c Dr.

To Assets A/c

To Realisation A/c

(Being released the value of Assets ovr the book value of concern assets)

(9) अंश पूँजी खाते का शेष, एकत्रित लाभों के शेष एवं संचय आदि को अंशधारी खाते में हस्तांतरित किया जाता है। इसके लिए निम्न प्रविष्टि की जाती है–

Equity Share Capital A/c Dr.

Profit & Loss A/c Dr.

Reserve Fund A/c Dr.

Share Premium A/c Dr.

Dividend Equilisation Fund A/c Dr.

To Equity Shareholder's A/c

(Being the balance & amount of Capital to shareholder's A/c.)

(10) लाभ-हानि के डेबिट शेष एवं काल्पनिक सम्पत्तियों को अंशधारियों के खाते में हस्तांतरित करने पर निम्न प्रविष्टि की जाएगी–

Equity Shareholder's A/c Dr.

To Profit & Loss A/c (dr. Bal)

To Preliminary Exp A/c

To Discount on issue of debenture/share A/c

(Being Dr. balance to sundries intansible passed are transferred to shareholder's A/c.)

(11) वसूली खाते के शेष को भी अंशधारियों के खाते में हस्तांतरित किया जाता है। वसूली खाते का डेबिट शेष भी हो सकता है एवं क्रेडिट शेष भी हो सकता है, डेबिट या क्रेडिट कोई भी शेष हो उसे

अंशधारियों के खाते में हस्तांतरित कर दिया जाता है। इस सम्बन्ध में निम्न प्रविष्टियाँ की जाती हैं–

1. क्रेडिट शेष होने पर (लाभ की दशा में)

   Realisation A/c Dr.

   To Equity Shareholder's A/c

   (Being Cr. Balance of Realisation A/c is transferred to shareholder's A/c.)

2. डेबिट शेष होने पर (हानि की दशा में)

   Equity shareholder's A/c Dr.

   To Realisation A/c

   (Being Dr. Balance of Realisation A/c is transferred to shareholder's A/c.)

(12) विक्रेता कम्पनी द्वारा अंशधारियों को देय राशि का भुगतान नगद अंशों या ऋण-पत्रों के द्वारा करने पर निम्न पंजी प्रविष्टि की जाती है–

   Shareholder's A/c Dr.

   To Cash/Bank A/c

   To Share in the Purchasing Co. A/c

   To Debenture of Purchasing Co. A/c

   (Being the payment to Shareholder by Cash Share & Debenture)

टिप्पणी

क्रेता कम्पनी की पुस्तकों में लेखे

(Journal Entries in the books of Purchasing Company)

जैसा कि पहले ही बताया जा चुका है कि विलयन (Merger) की दशा में क्रेता कम्पनी द्वारा लेखे रखने की जो पद्धति अपनायी जाती है उसे हित एकत्रीकरण विधि (Pooling of Interest Method) कहते हैं।

क्रेता कम्पनी की पुस्तकों में विक्रेता कम्पनी की सम्पत्तियाँ एवं दायित्वों तथा संचय को पुस्तकीय मूल्य पर ही दिखाया जाता है एवं विलयन की दशा में सबसे महत्वपूर्ण बात होती है विक्रेता कम्पनी को अंश पूँजी तथा क्रय मूल्य के अन्तर की राशि विक्रेता कम्पनी के संचय में समायोजित करना। इस सम्बन्ध में निम्नलिखित पूँजी प्रविष्टियाँ की जाती हैं–

1. क्रय मूल्य की राशि से

   Business Purchase A/c Dr.

   To Liquidator of Vendor Co.

   (Being Business Purchase from Vendor)

2. सम्पत्तियाँ एवं दायित्वों का अधिग्रहण करने के लिए–

   Assets A/c Dr. (Individually)

   To Liabilities A/c. (Individually)

   To Reserves

   To Business Purchase A/c

   (Being Assets & Liabilities of Vendor Co. taken over)

विक्रेता कम्पनी के पूँजी संचय, पूँजी शोधन संचय, अंश प्रीमियम, ऋण-पत्रों के निर्गमन पर प्रीमियम तथा पूर्नमूल्यांकन संचय आदि को पुस्तकीय मूल्य पर ही दिखाया जाता है। इसी तरह वैधानिक संचय जैसे विनियोग छूट संचय, निर्यात लाभ संचय एवं विशेष उद्देश्य के लिए बनाये गए आयगत संचय को भी पुस्तकीय मूल्य पर दिखाया जाता है।

उपरोक्त दर्शाये गए खातों को विक्रेता कम्पनी की सम्पत्तियों तथा दायित्वों के साथ डेबिट अथवा क्रेडिट किया जाएगा। कुल डेबिट एवं क्रेडिट खातों के अन्तर को लाभ-हानि खाते या सामान्य संचय खाते में समायोजित कर दिया जाएगा।

3. क्रय मूल्य का भुगतान करते समय

Liquidation of Vendor Co. Dr.

To Share Capital A/c

To Share Premium A/c

To Bank A/c

(Being payment of Purchase price to Liquidator of Vendor Company)

4. समापन व्यय के भुगतान के लिए निम्न प्रविष्टि की जायेगी–

(a) Liquidation Exp. A/c Dr.

To Bank A/c

(b) Profit & Loss A/c Dr.

To Liquidation Exp. A/c

(Being Liquidation Exp. transferred to P/L A/c)

समापन व्यय (Liquidation Expenses) के सम्बन्ध में यह ध्यान रखना आवश्यक है कि इन व्ययों का भुगतान क्रेता कम्पनी द्वारा किया जा रहा है या विक्रेता कम्पनी द्वारा। अतः इन दशाओं को ध्यान में रखकर ही क्रेता एवं विक्रेता की पुस्तकों में पूँजी प्रविष्टियाँ की जाती हैं। समापन व्यय के सम्बन्ध में निम्न पूँजी प्रविष्टियाँ की जाएंगी।

1. यदि समापन व्यय विक्रेता कम्पनी वहन करती है तो निम्न पँजी प्रविष्टि होगी–

Realisation A/c Dr.

To Cash/Bank A/c

2. यदि समापन व्यय क्रेता कम्पनी वहन करती है तो व्यय का भुगतान क्रेता कम्पनी द्वारा प्रत्यक्ष रूप से किया जा सकता है या भुगतान विक्रेता कम्पनी के माध्यम से किया जाता है। दोनों परिस्थितियों में लेखा करने की विधि निम्न प्रकार होगी–

(a) जब क्रेता कम्पनी प्रत्यक्ष रूप से भुगतान करे–

Goodwill/Capital Reserve A/c Dr.

To Cash A/c

(b) जब क्रेता कम्पनी विक्रेता कम्पनी के माध्यम से भुगतान करे अर्थात् क्रेता कम्पनी विक्रेता कम्पनी को भुगतान कर दे और विक्रेता कम्पनी व्ययों का भुगतान करे। इस सम्बन्ध में निम्न प्रकार लेखा किया जाएगा–

(i) यदि समापन व्यय की राशि क्रय मूल्य में शामिल की जाती है तो विक्रेता कम्पनी की पुस्तकों में निम्न लेखा किया जाएगा–

Realisation A/c Dr.
  To Cash A/c

क्रेता कम्पनी की पुस्तकों में व्यय के सम्बन्ध में कोई अतिरिक्त पूँजी प्रविष्टि नहीं की जाएगी, क्योंकि क्रय मूल्य में समायोजित करने के कारण Goodwill/ Capital Reserve स्वयं समायोजित हो जाएंगे।

(ii) यदि समापन व्यय की राशि क्रय मूल्य में सम्मिलित नहीं की जाती है तो निम्न लेखा किया जाएगा।

(a) क्रेता कम्पनी की पुस्तकों में–

Goodwill/Capital Reserve A/c Dr.
  To Cash A/c

As-14 के अनुसार, क्रय मूल्य में समापन व्यय में किया गया भुगतान शामिल नहीं किया जाता है।

(iii) विक्रेता कम्पनी की पुस्तकों में

(a) व्यय की राशि भुगतान करने पर–

Purchasing Co. A/c Dr.
  To Cash A/c

(b) व्यय की राशि प्राप्त होने पर

Cash A/c Dr.
  To Purchasing Co. A/c

4.2.3 अंशों के भाग के सम्बन्ध में लेखा (Accounting in Reference to Fraction of Shares)

क्रेता कम्पनी द्वारा जब क्रय मूल्य का भुगतान अंशों में किया जाता है, और यदि अंशधारियों को सम्पूर्ण अंश प्राप्त नहीं होता है तो ऐसे अंशों के भाग का भुगतान क्रेता कम्पनी द्वारा नकद किया जाता है। इस सम्बन्ध में अंशों के बाजार मूल्य के आधार पर नकद भुगतान की राशि ज्ञात की जाएगी।

हित एकीकरण विधि द्वारा लेखा करने में क्या अलग है–

1. वैधानिक संचय एवं अन्य संचयों की राशि पुस्तकीय मूल्य पर क्रेता कम्पनी के खाते में दिखाई जाती है।
2. यदि क्रय मूल्य एवं सम्पत्तियों के शुद्ध मूल्य में अन्तर होता है तो अन्तर की राशि को लाभ-हानि खाते में (डेबिट पक्ष में कम होने पर)

या सामान्य संचय खाते में (क्रेडिट पक्ष कम होने पर) हस्तांतरित किया जाता है।

3. इन पर व्ययों के सम्बन्ध में निम्न पंजी प्रविष्टि की जाती है।

टिप्पणी

Profit & Loss A/c Dr.

To Cash A/c

उदाहरण– 4

30 जून 2018 को निम्न चिट्ठा एक्स कं. लि. का है।

Liabilities	Amt. (₹)	Assets	Amt. (₹)
Share Capital		Goodwill	35,000
2,000 Shares of		Land & Building	85,000
₹ 100 each	2,00,000	Plant & Machinery	1,60,000
		Stock	55,000
Reserve Fund	20,000	Sundry Debtors	65,000
5% Debentures	1,00,000	Cash at Bank	34,000
Loan from 'A' Director	40,000	Discount on	
Sundry Creditors	80,000	Debentures	6,000
	4,40,000		4,40,000

निम्न शर्तों के अधीन उक्त दिनांक को उपरोक्त व्यवसाय वाई कं. लिमिटेड में विलयन हो गया–

(a) वाई कं. लि. ने सभी सम्पत्तियाँ रोकड़ व ख्याति को छोड़कर पुस्तकीय मूल्य से 10% कम पर ले ली।

(b) ख्याति का मूल्यांकन, अंश पूँजी व संचय की राशि के 8% का औसत लाभ पर (पाँच साल का) अधिक्य को 4 वर्ष के क्रय के आधार पर किया जाएगा।

(c) वाई कं. लि. व्यापारिक दायित्वों को 5% छूट पर लेगी।

(d) क्रय प्रतिफल का भुगतान 1,50,000 ₹ नकद एवं शेष राशि 10 ₹ वाले पूर्णदत्त समता अंशों में प्रति अंश 12-50 ₹ पर किया जाएगा।

(e) पिछले पाँच वर्षों का औसत लाभ 30,100 ₹ था।

(f) समापन व्ययों में 4,000 ₹ का भुगतान एक्स कं. लिमिटेड ने किया, लेकिन बाद में इसे वाई कं. लिमिटेड ने भुगतान कर दिया।

एक्स कं. लि. 30 जून 2018 के पहले 40,000 ₹ का माल वाई कं. लि. को 50,000 ₹ में बेच चुकी है। जिसमें से इसी तारीख पर 15,000 ₹ का माल वाई कं. लिमिटेड के रहतिये में सम्मिलित है। एक्स लि. के देनदारों मे ंवाई लि. के 25,000 ₹ के देनदार शामिल हैं।

एक्स कं. एवं वाई कं. की पुस्तकों में पंजी प्रविष्टियाँ कीजिए।

हल क्रमांक 4

क्रय प्रतिफल की गणना

1. Computation of Purchase Consideration

Land & Building ₹ 85,000 Less 10%	76,500
Plant & Machinery ₹ 1,60,000 Less 10%	1,44,000
Stock ₹ 55,000 Less 10%	49,500
Sundry debtors ₹ 65,000 Less 10%	58,500
Goodwill (नीचे गणना की गई)	50,000
Total assets taken over	3,78,500
Total liabilities taken ₹ 80,000 less 5%	76,000
Purchase price	3,02,500

2. Purchase Price is discharged as follows

Cash	1,50,000
Shares (12,200 share of ₹ 10 each 12.50 each)	1,52,500
	3,02,500

3. Calculation of Goodwill

Average Profit	30,100
Less: 8% $\frac{2,20,000 \times 8}{100}$ = 17,600	17,600
Super Profit	12,500

Goodwill = 12,500 × 4 = 50,000

Journal Entries in the Books of X Co. Ltd.

Date	Particulars	C.F.	Amt. Dr.	Amt. Cr.
2018				
June 30	Realisation A/c Dr.		4,00,000	
	To Goodwill A/c			35,000
	To Land & Building A/c			85,000
	To Plant & Machinery A/c			1,60,000
	To Stock A/c			55,000
	To Sundry Debtors A/c			65,000
	(Being assets taken over by Y Ltd.)			
	Sundry Creditors A/c Dr.		80,000	
	To Realisation A/c			80,000
	(Being transfer liabilities)			
	Y Co. Ltd. A/c Dr.		3,02,500	
	To Realisation A/c			3,02,500
	(Being Purchase Price due)			

टिप्पणी

	Bank A/c Dr. Shares in Y Co. Ltd. A/c Dr. To Y Co. Ltd. A/c (Being receipts of Purchaser price)		1,50,000 1,52,500	 3,02,500
	Loan from 'A' A/c Dr. 5% debenture A/c Dr. To Bank A/c (Being payment of Loan & debenture which are not taken over by Y Ltd.)		40,000 1,00,000	 1,40,000
	Y Co. Ltd. A/c Dr. To Bank A/c (Being payment of liquidation exp on behalf of Purchasing Co.)		4,000 4,000	
	Shareholder's A/c Dr. To Realisation A/c (Being loss on realisation)		17,500	 17,500
	Shareholder's A/c Dr. To discount on Debenture A/c (Being transfer of discount of debenture A/c)		6,000 6,000	
	Share Capital A/c Dr. Reserve Fund A/c Dr. To Shareholder's A/c (Being transfer of Capital & Reserve Fund to Shareholder)		2,00,000 20,000	 2,20,000
	Shareholder's A/c Dr. To Bank A/c To Shares of Y Co. Ltd. A/c (Being distribution of available Cash & Shares among shareholders)		1,96,500	 44,000 1,52,500

Journal Entries in the books of Y Co. Ltd.

Date	Particulars	C.F.	Amt. Dr.	Amt. Cr.
2018 June 30	 Business Purchase A/c Dr. To Liquidator of X Ltd. (Being purchase consideration payable for the purchase of business)		 3,02,500	 3,02,500
	Land & Building A/c Dr. Plant & Machinery A/c Dr. Stock A/c Dr. Sundry debtors A/c Dr. Goodwill A/c Dr.		76,500 1,44,000 49,500 65,000 50,000	

	Provision on discount A/c Dr.		4,000	
	To Provision for Doubtful debts			6,500
	To Sundry Creditors A/c			80,000
	To Liquidator of X Co. Ltd.			3,02,500
	(Being in corporation of various assets & Liabilities taken over)			
	Liquidator of X Ltd. A/c Dr.		3,02,500	
	To Bank A/c			1,50,000
	To Share Capital A/c			1,22,000
	To Share Premium A/c			30,500
	(Being discharge of purchase price)			
	Goodwill A/c Dr.		3,000	
	To Stock A/c			3,000
	(Being the amount of unrealized profit on goods for ₹ 15,000) 15,000 × 1,000 50,000			
	Sundry Creditors A/c Dr.		25,000	
	To Sundry debtors A/c			25,000
	(Being elimination of ₹ 25,000 owned by Y Co. to X Co. which in turn included in Debtors of X Co. & Creditors of Y Co.)			

उदाहरण– 5

निम्न चिट्ठे के आधार पर अंकिता लिमिटेड के व्यापार का शुद्ध सम्पत्ति मूल्य ज्ञात कीजिए।

Balance sheet

Liabilities	Amt. (₹)	Assets	Amt. (₹)
Capital		Land & Building	3,00,000
5000 Equity shares of			
₹ 100 each fully paid	5,00,000	Machinery & Plant	2,00,000
Contingency fund	10,000	Sundry Debtor	
Sundry Creditors	58,000	Less Provision	50,000
Bill Payable	42,000	Stock	25,000
		Cash at Bank	35,000
	6,10,000		6,10,000

टिप्पणी

हल क्रमांक 5

शुद्ध सम्पत्ति मूल्य की गणना
(Calculation of Net Assets Value)

Land & Building	3,00,000	
Machinery & Plant	2,00,000	
Sundry Debtors	55,000	
Stock	25,000	
Cash at Bank	35,000	6,15,000
Less: External liabilities		
Creditors	58,000	
Bills payable	42,000	
Provision for Debtor	5,000	1,05,000
Net Assets Value		5,10,000

उदाहरण– 6

निम्न स्थिति विवरण अनय कम्पनी लिमिटेड का है, आप अनय कं. लिमिटेड को बंद करने हेतु जर्नल के आवश्यक लेखे कीजिए।

Balance Sheet

Liabilities	Amt. (₹)	Assets	Amt. (₹)
Share Capital		Goodwill	30,000
7500 Shares @ ₹ 10			
each, fully paid	75,000	Plant	18,300
Sundry Creditors	3,300	Land	10,000
Reserves	4,200	Stock in Trade	16,000
Profit & Loss A/c	800	Sundry Debtors	7,500
		Cash	1,500
	83,300		83,300

यह मानिऐ कि सम्पत्तियाँ एवं दायित्वों को उसके पुस्तकीय मूल्य पर लिया गया है, अनय लि. को क्रय प्रति फल कितना प्राप्त होगा?

हल क्रमांक 6

क्रय प्रतिफल की गणना

Calculation of Purchase Consideration

Various Assets taken over	83,300
Less: Various liabilities taken over	3,300
Purchase Consideration	80,000

अनय कं. लिमिटेड की पुस्तकों में पंजी प्रविष्टियाँ

Date	Particulars	C.F.	Amt. Dr.	Amt. Cr.
2018	Realisation A/c Dr.		83,300	
	To Goodwill A/c			30,000
	To Plant A/c			18,300
	To Land A/c			10,000
	To Stock in Trade			16,000
	To Sundry Debtor			7,500
	To Cash A/c.			1,500
	(Being transfer of various assets to Realisation A/c)			
	Sundry Creditors A/c Dr.		3,300	
	To Realisation A/c			3,300
	(Being transfer of Creditor to Realisation A/c)			
	Purchasing Company A/c Dr.		80,000	
	To Realisation A/c			80,000
	(Being the amount of purchase price due)			
	Shares in New Co. A/c Dr.		80,000	
	To New Co. A/c			80,000
	(Being the receipt of Purchase Consideration)			
	Share Capital A/c Dr.		75,000	
	Reserve A/c Dr.		4,200	
	Profit & Loss A/c Dr.		800	
	To Shareholder's A/c			80,000
	(Being the Capital, Reserves & Profit & Loss account transferred to shareholder's A/c)			
	Shareholder's A/c Dr.		80,000	
	To Share of New Company			80,000
	(Being the issue of shares of New Ltd. to Shareholders towards the amount due to them)			

उदाहरण– 7

निम्न दो कम्पनियों की स्थिति निम्नानुसार है–

टिप्पणी

Balance Sheet – One

Liabilities	Amt. (₹)	Assets	Amt. (₹)
Nominal Capital 50,000 shares of ₹ 10 each	5,00,000	Fixed Assets	3,00,000
		Debtor	3,50,000
5% Debentures	1,00,000	Goodwill	1,00,000
Creditors	3,00,000	Profit & Loss	1,50,000
	9,00,000		9,00,000

Balance Sheet – Two

Liabilities	Amt. (₹)	Assets	Amt. (₹)
Nominal Capital 1,00,000 shares of ₹ 10 each	10,00,000	Fixed Assets	5,00,000
Issued Capital 70,000 shares of ₹ 10 each	7,00,000	Debtors	1,00,000
		Bank Balance	1,00,000
Creditors	2,00,000	Goodwill	3,50,000
Profit & Loss A/c.	1,50,000		
	10,50,000		10,50,000

पहली कम्पनी दूसरी कम्पनी में निम्न शर्तों पर विलय होने के लिए राजी हुई–

(a) पहली कम्पनी के अंशों का मूल्य 6 ₹ प्रति अंश (इसमें से एक चौथाई नकद एवं शेष दूसरी कम्पनी के अंशों में भुगतान किया जाना है) एवं दूसरी कम्पनी के अंशों का मूल्य 12-50 प्रति अंश होगा।

(b) पहली कम्पनी के 5% 100 ₹ वाले ऋण-पत्रों को दूसरी कम्पनी में 7% ऋण-पत्र प्रत्येक 95 ₹ के हिसाब से ऋण-पत्रधारियों को भुगतान किया जाएगा।

(c) पहली कम्पनी एवं दूसरी कम्पनी में पंजी प्रविष्टियाँ कीजिए एवं दूसरी कम्पनी की पुस्तक में चिट्ठा बनाइये।

हल क्रमांक 7

पहली कम्पनी की पुस्तकों में पंजी प्रविष्टियाँ
Journal Entries in the book of One Company

Date	Particulars	C.F.	Amt. Dr.	Amt. Cr.
2018	Realisation A/c Dr.		7,50,000	
	To Goodwill A/c			1,00,000
	To Fixed Assets A/c			3,00,000
	To Debtors A/c			3,50,000
	(Being the assets are transferred to realisation A/c)			
	Creditors A/c Dr.		3,00,000	
	To Realisation A/c			3,00,000
	(Being Creditors are transferred to realisation A/c)			
	Second Company A/c Dr.		3,95,000	
	To Realisation A/c			3,95,000
	(Being purchase consideration receivable)			
	Bank A/c Dr.		75,000	
	Share in Second Co. A/c Dr.		2,25,000	
	Debentures in Second Co. A/c Dr.		95,000	
	To Second Co. A/c			3,95,000
	(Being received Cash, shares & debentures)			
	Debentures A/c Dr.		1,00,000	
	To Debenture holders A/c			95,000
	To Realisation A/c			5,000
	(Being distribution of debentures in Second Co.)			
	Debenture holder A/c Dr.		95,000	
	To Debenture in Second Co.			95,000
	(Being distribution of debenture)			
	Shareholders A/c Dr.		3,00,000	
	To Share in Second Co.			2,25,000
	To Cash A/c			75,000
	(Being distribution of shares in Second Co. & balance paid in Cash)			

टिप्पणी

दूसरी कम्पनी की पुस्तकों में पंजी प्रविष्टियाँ
Journal Entries in the book of Second Company

Date	Particulars	C.F.	Amt. Dr.	Amt. Cr.
2018	Business Purchase A/c Dr.		3,95,000	
	To Liquidator of One Company			3,95,000
	Goodwill A/c Dr.		45,000	
	Fixed Assets A/c Dr.		3,00,000	
	Debtors A/c Dr.		3,50,000	
	P/L A/c		1,50,000	
	To Business Purchase A/c			3,95,000
	To Creditors A/c			3,00,000
	To General Reserve A/c			1,50,000
	Goodwill A/c Dr.		6,000	
	To Bank A/c			6,000
	Liquidator of one Co. Dr.		3,95,000	
	To Share Capital A/c			1,80,000
	To Share Premium A/c			45,000
	To Bank A/c			75,000
	To 7% debentures A/c			95,000

Balance Sheet

Liabilities	Amt. (₹)	Assets	Amt. (₹)
Share Capital			
Authorised Capital		Goodwill	4,01,000
1,00,000 share			
@ 10 each	10,00,000	Fixed Assets	8,00,000
Issued & Subscribed			
Capital		Debtors	4,50,000
88,000 share			
@ ₹ 10 each	8,80,000	Cash at Bank	19,000
Reserves & Surplus			
Share Premium	45,000		
General Reserve	1,50,000		
Unsecured Loans			
7% debentures	95,000		
Current liabilities			
Current Creditor	5,00,000		
	16,70,000		16,70,000

उदाहरण– 8

टिप्पणी

एक्स कं. लिमिटेड का 31 मार्च, 2018 को चिट्ठा निम्नानुसार था।

Liabilities	Amt. (₹)	Assets	Amt. (₹)
Share Capital 1,50,000 Equity Shares of ₹ 10 each, fully paid	15,00,000	Plant & Machinery Furniture & Fixtures Stock	16,10,000 1,94,400 7,05,500
Securities Premium	1,50,000	Debtors	1,98,440
General Reserve	6,25,500	Cash at bank	1,13,200
Profit & Loss A/c.	1,85,300		
Creditors	3,60,740		
	28,21,540		28,21,540

उपरोक्त तिथि को एक्स लिमिटेड ने वाई लिमिटेड के व्यवसाय को 6,60,000 ₹ में ले लिया। जिसके लिए एक्स लिमिटेड ने 10 ₹ वाले पूर्णदत्त समता अंशों को वाई लिमिटेड के लिए प्रत्येक 100 अंशों पर 110 अंशों को देकर भुगतान किया। विलयन की दशा में वाई लिमिटेड के 3,000, 11% ऋण-पत्रों को एक्स लिमिटेड के 12 ऋण-पत्रों में परिवर्तित किया गया। उपरोक्त तिथि को वाई लिमिटेड का चिट्ठा निम्नानुसार था–

Liabilities	Amt. (₹)	Assets	Amt. (₹)
Share Capital 60,000 Equity shares of ₹ 10 each, fully paid	6,00,000	Machinery Furniture	5,50,000 1,35,200
Capital Reserve	13,000	Stock	3,15,800
Foreign Projects Reserve (Statutory Reserve)	9,700	 Debtors Cash at Bank	 1,29,300 68,260
General Reserve	75,350	Preliminary	
Profit & Loss A/c	24,130	Expenses	6,100
3,000, 11% debenture of ₹ 100 each	3,00,000		
Creditors	1,82,480		
	12,04,660		12,04,660

आपको बनाना है–

1. एक्स लिमिटेड की पुस्तकों में आवश्यक पंजी प्रविष्टियाँ कीजिए।
2. एक्स लिमिटेड की पुस्तकों में चिट्ठा बनाइये।
3. वाई कं. लि. की पुस्तकों में जर्नल के आवश्यक लेखे करते हुए खाते बनाइये।

हल क्रमांक 8

टिप्पणी

Journal Entries in the Book of X Ltd.

Date	Particulars		C.F.	Amt. Dr.	Amt. Cr.
2018					
March 31	Business Purchase A/c	Dr.		6,60,000	
	To liquidator of Y Ltd.				6,60,000
	(Being Consideration payable to liquidator of Y Ltd. for business taken over)				
	Machinery A/c	Dr.		5,50,000	
	Furniture A/c	Dr.		1,35,200	
	Stock A/c	Dr.		3,15,800	
	Debtors A/c	Dr.		1,29,300	
	Cash at Bank A/c	Dr.		68,260	
	Preliminary Expenses A/c	Dr.		6,100	
	To 11% debenture A/c				3,00,000
	To Creditor A/c				1,82,480
	To Capital Reserve A/c				13,000
	To Foreign Projects Reserve A/c				9,700
	To General Reserve A/c (Balancing figure)				39,480
	To Business Purchase A/c				6,60,000
	(Being in corporation of various assets & liabilities)				
	Liquidator of Y Ltd.	Dr.		6,60,000	
	To Equity share capital A/c				6,60,000
	(Being allotment of Equity share)				
	11% Debentures A/c	Dr.		3,00,000	
	To 12% Debentures A/c				3,00,000
	(Being allotment of 12% debenture to 11% debenture of Y Ltd.)				

Balance Sheet of X Ltd.
(as on 31st March, 2018)

Liabilities	Amt. (₹)	Assets	Amt. (₹)
Share Capital		Fixed Assets	
Authorised		Plant & Machinery	21,60,000
2,50,000 Equity Shares	25,00,000	Furniture & Fixtures	3,29,600
@ ₹ 10 each		Current Assets	
fully paid		Loans & Advances	
Issued & Subscribed		(a) Current Assets	
2,16,000 Equity shares		Stock	10,21,300
of ₹ 10 each		Debtors	3,27,740
fully paid	21,60,000	Cash at Bank	1,81,460
Reserve & surplus		(b) Loans & Advances	Nil
Capital Reserve	13,000	Miscellaneous Exp.	
Securities Premium	1,50,000	Preliminary Exp.	6,100
Foreign project Reserve	9,700		
General Reserve	6,64,980		
Profit & Loss A/c	1,85,300		
Secured Loans			
12% Debentures	3,00,000		
Current liabilities			
& Provisons			
(a) Current liabilities			
creditors	5,43,220		
(b) Provisions	Nil		
	40,26,200		40,26,200

Journal Entries in the Books of Y Ltd.

Date	Particulars	C.F.	Amt. Dr.	Amt. Cr.
2018				
March 31	Realisation A/c Dr.		11,98,560	
	To Machinery A/c			5,50,000
	To Furniture A/c			1,35,200
	To Stock A/c			3,15,800
	To Debtors A/c			1,29,300
	To Cash at Bank A/c			68,260
	(Being transfer of all the assets to Realisation A/c due to amalgamation)			

टिप्पणी

	11% debentures A/c Dr. Creditors A/c Dr. To Realisation A/c (Being transfer of debenture & creditors to Realisation A/c)		3,00,000 1,82,480	 4,82,480
	X Ltd. Dr. To Realisation A/c (Being the amount of the purchase price due)		6,60,000	 6,60,000
	Equity Shares in X Ltd. Dr. To X Ltd. (Being the purchase price received in form of shares)		6,60,000	 6,60,000
	Equity Shareholder's A/c. Dr. To Realisation A/c (Being transfer of Equity Shareholder's account)		56,080	 56,080
	Capital Reserve A/c Dr. Foreign Projects Reserve A/c Dr. General Reserve A/c Dr. Profit & Loss A/c Dr. To Equity share holder A/c (Being transfer of various reserve & credit balance of P/L A/c to Equity shareholder A/c)		13,000 9,700 75,350 24,130	 1,22,180
	Equity shareholder A/c Dr. To Preliminary Exp A/c (Being transfer of Preliminary expense to equity shareholder account)		6,100	 6,100
	Equity shareholder A/c Dr. To Equity share in X Ltd. (Being distribution of equity shares in X Ltd. among the equity shareholders to satisfy their final claim on liquidation of the Company)		6,60,000	 6,60,000

टिप्पणी

उदाहरण– 9

31 मार्च 2018 को निम्नलिखित चिट्ठे A Ltd. एवं B Ltd. के हैं।

A Ltd.

Liabilities	Amt. (₹)	Assets	Amt. (₹)
Share Capital in fully paid equity shares of ₹ 10 each	15,00,000	Land & Building	5,60,000
		Plant & Machinery	9,42,000
		Furniture	1,01,500
Securities Premium	1,50,000	Stock	5,37,340
General Reserve	4,70,000	Debtors	2,80,630
Profit & Loss A/c	1,89,360	Cash at Bank	1,10,960
Sundry Creditors	2,33,070	Cost of issue of shares	10,000
	25,42,430		25,42,430

B Ltd.

Liabilities	Amt. (₹)	Assets	Amt. (₹)
Share Capital 60,000 Equity shares of ₹ 10 each fully paid	6,00,000	Machinery	3.60,000
		Furniture & Fixtures	89,500
		Stock	2,52,410
Capital Reserve	15,000	Debtor 1,03,000	
10% Debentures	2,00,000	***Less***: Reserve 5,150	97,850
Sundry Creditors	1,01,630	Cash at Bank	20,340
		Profit & Loss A/c	96,530
	9,16,630		9,16,630

उपरोक्त दोनों कम्पनियाँ एक दूसरे में विलय होकर एक नयी कम्पनी C लिमिटेड कहलाने लगीं। जिसने 1st अप्रैल 2018 को दोनों कम्पनियों के सम्पत्तियाँ एवं दायित्वों को ले लिया। क्रय प्रतिफल क्रमशः 19,50,000 ₹ में 4,80,000 ₹ था। क्रय प्रतिफल का भुगतान 10 ₹ वाले समता अंशों में किया जाएगा। B कं. लि. के 10% ऋण-पत्रों को नयी कम्पनी के 11% ऋण-पत्रों में परिवर्तित किया गया। विलयन के व्यय 15,000 ₹ हुए, जिसे C कं. लि. ने वहन किया।

A लिमिटेड एवं B लिमिटेड के खाते बन्द करने हेतु आवश्यक पंजी प्रविष्टियाँ कीजिए एवं C लिमिटेड की पुस्तकों में पंजी प्रविष्टि करते हुए विलयन के बाद का चिट्ठा बनाइये।

हल क्रमांक 9

Book of A Ltd.
Journal Entries

Date	Particulars	C.F.	Amt. Dr.	Amt. Cr.
2018				
March 31	Realisation A/c Dr.		25,32,430	
	To Land & Building A/c			5,60,000
	To Plant & Machinery			9,42,000
	To Furniture			1,01,500
	To Stock			5,37,340
	To Debtor			2,80,630
	To Bank A/c			1,10,960
	(Being transfer of sundry assets to realisation of A/c)			
	Sundry Creditors A/c Dr.		2,33,070	
	To Realisation A/c			2,33,070
	(Being transfer of creditors to Realisation A/c)			
	‘C’ Ltd. Dr.		19,50,000	
	To Realisation			19,50,000
	(Being consideration receivable from C Ltd.)			
	Equity share capital A/c Dr.		15,00,000	
	Securities Premium A/c Dr.		1,50,000	
	General Reserve A/c Dr.		4,70,000	
	Profit & loss A/c Dr.		1,89,360	
	To Equity shareholder A/c			23,09,360
	(Being transfer of capital & reserve to shareholder A/c)			
	Equity shareholder's A/c Dr.		10,000	
	To Cost of issue of shares A/c			10,000
	(Being transfer of Cost of issue of share to shareholder accounts)			
	Equity shareholder A/c Dr.		3,49,360	
	To Realisation A/c			3,49,360
	(Being transfer of loss on realization to Equity shareholder)			
	Equity shareholder A/c Dr.		19,50,000	
	To Equity share in C Ltd.			19,50,000
	(Being distribution of equity shares in C Ltd. among the shareholder's)			

टिप्पणी

Realisaton A/c

Particular	Amt. (₹)	Particular	Amt. (₹)
To Land & Building	5,60,000	By Sundry Creditors	2,33,070
To Plant & Machinery	9,42,000		
To Furniture	1,01,500	By C. Ltd.	19,50,000
To Stock	5,37,340	By Equity	
To Debtors	2,80,630	Shareholder A/c	3,49,360
To Bank	1,10,960	(Loss)	
	25,32,430		25,32,430

C Ltd. A/c

To Realisation A/c.	19,50,000	By Equity shares in C Ltd. A/c	19,50,000
To Plant & Machinery	19,50,000		19,50,000

Equity Shares in C Ltd. A/c

To C Ltd.	19,50,000	By Equity sharesholders A/c	19,50,000
To Plant & Machinery	19,50,000		19,50,000

Equity Shareholder A/c

To Cost of		By Equity share capital	15,00,000
Issue of Share A/c	10,000	By Securities Premium	1,50,000
To Reaslisation	3,49,360	By General Reserve	4,70,000
To Equity shares		By P/L A/c	1,89,360
in C Ltd.	19,50,000		
	23,09,360		23,09,360

टिप्पणी

Book of 'B' Ltd.

Journal Entries

Date	Particulars	C.F.	Amt. Dr.	Amt. Cr.
2018				
April 1	Realisation A/c Dr.		8,25,250	
	To Machinery A/c			3,60,000
	To Furniture A/c			89,500
	To Stock A/c			2,52,410
	To Debtors A/c			1,03,000
	To Cash at Bank A/c			20,340
	(Being transfer of various assets to Realisation A/c)			
	10% Debenture A/c Dr.		2,00,000	
	Sundry Creditor A/c Dr.		1,01,630	
	Provision for bad Debts A/c Dr.		5,150	
	To Realisation A/c			3,06,780
	(Being transfer of liabilities to Realisation A/c)			
	C Ltd. Dr.		4,80,000	
	To Realisation A/c			4,80,000
	(Being Purchase Price due)			
	Equity share holder A/c Dr.		96,530	
	To P/L A/c			96,530
	(Being transfer of debit balance to Equity Shareholder A/c)			
	Equity Share Capital A/c Dr.		6,00,000	
	Capital Reserve A/c Dr.		15,000	
	To Equity shareholder			6,15,000
	(Being transfer capital & Reserve to Sharehodler A/c)			
	Equity shareholder A/c Dr.		38,470	
	To Realisation A/c			38,470
	(Being transfer of loss on realization to shareholder A/c)			
	Equity shareholder A/c Dr.		4,80,000	
	To Equity Share in C Ltd.			4,80,000
	(Being distribution of Equity Shares in 'C' Ltd. to among the shareholder's account)			

टिप्पणी

Ledger Accounts

Realisation Account 2018 April 1

Particulars	Amt. (₹)	Particulars	Amt. (₹)
To Machinery	3,60,000	By 10% Debenture	2,00,000
To Furniture	89,500	By Sundry Creditor	1,01,630
To Stock	2,52,410	By Provision for Bad debts A/c	5,150
To Debtors	1,03,000	By C Ltd.	4,80,000
To Cash at Bank A/c	20,340	By Equity share-holder A/c	38,470
	8,25,250		8,25,250

C Ltd. A/c

To Realisation A/c	4,80,000	By Equity shares in C Ltd. A/c	4,80,000
	4,80,000		4,80,000

Equity Shares in C Ltd. A/c

To C Ltd.	4,80,000	By Equity sharesholder A/c	4,80,000
	4,80,000		4,80,000

Equity Shareholder A/c

To P/L A/c	96,530	By Equity Share Capital account	6,00,000
To Realisation	38,470	By Capital Reserve Account	15,000
To Equity Shares in C Ltd. (distribution)	4,80,000		
	6,15,000		6,15,000

Book of 'B' Ltd.

Journal Entries

Date	Particulars	C.F.	Amt. Dr.	Amt. Cr.
2018				
March 31	Business Purchase A/c Dr.		24,30,000	
	To Liquidator of A Ltd.			19,50,000
	To Liquidator of B Ltd.			4,80,000
	(Being Consideration payable to Liquidator)			
	Land & Building A/c Dr.		5,60,000	
	Plant & Machinery A/c Dr.		13,02,000	
	Furniture A/c Dr.		1,91,000	

टिप्पणी

	Stock A/c Dr.		7,89,750	
	Debtors A/c Dr.		3,83,630	
	Cash at Bank A/c Dr.		1,31,300	
	Cost of Issue of share A/c Dr.		10,000	
	To 10% Debentures			2,00,000
	To Sundry Creditors			3,34,700
	To Provision for bad & doubtful debts A/c			5,150
	To Capital Reserve A/c			15,000
	To Securities Premium A/c			1,50,000
	To General Reserve A/c			2,32,830
	To Business Purchase A/c			24,30,000
	(Being in corporation to assets & liabilities of A Ltd. & B Ltd.)			
	Liquidator of A Ltd. Dr.		19,50,000	
	Liquidator of B Ltd. Dr.		4,80,000	
	To Equity share Capital A/c			24,30,000
	(Being allotment of fully paid equity shares of ₹ 10 each)			
	10% Debentures A/c Dr.		2,00,000	
	To 11% Debenture A/c			2,00,000
	(Being allotment of debenture to discharge 10% debentures)			
	General Reserve A/c Dr.		15,000	
	To Cash at Bank A/c			15,000
	(Being payment of expenses relating to merger)			

Balance Sheet ('C' Ltd.)
(as on 1st April, 2018)

Liabilities	Amt. (₹)	Assets	Amt. (₹)
Share Capital			
Authorised		Fixed Assets	
Issued & Subscribed		Land & Building	5,60,000
2,43,000, Equity			
Shares of	24,30,000	Plant & Machinery	13,02,000
₹ 10 each fully paid		Furniture	1,91,000
Reserve & Surplus		Current Assets,	
		Loans & Advances	
Capital Reserve	15,000	(a) Current Assets	
Security Premium	1,50,000	Stock	7,89,750
General Reserve	2,17,830	Debtors 3,83,630	
Secured Loans		*Less:* Provision 5,150	3,78,480

11% Debentures	2,00,000	Cash at Bank	1,16,300
Current liabilities & Provisions		(b) Loans & Advances	NIL
(a) Current liabilities		Miscellaneous Exp.	
Sundry Creditors	3,34,700	Cost of Issue of shares	10,000
(b) Provisions	NIL		
	33,47,530		33,47,530

उदाहरण– 10

31 मार्च, 2018 को वाई कम्पनी का विलयन एक्स कम्पनी में हो गया। जिसकी समस्त सम्पत्तियाँ एवं दायित्वों को पुस्तकीय मूल्य पर लिया गया। क्रय प्रतिफल 8,00,000 ₹ एकमुश्त राशि का भुगतान 10 ₹ वाले पूर्णदत्त अंशों द्वारा किया जाएगा, जो कि अंशधारियों में विभाजित होगा। प्रत्येक अंशधारी प्रत्येक एक अंश के लिए हस्तांतरण करने वाली कम्पनी में दो अंश प्राप्त करेगा। 31 मार्च 2018 को दोनों कम्पनियों का चिट्ठा निम्न प्रकार था।

Balance Sheet

Liabilities	X Ltd.	Y Ltd.	Assets	X Ltd.	Y Ltd.
Share Capital Authorised	3,00,000	10,00,000	Goodwill	4,00,000	1,20,000
Issued, Subscribed Called up & paid-up Capital (of ₹ 10 each)	18,00,000	4,00,000	Plant & Machinery	8,24,000	2,00,000
			Furniture	1,60,000	60,000
			Stock	5,31,000	1,20,000
General Reserve	3,60,000	1,00,000	Sundry Debtors	4,42,400	92,000
			Prepaid Insurance		1,400
P & L A/c	41,004	25,800	Income Tax Refund Claim		12,000
Workmen's Compensation Fund	24,000	18,000	Cash in Hand	1,738	712
Sundry Creditor	1,17,134	60,912	Cash at Bank	28,000	16,600
Staff Provident Fund	20,400	8,000			
Provision for Taxation	24,600	10,000			
	23,87,138	6,22,712		23,87,138	6,22,712

विलयन सम्बन्धी व्यय 2,000 ₹ हुए जिसका भुगतान एक्स लिमिटेड द्वारा किया गया। आपको बनाना है–

(a) वाई लिमिटेड की पुस्तकों में आवश्यक पंजी प्रविष्टियाँ

(b) एक्स लिमिटेड की पुस्तकों में आवश्यक पंजी प्रविष्टियाँ

(c) विलयन के बाद का स्थिति विवरण

हल क्रमांक 10

(a) वाई लिमिटेड की पुस्तकों में पंजी प्रविष्टियाँ

Journal Entries in the books of Y Ltd.

Date	Particulars	L.F.	Amt. Dr.	Amt. Cr.
	Realisation A/c Dr.		6,22,712	
	To Goodwill A/c			1,20,000
	To Plant & Machinery A/c			2,00,000
	To Furniture A/c			60,000
	To Stock A/c			1,20,000
	To Sundry Debtors A/c			92,000
	To Prepaid Insurance A/c			1,400
	To Income Tax claim A/c			12,000
	To Cash A/c			712
	To Bank A/c			16,600
	(Being all the assets are transfer to Realisation A/c)			
	Sundry Creditors A/c Dr.		60,912	
	Staff Providend Fund A/c Dr.		8,000	
	Provision for taxation A/c Dr.		10,000	
	To Realisation A/c			78,912
	(Being the liabilities transferred to Realisation A/c)			
	X Ltd. Co. A/c Dr.		8,00,000	
	To Realisation A/c			8,00,000
	(Being the amount of Purchase Price is due)			
	Shares in X Ltd. A/c Dr.		8,00,000	
	To X Ltd. A/c			8,00,000
	(Being the purchase price received by the form of Shares)			
	Share Capital A/c Dr.		4,00,000	
	General Reserve A/c Dr.		1,00,000	

	Profit & Loss A/c Dr. Workmen's Compensation Fund A/c Dr. To Equity Shareholder's A/c (Being the amount of Capital & Reserves are transferred to Capital A/c)		25,800 18,000	 5,43,800
	Realisation A/c Dr. To Equity Shareholder's A/c (Being profit on realization is transferred to shareholder's A/c)		2,56,200 2,56,200	
	Equity Shareholder A/c Dr. To Shares in X Ltd. A/c (Being the final payment to holders)		8,00,000	 8,00,000

(b) एक्स लिमिटेड की पुस्तकों में पंजी प्रविष्टियाँ

Journal Entries in the books of X Ltd.

Date	Particulars	L.F.	Amt. Dr.	Amt. Cr.
2018	Business Purchase A/c Dr. To Liquidators of Y Co. Ltd. (Being purchase price due to the liquidation of Y Co. Ltd.)		8,00,000	 8,00,000
	Goodwill A/c Dr. Plant & Machinery A/c Dr. Furniture A/c Dr. Stock A/c Dr. Sundry Debtor A/c Dr. Prepaid Insurance A/c Dr. Income Tax Refund Claim Dr. Cash A/c Dr. Bank A/c Dr. General Reserve A/c Dr. To workmen's Compensation Fund A/c To Sundry Creditors A/c To Staff Provident Fund A/c To Provision for Taxation A/c To Business Purchase A/c		1,20,000 2,00,000 60,000 1,20,000 92,000 1,400 12,000 712 16,600 2,74,200	 18,000 60,912 8,000 10,000 8,00,000
	Liquidator of Y Co. Ltd. Dr. To Share Capital A/c (Being Purchase price paid by the issue of equity shares)		8,00,000	 8,00,000

टिप्पणी

Balance Sheet As on 1st April, 2018

Liabilities	Amt. (₹)	Assets	Amt. (₹)
Share Capital		Fixed Assets	
Authorised Capital		Goodwill	5,20,000
4,00,000 equity shares		Plant & Machinery	10,24,000
of ₹ 10 each	40,00,000	Furniture	2,20,000
Issued Subscribed &			
Paid-up			
capital 18,00,000		Investment	
80,000 share@		Current Assets,	
₹ 10 each issued		Loans & Advances	
Other than			
Cash 8,00,000	26,00,000	(a) Current Assets	
Reserve & Surplus		Stock	6,51,000
General			
Reserve 3,60,000		Sundry Debtors	5,34,400
Less 2,74,200	85,800	Cash	2,450
Profit & Loss	41,004	Bank Balance	44,600
Workmen's			
Compensation Fund	42,000	(b) Loans & Advances	
Secured Loans		Prepaid Insurance	1,400
Unsecured Liabilities		Income Tax Refund	
(a) Current liabilities		Claim	12,000
Sundry Creditors	1,78,046		
(b) Provision			
Staff Provision	28,400		
Provision for			
taxation	34,600		
	30,09,850		30,09,850

उदाहरण — 11

31 मार्च, 2018 को हिन्दुस्तान एवं भारत कम्पनी का विलय हुआ तथा एक नयी कम्पनी हिन्दुस्तान भारत लिमिटेड बनी। निम्न चिट्ठा दोनों कम्पनियों का इस प्रकार है–

Balance Sheet

Liabilities	Hindustan	Bharat	Assets	Hindustan	Bharat
Equity Share			Land & Building	5,00,000	4,50,000
Capital			Plant & Machinery	2,40,000	1,90,000
of ₹ 10 each	10,00,000	8,00,000	Patent	25,000	20,000
General Reserve	1,00,000	1,50,000	Stock	1,40,000	1,50,000
P/L account	20,000	50,000	Debtor	1,80,000	1,60,000
Creditors	30,000	10,000	Bills Receivable	20,000	20,000
			Cash in Bank	45,000	20,000
	11,50,000	10,10,000		11,50,000	10,10,000

टिप्पणी

अन्य सूचनाएँ
Other Information

1. हिन्दुस्तान भारत लिमिटेड, ने हिन्दुस्तान एवं भारत लि. की समस्त सम्पत्तियाँ एवं दायित्वों को उसके पुस्तकीय मूल्य पर ले लिया।
2. क्रय प्रतिफल का निर्धारण शुद्ध सम्पत्ति मूल्य से किया जाएगा।
3. क्रय प्रतिफल का भुगतान हिन्दुस्तान भारत लिमिटेड द्वारा 10 ₹ वाले पूर्णदत्त अंशों में किया जाएगा।
4. आपको हिन्दुस्तान भारत लिमिटेड की पुस्तकों में आवश्यक पंजी प्रविष्टियाँ करनी हैं एवं विलयन के बाद का स्थिति विवरण बनाना है।

हल क्रमांक 11

क्रय प्रतिफल की गणना
Calculation of Purchase Consideration

Particular	Hindustan Ltd.	Bharat Ltd.
Total Assets	11,50,000	10,10,000
Less Liabilities		
Creditors	30,000	10,000
Purchase Consideration	11,20,000	11,20,000

हिन्दुस्तान भारत लिमिटेड की पुस्तकों में पंजी प्रविष्टियाँ
Journal Entries in the books of Hindustan Bharat Ltd.

Date	Particulars		L.F.	Amt. Dr.	Amt. Cr.
2018	Business Purchase A/c	Dr.		21,20,000	
	To Liquidator of H Ltd.				11,20,000
	To Liquidator of B Ltd.				10,00,000
	(Being purchase price due to both companies)				
	Land & Building A/c	Dr.		9,50,000	
	Plant & Machinery A/c	Dr.		4,30,000	
	Patents A/c	Dr.		45,000	
	Stock A/c	Dr.		2,90,000	
	Debtors A/c	Dr.		3,40,000	
	Bills Receivable A/c	Dr.		40,000	
	Cash A/c	Dr.		65,000	
	To Creditors A/c				40,000
	To Business Purchase				21,20,000
	(Being assets & liabilities of both the Companies taken over)				

टिप्पणी

	Liquidator of H Ltd. Dr. Liquidator of B Ltd. Dr. To Equity Share Capital A/c (Being discharge of purchase price by the issue of Shares of ₹ 10 each fully paid)		11,20,000 10,00,000	 21,20,000

Balance Sheet of Hindustan Bharat Ltd.
(As on 31st March, 2018)

Liabilities	Amt. (₹)	Assets	Amt. (₹)
Share Capital		Fixed Assets	
Authorised, Issued		Land & Building	9,50,000
Subscribed & paid-up		Plant & Machinery	4,30,000
capital (of ₹ 10 each)	21,20,000	Patents	45,000
Reserves & Surplus		Current Assets,	
Secured loans		Loans & Advances–	
Unsecured loans		(a) Current Assets	
Current liabilities &		Stock	2,90,000
provisions–		Debtors	3,40,000
(a) Current liabilities		Cash	65,000
Creditors	40,000	(b) Loans & Advances	
		Bill Receivable	40,000
(b) Provisions		Miscellaneous	
	21,60,000		21,60,000

उदाहरण– 12

31 मार्च, 2018 को निम्न चिट्ठा सोना लिमिटेड एवं मोना लिमिटेड का है–

Balance Sheet

Liabilities	Sona Amt.	Mona Amt.	Assets	Sona Amt.	Mona Amt.
Share Capital			Fixed Assets	6,60,000	2,83,800
Equity Share Capital @₹ 10	4,80,000	1,80,000	Current Assets	2,40,000	1,18,200
12% pref shares Capital @₹ 100 each		60,000			
General Reserve	23,400	7,500			
Profit & Loss A/c.	33,780	21,300			
13% Debenture		15,000			
Current Liabilities	86,220	59,400			
	9,00,000	4,02,000		9,00,000	4,02,000

एक अप्रैल, 2018 को सोना लिमिटेड ने मोना लिमिटेड को निम्नलिखित शर्तों पर विलयन किया–

(a) सोना लिमिटेड 21,000, 10 ₹ वाले अंशों का निर्गमन मोना लिमिटेड कें अंशधारियों के लिए करेगी।

(b) सोना लिमिटेड 660, 12% पूर्वाधिकार अंशों का निर्गमन (प्रत्येक 100 ₹ वाले) मोना लिमिटेड के पूर्वाधिकार अंशधारियों के लिए करेगी।

(c) मोना लिमिटेड के ऋण-पत्रों को सोना लिमिटेड के 14% ऋण-पत्रों में परिवर्तित किया जाएगा।

(d) आपको यह बता दें कि मोना लिमिटेड का वैधानिक संचय अगले दो वर्षों के लिए और रखा जाएगा।

(e) आपको विलयन के उपरान्त का सोना लिमिटेड की पुस्तकों में स्थिति विवरण बनाना है।

हल क्रमांक 12

सामान्य संचय की गणना

Calculation of General Reserve

Purchase Consideration		
21,000 Equity share @ ₹ 10 each		2,10,000
660, 12% preference share @ ₹ 100 each		66,000
		2,76,000
***Less*: Share Capital of Mona Ltd.**		
Equity Share Capital	1,80,000	
Pref. Share Capital	60,000	2,40,000
General Reserve		36,000

मोना लिमिटेड में पहले से 58,800 ₹ का सामान्य संचय मौजूद है, अर्थात इसका क्रेडिट शेष है। उपरोक्त सामान्य संचय की राशि 36,000 ₹ डेबिट शेष वाली है, अतः वास्तविक सामान्य संचय की राशि होगी–

General Reserve	58,800
***Less*: Excess of Consideration**	36,000
	22,800

चिट्ठे में दिखाई जाने वाली सामान्य संचय की राशि–

General reserve	22,800
General Reserve of Sona Ltd.	2,76,600
Actual General Reserve	2,99,400

टिप्पणी

सोना लिमिटेड की पुस्तकों में चिटठा

Balance Sheet of Sona Ltd.
(As on 31st March, 2018)

Liabilities	Amt. (₹)	Assets	Amt. (₹)
Share Capital		Fixed Assets	9,43,800
Equity Share Capital			
@ ₹ 10 each	6,90,000	Current Assets	3,58,200
12% preference shares			
@ ₹ 100 each	66,000		
Reserve & Surplus			
General Reserve	2,99,400		
Statutory Reserve	30,900		
Profit & Loss account	55,080		
Secured Loans			
13% Debentures	15,000		
Unsecured Loans			
Current liabilities & Provision			
(a) Current liabilities	1,45,620		
(b) Provisions			
	13,02,000		13,02,000

उदाहरण– 13

31 मार्च, 2018 को हर्ष लिमिटेड का स्थिति विवरण निम्नानुसार है–

Balance Sheet

Liabilities	Amt. (₹)	Assets	Amt. (₹)
Share Capital		Fixed Assets	
2,25,000 Equity		Machinery	24,15,000
Shares of ₹ 10 each	22,50,000	Furniture	2,91,600
Reserves & Surplus		Current Assets	
Capital Reserves	2,25,000	Stock in Trade	10,58,250
General Reserves	9,38,250	Debtor	2,97,660
Profit & Loss A/c	2,77,950	Cash at bank	1,69,800
Current liabilities			
Creditors	5,41,110		
	42,32,310		42,32,310

31 मार्च, 2018 को निम्न चिट्ठा अक्षित लिमिटेड का है–

Balance Sheet

Liabilities	Amt. (₹)	Assets	Amt. (₹)
Share Capital		Fixed Assets	
90,000 Equity shares		Machinery	8,25,000
of ₹ 10 each	9,00,000	Furniture	2,02,800
Reserve & Surplus		Current Assets	
Capital Reserve	19,500	Stock	4,73,700
Development Allowance		Sundry Debtors	1,93,950
Reserve	14,550	Cash in hand	1,02,390
General Reserve	1,13,025	Miscellaneous	
		Expenditure	
Profit & Loss A/c	36,195	Discount on Issue	
4,500 12% Debenture		of Share Debenture	9,150
of ₹ 100 each	4,50,000		
Sundry Creditors	2,73,720		
	18,06,990		18,06,990

31 मार्च 2018 को अक्षित लिमिटेड, हर्ष लिमिटेड में 9,90,000 ₹ की सहमति पर विलय हो गयी। इसका भुगतान हर्ष लिमिटेड द्वारा 10 ₹ वाले समता अंशों में किया जाएगा। साथ ही 12% ऋण-पत्रों को हर्ष लिमिटेड में 14% 10 ₹ वाले ऋण-पत्रों में परिवर्तित किया जाएगा। आपको दोनों कम्पनियों की पुस्तकों में पंजी प्रविष्टियाँ करनी है, एवं विलय के बाद का हर्ष लिमिटेड की पुस्तकों में स्थिति विवरण बनाना है।

हल क्रमांक 13

अक्षित लिमिटेड की पुस्तकों में पंजी प्रविष्टियाँ

Journal Entries in the Books of Aksheet Ltd.

Date	Particulars	L.F.	Amt. Dr.	Amt. Cr.
2018	Realisation A/c Dr.		17,97,840	
31st	To Machinery A/c			8,25,000
March	To Furniture A/c			2,02,800
	To Stock A/c			4,73,700
	To Sundry Debtor A/c			1,93,950
	To Cash A/c			1,02,390
	(Being assets are transferred to realisation A/c.)			
	12% Debentures A/c Dr.		4,50,000	
	Sundry Creditors A/c Dr.		2,73,720	
	To Realisation A/c			7,23,720
	(Being Debentures & Creditors are transferred to Realisation)			

टिप्पणी

	Harsh Ltd. Dr. To Realisation A/c (Being purchase price due)		9,90,000	9,90,000
	Equity Shareholders A/c Dr. To Realisation A/c (Being loss on realisation is transferred to shareholders A/c)		84,120	84,120
	Equity Share Capital A/c Dr. Capital Reserve A/c Dr. Development Allowance Reserve A/c General Reserve A/c Dr. Profit & Loss A/c Dr. To Equity Shareholder A/c (Being Share Capital & Reserve are transferred to Shareholder A/c)		9,00,000 19,500 14,550 1,13,025 36,195	10,83,270
	Equity Shareholder A/c Dr. To Discount on Issue of Shares & Debenture A/c (Being Discount is transferred to Shareholder A/c)		9,150	9,150
	Equity Shares in Harsh Ltd. Dr. To Harsh Ltd. (Being purchase price received in shares)		9,90,000	9,90,000
	Equity Shareholder A/c Dr. To Equity Share in Harsh Ltd. (Being final payment of Shares to Shareholders)		9,90,000	9,90,000

टिप्पणी

हर्ष लिमिटेड की पुस्तकों में पंजी प्रविष्टियाँ
Journal Entries in the Books of Harsh Ltd.

Date	Particulars	L.F.	Amt. Dr.	Amt. Cr.
2018 31st March	Business Purchase A/c Dr.		9,90,000	
	To Liquidator of Akshit Ltd.			9,90,000
	(Being purchase price due to the liquidator of the Akshit Ltd.)			
	Machinery A/c Dr.		8,25,000	
	Furniture A/c Dr.		2,02,800	
	Stock A/c Dr.		4,73,700	
	Sundry Debtors A/c Dr.		1,93,950	
	Cash A/c Dr.		1,02,390	
	Discount on shares & debenture A/c Dr.		9,150	
	To Capital Reserve A/c			19,500
	To Development allowance Reserve A/c			14,550
	To Profit & Loss A/c			36,195
	To 12% Debentures A/c			4,50,000
	To Sundry Creditors			2,73,720
	To Business Purchase A/c			9,90,000
	To General Reserve A/c			23,025
	(Being all the assets & Liabilities taken over by Harsh Ltd.)			
	Liquidator of Akshit Ltd. Dr.		9,90,000	
	To Equity share capital A/c			9,90,000
	(Being purchase price paid off by issue of equity shares)			
	12% Debentures A/c Dr.		4,50,000	
	To 14% Debentures A/c			4,50,000
	(Being allotment of 14% debentures to discharge the 12% debentures of Akshit Ltd.)			

सामान्य संचय की राशि की गणना (चिट्ठे हेतु)

Calculation of General Reserve

General Reserve of Harsh Ltd.	9,38,250
Add: General Reserve (New)	23,025
Total amount of General Reserve	9,61,275

टिप्पणी

Balance Sheet

Liabilities	Amt. (₹)	Assets	Amt. (₹)
Share Capital		Fixed Assets	
3,24,000 Equity Shares		Machinery	32,40,000
of ₹ 10 each	32,40,000	Furniture	4,94,400
Reserve & Surplus		Investment	NIL
Capital Reserve	2,44,500	Current Assets,	
General Reserve	9,61,275	Loan & Advances	
Profit & Loss A/c	3,14,145	Debtors	4,91,610
Development allowance		Cash	2,72,190
Reserve	14,500	Stock	15,31,950
Secured Loans		Miscellaneous	
14% Debentures	4,50,000	Discount on	
Current liabilities		Issue of Shares	
& Provisions		& Debentures	9,150
Creditors	8,14,830		
	60,39,300		60,39,300

उदाहरण– 14

31 मार्च 2018 को अक्षित लिमिटेड, तक्षित लिमिटेड में विलय हो गयी। अक्षित लिमिटेड की समस्त सम्पत्तियाँ एवं दायित्वों को तक्षित ने ले लिया।

क्रय प्रतिफल 5,04,900 ₹ था, जिसका भुगतान तक्षित लिमिटेड द्वारा 10 ₹ वाले पूर्णदत्त समता अंशों में किया जाना है। निम्न दोनों कम्पनियों का स्थिति विवरण 31 मार्च, 2018 को इस प्रकार है–

Balance Sheet

Liabilities	Takshit Amt.	Akshit Amt.	Assets	Takshit Amt.	Akshit Amt.
Equity Share			Goodwill	3,00,000	90,000
Capital			Plant &		
			Machinery	4,68,000	1,50,000
Authorised	22,50,000	7,50,000	Stock	3,97,500	1,20,000
Issued &			Sundry Debtors	3,31,800	84,000
Subscribed			Prepaid Insurance		1,050
Equity share			Income Tax		
@ ₹ 10 each	11,25,000	3,00,000	Refund claim		9,000
General Reserve	2,25,000	75,000	Cash in hand	1,304	534
Profit &					
Loss A/c	30,753	19,350	Cash in bank	21,000	12,450

Workmen Compensation	18,000	13,500			
Sundry Creditors	87,851	45,684			
Staff Provident Fund	15,000	6,000			
Provision for Taxation	18,000	7,500			
	5,19,604	4,67,034		5,19,604	4,67,034

आपको बनाना है–

1. अक्षित लिमिटेड की पुस्तकों में आवश्यक खाते
2. तक्षित लिमिटेड की पुस्तकों में पंजी प्रविष्टियाँ
3. विलयन के बाद का चिट्ठा

हल क्रमांक 14

अक्षित लिमिटेड की पुस्तकों में आवश्यक खाते

Realisation A/c

Particulars	Amt. (₹)	Particulars	Amt. (₹)
To Goodwill A/c	90,000	By Sundry Creditors	45,684
To Plant & Machinery A/c	1,50,000	By Staff Provident Fund A/c	6,000
To Stock A/c	1,20,000	By Provisoin for Taxation A/c	7,500
To Income Tax Refund Claim	9,000		
To Sundry Debtors A/c	84,000	By Takshit Ltd.	5,04,900
To Prepaid Insurance A/c	1,050		
To Cash in hand	534		
To Cash at Bank A/c	12,450		
To Equity Shareholder (Profit)	97,050		
	5,64,084		5,64,084

Takshit Ltd.

To Realisation A/c.	5,04,900	By Equity Share in Takshit Ltd.	5,04,900

Equity Shares in Takshit Ltd.

To Takshit Ltd.	5,04,900	By Equity Shareholders A/c	5,04,900

टिप्पणी

Equity Shareholder's Account

Particulars	Amt. (₹)	Particulars	Amt. (₹)
To Equity Share in Takshit Ltd.	5,04,900	By Equity Share Capital A/c	3,00,000
		By General reserve	75,000
		By P/L A/c	19,350
		By Workmen Compensation Fund	13,500
		By Realisation A/c	97,050
	5,04,900		5,04,900

Journal Entries in the Book of Takshit Ltd.

Date	Particulars		L.F.	Amt. Dr.	Amt. Cr.
2018	Goodwill, A/c	Dr.		90,000	
	Plant & Machinery A/c	Dr.		1,50,000	
	Stock A/c	Dr.		1,20,000	
	Sundry Debtors A/c	Dr.		84,000	
	Prepaid Insurance A/c	Dr.		1,050	
	Income Tax Refund Claim	Dr.		9,000	
	Cash in Hand	Dr.		534	
	Cash at Bank	Dr.		12,450	
	General Reserve A/c	Dr.		1,10,550	
	To Workmen Compensation Fund				13,500
	To Sundry Creditors A/c				45,684
	To Staff Provident Fund				6,000
	To Provision for Taxation				7,500
	To Liquidator of Akshit Ltd.				5,04,900
	(Being all assets & liabilities taken over at book value and balance amount is transferred to General Reserve A/c)				
	Liquidator of Akshit Ltd. A/c	Dr.		5,04,900	
	To Equity Share capital A/c				5,04,900
	(Being the allotment of Shares of ₹ 10 each)				

टिप्पणी

Balance Sheet
As at 31st March, 2018

Particulars	Amt. (₹)	Particulars	Amt. (₹)
Share Capital		Fixed Assets	
Authorised Capital		Goodwill	3,90,000
2,25,000 Equity Shares		Plant & Machinery	6,18,000
@ ₹ 10 each	27,50,000	Investment	Nil
Issued & Subscribed		Current Assets	
Capital		Loans & Advances	
1,62,990 Equity Shares		(a) Current Assets	
of ₹ 10 each		Stock	5,17,500
(50490 equity		Debtors	1,838
shares issued to		Cash	4,15,800
transferors as		Cash at Bank	33,450
fully paid-up for		(b) Loans & Advances	
consideration)	16,29,900	Prepaid Insurance	1,050
Reserve & Surplus		Income Tax	
General Reserve		Refund Claim	9,000
(2,25,000+1,10,550)	1,14,450	Miscellaneous	
Profit & Loss A/c	30,753	Expenditure	Nil
Workmen			
Compensation Fund	31,500		
Secured Loan	Nil		
Unsecured Loan	Nil		
Current Liabilities			
& Provisions			
(a) Current liabilities			
Sundry Creditors	1,33,535		
(b) Provisions			
Provision for Taxation	25,500		
Staff Providend Fund	21,000		
	19,86,638		19,86,638

4.2.4 कम्पनियों के आपसी सौदे (Inter Company Transactions)

कम्पनियों के बीच में आपसी व्यवहार पहले से ही मौजूद रहते हैं, जैसे A कम्पनी ने B कम्पनी से माल उधार क्रय किया, अतः इसका तात्पर्य है कि B कम्पनी के देनदारों में A कम्पनी भी सम्मिलित है एवं A कम्पनी के लेनदारों में B कम्पनी भी सम्मिलित है। इसी तरह से प्राप्त बिल, देय बिल व अन्य देय राशियाँ एक दूसरी कम्पनी में सम्मिलित रहती हैं। जब दो कम्पनियाँ मिलकर कार्य करती हैं या एक कम्पनी दूसरी कम्पनी को क्रय कर लेती है, अथवा एक कम्पनी दूसरी कम्पनी में विलय हो जाती है, किसी भी दशा में आपसी सौदों को क्रेता कम्पनी की पुस्तकों में अपलिखित कर दिया जाता है। इस सम्बन्ध में लेखा निम्न प्रकार होगा–

1. देनदार एवं लेनदार (Debtors & Creditors)

विक्रेता कम्पनी की पुस्तकों में देनदारों एवं लेनदारों को वसूली खाते में हस्तांतरित कर दिया जाता है। क्रेता कम्पनी की पुस्तकों में देनदारों एवं लेनदारों को अन्य सम्पत्तियों की भाँति ही लिया जाता है। तत्पश्चात निम्न पंजी प्रविष्टि द्वारा इसे पुस्तकों में अपलिखित कर दिया जाता है–

Sundry Creditors A/c	Dr.
To Sundry Debtors A/c	

उपरोक्त प्रविष्टि समान राशि होने पर की जाती है अगर दोनों की राशियों में अन्तर है। अतः देनदारों की राशि लेनदारों की राशि से अधिक है तो अन्तर की राशि यह मान ली जाती है कि माल पर रोकड़ रास्ते में है, जिसके कारण अभी तक अन्तर बना हुआ है, इसके लिए निम्न पंजी प्रविष्टि की जाती है–

Sundry Creditors A/c	Dr.
Goods/Cash in Transit A/c	Dr.
To Sundry Debtors A/c	

2. प्राप्य विपत्र–देय विपत्र (Bills Receivable & Bills Payable)

यदि कम्पनियों ने आपस में एक दूसरे के बिल स्वीकार किये हैं तो इनकी राशि प्राप्त बिल एवं देय बिलों में शामिल होती है, विक्रेता कम्पनी की पुस्तकों में इसे वसूली खाते में हस्तांतरित कर दिया जाता है एवं क्रेता कम्पनी की पुस्तकों में इसे अन्य सम्पत्तियों एवं दायित्वों की तरह अधिग्रहण कर लिया जाएगा। इसके पश्चात् अपलिखित कर दिया जाएगा। इस सम्बन्ध में निम्न पंजी प्रविष्टि की जाती है–

Bills Payable A/c	Dr.
To Bills Receivable A/c	

यदि देय विपत्र की राशि प्राप्य विपत्र की राशि से अधिक होती है तो अन्तर की राशि प्राप्य विपत्र को किसी अन्य को बेचान करने या अवधि पूर्व छूट पर भुनाने सम्बन्धी हो सकती है। इस दशा में केवल प्राप्य विपत्र की राशि ही अपलिखित की जाएगी, एवं शेष राशि देय विपत्र की नयी कम्पनी के स्थिति विवरण में प्रदर्शित की जाएगी।

3. ऋण (Loans)

आपसी सौदों के अन्तर्गत दोनों कम्पनियाँ एक दूसरे से ऋण प्राप्त कर सकती हैं, अथवा दे सकती हैं, इस ऋण की राशि को भी देनदारों एवं लेनदारों की तरह अपलिखित किया जाता है। यदि आपसी ऋण की राशि में अन्तर है तो यह अन्तर मार्ग में रोकड़ या ब्याज के कारण हो सकता है। इस सम्बन्ध में निम्न पंजी प्रविष्टि की जाएगी–

Loan from Purchasing Co.	Dr.
Cash in Transit A/c	Dr.
To Loan to Vendor Co.	

टिप्पणी

4. ऋण-पत्र (Debentures)

कम्पनियों के आपसी सौदों में ऋण-पत्र भी शामिल हो सकते हैं। अतः एक कम्पनी के ऋण-पत्र दूसरी कम्पनी के पास विनियोग के रूप में हो सकते हैं। इन ऋण-पत्रों को भी ऋण की भाँति अपलिखित किया जाता है। यदि ऋण-पत्रों के चुकता मूल्य और लागत में अन्तर है, तो इस अन्तर की राशि को क्रेता कम्पनी की पुस्तकों में पूँजीगत लाभ या हानि मानते हुए लेखा किया जाएगा।

5. आपसी क्रय से शेष रहतिया (Unsold Stock out of Inter-Company Purchase)

जब एक कम्पनी दूसरी कम्पनी को माल बेचती है तब इसमें कुछ राशि लाभ की भी शामिल रहती है। इस लाभ की राशि को अगर माल उपभोक्ता को बेचा जाता है तो राशि उपभोक्ता से वसूल लिया जाता है, लेकिन आपसी माल विक्रय में कुछ भी माल अनबिका रह जाता है, तो इसकी राशि अन्तिम रहतिया में शामिल होती है। अतः रहतिया में शामिल माल में लाभ की राशि को समाप्त कर दिया जाएगा। लाभ समाप्त करने के लिए निम्न पंजी प्रविष्टि की जाती है–

Profit & Loss A/c Dr.
    To Stock A/c

उदाहरण– 15

31 मार्च, 2018 को निम्न चिट्ठा अखिल एवं अमन लिमिटेड का है–

Balance Sheet

Liabilities	**Aman Amt.**	**Akhil Amt.**	**Assets**	**Aman Amt.**	**Akhil Amt.**
Liabilities			Fixed Assets	60,000	1,25,000
Share Capital			Loan to		
@ ₹ 10 each	50,000	1,00,000	Akhil Ltd.	5,000	
Reserve Fund	20,000	30,000	Debtors	15,000	10,000
Investment			Stock	10,000	15,000
Allowances	5,000		Cash at Bank		5,000
Reserve					
Creditors	15,000	20,000			
Loan from					
Aman Ltd.		5,000			
	90,000	1,55,000		90,000	1,55,000

अमन लिमिटेड निम्न शर्तों पर अखिल लिमिटेड में विलय होना चाहती है–

(a) अखिल लिमिटेड में प्रत्येक 3 अंशों के बदले 35 ₹ अमन लिमिटेड को मिलेंगे।

(b) अमन लिमिटेड के रहतिये में 7,500 ₹ अखिल लिमिटेड से क्रय किया हुआ माल शामिल है जिसे लागत में 20% जोडकर बेचा गया था।

टिप्पणी

(c) अखिल लिमिटेड के देनदारों में 2,500 ₹ अमन लिमिटेड के सम्मिलित हैं, लेकिन अमन लिमिटेड के लेनदारों में केवल 2,000 ₹ ही अखिल लिमिटेड के सम्मिलित हैं।

(d) अखिल लिमिटेड के अंशों को बाजार में 45 ₹ प्रति अंश आँका गया है।

अमन लिमिटेड की पुस्तक में आवश्यक खाते बनाइये एवं अखिल लिमिटेड की पुस्तकों में पंजी प्रविष्टियाँ करते हुए विलय के बाद का स्थिति विवरण बनाइये।

हल क्रमांक 15

अमन लिमिटेड की पुस्तकों में खाते

Realisation A/c

Particulars	Amt. (₹)	Particulars	Amt. (₹)
To Fixed Assets	60,000	By Creditors	15,000
To Loan to Akhil Ltd.	5,000	By Akhil Ltd.	58,340
To Debtors	15,000	By Shareholders	
To Stock	10,000	(Loss on Real)	16,660
	90,000		90,000

Share in Akhil Ltd.

To Akhil Ltd.	58,310	By Shareholders	58,310
	58,310		58,310

Cash A/c

To Akhil Ltd.	30	By Shareholder A/c	30
	30		30

Akhil Ltd. A/c

To Realisation	58,340	By Share A/c	58,310
		By Cash A/c	30
	58,340		58,340

Shareholder's A/c

To Realisation A/c	16,660	By Share Capital A/c	50,000
To Share in Akhil Ltd.	58,310	By Reserve Fund	20,000
To Cash A/c	30	By Investment	
		Allowance Reserve	5,000
	75,000		75,000

अमन लिमिटेड की पुस्तकों में पंजी प्रविष्टियाँ

Journal Entries in the Books of Aman Ltd.

Date	Particulars	L.F.	Amt. Dr.	Amt. Cr.
2018	Business Purchase A/c Dr.		58,340	
	To Liquidator of Aman Ltd.			58,340
	(Being purchaser price agreed)			
	Fixed Assets A/c Dr.		60,000	
	Loan to B Ltd. Dr.		5,000	
	Debtors A/c Dr.		15,000	
	Stock A/c Dr.		10,000	
	General Reserve A/c Dr.		8,340	
	To Creditor A/c			15,000
	To Reserve (Invesment A/c)		5,000	
	To Reserve Fund			20,000
	To Business Purchase			58,340
	(Being assets & liabilities taken over)			
	Liquidation of Aman Ltd. Dr.		58,340	
	To Share Capital A/c			58,310
	To Cash A/c			30
	(Being purchase consideration paid)			
	Loan from Aman Ltd. Dr.		5,000	
	To Loan to Akhil Ltd.			5,000
	(Being Cancellation of mutual transation			
	General Reserve A/c Dr.		1,250	
	To Stock			1,250
	(Being profit included in stock eleminated)			
	Creditors A/c Dr.		2,000	
	Cash in Transit A/c Dr.		500	
	To Debtor A/c			2,500
	(Being cancellation of Mutual Debtor & Creditor			

Balance Sheet

As on 31st March, 2018

टिप्पणी

Liabilities	Amt. (₹)	Assets	Amt. (₹)
Share Capital		Fixed Assets	1,85,000
Authorised		Current Assets	
Issued & Subscribed		Stock	23,750
10,000 Shares			
of 10 each		Debtors	22,500
1,666 Shares of			
₹ 35 each	1,00,000	Cash in transit	500
issued to vendor for a		Cash at Bank	4970
Consideration other	58,310	Miscellaneous Exp.	
for Cash			
Reserve & Surplus	40,410		
Reserve Fund			
Current liabilities &			
Provision Creditors	33,000		
Investment allowance			
Reserves	5,000		
	2,36,720		2,36,720

Working Note:

Calculation of Purchase Price

No. of Shares = 5000/3 = 1,666

Value of Shares in Whole No.

= 1666 × 35 = 58,310

Value of fraction Share

Purchase Price $\frac{58,340}{30}$

बाजार मूल्य को नहीं लिया जाता है क्योंकि अंशों का निर्गमन भुगतान मूल्य पर ही होता है, लेकिन रोकड़ का भुगतान करने के लिए बाजार मूल्य का प्रयोग किया जाएगा।

4.2.5 कम्पनियों के पास आपसी अंशों का होना (Inter Company Holdings)

जैसा कि अभी हमने ऊपर देखा कि एक कम्पनी के आपसी सौदे दूसरी कम्पनी के साथ हो सकते हैं, एवं इन सौदों में देनदार, लेनदार, प्राप्य विपत्र, देय विपत्र तथा रहतिया सम्मिलित होता है। इसके अतिरिक्त एक और महत्त्वपूर्ण मद, अंशों का क्रय–विक्रय आपस में किया जा सकता है, और आपसी क्रय–विक्रय के बाद अगर दो कम्पनियों का विलय हो जाता है तो कई प्रकार की परिस्थितियाँ हमारे सामने आती हैं, यह परिस्थितियाँ निम्न प्रकार की हो सकती हैं–

(अ) विक्रेता कम्पनी के पास क्रेता कम्पनी के अंश हो।

(ब) क्रेता कम्पनी के पास विक्रेता कम्पनी के अंश हो।

(क) क्रेता एवं विक्रेता दोनों कम्पनियों के पास एक दूसरे के अंश हो।

टिप्पणी

लेकिन विलयन की दशा में पुरानी दोनों कम्पनियाँ विक्रेता कम्पनी हो सकती हैं एवं एक नयी कम्पनी को क्रेता कम्पनी कहा जाता है। अतः एक चौथी दशा भी उत्पन्न हो सकती है दोनों विक्रेता कम्पनियों के पास एक दूसरे के अंश हो।

उपरोक्त विवरण से हम यहाँ यह समझ सकते हैं कि किसी भी कम्पनी में किसी भी कम्पनी के अंश सम्मिलित हो सकते हैं, केवल अन्तर होता है इनकी गणना करने का। अतः अब हम देखेंगे कि उपरोक्त परिस्थितियों में गणना कैसे की जाती है–

1. ऐसी कम्पनी जो विलय होने जा रही है और जिसका अस्तित्व समाप्त हो जाएगा। अगर उस कम्पनी के पास विलय करने वाली कम्पनी के अंश होते हैं, तो इन अंशों का समायोजन क्रय मूल्य निकालते समय किया जाएगा।

उदाहरण (भुगतान विधि द्वारा)

विलय होने वाली कम्पनी की अंश पूँजी– 40,000 ₹

(10 ₹ वाले 4000 अंशों में)

विलयन होने वाली कम्पनी से विनियोग (लागत पर)

2200 ₹

(विलयन करने वाली कम्पनी से 10 ₹ वाले 200 अंश)

क्रय मूल्य–विलयन होने वाली कम्पनी के प्रत्येक 3 अंश के लिए विलयन करने वाली कम्पनी ने 10 ₹ वाले 3 अंश जिनका मूल्य 15 ₹ प्रति अंश निर्धारित किया गया, निर्गमित किए। इसके अतिरिक्त विलय होने वाली कम्पनी के प्रत्येक अंश के लिए 2 ₹ नकद भुगतान किया जाना है।

क्रय मूल्य की गणना

प्रत्येक 5 अंश के लिए 3 अंश निर्गमित होंगे

अतः 4,000 अंशों के लिए =	$\frac{4000 \times 3}{5}$
	2,400 अंश
ऐसे अंश जो शामिल हैं	200 अंश
	2,200 अंश
प्रति अंश मूल्य	× 15
	33,000 ₹
जोड़े– 2 ₹ प्रति अंश की दर	
नकद भुगतान (4000 × 2)	8,000 ₹
क्रय मूल्य	41,000 ₹

2. ऐसी कम्पनी जो विलयन करने जा रही है अथवा क्रेता कम्पनी के पास विक्रेता कम्पनी के अंशों का होना, की स्थिति में क्रय मूल्य की गणना करते समय कुल क्रय मूल्य से उन अंशों का आनुपातिक मूल्य जो क्रेता कम्पनी के पास है, घटा दिया जाएगा।

उदाहरण (शुद्ध भुगतान विधि द्वारा)

विलयन होने वाली कम्पनी की कुल सम्पत्ति = 80,000 ₹

विलयन होने वाली कम्पनी के कुल दायित्व = 20,000 ₹

उपरोक्त कम्पनी की कुल अंश पूँजी = 40,000 ₹

(10 ₹ वाले 4,000 अंशों में विभक्त है)

विलय कर्ता कम्पनी के पास विलयन कम्पनी के 1,000 अंश हैं जिनकी लागत 12,000 ₹ है।

विलयकर्ता कम्पनी ने समस्त सम्पत्ति एवं दायित्वों को पुस्तक मूल्य पर ले लिया है–

हल :

कुल सम्पत्तियाँ	80,000 ₹
घटाएं – दायित्व	20,000 ₹
शुद्ध सम्पत्तियाँ	60,000 ₹
घटाएं – 1,000 अंशों का आनुपातिक मूल्य	15,000 ₹
क्रय मूल्य	45,000 ₹

उपरोक्त लेनदेन से सम्बन्धी विलयन कम्पनी की पुस्तकों में निम्न पंजी प्रविष्टि की जाएगी।

Share Capital A/c	Dr.	40,000	
To Shareholder's A/c			30,000
To Realisation A/c			10,000

इसी लेनदेन का विलयकर्ता कम्पनी अपनी पुस्तक में निम्न पंजी प्रविष्टि करेगी।

Assets A/c.	Dr.
To Liabilities A/c	
To Share in Vendor Co. (Investment)	

3. विलयन की स्थिति में पुरानी दोनों कम्पनियों का अस्तित्व समाप्त हो जाता है, और एक नयी कम्पनी का निर्माण होता है, और ऐसी स्थिति हो सकती है कि दोनों कम्पनियों में एक दूसरे के अंश सम्मिलित हो तो ऐसी दशा में नयी कम्पनी केवल बाहरी अंशधारियों का भुगतान करेगी। यदि पुरानी दोनों कम्पनियों के प्रति अंश का मूल्य दिया गया है तो बाहरी अंशधारियों को भुगतान की जाने वाली राशि इसी मूल्य के आधार पर ज्ञात कर ली जाएगी। और यदि पुरानी दोनों कम्पनियों के अंशों का मूल्य नहीं दिया गया है तो शुद्ध सम्पत्ति विधि के आधार पर क्रय मूल्य की गणना की जाती है तथा समीकरण बनाकर क्रय मूल्य ज्ञात कर लिया जाए।

4.2.6 दो कम्पनियों का संविलयन क्यों होता है? (Why do Two Companies Merge?)

व्यवसाय जगत में विलय होना सामान्य ही बात है। कई कम्पनियाँ बहुत आगे तक जाती हैं और कई कम्पनियों को अस्तित्व कम समय अवधि में ही समाप्त हो जाता है। कुछ कम्पनियाँ जो हानि में चलती हैं या कम लाभ पर होती हैं, तथा अधिक लाभ अर्जित करना चाहती हैं, उन कम्पनियों का विलयन बड़ी कम्पनियों द्वारा कर लिया जाता है, इससे प्रतिस्पर्धा तो समाप्त होती है साथ ही बाजार में कम्पनी का एकाधिकार भी हो जाता है। अतः हम कह सकते हैं कि विलयन एक ऐसी स्वतंत्र प्रक्रिया है, जिसमें कम्पनी अपने आप को एक बड़ी या समान कम्पनी में विलय कर लेती है।

अपनी प्रगति जाँचिए (Check Your Progress)

1. जब दो कम्पनियाँ एक साथ मिलकर कार्य करती है तो विधि का प्रयोग किया जाता है।
   (क) हित एकत्रीकरण विधि
   (ख) क्रय विधि
   (ग) भुगतान विधि
   (घ) शुध्द सम्पत्ति विधि
2. शुध्द सम्पत्ति से तात्पयी है
   (क) कुल सम्पत्ति
   (ख) कुल सम्पत्ति पूँजी
   (ग) ली गई सम्पत्ति लिये गये दायित्व
   (घ) सम्पत्ति + दायित्व

4.3 आन्तरिक पुननिर्माण (Internal Reconstruction)

4.3.1 अंश पूँजी में परिवर्तन (Alteration of Share Capital)

यदि कम्पनी के अन्तर्नियम अनुमति प्रदान करें तो सामान्य सभा में साधारण प्रस्ताव पारित करके निम्न विधियों द्वारा अंश पूँजी में परिवर्तन किया जा सकता है–

(i) नये अंशों का निर्गमन करके पूँजी में वृद्धि करना।
(ii) कम अंकित मूल्यों के अंशों को अधिक अंकित मूल्य के अंशों में समेकित करना।
(iii) अधिक अंकित मूल्य या सम मूल्य के अंशों को कम सम मूल्य के अंशों में उप विभाजित करना।
(iv) अनिर्गमित अंशों को रद्द करना।
(v) अंशों को स्टॉक में परिवर्तित करना तथा स्टॉक को अंशों में पुनः परिवर्तित करना।

उपरोक्त किसी भी कारण से अंश पूँजी में परिवर्तन किया जा सकता है। इसका संक्षिप्त विवरण इस प्रकार है–

(i) कम्पनी की अंश पूँजी में वृद्धि (Increase in Share Capital of Company)– कम्पनी अधिनियम के अनुसार कम्पनी नये अंशों का निर्गमन करके अंश पूँजी में वृद्धि कर सकती है। नये अंशों का निर्गमन वर्तमान अंशधारियों को उनके अंशों के अनुपात में किया जाना चाहिए। लेकिन एक विशेष प्रस्ताव पास करके नये अंशों का निर्गमन वर्तमान अंशधारियों के अतिरिक्त अन्य धारियाँ को भी किया जा सकता है। अंश पूँजी में वृद्धि कम्पनी अपने अंशों की संख्या बढ़ा कर करती है।

(ii) अंशों को समेकित करना (Consolidation of Shares)– जैसा कि ऊपर देखा कि अंशों की संख्या बढ़ा कर या नये अंशों का निर्गमन करके अंश पूँजी में वृद्धि की जा सकती है, इसके अलावा मौजूद अंशों के सम मूल्य में परिवर्तन करके भी अंश पूँजी को बढ़ाया जा सकता है, जैसे X कम्पनी में 1,000 समता अंश 10 ₹ वाले हैं, कम्पनी अपनी अंश पूँजी में वृद्धि करना चाहती है, तो 10 ₹ अंशों का सम मूल्य परिवर्तित करके 100 ₹ कर सकती है। लेकिन ऐसी दशा में अंशों की संख्या में कमी हो जाती है। अंश समेकित करने से सम्बन्धित निम्न पंजी प्रविष्टि की जाती है–

Share Capital A/c	Dr.	(₹ 10)	
To Share Capital A/c			(₹ 100)

(iii) अंशों के उप-विभाजन द्वारा (Sub-division of Shares)– अंशों के उप-विभाजन द्वारा भी अंश पूँजी में परिवर्तन किया जा सकता है अर्थात् अधिक अंकित मूल्य को कम अंकित मूल्य में विभाजित कर दिया जाता है। यदि अंश पूर्णदत्त नहीं है तो विभाजित अंशों में अंकित मूल्य और चुकता मूल्य का अनुपात समान होना चाहिए। इस सम्बन्ध में निम्न पंजी प्रविष्टि की जाएगी।

Share Capital A/c   Dr.

    To Share Capital A/c

(iv) अनिर्गमित अंशों को रद्द करके (Cancellation of Unissued Shares)– ऐसे अंश जिसे प्रारम्भ में कम्पनी निर्गमन करना चाहती थी लेकिन वह किसी व्यक्ति द्वारा नहीं लिये गये हैं, और न उन्हें किसी व्यक्ति द्वारा लेने का समझौता ही हुआ है, ऐसे अंशों को कम्पनी रद्द कर सकती है इसके फलस्वरूप कम्पनी की अधिकृत पूँजी कम हो जाएगी। इस सम्बन्ध में किसी पूँजी प्रविष्टि की आवश्यकता नहीं होती है।

(v) अंशों का स्टॉक में परिवर्तन (Conversion of Shares into Stock)– कम्पनी अपने पूर्णदत्त अंशों को स्टॉक में परिवर्तित कर सकती है। परिवर्तन की सूचना रजिस्ट्रार के पास 30 दिन के अन्दर भेजना आवश्यक होता है। अंशों को स्टॉक में परिवर्तन करने का प्रभाव अंशधारी पर पड़ेगा, ऐसी दशा में अंशधारी किसी मूल्य की अंशपूँजी का क्रय-विक्रय कर सकते हैं। इस सम्बन्ध में निम्न पूँजी प्रविष्टि की जाएगी–

Share Capital A/c   Dr.

    To Share Stock A/c

4.3.2 अंश पूँजी में कमी (Reduction of Share Capital)

कम्पनी अधिनियम 1956 की धारा 100 से 105 में पूँजी में कमी के सम्बन्ध में उल्लेख किया गया है। यदि कम्पनी के अन्तर्नियम में पूँजी की कमी करने की अनुमति है, तो एक विशेष प्रस्ताव पारित करके ऐसा किया जा सकता है। पूँजी में कमी के निम्न तरीके हो सकते हैं–

(a) ऐसे अंशों की अदत्त राशि को समाप्त करना जिनका पूर्ण भुगतान नहीं हुआ है।

(b) चुकता पूँजी के उस भाग को अपलिखित या रद्द करना, जो हानियों के कारण समाप्त हो चुकी है।

(c) चुकता पूँजी का वह भाग जो कम्पनी की आवश्यकताओं से अधिक है, अंशधारियों को वापस करना।

(d) न्यायालय द्वारा स्वीकृत अन्य किसी विधि द्वारा पूँजी की कमी का सीधा असर लेनदारों पर पड़ता है, जैसे नयी पूँजी का निर्गमन लेनदारों के लिये प्रतिभूति का कार्य करती है, उसके विपरीत पूँजी में कमी, लेनदारों की प्रतिभूति को कम करती है। अर्थात ऐसी स्थिति में कम्पनी के लेनदारों को आपत्ति हो सकती है। न्यायालय ऐसी स्थिति में लेनदारों की सूची जारी कर सकती है, यदि किसी लेनदार को इस सम्बन्ध में कोई आपत्ति है तो उस आपत्ति के निराकरण के बाद ही न्यायालय पूँजी में कमी की अनुमति प्रदान करती है।

निम्नलिखित प्रावधानों को पूँजी में कमी के अन्तर्गत सम्मिलित नहीं किया जाएगा–

(1) जब अंशधारियों द्वारा अंश की राशि का भुगतान नहीं किया जाता और कम्पनी इसका हरण कर लेती है।

(2) कम्पनी अधिनियम की धारा 80 के अनुसार शोध्य पूर्वाधिकार अंशों का भुगतान करने पर।

(3) जब अंशधारी द्वारा अंशों का समर्पण कम्पनी को कर दिया जाए।

(4) जब कम्पनी द्वारा निगर्मित किये अंशों को स्वयं द्वारा रद्द किया जाता है। (किसी असामान्य परिस्थिति में)

4.3.3 पूँजी की कमी का कम्पनी की पुस्तकों में लेखांकन (Accounting of Reduction of Share Capital in Company Books)

उपरोक्त जिन स्थितियों में कम्पनी द्वारा पूँजी में कमी की जाती है, उनका वर्णन निम्न प्रकार है–

स्थिति प्रथम–

ऐसे अंशों की अदत्त राशि को समाप्त करना जिनका पूर्ण भुगतान नहीं हुआ है– जब अंश पूँजी में कमी ऐसे अंशों द्वारा की जाती है जिन अंशों का पूर्ण भुगतान नहीं हुआ है, अर्थात् सम मूल्य का कुछ भाग भुगतान हो गया है और कुछ भाग अभी भी अदत्त है, ऐसी स्थिति में अदत्त राशि को समाप्त कर दिया जाता है, और प्राप्त राशि को ही अंशों का पूर्ण मूल्य मान लिया जाता है। इससे दूसरी तरफ लेनदारों की प्रतिभूति भी

टिप्पणी

कम होती है अंशधारियों को अब भविष्य में कोई राशि भुगतान नहीं करनी पड़ेगी। इस स्थिति में अंशों का सम मूल्य कम हो जाता है एवं निम्न प्रविष्टि की जाती है–

Share Capital A/c (Partly Paid-up) Dr.

To Share Capital A/c (Fully Paid-up)

स्थिति द्वितीय–

चुकता पूँजी के उस भाग को अपलिखित या रद्द करना, जो हानियों के द्वारा समाप्त हो चुका है–

कम्पनी की स्थिति विवरण का सम्पत्ति पक्ष जो सम्पत्तियों की सही एवं उचित स्थिति तो प्रकट करता ही है, साथ ही ऐसी हानियाँ को भी प्रदर्शित करता है, जिसे कम्पनी उसी वर्ष या कई वर्षों से सहन करती आ रही है, जैसे अविभाजित हानि, प्रारम्भिक व्यय, अस्थगित आगम व्यय, अंशों एवं ऋण-पत्रों को छूट पर निर्गमन करने पर छूट की राशि, अभिगोपन कमीशन एवं अदृश्य सम्पत्ति, ऐसी समस्त सम्पत्तियाँ चिट्ठे में प्रदर्शित होती है जिससे कम्पनी का स्थिति विवरण सम्पत्ति पक्ष का उचित विवरण प्रस्तुत नहीं करता एवं ऐसी सम्पत्तियों से कम्पनी की चुकता पूँजी नष्ट होती जाती है, लेकिन फिर भी चिट्ठे में दायित्व पक्ष में पूँजी दिखाई देती है, अतः ऐसी स्थिति से निपटने के लिए चुकता पूँजी का वह भाग जो उपरोक्त दर्शायी हानियों के कारण समाप्त हो चुका है पुस्तकों से हटा दिया जाता है। इस प्रक्रिया का लागू करने के लिये कम्पनी अपनी पुस्तकों में एक नया खाता खोलती है, जिससे पूँजी कमी खाता (Capital Reduction account), पूँजी पुर्नसंगठन खाता (Capital reorganisation account) या पूँजी पुनर्निर्माण खाता (Capital Reconstruction account) कहते हैं।

उपरोक्त स्थिति में निम्न पंजी प्रविष्टियाँ की जा सकती हैं–

(a) चुकता पूँजी को अपलिखित करने पर (सम मूल्य कम करके)

Share capital A/c (paid-up) Dr.

To Share capital A/c (New Value)

To Capital Reduction A/c (amount of reduction)

(b) कम्पनी लेनदार एवं ऋण-पत्रधारी अपनी राशि का त्याग करने पर

Debentures A/c Dr.

Creditor A/c Dr.

To Capital reduction A/c

कभी-कभी पुराने ऋण-पत्रों के स्थान पर नये ऋण-पत्र निगर्मित किये जाते हैं।

Old debentures A/c Dr.

To New debentures A/c

To Capital Reduction A/c

(c) जब पुनर्निर्माण की राशि का प्रयोग, हानियाँ काल्पनिक सम्पत्तियों के अपलेखन एवं सम्पत्तियों को उनके वास्तविक मूल्य पर दिखाने हेतु किया जाता है, तो निम्न पंजी प्रविष्टि की जाती है।

Capital Reduction A/c Dr.

To Profit & Loss A/c

To Discount on issue of shares A/c

To Discount on issue of debentures A/c

To Preliminary Exp A/c

To Patents A/c

To Goodwill A/c

To Trade Mark A/c

To Other Assets A/c

(d) जब किसी सम्पत्ति का मूल्य बढ़ता है–

Assets A/c Dr. (Amount of appriciation)

To Capital Reduction A/c

(e) ऐसे संदिग्ध दायित्व की राशि जिसे भुगतान किया जाता है–

Capital Reduction A/c Dr.

To Contingent Liability A/c

(f) पुनर्निर्माण खाता या पूँजी कमी खाते की शेष (Capital Reconstruction or Capital Reduction) राशि को पूँजी संचय खाते में हस्तांतरित किया जाएगा–

Capital Reduction A/c Dr.

To Capital Reserve A/c

(g) यदि अपलिखित किये गये सम्पत्तियों की राशि पूँजी पुनर्निर्माण की राशि से अधिक है तो अन्तर की राशि से संचय खाते को नामे करेंगे–

Reserve A/c Dr.

To Capital Reduction A/c

4.3.4 पूँजी पुनर्निर्माण की राशि का प्रयोग (Use of Capital Reconstruction Amount)

कभी-कभी ऐसी स्थिति उत्पन्न होती है कि पूँजी कमी की राशि के प्रयोग के बारे में स्पष्ट निर्देश नहीं होते हैं, ऐसी दशा में पूँजी कमी की राशि का प्रयोग निम्नलिखित सम्पत्तियों के अपलेखन हेतु प्रयोग किया जाता है–

1. लाभ हानि के डेबिट शेष को अपलिखित करने हेतु।
2. ऐसी सम्पत्तियों के अपलेखन हेतु जिनका पुस्तकीय मूल्य वास्तविक मूल्य से अधिक होता है।
3. काल्पनिक (Fictious) सम्पत्तियों के अपलेखन हेतु।

उपरोक्त के आधार पर हम यह निर्णय निकाल सकते हैं कि पूँजी कमी खाते का प्रयोग ऐसी सम्पत्तियों के लिये किया जाता है जो वास्तव में नहीं है, यहाँ हम एक उदाहरण लेकर समझना चाहेंगे कि किस प्रकार की स्थिति होती है जब व्यवसायी को अपनी कम्पनी के पुनर्निर्माण के सम्बन्ध में निर्णय लेना होता है–

टिप्पणी

उदाहरण– 16

एक कम्पनी XY है, जिसका चिट्ठा निम्नानुसार है–

Liabilities	Amt. (₹)	Assets	Amt. (₹)
अंश पूँजी	6,00,000	विविध सम्पत्तियाँ	5,00,000
चालू दायित्व	4,50,000	लाभ हानि खाता	5,50,000
	10,50,000		10,50,000

उपरोक्त चिट्ठे को XY कम्पनी ने इस प्रकार दिखाया।

कुल सम्पत्ति		5,00,000
घटाया –	चालू दायित्त्व	4,50,000
	शुद्ध सम्पत्ति	50,000
	साधारण अंश प्रत्येक 1 ₹ का	6,00,000
	लाभ-हानि खाता (डेबिट शेष)	5,50,000
	अंशधारी कोष	50,000

उपरोक्त दर्शायी गयी स्थिति से यह ज्ञात होता है कि सम्पत्ति जो 5,00,000 की थी केवल 50,000 ₹ रह गयी है इसी तरह अंशधारी की पूँजी 6,00,000 ₹ से घटकर 50,000 ₹ रह गयी है।

अब XY कम्पनी को निम्न में से क्या करना चाहिए?

(a) व्यवसाय को चालू रखे एवं हानियों को स्वीकार करें।

(b) व्यवसाय को बन्द कर दें।

(c) व्यवसाय का पुनर्निर्माण करें।

हल क्रमांक 16

यदि XY कम्पनी अपने व्यवसाय को चालू रखना चाहती है और साथ ही आन्तरिक पुनर्निर्माण करना चाहती है, तो उसे निम्न बातों को ध्यान में रखना होगा–

(a) दुबारा लाभदायकता प्राप्त करने की क्षमता

(b) न दिखाई गई सम्पत्तियों का समायोजन

(c) चुकता अंश पूँजी से हानियों को अपलिखित करना।

(d) नयी योजना क्रियान्वित करने के लिये कोष एकत्रीकरण हेतु अतिरिक्त अंशों का निर्गमन।

उपरोक्त व्यवस्था के आधार पर कम्पनी अपनी कम्पनी का पुनर्निर्माण कर सकती है।

पूँजी कमी से सम्बन्धित लेखांकन

लेखांकन प्रक्रिया जहाँ पूँजी कमी से सम्बन्धित सम्पत्तियों को कहाँ कम करना है की जानकारी न होना–

(1) अंश पूँजी खाते से अपलेखन

Share Capital A/c Dr.
 To Capital Reduction A/c

(2) संचय खाते का प्रयोग पूँजी कमी योजना में

Reserve A/c Dr.
 To Capital Reduction A/c

(3) लाभ-हानि खाते के डेबिट शेष का अपलेखन

Capital Reduction A/c Dr.
 To Profit & Loss A/c

(4) सम्पत्तियों के पूनर्मूल्यांकन पर अपलेखन

Capital Reduction A/c Dr.
 To Various Relevant Assets A/c

(5) सम्पत्तियों के पुनर्मूल्यांकन में सम्पत्ति के मूल्य में वृध्दि होने पर

Various Relevant Assets A/c Dr.
 To Capital Reduction A/c

(6) दायित्वों को भुगतान करने हेतु अंशों का निर्गमन

Various Relevant Liabilities A/c Dr.
 To Share Capital A/c

(7) पूर्वाधिकार अंशों के लाभांश के स्थान पर नये अंशों का निर्गमन

Capital Reduction A/c Dr.
 To Share Capital A/c

(8) पूँजी कमी खाते में अन्तर की राशि के लिये

Capital Reduction A/c Dr.
 To Capital Reserve A/c

उदाहरण– 17

रवि लिमिटेड में पुनर्निर्माण की योजना को क्रियान्वित करने हेतु निम्न परिवर्तन किये–

(1) 5,000 10% प्रथम ऋण-पत्रों को भुगतान (प्रत्येक 10 ₹ का) करने हेतु 12% द्वितीय ऋण-पत्रों का निर्गमन

(2) 50,000 समता अंश प्रत्येक 10 ₹ का भुगतान निम्नानुसार किया जाएगा।

 (a) 2/5 भाग के लिये पूर्णदत्त समता अंशों का निर्गमन

 (b) नये निर्गमित समता अंशों के 1/5 भाग के बराबर 12% पूर्वाधिकार अंशों का निर्गमन

 (c) 60,000 ₹ के 15% ऋण-पत्र

टिप्पणी

(3) कम्पनी की पुस्तकों में ख्याति की राशि 3,00,000 ₹ है, जिसे 1,50,000 ₹ तक लाना है।

(4) प्लांट एवं मशीनरी जिसका पुस्तकीय मूल्य 1,00,000 ₹ है, 75,000 ₹ तक मूल्यांकन किया जाना है।

(5) फ्रीहोल्ड भवन की राशि पुस्तकों में 1,75,000 ₹ दिखाई गई है, जिसमें से 25,000 ₹ अपलिखित किये जाने हैं।

पुनर्निर्माण की योजना को लागू करने के लिए उपरोक्त से सम्बन्धित पंजी प्रविष्टियाँ कीजिए।

हल क्रमांक 17

रवि लिमिटेड की पुस्तकों में पंजी प्रविष्टियाँ

Date	Particulars	C.F.	Amt. Dr.	Amt. Cr.
	10% Debentures A/c Dr.		50,000	
	To 12% Debentures A/c			50,000
	(Being allotment of New 12% Debenture in place of 10% deb.)			
	Equity Share Capital A/c Dr.		5,00,000	
	To Equity Share Capital			2,00,000
	To 12% Preference A/c			40,000
	To 15% debenture A/c			60,000
	To Capital Reduction A/c			2,00,000
	(Being allotment of new share, debenture & Pref Share & balance being transferred to capital Reduction A/c)			
	Capital Reduction A/c Dr.		2,00,000	
	To Goodwill A/c			1,50,000
	To Plant & Machinery A/c			25,000
	To Freehold Building			25,000
	(Being values of various assets written down as per scheme of Reconstruction)			

उदाहरण– 18

राधारमण लिमिटेड की अंश-पूँजी 2,00,000 ₹ से कम करनी है, इसके लिये विशेष प्रस्ताव पारित कर दिये गए हैं, आपको निम्न जानकारियों के आधार पर पंजी प्रविष्टियाँ करनी हैं–

(a) लाभ-हानि खाते के डेबिट शेष को 1,00,000 ₹ से अपलिखित करना है।

(b) प्लांट एवं मशीनरी का मूल्य 45,000 ₹ से एवं ख्याति का मूल्य 20,000 ₹ से कम करना है।

(c) विनियोगों को 20,000 ₹ से अपलिखित किया जाना है।

(d) 20 ₹ वाले 5% पूर्वाधिकार अंशों को 15 ₹ वाले 6% पूर्वाधिकार अंशों में परिवर्तित करना है। पूर्वाधिकार अंश पूँजी 500,000 ₹ है।

(e) 20 ₹ वाले 25,000 समता अंशों को 10 ₹ वाले 25,000 समता अंशों में परिवर्तित किया जाना है।

(f) शेष राशि को पूँजी संचय खाते में हस्तांतरित किया जाना है।

टिप्पणी

हल क्रमांक 18

राधारमण की पुस्तकों में पंजी प्रविष्टयाँ

Date	Particulars	C.F.	Amt. Dr.	Amt. Cr.
	Capital Reduction A/c Dr.		1,00,000	
	To P/L A/c			1,00,000
	Capital Reduction A/c Dr.		65,000	
	To Plant & Machinery A/c			45,000
	To Goodwill A/c			20,000
	Capital Reduction A/c Dr.		20,000	
	To Investment A/c			20,000
	5% Pref. Share Capital A/c Dr.		5,00,000	
	To 6% Pref Share Capital A/c			3,75,000
	To Capital Reduction A/c			1,25,000
	Equity Share Capital A/c Dr.		3,75,000	
	To Equity Share Capital A/c			2,50,000
	To Capital Reduction A/c			1,25,000
	Capital Reduction A/c Dr.		65,000	
	To Capital Reserve A/c			65,000

उदाहरण– 19

31 मार्च 2018 निम्न स्थिति विवरण ध्रुव कं. लिमिटेड का है।

Balance Sheet

Liabilities	Amt. (₹)	Assets	Amt. (₹)
Authorised Capital		Patent	8,50,000
10,000 Equity Shares		Leasehold Building	1,30,800
of ₹ 100 each	10,00,000	Plant & Machinery	42,200
		Sundry Debtors	76,500
10,000, 5% Preference		Stock	55,000
Shares of ₹ 100 each	10,00,000	Discount on issue	
		of shares	18000
	20,00,000		

		Preliminary Exp.	12,000
Issued & Subscribed Capital		P/L A/c.	1,15,000
5,000 Equity Shares of ₹ 100 each, fully paid-up	5,00,000	Cash	500
7,500 5% Preference Share of ₹ 100 each Fully paid-up	7,50,000		
Sundry Creditors	30,000		
Bank Overdraft	20,000		
	13,00,000		13,00,000

कम्पनी पुनर्निर्माण करना चाहती है, जिसके लिये निम्न जानकारियाँ प्रदान की गयी हैं–

(1) 100 ₹ वाले 5% पूर्वाधिकार अंशों का सम मूल्य 50 ₹ पूर्णदत्त पूर्वाधिकार में परिवर्तित किया जाये।

(2) 100 ₹ वाले समता अंशों को समान संख्या में 25 ₹ पूर्णदत्त समता अंशों में परिवर्तित करना

(3) पुनर्निर्माण खाते की राशि का प्रयोग निम्न सम्पत्तियों को अपलिखित करने के लिये किया जाएगा।

(a) लाभ-हानि खाता

(b) प्रारिम्भक व्यय

(c) अंशों के निर्गमन पर छूट

(d) फ्रीहोल्ड भवन के 30,800 ₹ अपलिखित करने के लिए

(e) रहतियों को 15,000 ₹ से

(f) प्लांट की 20% राशि

(g) देनदारों की 20% की राशि

(h) शेष राशि का प्रयोग पेटेन्ट के लिए

उपरोक्त के लिए पंजी प्रविष्टियाँ कीजिए एवं पुनर्निर्माण के बाद का चिट्ठा बनाइये।

हल क्रमांक 19

ध्रुव कम्पनी लिमिटेड की पुस्तकों में पंजी प्रविष्टियाँ

Date	Particulars	C.F.	Amt. Dr.	Amt. Cr.
	5% Preference Share			
	Capital A/c Dr.		7,50,000	
	To 5% Pref. Share			
	Capital A/c			3,75,000
	To Capital Reduction A/c			3,75,000
	(Being reduction in capital by converting ₹ 50 each fully paid-up shares)			
	Equity Share Capital A/c Dr.		5,00,000	
	To Equity share Capital A/c			1,25,000
	To Capital Reduction A/c			3,75,000
	(Being reduction in capital by conversing ₹ 25 each fully paid-up Shares)			
	Capital Reduction A/c Dr.		7,50,000	
	To P&L A/c			1,15,000
	To Preliminary Exp. A/c			12000
	To Dis. on issue of shares A/c			18000
	To Leasehold Building A/c			30,800
	To Stock A/c			15,000
	To Plant & Machinery A/c			8,440
	To Provision for Bad debts A/c			15,300
	To Patent A/c			5,35,460
	(Being utilisation of the amount of capital reduction in writting off the fictitious assets & acumulated losses)			

टिप्पणी

ध्रुव कम्पनी लिमिटेड की पुस्तकों में पुर्ननिर्माण के बाद का चिट्ठा

Balance Sheet

(as on 31st March, 2018)

Liabilities	Amt. (₹)	Assets	Amt. (₹)
Share Capital		Fixed Assets	
Authorised		Leasehold Building	1,00,000
10,000, 5% Pref. Shares			
of ₹ 50 each	5,00,000	Plant & Machinery	33,760
10,000, Equity Shares		Patents	3,14,540
@ ₹ 25 each	2,50,000		
	7,50,000	Current Assets, Loans	
Issued & Subscribed		& Advances	
Capital		Stock	40,000
7,500, Pref. Shares	3,75,000	Cash	500
@ ₹ 50 each		Sundry Debtor	61,200
fully paid			
5,000, equity Share @	1,25,000		
₹ 25 each fully paid-up			
Unsecured Loans–			
Bank overdraft	20,000		
Current liabilities			
Sundry Creditors	30,000		
	5,50,000		5,50,000

उदाहरण– 20

31 मार्च, 2018 को यश लिमिटेड का चिट्ठा इस प्रकार है–

Liabilities	Amt. (₹)	Assets	Amt. (₹)
Share Capital			
18,000, 10% Pref.		Goodwill	1,35,000
Shares @ ₹ 100 each	18,00,000		
36,000, Equity Shares		Freehold Premises	18,00,000
@ ₹ 100 each	36,00,000	Plant & Machinery	27,00,000
12% Mortgage			
Debentures	9,00,000	Stock in Trade	4,50,000
Bank Overdraft	4,50,000	Debtors	3,60,000
Creditors	9,00,000	Profit & Loss A/c	22,05,000
	76,50,000		76,50,000

कम्पनी ने पुनर्निर्माण की निम्नलिखित योजना को कानून द्वारा पारित करवाया–

(1) 10% पूर्वाधिकार अंशों को घटकार 75 ₹ तक एवं समता अंशों के मूल्य को घटाकर 37-50 ₹ तक कर दिया जाए।
(2) 12% ऋण-पत्रधारी अपनी देय राशि के बदले रहतिया एवं देनदारों की राशि पूर्ण देय के रूप में लेने को सहमत हो गए।
(3) ख्याति खाता पुस्तकों में नहीं दिखाया जाएगा।
(4) फ्रीहोल्ड भवन पर 50% ह्रास की व्यवस्था की जाए।
(5) प्लांट एवं मशीनरी को 4,50,000 ₹ से बढ़ाया जाए।

पंजी प्रविष्टियाँ कीजिए एवं पुनः चिट्ठा बनाइये।

हल क्रमांक 20

यश लि. पुस्तकों में पंजी प्रविष्टियाँ

Date	Particulars	C.F.	Amt. Dr.	Amt. Cr.
	10% Pref. Share Capital A/c Dr. Equity Share Capital A/c Dr. To Capital Reconstruction A/c (Being reduction in capital by reduing preference share Capital)		4,50,000 22,50,000	 27,00,000
	12% Mortgage Deb A/c Dr. To Stock A/c To Debtors A/c To Capital Reconstruction A/c (Being reduction in Mortgage debenture by transfering the Stock and debtors)		9,00,000	 4,50,000 3,60,000 90,000
	Plant & Machinery A/c Dr. To Capital Reconstruction A/c (Being utilisation of the amount of Capital reductions)		4,50,000	 4,50,000
	Capital Reconstruction A/c Dr. To Goodwill A/c To Freehold Premises A/c To Profit & Loss A/c (Being utilisation of the balance of capital reduction account in writting off the Fictitious assets)		32,40,000	 1,35,000 9,00,000 22,05,000

टिप्पणी

Balance Sheet

(as on 31st March, 2018)

Liabilities	Amt. (₹)	Assets		Amt. (₹)
Share Capital		Fixed Assets		
Authorised, Issued &				
paid-up Capital		Goodwill		NIL
18,000 preference		Freehold Premises		
Shares of ₹ 75 each	13,50,000		18,00,000	
36,000 equity shares		***Less:*** Dep.	9,00,000	9,00,000
@ ₹ 37.50 each fully	13,50,000	Plant & Machinery		
paid-up			27,00,000	
Secured Loans		***Add***: App.	4,50,000	31,50,000
Bank Overdraft	4,50,000			
Current Liability				
Creditors	9,00,000			
	40,50,000			40,50,000

उदाहरण– 21

एक कम्पनी के पुनर्निर्माण के सम्बन्ध में निम्न जानकारियाँ उपलब्ध हैं, आपको पंजी प्रविष्टियाँ करनी हैं एवं पुनर्निर्माण खाता बनाना है–

(1) 10%, 5000 पूर्वाधिकार अंशों को (प्रत्येक 10 ₹ का) 5 ₹ पूर्णदत्त अंशों में परिवर्तित करना है।

(2) 5,000, 10 ₹ वाले समता अंशों को 7-50 ₹ पूर्णदत्त समता अंशों में परिवर्तित करना है।

(3) भवन की राशि 50,000 ₹ है, जिसे 12,500 ₹ से बढ़ाना है।

(4) पुनर्निर्माण की राशि का प्रयोग निम्न सम्पत्तियों के अपलेखन हेतु किया जाना है–

(a) लाभ-हानि खाता (डेबिट शेष) 7,500 ₹

(b) ख्याति की राशि 12,500 ₹

(c) अंशों के निर्गमन पर छूट 5,000 ₹

(d) प्रारम्भिक व्यय 2,500 ₹

(e) फर्नीचर को 10,000 ₹ से कम करना

हल क्रमांक 21

टिप्पणी

Journal Entries

Date	Particulars	C.F.	Amt. Dr.	Amt. Cr.
	Preference Share Capital (old) A/c Dr.		50,000	
	To Pref. Share Capital (New) A/c			25,000
	To Capital Recostructions A/c			25,000
	(Being commented new Preference Shares into ₹ 5 per share)			
	Equity Share Capital A/c Dr.		50,000	
	To Equity Share Capital A/c			37,500
	To Capital Reconstruction A/c			12,500
	(Being Equity Shares are Converted into 7.50 per Equity Shares)			
	Building A/c Dr.		12,500	
	To Capital Reconstruction A/c			12,500
	(Being amount of building increased by ₹ 12,500)			
	Capital Reconstruction A/c Dr.		37,500	
	To Profit & Loss A/c			7,500
	To Goodwill A/c			12,500
	To Discount on issue of Shares A/c			5,000
	To Preliminary Exp.			2,500
	To Furniture A/c			10,000
	(Being utilisation of Reduction amount to the various Assets)			
	Capital Reconstruction A/c Dr.		12,500	
	To General Reserve A/c			12,500
	(Being balance transferred to general Reserve A/c)			

टिप्पणी

Capital Reconstruction A/c

Particular	Amt. (₹)	Particular	Amt. (₹)
To Profit & Loss A/c	7,500	By Pref. Share	
		Capital A/c	25,000
To Goodwill	12,500	By Equity Share	12,500
To Discount on issue			
of shares A/c	5,000	Capital A/c	
To Preliminary Exp.	2,500	By Building A/c	12,500
To Furniture A/c	10,000		
To General Reserve	12,500		
	50,000		50,000

उदाहरण– 22

निम्नलिखित स्थिति विवरण डी.के. कम्पनी लिमिटेड का है।

Liabilities	Amt. (₹)	Assets		Amt. (₹)
Share Capital		Goodwill		68,000
6,000 7% Cumulative		Freehold Assets		
Preference Shares of			4,40,000	
₹ 100 each per shares	6,00,000	-dep	80,000	3,60,000
8,000 Equity Shares		Machinery	8,80,000	
@ ₹ 100 each	8,00,000	-dep	1,60,000	7,20,000
Share Premium	2,00,000	Patents		88,000
Interest on debentures		Stock		60,000
Accured	12,000	Debtors		1,24,800
		Preliminary Expenses		1,29,200
Creditors	80,000	P&L A/c		3,42,000
8% debentures	2,00,000			
	18,92,000			18,92,000

कम्पनी पुनर्निर्माण योजना हेतु निम्न प्रस्ताव न्यायालय द्वारा पारित किया गया है–

(a) समता अंशों के मूल्य को 90 ₹ से कम किया जाए।

(b) पूर्वाधिकार अंशों के मूल्य को 90 ₹ तक कम किया जाए।

(c) ऋण-ापत्रधारियों को उनके ऋण-पत्र का अदत्त ब्याज का भुगतान करना है।

(d) 100 ₹ वाले 7% पूर्वाधिकार अंशों के लाभांश भुगतान हेतु एक समता अंश प्रत्येक 5 ₹ का निगर्मित किया जाएगा।

(e) अंश प्रीमियम और कृत्रिम सम्पत्ति अपलिखित करना है।

(f) दोनों प्रकार की स्थायी सम्पत्तियों को, शेष राशि से आनुपातिक अपलिखित करना है।

आपको पंजी प्रविष्टियाँ करनी हैं, पुनर्निर्माण खाता एवं पुनर्निर्माण के बाद का चिट्ठा बनाना है।

हल क्रमांक 22

Journal Entries in the Books of D.K. Co.

Date	Particulars	C.F.	Amt. Dr.	Amt. Cr.
	Equity Share Capital A/c Dr.		8,00,000	
	To Equity Share Capital A/c			80,000
	To Reconstruction A/c			7,20,000
	(Being Reduction in capital by converting 8,000 equity shares)			
	7% Pref. shares A/c Dr.		6,00,000	
	To 7% Preference share			5,40,000
	To Reconstruction A/c			60,000
	(Being Reduction of Pref. Share Cap)			
	Interest on Debentures A/c Dr.		12,000	
	To Reconstruction A/c			12000
	(Being accrued Interest on debentures utilised in capital Reduction)			
	Reconstruction A/c Dr.		42,000	
	To Dividend on Pref. Share A/c			42,000
	(Being dividend on Pref Shares given in Reconstruction A/c)			
	Dividend on Pref. Share A/c Dr.		42,000	
	To Equity share Capital A/c			42,000
	(Being payment of pref. shares dividend by issue of Equity shares)			
	Share Premium A/c Dr.		2,00,000	
	To Reconstruction A/c			2,00,000
	(Being written off share premium A/c)			
	Reconstruction A/c Dr.		9,50,000	
	To Goodwill A/c			68,000
	To Patents A/c			88,000
	To Preliminary Exp. A/c			1,29,200
	To Profit & Loss A/c			3,42,000

टिप्पणी

	To Freehold Assets A/c To Machinery A/c (Being utilisation of amount of Reconstruction)			1,07,600 2,15,200

Capital Reconstruction Account

Particular	Amt. (₹)	Particular	Amt. (₹)
To Preference Share dividend A/c	42,000	By Equity Share Capital A/c	7,20,000
To Goodwill	68,000	By Pref. Share Capital A/c	60,000
To Patent	88,000	By Int. on debenture	12,000
To Preliminary Exp.	1,29,200	By Share premium	2,00,000
To P&L A/c	3,42,000		
To Freehold Assets	1,07,600		
To Machinery	2,15,200		
	9,92,000		9,92,000

Balance Sheet
(as on 31st March, 2018)

Liabilities	Amt. (₹)	Assets		Amt. (₹)
Share Capital		Fixed Assets		
6,000, 7% Pref.		Freehold Assets		
Share @ ₹ 90 each	5,40,000		3,60,000	
8,000 Equity Share		- dep.	1,07,600	2,52,400
@ ₹ 10 each	80,000	Machinery	7,20,000	
8,400 Equity Shares		*Less:* dep.	2,15,200	5,04,800
@ ₹ 5 each	42,000			
Secured Loans		Current Assets		
8% debentures	2,00,000	Stock		60,000
Current Liabilities		Debtors		1,24,800
Creditors	80,000			
	9,42,000			9,42,000

टिप्पणी

उदाहरण– 23

31 मार्च, 2018 को शशि कम्पनी लिमिटेड का चिट्ठा निम्न स्थिति प्रदर्शित करता है।

Liabilities	Amt. (₹)	Assets	Amt. (₹)
Equity Share Capital		Fixed Assets	6,50,000
50,000 Shares		Patents & Copyrights	50,000
@ ₹ 20 each	10,00,000	Investment at Cost	70,000
8% 4,000		Current Assets	7,49,000
Preference Shares		Profit & Loss A/c	4,31,000
@ ₹ 100 each.	4,00,000		
Secured Loans			
8% Debentures	3,00,000		
Bank Overdraft	1,50,000		
Sundry Creditors	1,00,000		
	19,50,000		19,50,000

कम्पनी पुनर्निर्माण योजना हेतु निम्न प्रस्ताव न्यायालय द्वारा पारित किया गया–

(a) समता अंश को प्रत्येक अंश 10 ₹ से कम किया जाए।

(b) पूर्वाधिकार अंश को 50 ₹ से कम किया जाए।

(c) 8% ऋण-पत्रों को नये 9% ऋण-पत्रों में परिवर्तित किया जाएगा।

(d) 1,89,000 ₹ से स्थायी सम्पत्तियों एवं 30,000 ₹ विनियोगों को अपलिखित करना है।

(e) पेटेण्ट व कापीराइट एवं लाभ-हानि खाते को पूर्णतः खातों से हटाना है।

उपरोक्त हेतु पंजी प्रविष्टियाँ कीजिए एवं पुनर्निर्माण के बाद का चिट्ठा बनाइये।

टिप्पणी

हल क्रमांक 23

Journal Entries

Date	Particulars	C.F.	Amt. Dr.	Amt. Cr.
	Share Capital A/c Dr.		10,00,000	
	To Capital Reduction			5,00,000
	To Share Capital A/c			5,00,000
	(Being amount reduced of Equity Capital)			
	Pref. Share Capital A/c Dr.		4,00,000	
	To Pref. Share Capital			2,00,000
	To Capital Reduction A/c			2,00,000
	(Being Pref. Share Capital Reduced)			
	8% debenture A/c Dr.		3,00,000	
	To 9% debenture A/c			3,00,000
	(Being 8% debenture are Converted into 9% debentures)			
	Capital Reduction A/c Dr.		7,00,000	
	To Fixed Assets A/c			1,89,000
	To Investment A/c			30,000
	To Patents & Copyright A/c			50,000
	To Profit & Loss A/c			4,31,000
	(Being utilization of Amount of Capital Reduction in the assets)			

Balance Sheet

Liabilities	Amt. (₹)	Assets		Amt. (₹)
Share Capital				
50,000 Equity Share		Fixed Assets	6,50,000	
@ ₹ 10 each	5,00,000	***Less***: Dep.	1,89,000	4,61,000
8%, 4,000, Pref. Share				
@ ₹ 50 each	2,00,000	Patents & Copyright		Nil
Secured Loan		Investment	70,000	
9% debenture	3,00,000	***Less***:	30,000	40,000
Bank Overdraft	1,50,000			
		Current Assets		7,49,000
Current Liabilities				
Sundry Creditors.	1,00,000			
	12,50,000			12,50,000

उदाहरण– 24

निम्न स्थिति विवरण संचार एण्ड कम्पनी का है।

Balance Sheet

Liabilities	Amt. (₹)	Assets	Amt. (₹)
Share Capital		Building	4,00,000
40,000 Equity Shares		Machinery	2,60,000
@ ₹ 10 each fully		Patents	80,000
paid-up	4,00,000	Stock in trade	1,60,000
		Debtors	1,10,000
10% Pref. Shares @ ₹ 100 fully paid-up	1,00,000	Discount on Issue of debtors	20,000
		Profit & Loss A/c	3,70,000
12% Debentures	2,00,000		
Trade Creditors.	6,60,000		
Outstanding Exp.	40,000		
	14,00,000		14,00,000

निम्न जानकारियाँ उपलब्ध हैं–

(a) समता अंशपूँजी को 9 ₹ से कम करना है।

(b) 10% पूर्वाधिकार अंशपूंजी को 40 ₹ से कम करना है।

(c) 12% ऋण-पत्रों को 14% ऋण-पत्रों में परिवर्तित करना है।

(d) लेनदार अपने दावे का 1/3 कम करेंगे।

(e) मशीनरी को 1,40,000 ₹ तक लाना है।

(f) स्टॉक को 20,000 ₹ से कम किया जाना है।

(g) अप्राप्त ऋणों के लिये 30,000 ₹ का प्रावधान करना है।

(h) सभी कृत्रिम सम्पत्तियों को अपलिखित किया जाना है।

ऐसा मानिऐ कि उपरोक्त प्रस्ताव पारित हो गया है। आपको पूँजी प्रविष्टियाँ करनी हैं, एवं पुनर्निर्माण के बाद का चिट्ठा बनाना है।

हल क्रमांक 24

टिप्पणी

Journal Entries in the Books of Company

Date	Particulars	C.F.	Amt. Dr.	Amt. Cr.
	Equity Share Capital A/c Dr.		4,00,000	
	To Equity Share Capital A/c			40,000
	To Capital Reconstruction A/c			3,60,000
	(Being the value of equity share will reduced by ₹ 9)			
	10% Pref. Share Capital A/c. Dr.		1,00,000	
	To 10% Pref. Share Capital A/c			60,000
	To Capital Reconstruction A/c			40,000
	(Being the value of preference share reduce by ₹ 40 each)			
	12% Debentures A/c Dr.		2,00,000	
	To 14% Debentures A/c			2,00,000
	(Being the 12% debentures into the 14% debentures)			
	Trade Creditors A/c Dr.		2,20,000	
	To Capital Reduction A/c			2,20,000
	(Being the amount payable to creditors reduce by 1/3)			
	Capital Reconstruction A/c Dr.		6,40,000	
	To Provision for Bad debts A/c			30,000
	To Machinery A/c			1,20,000
	To Stock in trade A/c			20,000
	To Discount on issue of debentures A/c			20,000
	To Profit & Loss A/c			3,70,000
	To Patents			80,000
	(Being written of overvalued assets & intangible assets)			

Balance Sheet

Liabilities	Amt. (₹)	Assets		Amt. (₹)
Share Capital		Building		4,00,000
40,000 equity shares		Machinery	2,60,000	
@ ₹ 1 each	40,000	*Less*: Dep.	1,20,000	1,40,000
10% Preference share		Stock	1,60,000	
@ ₹ 60 each	60,000	*Less*: Dep.	20,000	1,40,000
14% Debentures	2,00,000			
Trade Creditors	4,40,000	Debtors	1,10,000	
Outstanding Exp.	20,000	*Less*: B.D.	30,000	80,000
	7,60,000			7,60,000

उदाहरण– 25

31 मार्च, 2018 को जयराम कम्पनी लिमिटेड का स्थिति विवरण निम्न प्रकार है–

Balance Sheet

Liabilities	Amt. (₹)	Assets	Amt. (₹)
Share Capital		Goodwill	1,00,000
Equity Share Capital		Land & Building	2,90,000
@ ₹ 10 each	5,00,000	Machinery	1,40,000
10% Preference share		Furniture	35,000
@ ₹ 10 each	1,00,000	Preliminary Exp.	52,000
8% Debentures		Profit & Loss A/c	2,00,000
@ ₹ 100 each	40,000		
General Reserve	40,000		
Bank overdraft	60,000		
Creditors	77,000		
	8,17,000		8,17,000

न्यायालय द्वारा पुनर्निर्माण की निम्न योजना पास हुई–

(a) 8% ऋण-पत्रों को नये 10% ऋणपत्रों में बदलना है, व प्रत्येक ऋण-पत्र 50 ₹ का होगा, एवं शेष 50 ₹ में 10 ₹ वाले नये 10% पूर्वाधिकार अंशों का निर्गमन किया जाएगा।

(b) समता अंशों के मूल्य को 2 ₹ तक करना है।

(c) समता अंशधारियों ने अतिरिक्त समता अंश 100,000 ₹ के लिये क्रय किए, जिससे बैंक अधिविकर्ष का भुगतान किया गया।

(d) सभी कृत्रिम सम्पत्तियों को अपलिखित करना है।

(e) मशीनरी एवं फर्नीचर को आनुपातिक उनके पुस्तकीय मूल्य के आधार पर सामान्य संचय एवं पूँजी पुनर्निर्माण खाते से अपलिखित करना है।

टिप्पणी

उपरोक्त हेतु पंजी प्रतिष्टियाँ कीजिए एवं पुनर्निर्माण के बाद का चिट्ठा बनाइये।

हल क्रमांक 25

Date	Particulars	L.F.	Amt. Dr.	Amt. Cr.
	8% Debenture A/c Dr.		40,000	
	To 10% debenture A/c			20,000
	To 12% preference share capital A/c			20,000
	(Being 8% debenture convert into the 10% debentures and for remaining balance issued 12% pref. share)			
	Equity share capital A/c Dr.		4,00,000	
	To Capital reduction A/c			4,00,000
	(Being value of equity share reduce upto ₹ 2)			
	Bank A/c Dr.		1,00,000	
	To equity share capital A/c			1,00,000
	(Being 50,000 equity shares @ ₹ 2 issued to existing equity shareholders)			
	Bank overdraft A/c Dr.		60,000	
	To Bank A/c			60,000
	(Being amount of bank overdraft paid)			
	Capital Reduction A/c Dr.		4,00,000	
	General Reserve A/c Dr.		40,000	
	To Goodwill A/c			1,00,000
	To Preliminary Exp.			52,000
	To Profit & Loss A/c			2,00,000
	To Machinery A/c			70,400
	To Furniture A/c			17,600
	(Being above assets written off)			

Working Note:

मशीनरी एवं फर्नीचर की अपलिखित राशि की गणना इस प्रकार की गई है–

जैसा कि प्रश्न में कहा गया है कि पूँजी पुनर्निर्माण की शेष राशि से मशीनरी खाते एवं फर्नीचर खाते को आनुपातिक रूप से अपलिखित किया जाना है, अतः मशीनरी की रकम 1,40,000 ₹ है एवं फर्नीचर की रकम 35,000 ₹ है, इसका अनुपात 4 : 1 का होता है, पूँजी पुनर्निर्माण खाते में 4,00,000 ₹ है एवं संचय खाते में 40,000 ₹ है, कुल 4,40,000 ₹ की राशि का प्रयोग पहले कृत्रिम सम्पत्तियों के लिये किया जाएगा।

4,40,000 – (1,00,000 + 52,000 + 2,00,000) = 88,000

88,000 ₹ को 4:1 में विभाजित किया जाएगा।

मशीनरी = 88,000 × 4/5 = 70,400

फर्नीचर = 88,000 × 1/5 = 17,600

अतः 70,400 ₹ से मशीनरी खाते को एवं 17,600 ₹ से फर्नीचर खाते को अपलिखित किया जाना है।

Balance Sheet
(as on 31st March, 2018)

Liabilities	Amt. (₹)	Assets		Amt. (₹)
Share Capital		Fixed Assets		
1,00,000 Equity share		Land & Building		2,90,000
@ ₹ 2 each	2,00,000	Machinery	1,40,000	
₹ 12,000 10%		***Less***: Dep.	70,400	69,600
Preference shares		Furniture	35,000	
@ ₹ 10 each	1,20,000	***Less***: Dep.	17,600	17,400
Cuurent Liabilities		Bank		
Creditors	77,000	(1,00,000 – 60,000)		40,000
10% debentures	20,000			
	4,17,000			4,17,000

टिप्पणी

उदाहरण– 26

31 मार्च 2018 को बेड लिमिटेड का चिट्ठा निम्नानुसार है।

Balance Sheet
(as on 31st March, 2018)

Liabilities	Amt. (₹)	Assets	Amt. (₹)
Share Capital		Goodwill	40,000
Equity share capital		Land & Building	65,000
@ ₹ 1,000 each	2,00,000	Plant & Machinery	1,60,000
1,500, 8% preference		Patents	5,000
shares @ ₹ 100 each	1,50,000	Stock	1,05,000
Profit prior to			
incorporation	10,000	Sundry Debtors	80,000
8% debentures	1,50,000	Cash	5,000
Sundry Creditors	95,000	Preliminary Exp.	10,000
		Profit & Loss A/c	1,35,000
	6,05,000		6,05,000

पुनर्निर्माण की निम्न योजना को स्वीकृति मिली है–

(a) 8% पूर्वाधिकार अंशों को 10% पूर्वाधिकार अंशों में परिवर्तित करना है, एवं 30% मूल्य कम करना है।

(b) समता अंशों को पूर्णदत्त 50 ₹ तक कम करना है।

(c) भूमि व भवन के मूल्य में 20% वृध्दि करना है।

(d) ऋण-पत्रों को 20% से कम करना है।

(e) सभी कृत्रिम सम्पत्तियों को अपलिखित करना है।

(f) यदि आवश्यक हो तो, समामेलन से पूर्व के लाभ को सम्पत्तियों के अपलेखन के लिए प्रयोग किया जा सकता है।

(g) 1,00,000 ₹ रोकड़ के लिये समता अंशों का निर्गमन किया गया, जिसका प्रयोग कम्पनी के लिये नयी सम्पत्ति कम करने के लिए किया गया।

पंजी प्रविष्टियाँ कीजिए, एवं कम्पनी का नया चिट्ठा बनाइये।

Pass Journal Entries & Prepare New Balance Sheet of Company.

हल क्रमांक 26

Journal Entries in the Books of Company

Date	Particulars	L.F.	Amt. Dr.	Amt. Cr.
	8% Preference shares capital A/c Dr.		1,50,000	
	To 10% pref. share capital A/c			1,05,000
	To Capital reduction A/c			45,000
	(For conversion of 8% pref. share to 10% pref. share & 30% reduce amount of pref shares)			
	Equity share capital A/c Dr.		2,00,000	
	To Equity share capital A/c			1,00,000
	To Capital reduction A/c			1,00,000
	(For conversion of ₹ 100 into ₹ 50 fully paid shares)			
	Land & Building A/c Dr.		13,000	
	To Capital Reduction A/c			13,000
	(Being land & building appreciated)			
	8% Debentures A/c Dr.		30,000	
	To Capital reduction A/c			30,000
	(Being amount of debentures holders reduced)			
	Capital reduction A/c Dr.		1,88,000	
	Profit prior to incorporation A/c Dr.		2,000	
	To Preliminary Exp.			10,000
	To Profit & Loss A/c			1,35,000
	To Patents A/c			5,000
	To Goodwill A/c			40,000
	(Being intangible & fictitious assets written off)			
	Bank A/c Dr.		1,00,000	
	To Equity share capital A/c			1,00,000
	(Being issued equity shares)			
	New Assets A/c Dr.		1,00,000	
	To Bank A/c			1,00,000
	(Being New assets purchased)			

टिप्पणी

टिप्पणी

Balance Sheet

(As on 31st March, 2018)

Liabilities	Amt. (₹)	Assets		Amt. (₹)
Share Capital		Land &		
4,000, Equity shares		Building	65,000	
@ ₹ 50 each	2,00,000	*Add*:		
10% 1,500 Pref. Share		Appriciation	13,000	78,000
@ ₹ 70 each	1,05,000	Plant & Machienry		1,60,000
		Stock		1,05,000
8% debentures A/c	1,20,000	Debtors		80,000
Sundry Creditors	95,000	Cash		1,05,000
Profit prior to				
Incorporate	8,000			
	5,28,000			5,28,000

उदाहरण– 27

निम्न शेष राजेन्द्र एण्ड कम्पनी से 31-03-2018 को प्राप्त हुए हैं।

न्यायालय द्वारा पुनर्निर्माण की निम्न योजना पारित हुई–

(a) समता अंशों को 90 ₹ से कम करना है।

(b) पूर्वाधिकार अंशों को 80 ₹ तक किया जाना है।

(c) ऋणपत्रधारी अपने ऋणपत्र के ब्याज का अधिकार छोड़ेंगे।

(d) पूँजी पुनर्निर्माण खाते की शेष राशि से मशीनरी को 56,200 ₹ से एवं प्रापर्टी को 50,000 ₹ अपलिखित करना है।

(e) सभी कृत्रिम सम्पत्तियाँ अपलिखित की जाएगी।

उपरोक्त के लिये पंजी प्रविष्टियाँ कीजिए एवं पुनर्निर्माण के बाद का चिट्ठा बनाइये।

हल क्रमांक 27

Journal Entries

Date	Particulars	L.F.	Amt. Dr.	Amt. Cr.
	Equity share capital A/c Dr.		1,80,000	
	To Capital reduction A/			1,80,000
	(Being reduction of equity capital by ₹ 90 each)			
	Pref. Share capital A/c Dr.		30,000	
	To Capital Reduction A/c			30,000
	(Being reduction of pref. share capital by ₹ 20 each)			

	Outstanding debentures interest A/c Dr.		3,000	
	To capital reduction A/c			3,000
	(Being debenture holder to waive their right of interest)			
	Capital reduction A/c Dr.		2,13,000	
	Security premium A/c Dr.		50,000	
	To Preliminary Exp.			32,000
	To Patents A/c			22,000
	To Goodwill A/c			17,000
	To Profit & Loss A/c			85,800
	To Machinery A/c			56,200
	To Property			50,000
	(Being assets written as per scheme of capital reduction)			

Balance Sheet

(as on 31st March, 2018)

Liabilities	Amt. (₹)	Assets		Amt. (₹)
Share Capital		Property	1,10,000	
2,000, Equity shares	20,000	***Less***: Dep.	50,000	60,000
@ ₹ 10 each				
1,500, Pref. Share		Stock		15,000
@ ₹ 80 each	1,20,000	Machinery	2,20,000	
6% debentures	50,000	Dep.	56,200	1,63,800
Creditors	20,000	Debtors		31,200
Depreciation Fund	60,000			
	2,70,000			2,70,000

4.3.5 ब्याज एवं लाभांश की दर में समायोजन (Adjustment in Interest and Dividend Rate)

उपरोक्त उदाहरणों में हमने देखा कि अंशधारियाँ एवं ऋण-पत्रधारियों की चुकता मूल्य में कमी की जा रही है, पुनर्निर्माण की योजना को सुचारु रूप से लागू करने के लिये यह आवश्यक है कि धारकों को हानि का सामना न करना पड़े, अतः हानि से बचने के लिये लाभांश एवं ब्याज की दरें बढ़ायी जा सकती हैं। विनियोगकर्ताओं को कम से कम उतना लाभांश या ब्याज प्राप्त होना चाहिये, जितना कि कमी के पहले प्राप्त होता था, इससे विनियोक्ताओं को अपनी राशि सुरक्षित दिखेगी।

4.3.6 कटौती की राशि की गणना (Calculation of Deduction Amount)

ऋण-पत्रों एवं पूर्वाधिकार अंशों पर ब्याज या लाभांश की दर बढ़ाकर दी जा सकती है। नये ऋण-पत्रों एवं पूर्वाधिकार अंशों पर कटौती इस प्रकार हो सकती है कि बचे हुये ऋण-

पत्रों एवं पूर्वाधिकार अंशों पर वही आय प्राप्त हो जो कटौती के पहले प्राप्त होती थी। इस स्थिति में निम्न तरीके से कटौती की राशि की गणना की जाती है–

टिप्पणी

उदाहरण– 28

31 मार्च, 2018 को निम्न शेष थे

10% ऋण-पत्र, 8,00,000 ₹

12% पूर्वाधिकार अंश 4,00,000 ₹

10% ऋण-पत्रधारियाँ को नये 12.5% ऋण-पत्र जारी किये जाएंगे एवं 12% पूर्वाधिकार अंशधारियों को नये 15% पूर्वाधिकार अंश निर्गमित किये जाएंगे। यह निर्णय लिया गया कि विनियोजकों की आय की कमी की क्षतिपूर्ति कर दी जाएगी। कटौती की राशि की गणना कीजिए।

हल क्रमांक 28

ऋण-पत्रों पर वर्तमान आय की गणना

$$= \frac{8,00,000 \times 10}{100} = 80,000 \text{ ₹}$$

जब 10% ब्याज का भुगतान किया जा रहा था तो ऋण-पत्रों की राशि 8,00,000 ₹ थी। अतः अब 12.5% की दर से ब्याज का भुगतान किया जाएगा, तो ऋण-पत्रों की राशि होगी–

$$= \frac{80,000 \times 100}{12.5} = 640,000$$

कटौती की राशि $= 8,00,000 - 6,40,000 = 1,60,000$

इसी प्रकार पूर्वाधिकार अंशों पर कटौती की राशि की गणना की जाएगी।

पूर्वाधिकार अंशों पर वर्तमान आय की गणना

$$= \frac{4,00,000 \times 12}{100} = 48,000 \text{ ₹}$$

जब 12% लाभांश का भुगतान किया जा रहा था तो पूर्वाधिकार अंशों की राशि 4,00,000 ₹ थी। अतः 15% की दर से लाभांश भुगतान करने पर, पूर्वाधिकार अंशों की राशि होगी–

$$= \frac{48,000 \times 100}{15} = 3,20,000$$

कटौती की राशि $= 4,00,000 - 320,000 = 80,000$

4.3.7 अंशों का किसी अन्य प्रतिभूति में परिवर्तन (Changes in Shares with Another Counterpart)

पुनर्निर्माण की योजना के अन्तर्गत अंशों को अन्य किसी प्रतिभूति जैसे ऋण-पत्र, बाण्डस आदि में परिवर्तित किया जा सकता है। इसी तरह से कम्पनी के लेनदारों या ऋण-पत्र-धारियों को कम्पनी में नये अंशों का निर्गमन किया जा सकता है।

अंशों का उपविभाजन

अंशों का उपविभाजन करके अंशधारियों द्वारा अपने अंशों का कुछ भाग कम्पनी को समर्पित किया जा सकता है एवं समर्पित अंशों के बदले में भी नयी प्रतिभूतियाँ निर्गमित की जा सकती हैं।

कम्पनी के पुनर्निर्माण के पश्चात् चिट्ठा बनाते समय ध्यान देने योग्य बातें–

1. न्यायालय के आदेशानुसार कम्पनी के नाम के साथ 'and Reduced' शब्दों का प्रयोग निर्धारित अवधि तक किया जाना चाहिए।
2. पुनर्निर्माण के पश्चात् पाँच वर्षों तक स्थाई सम्पत्तियों से घटाई या बढ़ाई रकम चिट्ठे में प्रदर्शित की जानी चाहिए।
3. सम्पत्ति पक्ष से बनावटी या कृत्रिम सम्पत्तियाँ जैसे ख्याति, लाभ-हानि खाते का नाम शेष, अंशों के निर्गमन पर छूट आदि को हटा देना चाहिए।

अपनी प्रगति जाँचिए (Check Your Progress)

3. आन्तरिक पूनर्निर्माण से आशय है–
   (क) अंश पूँजी में में कमी
   (ख) सम्पत्तियों के मूल्यों का अपलेखन
   (ग) छायित्वों में कमी
   (घ) उपरोक्त सभी
4. पूँजी पूनर्निर्माण की राशी का प्रयोग किया जाता है।
   (क) लाभ-हानि के डेविट शेष को अपलिखित करने के लिए
   (ख) अंश पूँजी निर्गमन हेतु
   (ग) काल्पनिक सम्पत्तियों में वृद्वि हेतु
   (घ) इसमें से कोहि नही

4.4 अपनी प्रगति जाँचिए प्रश्नों के उत्तर (Answers to Check Your Progress)

1. (ख)
2. (ग)
3. (घ)
4. (क)

4.5 सारांश (Summary)

टिप्पणी

सम्मिश्रण से तात्पर्य है एक कम्पनी द्वारा अन्य कम्पनी को अपनी कम्पनी में मिला लेना। सम्मिश्रण में दो या दो से अधिक कम्पनियों का विलय होता है, तथा एक कम्पनी बनाई जाती है। इसमें एक क्रय कम्पनी हो जाती है तथा एक विक्रय कम्पनी कहलाती है। लेखांकन की दृष्टि से इसे हित एकत्रीकरण विधि तथा क्रय विधि दो भागों में विभक्त किया गया है। लेखांकन प्रमाप के अनुसार कम्पनी के सम्मिश्रण के समय लेखे हित एकत्रीकरण विधि के आधार पर रखे जाते है। क्रय राशि का भुगतान एक मुष्त या भुगतान विधि द्वारा किया जाता है। भुगतान विधि के अन्तर्गत भुगतान करने पर केवल अंषधारियों को भुगतान की जाने वाली राशि को ही क्रय मूल्य में शामिल किया जाता है।

कम्पनी का अंशपूँजी में परिवर्तन करना कम्पनी का आन्तरिक पुनर्निर्माण कहलाता है। आन्तरिक पुनर्निर्माण में कम्पनी की अंशपूँजी में कमी की जाती है, फलस्वरूप कम्पनी की सम्पत्तियों में भी कमी होती है तथा कृत्रिम सम्मत्तियाँ कम्पनी से विलोपित की जाती हैं। अतः आन्तरिक पुनर्निर्माण में कम्पनी की सम्नत्तियाँ तथा दायित्व अपने वास्तविक मूल्य पर दिखने लगते हैं।

4.6 मुख्य शब्दावली (Key Terminology)

- **एकमुश्त राशिः** एक साथ पुरा भुगतान
- **पुस्तकीय मूल्यः** से वह मूल्य जो चिट्ठे में दर्षित होता है
- **समेकितः** मिश्रण
- **अदन्त राशिः** ऐसी राषि जिसका भुगतान बाकी है।
- **सम्पत्तियाँ का अपलेखनः** सम्पत्तियों के मूल्य में कमी

4.7 स्व-मूल्यांकन प्रश्न एवं अभ्यास (Self Assessment Questions and Exercises)

सैद्धान्तिक प्रश्न (Theoretical Question)

1. संविलयन को परिभाषिष्त कीजिए।
2. एक कम्पनी अपनी पुस्तकों को बंद करने पर कौन सी पंजी प्रविष्टियाँ करती है?
3. क्रय मूल्य किस प्रकार निर्धारित किया जाता है?
4. क्रेता की पुस्तकों में हितों के केन्द्रीयकरण पद्धति के अन्तर्गत पंजी प्रविष्टियाँ कीजिए।
5. अन्तर कम्पनी सौदे क्या हैं?
6. शुद्ध सम्पत्ति विधि को समझाइये।
7. दो कम्पनियों के विलय होने के कौन–से उद्देश्य हो सकते हैं?
8. क्रय प्रतिफल क्या है?
9. यदि किसी कम्पनी का क्रय मूल्य उसके व्यवसाय के शुद्ध मूल्य से कम होता है, तो अन्तर की राशि को किस प्रकार लेते हैं?

10. विलय कितने प्रकार का होता है?
11. पूँजी की कमी से आप क्या समझते हैं?
12. अंश पूँजी में परिवर्तन कैसे किया जाता है?
13. पूँजी की कमी से सम्बन्धित कानूनी प्रावधान कौन से हैं?
14. अंशों के उपविभाजन से आपका क्या आशय है?
15. पूँजी कमी खाते पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए।
16. अंशों को समेकित करना से आपका क्या तात्पर्य है?
17. पूँजी की कमी का कम्पनी की पुस्तकों में लेखांकन किस प्रकार किया जाता है?

क्रियात्मक प्रश्न (Practical Problems)

1. निम्न चिट्ठा ABC कम्पनी का है। आप 31 मार्च, 2018 को शुद्ध सम्पत्ति मूल्य ज्ञात कीजिए।

Balance Sheet of ABC Ltd.
(as on 31st March, 2018)

Liabilities	Amt. (₹)	Assets	Amt. (₹)
Issued Capital		Land & Building	5,00,000
1,00,000 Equity		Machinery & Plant	2,00,000
Shares of ₹ 10 each		Patents	1,10,000
fully paid-up	10,00,000	Stock	1,50,000
Sundry Creditors	80,000	Sundry Debtors	1,20,000
Profit & Loss A/c	50,000	Cash in Bank	50,000
	11,30,000		11,30,000

[**Ans.:** शुद्ध सम्पत्ति मूल्य – 10,50,000 ₹]

2. निम्न स्थिति विवरण के आधार पर मोना कं. लिमिटेड की पुस्तकों में कम्पनी बन्द करने हेतु पंजी प्रविष्टियाँ कीजिए।

Balance Sheet

Liabilities	Amt. (₹)	Assets	Amt. (₹)
Issued Capital		Land & Building	3,00,000
50,000 Equity		Machinery & Plant	2,50,000
Shares of ₹ 10 each	5,00,000	Goodwill	50,000
Sundry Creditors	50,000	Stock	20,000
Reserve Fund	50,000	Sundry Debtors	20,000
Profit & Loss A/c	50,000	Cash at Bank	10,000
	6,50,000		6,50,000

[**Ans.:** क्रय प्रतिफल – 6,00,000 ₹]

3. दो कम्पनियाँ सोना लिमिटेड एवं मोना लिमिटेड विलय होकर एक नयी कम्पनी सोना-मोना लिमिटेड का निर्माण कर रही है। दोनों कम्पनियों की स्थिति निम्नानुसार है–

टिप्पणी

Sona Ltd.

Liabilities	Amt. (₹)	Assets	Amt. (₹)
Paid-up Capital		Goodwill	10,000
30,000 equity shares		Stock	1,80,000
of ₹ 10 each	3,00,000	Debtors	2,00,000
Profit & Loss A/c	50,000		
5% Debentures	70,000		
Sundry Creditors	30,000		
	4,50,000		4,50,000

Mona Ltd.

Liabilities	Amt. (₹)	Assets	Amt. (₹)
Paid-up Capital			
20,000 equity shares		Stock	80,000
of ₹ 10 each	2,00,000	Debtors	2,20,000
Profit & Loss A/c.	42,000		
Sundry Creditors	58,000		
	3,00,000		3,00,000

क्रय प्रतिफल सोना लिमिटेड के लिए 4,00,000 ₹ है एवं मोना लि. के लिए 2,42,000 ₹ है। आपको नयी कम्पनी सोना-मोना लिमिटेड की पुस्तकों की पंजी प्रविष्टियाँ करनी हैं।

4. हर्ष लिमिटेड अपना व्यवसाय यश लिमिटेड के साथ विलयन करने हेतु सहमत हुआ। यश लि. ने समस्त सम्पत्तियों को पुस्तकीय मूल्य पर एवं दायित्वों को भुगतान करने के लिए राजी हुई। इसके अतिरिक्त हर्ष लिमिटेड के ऋण-पत्रों को 10% प्रीमियम पर भुगतान किया एवं समापन व्यय 400 ₹ भी दिऐ। क्रय प्रतिफल का भुगतान 2000 अंशों में प्रत्येक 10 ₹ वाले प्रति 12 ₹ पर भुगतान किए तथा शेष राशि नकद भुगतान की।

Balance Sheet

Liabilities	Amt. (₹)	Assets		Amt. (₹)
Share Capital	30,000	Sundry Assets		51,000
Profit & Loss A/c	2,000	Workmen		
Workmen		Comepnsation		
Compensation		Investment		1,000
Fund	1,000	Debtors	17,000	
Bill Payable	4,500	Less Provision	1,500	15,500
Creditors	20,000			
Debentures	10,000			
	67,500			67,500

हर्ष लिमिटेड की पुस्तकों में आवश्यक खाते बनाइये एवं यश लिमिटेड की पुस्तकों में पंजी प्रविष्टियाँ कीजिए।

[**Ans.:** Realisation Profit & Loss – Nil
Purchase Consideration ₹ 44,000]

5. निम्न चिट्ठा अंशिता एवं अंकिता लिमिटेड का है, अंशिता लिमिटेड ने अंकिता लिमिटेड को 1,00,000 ₹ में जो 10 ₹ वाले अंशों में देय है ले लिया।

Balance Sheet

Liabilities	**Anshita Amt.**	**Ankita Amt.**	**Assets**	**Anshita Amt.**	**Ankita Amt.**
Share Capital	2,00,000	80,000	Fixed Assets	50,000	20,000
@ ₹ 10 each	40,000	20,000	Stock	60,000	30,000
Creditors			Current Assets	1,30,000	50,000
	2,40,000	1,00,000		2,40,000	1,00,000

अंशिता लिमिटेड के रहतिये में 10,000 ₹ का माल अंकिता लिमिटेड से क्रय किया हुआ शामिल है जिसे विक्रय मूल्य में 20% लाभ पर बेचा गया था एवं अंकिता लिमिटेड के रहतिये में 6,000 ₹ का माल अंशिता लि. से क्रय किया हुआ शामिल है। जिसे लागत पर 20% पर बेचा गया था। अंशिता लिमिटेड के लेनदारों में 5,000 ₹ अंकिता लिमिटेड को देय है।

अंशिता लिमिटेड की पुस्तकों में जर्नल के आवश्यक लेखे करते हुए विलयन के बाद का चिट्ठा बनाइये।

[**Ans.:** Total of Balance Sheet ₹ 3,55,000]

6. निम्न विवरण से नयी कम्पनी का चिट्ठा बनाइये।

Balance Sheet

Liabilities	**A Ltd. Amt.**	**B Ltd. Amt.**	**Assets**	**A Ltd. Amt.**	**B Ltd. Amt.**
Share Capital			Fixed Assets	6,00,000	4,00,000
Equity Share @ ₹ 10 each	10,00,000	4,00,000	Investment 4000 Share of B Ltd. (at cost)		40,000
Reserves & Surplus	2,00,000	1,00,000	Current Assets	10,00,000	3,60,000
Current liabilities	4,00,000	3,00,000			
	16,00,000	8,00,000		16,00,000	8,00,000

उपरोक्त चिट्ठे A Ltd. एवं B Ltd. के हैं। A Ltd. ने B Ltd. का विलयन किया है। क्रय प्रतिफल 9,50,000 ₹ है।

7. 31 मार्च, 2018 को निम्न चिट्ठे शशि लि. एवं रवि लिमिटेड के हैं।

Balance Sheet

Liabilities	Shashi (Amt.)	Ravi (Amt.)	Assets	Shashi (Amt.)	Ravi (Amt.)
Share Capital					
Equity Shares @ ₹ 10 each	90,000	40,000	Fixed Assets	1,16,000	71,420
			Current Assets	42,230	23,640
General Reserve	43,200	21,900	Miscellaneous Expenses	3,000	
Statutory Reserve	2,700	1,200			
Profit & Loss	7,450	4,150			
11% debenture		18,000			
Current liabilities	18,380	9,810			
	1,61,730	95,060		1,61,730	95,060

एक अप्रैल 2018 को शशि लिमिटेड ने रवि लिमिटेड को निम्न शर्तों पर ले लिया।

On 1st April, 2018 Shashi Ltd. takes over Ravi Ltd. on the following terms:

1. शशि लिमिटेड ने 5,000 पूर्णदत्त समता अंशों का निर्गमन रवि लिमिटेड के लिए प्रत्येक 10 ₹ वाला किया।
2. शशि लिमिटेड ने रवि लिमिटेड के पूर्वाधिकार अंशधारियों के लिए 165 13% पूर्वाधिकार अंशों का निर्गमन 100 ₹ प्रत्येक अंश पर किया।
3. रवि लिमिटेड के 11% ऋण-पत्रों को शशि लिमिटेड ने 12% ऋण-पत्रों में परिवर्तित किया।

रवि लिमिटेड के वैधानिक संचय को पहले जैसा रखना है। आपको शशि लिमिटेड की पुस्तकों में पंजी प्रविष्टियाँ करते हुए विलय के उपरान्त का स्थिति विवरण बनाना है–

[**Ans.:** General Reserve ₹ 53,600

Total of Balance Sheet – 2,56,790]

8. 31 मार्च, 2018 को निम्न स्थिति विवरण रवि लिमिटेड एवं ध्रुव लिमिटेड का है।

Balance Sheet

Liabilities	Ravi Amt.	Dhruv Amt.	Assets	Ravi Amt.	Dhruv Amt.
Authorised Share Capital	15,00,000	5,00,000	Goodwill	40,000	7,500
Issued & Subscribed Share Capital @ ₹ 10 each	5,00,000	2,00,000	Machinery	4,45,000	1,42,500
			Furniture	46,250	30,000
			Investment	37,500	12,000
			Stock	1,30,500	50,900
Security Premium	50,000		Debtors	56,815	31,155
Exports Projects Reserves	8,500	4,000	Cash at Bank	26,660	16,115
Investment Fluctuation Reserve	4,000	1,500	Cost of Issue of Shares		3,000
General Reserve	1,25,000	50,000			
Profit & Loss	24,400	11,750			
Sundry Creditor	41,825	16,420			
Provision for Taxation	21,500	6,500			
Staff Provident Fund	7,500	3,000			
	7,82,725	2,93,170		7,82,725	2,93,170

उपरोक्त दर्शाई गई तिथि को ध्रुव लिमिटेड रवि लिमिटेड में विलय हो गया। ध्रुव लिमिटेड के अंशधारियों को भुगतान करने हेतु रवि लिमिटेड ने 22,000 पूर्णदत्त समता अंशों का निर्गमन 10 ₹ के सममूल्य पर किया। व्यय 3,500 ₹ हुए जिसे रवि लिमिटेड ने वहन किया। आपको बनाना है–

1. ध्रुव लिमिटेड की पुस्तकों को बन्द करने हेतु आवश्यक खाते।
2. रवि लिमिटेड की पुस्तकों में पंजी प्रविष्टियाँ
3. रवि लिमिटेड की पुस्तक में विलय के बाद का चिट्ठा

[**Ans.:** Loss on Realisation ₹ 44,250 Total of Balance Sheet ₹ 10,72,395.]

टिप्पणी

9. 31 मार्च, 2018 को छोटू लिमिटेड एवं गोलू लिमिटेड का चिट्ठा निम्नानुसार है–

Balance Sheet of Chotu Limited

Liabilities	Amt. (₹)	Assets	Amt. (₹)
Authorised Capital			
15,000 Equity share		Fixed Assets	1,00,000
of ₹ 10 each	1,50,000	Floating Assets	50,000
Issued Capital			
12,500 Equity shares			
of ₹ 10 each	1,25,000		
Trade Creditors	15,000		
Profit & Loss A/c	10,000		
	1,50,000		1,50,000

Balance Sheet of Golu Limited

Liabilities	Amt. (₹)	Assets	Amt. (₹)
Authorised Capital	1,25,000		
		Goodwill at cost	27,000
Issued Capital		Other Fixed Assets	45,000
10,000 Equity Shares		Current Assets	35,000
of ₹ 10 each	1,00,000	Profit & Loss A/c	23,000
Trade Creditors	30,000		
	1,30,000		1,30,000

एक अप्रैल, 2018 को छोटू लिमिटेड ने गोलू लिमिटेड को ले लिया। गोलू लिमिटेड के अंशधारियों ने छोटू लिमिटेड के अंश लेने पर अपनी सहमति दिखाई। 31 मार्च 2018 को छोटू लिमिटेड के अंशों का मूल्य 12 ₹ प्रति अंश था एवं गोलू लिमिटेड के अंशों का मूल्य 6 ₹ प्रति अंश था।

हस्तांतरिती कम्पनी की पुस्तकों में पंजी प्रविष्टियाँ कीजिए एवं विलयन के बाद का स्थिति विवरण बनाइये। यह मानिऐ कि छोटू लिमिटेड की अधिकृत पूँजी आवश्यकतानुसार बढ़ाई जा सकती है।

[**Ans.:** Purchase Consideration ₹ 60,000
Total of Balance Sheet ₹ 2,57,000]

10. राम लिमिटेड एवं श्याम लिमिटेड को स्वतंत्र निर्माणी कम्पनियाँ एक साथ मिलकर काम करने को तैयार हुई। 31 मार्च 2018 को उनका स्थिति विवरण निम्न प्रकार था–

Ram Limited

Liabilities	Amt. (₹)	Assets	Amt. (₹)
Capital Issued & Fully paid 25,000 10% Redeemable Preference Share of ₹ 10 each	2,50,000	Freehold Land & Building	3,00,000
		Plant & Machinery	7,75,000
		Patents Rights	1,00,000
75,000 Equity Shares of ₹ 10 each	7,50,000	5,000 Shares in Shyam Ltd.	57,500
		Stock	1,75,000
		Sundry Debtors	40,000
General Reserve	4,00,000	Cash & Bank Balance	22,500
Profit & Loss A/c	45,000		
Sundry Creditors	25,000		
	14,70,000		14,70,000

Shyam Limited

Liabilities	Amt. (₹)	Assets	Amt. (₹)
Capital Issued & Fully paid-up 20,000 Shares of ₹ 10 each	2,00,000	Goodwill	35,000
		Furniture & Fittings	12,500
		Motor Vehicles	20,000
Profit & Loss A/c.	1,6000	Stocks	1,19,500
Sundry Creditors	10,500	Sundry Debtors	31,000
		Cash & Bank Balance	8,500
	2,26,500		2,26,500

उपरोक्त दोनों कम्पनियों के संचालकों ने यह निर्णय लिया कि दोनों कम्पनियों को बन्द कर एक नयी कम्पनी कृष्णा लिमिटेड बनाई जाए। अतः नयी कम्पनी ने दोनों कम्पनी की सम्पत्तियों को निम्न शर्तों पर लिया–

(a) कृष्णा लिमिटेड की अधिकृत पूँजी 17,50,000 ₹ होगी जो 25,000, 10% पूर्वाधिकार अंश प्रत्येक 10 ₹ का एवं 1,50,000 समता अंश प्रत्येक 10 ₹ का में विभाजित होगी।

(b) राम लिमिटेड के व्यवसाय का मूल्यांकन 15,00,000 ₹ था, इसका भुगतान 3,00,000 ₹ नकद तथा शेष पूर्णदत्त समता अंशों में 12 ₹ प्रति के आधार पर किया जाएगा।

(c) श्याम लिमिटेड के व्यवसाय का मूल्यांकन 2,40,000 ₹ हुआ, जिसका भुगतान पूर्णदत्त समता अंशों में प्रत्येक 12 ₹ के मूल्यांकन पर किया गया।

(d) राम लिमिटेड के पूर्वाधिकार अंशों का भुगतान नकद किया जाएगा।

टिप्पणी

(e) कृष्णा लिमिटेड ने पब्लिक में 25,000 पूर्वाधिकार अंश सम मूल्य पर एवं 15,000 समता अंश 12 ₹ पर निर्गमित किए। निर्गमन अधिनियम द्वारा अधिकतम कमीशन पर अभिगोपित किया गया।

(f) पुरुशोत्तम, जिसने योजना को रूप दिया उसने 2,000 पूर्णदत्त समता अंश प्रत्येक 12 ₹ का अपने कार्य के लिए स्वीकार किये।

आपको बनाना है–

(a) राम लिमिटेड एवं श्याम लिमिटेड की पुस्तकों में पंजी प्रविष्टियाँ

(b) कृष्णा लिमिटेड की पुस्तकों में प्रारम्भिक चिट्ठा।

[**Ans.:** Profit on Realisation of Ram Ltd. ₹ 55,000

Total of Balance Sheet ₹ 18,69,500]

11. निम्न स्थिति विवरण 31 मार्च, 2018 को नील लिमिटेड एवं कमल लिमिटेड का है।

Balance Sheet

Liabilities	Neel Amt.	Kamal Amt.	Assets	Neel Amt.	Kamal Amt.
Share Capital	40,000	20,000	Sundry Assets	50,000	34,000
@ ₹ 10 each			Shares in		
Profit &					
Loss A/c.	5,000		Kamal Ltd.	20,000	
15%			(1,500 Shares)		
Debentures	10,000				
Creditors	15,000	14,000			
	70,000	34,000		70,000	34,000

नील लिमिटेड एवं कमल लिमिटेड को खरीदने के लिए एक नयी कम्पनी नील कमल लिमिटेड का निर्माण हुआ। इस उद्देश्य से नील लिमिटेड की विविध सम्पत्तियाँ का मूल्यांकन 30,000 ₹ एवं कमल लिमिटेड की विविध सम्पत्तियाँ का मूल्यांकन 20,000 ₹ किया गया। क्रय प्रतिफल का भुगतान नई कम्पनी के अंशों द्वारा किया गया।

नील लिमिटेड एवं कमल लिमिटेड की पुस्तकों को बन्द कीजिए।

नील कमल लिमिटेड की पुस्तक में व्यवसाय क्रय संबंधी पंजी प्रविष्टियाँ कीजिए।

[**Ans.:** Loss on Realisation (Neel Ltd.) ₹ 35,500

(Kamal Ltd.) ₹ 14,000]

12. अंशू लिमिटेड एवं अंकू लिमिटेड एक नयी कम्पनी अंशित लिमिटेड बनाने के लिए विलय हुए। 31 मार्च, 2018 को उनका स्थिति विवरण निम्नानुसार था।

Balance Sheet
(as on 31st March, 2018)

Liabilities	Anshu Amt.	Anku Amt.	Assets	Anshu Amt.	Anku Amt.
Equity Share Capital @ ₹ 10 each	7,50,000	4,50,000	Sundry Assets	7,20,000	4,83,000
Reserve fund		75,000	Freehold Property	3,00,000	1,50,000
Profit & Loss A/c	45,000	30,000	Investment	75,000	30,000
7% Debentures	3,00,000	1,50,000	Debtors	3,75,000	2,25,000
Mortgage Loan Secured on Freehold Property	75,000		Preliminary Expenses	30,000	12,000
Sundry Creditors	3,30,000	1,95,000			
	15,00,000	9,00,000		15,00,000	9,00,000

क्रय प्रतिफल का निर्धारण इस प्रकार हुआ–

(a) अंशु लिमिटेड के ऋण-पत्रों का भुगतान करने के लिए अंशित लिमिटेड में 8% ऋण-पत्रों का निर्गमन किया जाएगा।

(b) अंशित लिमिटेड में समता अंशों का निर्गमन जिसका मूल्य 10 ₹ है, 2 ₹ प्रीमियम पर किया गया।

(c) विलयन के दृष्टिकोण से अंशू लिमिटेड की शुद्ध सम्पत्ति मूल्य 11,64,000 ₹ एवं अंकू लिमिटेड का 7,80,000 ₹ है।

अंशू लिमिटेड, अंकू लिमिटेड एवं अंशित लिमिटेड की पुस्तकों में पंजी प्रविष्टियाँ कीजिए।

[**Ans.:** Profit on Realisation (Anshu Ltd.) ₹ 99,000
Profit on Realisation (Anku Ltd.) ₹ 87,000]

टिप्पणी

13. निम्न स्थिति विवरण 31 मार्च, 2018 को रिद्धी एवं सिद्धी लिमिटेड का है।

Balance Sheet

Liabilities	Ridhi Amt.	Sidhi Amt.	Assets	Ridhi Amt.	Sidhi Amt.
Equity Shares Capital @ ₹ 100 each	18,00,000	10,80,000	Buildings	5,40,000	
12% Debentures @ ₹ 100 each	3,60,000	–	Machinery	19,80,000	9,00,000
Reserve Fund	4,68,000	–	Stock	2,88,000	1,44,000
Statutory Reserves	1,44,000	–	Debtors	2,52,000	1,62,000
Dividend Equalization Fund	72,000	–	Cash Balance	54,000	18,000
Trade Creditors	1,80,000	1,44,000			
Profit & Loss A/c.	36,000	–			
Employee's Provident Fund	54,000	–			
	31,14,000	12,24,000		31,14,000	12,24,000

उपरोक्त दोनों कम्पनियों ने विलय होने के बाद एक नई कम्पनी रिद्धी सिद्धी लिमिटेड का निर्माण किया, जिसके लिए दोनों कम्पनियों के सम्पत्ति एवं दायित्वों को लिया गया।

रिद्धी कम्पनी की सम्पत्तियों को 10% कम पर लिया गया, केवल भवन को छोड़कर जिसे उसके पुस्तकीय मूल्य पर ही लिया गया है।

दोनों कम्पनियों के ख्याति के रूप में व्यवसाय से शुद्ध सम्पत्ति मूल्य का 10% प्राप्त होगा।

क्रय प्रतिफल का भुगतान रिद्धी सिद्धी कम्पनी द्वारा पूर्णदत्त समता अंशों में प्रत्येक 10 ₹ पर किया जाएगा एवं रिद्धी कम्पनी के ऋण-पत्रों को 14% ऋण-पत्रों में समान राशि को लिए निर्गमित किया जाएगा।

रिद्धी लिमिटेड एवं सिद्धी लिमिटेड की पुस्तकों में पंजी प्रविष्टियाँ एवं खाते बनाइये एवं रिद्धी सिद्धी लिमिटेड में प्रारम्भिक चिट्ठा बनाइये। रिद्धी सिद्धी लिमिटेड की अधिकृत पूँजी 1,80,000 ₹ होगी।

[**Ans.:** Purchase Consideration
Ridhi Ltd. ₹ 24,94,800
Sidhi Ltd. ₹ 11,88,000
Loss on Realisation
Ridhi Ltd. ₹ 25,200]

Profit on Realisation Sidhi Ltd. ₹ 1,08,000

Total of Balance Sheet ₹ 45,64,800

14. 31 मार्च, 2018 को गुलाब लिमिटेड एवं जामुन लिमिटेड का स्थिति विवरण निम्न स्थिति प्रदर्शित करता है।

Balance Sheet

Liabilities	Gulab Amt.	Jamun Amt.	Assets	Gulab Amt.	Jamun Amt.
Share Capital			Goodwill	60,000	—
Authorised			Fixed Assets	6,00,000	12,00,000
Capital			Current Assets	6,75,000	4,95,000
In Gulab Ltd.					
@₹ 100 each	7,50,000		Bank	—	1,50,000
In Jamun Ltd.					
@ ₹ 10 each		15,00,000			
Issued Capital	7,50,000	6,00,000			
Capital Reserve	1,50,000				
General Reserve	52,500	6,00,000			
Secured Loans		3,75,000			
Unsecured Loan	1,50,000				
Sundry Creditors	2,32,000	2,70,000			
	1,35,000	18,45,000		1,35,000	18,45,000

गुलाब लिमिटेड जामुन लिमिटेड में विलय होना चाहता है। अतः निम्न समझौते दोनों कम्पनियों के बीच में प्रस्तावित हैं–

(a) गुलाब लिमिटेड की ख्याति का कोई मूल्य नहीं होगा।

(b) गुलाब लिमिटेड के ऊपर ह्रास के 30,000 ₹ बकाया है।

(c) गुलाब लिमिटेड के अंशधारी प्रत्येक दो अंशों के बदले प्राप्त करेंगे।

(i) जामुन लिमिटेड के 10 अंश पूर्णदत्त और

As fully paid at par, 10 shares in Jamun Ltd., &

(ii) गुलाब लिमिटेड के चिट्ठे में ख्याति व ह्रास का समायोजन करने के बाद, दोनों कम्पनियों के आन्तरिक मूल्य निकालने के बाद, अंशधारियों के अधिकार को समायोजित करते हुए रोकड़ जितनी आवश्यक हो।

आपको करना है–

1. क्रय प्रतिफल की गणना।
2. संविलयन के बाद का चिट्ठा

टिप्पणी

[**Ans.:** Intrinsic value of each share
Gulab Ltd. ₹ 115
Jamun Ltd. ₹ 20
Total of Balance Sheet ₹ 29,77,500]

15. अजय लिमिटेड को विजय लिमिटेड द्वारा ले लिया गया। दोनों कम्पनियों के चिट्ठे इस प्रकार हैं–

Ajay Limited
(as on 31st March, 2018)

Liabilities	Amt. (₹)	Assets	Amt. (₹)
Share Capital			
Authorised Capital		Sundry Assets	16,85,000
4,500 shares of	13,50,000		
₹ 300 each		Cash at Bank	3,500
Paid-up capital 4,500			
Shares of ₹ 270 per	12,15,000		
Share paid-up			
Insvestment Allowance			
Reserve	1,00,000		
Creditors	55,000		
Reserve Fund	3,03,500		
Profit & Loss A/c.	15,000		
	16,88,500		16,88,500

Vijay Limited
(as on 31st March, 2018)

Liabilities	Amt. (₹)	Assets	Amt. (₹)
Share Capital			
30,000 shares of	54,00,000	Sundry Assets	43,57,500
₹ 180 each		Cash at Bank	27,500
Paid-up capital			
20,000 shares of			
₹ 150 fully paid-up	30,00,000		
Creditors	65,000		
Reserve Fund	12,85,000		
Profit & Loss A/c.	35,000		
	43,85,000		43,85,000

अजय लिमिटेड के प्रत्येक 3 अंशों के धारी विजय लिमिटेड में 5 अंश प्राप्त करेंगे, इसके अतिरिक्त कम्पनी के आन्तरिक मूल्य पर आधारित अंशधारियों के अधिकार को समायोजित करने हेतु रोकड़ प्राप्त करेंगे।

विजय लिमिटेड की पुस्तकों में आवश्यक पंजी प्रविष्टि कीजिए एवं विलय के बाद का चिट्ठा बनाइये।

[**Ans.:** Price ₹ 11,38,500

Total of Balance Sheet ₹ 60,60,000]

टिप्पणी

16. राम लि. और मोहन लि. एक तरह का व्यवसाय करते हैं, उन्होंने मिलकर एक नयी कम्पनी राम मोहन लिमिटेड का निर्माण किया। 31 मार्च, 2018 को उनका स्थिति विवरण निम्न स्थिति दर्शाता है–

Balance Sheet

Liabilities	Ram Amt.	Mohan Amt.	Assets	Ram Amt.	Mohan Amt.
Issued			Property	6,30,000	3,60,000
Capital			Plant & Machinery	1,50,000	90,000
90,000 shares			Motor Vehicles	60,000	
of ₹ 10 each	9,00,000		Stock	3,60,000	4,68,000
18,000 shares			Debtors	4,92,000	1,26,000
of ₹ 10 each		4,80,000	Cash	2,58,000	1,08,000
General Reserve	4,80,000				
P & L A/c	1,20,000	1,20,000			
12% Debentures		3,60,000			
Creditors	4,50,000	1,92,000			
	19,50,000	11,52,000		19,50,000	11,52,000

नयी कम्पनी द्वारा दोनों कम्पनियों की सम्पत्तियों एवं दायित्वों को पुस्तकीय मूल्य पर निम्न को छोड़कर लिया गया–

(a) राम लिमिटेड की ख्याति को 4,80,000 ₹ पर एवं मोहन लिमिटेड की ख्याति को 1,80,000 ₹ पर मूल्यांकित किया गया।

(b) राम लिमिटेड के मोटर गाड़ी को 1,80,000 ₹ पर मूल्यांकित किया गया।

(c) मोहन लिमिटेड के 12% ऋण-पत्रों को राम मोहन लिमिटेड द्वारा 14% नये ऋण-पत्रों द्वारा 4% प्रीमियम पर भुगतान किया गया।

(d) मोहन लिमिटेड के देनदारों एवं रोकड़ को निस्तारक ने अपने पास रोक लिया है, लेनदारों का भुगतान भी इसी राशि से किया जाएगा।

(e) राम लिमिटेड, मोहन लिमिटेड एवं राम मोहन लि. में पंजी प्रविष्टियाँ करते हुए आवश्यक खाते बनाइये एवं नई कम्पनी की पुस्तकों में प्रारम्भिक चिट्ठा बनाइये।

[**Ans.:** Purchase consideration

Ram Ltd. ₹ 21,00,000

Mohan Ltd. ₹ 72,36,000

Profit on Realisation

Ram Ltd. ₹ 6,00,000

Mohan Ltd. ₹ 1,65,600]

टिप्पणी

Vijay Limited
(as on 31st March, 2018)

Liabilities	Amt. (₹)	Assets	Amt. (₹)
Share Capital			
30,000 shares of	54,00,000	Sundry Assets	43,57,500
₹ 180 each		Cash at Bank	27,500
Paid-up capital			
20,000 shares of			
₹ 150 fully paid-up	30,00,000		
Creditors	65,000		
Reserve Fund	12,85,000		
Profit & Loss A/c.	35,000		
	43,85,000		43,85,000

अजय लिमिटेड के प्रत्येक 3 अंशों के धारी विजय लिमिटेड में 5 अंश प्राप्त करेगी, इसके अतिरिक्त कम्पनी के आन्तरिक मूल्य पर आधारित अंशधारियों के अधिकार को समायोजित करने हेतु रोकड़ प्राप्त करेंगे।

17. निम्न से सम्बन्धित पंजी प्रविष्टियाँ कीजिए–

1. 20,000 समता अंश 100 ₹ वाले, जिसे 50 ₹ से कम किया जाना है।
2. 10,000, 10% पूर्वाधिकार अंश 100 ₹ वाले जिसे कम कर के 80 ₹ करना है।
3. 6% ऋण-पत्रों को नये 8% ऋण-पत्रों में परिवर्तित करना है, राशि 50,000 ₹।
4. ख्याति 50,000 ₹, लाभ-हानि खाते का डेविट शेष 25,200 ₹ एवं प्रारम्भिक व्यय 32,500 ₹ अपलिखित किए जाने हैं।
5. मशीनरी का मूल्य 26,500 ₹ से बढ़ाया गया है।
6. फर्नीचर के 12,300 ₹ कम करने हैं।
7. 6% ऋण-पत्रों पर 5,000 ₹ अदत्त ब्याज का अधिकार ऋण-पत्रधारी छोड़ रहे हैं।
8. लाभांश के 20,000 रुपयों के लिए समता अंशों का निर्गमन किया जाना है।

18. 31 मार्च, 2018 को यश लि. का चिट्ठा निम्न शेष दर्शाता है।

Balance Sheet

Liabilities	Amt. (₹)	Assets	Amt. (₹)
Share Capital		Goodwill	10,000
1,000, Equity shares		Machinery	80,000
@ ₹ 100 each			
fully paid	1,00,000	Plant	50,000
1,000, 8% Preference		Furniture	40,000
Shares @ ₹ 100			
each Paid	1,00,000	Stock in trade	25,000
9% Debentures	50,000	Debtors	30,000
Creditors	30,000	P/L A/c	45,000
	2,80,000		2,80,000

पुनर्निर्माण की निम्न योजना पारित हुई–

(a) समता अंशपूँजी को प्रत्येक 100 ₹ से घटाकर पूर्णदत्त 60 ₹ प्रति अंश किया जाए।

(b) 8% पूर्वाधिकार अंशों को 10% पूर्वाधिकार अंशों में परिवर्तित कर प्रति अंश राशि 70 ₹ की जाए।

(c) पूँजी कमी से प्राप्त राशि का प्रयोग ख्याति, लाभ-हानि खाते का डेबिट शेष एवं शेष राशि का प्रयोग मशीनरी के अपलेखन में किया जाए।

पंजी प्रविष्टियाँ कीजिए एवं पुनर्निर्माण के बाद का चिट्ठा बनाइये।

[**Ans.:** Total of Balance Sheet ₹ 2,10,000]

19. 31 मार्च, 2018 को अक्षित लिमिटेड का चिट्ठा निम्नानुसार है–

The following was the Balance Sheet of Akshit Limited as on 31st March, 2018.

Balance Sheet

Liabilities	Amt. (₹)	Assets	Amt. (₹)
Authorised Capital		Goodwill	10,000
20,000, Equity share		Buildings	20,500
@ ₹ 10 each	2,00,000	Machinery	50,000
Issued subscribed		Stock	11,125
& paid-up capital		Debtors	14,000
10,000 Equity share		Cash at Bank	2,500
@ ₹ 10 each	1,00,000	Preliminary exp.	3,000
Sundry Creditors	15,000	Profit & Loss A/c	19,300
Bank overdraft	11,425		
Provision for Taxation	4,000		
	1,30,425		1,30,425

टिप्पणी

कम्पनी ने पुनर्निर्माण करने का निश्चय किया। निम्न प्रस्ताव पारित किए गए–

1. चुकता अंशपूँजी को 3 ₹ से कम किया जाए।
2. लेनदारों को भुगतान करने हेतु समान राशि में समता अंशों का निर्गमन किया जाए।
3. सभी कृत्रिम सम्पत्तियों को अपलिखित किया जाए।
4. यदि आवश्यक हो तो करों के लिए प्रावधान राशि का प्रयोग किया जाए।

पंजी प्रविष्टि कीजिए एवं चिट्ठा बनाइये।

[**Ans.:** Total of Balance Sheet ₹ 98,125]

20. 31 मार्च 2018, को रविन्द्र लिमिटेड का चिट्ठा निम्न प्रकार है–

Balance Sheet

Liabilities	Amt. (₹)	Assets	Amt. (₹)
Share Capital			
70,000, Equity shares		Fixed Assets	15,00,000
@ ₹ 10 each	7,00,000	Current Assets	16,00,000
12% 1,000 pref. share		Profit & Loss A/c	3,00,000
@ ₹ 100 each	1,00,000		
8% Debentures	3,00,000		
Current Liabilities	20,00,000		
Provision for Taxation	3,00,000		
	34,00,000		34,00,000

पुनर्निर्माण की निम्न योजना क्रियान्वित हुयी–

(a) स्थायी सम्पत्तियों को 1/5 अपलिखित किया जाए।

(b) चालू सम्पत्तियों का 15,00,000 ₹ पर पुर्नमूल्यांकन किया जाए।

(c) लाभ-हानि खाते को अपलिखित करना है।

(d) करों के प्रावधान का भुगतान 4,00,000 ₹ करना है। जिसके लिये समता अंशों का निर्गमन किया जाए।

(e) सभी समता अंशों को 9 ₹ से कम करना है।

(f) सभी पूर्वाधिकार अंशों को 75 ₹ से कम करना है।

पंजी प्रविष्टियाँ कीजिए और चिट्ठा बनाइये।

[**Ans.:** Total of Balance Sheet ₹ 28,00,000]

21. 31 मार्च 2018 को एक्स लिमिटेड का चिट्ठा निम्नानुसार है।

The following is the Balance Sheet of X Ltd. as at 31st March, 2018.

Balance Sheet

Liabilities		**Amt. (₹)**	**Assets**	**Amt. (₹)**
Share Capital			Sundrey Assets	1,50,000
20,000, Equity shares			Workmen's	
@ ₹ 10 each			Compensation	
fully paid		2,00,000	Fund Investment	30,000
18,000, 8% pref. share			**Property**	
@ ₹ 10 each				
fully paid		1,80,000	Bhopal	1,60,000
6% First Debentures			Indore	1,20,000
Secured on Bhopal				
property		30,000		
6% secured debentures			Profit & Loss A/c	40,000
Secured on Indore				
Property		35,000		
Workmen's				
Compensation Fund				
Bhopal	20,000			
Indore	10,000	30,000		
Creditors		25,000		
		5,00,000		5,00,000

निम्न योजना बनाई गई एवं पारित हुई–

(a) समता अंशों के मूल्य को 1 ₹ तक कम किया जाए।

(b) पूर्वाधिकार अंशों के मूल्यों को घटाकर 8 ₹ किया जाए।

(c) ऋण-पत्रधारी अपने ब्याज के 5,200 ₹ नहीं लेंगे, जो विविध लेनदारों में शामिल हैं।

(d) द्वितीय ऋण-पत्रधारी इंदौर की प्रापर्टी को 50,000 ₹ में लेने को तैयार है।

(e) विविध सम्पत्तियों को 80,000 ₹ से अपलिखित करना है।

(f) इंदौर का क्षतिपूर्ति संचय को 2,000 ₹ में समाप्त कर दिया गया है, एवं क्षतिपूर्ति संचय विनियोग को 10% के लाभ पर बेचा गया है।

पंजी प्रविष्टियाँ कीजिए एवं पुनर्निमित चिट्ठा बनाइये।

[**Ans.:** Total of Balance Sheet. ₹ 2,59,000]

22. 31 मार्च, 2018 को अभिजीत कम्पनी लिमिटेड का चिट्ठा निम्नानुसार है।

The Balance Sheet of Abhijeet Company Limited as on 31st March 2018 as follows.

टिप्पणी

Liabilities	Amt. (₹)	Assets	Amt. (₹)
Share Capital		Fixed Assets	
4,000, 6% Pref. Shares		Freehold property	4,25,000
@ ₹ 100 each	4,00,000	Plant	50,000
75,000 Equity share		Patent	37,500
@ ₹ 10 each	7,50,000	Goodwill	1,30,000
6% debentures secured		Trade Investment	
on freehold property	3,75,000	(at cost)	55,000
Accured Interest on		Current Assets	
debentures	22,500	Debtors	4,85,000
Current liabilities		Stock	4,25,000
Bank overdraft	1,95,000	Advertising (Deferred)	1,00,000
Creditors	3,00,000	Profit & Loss A/c	4,35,000
Directors's Loan	1,00,000		
	21,42,500		21,42,500

पुर्नसंगठन की योजना को 1 अप्रैल 2018 को स्वीकृत किया गया–

(a) पूर्वाधिकार अंशों का मूल्य कम करके 75 ₹ किया जाना है एवं समता अंशों का मूल्य घटाकर 2 ₹ प्रत्येक अंश करना है।

(b) पूर्वाधिकार अंशों पर चार वर्षों का लाभांश बाकी है, जिसमें से 3/4 अंशधारियों द्वारा छोड़ा गया है, तथा शेष 1/4 के लिये 2 ₹ वाले समता अंशों का निर्गमन किया जाएगा।

(c) ऋण-पत्रों के अदत्त ब्याज को नकद भुगतान करना है।

(d) ऋण-पत्रधारी अपने कुछ भाग के लिए फ्रीहोल्ड प्रापर्टी (पुस्तकीय मूल्य 1,00,000 ₹) 1,00,000 ₹ मूल्यांकन पर लेने को सहमत हो गए। और 8% ब्याज पर 1,30,000 ₹ नकद राशि के लिए कम्पनी की सम्पत्तियों पर चल प्रभार रखते हुऐ प्रावधान किया गया।

(e) पेटेण्ट, ख्याति एवं विज्ञापन की राशि को अपलिखित करना है।

(f) रहतिया को 65,000 ₹ से अपलिखित करना है।

(g) 68,500 ₹ अप्राप्य ऋणों के लिये प्रावधान करना है।

(h) शेष फ्रीहोल्ड प्रापर्टी को 3,87,500 ₹ पर पुर्नमूल्यांकित किया गया है।

Remainig freehold property to be revalued at ₹ 3,87,500.

(i) व्यापारिक विनियोगों को 1,40,000 ₹ में बेचा गया।

Trade Investments to be sold for ₹ 1,40,000.

(j) संचालकों ने अपने ऋण के भुगतान स्वरूप 90% राशि, समता अंशों में प्रत्येक 2 ₹ का एवं 5% नकद एवं शेष 5% छोड़ना स्वीकार किया।

(k) 2,50,000 ₹ के पूँजी वादे को 5% राशि जुर्माने स्वरूप देकर समाप्त किया गया।

(l) करों एवं योजना लागत को ध्यान में मत रखिऐ।

आपको पंजी प्रविष्टियाँ दिखानी हैं एवं योजना क्रियान्वित होने के बाद का चिट्ठा बनाना है।

[**Ans.:** Total of Balance Sheet = ₹ 12,49,000]

23. 31 मार्च, 2018 को निम्न जानकारियाँ यश कम्पनी लिमिटेड से प्राप्त हुई हैं।

(1) पूर्वाधिकार अंशों को $7\frac{1}{2}\%$ नये पूर्वाधिकार अंशों में प्रत्येक 30 ₹ पर परिवर्तित किया जाएगा।

(2) समता अंशों को प्रत्येक 5 ₹ पूर्णदत्त अंशों में परिवर्तित किया जाएगा।

(3) लेनदारों को यह सुविधा दी गई है कि वह अपने दावों के 50% की राशि पूर्ण भुगतान स्वरूप नकद प्राप्त करें या 5 ₹ वाले समता अंशों में परिवर्तित करें।

(4) 1/3 लेनदारों ने अपने दावों के सम्बन्ध में समता अंश लेना स्वीकार किया। तथा शेष ने नकद राशि लेना स्वीकार किया।

(5) सम्पत्तियों का पुर्नमूल्यांकन इस प्रकार था

Land & Building	₹ 95,000
Plant & Machinery	₹ 1,12,000
Patents & Trademarks	₹ 5000
Stock	₹ 25,000
Debentures	₹ 32,000

(6) ऋण-पत्रधारी अपने ऋणपत्रों पर ब्याज को छोड़ने के लिये सहमत है।

(7) लेनदारों को नकद भुगतान करने हेतु 17,000 पूर्णदत्त प्रत्येक 5 ₹ का समता अंशों का निर्गमन किया गया।

(8) सभी अंशों को पूर्वाधिकार अंशों को सम्मलित करते हुऐ समता अंशों में प्रत्येक 10 ₹ का परिवर्तित किया गया।

(9) 31 मार्च 2018 को कम्पनी का चिट्ठा निम्नानुसार था।

टिप्पणी

Liabilities	Amt. (₹)	Assets	Amt. (₹)
Share Capital		Fixed Assets	
Authorised Capital		Goodwill	80,000
5,000, 6% Preference		Land & Building	75,000
shares @ ₹ 100 each	5,00,000	Plant & Machinery	90,000
5,000 Equity shares		Patents & Trademarks	20,000
@ ₹ 100 each	5,00,000	Current Assets	
Issued & Subscribed		Stock in trade	40,000
Capital		Sundry Debtors	39,000
2,000, 6% Preference		Cash at Bank	6,000
Shares of ₹ 100 each	2,00,000	Miscellaneous	
3,000 Equity shares		Preliminary Exp.	20,000
@ ₹ 100 each		Profit & Loss A/c	3,90,000
fully paid	3,00,000		
5% Debentures	1,00,000		
Interest due on			
debentures	10,000		
Sundry Creditors	1,50,000		
	7,60,000		7,60,000

उपरोक्त जानकारियों के आधार पर पंजी प्रविष्टियाँ कीजिए एवं कम्पनी का चिट्ठा बनाइये।

[**Ans.:** Total of Balance Sheet ₹ 3,10,000]

24. 31 मार्च, 2018 को एक कम्पनी की निम्न स्थिति थी।

20,000 समता अंश प्रत्येक 100 ₹	20,00,000
1,000, 8% पूर्वाधिकार अंश प्रत्येक 1,000 ₹	10,00,000
500, 7% ऋणपत्र प्रत्येक 1,000 ₹	5,00,000
उपरोक्त पर ब्याज	60,000

इस तिथि को कम्पनी की सम्पत्तियों का मूल्य 11,60,000 ₹ था।

कम्पनी के पुनर्निर्माण के सम्बन्ध में निम्न कदम उठाये गए–

(1) समता अंशों का उपविभाजन 5 ₹ वाले अंशों में किया जाना है एवं 90% राशि अंशधारी समर्पित करेंगे।

(2) 8% पूर्वाधिकारों अंशों को प्रत्येक 100 ₹ वाले अंशों में परिवर्तित करना है एवं 50% राशि अंशधारी छोड़ने को तैयार है।

(3) ऋण-पत्रधारी अपने दावों को 2,90,000 ₹ में समाप्त करने को तैयार हो गये।

उपरोक्त हेतु पंजी प्रविष्टियाँ कीजिए।

25. एक कम्पनी की अंश पूँजी 10,00,000 ₹ में विभाजित है जिसमें 4,000, 8% पूर्वाधिकार अंश प्रत्येक 100 ₹ का एवं 30,000 समता अंश प्रत्येक 10 ₹ का है।

पूर्वाधिकार अंशों पर 60,000 ₹ लाभांश का बकाया है।

कम्पनी हानियों से ग्रसित है, अतः कम्पनी के संचालकों ने कम्पनी का पुनर्निर्माण करने का निर्णय लिया।

पूर्णनिर्माण हेतु निम्न प्रावधान किए गए–

(a) सम्पत्तियों को निम्नानुसार अपलिखित किया गया

पेटेण्ट	80,000 ₹
ख्याति	60,000 ₹
यन्त्र एवं संयन्त्र	34,000 ₹
छोटे यन्त्र	5000 ₹

(b) लाभ-हानि खाते के डेबिट शेष 3,98,000 ₹ को भी अपलिखित किया जाए।

(c) पूर्वाधिकार अंशों को नऐ 9% पूर्वाधिकार अंशों में परिवर्तित किया गया एवं 1,60,000 ₹ की राशि पूँजी कमी खाते में हस्तांतरित की गई।

(d) समता अंशधारियों को प्रत्येक 5 अंशों के बदले एक अंश प्रत्येक 2 ₹ का दिया गया।

(e) पूर्वाधिकार अंशों पर लाभांश के लिए नऐ समता अंश समान मूल्य के लिए प्रत्येक 2 ₹ का निर्गमित किया गया।

उपरोक्त व्यवहारों के लिए पंजी प्रविष्टियाँ कीजिए।

26. एक कम्पनी के सम्बन्ध में निम्न जानकारियाँ उपलब्ध हैं, आपको इससे सम्बन्धित पंजी प्रविष्टियाँ करनी हैं।

(a) 1,80,000 ₹ से समता अंश पूँजी को घटाना है।

(b) 20,000 ₹ से 10% संचयी पूर्वाधिकार अंशों की राशि का कम किया जाना प्रस्तावित है।

(c) 6% ऋण-पत्रों के स्थान पर 10% नये ऋण-पत्रों का निर्गमन कर 1,00,000 ₹ के पूर्ण भुगतान स्वरूप 90,000 ₹ के ऋण-पत्र निर्गमित किए जाने हैं।

(d) लेनदार अपनी राशि में से 1,25,000 ₹ कम्पनी के पक्ष में छोड़ने को तैयार है।

(e) कम्पनी की सम्पत्तियों में निम्नलिखित राशि द्वारा अपलेखन किया जाना प्रस्तावित है।

मशीनरी	75,000 ₹
स्टॉक	10,000 ₹
पेटेण्ट	40,000 ₹

(f) कम्पनी की निम्न कृत्रिम सम्पत्तियों को भी अपलिखित करना है।

प्रारम्भिक व्यय – 10,000 ₹

लाभ-हानि खाता (नाम शेष) 1,97,000 ₹

4.7 सहायक पाठ्य सामग्री (Suggested Readings)

1. अग्रवाल महेश, निगमीय लेखे, रामप्रसाद एण्ड सन्स, भोपाल।
2. शर्मा शाह, मंगल अग्रवाल जैन, आर.बी.डी. पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली, (जयपुर)।
3. Sharda Gangwar, Himalaya Publishing House Pvt. Ltd., Mumbai.
4. Mangal Ramesh, Company Accounts, Universal Publication, Agra.
5. Gupta R.L., Radhaswamy M., Company Account, Sultan Chand and Sons, New Delhi.
6. Maheshwari S.N., Corporate Accounting, Vikas Publishing House, New Delhi.
7. Modi, Oswal and S.K. Khatik, Corporate Accounting in Hindi and English (both), Colloge Book House, Jaipur.
8. Mehta, Brahmbhati, Corporate Accounting, Devi Ahilya Prakashan, Indore.
9. Jain and Narang, Kalyani Publishers, New Delhi.
10. Shukla S.M., Sahitya Bhavan Publication, Agara.

इकाई 5 बैंकिंग कम्पनियों के खाते तथा कम्पनियों के लेखे (Accounting and Accounts of Banking Companies)

संरचना (Structure)

5.0 परिचय
5.1 उद्देश्य
5.2 बैंकिंग कम्पनियों के खाते – परिभाषा
  5.2.1 बैंको के कार्य एवं सेवाएं
  5.2.2 पुरजी पद्धति
  5.2.3 पुरजी पद्धति के लाभ
  5.2.4 पुरजी पद्धति की हानियाँ
  5.2.5 लाभ-हानि खाता तथा चिट्ठे का प्रारूप
5.3 बैंकिंग कम्पनियों के खाते – आशय
  5.3.1 बीमा अनुबन्ध के प्रकार
  5.3.2 बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण अधिनियम 1999 के प्रावधान
  5.3.3 बीमा कम्पनियों के वित्तीय विवरण
  5.3.4 सामान्य बीमा व्यवसाय के वित्तीय विवरण
  5.3.5 अनुसूचियों में दर्शित मदों का आशय एवं गणना
  5.3.6 असमाप्त जोखिम के लिए संचय
5.4 अपनी प्रगति जाँचिए प्रश्नों के उत्तर
5.5 सारांश
5.6 मुख्य शब्दावली
5.7 स्व-मूल्यांकन प्रश्न एवं अभ्यास
5.8 सहायक पाठ्य सामग्री

5.0 परिचय (Introduction)

वर्तमान काल में जोखिमों से निपटने का केवल एक ही उपाय है, बीमा। बीमा दो प्रकार का होता है पहला सामान्य बीमा एवं दूसरा जीवन बीमा। इस अध्याय में हम सामान्य बीमा के सम्बन्ध में चर्चा करेंगे। व्यापार में पूँजी लगाना एक जोखिमपूर्ण कार्य है, इसे हम सब भली भाँति जानते है। पूँजी का उपयोग व्यापार की सम्पत्तियों को क्रय करने में लगाया जाता है या ऐसा कह सकते है कि विनियोग किया जाता है। विनियोजित पूँजी भी जोखिम से भरी होती है। इस जोखिम से बचने के लिए व्यापारी अपनी सम्पत्तियों, माल एवं माल को एक स्थान से दूसरे स्थान तक ले जाने की जोखिम से बचने के लिए बीमा कराते हैं। बीमा सम्बन्धी लेखे को किस तरह से रखा जाता है एवं यह कितने प्रकार के होते हैं, इनका अध्ययन इस अध्याय में करेंगे।

बैंकिग कम्पनी का कार्य अपने ग्राहकों के जमा को स्वीकार करता है तथा आवश्यकता पडने पर ऋण की सुविधा देना है। पूर्व में केवल यदी दो कार्य होते थे। लेकिन आज के युग में लेनदेनों से सम्बन्धित सभी कार्य बैकिंग कम्पनियों द्वारा किए जाते हैं। आजकल बैंक अपने ग्राहकों के आदेशानुसार एजेण्ट सम्बन्धी कई कार्य सम्पन्न करती है। इस कार्य हेतु बैंक ग्राहकों से कमीशन लेती है। यह कमीशन बैंक की आय का साधन है। इतना ही नही बैंक अपने ग्राहकों को लॉकर सुविधा भी उपलब्ध करती है। बैंक आजकल बीमा सम्बन्धी कार्यो को भी करने लगी है।

5.1 उद्देश्य (Objectives)

इस इकाई को पढ़ने के बाद आप–

- बैंको के कार्यो एवं सेवाओं से अवगत हो पाएंगे।
- बैंको द्वारा अपनायी जाने वाली पुरजी पद्धति को उसके लाभ-हानियों के साथ समझ पाएंगे।
- बैंको के लाभ-हानि खाते तथा चिट्ठे के प्रारूप को भली भांती समझ पाएंगे।
- बीमा अनुबन्ध के प्रकार समझ पाएंगे।
- बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण अधिनियम 1999 के प्रावधानों से अवगत हो पाएंगे।
- बीमा कम्पनियों के वित्तीय विवरणों को जान पाएंगे।

5.2 बैंकिंग कम्पनियों के खाते – परिभाषा (Definition of Banking Company Accounts)

बैंकिग नियमन अधिनियम 1949 के अनूसार ''बैंकिग कम्पनी वह कम्पनी है जो भारत में बैंकिंग का कार्य करती है।''

यहाँ पर बैंकिंग का अभिप्राय है ''बैंकिंग उधार देने के लिये अथवा विनियोग करने के लिये मुद्रा में विक्षेपों का जनता से स्वीकार करना है, जो माँग पर अथवा किसी अन्य प्रकार धनादेश, विकर्ष, आदेश आदी द्वारा शोधनीय होते है।''

5.2.1 बैंको के कार्य एवं सेवाएं (Work and Services of Banks)

बैंक अपने ग्राहकों को निम्न सेवाएं प्रदान करती है–

1. ग्राहकों की जमाओं को स्वीकार करना। तथा इन जमाओं पर ब्याज प्रदान करना। यह जमा या निक्षेप बचत खाते, चालू खाते, स्थायी जमा खाते तथा अन्य प्रकार के खातों के रूप में हो सकते है।

2. ग्राहकों को ऋण सुविधा देना, बैंक का प्रमुख कार्य है। भारतीय बैंक अपने ग्राहकों को नकद साख, अधिविकर्ष, एक मुश्त गृह निर्माण या अन्य किसी कार्य हेतु ऋण प्रदान करती है। विनीमय बिलों की भी यदि ग्राहक समय अवधि से पूर्व भुनाना चाहता है तो यह सुविधा भी बैंक द्वारा दी जाती है।

3. अभिकर्ता सम्बन्धी कार्य आज के बैंको का प्रमुख कार्य हो गया है। बैंक अपने ग्राहकों को कमिशन पर कई कार्य करके देती है। जैसे ग्राहकों के आदेश पर चेक, बिल एवं प्रतिज्ञा पत्रों आदि का भुगतान प्राप्त करना, ग्राहको की ओर से ऋणों की किश्तें तथा बीमा किश्तों का भुगतान करना। इसके अलावा लाभांश, ऋण की राशि, ब्याज तथा ड्राफ्ट बनाने का कार्य भी बैंकों द्वारा किया जाता है। बैंक अपने ग्राहकों का धन एक शाखा से दुसरी शाखा में भी हस्तांतरित करता है।

4. देश के केन्द्रीय बैंक द्वारा नोट–निर्गमन का कार्य करना। पूर्व में यह कार्य सभी बैंकों द्वारा किया जाता था। लेकिन आजकल यह कार्य केवल रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया द्वारा ही किया जाता है।

5. विदेशी विनिमय के क्रय विक्रय का कार्य सभी बैंकों द्वारा किया जाता है। हालाँकी इस कार्य हेतु कई वित्तीय संस्थाए भी अपना योगदान देती है। इसी क्रम में बैंकों द्वारा साख पत्रों का भी निर्गमन किया जाता है।

6. बैंकों द्वारा अपने ग्राहकों के लिए व्यापार व व्यवसाय सम्बन्धी सूचनाओं और आंकडो को भी एकत्र किया जाता है।

बैंकों की पुस्तक में लेखांकन सम्बन्धी पुस्तके– आजकल बैंकों द्वारा ग्रीन चेनल प्रारम्भ किया गया है। साथ ही समस्त बैंकों के द्वारा अपने ग्राहकों को ऑनलाइन लेन-देन की भी सुविधा प्रदान की गई है। इस ऑनलाइन सुविधा को प्रदान करने के लिए मध्यस्थों का भी सहारा लिया जाता है, जिससे ग्राहक अपने घर बैठकर ही सारे कार्य सम्पन्न कर ले। लेकिन फिर भी बैंक में लेखे पुरजी पद्धति के अनुसार रखे जाते है। ऑनलाइन व्यवसाय होने की दशा में बैंक विवरणों के आधार पर लेखों का समाधान विवरण पत्रक बनाया जाता है। बैंक में लेखाकार्य के लिए निम्नलिखित पुस्तकें रखी जाता हैं–

1. **सामाच रोकड़ पुस्तक**– सामान्य रोकड़ पुस्तक बैंक की मुख्य रोकड़ पुस्तक होती हैं। इस पुस्तक में लेखे सेक्सनल रोकड़ पुस्तक से किए जाते हैं।

2. **सेक्सनल रोकड़ पुस्तक**– बैंक मे लेखे पुरजी पद्धति से रखे जाते हैं। अतः जिन पुरजियों का प्रयोग खिड़की पर प्राप्तियों एवं भुकदान के लिए किया जाता है, उन पुरजियों से सेक्सनल रोकड़ पुस्तक लिखि जाती है।

3. **खिड़की/काउण्टर प्रप्ति पुस्तक**– बैंक की खिड़की पर की गई प्रप्तियों के लिए काउण्टर प्रप्ति पुस्तक रखी जाती है।

4. **खिड़की/काउण्टर भुगतान पुस्तक**– बैंक की खिड़की पर से नकद भुगतान हेतु इस पुस्तक का प्रयोग किया जाता है।

5. **देय बिल पुस्तक**– एक ग्रहक के देय बिल सारे ग्राहक को भुगतान करने की प्रविष्ट के लिए इस पुस्तक का प्रयोग किया जाता है।
6. **बिल भूनाने वाली पुस्तक**– ऐसे प्राप्त बिल जिन्हें अवधी से पूर्व ग्राहक भुनाना चाहते है। उन लेन-देनों का लेखा करने के लिए इस पुस्तक का प्रयोग किया जाता है।
7. **रोकड़ बाकी पुस्तक**– इस पुस्तक का प्रयोग प्रतिदिन शेष रोकड़ हेतु किया जाता है। रोकड़ बाकी निकालने के लिए प्रतिदिन कुद्द प्रप्तियाँ और भुगतान इस पुस्तक में लिखे जाते हैं।
8. **हस्तांतरण पंजी**– एक बैंक से दूसरे बैंक का हस्तांतरित करने वाली राशि के लिए इस पुस्तक का प्रयोग किया जाता है।
9. **खातावही**– बैंक द्वारा किए जाने वाले लेनदेनों का अलग-अलग रिकार्ड रखने के लिए अलग-अलग खाते रखे जाते हैं। यह खाते बचत खाता, स्थायी निक्षेप खातावही, विनियोग खातावही तथा ऋण खातावही हो सकते हैं। इन खातावहीयों में सम्बन्धी लेनदेनों की राशियों का लेखा किया जाता है।

5.2.2 पुरजी पद्धति (Application Method)

बैंक में लेखा करने के लिए पुरजी पद्धति अपनायी जाती है। पुरजी पद्धति से आशय पुरजी द्वारा खातावहियों में लेखे रखे जाना होता है। बैंक अपने खाते दोहरा लेखा पद्धति के आधार पर रखती है। अतः बैंक मे पैसा आने पर आने तथा जाने पर जमा किया जाता है। बैंक में जब ग्राहक को पैसा जमा करना होता है, तब उसे एक पुरजी भरनी होती है। ठीक इसी तरह जब बैंक से पैसा निकाला जाता है तब भी एक पुरजी भरनी पडती है, इतना ही नही बैंक से किसी भी प्रकार के व्यवहार के लिए पुरजी का ही सहारा लिया जाता है। इस पुरजी को बैंक रिकार्ड में सुरक्षित रख लेते हैं। पुरजी से ही बैंक अपने खातावहियों में लेखे करते हैं। यह पुरजी पद्धति एक खाते से दुसरे खाते में धन स्थानांतरित करने हेतु भी प्रयोग में लाई जाती है।

पुरजी का नमुना

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया

साकेत नगर, भोपाल

दिनांक ....

आयु पटेल

नामे चालू खाता ....

जमा बचत खाता ....

₹ ....

लेखापाल के हस्ताक्षर

5.2.3 पुरजी पद्धति के लाभ (Advantages of Application Method)

1. **लिखित दस्तावेज–** पुरजी एक लिखित दस्तावेज है। जो बैंक के पास रहता है, जिससे बैंक ग्राहकों के आदेशानुसार कार्य सम्पन्न करती है।
2. **लेखे करना आसान–** लिखित आदेश होने के कारण आसानी से लेखे खातावही में लिखे जाते है।
3. **बैंक कार्यो का विभाजन आसन–** पुरजी एक बैंक कर्मी से दुसरे बैंक कर्मी के पास जाती है। जिसके कारण बैंक अपने स्टॉफ के द्वारा किए गए कार्यो का आकलन आसानी से कर सकता है।
4. **लेखों की जाँच में सुविधा–** क्युकि समस्त बैंक के व्यवहार पुरजी पद्धति से ही किए जाते हैं तो इससे बैंक मे किये कार्यो की जाँच आसानी से की जा सकती है। प्रत्येक दिन बैंक द्वारा रोकड़ का मिलान किया जाता है, किसी भी प्रकार की शंखा होने पर पुरजी से सत्यापित किया जा सकता है।
5. **अंकेक्षण कार्य में सुविधा–** प्रत्येक वित्तीय वर्ष का अंकेक्षण अनिवार्य होता है। खातावही में खतौनी करने पर यदि किसी राशि को लिखने में त्रुटि हो गई है तो उसे पुरजी से मिलाया जा सकता है। पुरजी एक लिखित दस्तावेज है इसलिए यह एक प्रमाणक के रूप में कार्य करती है।

5.2.4 पुरजी पद्धति की हानियाँ (Disadvantages of Application Method)

1. **पुरजी सम्भालने में कठिनाई–** पुरजी एक छोटी सी पर्जी होती है, उसे अधिक समय तक सम्भाल कर रखने में कठिनाई होती है।

टिप्पणी

2. **पुरजी गायब होना–** छोटी पुरजी होने के कारण, गायब होने का डर हमेशा बना रहता है। यदि पुरजी गायब हो जाती है तब वर्ष के अन्त में अंकेक्षण में भी परेशानी का सामना करना पड़ सकता है।
3. **ग्राहको को असुविधा–** बैंक में कई ग्राहक ऐसे होते है जिन्हे पुरजी भरना नही आता, उस समय वह यह देखते रहते है कि कोई उनकी पुरजी भर दे, जिसमे वह बैंक से अपना धन निकाल सके।
4. **समय की अधिकता–** आजकल बैंक के सारे कार्य ऑनलाइन हो गए है। जिससे पुरजी पद्धति लुप्त हो गई है। और समय भी अधिक लगता है।
5. **तकनीकी परिवर्तन–** निरंतर तकनीकी परिवर्तन मे पुरजी पद्धति को अपनाना मुश्किल हो गया है। एक साथ बैंक द्वारा भी दो पद्धतियाँ हो जाने से कठिनाई आ रही है।

5.2.5 लाभ-हानि खाता तथा चिट्ठे का प्रारूप (Profit and Loss Account and Letter Format)

बैंकिंग रेग्यूलेशन एक्ट के अनुसार बैंक के लाभ-हानि खाते तथा चिट्ठे का प्रारूप निम्नुसार है–

The Third Schedule
Form 'A'
From the Balance Sheet
Balance Sheet of .... (here enter name of the Banking Company)
Balance Sheet as at 31st March .... (Year)

Capital & Liabilities	**Schedule No.**	**As at 31.3 (Current year)**	**As at 31.3 (Previous year)**
Capital	1	₹	₹
Reserves & Surplus	2		
Deposits	3		
Borrowings	4		
Other Liabilities and Provisions	5		
Total			
Assets	**Schedule No.**	**As at 31.3 (Current year)**	**As at 31.3 (Previous year)**
Cash and Balance with Reserve Bank of India	6		
Balance with Banks and Money at Call and Short notice	7		

टिप्पणी

Investment	8		
Advances	9		
Fixed Assets	10		
Other Assets	11		
Total			
Contingent Liabilities Bills for Collection	12		

Schedule 1– Capital

	As at 31.3 (Current year)	**As at 31.3 (Previous year)**
1. For Nationalised Bunks Capital (Fully owned by Central Government)		
Total		
II. For Banks Incorporated Outside India Capital (i) The amount brought in by banks by way of start up capital as prescribed by RBI should be shown under this head. (ii) Amount of deposit kept with the RBI under Section 11(2) of the Banking Regulation Act, 1949.		
Total		
(iii) For Other Banks Authorised Capital (....... shares of .... ₹ each) Issued Capital (....... shares of .... ₹ each) Subscribed Capital (....... shares of .... ₹ each) Called-up Capital (....... shares of .... ₹ each)		
Less: Calls unpaid		
Add: Forfeited shares		

Disadvantages

1. **Unpredictable Expenses**– Naturally, a company that pays commissions would gladly incur high commission costs in exchange for strong revenue performance. However, the uncertainity with commission pay can lead to budget challenges, especially if you sell on account to buyers. If you pay commission shortly after the purchase but don't collect payments for an extended period, you have a luck of alignment in revenue and compensation. Some salespeople also struggle with the uncertainity of a commission plan.

2. **Overly Aggressive Sales**– The philosophical view on values of your business also dictate whether commission make sense, commission incentives sometimes motivate staff to use an overly aggressive approach Secure Business while this approach may lead to strong short-term sales results, you can also drive away prospects and customers twored off by high-pressure tactics. Some companies have a relatively small commission percentage, especially in retail environments, to balance the motivational advantages of commissions while limiting the potential for over-aggressiveness.

Schedule 2– Reserves & Surplus

		As at 31.3 (Current year)	As at 31.3 (Previous year)
I.	**Statuory Reserve Opening Balance during the year**		
	Dedications during the year		
II.	**Capital Reserves**		
	Opening Balance		
	Additions suring the year		
	Deductions during the year		
III.	**Share Premium**		
	Opening Balance		
	Additions during the year		
	Deductions dining the year		

टिप्पणी

IV. Revenue and Other Reserves		
Opening Balance		
Additions during the year		
V. Balance in Profit and Loss Account		
Total (I, II, III, IV and V)		

Schedule 3– Deposits

	As at 31.3 (Current year)	As at 31.3 (Previous year)
A. I. Demand Deposits		
(i) From banks		
(ii) From others		
II. Saving Bank Deposits		
III. Term Deposits		
(i) From banks		
(ii) From others		
Total (I, II and III)		
B. I. Deposits of branches in India		
II. Deposits of branches outside India		
Total		

Schedule 4– Borrowings

	As at 31.3 (Current year)	As at 31.3 (Previous year)
I. Borrowings in India		
(i) Reserve Bank of India		
(ii) Other Hanks		
(iii) Other Institutions and agencies		
II. Borrowings outside India		
Total (I and II)		
Secured borrowings included in I & II above		

टिप्पणी

Schedule 5– Other Liabilities & Provisions

	As at 31.3 (Current year)	As at 31.3 (Previous year)
I. Bills payable II. Inter-office adjustments (net) III. Interest accrued IV. Others (including provisions)		
Total		

Schedule 6– Cash and Balances with Reserve Bank of India

	As at 31.3 (Current year)	As at 31.3 (Previous year)
I. Cash in hand (including foreign currency notes) II. Balance with Reserve Bank of India (i) In Current Account (ii) In Other Accounts		
Total (I and II)		

Schedule 7– Balance with Banks & Money at Call & Notice ('000s Omitted)

	As at 31.3 (Current year)	As at 31.3 (Previous year)
I. In India (i) Balance with Banks (a) In Current Account (b) In Other Deposit Accounts (ii) Money at call and short notice (a) With Banks (b) With Other Institutions		
Total		

टिप्पणी

II. Outside India (i) In Current Account (ii) In Other Deposit Accounts (iii) Money at call and short notice		
Total		
Grand Total (I and II)		

Schedule 8– Investments

	As at 31.3 (Current year)	As at 31.3 (Previous year)
I. Investments in India in (i) Govt, securities (ii) Other approved securities (iii) Shares (iv) Debentures and Bonds (v) Subsidiaries and Bonds (vi) Subsidiaries and/or Joint Ventures (vii) Others (to be specified)		
Total		
II. Investments outside India in (i) Government securities (including local authorities) (ii) Subsidiaries and/or Joint Ventures abroad (iii) Other investments (to be specified)		
Total		
Grand (I and II)		

टिप्पणी

Schedule 9– Advances

			As at 31.3 (Current year)	**As at 31.3 (Previous year)**
A.	(i)	Bills purchased and discounted		
	(ii)	Cash credits, overdrafts and loans repayable on demand		
	(iii)	Term loans		
		Total		
B.	(i)	Secured by tangible assets		
	(ii)	Covered by Bank/Govt. Guarantees		
	(iii)	Unsecured		
		Total		
C.	(I)	Advances in India		
		(i) Priority Sector		
		(ii) Public Sector		
		(iii) Banks		
		(iv) Others		
		Total		
	(II)	Advances Outside India		
		(i) Due from banks		
		(ii) Due from others		
		(a) Bills purchased and discounted		
		(b) Syndicated loans		
		(c) Others		
		Total		
		Grand Total (C.I and II)		

Schedule 10– Fixed Assets

	As at 31.3 (Current year)	As at 31.3 (Previous year)
I. Premises		
At cost as on 31st March of the preceding year:		
Additions during the year		
Depreciations to date		
II. Other Fixed Assets (including Furniture and Fixtures)		
At cost as on 31st March of the preceding year:		
Additions during the year		
Deductions during the year		
Depreciations to date		
Total (I and II)		

Schedule 11– Other Assets

	As at 31.3 (Current year)	As at 31.3 (Previous year)
(i) Inter-office adjustments (net)		
(ii) Interest accrued		
(iii) Tax paid in advance/tax deducted at source		
(iv) Stationery and Stamps		
(v) Non-banking assets acquired in satisfaction of claims		
(vi) Others		
Total		

टिप्पणी

Schedule 12– Contingent Liabilities

	As at 31.3 (Current year)	As at 31.3 (Previous year)
I. Claims against the bank not acknowledge at debts		
II. Liability for partly paid investments		
III. Liability on account of outstanding forward exchange contracts		
IV. Guarantees given on behalf of constituents		
(a) In India		
(b) Outside India		
V. Acceptances, endorsements and other obligations		
VI. Other items for which the bank is contingently liable		
Total		

Form 'B'
Profit & Loss Account
(For the year ended 31st March)

	Schedule No. 1	Year ended 31.3 (Current year)	Year ended 31.3 (Previous year)
I. Income			
Interest earned	13		
Other Income	14		
Total			
II. Expenditure			
Interest expended	15		
Operating Expenses	16		
Provisions and Contingencies			
Total			
III. Profit/Loss			
Net Profit/Loss (–) for the year			

	Profit/Loss (–) brought forward		
	Total		
IV.	Appropriations		
	Transfer to statutory reserves		
	Transfer to other reserves		
	Transfer to government/ proposed dividend		
	Balance carried over to Balance Sheet		
	Total		

Notes:

1. Total income included income of foreign branches at ₹ .....
2. Total expenditure includes expenditure of foreign branches at ₹....
3. Surplus/Deficit of foreign branches at ₹...

Every banking company incorporated in India is required to create a Reserve Fund and to transfer at least 25% of its profit to the reserve fund.

Note: Students shall ensure that 25% of the profit earned during current year is transferred as statutory Reserve even if the questions is silent on the issue in the examinations questions.

Schedule 13– Interest Earned

		Year ended 31.3 (Current year)	Year ended 31.3 (Previous year)
I.	Interest/Discount on advances/bills		
II.	Income on investments		
III.	Interest on balance with Reserve Bank in India and other inter-bank funds		
IV.	Others		
	Total		

Schedule 14– Other Income

		Year ended 31.3 (Current year)	Year ended 31.3 (Previous year)
I.	Commission, exchange and brokerage		
II.	Profit on sale of investments		
	(***Less***: Loss on sale of investments)		
III.	Profit on revaluation of investments		
	(***Less***: Loss on revaluation of investments)		
IV.	Profit on sale of land, buildings and other assets)		
V.	Profit on exchange transactions		
	(***Less***: Loss on exchange transactions)		
VI.	Income earned by way of dividends, etc. from subsidiaries/companies and/or joint ventures abroad/in India		
VII.	Miscellaneous Income		
	Total		

Schedule 15– Interest Expended

		Year ended 31.3 (Current year)	Year ended 31.3 (Previous year)
I.	Interest on deposits		
II.	Interest on Reserve Bank of India/Inter-bank borrowings		
III.	Others		
	Total		

टिप्पणी

Schedule 16– Operating Expenses

	Year ended 31.3 (Current year)	Year ended 31.3 (Previous year)
I. Payments to and provisions for employees		
II. Rent, taxes and lighting		
III. Printing and stationery		
IV. Advertisement and Publicity		
V. Depreciation on bank's property		
VI. Director's fees, allowances and expenses		
VII. Auditor's fees and expenses (including branch auditors' fees and expenses)		
VIII. Law charges		
IX. Postage, Telegrams, Telephones, etc.		
X. Repairs and Maintenance		
XI. Insurance		
XII. Other expenditures		
Total		

उदाहरण– 1

आयु बैंक ऑफ भोपाल का 31 मार्च 2020 को समाप्त होने वाले वर्ष का लाभ-हानि खाता निम्न शेषों से बनाइये।

विवरण	**राशि**
स्थायी जमाओं पर ब्याज	2,75,000
ऋणों पर ब्याज	2,59,000
चुनाए गए बिलों पर असमाप्त कटौति	49,000
कमीशन प्राप्त किया	8,200
बैंक स्टॉफ का वेतन	54,000
चुनाए हुए बिलों पर कटौति	1,95,000
नकद साखों पर ब्याज	2,23,000
बचत खातों पर ब्याज	42,000
किराया और कर	18,000
अधिविकर्ष पर ब्याज	54,000

टिप्पणी

अकेंक्षणों का शुल्क	4,200
विशेष जमाओं पर ब्याज दिया	68,000
डाक व तार	1,400
स्टेशनरी व्यय	2,900
विविध व्यय	1,700

हल क्रमांक 1

Profit & Loss A/c of Aayu Bank of Bhopal

(for the year ending on 31st March 2020 (000))

Particulars	Schedule No.	Year ended 31.3.2020
I Income		
Interest earned	13	682.0
Other Income	14	8.2
Total (A)		**690.2**
II Expenditure		
Interest-expended	15	385.0
Operating Expenses	16	82.2
Provisions & Contingencies		–
Total (B)		**467.2**
III Profit & Loss		
Net Profit/Loss (–) the year (C)		223
Profit/Loss (–) brought forward		NIL
Total		**223**
IV Appropriations		
Transfer to Statutory Reserve		55.75
Balance Carried forward to B/s		167.25
Total		**223**

वैधानिक संचय में 25% स्थानांतरित किया गया है।

1. Calculation of amount transfer to statutory Reserve

$$2,23,000 \times \frac{25}{100} = 55,750$$

टिप्पणी

Schedule 13– Interest Earned

Particulars		**Year ended on 31.3.2020**
Interest/Discount on advances/bills		
Interest on Loan	2,59,000	
Interest on cash credit	2,23,000	
Interest on overdraft	54,000	
Discount	1,95,000	
	7,31,000	
Less: Rebate	49,000	6,82,000

Schedule 14– Other Income

Commission, exchange & brokerage	8,200
	8,200

Schedule 15– Interest Expended

Particulars	**Year ended on 31.3.2020**
Interest on Deposits	
Fixed	2,75,000
Saving	42,000
Special	68,000
Total	**3,85,000**

Schedule 16– Opening Expenses

Particulars	**Year ended on 31.3.2020**
Payment to Employees	54,000
Rent, Taxes & Lighting	18,000
Printing & Stationery	2,900
Auditors Fess & Expenses	4,200
Postage, Telegrams & Telephones	1,400
Other Expenses	1,700
Total	**82,200**

टिप्पणी

उदाहरण– 2

31 मार्च 2020 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए भोपाल बैंक का लाभ-हानि खाता बनाइये।

	₹
ऋणों पर ब्याज	1,80,000
नकद साख पर ब्याज	2,70,000
अधिविकर्ष पर ब्याज	80,000
कमीशन प्राप्त किया	7,000
किराया	70,000
स्थायी विक्षेपों पर ब्याज	5,50,000
चुनाये हुए बिलों पर कटौति	1,90,000
कानूनी व्यय	32,000
दलाली प्राप्त की	58,000
बचत जमा पर ब्याज	1,50,000
बीमा	34,000
छपाई व लेखन सामग्री	7,000
अंकेक्षक की फीस	4,000
संचालकों की फीस	7,000
चुनाए हुए बिलों पर असमाप्त कटौति	69,000
वेतन	99,000
डाक व्यय	2,000
विनियोगों पर ब्याज	13,00,000
रिजर्व बैंक पर बाकी का ब्याज	1,08,000

हल क्रमांक 2

Profit & Loss A/c of Bank of Bhopal
(for the year ending on 31st March, 2020)

Particulars	Schedule No.	Year ended 31.3.2020
I. Income		
Interest earned	13	2,088
Other Income	14	65
Total		**2,153**
II. Expenditure		
Interest-expended	15	700

Operating Expenses	16	255
Provisions & Contingencies		–
Total		**955**
III. Profit & Loss		
Net Profit/Loss for the year		1,198
Profit/Loss (–) brought forward		–
Total		**1,198**
IV. Appropriations		
Transfer to Statutory Reserve		299.25
Transfer to Other Reserve		–
Transfer to Govt./Proposed dividend		–
Balance Carried over to Balance Sheet		898.75
Total		**1,198**

Calculation of amount transfer to statutory Reserve

$$1,198 \times \frac{25}{100} = 299.25$$

Schedule 13– Interest Earned

	Particulars	**Year ended on 31.3.2020**
I	Interest/Discount on advanced bills	680[1]
II	Income on Investments	1,300
III	Interest on balances with RBI & other Inter-bank funds	108
IV	Others	–
		2,088

[1] 1,80,000 + 2,70,000 + 80,000 + 1,90,000 – 40,000 = 6,80,000

Schedule 14– Other Income

'000'

Particulars	**Year ended 31.3.2020**
Commission, exchange & brokerage	65
Total	**65**

टिप्पणी

Schedule 15– Interest Expended

Particulars	Year ended on 31.3.2020
Interest on Deposits	700[1]
Total	700

[1] 5,50,000 + 1,50,000 = 7,00,000

Schedule 16– Opening Expenses

‘000’

Particulars	Year ended on 31.3.2020
I Payment to and Provisions for Employees	99
II Rent, Taxes & Lighting	70
III Printing & Stationery	7
IV Director’s fees allowances & expenses	7
V Auditor’s fees & expenses	4
VI Law charges	32
VII Postage, Telegrams, Telephone etc.	2
VIII Insurance	34
Total	255

उदाहरण– 3

यश बैंक लिमिटेड का 31 मार्च, 2020 को निम्नानुसार तलपट दिया गया है–

	रुपये
अधिकृत पूँजी 100 ₹ वाले 25,000 अशों में	25,00,000
चुकता पूँजी 100 ₹ वाले 10,000 अशों में	10,00,000
स्थायी जमा	20,00,000
चुनाये हुए बिल	9,00,000
लाभ-हानि खाते का जमा शेष (1,00,000 रु. चालू वर्ष का)	1,10,000
संचित कोष	3,85,000
नकद साख एवं अंधिविकर्ष	14,00,000
स्टेशनरी	5,000
न मांगे हुये लाभांश	5,000
माँग पर देय ऋण	23,00,000
चालू जमा	25,00,000
फर्नीचर एवं फिक्सचर्स	20,000

टिप्पणी

हस्तस्थ रोकड़	2,50,000
बैंक में रोकड़	6,50,000
विनियोग (लागत पर अंशों का)	4,75,000

31 मार्च 2020 को चिट्ठे में 5,25,000 ₹ के विनियोग दिखाए गए। वैधानिक संचय में 25% स्थानांतरित कीजिए। 31 मार्च, 2020 को निर्धारित फार्म में चिट्ठा बनाइये।

हल क्रमांक 3

Balance Sheet of Yash Bank Ltd.
(as at 31st March, 2020)

(000) ₹

Capital & Liabilities	**Schedule No.**	**As at 31.03.2020**
Capital	1	1,000
Reserve & Surplus	2	545
Deposits	3	4,500
Borrowings	4	NIL
Other Liabilities & Provisions	5	5
Total		**6,050**
Assets	**Schedule No.**	**As at 31.03.2020**
Cash & balances with Reserve Bank	6	250
Balances with banks and money at call and short notice	7	650
Investments	8	525
Advances	9	4,600
Fixed Assets	10	20
Other Assets	11	5
Total		**6,050**
Contingent Liabilities	12	NIL
Bills for Collection		NIL

टिप्पणी

Schedule 1– Capital

(000) ₹

	As at 31.03.2020
Authorised Capital (25,000 shares @ ₹ 100 each)	2,500
Issued, subscribed & paid-up capital (10,000 shares @ ₹ 100 each)	1,000
Total	**1,000**

Schedule 2– Reserve & Surplus

(000) ₹

		As at 31.3.2020
I.	Statutory Reserve	25[1]
II.	Revenue & Other Reserves	385
	Investment Fluctuation Fund	50[2]
III.	Balance in Profit & Loss Account	85[3]
	Total	**545**

[1] Current year profit is given ₹ 1,00,000

$$1,00,000 \times \frac{25}{100} = 25,000$$

[2] 5,25,000 – 4,75,000 = ₹ 50,000

[3] 1,10,000 – 25,000 = ₹ 85,000

Schedule 3– Deposits

(000) ₹

		As at 31.3.2020
I.	Demand Deposits	2,500
II.	Saving Bank Deposits	NIL
III.	Term Deposits	2,000
IV.	Deposits of branches in India	NIL
V.	Deposits of branches outside India	NIL
	Total	**4,500**

टिप्पणी

Schedule 5– Other Liabilities and Provisions

(000) ₹

	As at 31.3.2020
Other (including provision)	5
	5

Schedule 6– Cash and Balances with RBI

Cash in hand	250
	250

Schedule 7– Balances with Banks & Money At Call Short Notice

	As at 31.3.2020
I. In India	
(i) Balances with banks	650
(ii) Money at call & short notice	NIL
Total	**650**
II. Outside India	NIL
Total	**650**

Schedule 8– Investment

(000) ₹

I. Investment in India	525
II. Investment Outside India	NIL
	525

Schedule 9– Advances

I. Bills purchased & discounted	900
II. Cash credit, overdraft & loans repayable on demand	3,700
III. Term Loans	NIL
Total	**4,600**

टिप्पणी

Schedule 10– Fixed Assets

(000) ₹

I. Premises	NIL
II. Other Fixed Assets	20
Total	**20**

Schedule 11– Other Assets

(000) ₹

Stationery	5
Total	**5**

उदाहरण– 4

आयु बैंक लिमिटेड का 31 मार्च, 2020 को निम्न शेषों से अन्तिम खाते तैयार कीजिए। बैंक की अधिकृत पूँजी 5,000 अंशों में विभक्त है।

Particulars	**Amount Dr.**	**Amount Cr.**
अग्रिम पर ब्याज		80,000
विनियोगों पर ब्याज		12,500
कमीशन, विनिमय एवं दलाली		20,000
विनियोगों की बिक्री पर लाभ		2,000
अन्य आयगत प्राप्तियाँ		8,000
अंश पूँजी (100 रु. वाले 2,000 अंश)		2,00,000
वैधानिक संचय		90,000
लाभ-हानि खाता		65,000
स्थायी निक्षेप		27,500
बचत निक्षेप		32,500
चालू खाते		12,500
अन्य बैंकों से ऋण		30,000
रिजर्व बैंक से ऋण		10,000
देय विल – शुद्ध		2,500
अदत्त ब्याज		7,500
रोकड़ बाकी	20,000	
अन्य बैंकों पर बाकी	40,000	
रिजर्व बैंक पर रोकड़	10,000	
सरकारी प्रतिभूतियों में विनियोग	30,000	
अन्य मान्यता प्राप्त प्रतिभूतियाँ	10,000	

टिप्पणी

क्रय किए एवं चुनाए हुए बिल	25,000	
नकद, साख, अधिविकर्ष और मांग पर प्राप्त ऋण	1,42,500	
सावधि ऋण	1,27,500	
भवन (शुद्ध)	1,37,500	
फर्नीचर	25,000	
निक्षेपों पर ब्याज भुगतान किया	12,000	
वेतन	7,500	
छपाई एवं लेखन–सामग्री	3,500	
डाक एवं तार	2,000	
मरम्मत	2,500	
अर्जित ब्याज	5,000	
योग	**6,00,000**	**6,00,000**

अतिरिक्त जानकारियाँ

(i) संग्रह के लिए विल 23,500 ₹

(ii) संदिग्ध अग्रिमों के लिए प्रावधान 38,500 रु. है।

(iii) ग्राहकों की ओर से स्वीकृतियां एवं वेचान 8,000 ₹ के हैं।

हल क्रमांक 4

Balance Sheet of Aaya Ltd.

(as at 31st March, 2014)

Capital & Liabilities	**Schedule No.**	**As at 31.03.2020**
Capital	1	2,00,000
Reserve & Surplus	2	2,11,500
Deposits	3	72,500
Borrowings	4	40,000
Other Liabilities & Provisions	5	48,500
Total		**5,72,500**
Assets	**Schedule No.**	**As at 31.03.2020**
Cash & Balances with RBI	6	30,000
Balances with banks & money at call & short notice	7	40,000
Investments	8	40,000
Advances	9	2,95,000

टिप्पणी

Fixed Assets	10	1,62,500
Other Assets	11	5,000
Total		**5,72,500**
Contingent Liabilities	12	8,000
Bills for Collection		23,500

Schedule 1– Capital

	As at 31.03.2020
Authorised Capital (5,000 shares @ ₹ 100 each)	5,00,000
Issued Capital (2,000 shares @ ₹ 100 each)	2,00,000
	2,00,000

Schedule 2– Reserve & Surplus

	As at 31.3.2020
I. Statutory Reserve	
Opening balance	90,000
Addition during the year	14,100
II. Balance in Profit & Loss Account	1,07,400
Total	**2,11,500**

Schedule 3– Deposits

			As at 31.3.2020
(A)	I.	Demand Deposits	12,500
	II.	Saving Bank Deposits	32,500
	III.	Term Deposits	
		(1) From banks	
		(2) From others	27,500
		Total	**74,500**
(B)	I.	Deposits of branches in India	–
	II.	Deposits of branches outside India	–
		Total	**74,500**

टिप्पणी

Schedule 4– Borrowing

(000)

	As at 31.3.2020
I. Borrowings in India	
(i) Reserve Bank of India	10,000
(ii) Other Banks	30,000
II. Borrowing outside India	–
	40,000

Schedule 5– Other Liabilities & Provisions

	As at 31.3.2020
I. Bills payables	2,500
II. Inter-office adjustment (Net)	–
III. Interest accrued	7,500
IV. Others	38,500
Total	**48,500**

Schedule 6– Cash & Balance with RBI

	As at 31.3.2020
I. Cash in hand (including foreign currency notes)	20,000
II. Balance with Reserve Bank of India	10,000
	30,000

Schedule 7– Balance with Banks & Money at Call & Short Notice

I. In India	
(i) Balance with Banks	40,000
(ii) money at call & short notice	–
Total	**40,000**
	NIL
Total	**40,000**

टिप्पणी

Schedule 8– Investment

		As at 31.3.2020
I.	Investments in India in	
	(i) Government Securities	30,000
	(ii) Other approved securities	10,000
	Total	**40,000**
II.	Investments outside India	NIL
	Grand Total	**40,000**

Schedule 9– Advances

		As at 31.3.2020
I.	Bills purchased & discounted	25,000
II.	Cash credits, overdrafts & loan repayable on demand	1,42,500
III.	Term Loans	1,27,500
	Total	**2,95,000**

Schedule 10– Fixed Assets

		As at 31.3.2020
I.	Premises	1,37,500
II.	Other Fixed Assets (including Furniture & Fixtures)	25,000
		1,62,500

Schedule 11– Other Assets

	As at 31.3.2020
Interest Accrued	5,000
	5,000

Schedule 12– Contingent Liabilities

	As at 31.3.2020
Acceptances, endorsement & other obligations	8,000
	8,000

Profit & Loss Account of Aayu Bank Ltd.
(for the year ended 31st March, 2020)

	Schedule No.	As at 31.3.2020
I. Income		
Interest earned	13	92,500
Other Income	14	30,000
Total		**1,22,500**
II. Expenditure		
Interest expended	15	12,000
Less: Operating expenses	16	15,500
Less: Provisions & contingencies		38,500
Total		**66,000**
III. Profit/Loss		
Net profit for the year		56,500
Profit brought forward		65,000
		1,21,500
IV. Appropriations		
Transfer to statutory reserve		14,100
Transfer to other reserve		–
Transfer to proposed dividend		–
Balance carried over to BIS		1,07,400
Total		**1,21,500**

टिप्पणी

Schedule 13– Interest Earned

	Year ended 31.3.2020
I. Interest/Discount on advances/bills	80,000
II. Income on investment	12,500
	92,500

Schedule 14– Other Income

	As at 31.3.2020
I. Commission, exchange & brokerage	20,000
II. Profit on sale of Investment	2,000
III. Miscellances Income	8,000
Total	**30,000**

Schedule 15– Interest Expended

	Year ended 31.3.2020
Interest on deposit	12,000
	12,000

Schedule 16– Operating Expenses

	Year ended 31.3.2020
I. Payments to and provisions for employees	7,500
II. Printing & stationery	3,500
III. Postage, Telegrams, Telephone etc.	2,000
IV. Repairs & Maintenance	2,500
Total	**15,500**

अपनी प्रगति जाँचिए (Check Your Progress)

1. बैंकिंग कम्पनी के अन्तिम खातों के नवीनतम प्रारुप्त में कितनी अनुसूचियाँ दी गई हैं।

   (क) 8 (ख) 10

   (ग) 12 (घ) 16

2. बैंकिंग कम्पनी अधिनियम की धारा 17 के अनुसार वैधानिक कोष की दर क्या है?

   (क) 15% (ख) 25%

   (ग) 35% (घ) 40%

3. बैंक आयकर के प्रावधान को चिट्ठे में शीर्षक के अन्तर्गत दर्शाते हैं।

   (क) संदिग्ध दायित्व (ख) अन्य दायित्व एवं प्रावधान

   (ग) उधार (घ) संचय और आधिक्य

5.3 बैंकिंग कम्पनियों के खाते – आशय (Accounts of Banking Companies – Meaning)

टिप्पणी

बीमा का उद्देश्य किसी भी व्यक्ति, फर्म या कम्पनी को भविष्य में होने वाली हानियों से बचाना होता है। जो व्यक्ति, फर्म या कम्पनी बीमा कराता है, उसे बीमा कम्पनी को एक निर्धारित राशि प्रीमियम के रूप में भुगतान करनी होती है। इसके बदले में सम्बन्धित व्यक्ति, फर्म या कम्पनी को होने पर क्षतिपूर्ति की जाती है, जिससे व्यक्ति, फर्म या कम्पनी अपने व्यवसाय को हानि होने पर भी सुचारु रूप से चला सके।

5.3.1 बीमा अनुबंध के प्रकार (Types of Insurance Contract)

मुख्यतः बीमा से प्रसंविदों को दो भागों में विभाजित किया जा सकता है–

1. **सामान्य बीमा अनुबन्ध (General Insurance Contract)**– सामान्य बीमा का आशय, व्यक्ति के जीवन बीमा के अतिरिक्त किसी भी प्रकार का हो सकता है। बीमा अधिनियम की धारा 2(6B) के अनुसार "सामान्य बीमा व्यवसाय को अग्नि बीमा, समुद्री बीमा या विविध बीमा व्यवसाय के रूप में परिभाषित किया गया है, चाहें ये अकेले चलाये जाएं या इनमें से हक से अधिक को मिलाकर चलाया जाए।" अग्नि बीमा व्यवसाय अपने स्वयं के नाम से या व्यवसाय के किसी भी माल का कराया जा सकता है। जबकि समुद्री बीमा समुद्र में जहाज द्वारा एक स्थान से दूसरे स्थान तक माल ले जाने पर किया जाता है। समुद्री जोखिम में जहाज और इसके माल के डूब जाने या जल जाने, जहाज के फंस जाने, जहाज का किसी स्थान या अन्य जहाज से भिड़न्त या जहाज को डूबने से बचाने के लिए माल को समुद्र में फेंकने इत्यादि से होने वाले नुकसान शामिल है। उपरोक्त दोनों बीमा के अतिरिक्त आजकल बीमा कम्पनियाँ कई अलग तरीके के बीते जैसे दुर्घटना बीमा, नियोक्ता को कर्मचारियों द्वारा कपट करने पर होने वाली हानि का बीमा, मोटर गाड़ियों का दुर्घटना बीमा, किसानों की फसल का बीमा, चोटी का बीमा कर्मचारी क्षतिपूर्ति के दायित्वों को पूरा करने का बीमा एवं लाभ की कर्म को पूरा करने वाला बीमा भी कराया जाता है। इस तरह के तक समस्त बीमा को सामान्य बीमा प्रसंविदे की श्रेणी में रखते हैं।

2. **जीवन बीमा अनुबन्ध (Life Insurance Contract)**– जीवन बीमा प्रसंविदा केवल मनुष्यों का किया जाता है। इस बीमा में मनुष्य के जीवन की अनुमानित अवधि का बीमा किया जाता है तथा एक निश्चित राशि प्रीमियम के रूप में वार्षिक ली जाती है। निर्धारित अवधि पूर्ण होने पर या मृत्यु होने पर जीवन बीमा को पूर्ण राशि बीमा कम्पनी द्वारा प्रदान की जाती है।

बीमा व्यवसाय वर्ष 2,000 तक पूर्णतः राष्ट्रीयकृत या एवं सामान्य बीमा तथा जीवन बीमा दोनों ही भारतीय बीमा निगम के क्षेत्राधिकार में थे। सन 1999 में एक अधिनियम बीमा नियामक एवं विकास अधिनियम के नाम से पारित हुआ। इस अधिनियम के अन्तर्गत बीमा अधिनियम, 1938 में व्यापक संशोधन करते हुए भारतीय बीमा निगम के एकाधिकार को समाप्त कर दिया गया। इस अधिनियम के अन्तर्गत इन्श्योरेन्स रेगूलेटरी एवं डेवलपमेण्ट अथॉरिटी (IRDA) ने बीमा व्यवसायोंके लेखों को अधिक सरलीकरण, स्पष्ट एवं पारदर्शिता व सूचनार्थ हेतु लेखे तैयार करने एवं उसके प्रस्तुतीकरण के सम्बन्ध में नए प्रावधान बनाए।

5.3.2 बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण अधिनियम 1999 के प्रावधान (Provisions of Insurance Regulatory and Development Authority Act, 1999)

भारत में बीमा कम्पनियों के खाते एवं वित्तीय विवरण बीमा अधिनियम 1938, जीवन बीमा निगम अधिनियम, 1956 तथा सामान्य बीमा व्यवसाय (राष्ट्रीयकरण) अधिनियम 1972 के प्रावधानों के अन्तर्गत बनाये जाते थे। वर्ष 1999 में बीमा धारकों के हितों को ध्यान में रखते हुए बीमा व्यवसाय के व्यवस्थित एवं नियमित रूप प्रदान करने के उद्देश्य से बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण अधिनियम 1999 पारित किया। इस अधिनियम में निम्न प्रावधानों को समाहित किया गया—

1. वित्तीय वर्ष के आधार पर वित्तीय विवरण तैयार किया जाए।
2. अंशधारियों एवं बीमाधारियों के कोषों के लिए पृथक-पृथक खाते रखे जाए।
3. बीमा कम्पनी अपना व्यवसाय भारत तक ही सीमित रखें।
4. बीमा कम्पनी अपने कोषों का भारत के बाहर प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से विनियोग नहीं करे।
5. अग्नि बीमा एवं समुद्री बीमा पर कमीशन की दर 15% होगी।
6. बीमा कम्पनीयों को भविष्य में सम्भावित दायित्वों के लिए आपत्ति संचय का निर्माण करना आवश्यक है।
7. आधारभूत संरचना एवं सामाजिक क्षेत्र में विनियोग करने के उद्देश्य से नियामक प्राधिकरण अधिनियम 1999 में नियामक प्राधिकरण को अधिकार होगा।

5.3.3 बीमा कम्पनियों के वित्तीय विवरण (Financial Statements of Insurance Companies)

बीमा अधिनियम में संशोधन के उपरान्त 30 मार्च 2002 को नये मार्गनिर्देश जारी किए गए। इस मार्गनिर्देशों में वित्तीय विवरणों के बनाने में सामान्य बीमा कम्पनियों द्वारा अनुसूची B की आवश्यकतों का अनुपालन सुनिश्चित करेंगे।

अनुसूची 5 भागों में विभाजित है

भाग – एक: वित्तीय विवरणों की तैयारी हेतु लेखांकन सिद्धान्त

भाग – दो: वित्तीय विवरणों का प्रकटीकरण एवं प्रस्तुती

भाग – तीन: वित्तीय विवरणों की तैयार हेतु सामान्य निर्देश

भाग – चार: प्रबन्ध रिपोर्ट की विषय सामग्री

भाग – पाँच: वित्तीय विवरणों की तैयारी का प्रारूप

5.3.4 सामान्य बीमा व्यवसाय के वित्तीय विवरण (Financial Statement of General Insurance Business)

वित्तीय विवरण के अन्तर्गत इन्शोरेंस रेगूलेटरी एवं डेवलपमेंण्ट अथॉरिटी की अनुसूची 'B' के भाग – पाँच में निम्न प्रारूप दिए गए हैं–

Form B-RA – Revenue Account आगम खाता

Form B-PL – Profit & Loss Account लाभ-हानि खाता

Form B-BS – Balance Sheet आधिक चिट्ठा एवं 15 अनुसूचियों

एक सामान्य बीमा कम्पनी कई प्रकार के बीमा कर सकती है। लेकिन विविध प्रकार के बीमा व्यवसायों के लिए पृथक-पृथक खाते रखना अनिवार्य है।

आगम खाते का प्रारूप

Form - B - RA

Name of Insurer

Registration No. & date of Registration with the IRDA

Revenue Account

(for the year ended 31st March)

Particulars	Schedule No.	Current year (₹ 000)	Previous year (₹ 000)
1. Premiums earned (Net)	1		
2. Profit/Loss on Sale/redemption of Investments			
3. Others (to be specified)			
4. Interest, Dividend & Rent Gross			
Total (A)			
1. Claims Incurred (Net)	2		
2. Commission	3		
3. Operating expenses related to insurance business	4		
Total (B)			

टिप्पणी

Operating Profit (Loss) from Fire/Marine/Miscellaneous Business C = (A – B)		–	–
Appropriations Transfer to shareholders Account Transfer to Catastrophe Reserve Transfer to other Reserves (to be specified)			
Total (C)			

5.3.5 अनुसूचियों में दर्शित मदों का आशय एवं गणना (Scale and Calculation of the Meanings Shown in the Schedules)

अनुसूची – 1. प्रीमियम – बीमा कम्पनियों की आय का प्रमुख– स्त्रोत प्रीमियम है, जो कि बीमा कम्पनियों को अपने ग्राहकों या बीमा कराने वालों से प्राप्त होती है। जब बीमा कम्पनी के पास अधिक बीमा आने लगते है, तब पुनर्बीमा का समायोजन भी इसी मद के अन्तर्गत किया जाता है। ऐसे बीमे की राशि जिसे अन्य कम्पनी से स्वीकार किया जाता हैं तब इस राशि को इसमें जोड़ा जाता है और अर्पित पुनर्बीमा पर चुकाया गया प्रीमियम इस राशि में से घटा दिया जाता है। अतः अर्जित प्रीमियम [Premium earned (Net)] की गणना इस प्रकार की जाती है–

Schedule 1– Premium Earned (NET)

Particulars	**Current year (₹ 000)**	**Previous year (₹ 000)**
Premium from direct business ***Add***: Premium on reinsurance accepted ***Less***: Premium on reinsurance ceded		
Net Premium	----------	----------
Adjustment for change in reserve for unexpired risks		
Total Premium earned (Net)		-----------

2. ब्याज लाभांश एवं किराया (Interest, Dividend & Rent)– यह मदें जिस बीमा व्यवसाय के होते है उन्ही के आगम खाते में दिखाए जाते हैं। ब्याज, लाभांश व किराये की राशि, बीमा कम्पनी को अन्य विनियोगों से प्राप्त होती है। ब्याज एवं लाभांश की सकल राशि, आगम खाते में दर्शाई जाती है।

3. दावे (Claims) Schedule - 2– जैसे बीमा व्यवसाय की आय का मुख्य स्त्रोत प्रीमियम है, वैसे ही बीमा व्यवसाय का मुख्य भुगतान क्षतिपूर्ति दावों का भुगतान

करना है। दावे की राशि का भुगतान करने पर होने वाले व्ययों को भी दावे की राशि में जोड़ा जाता है। दावे की राशि में भी पुनर्बीमा का समायोजन यथा स्थान किया जाता है। देय पुनर्बीमा दावों को जोड़ा जाता है और प्राप्त पुनर्बीमा दावों को घटाया जाता है। दावों के साथ चालू वर्ष के अन्त में अदन्त दावों को भी दावों में जोड़ का दिखाया जाता है। अतः दावे की राशि की गणना निम्नानुसार की जाती है–

Schedule 2– Claims Incurred (Net)

Particulars	**Current year (₹ 000)**	**Previous year (₹ 000)**
Claims paid		
Direct Business		
Add: Reinsurance accepted		
Less: Reinsurance ceded		
Net claims paid		
Add: Claims outstanding at the end of the year		
Less: Claims outstanding at the beginning of the year		
Total Claims Incurred		

4. **कमीशन (Commission)**– बीमा व्यवसाय अपने ग्राहकों से जुड़ने के लिए बीमा एजेण्टों को नियुक्त करता है। यह बीमा एजेण्ट व्यक्तियों से सीधा सम्पर्क कर बीमा व्यवसाय की सम्पूर्ण जानकारी प्रदान करते है। इस कार्य के लिए बीमा कम्पनियों द्वारा अपने एजेण्ट को कमीशन का भुगतान किया जाता है। कमीशन निम्न तीन प्रकार के होते है–

1. **प्रत्यक्ष व्यवसाय का कमीशन**– बीमा कम्पनियों द्वारा ऐसा कमीशन जो अपने एजेण्टों को स्वयं के व्यवसाय के लिए लाया जाता है, उस पर किया गया भुगतान प्रत्यक्ष व्यवसाय का कमीशन कहलाता है।
2. **स्वीकृत पुनर्बीमा पर कमीशन**– एक बीमा कम्पनी द्वारा, दूसरी बीमा कम्पनी से व्यवसाय प्राप्त करने पर, बीमा कम्पनी, उस दूसरी बीमा कम्पनी को जो कमीशन या राशि का भुगतान करती है उसे स्वीकृत पुनर्बीमा पर कमीशन कहते हैं।
3. **अर्पित पुनर्बीमा पर कमीशन**– जब एक बीमा कम्पनी अपने प्रत्यक्ष बीमा का कुछ भाग अन्य बीमा कम्पनियों को सौपती है तो उसे दूसरी बीमा कम्पनी से कमीशन प्राप्त होता है। अतः इन प्राप्त कमीशन को अर्पित पुनर्बीमा पर कमीशन कहते हैं।

टिप्पणी

शुद्ध कमीशन की गणना इस प्रकार की जाती है–

Schedule 3– Commission

Particulars	**Current year (₹ 000)**	**Previous year (₹ 000)**
Commission Paid		
On Direct business	----------	
Add: Reinsurance accepted	----------	
Less: Commission on reinsurance ceded	----------	
Net Commission	----------	

5. **संचालन व्यय (Operating Expenses) Schedule - 4**– किसी भी व्यवसाय को चलाने के लिए संचालन व्ययों को करना आवश्यक होता है। विना संचालन व्ययों के व्यवसाय अधिक लाभ नही दे पाएगा। यह संचालन व्यय वेतन यात्रा व्यय, किराया, कर, मरम्मत, स्टेशनरी, विज्ञापन, ब्याज, न्हास एवं अंकेक्षक शुल्क के रूप में हो सकते हैं। इन सभी व्ययों को अनुसूची क्रमांक–04 में पृथक रूप से दर्शाया जाता है। अनुसूची–4 का प्रारूप निम्नानुसार हैः–

Schedule 4– Operating Expenses Related to Insurance Business

Particulars	**Current year (₹ 000)**	**Previous year (₹ 000)**
Employee's Remuneration & Welfare Benefits		
Travel Exp. & Running Expenses		
Rents, Rates & Taxes		
Repair		
Printing & Stationery		
Communication		
Legal & Professional Charges		
Auditors Fees & Expenses		
Advertising & Publicity		
Interest & Bank Charges		
Depreciation		
Total		

5.3.6 असमाप्त जोखिम के लिए संचय (Reserve for Unexpired Risk)

बीमा व्यवसाय एक ऐसा व्यवसाय है जिसमें बीमा कम्पनियों को किसी भी तिथि पर दावे का भुगतान करना पड सकता है। सभी कम्पनीयों के लिये वित्तीय वर्ष का प्रारम्भ 1 अप्रैल को होता है और अन्त 31 मार्च को होता है, लेकिन यह बीमा कम्पनियों के लिए सम्भव नही है कि वह सभी दावों का भुगतान 31 मार्च तक सम्पन्न करदे। बीमा कम्पनी का व्यवसाय प्रतिदिन के हिसाब से होता है और एक

टिप्पणी

साल का बीमा कराया जाता है। साल के किसी भी माह में बीमा कराने पर शेष अवधि को असमाप्त जोखिम कहा जाता है क्योंकि उस शेष अवधि में किसी भी समय बीमा कम्पनियों को दावे का भुगतान करना पड़ सकता है।

बीमा नियामक विकास प्राधिकरण अधिनियम (IRDA) की धारा 64(i)(ii)(b) तथा अनुसूची 11(B) के अनुसार सामान्य बीमा व्यवसाय की दशा में असमाप्त जोखिम के लिए संचय की दरें निम्नानुसार हैं–

1. अग्नि तथा विविध बीमा व्यवसाय की दशा में – शुद्ध प्रीमियम का 50%
2. समुद्री बीमा व्यवसाय की दशा में – शुद्ध प्रीमियम का 100%

यहाँ हम बीमा व्यवसायों से सम्बन्धित कुछ उदाहरणों को समझेंगे–

उदाहरण– 1

सामान्य बीमा कम्पनी की निम्न आकडो से शुद्द प्रीमियम की राशि ज्ञात कीजिए

		₹
(i)	वर्ष में प्राप्त प्रीमियम	2,50,000
(ii)	वर्ष के अन्त में अदन्त प्रीमियम	50,000
(iii)	गत वर्ष के अन्त में अदन्त प्रीमियम	25,000
(vi)	स्वीकृत पुनर्बीमा प्रीमियम	20,000
(v)	अर्पित पुनर्बीमा प्रीमियम	8,000

हल क्रमांक 1

Schedule 1– Calculation of Premium Earned (NET)

Particulars	₹	₹
Premium Received from Direct Business		2,50,000
Add: Premium on reinsurance accepted	20,000	
Premium outstanding at the end of the year	50,000	70,000
		3,20,000
Less: Premium on reinsurance ceded	8,000	
Premium outstanding at the end of previous year	25,000	33,000
Net Premium		**2,87,000**

उदाहरण– 2

निम्नलिखित से 31 मार्च 2019 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए शुद्ध दावे की राशि की गणना कीजिए।

	₹
वर्ष में कुल भुगतान किए गए दावे	1,00,000
वर्ष के अन्त में अदत्त दावे	12,500

टिप्पणी

पिछले वर्ष के अदत्त दावे	25,000
चालू वर्ष में अन्य बीमा कम्पनियों से प्राप्त दावा राशि	22,500
सूचित किए गए दावे, लेकिन अस्वीकृत	16,500
प्रारम्भिक	5,000
अन्तिम	3,500
छावों के सम्बन्ध में कानूनी व्यय	18,000

हल क्रमांक 2

Schedule 2– Claims Incurred (NET)

Particulars	**₹**	**₹**
Claims Paid		1,00,000
Add: Legal Expenses Regarding Claim		18,000
		1,18,000
Less: Received from other insurance company	22,500	
Add: Closing balance of receivable claims	3,500	
	26,000	
Less: Opening balance of receivable claims	5,000	21,000
		97,000
Add: Claims outstanding at the end of the year	12,500	
Add: Claims intimated but not yet accepted	16,500	29,000
		1,26,000
Less: Claims outstanding at the end of the previous year		(-) 25,000
Claims Incurred (Net)		**1,01,000**

उदाहरण– 3

सेफ्टी अग्नि बीमा कम्पनी की पुस्तकों से 31 मार्च, 2019 को निम्नांकित शेष थे–

	₹
चुकाए गए दावे	2,50,000
भुगतान किया गया कमीशन	78,000
प्रबन्ध के व्यय	94,000
अप्रात्य ऋण	6,000
गत वर्ष के अदत्त दावे	2,80,000
1 अप्रैल 2018 को असमाप्त जोखिम के लिए संचय	4,25,000
प्राप्त प्रीमियम	10,50,000
1 अपैल 2018 को अतिरिक्त संचय	50,000

टिप्पणी

निम्न सूचनाएं और दी गई है–

1. असमाप्त जोखिम के लिए 50% संचय करना है।
2. वर्ष के अन्त में 1,50,000 ₹ प्रीमियम प्राप्त होने को था।
3. 31 मार्च 2019 को अदत्त दावों के राशि 2,25,000 ₹ थी।
4. अतिरिक्त संचय को पूर्ववत रखना है।
5. आपको 31 मार्च, 2019 को समाप्त होने वाले वर्ष का आगम तैयार करना है।

हल क्रमांक 3

सबसे पहले सम्बन्धित अनुसूची तैयार करेंगे। फिर आगम खाता बनाएगें।

Schedule 1– Premium Earned – Net

Particulars	Amount ₹
Premium	10,50,000
Add: Premium outstanding at the end of the year	1,50,000
Net Premium	**12,00,000**
Adjustment for charge in reserve for Unexpired Risk (6,00,000 - 4,25,000)	1,75,000
Premium Earned Net	**10,25,000**

Schedule 2 – Claims incurred – Net

Particulars	Amount ₹
Claims Paid	2,50,000
Add: Claims outstanding at the end of the year	2,25,000
	4,75,000
Less: Outstanding claim 1.4.2018	2,80,000
Total Claims incurred	**1,95,000**

Schedule 3– Commission (Net)

Particulars	Amount ₹
Commission Paid	78,000
	78,000

Schedule 4– Operating (Expenses)

Particulars	Amount ₹
Expenses of Management	94,000
Bad debts	6,000
	1,00,000

Five Insurance Revenue A/c
(for the year ending on 31st March, 2019)

	Particulars		Amount ₹
1.	Premium Earned (Net)	1	10,25,000
2.	Profit on sale of Investment		-
3.	Others		-
4.	Internet, Dividend and Rents		-
	Total (A)		**10,25,000**
1.	Claims Incurred (Net)	2	1,95,000
2.	Commission	3	78,000
3.	Operating Expenses	4	1,00,000
	Total (B)		**3,73,000**
	Operating Profit from Five Insurance C = (A) - (B)		**6,27,000**

उदाहरण– 4

31 मार्च 2019 को भोपाल सामान्य बीमा कम्पनी की पुस्तकों में निम्न शेष थे:–

पुनर्बीमा प्रीमियम भुगतान किया	2,00,000
असमाप्त जोखिम के लिए 1 अप्रैल 2018 को संचय	10,50,000
प्रबन्ध व्यय	1,25,000
प्रीमियम प्राप्त	8,20,000
कमीशन भुगतान किया प्रत्यक्ष बीमे पर	2,25,000
दावों का भुगतान किया	3,62,000
विनिमय पर हानि	13,000
अदत्त दावे 1.4.2018	1,53,000
असमाप्त जोखिम के लिए अतिरिक्त संचय 1.4.2018 को	50,000

निम्न सूचनाएं और दी गई है–

1. प्रीमियम पर 50% असमाप्त जोखिम के लिए संचय करना है।
2. अतिरिक्त संचय को 10% से बढ़ाना है।
3. वर्ष के अन्त में अदत्त प्रीमियम की राशि 1,30,000 ₹ थी।
4. वर्ष के अन्त में अदत्त दावे 2,23,000 के थे।
5. पुनर्बीमा पर अर्जित कमीशन की राशि ₹ 7,500 है।

आपको उपरोक्त सूचनाओं से आगम खाता बनाना है।

टिप्पणी

हल क्रमांक 4

Schedule 1– Premium Earned – NET

Particulars	Amount ₹
Premium Received	8,20,000
Less: Reinsurance Premium paid	2,00,000
	6,20,000
Add: Premium outstanding at the end of the year	1,30,000
	7,50,000
Adjustment for charge in Reserve for Unexpired Risks	6,00,000
Premium Earned (Net)	**13,50,000**
Reserve for Unexpired Risk	
5% of 7,50,000	3,75,000
Additional reserve (50,000 + 10% of 7,50,000	1,25,000
	5,00,000
Less: Reserve for 1st April, 2018 10,50,000	
Additional Reserve on 1.4.18 50,000	11,00,000
Difference	**6,00,000**

Schedule 2– Claims Incurred - NET

Particulars	Amount ₹
Claim paid	3,62,000
Add: Outstanding claims on 31.3.2019	2,23,000
	5,85,000
Less: Outstanding claims on 1.4.2018	1,53,000
Claim	**4,32,000**

Schedule 3– Commission

Particulars	Amount ₹
Commission	2,25,000
Less: Commission earned on reinsurance	7,500
	21,7,500

Schedule 4– Operating Expenses

Particulars	Amount ₹
Expenses of Management	1,25,000
Loss on Exchange	13,000
Total	**1,38,000**

टिप्पणी

SAFTY GENERAL INSURANCE COMPANY
Revenue Account
(for the year ending on 31st March, 2019)

	Particulars		Amount ₹
1.	Premium paid	1	13,50,000
2.	Others		-
3.	Interest & Dividend		-
	Total (A)		**13,50,000**
1.	Claims Incurred (Net)	2	4,32,000
2.	Commission	3	2,17,500
3.	Operating Expenses	4	1,38,000
	Total (B)		**7,87,500**
	Operating Profit C = (A) - (B)		**5,62,500**

उदाहरण– 5

निम्न शेष शिप्रा समुद्री बीमा कम्पनी लि. के है–

Particulars	31 March 2018	31 March 2019
प्रीमियम प्राप्त	7,50,000	9,00,000
प्रत्यक्ष व्यवसाय पर कमीशन	33,750	45,000
पुनर्बीमा स्वीकृत पर कमीशन	26,250	37,500
पुनर्बीमा अर्पित पर कमीशन	63,000	36,000
दावों का भुगतान	1,34,375	2,43,375
ऱ्हास	19,125	23,625
सम्पत्ति की विक्री पर लाभ प्राप्त हुआ	9,000	–
सम्पत्ति की विक्री पर हानि	–	3,000
अंकेक्षण शुल्क	15,000	15,000
वेतन का भुगतान किया	1,87,500	2,02,500
छपाई, डाक व्यय एवं लेखन सामग्री	69,750	86,250
कानूनी व्यय	7,500	6,000
विविध व्यय	23,250	33,750
अप्राप्य ऋण	1,125	33,300
पुनर्बीमा के अन्तर्गत दावों के सम्बन्ध में प्राप्तियाँ	15,000	30,000
पुनर्बीमा प्रीमियम	75,000	1,50,000

31 मार्च, 2017, 2018 एवं 2019 को अदत्त दावे क्रमशः 51,375, 67125 एवं 83325 के थे।

31 मार्च, 2017 को असमाप्त जोखिम के लिए संचय 480,000 ₹ था और अतिरिक्त संचय 48,000 ₹ था। 2017-2018 एवं 2018-2019 दोनों वर्षो में असमाप्त जोखिम के लिए 100% तथा अतिरिक्त संचय के लिए 10% प्रावधान करता है। 31 मार्च 2018 एवं 31 मार्च 2019 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिये शिप्रा समुद्री बीमा कम्पनी का आगम खाता बनाइयें।

हल क्रमांक 5

Schedule 1– Premium Earned (NET)

Particulars	31 March 2018	31 March 2019
Premium Received	7,50000	9,00,000
Less: Reinsurance Premium	75,000	1,50,000
	6,75,000	**7,50,000**
Adjustment for charge in Reserve for Unexpired risk (6,75,000 – 4,80,000) (7,50,000 – 6,75,000)	(1,95,000)	(75,000)
Adjustment for charge in Additional Reserve (67,500 – 48,000) (75,000 – 67,500)	(19,500)	(7,500)
	4,60,500	**6,67,500**

Schedule 2– Claims Incurred (Net)

Particulars	31 March 2018	31 March 2019
Claims paid	1,34,375	2,43,375
Less: Reinsurance Recoveries	15,000	30,000
Net Claim paid	1,19,375	2,13,375
Add: Claims outstanding at the end of the year	67,125	83,325
	1,86,500	2,96,700
Less: Claims outstanding at the beginning of the year	51,375	67,125
Total Claims	**1,35,125**	**2,29,575**

Schedule 3– Commission

Particulars	31 March 2018	31 March 2019
Commission on Direct Business	33,750	45,000
Commission on reinsurance accepted	26,250	37,500
	60,000	82,500
Less: Commissions on reinsurance ceded	63,000	36,000
Net Commission	**(3,000)**	**46,500**

Schedule 4– Operating Expenses

Particulars	31 March 2018	31 March 2019
Salary	1,87,500	2,02,500
Printing, Stationery & Postage	69,750	86,250
Legal Expenses	7,500	6,000
Audit fees	15,000	15,000
Miscellaneous Expenses	23,250	33,250
Bad debts	1,125	33,300
Depreciation	19,125	23,625
Total	**3,23,250**	**4,00,425**

Marine Insurance Revenue Account
(for the year ending on 31st March, 2019)

Particulars	S.N	31 March 2018	31 March 2019
Premium Earned	1	4,60,500	6,67,500
Profit on sale of Assets			9,000
Loss on sale of Assets		(3,000)	
Total (A)		**4,57,500**	**6,58,500**
Claims Incurred (Net)		1,35,125	2,29,575
Commission		(3,000)	46,500
Operating Expenses		3,23,250	4,00,425
Total (B)		**4,55,375**	**6,76,500**
Operating Profit C = A - B		**2,125**	**(18,000)**

उदाहरण– 6

निम्न शेषों से आपको इसको सामान्य बीमा कम्पनी का 31 मार्च, 2019 को अग्नि खाता, समुद्री बीमा आगम खाता एवं लाभ-हानि खाता बनाए।

दावों का भुगतान किया एवं अदत्त दावें–

	₹
अग्नि	5,40,000
समुद्री	11,40,000
1 अप्रैल 2018 को अतिरिक्त संचय (अग्नि)	1,50,000
सर्वेक्षण व्यय (अग्नि)	30,000

अशोध ऋण–		
	अग्नि	15,000
	समुद्री	36,000
अंकेक्षण शुल्क		3600
संचालक शुल्क		15000
अंश हस्तांतरण शुल्क		2,400
अशौध्य ऋण वसूल हुए		3,600
1 अप्रैल, 2018 को कोष–		
	अग्नि	7,50,000
	समुद्री	24,60,000
अर्पित पुनर्बीमा पर अर्जित कमीशन–		
	अग्नि	30,000
	समुद्री	60,000
ह्रास		1,05,000
ब्याज नामांश एवं किराया प्राप्त		42,000
विनिमय में अन्तर (क्रेकिट)		900
विविध प्राप्तियाँ		15,000
सम्पति के विक्रय पर लाभ		8,00,000
पुनर्बीमा का घटाकर बीमा पर लाभ–		
	अग्नि	18,00,000
	समुद्री	32,40,000
प्रबन्ध व्यय–		
	अग्नि	4,35,000
	समुद्री	12,00,000

अग्नि बीमा में अतिरिक्त संचय को 5% से बढ़ाना है। अग्नि बीमा में पुनर्बीमा प्रीमियम 4,50,000 ₹ एवं समुद्री बीमा में पुनर्बीमा प्रीमियम ₹ 9,60,000 प्राप्त हुआ है। कमीशन की दर 5% है।

हल क्रमांक 6

Schedule 1– Premium Earned (NET)

Particulars	Fire	Marine
Premium less Reinsurance	18,00,000	32,40,000
Adjustment for Reserve for Unexpired Risk		
(50% of Premium of ₹ 18,00,000 = 09,00,000 – 7,50,000)	(1,50,000)	

(100% of Premium of ₹ 32,40,000 = ₹ 32,40,000 – 24,60,000)		(7,80,000)
Adjustment for change in Additional Reserve (to be raised by 5% of Premium)	(90,000)	
Net Premium	**15,60,000**	**24,60,000**

Schedule 2– Claims Incurred (Net)

Particulars	Fire	Marine
Claims paid & outstanding	5,40,000	11,40,000
Add: Survey Expenses	30,000	
	5,70,000	**11,40,000**

Schedule 3– Commission

Particulars	Fire	Marine
Commission on Direct Business	97,500	1,74,000
Commission on reinsurance accepted	22,500	48,000
	1,20,000	2,22,000
Less: Commission on reinsurance ceded	30,000	60,000
	90,000	**1,62,000**

Note: Calculation of Commission on reinsurance accepted

1. Fire = $4,50,000 \times \frac{5}{100} = 22,500$
2. Marine = $9,60,000 \times \frac{5}{100} = 48,000$

प्रत्यक्ष व्यवसाय पर कमीशन की गणना

Particulars	Fire	Marine
Premium (as given in the question)	18,00,000	32,40,000
Add: Reinsurance Premium Paid		
Fire = $30,000 \times \frac{100}{5}$	6,00,000	
Marine = $60,000 \times \frac{100}{5}$		12,00,000
	24,00,000	44,40,000
Less: Reinsurance Premium received	4,50,000	9,60,000
	19,50,000	34,80,000
5% Commission	**97,500**	**17,40,000**

टिप्पणी

Schedule 4– Operating Expenses

Particulars	Fire	Marine
Management Expenses	4,35,000	12,00,000
Bad debts	15,000	36,000
	4,50,000	**12,36,000**

IFFCO GENERAL INSURANCE COMPANY
Fire Insurance Revenue A/c
(for the year ended 31st March, 2019)

Particulars	Schedule No.	₹
Premium Earned (Net)	1	15,60,000
Total (A)		**15,60,000**
Claims Incurred (Net)	2	5,70,000
Commission	3	90,000
Operating Expenses	4	4,50,000
Total (B)		**11,10,000**
Operating Profit C = (A – B)		**4,50,000**

Marine Insurance Revenue A/c
(for the year ending on 31st March 2019)

Particulars	Schedule No.	₹
Premium Earned (Net)	1	24,60,000
Total (A)		**24,60,000**
Claims Incurred (Net)	2	11,40,000
Commission	3	1,62,000
Operating Expenses	4	12,36,000
Total (B)		**25,38,000**
Operating Loss from Marine Insurance C = (A – B)		**(78,000)**

टिप्पणी

Profit & Loss Account
(for the year ending on 31st March, 2019)

Particulars	₹
Operating Profit & Loss	
(a) Fire	4,50,000
(b) Marine	(78,000)
Interest from Investment	
Interest, Dividend & Rent	42,000
Other Income	
Profit on sale of assets	1,80,000
Share transfer fee	2,400
Bad debts recovered	3,600
Miscellaneous Receipts	15,000
Differences in Exchange	900
Total (A)	**6,15,900**
Provisions	–
Other Expenses	
Auditors fees	3,600
Directors fees	15,000
Depreciation	1,05,000
Total (B)	**1,23,600**
Profit before Tax (A – B)	**4,92,300**

चिट्ठे की अनुसूचियों का विवरण

अनुसूची – 5 – अंशपूँजी– अनुसूची पाँच बीमा कम्पनियाँ की अंश पूँजी के विवरण हेतु होती है। इस अनुसूची पूँजी के प्रकार, सुत्रधारी कम्पनी का अंश एवं अंशों की वापसी खरीद आदि को दिखाया जाता है।

अनुसूची – 6 – संचय एवं आधिक्य– बीमा कम्पनी के विभिन्न संचयों एवं लाभ-हानि खाते के जमा शेष को इस अनुसूची में दर्शाया जाता है। यदि लाभ-हानि खाते का नामे शेष होता है तो उसे इस अनुसूची में घटाकर दिखाया जाना चाहिए। अनुसूची – 6 का ऋणात्मक शेष होने पर उसे अनुसूची – 15 में दर्शाया जाता है।

अनुसूची – 7 – उधार– इस अनुसूची में विभिन्न वित्तीय संस्थानों से लिए गए उधार एवं ऋणों को दर्शाया जाता है। ऋणों को दो भागों में विभक्त का सुरक्षित ऋण एवं असुरक्षित ऋण के रूप में प्रेषक प्रथ्क दिखाया जाता है। ऐसी राशि जिसका भुगतान 12 माह की अवधि के भीतर किया जाता है, उसे भी प्रथ्क से लिखना चाहिए।

अनुसूची – 8 – विनियोग– इस अनुसूची में विनियोग को दिखाया जाता है। विनियोग दो प्रकार के होते है, अल्पकालीन विनियोग एवं दीर्घकालीन विनियोग अल्पकालीन विनियोग 12 माह क अन्दर होते है, जबकि दीर्घकालीन विनियोग 12 माह से अधिक अवधि के लिए होते हैं। अतः दोनों प्रकार के विनियोग को अलग–अलग दिखाया जाता है।

अनुसूची – 9 – ऋण– इस अनुसूची में ऋणों को निम्न चार वर्गो मे विभाजित करके दिखाया जाता है–

(अ) सूरक्षा या प्रतिभूति के आधार पर

(ब) ऋण लेने वालों के आधार पर

(क) निष्पादन करने के आधार पर

(ड) परिपक्वता के आधार पर

अनुसूची – 10 – स्थायी सम्पति– स्थायी सम्पत्तियों के प्रारम्भिक शेष, वृद्धि या कमी तथा मूल्य ह्रास का विवरण इस अनुसूची में दर्शाया जाता है।

अनुसूची – 11 – रोकड़ एवं बैंक शेष– अनुसूची – 07 में बीमा कम्पनी के पास उपलब्ध रोकड़, बैक में उपलब्ध रोकड़ तथा माँग एवं अल्प सूचना पर राशि को दर्शाया जाता है।

अनुसूची – 12 – अग्रिम एवं अन्य सम्पत्तियाँ– अग्रिम राशि तथा अन्य सम्पत्तियों को इस अनुसूची मे दिखाया जाता है।

अनुसूची – 13 – चालू दायित्व– चालू दायित्वों के अन्तर्गत एजेन्टों के शेष, अन्य बीमा कम्पनियों को देय राशि, अग्रिम में प्राप्त प्रीमियम, विविध लेनदारों, अदत्त दावे आदि को शामिल किया जाता है।

अनुसूची – 14 – प्रावधान– इस अनुसूची में असमाप्त जोखिम के लिए संचय, करों के लिए प्रावधान, प्रस्थावित लाभांश इत्यादि को शामिल किया जाता है।

अनुसूची – 15 – विविध व्यय– इस अनुसूची में अंशों एवं ऋण-पत्रों के निर्गमन पर बट्टे की गैर-अपलिखित तथा अन्य ऐसे व्ययों को दर्शाया जाता है जिनसे भविष्य में लाभ होने की आशा होती है।

उदाहरण– 7

रॉयल सुन्दरम बीमा कम्पनी के निम्नलिखित शेषों से 31 मार्च 2019 को समाप्त होने वाले वर्ष का चिट्ठा बनाइयें।

₹

टिप्पणी

अधिकृत पूँजी 45,000 अंश प्रत्येक 100 ₹ का	45,00,000
प्रार्थित एवं पूर्णदत्त पूँजी	12,00,000
सामान्य संचय	30,000
असमाप्त जोखिम के लिए संचय–	
अग्नि बीमा	3,45,000
समुद्री बीमा	2,25,000
विविध बीमा	1,80,000
अन्य बीमाकर्ताओं को देय राशि	4,20,000
विविध लेनदार	4,50,000
अदत्त दावे	3,90,000
फर्नीचर	1,20,000
लाभ-हानि खाते का क्रेडिट शेष	28,500
एजेन्टो के शेष	48,000
अदत्त प्रीमियम	4,57,500
अर्जित ब्याज जों देय नही हुई	3,000
अन्य बीमाकर्ताओं से प्राप्त राशि	11,25,000
विविध देनदार	7,500
रोकड़ एवं बैंक शेष	3,60,000
मोटर कार	37,500

बीमा कम्पनी ने 5,25,000 ₹ के अंकित मूल्य के 10% भारत सरकार ऋण, जिसका मूल्यांकन 4,80,000 ₹ पर हुआ को रिजर्व बैंक के पास जमा कर दिया और हाथ में 2,70,000 ₹ को मूल्यांकित पूर्वाधिकार अंश तथा 5,10,000 ₹ को मूल्य अन्य कम्पनियों के अंश हैं।

हल क्रमांक 7

Schedule 5– Shares Capital

Particulars	₹ '000'
Authorised Capital- 45,000 shares of ₹ 100 each	45,000
Subscribes & Paid-up Capital : 12,000 shares of ₹ 100 each	**1,200**

Schedule 6– Reserves & Surplus

Particulars	₹ '000'
General Reserve	30
Balance of Profit & Loss Account	28.5
	58.5

टिप्पणी

Schedule 7– Investment

Particulars	₹ '000'
10% Govt. of India Loan	480
Pref. Shares of Companies	270
Equity shares of Companies	510
	1,260

Schedule 10– Fixed Assets

Particulars	₹ '000'
Furniture	120
Motor car	37.5
	157.5

Schedule 11– Cash & Balances

Particulars	₹ '000'
Cash & Bank Balance	360

Schedule 12– Advances & Other Assets

Particulars	₹ '000'
Outstanding Premium	457.5
Agents Balance	48
Interest accured but not due	3
Debtors	7.5
Amount due from other insurers	1,125
	1,641

Schedule 13– Current Liabilities

Particulars	₹ '000'
Sundry creditors	450
Outstanding Claims	390
Amount due from other insurers	420
	1,260

Schedule 14– Provisions

Particulars	Amount (₹)
Reserve for Unexpired Risks – Fire	345
– Marine	225
– Miscellaneous	180
	750

टिप्पणी

Balance Sheet
(as on 31st March, 2019)

(000)

Particulars	Schedule No	Amount (₹)	Amount (₹)
Sources of Funds			
Share Capital	5		1,200
Reserve & Surplus	6		58.5
Borrowings	7		-
Total			1,258.5
Application of Funds			
Investment	8		1,260
Loan	9		-
Fixed Assets	10		157.5
Current Assets	11		360
Advances & other assets	12		1,641
Sub total (A)			**3,418.5**
Current Liabilities	13		1,260
Provisions	14		750
Sub total (B)			**2,010**

अपनी प्रगति जाँचिए (Check Your Progress)

4. सामान्य बीमा में शामिल होता है:
   (क) अग्नि बीमा (ख) समुद्री बीमा
   (ग) दुर्घटना बीमा (घ) ये सभी
5. बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण अधिनियम पारित किया गया था:
   (क) 1999 में (ख) 2003 में
   (ग) 2004 में (घ) 2005 में
6. असमाप्त जोखिम के लिए संचय को कहां दर्शाया जाता है:
   (क) आगम खाते में (ख) अनुसूची में
   (ग) लाभ-हानि खाते में (घ) इनमें से किसी में नहीं

7. यदि प्रश्न में कुछ न कहा गया हो तो समुद्री बीमा में असमाप्त जोखिम के लिए संचय की क्या प्रतिशत रखी जाती है

   (क) 40% (ख) 80%

   (ग) 60% (घ) 100%

8. यदि कुछ न दिया गया हो तो सामान्य बीमा जोखिम के लिए संचय की क्या दर रखी जाती है:

   (क) Nil (ख) 10%

   (ग) 20% (घ) 25%

9. अर्पित पुनर्बीमा पर कमीशन होता है:

   (क) एक व्यय (ख) एक आय

   (ग) एक सम्पत्ति (घ) एक दायित्व

10. बीमा आगम खाते के लिए कमीशन के विवरण को अनुसूची________ में दर्शाया जाता

    (क) 1 (ख) 2

    (ग) 3 (घ) 4

5.4 अपनी प्रगति जाँचिए प्रश्नों के उत्तर (Answers to Check Your Progress)

1. (घ)
2. (ख)
3. (ख)
4. (घ)
5. (क)
6. (क)
7. (घ)
8. (क)
9. (ख)
10. (ग)

टिप्पणी

5.5 सारांश (Summary)

बैंक अपने ग्राहको के लिए कई प्रकार के कार्य करती है। बैंकिंग कम्पनी का कार्य केवल जमाओं को स्वीकार करना तथा ऋण प्रदान करना ही नहीं है। बैंक अपने ग्राहकों के अभिकर्ता सम्बन्धी कार्यो को कमीशन पर करती है। बैंकिंग कम्पनी के आय का स्त्रोत मुख्य रूप से ब्याज, कमीशन तथा किराया है। इसी तरह बैंकिंग कम्पनी अपने संचालन व्ययों के भुगतान के साथ-साथ ग्राहकों की जमा राशि पर ब्याज देती है।

बीमा कम्पनियों का निर्माण ग्राहकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए किया गया है। बीमा कम्पनियाँ अपने ग्राहकों के लिए जीवन बीमा तथा सामान्य बीमा करती है। जीवन बीमा ग्राहकों के जीवन हेतु किया जाता है, जबकि सामान्य बीमा ग्राहकों की वस्तुओं को होने वाली हानियों की पूर्ति हेतु किया जाता है। इस इकाई में हमने सामान्य बीमा खातों का अध्ययन किया है। बैंकिंग एवं बीमा दोनों की कम्पनियों द्वारा लाभ-हानि खाता तथा चिट्ठा बनाया जाता है। दोनों कम्पनियों की अनुसूचियों का अध्ययन हमने प्रथ्क–प्रथ्क किया है।

5.6 मुख्य शब्दावली (Key Terminology)

- **जमाओं का स्वीकारना**: ग्राहकों का धन जमा करना।
- **अधिविकर्ष**: अपने जमा धन से अधिक राशि निकालना।
- **अभिकर्ता सम्बन्धी सेवाएं**: ग्राहकों के आदेशानुसार कमीशन पर कार्य करना।
- **पुरजी पद्धति**: बैंक द्वारा अपनायी जाने वाली प्रणाली।
- **जीवन बीमा**: जो मानव के जीवन पर हो।
- **सामान्य बीमा**: मनुष्यों के द्वारा प्रयोग की जाने वाली संम्पत्तियाँ या अन्य वस्तुएं।

5.7 स्व-मूल्यांकन प्रश्न एवं अभ्यास (Self Assessment Question and Exercises)

सैद्धान्तिक प्रश्न (Theoretical Questions)

1. बैंक के निक्षेप कितने प्रकार के होते है?
2. बैंकिंग कम्पनी की सूची क्रमांक 9 को बनाइये।
3. बैंक की पूँजी सरंचना को समझाइए।
4. बैंक पुस्तपालन में पुरजी पद्धति को विस्तार से समझाइए।

5. नकद साख पर टिप्पणी लिखिए।
6. प्रीमियम की अनुसूची 1 का नमूना दीजिए।
7. असमाप्त जोखिम के लिए संचय से क्या आशय है?
8. पुनर्बीमा व्यवसाय अर्पित तथा स्वीकृति से क्या आशय है?
9. असमाप्त जोखिम के लिए संचय को आगम खाते तथा चिट्ठे में किस प्रकार दर्शाया जाता है?
10. दावों के सम्बन्ध में अनुसूची 2 का नमूना दीजिए।
11. बीमा व्यवसाय में कमीशन के सम्बन्ध में अनुसमची का 3 का नमूना दीजिए।
12. निर्देशों के अनुसार बीमा के आगम खाते का नमूना दीजिए।
13. असमाप्त जोखिम के लिए संचय की गणना क्यों और किस प्रकार की जाती है?
14. सामान्य बीमा कम्पनी के चिट्ठे में दर्शायी जाने वाली विभिन्न सूचियों कों क्रमानुसार लिखिए।
15. प्रीमियम की कमी में बोनस से क्या आशय है?

क्रियात्मक प्रश्न (Practical Questions)

1. 31 मार्च 2019 को बैंक की पुस्तकों में अन्य शेषों के साथ निम्नलिखित शेष भी शामिल थे

प्राप्त छूट या कटौती	4,00,000
असमाप्त कटौती	35,000
भुनाये गए विपत्र	30,00,000

1 अप्रैल 2019 से 15 मई 2019 तक की अवधि के लिए असमाप्त कटौती का योग 70,000 ₹ है। 2018–19 वर्ष के लिए कटौती शीर्षक के अन्तर्गत उपार्जित राशि की गणना कीजिए जो कि बैंक के लाभ-हानि खाते में क्रेडिट की जानी हैं।

2. अर्जित ब्याज 20,00,000 ₹ चुकाया गया ब्याज 7,00,000 ₹ संचालन व्यय 1,37,500 ₹ गत वर्ष के लाभ-हानि खातो का शेष 3,50,000 ₹ गणना कीजिए।

   1. वैधानिक संचय की राशि

   2. चिट्ठे को हस्तांतरित लाभ

3. 31 मार्च 2019 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए यश बैंक लि. का निम्नलिखित सूचना से लाभ-हानि खाता बनाइये

अर्जित ब्याज 15,150 ₹ अन्य आय 515 ₹ व्यय किया गया ब्याज 3,25,000 ₹ संचालन व्यय 3,700 ₹

टिप्पणी

4. एक अनुसूचित बैंक के 31 मार्च 2019 को समाप्त होने वाले वर्ष के आय तथा व्यय से सम्बन्धित विवरण कंपनियों के लाभालाभ खाते के प्रारूप में बनाने हेतु अनुसूची 13,14,15,16 प्रदर्शित कीजिए।

आय

अग्रिम नकद साख एवं अधिविकर्ष पर ब्याज	52,500
विपत्रों पर बट्टा	2,150
रिजर्व बैंक तथा अन्य बैंको के पास जमा राशि पर ब्याज	8,100
विनियोगों पर आय	27,150
कमीशन, दलाली तथा विनिमय	6,225
विनियोगों के विक्रय पर लाभ	471
विनियोगों के विक्रय पर हानि	252
विदेशी विनिमय व्यवहारों पर लाभ	895
भूमि, भवन एवं सम्पत्तियों के विक्रय पर लाभ	312

व्यय

जमा खातों पर ब्याज	1,815
रिजर्व बैंक को देय ब्याज	222
कार्यकारी व्यय	165
प्रावधान एवं सम्भावित दायित्वों की व्यवस्था	190

5. निम्नांकित शेष एच.डी.एफ.सीफ बैंक लि. के खातों से प्राप्त हुए हैं। आपको 31 मार्च 2019 को समाप्त होने वाली वर्ष का लाभ निर्धारित प्रारूप एवं संलग्न विवरण सहित तैयार करना है। आवश्यक टिप्पणियां भी दीजिए।

ऋण पर ब्याज	5,25,000
स्थायी जमाओं पर ब्याज	6,15,000
कमीशन प्राप्त	22,900
वेतन तथा भत्ते	1,49,000
भुनाये हुए बिलों पर बट्टा	2,50,000
नकद साख पर प्राप्त ब्याज	3,15,000
चालू खातों पर प्राप्त ब्याज	1,97,500
किराया व कर	25,000

टिप्पणी

अधिविकर्षो पर ब्याज	2,82,500
संचालकों का शुल्क	6,150
अंकेक्षकों का शुल्क	5,750
बचत खातों पर ब्याज	2,22,500
डाक एवं तार	2,250
छपाई एवं स्टेशनरी	5,500
लॉकरों का किराया	32,250
स्थानान्तरण शुल्क	1,250
बैंक की सम्पत्तियों पर ह्रास	23,250
विविध आय एवं वसूली	5,900

अन्य सूचनायें निम्नानुसार हैं।

(अ) भुनाये हुए बिलो पर कटौती	34,150
(ब) डूबत ऋण	7,050
आय कर के लिए प्रावधान	65,000

6. निम्नांकित सूचनाओं से भोपाल बैंक लि. का लाभ-हानि लेखा 31 मार्च 2019 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए बनाइए। प्रतिभूतियों पर हानि के लिए प्रावधान 50,000 ₹ करों के लिए प्रावधान 1,20,000 और अशोध्य ऋणों के लिए प्रावधान 60,000 ₹ कीजिए।

भुनाए हुए बिलों पर असमाप्त कटौती 31,100 ₹ है।

ब्याज प्राप्त किया	1,00,200
निक्षेपों पर ब्याज	70,000
कमीशन प्राप्त किया	20,000
दलाली क्रेडिट	5,000
ऋणों पर दिया गया ब्याज	20,000
कर्मचारियों का वेतन	8,000
कर्मचारियों को दिया गया ब्याज	4,800
किराया	2,000
रोशनी आदि	8,000
कटौती	5,000
किराया क्रेडिट	7,500
बीमा	4,000

कानूनी व्यय	2,000
अंकेक्षण फीस	40,000
विविध प्राप्तियां	2,000
बैंक सम्पत्ति पर ऱ्हास	2,000
सरकारी प्रभुतियां की बिक्रि से हानि	55,000
विविध व्यय	21,000
कर	22,000

7. 11 मार्च 2019 कारपोरेशन बैंक के तलपट से सम्बन्धित कुछ मदें निम्न प्रकार हैं:

ऋण एवं अग्रिम	60,00,000
चालू खाते	70,00,000

निम्नांकित सूचनाएं और दी गई हैं:

(अ) एक ग्राहक जिसको 15,00,000 ₹ अग्रिम के रूप में दिए गए थे, दिवालिया हो गया है और यह आशा की जाती है कि उसकी रिसायत से 50 ही प्राप्त हो सकेगा।

(ब) अन्य ऋण भी थे जिनके लिए 1,87,500 ₹ की व्यवस्था करना अंकेक्षकों ने आवश्यक समझा।

(स) 31 मार्च 2018 को भुनाये हुए बिलों पर असमाप्त कटौती 27,500 थी। 31 मार्च 2019 को भुनाये हुए बिलों पर असमाप्त कटौती 32,500 ₹ थी।

(द) आय कर के 8,12,500 ₹ का प्रावधान कीजिए।

(घ) सभी प्रारंभिक व्ययों के आधे अपलिखित कीजिए। विधान के अनुसार लाभ-हानि खाता बनाइए।

ऋणों पर ब्याज	30,000
स्थायी निक्षेप पर ब्याज	3,75,000
कमीशन	1,000
विनिमय और ब्रोकरेज	2,000
वेतन और भत्ते	15,000
बिलों पर कटौती	15,200
नकद साख पर ब्याज	24,000
चालू खातें में अस्थायी अधिविकर्ष पर ब्याज	3,000
सेविंग बैंक निक्षेप पर ब्याज	8,700

डाक, तार और टिकट	10,000
छपाई एवं लेखन सामग्री	20,000
विविध व्यय	10,000
किराया	15,000
कर और लाइसेंस	10,000
अंकेक्षण शुल्क	10,000

अतिरिक्त सूचनाएं–

(i)	भुनाये हुए बिलों पर कटौती	30,000
(ii)	प्रबन्ध संचालक को वेतन	30,000
(iii)	अप्राप्य ऋण	40,000

(iv) आय कर के लिए 55 की दर से प्रावधान कीजिए।

(v) संदिग्ध ऋणों पर 4,000 ₹ के ब्याज को भूल से ऋण खाते के ब्याज के क्रेडिट कर दिया गया।

8. निम्नलिखित से शुद्ध प्रीमियम की राशि की गणना कीजिए:

वर्ष में प्राप्त प्रीमियम 3,75,000 ₹ वर्ष के अन्त में अदत्त प्रीमियम 37,500 ₹ स्वीकृत पुनर्बीमा 25,000 ₹ अर्पित पुनर्बीमा प्रीमियम 20,000

9. निम्नलिखित के सम्बन्ध में 31 मार्च 2019 को प्रीमियम के सम्बन्ध में अनुसूची 1 तैयार कीजिए:

प्रीमियम 12,25000 ₹ अर्पित पुनर्बीमा प्रीमियम 1,00,000 ₹ असमाप्त जोखिम के लिए संचय 5,00,000 ₹ असमाप्त जोखिम के लिए संचय 50 किया जाता है।

10. निम्न से सामान्य बीमा व्यवसाय के सम्बन्ध में अनुसूची 2 तैयार कीजिए–

वर्ष मे भुगतान किये दावे	2,00,000
अदत्त दावे	10,000
अदत्त दावे	30,000
अन्य बीमा कम्पनियों से प्राप्त दावे	20,000
प्राप्त दावे–	
31 मार्च 2018	2,000
31 मार्च 2019	5,000

टिप्पणी

11. निम्न सूचनाओं से बीमा कम्पनियों का आगम खाता तैयार कीजिए–

अर्जित प्रीमियम–शुद्ध	20,00,000
दावों का भुगतान–शुद्ध	10,00,000
कमीशन	4,00,000
बीमा व्यवसाय से सम्बन्धित परिचालन व्यय	5,00,000
असमाप्त जोखिम के लिए संचय	10,00,000

31.3.2019 को असमाप्त जोखिम के लिए संचय शुद्ध प्रीमियम का 50%

12. निम्न विवरण से समुद्री बीमा का आगम खाता बनाइए। असमाप्त जोखिम के लिए संचय शुद्ध प्रीमियम का 100% है।

मूल पॉलिसियों पर प्रीमियम	30,00,000
पुनर्बीमा प्रीमियम का भुगतान	4,00,000
पुनर्बीमा प्रीमियम का प्राप्त	1,50,000
दावे	5,00,000
कमीशन	20,00,000
प्रबन्ध व्यय	4,00,000

13. निम्नलिखित सूचना से बीमा कम्पनी का चिट्ठा बनाइए–

अंश पूँजी 10,00,000 ₹ चालू सम्पत्तियां 8,00,000 ₹ चालू दायित्व 5,00,000 ₹ स्थायी सम्पत्तियां 7,00,000

14. जनरल बीमा लि. की पुस्तकों से व्यक्तिगत दुर्घटना बीमा के सम्बन्ध में 31 मार्च 2014 को समाप्त होने वाली वर्ष के लिए खाता बनाइए–

असमाप्त जोखिम के लिए संचय 1.0.2018	40,000
अदत्त दावों के सम्बन्ध में दायित्व	
असमाप्त जोखिम के लिए संचय 1.0.2018	40,000
अदत्त दावों के सम्बन्ध में दायित्व	
1.4.2018	10,000
31.3.2019	15,000
दावों के सम्बन्ध में मेडिकल व्यय	500
दावे भुगतान किये	35,000
पुनर्बीमा प्रीमियम	2,250
पुनर्बीमा में प्राप्त दावे	750
प्रीमियम	90,000
प्रत्यक्ष व्यवसाय पर कमीशन	12,500
अर्पित पुर्नबीमा पर कमीशन दिया	1,500
स्वीकृत पुनर्बीमा पर कमीशन दिया	500
प्रबन्ध व्यय	27,500

टिप्पणी

ब्याज और लाभांश कर घटाकर	4,000
दावों के सम्बन्ध में कानूनी व्यय	750
विनियोग की बिक्रि पर लाभ	875
अतिरिक्त संचय	30,000

31.3.2019 को समाप्त जोखिम के लिए शुद्ध प्रीमियम पर 50% संचय कीजिए और अतिरिक्त संचय के प्रारम्भिक शेष के लिए शुद्ध प्रीमियम का 10% अतिरिक्त संचय आयोजित कीजिए।

15. निम्नांकित विवरण से अग्नि बीमा आगम खाता 31 मार्च 2019 को समाप्त होने वाली वर्ष के लिए बनाइए—

दावों का भुगतान किया	2,40,000
प्रीमियम प्राप्त किया	6,00,000
पुनर्बीमा प्रीमियम	60,000
कमीशन	1,00,000
प्रबन्ध व्यय	1,50,000
असमाप्त जोखिम के लिए प्रावधान 1.4.20	2,60,000
अदत्त दावे 31.3.2019	20,000

वर्ष के अन्त में शुद्ध प्रीमियम का 50 असमाप्त जोखिम के लिए व्यवस्था कीजिए।

16. 31 मार्च 2019 को महेन्द्र जनरल इन्श्योरेंस कम्पनी लि. की पुस्तकों से अग्नि बीमा व्यापार के सम्बन्ध में निम्न विवरण प्राप्त हुआ—

असमाप्त जोखिम के लिए संचय 31.3.2018	3,86,000
अतिरिक्त संचय 31.3.2018	1,55,000
दावे चुकाये	3,52,000
अदत्त दावों के सम्बन्ध में अनुमानित दायित्व—	
1 मार्च 2018	38,500
31 मार्च 2019	44,000
प्रबन्ध व्यय	1,43,000
कमीशन	82,500
विनियोग के विक्रय से लाभ	6,600
प्रीमियम	6,16,000
डूबत ऋण	16,600
पुनर्बीमा का प्रीमियम	44,000
पुनर्बीमा से वसूली	27,500
ब्याज, लाभांश एवं किराया	39,600
उपरोक्त पर आय कर	4,950

टिप्पणी

31.3.2019 को कम्पनी का अग्नि बीमा खाता बनाइए। असमाप्त जोखिम के लिए नियमानुसार संचय कीजिए, तथा अतिरिक्त संयच को अपरिवर्तित रखिए।

17. निम्नांकित विवरण से शरद बीमा लि. का 31 मार्च 2014 को समाप्त होने वाली वर्ष के लिए अग्नि आगम खाता बनाइए–

असमाप्त जोखिम के लिए संचय 1.0.2018	70,000
अन्य दायित्व के लिए दावे	
1.4.2019 पर	20,000
31.3.2019 पर	15,000
प्रीमियम प्राप्त किया	2,60,000
दावे भुगतान किए	90,000
पुनर्बीमा प्रीमियम भुगतान किया	1,20,000
प्रबन्ध व्यय	1,20,000
ब्याज और लाभांश कर घटाकर	18,000
दावों के सम्बन्ध में कानूनी व्यय	6,000
प्रत्यक्ष व्यवसाय पर कमीशन	61,000
अर्पित पुर्नबीमा पर कमीशन मिला	2,000
स्वीकृत पुर्नबीमा पर कमीशन दिया	1,000

असमाप्त जोखिम के लिए शुद्ध प्रीमियम का 50 संचय 31.3.2019 को कीजिए

18. निम्नलिखित विवरण से आप 31 मार्च 2019 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिए अग्नि बीमा अगम खाता तैयार कीजिए।

दावों का भुगतान किया	2,40,000
अदत्त दावे 1.4.2019	20,000
31.3.2019 को सूचित दावे, लेकिन स्वीकृत नहीं	5,000
31.3.2019 को सूचित दावे, लेकिन चुकता नहीं	30,000
प्रीमियम प्राप्त किया	6,00,000
पुनर्बीमा प्रीमियम	60,000
कमीशन	1,00,000
अर्पित पुर्नबीमा पर कमीशन मिला	50,000
स्वीकृत पुर्नबीमा पर कमीशन दिया	25,000
प्रबन्ध के व्यय	10,25,000
असमाप्त जोखिम के लिए संचय 1.4.2018 को	2,00,000
असमाप्त जोखिम के अतिरिक्त संचय 1.4.2018 को	10,000
प्रीमियम को घटाने वाला बोनस	6,000

असमाप्त जोखिम के अतिरिक्त संचय की व्यवस्था प्रारम्भिक शेष के अलावा शुद्ध प्रीमियम के 1 बराबर कीजिए।

टिप्पणी

19. निम्नांकित सूचना से शरद बीमा लि. का अग्नि खाता 31 मार्च 2019 को समाप्त होने वाली वर्ष के लिए बनाइए:

अग्नि 1.4.2019	14,500
वर्ष में दावे भुगतान किए	10,000
अदत्त दावे–	
1.4.2018 को	16,000
31.3.2019 को	15,500
पुनर्बीमा पर दावे वसूल किए	14,500
वर्ष में प्रीमियम प्राप्त किया	6,00,000
पुनर्बीमा पर प्रीमियम दिया	13,500
अदत्त प्रीमियम–	
1.4.2019 को	2,000
31.3.2019 को	500
प्रबन्ध व्यय	11,000
पुर्नबीमा प्रीमियम भुगतान किया	30,000
प्रबन्ध व्यय	30,000
ब्याज और लाभांश कर घटाकर	4,500
दावों के सम्बन्ध में कानूनी व्यय	1,500
प्रत्यक्ष व्यवसाय पर कमीशन	15,250
अर्पित पुर्नबीमा पर कमीशन मिला	500
स्वीकृत पुर्नबीमा पर कमीशन दिया	250

असमाप्त जोखिम के लिए शुद्ध प्रीमियम का 50 संचय 31.3.2019 को कीजिए।

5.8 सहायक पाठ्य सामग्री (Suggested Readings)

1. अग्रवाल महेश, निगमीय लेखे, रामप्रसाद एण्ड सन्स, भोपाल।
2. शर्मा, शाह, मंगल अग्रवाल, जैन, आर.बी.डी. पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली (जयपुर)।
3. Sharda Gagwar, Himalaya Publishing House Pvt. Ltd, Mumbai.
4. Mangal Ramesh, Company Accounts, Universal Publication, Aagra.

टिप्पणी

5. Gupta R.L. Radhaswamy M., Company Accounts, Sultan Chand and Sons, New Delhi.
6. Maheshwari S.N., Corporate Accounting, Vikas Publishing House, New Delhi.
7. Modi, Oswal and S.K. Khatik, Corporate Accounting in Hindi and English (both), College Book House, Jaipur.
8. Mehta, Brahmbhatt, Corporate Accounting, Devi Ahilya Prakashan, Indore.
9. Jain and Narang, Kalyani Publishers, New Delhi.
10. Shukla S.M., Sahitya Bhavan Publication, Aagra.